

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 23] नई दिल्ली, शनिवार, जून 8, 1985 (ज्येष्ठ 18, 1907)
No. 23] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 8, 1985 (JYAISTHA 18, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate page is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महासूचनायक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Controller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 11 अप्रैल 1985

सं० ए०-38012/5/84-प्रशा०-I—इस कार्यालय की सभ मन्थन अधिसूचना दिनांक 28 फरवरी 1985 के अधिक्रमण में राष्ट्रपति, के० मि० मे० (पेंशन) नियमावली, 1972 के नियम 48(1) (क) की शर्तों के अनुसार संघ लोक सेवा आयोग कार्यालय के० मि० मे० के स्थायी ग्रेड -I अधिकारी और स्थानापन्न उप सचिव श्री एम० ए० गणपति राम को उनके अपने अनुरोध पर 28 फरवरी 1985 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की सहर्ष अनुमति प्रदान करते हैं।

एम० पी० जैन

अवर सचिव (प्रशा०)

संघ लोक सेवा आयोग

30 अप्रैल 1985 के अपराह्न में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 18 मई 1985

सं० एम-10/73-प्रशा०-5—केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस उपाधीक्षक श्री एम० आर० जयसवाल की सेवाएं दिनांक 30 अप्रैल, 1985 के अपराह्न से तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग, नई दिल्ली को, प्रतिनियुक्ति पर उन्हें उप-निर्देशक वेतन एवं लेखा (मनकंसा) के रूप में नियुक्त करने के लिए मौपी जाती है।

केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला

सं० 1-16/84-सी० एफ० एम० एन०/3976—इसी सभ संख्या के इस कार्यालय अधिसूचना तारीख 30 अगस्त, 1984 का प्रसंग जारी रखते हुए, राष्ट्रपति, केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, (झूठ अभिज्ञापक खण्ड), नई दिल्ली से 1500-60-1800-100-2000 रुपए के वेतनमान पर दिनांक 22-2-85 से प्रधान वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर आगे 6 माह की अवधि या पद के

कार्मिक और शिक्षण विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 16 मई 1985

सं० के-5/70-प्रशा०-5—निवर्तन होने पर, श्री के० रहमान, लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक

स्थायी रूप से भरने तक, जो भी पहले हो, स्थापना होने की नियुक्ति करते हैं।

आर० एम० नामपाल
प्रशासनिक अधिकारी (ई)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली

कामिक और प्रशिक्षण, प्रशासनिक सुधार तथा

लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय,

कामिक और प्रशिक्षण विभाग

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी

मसूरी, दिनांक 20 मई 1985

सं० 3/9/84-स्थापना—श्री एस० एन० त्रिपाठी, स्थाई वरिष्ठ आशुसिपिक, जो इस समय तदर्थ रूप से निदेशक के निजी सचिव के पद पर, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी में कार्य कर रहे हैं, की नियुक्ति नियमित रूप से निदेशक के निजी सचिव (ग्रुप बी राजपत्रित) वेतनमान रु० 650-30-740-35-880-ई० बी०-40-960 के पद पर, दिनांक 11-9-84 से अगले आदेश मिलने तक की गई है।

एस० के० मेन
उप निदेशक (वरिष्ठ)

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय के० रि० पु० बल

नई दिल्ली, दिनांक 8 मई 1985

सं० ओ० दो०-1813/83-स्था० (के० रि० पु० बल)--पंजाब राज्यपाल के सलाहकार के रूप में उनकी नियुक्ति होने के फलस्वरूप श्री शिव स्वरूप, भा० पु० से० (उ० प्र०-1951) ने महानिदेशक के० रि० पु० बल का कार्यभार दिनांक 7-5-85 (अपराह्न) को सौंप दिया है।

2. श्री ओ० पी० भुटानी भा० पु० से० (उ० प्र०-1952) भा० नि० सी० पु० के महानिदेशक ने महानिदेशक के० रि० पु० बल का अतिरिक्त कार्यभार दिनांक 7-5-85 (अपराह्न) से सम्भाल लिया है।

दिनांक 9 मई 1985

सं० ओ० दो०-1774/83 स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर मुरेन्द्र कुमार परिमल को 26 अप्रैल 1985 पूर्वाह्न से केवल 3 माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 10 मई 1985

सं० ओ० दो०-1972/84-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर रवीन्द्रनाथ कामन को 18

अप्रैल 1985 पूर्वाह्न से केवल 3 माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो०-2001/85-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) ज्योतिरमय लहोन को 8 अप्रैल 1985 पूर्वाह्न से केवल 3 माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

दिनांक 13 मई 1985

सं० ओ० दो०-513/69-स्थापना—बोत्सवाना गणतंत्र की सार्वजनिक सेवा में पुलिस अधीक्षक के रूप में विदेश सेवा के लिए लीयन के आधार पर उनकी नियुक्ति होने के फलस्वरूप श्री एम० सी० जोसफ सैकण्ड-इन-कमाण्ड/वाइस प्रिंसीपल सी० टी० सी०-II के० रि० पु० बल, अवाडी को दिनांक 31-3-85 (अपराह्न) से भार मुक्त किया गया है।

दिनांक 14 मई 1985

सं० ओ० दो०-1819/83-स्थापना-9--भारत सरकार, गृह मंत्रालय ने डाक्टर (श्रीमती) वीणा पानी रथ का मिजोरम सरकार में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में प्रतिनियुक्ति का समय वर्तमान शर्तों पर दिनांक 10 मार्च 1985 पूर्वाह्न में एक वर्ष की अवधि बढ़ाये जाने की स्वीकृति प्रदान की है।

सं० ओ० दो०-1885/83-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जी० डी० ओ० ग्रेड-II) डाक्टर सत्येन्द्रा कुमार, 75 बाहनी को केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थाई सेवा नियमावली) 1965 के नियम 5 (1) के अनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 26 अप्रैल 1985 अपराह्न से कार्य मुक्त कर दिया है।

दिनांक 15 मई 1985

सं० ओ० दो०-2011/85-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर भूपेन्द्र सिंह को 25 अप्रैल 1985 पूर्वाह्न से केवल 3 माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित होने तक इनमें से जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

दिनांक 18 मई 1985

सं० ओ० दो०-2003/85-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर मन्जर आफिक को 23 अप्रैल 1985 पूर्वाह्न से केवल 3 माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

एम० अशोक राजू
सहायक निदेशक (स्थापना)

नई दिल्ली-110003, दिनांक 11 मई 1985

श्रम एवं पुनर्वासि मंत्रालय

(श्रम मंत्रालय)

श्रम ब्यूरो

शिमला-171004, दिनांक 1 जून 1985

सं० ओ०डी०-1434/79-स्था० (के० रि० पु० बल) —
के० रि० पु० बल में पुलिस महानिरीक्षक लोकल रैंक के रूप में
पदोन्नति फलस्वरूप श्री बाई० एन० सक्सेना भा० पु० सं० (उ०
प्र०-1959) उ० नि० (स्था०) ने पुलिस महानिरीक्षक (मुख्या-
लय) महानिदेशालय के० रि० पु० बल नई दिल्ली का कार्यभार
उनके स्वयं की ड्यूटियों के अतिरिक्त बिना धनराशि लाभ के
दिनांक 11-5-85 (पूर्वाह्न) से सभाल लिया है।

योगेन्द्र नारायण सक्सेना
उप निदेशक (स्था०)

सं० 23/3/85-सी० पी० आई०—अप्रैल, 1985 में
औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक
(आधार वर्ष 1960=100) मार्च, 1985 के स्तर 586 में आठ
ग्रंथ बढ़कर 594 (पाच सौ चौरानवे) रहा। अप्रैल, 1985 माह
का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) परिवर्तित किए
जाने पर 722 (सात सौ बाईस) आता है।

जितेन्द्र नाथ शर्मा
विभागाध्यक्ष

महानिदेशालय केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 1 मई 1985

सं० ई०-16014(2)/3/84-कार्मिक-1—अपने मूल
विभाग को प्रत्यावर्तित होने के फलस्वरूप श्री आर० पी० अग्रवाल
ने 1 मई 1985 के पूर्वाह्न से महायक महानिरीक्षक (विधि व
नियमन) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 10 मई 1985

सं० ई०-16014(2)/3/84-कार्मिक-1—प्रतिनियुक्ति
पर नियुक्ति होने पर, श्री बाई० पी० महाजन अधीक्षक (विधि),
विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय नई दिल्ली ने, 1 मई
1985 के पूर्वाह्न से महायक महानिरीक्षक (विधि व नियमन)
के पद का कार्यभार सभाल लिया।

दिनांक 13 मई 1985

सं० ई०-16013(2)/3/84-कार्मिक-I—प्रतिनियुक्ति
पर नियुक्ति होने पर, श्री अमरानन्दा पटनायक भा० पु० सं०
(उड़ीसा-73) ने 24 अप्रैल 1985 के पूर्वाह्न से के० श्री० मु०
ब्र० यूनिट राउरकेला स्टील प्लांट, राउरकेला के कमान्डेंट पद का
कार्यभार सभाल लिया।

सं० ई०-16016(3)/2/84-कार्मिक-I—श्री एम० एन०
अरोड़ा, महायक को, 2 मई, 1985 के पूर्वाह्न से महानिदेशालय
के० श्री० मु० ब० मुख्यालय नई दिल्ली में अवकाश रिक्ति पर
अनुभाग अधिकारी के ग्रेड (श्रेणी) में प्रोन्नत किया जाता है।

दिनांक 15 मई 1985

सं० ई०-16016(3)/1/85-कार्मिक-I—प्रतिनियुक्ति पर
स्थानान्तरण होने पर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (गृह मंत्रालय)
नई दिल्ली के श्री एम० टी० शेवकरमानी ने 1 मई 1985 के
पूर्वाह्न से महानिदेशालय, के० श्री० मु० ब०, नई दिल्ली में अनुभाग
अधिकारी के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

ह० अपठनीय
महानिदेशक/के० श्री० मु० ब०

कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र, महानिदेशालय

बम्बई-22, दिनांक 6 मई 1985

सं० 15/29/82-स्थापना—विभागाध्यक्ष कारखाना सलाह
सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र ने श्री डी० वी० खोबरागेड,
महायक निदेशक (औद्योगिक मनोविज्ञान) राष्ट्रीय श्रम विज्ञान
केन्द्र, अयोध्या कार्यालय इस महानिदेशालय का त्यागपत्र दिनांक
25 अप्रैल 1985 (अपराह्न) में स्वीकार किया है।

नदनुसार श्री डी० वी० खोबरागेड महायक निदेशक (औद्यो-
गिक मनोविज्ञान) ने राष्ट्रीय श्रम विज्ञान केन्द्र बम्बई का कार्य-
भार छोड़ दिया है।

एम० बी० हैण्डेपार्टिल
उपमहानिदेशक और विभागाध्यक्ष

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद दिनांक 27 मार्च 1985

स्थापना कार्यालय आदेश क्र० 4137—जबकि श्री एन०
एम० परने पपर वर्कर ग्रेड-II (पी-336) प्रोसेस विभाग को
शासकीय कार्य (ड्यूटी) से बिना किसी सूचना/अनुमति के दिनांक
27-8-84 से लगातार अनुपस्थित रहने के कदाचार के लिए
आरोप पत्र ज्ञापन क्र० पी० आर०/96/लिक/1064 दिनांक
1-1-85 को पञ्जीकृत डाक द्वारा उनके स्थायी घर के पते पर
प्रेषित किया था जो उन्हें दिनांक 11-1-85 को प्राप्त हुआ।

एवं जबकि, श्री एन० एम० परने, द्वारा आरोप पत्र
प्राप्ति के 10 दिन के अन्दर अपना लिखित बयान कार्यालय में
प्रेषित न करने के कारण अनुशासनिक अधिकारी द्वारा उनके
विरुद्ध लगाये गए आरोपों की जांच करने के लिए आदेश क्र०
पी० आर०/96/लिक 1236 दिनांक 9-2-85 द्वारा जांच

अधिकारी की नियुक्ति की गयी, उपरोक्त आदेश भी उन्हें दिनांक 26-2-85 को प्राप्त हुआ। कथित श्री एन० एस० परने, को जांच अधिकारी द्वारा विभिन्न अवसर प्रदान किए जाने के बावजूद भी वे जांच कार्यवाही में उपस्थित नहीं हुए, जबकि उन्हें जांच कार्यवाही की सूचना थी।

एवं जबकि जांचकर्ता अधिकारी ने एक तरफा जांच की कार्यवाही कर कथित श्री एन० एस० परने को आरोपों का दावा करार देते हुए अपनी दिनांक 16-3-85 की जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की।

एवं जबकि, अधाहस्ताक्षरकर्ता जांच रिपोर्ट एवं उग मामले में सम्बन्धित अन्य समस्त दस्तावेजों के सावधानीपूर्वक अध्ययन के पश्चात जांच अधिकारी के जांच परिणाम में महमत हुए हैं और इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि कथित श्री एन० एस० परने पेपर वर्कर ग्रेड-11 शासकीय सेवा में रखने के लिए उपयुक्त व्यक्ति नहीं है।

इसलिए अधाहस्ताक्षरकर्ता केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकृत एवं अपील) नियमावली 1965 के नियम 19 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए श्री एन० एस० परने को तुरन्त प्रभाव से प्रतिभूति कालाज कारखाना की सेवा में निष्काशित करते हैं।

श० रा० पाठक

महाप्रबन्धक

लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-110002 दिनांक 16 मई 1985

म० प्रशासन 1/कार्यालय आदेश म० 117—श्रीमान निदेशक लेखा परीक्षा (केन्द्रीय राजस्व) इस कार्यालय के श्री आर० सी० काशिक-1 श्रेणी अनुभाग अधिकारी अब सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी को स्वतन्त्र लेखा परीक्षा अधिकारी के वेतनक्रम 840-1200 रु० में 29-4-1985 अपराह्न में अगले आदेश आने तक नियुक्त करते हैं।

म० प्रशासन 1/कार्यालय आदेश म० 119—श्रीमान निदेशक लेखा परीक्षा (केन्द्रीय राजस्व) इस कार्यालय के श्री श्रीकृष्ण जैन श्रेणी अनुभाग अधिकारी अब सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी को स्वतन्त्र लेखा परीक्षा अधिकारी के वेतनक्रम 840-1200 रु० में 2-5-1985 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश आने तक नियुक्त करते हैं।

माहन् खुराना

उप-निदेशक लेखा परीक्षा (प्रशासन)

महालेखाकार (लेखापरीक्षा) का कार्यालय, केरल

तिरुवनन्तपुरम-695 039, दिनांक 13 मई 1985

म० स्थापना रोड/1/10-3/85-86/27—महालेखाकार (लेखापरीक्षा) का कार्यालय, केरल, तिरुवनन्तपुरम को

लेखापरीक्षा अधिकारी श्री बी० स्वामी अधिवर्षिता के कारण सरकारी सेवा में 30-4-1985 अपराह्न में सेवानिवृत्त हो गए हैं।

वि० लक्ष्मणारायणन

महालेखाकार

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110066 दिनांक 18 मई 1985

म० प्रशा०/1/1933/5/L—रक्षा लेखा महानियंत्रक, श्री पी० के० सैगल, भा० रा० ले० से० (जन्म तिथि 29-11-1935) के दिनांक 05-02-1985 को हुए दुखद निधन को दुख सहित अधिमूर्चित करते हैं।

ए० के० घाय

रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशा०)

रक्षा मन्त्रालय

आयुध निर्माणी बोर्ड

महानिदेशक आ० नि० मुख्यालय आशुनिधित्व सेवा

कलकत्ता-1, दिनांक 30 अप्रैल 1985

म० 6/ए०/ई-1 (एन० जा०)—महानिदेशक आ० नि० महादय श्री मन्मथन मुखर्जी आशुनिधित्व श्रेड-बी/वर्ग 3 रक्षक सहायक (स्थायी व मूल आशुनिधित्व श्रेड-सी/वैयक्तिक सहायक) को दिनांक 18 अप्रैल 1985 (पूर्वा०) में आशुनिधित्व आदेश होने तक स्वतन्त्र लेखा परीक्षा अधिकारी श्रेड-ए/निजी सचिव (ग्रुप बी राजस्वित) पद पर पदोन्नति करते हैं।

ए० वसुदेव

निदेशक/प्रशासन

कृते महानिदेशक आयुध निर्माणशा

कलकत्ता-1, दिनांक 10 मई 1985

म० 17/जो/85—राष्ट्रपति महादय निम्नलिखित अधिकारी को टी० एम० आर०/असिस्टेंट मैनेजर के पद पर, उनके मामले दर्शायी गयी तारीख में पुष्ट करते हैं —

अफसर का नाम

पुष्टीकरण की तारीख

श्री एम० जी० जयश्री

31-5-79

एम० ए० अहल

संयुक्त निदेशक/जा

कलकत्ता दिनांक 1 मई, 1985

सं० 14/जी०/85—बाधक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री के० पी० आर० फिल्मे, एडिशनल डि० जि० श्री० एफ०/मदस्य दिनांक 30 अप्रैल, 1985 (अपराह्न) में सेवानिवृत्त हुए।

दिनांक 9 मई 1985

सं० 16/जी०/85—तारीख 1-12-80 में 27-12-83 तक की सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी की समाप्ति पर श्री ए० के० मिश्रा, मयूक्त निदेशक तारीख 27 दिसम्बर 1983 (अपराह्न) में स्वेच्छापूर्वक सेवा-निवृत्त हुए।

दिनांक 15 मई 1985

सं० 19/जी०/85—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अधिकारी का उनके सामने दर्शायी गयी तारीख में एडिशनल डि० जि० श्री० एफ०/मदस्य के पद पर नियुक्त करने है :—

श्री एन० बालाकृष्णन, उपमहानिदेशक (व० प्र० ग्रेड—एन० 1) —पहली मई 1985।

बी० के० मेहता
उपमहानिदेशक/स्थापना

वर्णिम्य मन्त्रालय

मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 मई 1985

आयात और निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 1/16/83—प्रशासन (राज०)/2424—राष्ट्रपति, श्री लक्ष्मीश्वर प्रसाद (केन्द्रीय सचिवालय सेवा-चयन ग्रेड की प्रवर्णन सूची, 1983) को मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में 1 अप्रैल, 1985 (पूर्वाह्न) में और आगे 3 मास की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर केन्द्रीय सचिवालय सेवा के चयन ग्रेड में और मयूक्त नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में स्थाना-पन्न क्षमता में नियुक्त करते हैं।

प्रकाशचन्द जैन
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1985

सं० 6/1213/77—प्रशासन (राज०)/2255—मयूक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में नियंत्रक, आयात-निर्यात श्री बी० बी० शिंदे सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेते पर 28 फरवरी, 1985 (अपराह्न) में सरकारी सेवा में निवृत्त हो गए।

दिनांक 8 मई 1985

सं० 6/1207/77—प्रशासन (राज०)/2291—मयूक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में श्री सुनील कृष्ण मुखर्जी, नियंत्रक, आयात-निर्यात सेवा निवृत्ति की आयु होने पर 31 मार्च 1985 की अपराह्न में सरकारी सेवा में निवृत्त हो गए हैं।

दिनांक 9 मई 1985

सं० 6/1482/84—प्रशासन (राज०)/2404—मयूक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, कलकत्ता में श्री धीरेन्द्रनाथ समादार, नियंत्रक, आयात-निर्यात, सेवा निवृत्ति की आयु होने पर 31 मार्च 1985 की अपराह्न में सरकारी सेवा में निवृत्त हो गए हैं।

एम० पी० अर्दसक
उप मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

वस्त्र तथा पूर्ति मन्त्रालय

विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय

नई दिल्ली-110066, दिनांक 15 मई 1985

सं० 19/1/85—प्रशा०-1—राष्ट्रपति, श्री के० के० दत्ता का विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय में प्रदशनी अधिकारी के पद पर 4-12-82 में स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

श्रीरोमणि शर्मा
विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निर्यात महानिदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 6 मई 1985

सं० ए-1/42(41) VI—राष्ट्रपति, निदेशक पूर्ति तथा निर्यात, कलकत्ता के कार्यालय में स्थानापन्न उप निदेशक, पूर्ति श्री एम० के० शुक्ल को दिनांक 1-7-83 में महायुक्त निदेशक पूर्ति (ग्रेड-1) (भारतीय पूर्ति सेवा के कनिष्ठ वेतनमान) के स्थायी पद पर स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं :—

राजवीर सिंह
उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 7 मई 1985

सं० ए-17011/281/84/ए-6—महायुक्त निरीक्षण अधिकारी (धातु) के पद में प्रत्यावर्तन पर श्री विद्याचल राम

ने दिनांक 1-4-1985 के पूर्वाह्न में उप निदेशक, निरीक्षण (धानु), बोकारो के कार्यालय में उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

मोहन लाल कपूर
उप निदेशक (प्रशामन)

इम्पान, खान ग्रीस कोयला मन्त्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 9 मई 1985

सं० 4826बी/ए-19012 (1-एम० बी०)/84-19ए-
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक भारतीय भूवैज्ञानिक
सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) कुमारी सीमा
वंदेपाश्चाय को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में उम्मी विभाग में
नियमानुसार 650-30-740-35-810द० री०-
35-880-40-1000-द० री०-40-1200 रू० के वेतनमान
के वेतन पर, स्थापनापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 28
मार्च 1985 के पूर्वाह्न में पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुशारी
निदेशक (कार्मिक)
कृते महा निदेशक

भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 13 मई 1985

सं० ए०-19012(96)/77-स्था० ए०-विभागाध्य
पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री एम० के० महा, सहायक
खनन भूविज्ञानी को भारतीय खान व्यूरो में स्थापनापन्न रूप में
कनिष्ठ खनन भूविज्ञानी के पद पर दिनांक 18 मार्च 1985 (पूर्वाह्न)
में पदोन्नति प्रदान की गयी है।

जी० सी० शमा,
सहायक प्रशासन अधिकारी
कृते महानियंत्रक

नागपुर, दिनांक 13 मई 1985

सं० ए० 19011(217)/77-स्था० ए०-विभागाध्य
पदोन्नति समिति की सिफारिश पर, श्री कन्वया लाल, कनिष्ठ खनन
भूविज्ञानी को भारतीय खान व्यूरो में स्थापनापन्न रूप में वरिष्ठ
खनन भूविज्ञानी के पद पर दिनांक 20 अप्रैल 1985 के पूर्वाह्न
में पदोन्नति प्रदान की गयी है।

जे० सी० शर्मा
सहायक प्रशासन अधिकारी
कृते नियंत्रक
भारतीय खान व्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 15 मई 1985

सं० सी०-6202/718-ए-श्री बी० एम० गार्जर,
स्थापनापन्न कार्यालय अधीक्षक (वरिष्ठ वेतनमान), सर्वेक्षण
प्रशिक्षण एवं मानचित्र उत्पादन केन्द्र को श्री एम० आर० आर्यंगर,
स्थापना एवं लेखा अधिकारी के दिनांक 15-4-85 से 7-6-
85 तक अर्जित अवकाश पर चले जाने से उनके स्थान पर स्थापना
एवं लेखा अधिकारी (मा० सी० मेवा गुप 'बी') के पद पर संख्या
104 (एच० बी० डी०) मुद्रण वर्ग (पी० एम० पी०), हैदराबाद
में रू० 840-40-1000-द० री०-40-1200 के वेतनमान
में दिनांक 15-4-1985 (पूर्वाह्न) में स्थापनापन्न रूप में तदर्थ
आधार पर नियुक्त किया जाता है।

गिरीश चन्द्र अग्रवाल,
मेजर जनरल,
भारत के महासर्वेक्षक

भारतीय प्राप्ति-सर्वेक्षण

कलकत्ता-12, दिनांक 14 मई 1985

सं० एफ० 30-42/85-स्था०/11/56-श्री नरधू राम शर्मा
को हिन्दी अधिकारी (समूह ख) के पद पर रूप 650-1200
के वेतनमान में भारतीय प्राप्ति-सर्वेक्षण, कलकत्ता में दिनांक
30-4-1985 (पूर्वाह्न) में अगले आदेश तक अस्थायी रूप में
नियुक्त किया गया।

ए० के० मेनगुप्ता,
लेखाधिकारी,
भारतीय प्राप्ति-सर्वेक्षण

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 मई 1985

सं० 1/5/85-एम०दो-महानिदेशक, आकाशवाणी,
श्री सी० आर० दाम, प्रधान लिपिक को 650-30-740-35
880-द० री०-40-960 रूप के वेतनमान में 29 मार्च, 1985
में अगले आदेशों तक तदर्थ आधार पर प्रशासनिक अधिकारी के
पद पर नियुक्त करने है।

2. श्री सी० आर० दाम ने उम्मी दिन में प्रशासनिक अधिकारी
के पद का कार्यभार सभाल लिया है।

मोहन फ़ासिस,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 मई 1985

सं० ए० 12026/1/83—चि० शि०—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री जी० एम० अग्रवाल को 17 अप्रैल 1985 के पूर्वार्द्ध में आगामी आदेशों तक कलावती सरण बाल अस्पताल, नई दिल्ली में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 20 मई 1985

सं० ए० 31013/1/83—प्रशामन-1—राष्ट्रपति ने डा० ए० बी० हीरामणी को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा व्यूरो में उप निदेशक (अनुसंधान) के पद पर 6 मितम्बर 1981 से अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

पी० के० घई
उप निदेशक प्रशामन (जी)

कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय

(ग्रामीण विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 20 मई 1985

सं० ए० 19025/6/85—प्र० III—मघ लोक सेवा आयोग की सन्तुतियों के अनुसार कृषि विपणन मलाहकार, भारत सरकार द्वारा श्री हमीद कुट्टी पी० के० को इस निदेशालय में 30-4-85 (पूर्वार्द्ध) में अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

जे० कृष्णा,
निदेशक प्रशामन,
कृषि विपणन मलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 13 मई 1985

सं० जी०/545/सी० ई० डी०/स्थापना 11/1734—राष्ट्रपति, इस अनुसंधान केन्द्र के स्थायी वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड "एस० सी०" तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी ग्रेड "एम० डी०" श्री एम० एम० गुप्ता की 27-8-1984 को हुई मृत्यु को दुःख पूर्वक घोषित करते हैं।

सं० ए०/550/सी० ई० डी०/स्थापना II/1735—राष्ट्रपति, इस अनुसंधान केन्द्र के स्थायी डाफ्ट्समैन "बी" तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी "एम० डी०" श्री के० आर० अगाशे की 13-10-84 को हुई मृत्यु को दुःख पूर्वक घोषित करते हैं।

सं० जी०/1843/सी० एच० ई० डी०/स्थापना II/1736—राष्ट्रपति, इस अनुसंधान केन्द्र के स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड "सी" श्री शिवकुमार गुप्ता की 27-2-1984 (मध्य रात्रि) को हुई, मृत्यु को दुःख पूर्वक घोषित करने है।

दिनांक 15 मई 1985

सं० एम०/530/सी० ई० डी०/स्थापना-II/1788—राष्ट्रपति, इस अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड "एम० सी०" श्री पास्कल एफ० मचाडो की 24-3-1985 को हुई मृत्यु को दुःख पूर्वक घोषित करते हैं।

टी० ए० लक्ष्मीनारायणन
नियंत्रक

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 13 मई 1985

सं० डी० पी० एम०/41/17/85—प्रशा०/1214—परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी कनिष्ठ भंडारी तथा स्थानापन्न भंडारी श्री सीमा धेगेल राघवन प्रकाश को इस निदेशालय में दिनांक 4-3-85 (पूर्वार्द्ध) में 18-4-85 (अपराह्न) तक 650-30-740-35-810-द० रं०-35-880-40-1000-द० रं०-40-1200 रु० के वेतनमान में सहायक भंडारी अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक भंडार अधिकारी श्री पी० के० राधाकृष्णन के स्थान पर की गयी है, जिन्हें उक्त अवधि के लिए छुट्टी प्रदान की गयी है।

एस० कृष्णन
प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

दिनांक 14 मई 1985

सं० ना ई० सं०/का० प्र० भ०/0704/1001—नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के उपमुख्य कार्यपालक जी, प्रवरण श्रेणी लिपिक श्री व० रं० नारायण अय्यर को स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में रु० 650-30-740-35-880-द० रं०-40-960 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर दिनांक 6-5-1985 से 8-6-1985 पर्यंत या आगामी आदेशों पर्यंत जो भी पूर्व घटित हो नियुक्त करते हैं।

वे० रा० विजयन
सहायक कार्मिक अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400 008, दिनांक 16 मई 1985

सं० 05052/अग० 84/1813—भारी पानी परियोजनाओं के, प्रधान कार्यकारी, भारी पानी संचय (बड़ीदा) के निम्नलिखित

अधिकारियों को आगे आदेश होने तक के लिए निम्न विवरणानुसार नियुक्त करने है :—

क्र० नाम सं०	वर्तमान पद	पद जिस पर नियुक्त की है	किस तारीख से नियुक्त की है
--------------	------------	-------------------------	----------------------------

सर्वश्री—

1. अशोक कुमार नागर	वैज्ञा० सहा० सी०	वैज्ञा० अधि० (एस०बी०)	2-8-84 (पूर्वा०)
2. बी० श्रीवास्तव	वैज्ञा० सहा० सी०	वैज्ञा० अधि० (एस०बी०)	1-8-84 (पूर्वा०)
3. जी० डी० नमीन	वैज्ञा० सहा० सी०	वैज्ञा० अधि० (एस०बी०)	4-8-84 (पूर्वा०)
4. श्री बी० कनवर	कार्यदेशक	वैज्ञा० अधि० (एस०बी०)	1-8-84 (पूर्वा०)

दिनांक 18 मई 1985

सं० 05012/45/स्था० पदो०/1854—भारी पानी परियोजनाओं के, प्रधानकार्यकारी, भारी पानी परियोजना (तलचर) के सहायक कामिक अधिकारी, श्री बी० के० पोद्दी, को इसी परियोजना में, श्री जी० के० साहू, श्रम तथा-कल्याण अधिकारी, जो प्रशासन अधिकारी—III नियुक्त किए गए हैं, के स्थान पर अस्थायी रूप से तदर्थ आधार पर 1 सितम्बर 1984 (पूर्वा०) से 31 अक्टूबर 1984 (अप०) तक के लिए स्थानापन्न श्रम-तथा-कल्याण अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 05012/45/स्था० पदो०/1855—भारी पानी परियोजनाओं के, प्रधान कार्यकारी, भारी पानी परियोजना (तलचर) के उच्च श्रेणी लिपिक, श्री शिवचरन हेरमा विष्टा को इसी परियोजना में, श्री बी० के० पोद्दी, सहायक कामिक अधिकारी जो श्रम-तथा-कल्याण अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, के स्थान पर अस्थायी रूप से तदर्थ आधार पर 1 सितम्बर 1984 (पूर्वा०) से 31 अक्टूबर, 1984 (अप०) तक के लिए स्थानापन्न सहायक कामिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्रीमती के० पी० कल्याणीकुट्टी
प्रशासन अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

ठाणे, दिनांक 13 मई 1985

सं० टी० ए० पी० एस०/1/18/(3)/77—आर०—मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग,

श्री के० बी० राधवन, स्थायी प्रवरण कोटि लिपिक को श्री पी० गणपति, सहायक कामिक अधिकारी, जो छुट्टी पर गए हैं, के स्थान पर दिनांक 29 अप्रैल 1985 की पूर्वानुमति से 1 जून, 1985 की अपराह्न तक के लिए तारापुर परमाणु बिजलीघर में तदर्थ आधार पर सहायक प्रशासनिक अधिकारी के ग्रेड (सं० 650-30-740-35-880-द० री०-40-960) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए एक अधिकारी के तौर पर नियुक्त करने हैं।

द० वि० मरक्ले
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

अंतरिक्ष विभाग

3 मरी, शार केन्द्र

कामिक और सामान्य प्रशासन प्रभाग

श्रीहरीकोटा-524124 दिनांक 24 अप्रैल 1985

सं० श्री सा० मु०/का और सा० प्र०/स्थाप० III/1-72—निम्नांकित कर्मचारियों को पदोन्नति द्वारा, स्थानापन्न क्षमता के रूप में, अंकित तारीखों से, इंजीनियर एस० बी० के पद पर नियुक्त करने के लिए, शार केन्द्र, श्रीहरीकोटा के निदेशक ने अपनी प्रमदता प्रकट की है।

क्र० सं०	नाम	पदनाम	नियुक्त की तारीख
सर्वश्री—			
1.	पी० बी० एस० सूर्यनारायणा	वैज्ञा०/इंजीनियर एस० बी०	01-04-85
2.	एस० के० आर० वर्मा	वैज्ञा०/इंजीनियर एस० बी०	01-04-85
3.	बी० लक्ष्मणा राव	वैज्ञा०/इंजीनियर एस० बी०	01-04-85
4.	के० साईबाबा	वैज्ञा०/इंजीनियर एस० बी०	01-04-85
5.	सी० नारायणन्	वैज्ञा०/इंजीनियर एस० बी०	01-04-85
6.	एस० ए० चेरियन्	वैज्ञा०/इंजीनियर एस० बी०	01-04-85
7.	बशाधर दयाल	वैज्ञा०/इंजीनियर एस० बी०	01-04-85
8.	ए० मणी	वैज्ञा०/इंजीनियर एस० बी०	01-04-85

एल० राजगोपाल

प्रशासन अधिकारी—II

कृते निदेशक

निरीक्षण महानिदेशालय

सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नयी दिल्ली, दिनांक 9 मई 1985

सी० सं० 9/85—श्री बी० के० चन्दा ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तलिय कलकत्ता II में अधीक्षक ग्रुप “ख” के पद पर कार्यरत थे, महानिदेशालय के दिनांक 2-3-85 के आदेश सी० सं० 1041/47/84 द्वारा निरीक्षण महानिदेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पूर्वी प्रादेशिक यूनिट कलकत्ता में दिनांक 1-4-85 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण अधिकारी ग्रुप “ख” के पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० 10/85—श्री सी० जॉन लजार ने, जो पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क कोयम्बतूर समाहर्तलिय में अधीक्षक के पद पर कार्यरत थे, निरीक्षण महानिदेशालय, के दिनांक 7-2-85 के आदेश सी० सं० 1041/47/84 द्वारा निरीक्षण महानिदेशालय सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के दक्षिणी प्रादेशिक यूनिट मद्रास में दिनांक 11-4-85 (पूर्वाह्न) में निरीक्षण अधिकारी ग्रुप “ख” के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 11 मई 1985

सं० 11/85—श्री एम० पी० अरोड़ा ने, वार्धक्य के कारण सेवा निवृत्त होने पर, निरीक्षण महानिदेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, नयी दिल्ली में केन्द्रीय शुल्क टैरिफ पर तकनीकी अध्ययन ग्रुप से दिनांक 30-4-85 (अपराह्न) को अनुभाग अधिकारी ग्रुप “ख” के पद का कार्यभार त्याग दिया।

ए० सी० सलडाना
निरीक्षण महानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-6, दिनांक 16 मई 1985

सं० ए० 19012/1093/85—स्थापना पाच—विभागीय पदोन्नति समिति (समूह-ख) की सिफारिशों पर, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री मुभाष चन्द्र चौधरी, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 650-80-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 2-5-1985 की अपराह्न से अन्य आदेशों तक नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

(2) उपरोक्त अधिकारी केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहेंगे।

मीनाक्षी अरोड़ा
अवर सचिव (समन्वय)
केन्द्रीय जल आयोग

निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 25 अप्रैल 1985

सं० 5/81-ई० सी०-I-1982 में हुई संयुक्त इंजीनियरी सेवाएं परीक्षा के परिणामों के आधार राष्ट्रपति निम्नलिखित अभ्यर्थियों को केन्द्रीय इंजीनियरी सेवाएं और केन्द्रीय संयुक्त एवं मैकेनिकल इंजीनियरी सेवाएं समूह ‘क’ में केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के सहायक कार्यपालक इंजीनियरों (सिविल/विद्युत/मैकेनिक) के अस्थायी पदों पर परीक्षा पर नियुक्त करते हैं।

क्र० सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख
सर्वश्री		
(सिविल)		
1.	उमेश सी० मिश्रा	17-8-84
2.	अशोक कुमार पी० राउत	22-8-84
(अनु० जन जाति)		
(विद्युत)		
1.	नेम चन्द्र	8-10-84
(मैकेनिकल)		
1.	धर्मेन्द्र के० नायक	29-9-84
मीना गण		
प्रशासन उपनिदेशक		

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110066, दिनांक 13 मई 1985

सं० 255/85-एफ० नं० 2/4/85-प्रशा०-I(ख)—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा श्री विनोद कुमार गर्ग, तकनीकी सहायक को केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (समूह “ख”) सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में स्थानापन्न क्षमता में, अगले आदेशों तक 29 अप्रैल 1985 (पूर्वाह्न) से नियुक्त करते हैं।

आर० शेषाद्री
अवर सचिव व
कृते अध्यक्ष

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार के कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मद्रास टेक्सटाइल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास, दिनांक 9 मई 1985

सं० 1523/560/85—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर मद्रास टेक्सटाइल्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कावेरी ट्रांसपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास, दिनांक 9 मई 1985

सं० 3866/560/85—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर कावेरी ट्रांसपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

वि० ए० विजयन मेनन
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ईश्वर इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कोचीन, दिनांक 14 मई 1985

सं० 2569/लि०/560(5)1069/85—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ईश्वर इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है ।

कम्पनी अधिनियम 1956 और गोश्री कोमशियल कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 14 मई 1985

सं० 401/लि०/560(5)/1071/85—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्वारा सूचना दी जाती है कि गोश्री कोमशियल कारपोरेशन

प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कल्लूपारा क्वारी प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 14 मई 1985

सं० 2735/लि०/560(5)—1073/85—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसार एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कल्लूपारा क्वारी प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज कम्पनियों के रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है ।

के० पंचापकेशन
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
केरल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स चिमोतन इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

ग्वालियर, दिनांक 16 मई 1985

क्रमांक 1413/पी० एस०/सी० पी०/775—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मे० चिमोतन इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है ।

एस० करमाकर
कम्पनी रजिस्ट्रार,
मध्य प्रदेश, ग्वालियर

कार्यालय, मुख्य आयुक्त (प्रशासन) उ० प्र० एवं

आयकर आयुक्त,

लखनऊ, दिनांक 20 अप्रैल 1985

आयकर विभाग

सं० 10 श्री शंकर लाल अग्निहोत्री, आयकर निरीक्षक, लखनऊ प्रभार को आयकर अधिकारी वर्ग "ख" के पद पर ऑफिसियेट करने के लिए रु० 650-30-740-30-810-६० रु०-35-880-40-1000-६० रु०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया जाता है । पदोन्नत पर उन्होंने दिनांक 30-3-85 के पूर्वाह्न में आयकर अधिकारी, सी० आई० बी०, लखनऊ के रूप में कार्यभार ग्रहण किया ।

सं० 11—श्री राम भाटिया, आयकर निरीक्षक, लखनऊ प्रभार को आयकर अधिकारी, वर्ग 'ख' के पद पर आफिसिएट करने के लिए रु० 650-30-740-30-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया जाता है। पदोन्नत होने पर उन्होंने दिनांक 29-3-85 के पूर्वाह्न में आयकर अधिकारी, ग्रो० एस० डी०, इलाहाबाद के रूप में कार्यग्रहण किया।

सं० 12—श्री रघुवीर सरन गुप्ता, आयकर निरीक्षक, लखनऊ प्रभार को आयकर अधिकारी वर्ग 'ख' के पद पर आफ-

सिपेट करने के लिए रु० 650-30-740-30-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया जाता है। पदोन्नत होने पर उन्होंने दिनांक 4-4-85 के पूर्वाह्न में आयकर अधिकारी, ग्रो० एस० डी० के रूप में कार्यग्रहण किया।

धरनी धर
मुख्य आयुक्त (प्रशासन) उ० प्र० एवं
आयकर आयुक्त

प्रथम आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्रीमती आशा एम० केवलरामाणि ।

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 मई 1985

निदेश सं० सी० ए० 55/85-86/एस० एल०/1007
आई० ए० सी०/एक्यू० आर० आई/कलकत्ता—अतः मुझे, एस०
के० बनर्जी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है तथा जो 3डी स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाधुद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम 1908, आई० ए० सी० एक्यू/आर० आई, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-8-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुए किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कटु होने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसंगवाचक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वास्तविकता प्राप्ति या विभाजन से सुविधा के लिए;

वास्तव में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(अन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र साखरामणि ।

(अन्तरिती)

कई यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाही करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

2, 3डी स्ट्रीट कलकत्ता 26 में स्थित भक्तान संगम का छात्रालय में स्थित प्लॉट नं० जी-6 जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता के पास रजिस्ट्रेशन नं० सी० ए० 55 के अनुसार 5-9-1984 तारीख में रजिस्ट्री हुआ ।

एस० के० बनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

दिनांक : 27-5-1985

अर्जन

प्रकाश बाई. टी. एम. एल. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

1. श्रीमती आशा एम० केवलरामाजि

(अन्तर्गत)

2. श्री अशोक साखराणि

(अन्तर्गति)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 मई 1985

निदेश सं० सी ए० 56/85-86/एम० एल०/1008
आई० ए० सी०/एक्यु०आर० आई०/कलकत्ता—अतः सूक्ष्म, एस०
के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 2 है तथा जो डड स्ट्रीट कलकत्ता 26 में
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्री अधिकारी के कार्यालय सी० ए०, आई०
ए० सी०, एक्यु रेज आई कलकत्ता-26 में स्थित है),
रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 5-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब
बाधा गया प्रतीफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की गारंटी, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में बाधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितगर्भ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

2, डड स्ट्रीट, कलकत्ता-26 में अवस्थित भूकान
संगम का छटा तल्ला में स्थित फ्लैट नं० जी-6 जो सक्षम
प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-2
कलकत्ता के पास सोरियल नं० सी० ए० 56 के अनुसार
5-9-1984 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

एम० के० बनर्जी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, कलकत्ता-16

तारीख : 27-5-1985
मोहर :-

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 मई 1985

निर्देश सं० टी० आर०-228/85-86/सी० नं० 1009/
आई ए० सी०/एफिव० रेंज-1/कल०—अतः मुझे, एस० के०
बनर्जी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 39 बी० है तथा जो नीलमणि हालदार
लेन, कलकत्ता-23 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, आर० पी० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-9-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्त) और अन्त-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब प्राप्ता भवा
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित हो
वास्तविक रूप से कायित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कहे जाने वाले अन्तरक की
हासिलत में कमी करने या उससे बचने की सुविधा
के लिए, कोई/बा

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
नायकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गंगा मणि दासी .

(अन्तरक)

2. श्रीमती लक्ष्मी बाला राय

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वादोद्देश--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित हो किया जा सके।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

39 बी० नीलमणि हालदार लेन, कलकत्ता - 23 में
अवस्थित 2 काठा, 25 छटांका, 25 वर्गफिट आयतन का
जमीन और अंशतः दो तल्ला अंशतः तीन तल्ला मकान जो
रजिस्ट्रार आफ एशुरेन्स के दफ्तर में डीड नं० 1-22320
के अनुसार 28-9-1984 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० बनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता-16

तारीख: 9-5-1985

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन. एस.-----

1. श्री बर्धन इम्प्रूवमेंट्स (प्रा०) लि०

(अन्तरक)

2. श्री भैराम गुप्ता

(अन्तरिणी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 मई 1985

निदेश सं० सी० ए० 66/845-8/सी० नं० 1010/

1 ए० सी०/एक्वि० रेंज-1/कल०--अतः मुझे, एम० के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 25 प० है, तथा जो क्रमांक स्ट्रीट, कलकत्ता 26 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीरती अधिनियम, 1 सी० ए० एक्वि० रेंज-1, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय को बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निम्न कार्यवाहीमा शुरू करता हूँ।

सक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

25 प०, क्रमांक स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित सम्पत्ति एन नं० में 803 वर्ग फिट आयतन का शो रुम नं०. 9 जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जेंट रेंज-2 के दफ्तर में सीरियल नं० 6 ए० 66 के अनुसार 2-5-10-1984 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० बनर्जी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-2, कलकत्ता

तारीख. 20-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन. एस. -----

1. श्री जयन्त कृपालनी

(अन्तरक)

2. श्री अलोक गोयेल।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मई 1985

निर्देश सं० सी ए 64/85-86/सं० 1011—यतः मुझे, एस०

के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 8/1ए है, तथा जो चौरंगी लेन, कलकत्ता 16 में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सी० ए० अर्बि० ए० सी०, एक्स्ट्रा० आर०-1, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8/1ए चौरंगी लेन, कलकत्ता में अवस्थित चौरंगी अवार्डमेंट का अधिभक्त हिस्सा (तीमरा तल्ला), 984 वर्ग फीट जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 के पास विरियल नि० ए० 64 के अनुसार 29-9-1984 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० बनर्जी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख-14-5-1985

माहूर :

प्रकृष आर्ह टी. एन. एल.-----

1. मैसर्स इण्डिया इलक्ट्रानिक्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

2. मास्टर प्रमोद कुमार कारवा,

मास्टर नितिन कारवा

(अन्तरिती)

आयानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 मई 1985

सं० सी० ए० 62/85-89/मिरियल 1012—यत मुझे,

एस० के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सख्या 33ए है, तथा जो चौरंगी रोड, कलकत्ता में स्थित है, और इसमें उपायुक्त अनुसूची में प्राप्ति पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्री तथा अधिारी के कार्यालय सी० ए०, आई० ए० सी०, एक्यू० आर०-1, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निहित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में काम करने या उससे बचन में लगे हुए के लिए, और/या

(ख) किसी किसी जाय या किसी धन या अन्य सम्पत्ति का, जिन्हें भारतीय जाय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के तहत प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहे या विधान में सुविधा के लिए

अनुसूची

33ए चौरंगी रोड, कलकत्ता में अवस्थित चटर्जी इन्टरनेशनल का 17वा तल्ला में प्लॉट न० ए-10 जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेज 1 कलकत्ता के पास, मिरियल सि० ए-61 के अनुसार 15-9-84 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० बनर्जी

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता

नन नर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अधीन सूचना है, और उक्त अधिनियम में धारा 269-ब की धारा के अधीन निम्नलिखित प्राधिकारी अधिनियम --

3-9(GI)85

तारीख : 17-5-1985

मोहर :

प्रकृत आई.टी.एच.एस.-----

1. मेवर्स पेटा एन्टरप्राइजस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2. श्री त्रिलोक चन्द पसारी,
तथा अन्य।

(अन्तरिती)

भास्त सख्खर

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही करना है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 मई 1985

सं० सी० ए० 54/85-86/सिरियल 1013—यतः

मुझे, एस० के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी का यह विज्ञापन करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- से अधिक है।

और जिसकी मूल्या 7/1ए है, तथा जो ड० यु० एन ब्रह्मचारी
स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है, जो इसमें उपावद्ध अनुसूची में
योग्य पूर्णतः न बांटा है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सि० ए० आई० ए० सि० अर्जेंट रेंज-1, कलकत्ता में रजिस्ट्री
धारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 3-9-1984

का पञ्चम अर्पण के उचित बाजार मूल्य से कम के ऊपरान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विज्ञापन
करने का कारण है।

कि तथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ऊपरान
प्रतिफल में, एतत् ऊपरान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के
बीच होने के कारण के लिए यह पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य के लिए उचित बाजार मूल्य से अधिक रूप से कीमत
नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक के हटाने वाली आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
अधिनियम के अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत
के लिए, और/वा

(ख) एतत् रजिस्ट्री आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, एतत् भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के पञ्चमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या विज्ञापन चाहिए था, छिपाने में साक्ष्य
के लिए;

यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, एतत् अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

7/1ए, ड० यु० एन० ब्रह्मचारी स्ट्रीट, कलकत्ता में
अवस्थित मकान का तीसरा तल्ला में प्लॉट नं०
3 डि० जो सूक्ष्म प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त
निरीक्षण) अर्जेंट रेंज-1, कलकत्ता के पाम सिरियल नं० सि०
ए० 54 के अनुसार 3-9-1984 तारीख में रजिस्ट्री हुआ,

एस० के० बनर्जी,

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज 1, कलकत्ता

तारीख : 26-4-1985

संकेत :

प्रकृष भाषा. टी. एम. एम.

1. श्री अमितेन्द्र नाथ मिश्रा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती लक्ष्मी शर्मा।

(अन्तरिनी)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जुन रज 1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 मई, 1985

सं० टी० आर०—240/85-86/मिरिगल सं० 1014—

यतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्राप्त की गई है, एवं निम्नलिखित कारणों के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 22 है, तथा जो इण्डिया एक्सचेंज प्रैम, कलकत्ता में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० 4, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मैंने यह निश्चित करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिनी (अन्तरिनीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाज की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ प्रत्यक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ततः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जिनके नाम—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शर्त—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तत्पश्चात् 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 10 दिनों की अवधि, या और अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तत्पश्चात् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निवेश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्वीकृत्य में प्राप्त लिखित में किया जा सकता है।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम, के अध्याय 2(4) का या यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन्सूची

22, इण्डिया एक्सचेंज प्रैम, कलकत्ता में अवस्थित 2 काठा 4 छटाक जमीन के ऊपर मकान का नामा हिस्सा जो सब रजिस्ट्रार आफ एग्जोरेन के तयार में डीड नं० 1-22482 के अनुसार 29-9-1984 तारीख से रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० बनर्जी,
पञ्चम पाणिगारी,
सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)
अर्जुन रज 1, कलकत्ता

तारीख 27-5-1985
संकेत १

प्रकाश. क्रम. टी. एच. एस. -----

मावकतु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

साथ सहायक

कार्यालय, सहायक मावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज 2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 मई, 1985

निर्देश सं० टी आर-241/85-86/सिरियल 1015:आई०

एस० सी० एक्यू० आर-1/कल०—अत-मुझे, एस० के० बनर्जी,
मावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सहायक प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अंश बराबर मात्रा
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 22 है तथा जो इण्डिया एक्सचेंज प्रेस,
कलकत्ता में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
एस० आर० 4 कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-9-1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम की छयमान
प्रतिफल के लिए बंटारि की गई है और मुझे यह विश्वास करने
कल का कारण है कि बचामुक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, इसे छयमान प्रतिफल का
पक्ष प्रतिफल से अधिक है और बंटारक (बंटारकों) और बंटारिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी अन्य की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के बावत से
कभी कभी या उसके बचने से सुविधा के लिए;
और/वा

(ब) एसी किसी काम या किसी धन या अन्य बावतों
को जिन्हें भारतीय डाक-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
डाक-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जाया या किना जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री असित नाथ, मिटार

(अन्तरक)

2. श्री हरि शंकर शर्मा,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की बंटार के लिए
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के बंटार के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में सम्पत्ति होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में (किए जा सकेंगे)।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो 22 इण्डिया एक्सचेंज प्रेस, कलकत्ता में
अवस्थित 2 काटा 4 छटाक जमीन के ऊपर एक तल्ला
मकान का आधा हिस्सा जो माव रजिस्ट्रार अब एसुरेन्सेस
के दफ्तर में डीड न० I 22483 के अनुसार 29-9-84
तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० बनर्जी,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, कलकत्ता

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बंटारि

तारीख 27-5-1984

माहुर ।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 अप्रैल 1985

सं० 19/मिपटेम्ब/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सूचना प्रार्थिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 151/2 है, जो अविनवम गांव, मेन विष्णुमनयम ग्रामपूर तालुका में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० 1 नं० दस सं० 2096/84 में भारतीय राजस्वीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री ए० साम्पसिव सुद्रमणय अयर

(अन्तरक)

2. श्रीमती पलनिथम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण, अविनवम गांव
(दस० सं० 2096/84)

प्रेम मालिनि वासन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख : 25-4-1985

माहूर :-

प्रकृष्य अर्द्ध. टी. एन. एस.-----

1. श्री मारप्पा कोटर और अन्यो (अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री मुत्तु कोन्टर (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 अप्रैल, 1985

सं० 42/मिप०/84—अतः मुझे प्रेम मालिनि वासन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्वाधर सम्पत्ति, जिसका उल्लेख बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० केलु कोम्पे गांव, तामकल में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय एरुमट्टी दस० सं० 1384/84 में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख सप्टेम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके इस तम प्रतिफल से, ऐसे अद्यतन प्रतिफल का
एक प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय प्राप्ति कक्षा धर्म-
कम मिश्रितलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से अधिक नहीं किया गया है :-

(क) अंतरक है हुई किसी बात की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तर्गत के
वास्तव में कभी करने या उक्त करने में सूचना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, लिखित में सूचना
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, मिश्रितलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन का अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के अन्तर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में हित-
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यथाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

आज्ञा

भूमि और निर्माण केनुकोम्पे गांव,
(दस० सं० 1384/84)

प्रेम० मालिनि वासन ।

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, मद्रास ।

तारीख : 25-4-1985

मोहर ।

प्रमाण: बाई टी. एन. एड. 1985

1. मेसर्स किसन दास कोविन्दराम (अन्तरक)

2. श्री बकवान दास सोबराज (अन्तरिती)

आध्यात्मिक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

साउथ हरकाट

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति :-

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० 104/मप०/84—अतः मुझे प्रेम मालिनि वासन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 1632/1 है जो 246 प्लॉट
'बी' 7त फ्लोर, सिवालया बिल्डिंग, कमाण्डर इन चीफ रोड,
मद्रास-105 में स्थित है (और इससे कार्यालय पेरिसेट
(दस० सं० 922/84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार
प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय प्राव
ण्य प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कबिच नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
रायित्व में कमी करने या उलझे रखने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
ब, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :-

निर्माण 246, ब्लॉक 'बी' 7त फ्लोर, सिवालया बिल्डिंग,
कमाण्डर इन चीफ रोड, मद्रास-105 :

(दस० सं० 922/84)

प्रेम मालिनि वासन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख : 27-4-1985

मोहर :-

मुख्य बाई टी.एम.एच.-----

1. श्री एम० एन० पटवारी और अन्य (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती आर० निरुवले (अन्तरिणी)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करा जाता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, 27 अप्रैल, 1985

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :-

सं० 107/सिप०/84—अतः मुझे प्रम मालिनि वासन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है जो 813 पि० एच० रोड, मद्रास-10
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरिमेट दम
सं० 904/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख सेप्टेम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के
45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हितद्वय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिखा जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

निर्माण सं० 813, पि० एच० रोड, मद्रास 10।

(दस० सं० 904/84)

प्रेम मालिनि वासन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 27-4-1985

मोहर :

प्रकाशक, टी. एन. एच.-----

1. श्री एम० एन० पटवारी और अन्य (अन्तरक)
2. कुमारी एलिसबेथ जार्ज (मैट) (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 अप्रैल 1985

सं० 108/सप०/84—जन मर्जे प्रेम मार्लिन वामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) चिह्न इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु० से अधिक है

श्री जिनकी सं० है जो 813 पि० एच० रोड मद्रास-10 में स्थित है (श्री इनमें उपायुक्त अनुपुषी में श्री पूर्ण रूप में वर्णित है) राजस्वसेवार्थ अधिनियम के तालिका पेन्सिमेंट दस० सं० 905/84 में भारतीय राजस्वसेवार्थ अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्टिन, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में अस्थायिक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सागित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभावार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-96 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधा - -

- (क) इस सूचना में राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रतिष्ठाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

निर्माण 813, पि० एच० रोड मद्रास-10 ।
(दस० सं० 905/84)

प्रेम मार्लिन वामन
सक्षम प्राधिकारी
[सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)]
अर्जन रज-1, मद्रास।

तारीख 27-4-1985
मोहर

प्रकृष आर्. टी. एन. एम

(1) श्री के० पी० वांकीली ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० नटराजन ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 मई, 1985

निदेश सं० 158/सेप/84—अतः मुझे, प्रेम मालिनि वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो बकुरम्पट्टी गाव नामक तालुक में स्थित है (और इसमें उपाखण्ड में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान परिणाम से प्राप्त अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने से कारण है कि उक्त अधिनियम में उचित बाजार मूल्य, उक्त अधिनियम के अधीन के दृश्यमान परिणाम से, उक्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितीया) के बीच में अन्तरण के लिए नया पाया गया परिणाम, निम्नलिखित उपाखण्ड में उक्त अधिनियम में उचित बाजार मूल्य से अधिक नही किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या तमने करने के अधिकार और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाँहिए था, विभागे में उचित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के प्रति :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निम्नलिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अन्तर्गती

धर्म—बकुरम्पट्टी गाव, नामक तालुक (दस सं० 1728/84) ।

प्रेम मालिनि वासन,
मध्यम प्राधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास ।तारीख : 8-5-1985
सोहर ७

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

माह सूचना

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, लुधियाना

दिनांक 7 मई, 1985 लुधियाना,

निर्देश सं० चण्डीगढ़/53/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 418 है तथा जा सैक्टर 35 ए०,
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), राजस्वीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़
में, राजस्वीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 1 सितम्बर, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या कि या जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्थात् ---

(1) दिग कमांडर एम० एन० वधवा (रिटाईर्ड),
पुत्र स्व० लाला बली राम,
निवासी विवेकानन्द महिला कालेज कम्पेक्स,
बवक बिहार,
दहला ।

(अन्तरक)

(2) डा० नरसम जिन्दल पुत्र,
श्री रामजी दास तथा श्री अशाक जिन्दल पुत्र,
श्री रामजी दास,
निवासी मकान नं० 1014,
सैक्टर 36 सी,
चण्डीगढ़ ।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में विद्यमान या मर्केज ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 118 सैक्टर 35 ए, चण्डीगढ़ (अर्थात् वह जायदाद
जा कि राजस्वी कर्ता जिनगीरी, चण्डीगढ़ 1 विनय संख्या 5211
माह सितम्बर 1984 के तहत दर्ज है।)

जागमन्दर सिंह,

पञ्चम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, लुधियाना ।

तारीख 5-1985

महेश्वर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 7 मई, 1985

निर्देश न० चण्डीगढ़/56/84-85-अन मूझे, गोगिन्दर
मिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी न० प्लॉट न० 3346 है तथा जो मंक्टर 32 डी
चण्डीगढ़, में स्थित है (ग्रॉर टनमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रॉर पर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अत-
रिती (अतिरिक्तियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरक से हुई किसी आय, बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अन. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री अमरजीत अग्रवाल पुत्र

श्री सीता राम

करीबल डीजल सर्विस

मनीमाजरा, पू० टी०

चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री केसर सिंह पुत्र श्री सतार सिंह

निवासी मकान न० 150,

मंक्टर 20 ए,

चण्डीगढ़।

(अतिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुख

प्लॉट न० 3346, मंक्टर 32 डी, चण्डीगढ़ (अर्थात् वह जायदाद
जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के निम्न मकान
न० 587 माह सितम्बर, 1981 के तहत दर्ज है)।

गोगिन्दर सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेज लुधियाना।

तारीख 7-5-1985

माहूर

प्रारूप आर्द्द.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लांघयाना

नॉमिनाल दिनांक 8 मई 1985

निर्देश नं० चण्डीगढ़/10/85/85-आ मध्ये जागिर
दिनांक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मालिकाना नं० 2528 है तथा जो सैक्टर
35 सी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपायुक्त यन्त्रचाली
में आने पर पूर्ण रूप से निर्मित है) रजिस्ट्री की अधिकारी के
कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख भितम्बर 1984

का पूर्ववर्तित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्बन्ध
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और इसके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्ववर्तित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
बहुल प्रतीति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्मित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की नाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में बाधना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आगितियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रभावार्थ अन्तरिती द्वारा प्रत्यक्ष नहीं दिया गया
था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
नं०, मं०, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) त्रिगोडीयार मे 0 प 10 किलो (मिटायड)

पुत्र श्री चंचल सिंह

निवासी मालान नं० 659

सैक्टर 16 डी

चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) मेजर त्रिगोडी सिंह गुजराल (मिटायड)

पुत्र स्व० श्री दुधम सिंह गुजराल,

श्रीमिन् दत्तजीत कौर गुजराल

पत्नी मेजर त्रिगोडी सिंह गुजराल, (मिटायड)

मेजर रमेश सिंह गुजराल

पुत्र मेजर त्रिगोडी सिंह गुजराल (मिटायड)

जन्मा श्री दत्तेश सिंह गुजराल

पुत्र मेजर त्रिगोडी सिंह गुजराल (मिटायड)

निवासी मालान नं० 1302

सैक्टर 34 सी०

चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताधरों के पास
लिखित में उक्त जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सबको और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

प्रत्युत्पत्ति

प्लॉट नं० 2528 सैक्टर 35 सी चण्डीगढ़ (अर्थात्
बड़े जायदाद का प्लॉट, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के
विशेष महदा नं० 629 माह भितम्बर 1984 के तहत दर्ज
है)।

जागिर सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लांघयाना।

नॉमिनाल 8-5-1985

साहू

रक्ष माह टो एब एस

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का प्रा
269-अ (1) का अधीन मण्डल

भारत सरकार

कामचन्द्र, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अज्ञो रज्ञे तद्विद्यया

दिनांक : ८ मई १९८५

तद्वय ६३ ३६५ / २७ / ८१ ८५ चतुर्थ ७६ ६३ ६६५.

11

भायन्तर औषधालयम्, 1961 (1961 का 43) (जिम्मेदार दवाओं
द्वारा परीक्षण '19 औषधालय' के लिए किया गया है)।
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित ग्राह्य मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

[illegible][illegible]

(क) अंतरण से हमें किसी मान का वास्तविक अर्थ अविनियमित के अविनियमित 4.7 स्तर के अंतरण के वास्तविक में कमी करने या उससे बचन में सुधार के लिए और या

[illegible]

जल एवं उद्योग अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में
जो, जहाँ, अर्थात् अधिनियम की धारा 269-ग का उपधारा (1)
के अन्वय में निर्धारित कार्यवाहियों, अर्थात् —

(1) श्रीमति राज सतिंद्र जी-
सतिंद्र श्री जगदीश जी

(2) श्री जगन सिंह
निवासि सत न बा- 22X-66
मन्द्य नगर
नीयाना।

(2) श्री कुन्दान पीठ
जन्मदाता भित्त
कुन्दान श्री बरगज पीठ
पुत्र श्री बरगज
ग्रामिनि हनुमन्त काय
पाला श्री कुन्दान पीठ
पुत्र श्री बरगज
ग्रामिनि पीठ
पति श्री जन्मदाता पीठ
पुत्र श्री बरगज भित्त
निवासि वी-1-6-1
कुन्दान पुरा
भित्ति जाईन्त्र
पुत्र श्री बरगज

(附註)

को यह मचना जारी करके पूरावत संपत्ति से अन्न क।ए।
कार्यवाहिया करता ह।

उत्तराखण्ड के जिलों में से एक है।

(क) इन चारों के जन्म से प्रकाशना के 1954 से 45 दिन की अवधि या तत्समवधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, की अवधि व्यक्तियों में प्रकाशना के द्वारा

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर प्रत्येक सम्पत्ति में निम्नलिखित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त विधिनियम, क अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभ्युपगमः

सक्रिय नं० बी०-एल-७६२/२७५७ वा १/७ मंगल तारीख
 गणतंत्र बुद्धिवादी (सर्वोच्च) जिला न्यायाधीश, राजस्थान
 जिला प्रशासक, गुजरात के निवास पर ५७५६ मंगल
 तिथि १९८४ के तहत देना है।

॥ ५ ॥

५॥१॥ प्रणि प्रणि

महाराज गान्धर्व आश्रम (तिरुवर्णम)

प्रजन्तं रजः, तर्हि प्रयान्।

719 1 2 3

५१३२

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रोज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मई 1985

निर्देश सं० चण्डी/55 जो०/84/85—मतः मुझे जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन गद्यम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मातन० 188 है तथा जो सैक्टर 33 श्री० चण्डीगढ़, में स्थित है (और इसे उपारद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवासी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख तिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तो पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित है वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायत्व में कमी करने या उच्च करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्शिकों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए या छिपाव में सुविधा के लिए;

अतः कि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित कार्यवाही, अर्थात् :-

(1) श्रीमती प्रेम पंडित पति स्वर्गीय लैफ्टिनेंट मेजर तेजपाल पंडित द्वारा श्री० पी० ए० श्री अमोल बागल पुत्र श्री बी० एल० बापू निवासी मकान न० 17 सैक्टर 10 ए चण्डीगढ़

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश सिंह नाकई पुत्र श्री बलविन्द्र सिंह श्रीमति वॉरिन्द्र कौर ना ई पति श्री बलविन्द्र सिंह नाकई निवासी वरनाला भाटिया राठ रामपुरा फत जिना भाटिया।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही कराया है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात्थी शीतका 45 दिनों की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रत्येक व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० 188 सैक्टर 33 ए० चण्डीगढ़ (अर्थात् बड़ बागडा जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिवासी चण्डीगढ़ के विनेत्र संख्या न० 555 माह तिसम्बर 1984 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह
महाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रोज, लुधियाना।

तारीख: 13-5-1985

माहूड :-

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भारतीय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार.

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मई 1985

निर्देश सं० चण्डीगढ़/60 अ०/84-85—अन: मुझे,
जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ग्रधून मकान नं० 300 है तथा जो सैक्टर 33 ए० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थात् तारात्र विनम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ऋण की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ऋण या किसी धन या अन्य वास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री राम सरत दाम पुत्र श्री पुल चन्द श्री श्रीमता प्रेमिला बनोजा
पान्त श्री रामसरत दाम निवासी मकान नं० 1189 सैक्टर 21-बी
चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति विभा अग्रवाल
पति श्री डी० के० अग्रवाल
श्री मुनील अग्रवाल
पुत्र श्री चमन प्रकाश अग्रवाल
निवासी मकान नं० 1117
+1+ 36-सी
चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही बर्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अदूरा मकान नं० 300 सैक्टर 22 ए० चण्डीगढ़
अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विवेक संख्या नं० 638 माह विनम्बर 1984 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, लुधियाना।

तारीख: 13-5-1985
साहू 2

(अन्तर)

जागिन्द्र सिंह
मक्षम प्राधिकाारी
हाथी पायकर पायुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन राज लक्ष्मिणा

प्ररूप बाह्य टी एन.एस. -----

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० चंडी/58/84-85—अनं मुझे, जोगिन्द्र सिंह
भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

अर्जन रोज, संख्या सं० 100 ई तथा जे सैक्टर 20ए,
चंडीगढ़ में स्थित है (अर्जन इसमें उपायुक्त अनंमुची में अर्जन
पूर्ण रूप से वर्णित है)। रजिस्ट्रार कार्यालय के कार्यालय
चंडीगढ़ में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से कम के दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच होने अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित दृष्टिकोण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में अधिक नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से पहले किसी हार की वजह से, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक और
अन्तरिती से किसी कर देने या उससे बचने में सक्षम
के लिए; और/या

(ब) एसी किसी अन्य या किसी वन या अन्य मामलों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 23) के अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकत्र नहीं किया गया
था या किया जाता माना गया, लिखित में स्पष्ट
के लिए।

इतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अधिनियम (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जमवत सिंह तेज मपूत्र श्री तागायण सिंह
निवासी सं० सं० 654, सैक्टर 20 ए,
चंडीगढ़

(अनंमक)

(2) श्रीमती रिमल देवी कौर
पत्नी श्री अजीत सिंह
निवासी 1294, सैक्टर 21-बी,
चंडीगढ़

(अनंमती)

(3) श्री चेतन कुमार गर्मा
निवासी मकान सं० 654
सैक्टर 20ए, चंडीगढ़

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तिगत पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नंम्बर 654 सैक्टर 20ए चंडीगढ़ (अर्थात्
जयदाद जैमी कि रजिस्ट्रार कार्यालय चंडीगढ़ के विलेख
संख्या 604 माह सितम्बर 1984 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, लुधियाना।

तारीख : 10-5-1985

साक्षर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मई 1985

[] निर्देश सं० लुधियाना/213/84-85—अन. मुझे, जोगिन्द्र सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 हिस्सा मकान न० बी-XX है तथा जो 1950/69 (99-के) मराभा नगर लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख पितम्बर 1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एक दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिनीयों) के बीच एम् अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सावधानी के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्ति का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सरदार गुरवर्धन सिंह उमल पुत्र सरदार हरनाम सिंह द्वारा जी० पा० ए० सरदार करज सिंह पुत्र सरदार करतार सिंह निवासी 42 के मराभा नगर लुधियाना

(अन्तरक)

(2) श्रीमती स्वर्ण कौर पत्नि श्री कर्मजीत सिंह श्रीमती राजवीर कौर पत्नि सरदार मुरजीत सिंह निवासी 42 के मराभा नगर लुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि जाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकाशन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा मकान न० बी- 1950/69 (99 के) मराभा नगर लुधियाना (अर्थात् वह जायदाद जोकि रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी लुधियाना के त्रिवेख मख्या न० 5687 माह गिनम्बर 1984 की तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख . 13-5-1985

मोहर :

प्ररूप वार्षिक, टी. एन एस

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269-घ (1) के अधीन मथना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आरक्षक, औद्योगिक विभाग

अजेंत ० न, लीध्याता

लधियाला, दिनांक: १४ मई १९८०

निर्देश सं० नाहन/३/८४-८५--प्रम मुझे जागिन्द्र सिंह,
नायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१) का ४३) (चित्र इसमें
इसके पश्चात् 'जागा अधिनियम' कहा गया है), की धारा
२६९-ख के अधीन सूक्ष्म प्रशिक्षार्थी का, यह निश्चय करने पर
कारण है कि म्हावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
१,००,०००/- रु से अधिक है

और जिसकी स ० विाब्जग माहित जमीन 131 ह तथा जा स्वकेयर पीटर भाहन्वा ३०वीन तहमील नाहत जिना मिरमोर मे स्थित है (और इसस उपावद्ध अनुगुची मे और पृण- रूप स वर्णित है), रजिस्ट्रीविची अधिकारी क कार्यालय, नाहत मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन तारीख मितभर 1984

का पूर्वानुगत सम्पत्ति के उच्चतम बाजार मूल्य में कम से कम 25 प्रतिशत प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उच्चतम बाजार मूल्य में 25 प्रतिशत प्रतिफल, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, इस दृश्यमान प्रतिफल में पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अतः (अंतरकों) और वस्तुनिष्ठ (अन्तरितियों) के बीच इस अंतरण का निम्न मूल्य निर्धारित होता है।

(क) अन्तरण से पूर्व किसी भी प्रकार के अन्तर्गत कर्मचारी को अवसर प्रदान करने या उसके कर्मचारी में परिवर्तन के लिए, और/या

(ग) एसी किसी दाय या किसी धन या अन्य जोखिमों को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम 14 (1922 का 14) और अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उत्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में निविदा के लिए।

सतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अर्थात् निम्नांकित बातों द्वारा कथित :-

(1) श्री श्रीगम पत्र श्री मेहर सिंह

(८) श्री जगन्नाथन गिरि पुराण श्री रामकिशन

(3) श्री नारायण सिंह

(4) कुमारी आमा देवी कुमारी माया देवी

जस आमतो माना र्थी वीत्रया श्री राम कशन

(३) ग्रामस्थों की सेवा के लिए ग्राम प्रधान और ग्राम पंचायत के सदस्यों को नियमित रूप से प्रशिक्षण देना।

(अन्तरक)

(2) श्री गान्धेय राम व श्री बेता वासी माहब्ला

सूच ॥ २५- नाट्य विद्या विरभौर

(अन्तर्गति)

को यह सूचना किताब के पक्ष में सम्मान के प्रर्जन के लिए
वागवार्त्तिता -

उक्त सम्पत्ति के अर्थों के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना का गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना का नामान 5 (30) दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर अवकाश व्यक्तियों से सकिमी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र या प्रकाशन की तारीख से 4.0 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में विवाद प्रस्तुत किया जा सकता है।

स्वच्छीकरण :— इसमें पर्युक्त धब्बा और पदार्थों का, जो उक्त अधिनियम, क प्रथम 20-क में परिभाषित है, बर्दा अथ हाता जा उस अध्याय में दिया गया है ।

वर्गानुग संहित तमान पान्या 131 स्वकथर मांटर
माहिल्या आठवान जायत जती भयभार

प्रधान रहे जायदेश जा कि राजस्वीकता
अधिकारी नान्त रे तिलख मया न २२६ माह मितम्बर
१५८४ रे तहत रे ।

जागिन्द्र सिंह

महस प्राधिकारी

नीतीयक प्रायस्क आयकते (निरीक्षण)

प्रज्जन रज लधियाना

तारीख 1307 1925

ਮਾਤਰਾ :

प्रमुख आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

पञ्चन रज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मई 1985

निर्देश सं. लु/40/244/81-85—अन. मंज. जोगिन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन मध्यम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1/2 हिस्सा मकान सं. 1 तथा जा बी०
XIX-1387/184 ई० ल० कितल नगर लुधियाना में स्थित
है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख सितम्बर 1984

का प्रवृत्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्ववर्तित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अनुप्राप्त प्रभित्त में अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरगती (अन्तरगति) के बीच पूर्ण अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचत में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) किसी किसी आय का किसी वन या अन्य शक्तिवर्तियों
का निहित भारी-काजी या अन्य शक्तिवर्तियों में 1922
(1922 का 11) में उक्त अधिनियम में, या नि-
म्न अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में,
प्रदान किये गये किसी प्रकार प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए,

अन. मंज. जोगिन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधिनियम
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की धारा (1),
के अधीन, निम्नलिखित, अधिनियम अधिनियम

(1) श्री ज० बी० सिंह सवरवाल एडवोकेट
पुत्र श्री अमरीक सिंह पुत्र श्री जोगिन्द्र सिंह
निवासी बी० VII/268 नकश बाजार
लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गान्धी पटेल श्री राम चन्द्र
निवासी 13-वीं उमम सिंह नगर
लुधियाना।

(अन्तरगति)

का यह सूचना जारी करके प्रवृत्त सम्पत्ति का अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप —

(क) उक्त सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्वन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
तारीख बाद में सम्पन्न होगी है, के भीतर पूर्वोक्त
प्रतिफल में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधात्मशास्त्री के पास लिखित में
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा मकान सं. 1 तथा बी० XIX-1387/184 ई०
ल० कितल नगर लुधियाना (यथावत न. जागिर जा कि
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के निवेद्य संख्या सं. 6128
माह सितम्बर 1984 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त प्राधिकारी (निरीक्षण)

पञ्चन रज, लुधियाना

तारीख 13-5-1985

मा.र.

प्रत्येक पृष्ठ पर एक पत्र ---

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजमेर रोज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मई 1985

निर्देश सं० लुधि०/280/84-85---ग्रम मुझे जोगिन्द्र सिंह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारों का, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 हिस्सा मफान नं० ब्रा० XIX 1387/
184 ई० है तथा जो डा० किचलू नगर लुधियाना में स्थित
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख अक्टूबर 1984

का प्रोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वकृत संपात का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है
और अंतरक (अंतरको) और अतीरती (अतीरितियों) के बीच ऐसे
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया
गया है --

(क) अंतरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं
पर जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) में वर्णित है, और अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुबन्ध अन्तर्गते द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था कि या जाना जा रहा था, धियान में सूचना
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
बत, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जे० सी० सिंह सबरवाल एडवोकेट
पुत्र श्री अमरीक सिंह पुत्र श्री जगिन्द सिंह निवासी
निवासी बी VIII-768 लकड़ बाजार
लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लाल देवी पत्नी श्री राम चन्द निवासी
33-बी उधन सिंह नगर
लुधियाना।

(अन्तरित)

जो यह सूचना जारी करके पञ्चवत् संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताधारी के
द्वारा, या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, संकेत।

सूचीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा मफान नं० ब्रा० 1387/184 ई० डा०
किचलू नगर लुधियाना (अर्थात् वह आयदाद जो कि रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी लुधियाना के विलख संख्या नं० 6944 माह
अक्टूबर 1984 के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजमेर रोज लुधियाना

तारीख 13-5-1985
साहिर।

कृषि काई टी एन एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 1(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अज्ञत रज नुधियाना

नुधियाना, दिनांक 13 मई 1985

निर्देश सं. नुधि०/269/84-85—आ मूके जोगिन्द्र सिंह
नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम गांधिधारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 1/2 हिस्सा एस० सी० एफ० नं० 33
है तथा जो कर्तार सिंह गरमा नगर नुधियाना में स्थित
है (और उसमें उपाबद्ध अतमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नुधियाना में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए 15 पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने की सम्पत्ति के
वास्तव में कमी करने या उसमें घटने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, निम्न भागीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
आय-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के अन्तर्गत आय या धन का प्रकट तथा किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

इस संकेत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
यह, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन रजिस्ट्रीकरण अधिनियम के अधीन —

(1) श्री अमनदीप सिंह पुत्र श्री अवतार सिंह
पुत्र सरदार बृटा सिंह
निवासी मिर्मा (हरियाणा)

(अन्तरक)

(2) श्री नरनजीत सिंह पुत्र सरदार दशरथ सिंह
निवासी 124-ई
माडल हाउस नुधियाना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आशंका —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से म. न. न. व्यक्तियों के लिए,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा एस० सी० एफ० नं० 33 कर्तार सिंह
मराभा नगर नुधियाना

(अर्थात् यह जापदाद जा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
नुधियाना के विलख संख्या नं० 5592 माह सितम्बर के तहत
दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह

महायुक्त प्राधिकारी

महायुक्त आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अज्ञत न. न. नुधियाना।

तारीख 13-5-85

माह

प्ररूप आई.टी.एन.एस. - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन संचालन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० खरड/45/84-85—अतः मुझे जोगिन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म० न० 282 फेज-II है बी-I है तथा जो मोहाली तहसील खरड में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खरड में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वार्षिक रूप में कटौत नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय का बावत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

जि.र.या

अन्य अर्थवत्तवों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के मोक्षनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) श्री इन्द्रपाल वर्मा सुपुत्र श्री भवानी दास
मकान न० 3035 यू० सैक्टर 15 डी
चडीगढ़ ।

(अन्तरक)

- (2) श्री प्रीतम सिंह सुपुत्र सं० सुर्जन सिंह
निवासी मकान न० 19/17,
पनराम नगर
नरवाना (जीद)

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० 282 फेज-III मोहाली तहसील खरड (अर्थात् वह जायदाद जो रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड के विलेख संख्या 2497 माह सितम्बर 1984 के तहत दर्ज है) ।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना ।

तारीख 10-5-1985

साक्षर :-

अर्थ, 'सी. एन. एस.'-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 मई 1985

निर्देश सं० खरड़ /41/84-85—अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सहायक अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 668 सी फेस-I है तथा जो मोहाली तहसील खरड़ में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पर्याप्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिस्त करने किया गया है ---

(क) अन्तरण यह है कि जो आय का भाग, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में व्यक्ति के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा ब्रूट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिखित में अधिस्त के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—96GI/85

(1) श्री चैत सिंह मुंडरा पुत्र श्री नरन्जभ सिंह द्वारा जी० पो० ए० श्री नरन्जभ सिंह मुंडरा पुत्र श्री बसन्त सिंह मुंडरा निवासी सी 10 इंडस्ट्रियल एरिया फेस-I मोहाली तहसील खरड़ जिला रोपड़

(अन्तरक)

(2) श्री रंजीत सिंह ढिल्लों पुत्र श्री अरुण सिंह ढिल्लों निवासी मकान नं० 668 सी फेस-I मोहाली तहसील खरड़ जिला रोपड़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्भ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के भाग 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 668 सी० फेस-I, मोहाली तहसील खरड़ (अर्थात् यह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी खरड़ के विलेख संख्या 2359 बाह सितम्बर के तहत दर्ज है।

जोगिन्द्र सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13-5-1985

माहुर

प्रत्यक्ष आदेश, टी. एन. एस. - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 मई 1985

निर्देश सं० देहली/1/84-85—अतः मुझे आर के भयाना
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 16 क० है तथा जो सराय बजा में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से दर्जित है
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के देहली स्थित कार्यालय में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ना०
10-9-1984 रजिस्ट्रेशन सं० 821

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित प्र-
वास्तविक रूप से काबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी बाध की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
बाद/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आगिन्यों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम के अन्तर्गत
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग का उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० जग्गी इन्जीनियरिंग इन्डस्ट्रीज (प्रा०) लि०
सी० सी० /23,
कालका जी, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) मै० ग्रेटर अलोक लेन्ड एन्ड डवलपमेंट क०
(प्रा०) लि० फ्लैट नं० 3,
शंकर मार्केट,
कनाट सर्कस,
नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 16 क० सराय संख्या त० बल्लबगढ़
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
देहली में रजिस्ट्री संख्या 821 दिनांक 10-9-84 पर दिया
है।

आर० के० भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, रोहतक ।

दिनांक : 14-5-1985
मोहर :

प्रश्न आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० हिसार/62/84-85—अतः मुझे, आर० के०
भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कोठी नं० 37 है तथा जो डिफेंस कालोनी
हिसार में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अविहारी के कार्यालय
हिसार में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 29-8-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) कैप्टन लोकेन्द्र सिंह चौधरी पुत्र मेजर अमीर सिंह
श्रीमती पुष्पा चौधरी पत्नी कैप्टन लोकेन्द्र सिंह
नं० कोठी नं० 51, डिफेंस कालोनी, हिसार
(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश चन्द्र सेठी पुत्र श्री० सोहन लालसेठी
कोठी नं० 37, डिफेंस कालोनी, हिसार
(अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति कोठी नं० 37, डिफेंस कालोनी, हिसार में
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
हिसार में रजिस्ट्री संख्या 3282 दिनांक 29-8-1984 पर
दिया है।

आर० के० भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक 10-5-1985

मोहुर ३

परूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 मई 1985

निर्देश सं० पानीपत /79/84/85—अतः आर० के०
भयाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या तरफ इसार पानीपत पर स्थित 54
बीघार बि० संख्या वाली, एक लाख रु० से अधिक के उचित
बाजार मूल्य वाली अचल सम्पत्ति (जिसका और अधिक
विवरण नीचे अनुसूची में दिया गया है) को जिसका अन्तरण
(ट्रांसफर और रजिस्ट्रेशन), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के पानीपत
स्थित कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16 के अधीन 6-9-1984 रजिस्ट्रेशन सं० 2931

को पूर्वागत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य से विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वागत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयां) के बीच एस अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बन्धन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
राशियत में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियमों
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
अ, ए० उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री सतीश कुमार

हरीश कुमार पुष्पग सरदारी लाल पुत्र तीर्थराम
सुभाष कुमार, अंशोक कुमार पुत्रान राम लाल,
निवासी गण 45 पानीपत
जिला करनाल।

(अन्तरक)

(2) लुधियाना होजरी एन्ड टैक्स टाइल एसोसिएशन
चोक माधोपुरा,
लुधियाना द्वारा श्रीतररेम लाल जैन पुत्र श्री
बाबूलाल जैन महा अधिव।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वागत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वागत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति या हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 54 बीघा जमिनाना जो कि तरफ इन्सान
पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता
के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्री संख्या 2931 दिनांक
6-9-1984 पर दिया है।

आर० के० भयाना

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक 14-5-1985

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 मई 1985

निर्देश सं० पानीपत 80/84-85—अतः मुझे, आर० के०
भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नक्का इसार पानीपत पर स्थित 26 बीघा-लि०
संख्या वाली, एक लाख ००० अर्धिक के उचित बाजार मूल्य
सुवाली अचल सम्पत्ति (जिसका और अधिक विवरण नीचे
अनुसूची में दिया गया है) का जिसका अन्तरण (ट्रांसफर) और
रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के पानीपत स्थित कार्यालय
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 6-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरण (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरांतरण) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरण के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे. सी. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री ततीश कुमार
हरीश कुमार
पुतान सरदारी लाल,
सुभाष चन्द्र,
अशोक कुमार,
निवासीगम सं० नं० 457
वार्ड नं० 1 पानीपत ।

(अन्तरक)

(2) लुधियाना होजरी एण्ड टेक्सटाइल ऐम्प्लिशेशन
शोक माझपुरी लुधियाना द्वारा श्री तरसेमलाल
पुल बाबूलाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 26 बीघा 11 त्रिमवा जो कितरफ
इमार पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री-
कर्ता के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्री संख्या 2932 दिनांक
6-9-1984 पर दिया है ।

आर० के० भयाना
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज रोहतक

दिनांक 14-5-1985

सोहर :

प्ररूप. आई. टी. एन. एस्. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 मई 1985

निर्देश सं० रोहतक /38/84-85—अतः मुझे आर० के०
भयाना,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान अज्जर रोड पर स्थित 226 वर्गगज
संख्या वाली, एक लाख रु० से अधिक के उचित बाजार मूल्य
वाली अचल सम्पत्ति (जिसका और अधिक विवरण नीचे
अनुसूची में दिया गया है) और जिसका अन्तरण (ट्रांसफर)
और रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के रोहतक स्थित
कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 14-9-1984 रजिस्ट्रेशन सं० 4236
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे, यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने की वस्तु के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रसजनाथ अन्तारात् द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किना जाना जा रहा था, छिपा स मुचिपा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
न. न. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिनियमों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती कलावती पत्नी श्री बाबूलाल बंसल
पुत्री जवाहर लाल पुत्र श्री रामशरण दास जिनदल
निवासी अज्जर रोड रोहतक

(अन्तरक)

(2) सर्व श्री पदमचन्द जैन पुत्र लखमीचन्द जैन
पुत्र ला० बजीर सिंह जैन श्रीमती जैन वती जैन
पत्नी श्री पदमचन्द जैन पुत्र श्री लखमीचन्द जैन
रामकली मार्केट भिवानी
स्टैंड रोहतक ।

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान 226 वर्ग गज श्री कि अज्जर रोड
रोहतक में स्थित है । जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता
के कार्यालय रोहतक में रजिस्ट्री संख्या 4336 दिनांक
14-9-1984 पर दिया है ।

आर० के० भयाना
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज रोहतक

दिनांक 15-5-1985

साहू :

प्रकट बाई. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत राजपत्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 मई 1985

निवेश सं० ए० पी० नं० 5799 और 5800—अतः मुझे,
जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित
हो वास्तविक रूप से कभी नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बाई/या

(ख) इसी किसी भाव या किसी भन या अन्य वास्तविक
के बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नानकचन्द पुत्र किरपाराम
वासी दुरगा कालीनी,
जालन्धर

(अन्तरक)

(2) श्री नरेश कुमार पुत्र सरूपचन्द वासी
एन० के० 276,
चरनजीत पुरा जालन्धर
विलेख नं० 2407 जालन्धर

(2) राकेश कुमार पुत्र सरूप चन्द
वासी उपरोक्त
(विलेख नं० 2408)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति विलेख नं० 2407 और 2408
दिनांक सितम्बर 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर
ने लिखा।

जे० एल० गिरधर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज जालन्धर

तारीख : 13-5-1985

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आधुनिक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, पञ्जाब अग्रहार जागृक (निरीक्षण)
अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मई 1985

निवेदन नं० ए० पी० 580 और 5802-अन. मुखे,
जे० एल० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि 'आयकर सम्पत्ति' विषयक निम्नलिखित आंकड़े मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसको म० जैसा अनुसूची में दिया है तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इसमें 'पात्र अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीयर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अन्तर्गत, तारीख दिनांक 1985

का पत्राक्षर सम्पत्ति के उचित आधार मूल्य से कम 6 दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मूझे यह विश्वास
कारण है कि 'आयकर सम्पत्ति' के आधार मूल्य से कम 6 दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पत्राक्षर प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर्गती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
समस्तित्व रूप में उचित नहीं किया गया है -

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
निश्चित्य में कमी करने या अन्य कारणों से सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किया आय या किसी पत या अन्य आस्तियों
को, अन्तर्गत आयात आकर अधिनियम, 1902
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों के लिए प्रयुक्त नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
लगे हुए के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ में अनुसूची
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती प्रोफ कौर किराणा चन्दा सिंह वासी
गांव कुलार नहरी नं० तकासर (अब वासी दादा कालोनी
जालन्धर) खुद और मुख्यतः पास अग्रहार सिंह, रजिन्द्र-
पाल सिंह पन्ज और सुरिन्द्र और और जीतो अग्रियास जीत
कौर पुत्री चन्दा सिंह।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश पुत्र जगदीश सिंह
वासी गांव शेरु नहरी नं० जालन्धर (विलेख नं०
2522) और श्रीमती सिंह गुप्त जगदीश सिंह
वासी उपराक्ष (विलेख नं० 2526)
(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समवधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्वेषपूर्णता के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख 2522, 2526 दिनांक
सितम्बर 1984 को रजिस्ट्रीयर्ता अधिकारी जालन्धर ने
लिखा।

जे० एल० गिरधर
अध्यक्ष अधिकारी
पञ्जाब आयात आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीख 14-5-85
माहूर .

प्रासूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मई 1985

निर्देश सं० ए० पी० न० 5803 और 5804--यनः
मुझे जे० एल० गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है, है तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख नितम्बर 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय को बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

7—96GI/85

(1) श्री शाम सुन्दर वपूर पुत्र हरवन्सलाल
वासी मिठाबाजार, जालन्धर मुख्तयारे शाम
विजय कुमार,
अर्शाकि कुमार टण्डन,
महजीव कुमार टण्डन
पुत्र सोमनाथ और कमलेश ककड पुत्री
पत्नी रविन्द्र कुमार और शान देवी विधवा
सोमनाथ, B II-3 ए०
नारेन्स रोड
दिल्ली-35

(अन्तरक)

(2) श्री नरिन्द्र कुमार पुत्र राम प्रकाश माफन
मै० राज कुमार एण्ड ब्रदर्स,
दाण्डा रोड, जालन्धर।
(विलेख नं० 2317) और
रावेशकुमार पुत्र राम प्रकाश वासी उपरोक्त
(विलेख नं० 2322) (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृतिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 2317,
2322 दिनांक नितम्बर 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
जालन्धर ने लिखा।

जे० एल० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, जालन्धर

तारीख : 14-5-1985

मोहर :

प्रस्प. भाई. टी. एन. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1985

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5805, 5806, 5807,---यत्
मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है
और जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है) तथा जो
जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, (1908
का 16) के अधीन तारीख मितम्बर अक्टूबर 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतर्गती
(अंतर्गतीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री प्यारा सिंह पुत्र मोहन बाले सिंह
वासी काछला तहसील अजनाला
जिला अमृतसर मुख्तार खान सुरिन्द्र मोहन पुत्र गुरी
राम मुख्तार आम खुशी राम पुत्र नारायण दाम,
148 मैक्टर 28 ग,
चण्डीगढ़

(अन्तरक)

2. (1) मालक सिंह चड्ढा पुत्र राम सिंह
वासी एन० बी० 56
प्रति नगर, मोडल रोड जालन्धर
(विलेख नं० 2633)

(2) श्रीमती जीतनंद कौर पत्नी रजिन्द्र सिंह
वासी एन० बी० 56, प्रीतनगर
मोडल रोड जालन्धर
(2649-2700)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० दिनांक को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा ।

जे० एल० गिरधर
सक्षम अधिकारी
(सहायक प्राधिकार प्राप्ता (निरीक्षण)
अर्जन रेज जालन्धर

तारीख 15-5-1985

मोहर :

प्रथम भाग. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना**भारत सरकार**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 मई 1985

निर्देश सं० ए० 107/85-86--अन. मु.से, एम० के० भटनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो भवन गोदाम में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-10-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री भोला शंकर बाण्येय पुत्र बाबु लाल बाण्येय, कानून गांधी, प्रलीगढ़।

(अन्तरिती)

(2) श्रीमती शान्ती देवी पत्नी श्री नाथबर्मा, परवीन बर्मा व अन्य, शाई, डारा, प्रलीगढ़

(अन्तरिती)

(3)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिकार में सम्पत्ति है)

(4) क्रेता

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अवसृत

मकान स्थित कानून गांधी, प्रलीगढ़।

ए० के० भटनागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कानपुर

तारीख 15-5-1985

मांडर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 मई 1985

निर्देश सं० ए०-108/84 85---अन सू०, एम० के०
भटनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० प्लॉट है तथा जो कन्जोला में स्थित है
(और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिनियम के अधिनियम अलीगढ़ में
रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 20-10-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री संजीव गौतम पुत्र नूतन चन्द्र गौतम, निवासी
लेखराज नगर,
अलीगढ़

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश कुमार पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण निवासी
बोलीगढ़, राजस्थान, एवं गिरराज किशोर, पुत्र लक्ष्मी
नारायण, जयगंज,
अलीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट स्थित बरापुर, कन्जोला, अलीगढ़

एम० के० भटनागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कानपुर

तारीख 15-5-1985

अह्वर ३

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 15 मई 1985

निदेश सं० ए-109/84-85—अनः मुझ, एम०के०
भट्टनागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 13/487 है तथा जो मानिक चौक में
स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलीगढ़ में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 22 नवम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एम० अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरी गोपाल बाण्डाय,
एम/आ० ज्ञान प्रकाश,
मानिक चौक,
अलीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश चन्द्र जैन, श्री/एम०/आ०,
मिटठन लाल जैन,
मानिक चौक,
अलीगढ़।

(अन्तरिती)

(3) कृतागण

(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कृतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
निर्णय में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सं० 13/487, मानिक चौक, अलीगढ़।

एम०के० भट्टनागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 15-5-1985

माहुर :

प्रकृष भाई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 15 मई 1985

निदेश सं० के-169/84-85-अन० मुद्रा, एस०के०
भटनागर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खेत है तथा जो खाडपुर में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
14 सितम्बर 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविध में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक से
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य भास्तिनों
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
की प्रयोषणार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जाया या सा किया जाना चाहिए था, विचारों में
सुविधा के लिए;

धन: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन है—

(1) श्री दीन दयाल एवं
राम चन्द्र एम/ओफ अनिवार,
खोडपुर,
परगना व तहसील, कानपुर।

(अन्तरक)

(2) आइडियल कार्पोरेशन हाउसिंग सो० लि०,
204/2,
जूही लाल कालानी,
कानपुर द्वारा
के०के० श्रीवास्तव,
मचिव।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से
45 दिनों की अवधि या उत्तराधिकारी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, या भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:—इसमें प्रथमदृश्य और धन का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही वर्ध होगा या उस अध्याय में विषय
रखा है।

नमूने

खेत स्थित खोडपुर, कानपुर।

एस०के० भटनागर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख 15-5-1985
मोहर

प्रकृत आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 15 मई 1985

निदेश सं० के-189/84-85—अन. मुझे, एम०के०
भटनागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 832 खेत है तथा जो मुजान पुर में
स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 15 मार्च 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उम्मेद दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
हायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता था और धन, जियाने में सक्षम
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राहुल वाही,
एम/आफ गिरधारी लाल वाही,
17/81 भद्राव माहेव का हाना कानपुर,
(अन्तरक)

(2) नेहरू स्मारक सह० गृह निर्माण,
समिति लि० द्वारा
जागश्वर प्रसाद सिपाही,
अध्यक्ष,
128/356 किदवाई नगर,
कानपुर।

(अन्तरिती)

(3) —वही—

(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) —वही—

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए या मकमें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खेत सं० 832, स्थित दहेली मुजानपुर, कानपुर।

एम०के० भटनागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख 15-5-1985

ओहर

प्ररूप आर्ष. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाबू (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 15 मई 1985

निदेश सं० के-205/84-85—अनः मुझे, एम०के०
भटनागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सभ्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 832 खेत है तथा जो में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 30 जुलाई 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करण का कारण है कि यथाप्राप्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य गतिवस्तुओं
को जिनके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा है—

(1) श्री अधोधा प्रसाद जाही,
सी०/ओ० गनपत राय,
17/81 राम नारायण बाजार,
कानपुर।

(अन्तरक)

(2) नेहरू स्मारक गृह निर्माण समिती,
द्वारा प्रम प्रकाश जिपाठी,
128/35-6 ब्लाक,
किदवई नगर,
कानपुर।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिक

(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खेत 832, देहली मुजानपुर।

एम० के० भटनागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 15-5-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 15 मई 1985

निदेश सं० के-227/84-85-अन मूझे, एस०के०

भटनागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थान परपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० 93/8 के तहत जो लिताग से स्थित है
(और इसका आगच्छ अनुपूर्व स और पूर्ण रूप से दर्जित
है), रजिस्ट्रीगती गतिारा के तहत जो कानपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 23 अप्रैल 1984।

का पूर्ववर्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल को निम्न करने के लिए जो आगच्छ और भूमि प्रह विश्वास करने
का कारण है कि उसका मूल्य उचित बाजार मूल्य से कम है, उसका प्रत्यक्ष प्रतिफल में, उस
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अनुरक्त (अनुरक्त) और अनुरिक्त (अनुरिक्त) के
बीच एक अनुरक्त के लिए एक गद्या गया अनुरक्त, जिसमें अनुरक्त
उद्देश्य से उक्त अनुरक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अनुरक्त में कोई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अन्तर्गत पर देने के अनुरक्त के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या निम्नी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रावधानों के अन्तर्गत, द्वारा एक नतीजा दिया गया
था या किया जाना चाहिए, या, जिसमें से कोई भी
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुरक्त
में, से, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के उपधारा (1)
के अधीन निम्नीगित व्यक्तियों, अर्थात् —

8—96GI/85

(1) श्री एम०एम० भसीन,
एम/ओफ ए० रसीद,
93/12 पेचवाग,
कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रच्छे तवाव एम/ओफ शामशुद्दीन,
93/8 पेचवाग,
कानपुर।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति से हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिदा करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान न० 93/8 स्थित पेचवाग, कानपुर।

एस०के० भटनागर

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

रोख : 15-5-1985

मोहूर :

प्रत्यक्ष आई. टी. एम. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बानपुर

बानपुर दिनांक: 15 मई 1985

निदेश सं० बे-232/84-85—आ.स. मुखो. एस०के०
भटनागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निवेदन करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 127/219-ए है तथा जो जूही, बानपुर
में स्थित है (और जूही जामखंड अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), राजस्थानी अधिपति के कार्यालय बानपुर
में राजस्थानी अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 10 फरवरी 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत का रण है और मुझे यह निवेदन
करने का कारण है कि प्रभावशाली सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, एवं व्यवसाय प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच एवं अन्तरक के लिए तय पाया गया
प्रतिफल नियमोन्मुखित अन्तरक में उक्त अन्तरक निम्नलिखित में
सामयिक रूप से वर्णित रहता है कि यह है:—

(क) अन्तरक से है कि किसी भी आदमी, उक्त
अधीनस्थ के कारण और अन्य के अन्तरक के
दायित्व में इसी प्रकार के अधिनियम के अधिनियम
के लिए: और/या

(ख) ऐसे किसी आदमी या किसी भूत या अन्य जातिवादी
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रभावशाली अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किन्हीं आदमियों को, जिनमें से अधिनियम
के लिए;

जब तक कि उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अधिनियम
के अधिनियम निम्नलिखित व्यक्तियों, संदर्भ है:—

(1) श्री राजकुमार,
पञ्चान कुमार,
राज कुमार व अन्य,
128 एम/38,
मिडवर्ड नगर,
बानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री नि.टा.देवी ना/अ.फ.
हुस्नो अन्तर्गत अन्य,
109/30 बी० रोड,
बानपुर।

(अन्तरितियों)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभाग में सम्पत्ति है)

(1) अन्तरितियों

(वह व्यक्ति, जिसे बारे में
अधीनस्थता जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना अपनी कानून प्रवर्तक सम्पत्ति के अन्तर्गत के लिए
कार्यवाही करने के लिए है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के सम्पत्ति में कोई भी बाधक:—

(क) इस सम्पत्ति के सम्पत्ति में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर
सूचना दी जायेगी या 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाधक में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भानपुर स्थित 127/219-ए, जूही बेल्ला, बानपुर।

एस०के० भटनागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बानपुर

तारीख: 15-5-1985

मोहर:

प्रमुख बाह्य, टी. एन. एस.

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, गानपुर

गानपुर, दिनांक 15 मई 1985

निदेश सं० वे-238/84-85 -अनं. मुझे, एम०के०

भटनागर,

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्यांकन बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 85/52 है तथा जो कोटारसंग में स्थित
है (और इसमें उपावृद्ध अनुपूर्वी में अंश पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्री-तरी प्रधिकारी के कार्यालय गानपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 3 दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुख्य रूप से यह विश्वास
करने का कारण है कि बंधनपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल को
पहले प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरही
(अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वृद्धि, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
बाधित्व में लाने करने या उससे अलग में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आगकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या अन्य अधिनियम, या
आगकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गत एकत्र एकत्र नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :-

(1) श्री बालीलाल गुप्ता,
101/71,
तापस्वना राड,
गानपुर।

(अन्तरण)

(2) श्रीमती पार्वती,
101/71 तापस्वना राड,
गानपुर।

(अन्तरित)

(3) यन्त्र

(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरित

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में
सम्पत्ति-आधारी जानकारी है कि
वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

का यह सूचना प्राप्त करके गुप्तता को ध्यान में रखते हुए निम्न
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

सकल सम्पत्ति के अन्तर्गत के पत्रों से तारीख भी साक्ष्य :-

(क) इस सूचना के प्रकाशन के पश्चात् 45 दिनों की अवधि में
45 दिनों की अवधि या सम्पत्ति-आधारी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 45 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में सम्पत्ति-आधारी हो, के भीतर पर्यवेक्षण
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को
जय लिखित में लिखित में लिखित

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तर्गत

महान स्थित कोषागार, गानपुर।

एम०के० भटनागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, गानपुर

तारीख : 15-5-1985

मोहर :

प्रकाशक: श्री एम्. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 अप्रैल 1985

निदेश सं० के-241/84-85—अतः मुझे, एस०के०
ना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 13/133 है तथा जो सूरतगंज कानपुर
में स्थित है (और इसका उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की अधिकारी के कार्यालय
कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक 6 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और यहाँ यह विश्वास करने
का कारण है कि उपाबद्ध संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का
प्रतिपात अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुए किसी अन्य को अन्तरक, उक्त
अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक के अधीन
में कमी करने या उक्त अधिनियम में दृष्टि के लिए;
कहे/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाता चाहिए या छिपाने में शिक्का
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :—

(1) श्री देवा शंकर गुप्ता,
एन/आफ स्व० श्री गुरुनार प्रसाद गुप्ता,
75/173,
रजनीत पुष्पा, कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नीता देवी,
पत्नी श्री ब्रिज मोहन पात जखोदिया,
श्री मनीष कुमार,
गुप्त श्री ब्रिजमोहन पात जखोदिया,
57/82,
मालवावी गली, कानपुर।

(अन्तरिती)

(3) क्रेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) क्रेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में छ है।

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के विश्व
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 13/133 सूरतगंज कानपुर

एस०के० भटनागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक : 22-4-1985

मोहर :

प्रमुख आर्. टी. एल. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 मई 1985

निदेश सं० के० 242/84-85—अतः मुझे, एस० के०
भटनगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी म० है तथा जो मे स्थित है (और इससे उभावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्री की अधिकारी
के कार्यालय, कानपुर से, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 टी०) के अधीन दिनांक 10 दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरागत का मकड़ है और यह कि यह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एस० दृश्यमान प्रतिफल का पक्का
प्रतिफल अधिक है और अन्तरागत (अन्तरागती) और अन्तरागती
(अन्तरागती) के बीच पूर्ण अन्तरागत का प्रतिफल प्राप्त होगा
और प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरागत निम्नलिखित
के वास्तविक रूप में कोषित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरागत से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरागत के आयत्व
से कटौत करने या उससे अन्तरागत में सौंपने का विचार
आदि/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरागती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री जगमोहन नाल बाजोयी
कानपुर

(अन्तरागत)

(2) श्री राधाचरण
सुपुत्र रेलुमल
108/6 पी० रोड, कानपुर

(अन्तरागती)

(3) क्रेतागण
(वह व्यक्ति जिसके अधिगम में सम्पत्ति है)

(4) क्रेतागण
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अज्ञातस्थायी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समवधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की
अवधि बख्त में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अज्ञातस्थायी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

कानपुर

एक किता मकान स्थित कानपुर

एस० के० भटनगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, कानपुर

दिनांक :- 15-5-1985

मोहर

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

शायलिस, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 अप्रैल 1985

निदेश सं० के० 243/845--ए० के० भटनागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 43/5 है तथा जो नारियल बाजार कानपुर में
स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9 अक्टूबर
1984 को

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-
रित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी
(अंतरिणियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से अभिलेखित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायत्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती भगवान देई,
पत्नी श्री स्व० भगवान दा०,
43/15, नारियल बाजार
कानपुर (अन्तरक)
- (2) श्री नूर्व प्रकाश आदि
सुपुत्र श्री विद्यज शंकर 35/44, बंगाली मोहाल
कानपुर (अन्तरिणी)
- (3) क्रेता गण
(यह व्यक्ति जिसके अधिभाग से सम्पत्ति है)
- (4) केतागण
(यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति से हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के सम्बन्ध में कोई बाधक :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्तुकी

म० नं० 43/15 नारियल बाजार कानपुर

ए० के० भटनागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

दिनांक -21-4-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 अप्रैल 1985

निर्देश सं० के० 245/84-85—अतः मुझे एस० के०
भटनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एच 34 है तथा जो पत्नी, कानपुर में
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में ऑन पर्ण सभ में
गणित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय कानपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 28-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री इन्दर नान, पुत्र श्री जयराम दास,
117/एच-1/337,
माडन टाउन,
पाण्डव नगर,
कानपुर,

(अन्तरक)

(2) अमनी ईश्वरी देवी ए० अन्य
पत्नी श्री निहाल चन्द्र,
122 581 नित्री कालीनी
भात्री नगर,
कानपुर

(अन्तरिती)

(3) क्रेतागण

(वह व्यक्ति जिसे
(अधिमोग मन्सपति है)

(4) क्रेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्य करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है :

अनुसूची

महान सं० एच 34, पत्नी 505 हिट्टीट एरिया कानपुर

एस० के० भटनागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 2-4-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एम.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज बानपुर

बानपुर, दिनांक 15 मई 1985

निर्देश सं० के० 248/84-85--अन सुझे एम० के० भटनागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 106/132 है तथा जो गांधी नगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्री/रती अधिकारी के कार्यालय बानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-9-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एम० दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एम० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत जो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती वसुधा देवी दुबे पत्नी जगदीश प्रसाद दुबे
106/231 गांधीनगर, बानपुर

(अन्तरक)

(2) श्रीमन्मि नशीना चन्दा, पत्नी आन प्रकाश
चन्दा,

87/11 आचार्य नगर, बानपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्मन्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमस्को

नमान सि० 106/213 गांधीनगर बानपुर

ए० के० भटनागर

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जुन रेज बानपुर

तारीख: 15-5-1985

साहूँ :

इस्य बाई टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कानपुर

कानपुर दिनांक 15 मई 1985

निदेश सं० के-250/81-85—अत. मं० एम० के०
भटनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसमें गे० 33-7-एन है तथा जो आनन्दपुरी में स्थित
(और इसमें उपायुक्त अनुशुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रार की कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-9-
1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अधोपूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में लाने करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या स्थानों के
स्थिति के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

9-96G1/85

(1) श्री मन्थ प्रकाश गुप्ता पुत्र श्री किशन स्वर्ण गुप्ता
निवास—एवदशा काटन मिल कामागुड, जूही,
कानपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री रामश्वर दयाल पुत्र श्री छोटेचान, एव अन्य,
50/16, नौबडा, कानपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट सं० 327-ए, आनन्दपुरी, कानपुर

एम० भटनागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कानपुर

दिनांक 15-5-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 मई 1985

निदेश सं० के-254/84-85—अन. सू. अ. एच० व
भटनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूचना अधिनियमों को यह निवेदन करने का
कारण है कि 'आयकर सम्पत्ति' जिसका अर्थ है 'अन्य
1,00,000/- रु. से अधिक है'

और नियमों 12/80 के अन्तर्गत विनिर्दिष्ट लाभांश में से
है (यदि उक्त उक्त अधिनियमों में और पुराने कानून में
रजिस्ट्रारों अधिनियमों के अन्तर्गत, कानपुर व सी. टी. टी.
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत दिनांक 1-9-
1984,

को प्रत्येक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अन्तर्गत
प्रतिफल के लिए अंतरात्ता की गई है और अनेक यह विवेचन
करने का कारण है कि अधिनियमों के अन्तर्गत का अर्थ
मूल्य, उसके अन्तर्गत प्रतिफल में, एक अन्तर्गत प्रतिफल
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्गत अन्तर्गत और अन्त-
रिती (अन्तर्गतियों) के बीच अन्तर्गत अन्तर्गत के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तर्गत लिखित में
वार्ताविक रूप में लिखित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तर्गत से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तर्गत द्वारा श्रुत नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित ---

(1) श्री कृष्ण मो० कै० एच अन्त
प्रमुख खान, लखनऊ ।

(अन्तर्गत)

(2) श्री गणेश शंकर गुप्ता अन्त
पुत्र श्री शिव शंकर गुप्ता,
38/92 नगियल बाजार, कानपुर ।

(अन्तर्गत)

(3) अन्तर्गति
(वह व्यक्ति, जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है)

(4) अन्तर्गति
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधिनियम में सम्पत्ति
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
अवकाशों को बंद करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपक्ष ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात् अन्तर्गति पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त अधिनियम सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिनियमों के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्गति

कानून सं० 15/70 विविध लाइसेंस, कानपुर

एम० के० भटनागर

सक्षम प्राधिका

महायुक्त आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जुन रेज, कानपुर

दिनांक 15-5-1985

मोहर

प्रश्न बाई टी.एन.एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अर्थात् गृहण

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 अप्रैल 1985

निदेश सं० बी-255/81-85-अत म.अ. एम० क०
मउनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विवशता करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

पार जिनका सं० 133/60, है तथा जो आनन्दपुरी, कानपुर में स्थित (पार जिन उपाकृत प्रत्यूना में प्रोत्पन्न, पर म अर्जित है), निम्नलिखित अधिनियमों से समायोजित, कानपुर में स्थित अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम, दिनांक 15-9-84

का प्रभावित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम का दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मक्षे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावित्व में कमी करने या उक्त बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय को किसी बचन का बन्ध अंतरित करने को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए का उपधारा (1) के अधिनियम, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

(1) श्री नारायण प्रप्रवाल पुत्र श्री क० सी० अग्रवाल
366, आनन्दपुरी बुहा, कानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सीता देवी गुप्ता, पति श्री मदनलाल गुप्ता,
287, आनन्दपुरी, कानपुर।

(अन्तरिती)

(3) केतागण

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) केतागण

(यह व्यक्ति, जिसे बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवन्त है)

को यह सूचना द्वारा करके परास्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना का जारी होने से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिए गया है।

अनुसूची

सं० सं० 133/60, आनन्दपुरी, कानपुर

एम० क० मउनागर

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जेन रेंज, कानपुर

दिनांक 17-1-85

माह 1

प्रकृष जाई. टी. एन. एस.-----

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज कानपुर

कानपुर दिनांक 15 मई 1985

निर्देश सं० के-256/84-85--अन मुझे, एम० के०
भटनागर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री गजमरी सं० 191-बी है तथा जो दारा नगर कानपुर में
स्थित है (आर० डब्ल्यू० उदाहरण अनुसूची में प्रार० पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रार/कर्ता
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5
अगस्त 1984

को पूर्वानुमानित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वानुमानित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित से वास्तविक
रूप से अधिक नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की धारा उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसके बचने से सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, धिमान में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:-

(1) श्री प्रीतम सिंह
मुपुत्र खजान सिंह
124/575-बी गार्डिन्स नगर
कानपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमता सरस्वती अग्रवाल
पत्नी श्री हरिण चन्द्र अग्रवाल
8-90 आर्यनगर,
कानपुर ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती
(वह व्यक्ति जिसके आग्रहमात्र में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती
(वह व्यक्ति जिसके बारे में पूर्वोद्घातकरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

यदि यह सूचना जारी करके पुराने सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात्की व्यवस्था पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वानु-
मानित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदघातकरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संस्तान स्थित दारा नगर कानपुर ।

एम० के० भटनागर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज कानपुर

दिनांक 15-5-1985
मोहर ।

प्रारूप बाई टी एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

गजन रज कानपुर

कानपुर दिनांक 27 मई 1985

निदेश सं. सं. 157/81-85--जन मप्र, एन.एस. सं.
गटनागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारों का यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रारंभिकता सं. 109/397 न.स. नगर कानपुर में स्थित है (प्रारंभिकता उपाययुक्त अनुसूची में प्रारंभिकता सं. में वर्णित है) रजिस्ट्री तथा अधिगत के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्री तथा अधिनियम 1908 (1908 की 16) के अधीन दिनांक 6 दिसंबर 1981

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के स्थगित प्रतिफल के लिए प्रतिरक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास है, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम. दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तर्गती (अन्तर्गती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का बाजार उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) एम. किसी आय या किसी धन या अन्य अतिरिक्त को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार मं, मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, अधिगत

(1) श्री मोता राज मठ
मुन्नीगाल मठ आदि
पुत्रगण सं. श्री गिरधर राज
109/397 न.स. नगर
कानपुर।

(प्रत्यक्ष)

(2) श्रीमती सजला देवी
पत्नी श्री रमेशचन्द्र नागा
101-ए/101 गम राज
कानपुर।

(प्रत्यक्ष)

(3) कनागग
(वह व्यक्ति जिस अधिगत में सम्पत्ति है)
(1) कनागग
(वह व्यक्ति जिस वार में प्रवाहता है)
जानता है कि यह सम्पत्ति में निवेश है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत निम्न कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के सबब में कानून में बाध

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अर्वाध या तत्पश्चात् अधिनियम पर सूचना का तारीख से 30 दिन के अर्वाध, या भी अर्वाध बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सदृश

गजान सं. 109/397 न.स. नगर, कानपुर।

एम. सं. गटनागर

गजन रज कानपुर

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

गजन रज कानपुर

दिनांक 27-5-1985

माह

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 मई 1985

निर्देश सं० के-31/85-86—अंत मुझे, एम० के०

भट्टनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 832 व नथा जो देहली सुजानपुर में स्थित है (और इसमें उभाऊ अन्तर्गामी में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रार की अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-9-1981

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि तथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरण) और अन्तरणी (अन्तरणियों) के बीच एम अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित शक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहम्मद वसी एव अन्य पुत्र बली मोहम्मद, 133/1, जूही गंगाना नानपुर । (अन्तरण)

(2) टिचन हार्डिंग एव आफरेंडव सोमायटी लि० 17/1ए हावसी रोड कानपुर । (अन्तरणी)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसने उसे अधोहस्ताक्षरों से जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जो स्थित देहली सुजानपुर, कानपुर ।

एम० के० भट्टनागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कानपुर

दिनांक 15-5-1985

मोहर ,

प्रकाश बाबू, दी. एच. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 मई 1985

निदेश सं० के-32/85-86—अतः मुझे, एम० के०

भटनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 832 है तथा जो दहेली सुजानपुर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 15-11-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिनीयों) के बीच एम० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार धारा में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —
10-96 GI/85

(1) श्री रवी कुमार एवं राकेश कुमार,
17/81 नवाब साहेब का हाता, पटकापुर,
कानपुर ।

(अन्तरक)

(2) नेहरू स्मारक सह० गृह निर्माण
समिति लि० द्वारा प्रेम प्रकाश त्रिपाठी
128/35—जी किदवाई नगर, कानपुर ।

(अन्तरिनी)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

महसूची

खेत स्थित दहेली सुजानपुर, कानपुर ।

एस० के० भटनागर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, कानपुर

दिनांक : 15-5-1985

महूर :

१. सहायक कोषों का नाम, एच. एच. -----

क्षेत्रफल ३००० वर्ग मीटर, १००० (१५०० का ४३) की
द्वारा १००० र (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महाराष्ट्र शासन, आयुक्त (निरीक्षण)

२३१३ २५ ३।१५

10-15-85

विश्व स. १५०-१०१/३१-३१ मत्र, एस०
के० मर्यादा

शायक अधीनस्थ, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके 1-11 नं. 11 का उल्लेख किया गया है) का धारा
7(1) के अंतर्गत निम्नलिखित प्रावधान, यह विवक्षित करने को
आदेशित है कि 1-11 नं. 11, भूकत गैर-जवाबदारी मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

श्री-विनिमयः २७३ तथा वाचस्पत्यस्य स्थित है (श्रीरामायण उपाख्यानम् १५६ पृष्ठ ८)। अग्निवत्), रजिष्ठीमर्वा जलितं तस्मात् प्रजापतिना मन्त्रेण विद्वद्भिराग्रेण अर्घ्यात्मिकम्, १९३ (१३४, १) १ तथा ०, दिनांक २६-७-८१

का पर्व। अतः प्रत्येक प्राप्ति का मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को ही गणना करने के बजाए और मुझे यह विश्वास है कि प्रत्येक प्राप्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके समाप्त परीक्षण से इस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक होना चाहिए अन्तरण (अन्तरणा) और अनन्तरित (अनन्तरिता) के बीच में हम उत्तरण के लिए उद्योग पाया गया प्रतिफल निर्धारित करने के लिये उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया जा रहा है —

16. उत्तर। स. इ. 1-2000। 14 की बाबत, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत करने के अन्तरक के अधिनियम 1951 का उद्देश्य उक्त में मर्यादा पितृ सत्कार/पूजा

(५) जिन विधियों में किसी धन या अन्य आम्नियते का निष्पत्ति भवितुमै प्रारंभ कर अधिनियम, 1920-1921 या 1911 या उक्त अधिनियम, या 1920 के अधिनियम 107 (1957 का 27) के अधिनियम 107 अन्तर्गत नवी क्रिया करने में या उनमें से किसी एक में परिवर्तन लाये जाने के लिए

प्रश्न १५. निम्नलिखित में से एक भाग २७०-ग की अनसंरचना
प्रश्न १६. निम्नलिखित में से एक भाग २७०-ग की उपधाग (१)

(1) श्रीमता जर्गी । गुरु इत्ती फजल हुसैन
प्रतीन नि० 181 ताल कुर्ता मेरठ ।

(अन्तरक)

(८) श्री श्रीमद्विष्णु पुत्र श्री निवाकर
श्री गंगा दत्ता तन्तो श्री श्रीमद्विष्णु
म० न० ८७३, नाल कुर्नी,
मन्ड

(अन्तरिती)

(3) निर्दिष्ट

(वड वार्ता, जिगद अविभोअ में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्मृति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

संक्षेप सम्पादन २ अर्द्ध ५ मध्यमध में काह भी आक्षेप --

(7) हय भूखता के राखपत्र म प्रकाशन की तारीख म 45 दिन के अवधि म तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मबला का तामील म 30 दिन की अवधि, ओ भी पब्लिश बाइ में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवस्था । (नोटिफिकेशन द्वारा)।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसंखी

मसोन सं० २७३ लाल कुर्ती—मेरठ ।

मम० के० भट्टनागर
सक्षम प्राध्विकारी
महायव आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(अर्जन रेज), कानपुर

दिनांक 29-1-85
माह

प्रकरण बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 अप्रैल 1985

निदेश सं० एम०-1615/84-85—अन० मुज० एम० के०
भटनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 261 है तथा जो दिल्ली में स्थित है (पौराणिक
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से प्रस्तावित है) विदेशी धर्म-
स्थलों के प्राथमिक बुझावा में विदेशी धर्म स्थलों में, 1998
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-7-64,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कट के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्त-
रिती (अन्तरित्य) के बीच एम प्रमाण के लिए तब परत
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप में कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी आय को बाध, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में बाध
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में बाध
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्षित :—

(1) श्री प्रतापचन्द्र पुतल सिंह
ग्राम निवासी - प०-मंडला - बुझावा
मुजफ्फर नगर

(अन्तरक)

(2) श्री विजयेंद्र सिंह एवं श्री लक्ष्मण
श्री राम लाल सिंह लखनऊ निवासी
नि०—दिल्ली ग्र० बल्लारी
नि०—मंगल

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसने अधिनियम में वर्णित है)

को यह सूचना जारी करके प्रस्तावित सम्पत्ति के अधीन के निम्न
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में काटे और बाधित :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के पश्चात् 45 दिनों की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना को सम्बन्ध में 30 दिनों की अवधि, जो भी
बाधित बाध या सम्पत्ति होती है, के अधीन पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के अंतर में, या कभी-कभी अन्तरित्य
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, सम्पत्ति के बाध
लिखित में बाध को गणना।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खता नं० 261 टी.टी.

एम० ए० भटनागर
नयन प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
(अर्जुन रेंज), कानपुर

दिनांक : 29-4-1985
महेश

प्रमाण नम्बर. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निदेश सं० एम०-1606/84-85—अतः मुझे, एस०

के० भटनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० के०-68 है तथा जो कवि नगर गाजियाबाद में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-9-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्दा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सापेक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ततः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विद्या भूषण पुत्र श्री यजपाल
नि०—साही अस्थान गंगुशा नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पवन शर्मा पत्नी श्री लालचन्द शर्मा

नि० के० एम०-122 हवि नगर गाजियाबाद

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोह में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

। स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० के० के०-68 कवि नगर गाजियाबाद

एस० के० भटनागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, कानपुर

दिनांक : 29-4-85

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निदेश सं० एम-1603/84-85--अतः मुझे, एस० के०
भटनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० आर-8/38 है तथा जो राजनगर गाजियाबाद
में स्थित है (और इनमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रार-अधीन अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में,
रजिस्ट्रार-अधीन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 15-9-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि उपायुक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उपायुक्त उपायुक्त अन्तरक विधिक नो वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सतीश कुमार पुत्र श्री बिहारीलाल
नं०-220 सुकुन्द नगर, गाजियाबाद ।
(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा
पुत्र श्री देवदत्त शर्मा
नं०-बी०-35
लोहिया नगर गाजियाबाद ।
(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसके अधिनियम में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां कराए हों ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० आर 8/38 राजनगर गाजियाबाद ।

एस० के० भटनागर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, कानपुर

दिनांक : 29-4-1985
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निदेश सं० एम०-1601/84-85-अन. मुझे, एस० के०

भटनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4 है तथा जो देहली रोड, मेरठ में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत दिनांक 30-9-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अनिल कुमार अग्रवाल
पुत्र श्री परमात्मा शारदा
नि०-191 निविल लाईन मेरठ ।

(अन्तरित)

(2) श्री दुष्यन्त कुमार पितर
रत्ना गार वैष्णो -नि० -वेस्टन कचहरी रोड,
मेरठ ।

(अन्तरित)

(3) अन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट सं० 4 देहली रोड, मेरठ ।

एस० के० भटनागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण),

(अर्जुन रेज), कानपुर

दिनांक : 29-4-85

माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० एम०-1579/84-85—अतः मुझे, एस०
के० भटनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
“सर्वे पञ्चात उक्त अधिनियम” कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विवरण करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो पायल थियेटर में स्थित है (और
इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दादरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-9-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के दायित्व बाजार मूल्य से कम के दायित्व
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्यम विवरण
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दायित्व प्रतिफल से ऐसे दायित्व प्रतिफल का
पट्टा प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री सुरेन्द्र प्रकाश पुत्र अनन्त प्रकाश वंसल व शैलेन्द्र
प्रकाश वंसल पुत्र महेन्द्र प्रकाश वंसल
नि०—वाधरो बाग—सिकन्दराबाद
(बुलन्दशहर)

(अन्तरक)

(2) श्री फूलचन्द वभूना लाल, संजय कुमार पुत्र श्यामलाल
आदि ।

पायल थियेटर में रेलवे रोड, दादरी जि० गाजियाबाद
(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अविशेष में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पायल थियेटर में स्थित रेलवे रोड, दादरी गाजियाबाद ।

एस० के० भटनागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

(अर्जुन रेंज), कानपुर

दिनांक : 29-4-1985

माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निदेश सं० एम०-1578/84-85—अतः मुझे, एस० के०
भटनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 2508 है जो डिप्टीगंज में स्थित (और तथा
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुलन्दशहर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-9-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिस्थियों) के बीच एम् अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एम्सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जशदा बेगम

मौ० डिप्टीगंज, नगर बुलन्दशहर।

(अन्तरक)

(2) श्री परवेज आलम पुत्र श्री अहमद हमन, श्री अनी हमन,

मकान सं० 2508 नौ० डिप्टीगंज, नगर

बुलन्दशहर।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोचन में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रहण
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवैधतापूर्वक 4. पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान सं० 2508 मौ० डिप्टीगंज।

एस० के० भटनागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अर्जुन रेज), कानपुर

दिनांक : 29-4-1985

मोहर :

प्रकृष बाई.टी एन एम -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निदेश सं० एम०-1577/84-85—अन सुझे, एम० के० भटनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 136 है तथा जो मुमहारा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिभारी के कार्यालय, बुलन्दशहर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-9-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

11-96GI/85

(1) श्री मुहम्मद हुसैन पुत्र श्री मज्जाद हुसैन
गाम—रूपनपुर प्र० तथा नि० बुलन्दशहर ।
(अन्तरक)

(2) श्री शर्मा-राम जगन्नाथ पुत्र श्री हीरालाल व मुनीश
कुमार पुत्र श्रीमप्रकाश
नि०—54 दाल मण्डी, बुलन्दशहर ।
(अन्तरिती)

(3) (अन्तरिती)
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समस्त

खेन सं० 136 बाके मुमहारा, वरन बुलन्दशहर ।

एम० के० भटनागर

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
(अर्जुन रेज), कानपुर

दिनांक 29-4-85

मोह०

प्रश्न क्रमांक 100 वृत्त. पू.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन संचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निदेश सं० एम०-1530/84-85—अतः मुझे, एम० के० भटनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'सक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं — है तथा जो हापुड़ में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, हापुड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-9-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में उक्त अन्तरण जिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व को कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तुओं को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अनिल कुमार वन्द रघुवीर शरण,
नि०—बाबूगड, छारो ताली मोडाता, पकड़ा
वाग, हापुड़, गाजियाबाद।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजकुमारी पत्नी श्रीकाश नाथ
श्रीमती कुल्लादेवी पत्नी मिर्गिलाल
नि०—रेलवे रोड, हापुड़, गाजियाबाद।
(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तविकता:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि वा तत्पश्चात् की अवधि के पश्चात् सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिय गया है।

अनुसूची

प्लॉट, जिसका क्षेत्रफल 2024.03 वर्गगज है।

एम० के० भटनागर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
(अर्जुन रेज), कानपुर

दिनांक : 29-4-85
मोहर :

प्रश्न नार्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कामपुर

कानपुर, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निदेश सं. एम०-1529/84-85—अतः मुझे एम० के० भट्टाचार्य,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

आर जिसकी सं. फैंकट्री है तथा जो हापुड़ में स्थित है (आर इसमें उपबद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हापुड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मिनस्वर 1984, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, भिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुए किसी बात की वारत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उक्त वर्णन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय नाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा ---

- (1) श्री इन्द्रजीत सिंह, थानेश्वर वरुण
पुत्र हीरालाल वसमपुरा हापुड़ गाजियाबाद ।
(अन्तरक)
- (2) श्री अब्दुल रहमान मो० उममान
मु० मुनेमान श्री इरफान पुत्र मु० यासीन
नि०—कोटना मोतीयान पा० हापुड़
जि०—गाजियाबाद ।
(अन्तरिती)
- (3) अन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिद्ध कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के प्रत्यक्ष में कोई भी बाधकः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रखे किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवरोधकारी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

स्थित एक फैंकट्री हापुड़ गाजियाबाद में ।

एम० के० भट्टाचार्य
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
(अर्जुन रेज), कामपुर

दिनांक : 29-4-85

मोह०

प्रकाशित: टी.एन.एच.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० एम०-1521/84-85—अन: मुझे, एम० के०
भटनागर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 162 है तथा जो मोहनपुरी में स्थित है (और
और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दख्तमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दख्तमान प्रतिफल से ऐसे दख्तमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
निष्पत्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
वर्षिकर से कमी करने या उचित करने में बाधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रबोधमार्ग अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
बाधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जिनके नाम हैं—

(1) श्री मंतोप पाल डुवलिस पुत्र श्री
पुत्र श्री राम गोपाल डुवलिस
नि०—162 मोहनपुरी मेरठ ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रमा रतिलम
पत्नी श्री नरेश चन्द रतिलम
नि०—रुदीम ग्राम दानपुर अनुपशहर
जि०—बुलन्दशहर ।
वर्तमान नि०—हीरालाल बिल्डिंग वेगम बाग
मेरठ ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

एक मकान नं० 162 मोहनपुरी मेरठ ।

एम० के० भटनागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अर्जन रेज), कानपुर

दिनांक . 29-4-1985

मोहर &

प्रारूप आर्द्.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निर्देश सं० एम०-1401/84-85—अत मुझे, एम०
के० भटनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 2/2436 है तथा जो नगरावणपुरी में स्थित
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महाराजपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-
8-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, पूर्ण दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, आयकर
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रारूप नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए,

(1) श्री गोपाल दाम पुत्र स्व० सन्दागर निचैल सिंह
कालांती

नि०—गिर कालांती, महाराजपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शर्मा रम्य पत्नी अशोक कुमार रम्य

नि०—रम्बा बहट

जि०—महाराजपुर ।

(अन्तरिती)

(3) (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधाहस्ताक्षरी जानता
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

सूचना सं० एम० न० 2/2436, कालांती नगरावणपुरी

एम० के० भटनागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

(अर्जन रज), कानपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 29-4-1985

साहू

प्रकृष आइ. टी. एन. एम.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार:

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निदेश सं० एम०-1403/84-85—अतः मुस, एम० के०
भटनागर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

आर जिनकी सं० 51/2 है तथा जो परवा इन में स्थित है (आर
इसमें उपावद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप में वर्णित है), अभिलेखीकृत
अधिकारी कार्यालय, देहरादून, में, अभिलेखीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28-9-84,

को पूर्ववर्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित का गृह है और भूक यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्ववर्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम० सम्पत्ति प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एम० अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तविक अन्तरण
निबन्ध के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आर/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनाध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अथ- भव उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री एम० गुरेन्द्र सिंह लाम्बा
भूपेन्द्र सिंह आदि एम० भाग सिंह
इमरीटी पुल रोड, हरिद्वार रोड, देहरादून
(अन्तरक)
- (2) डा० छत्तरा दत्तपन्न
पुत्र परम दत्त पन्न
नि०—थर्ड मेन रोड, जया महल
बगलौर ।
(अन्तरिती)
- (3) अन्तरिती
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्ववर्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या हस्तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्ववर्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
उही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

51/2 परवा-दून देहरादून ।

एम० के० भटनागर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
(अर्जन रोज), कानपुर

दिनांक : 29-4-85
माह ५

रूप आई टी एन एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कामपुर

कानपुर, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निदेश सं० एम० 1402/84-85—अन० मुजे, एम० के०
भटनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिनकी सं० 280 है तथा जो माजरी में स्थित है (और
इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 28-9-84,

को पंजीकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उचित बाजार प्रतिफल से, एम० दृश्यमान प्रतिफल का
पक्ष में स्थित में अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिणी
(अन्तरिणी) के बीच एम० अन्तरण के लिए मूल्य पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से—उक्त अन्तरक लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
सापेक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
उक्त अधिनियम के अधीन होने के कारण पकड़ नहीं किया
गया है या कि या आया जा रहा है, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ख के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सचन्द्र सिंह पुत्र श्री लाल नवरत्न सिंह
सि०—13 न्यू पर्व रोड,
देहरादून।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जयन्ती देवी
पुत्रो श्री जीत सिंह
ग्रा० समरऊ पावटा गाहिव
जि०—मिरसो (हि० प्र०)

(अन्तरिणी)

(3) अन्तरिणी
(वृ० व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सूचना के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के अन्तर में उक्त सम्पत्ति पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि में भी
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, के भीतर पूर्वोक्त
आस्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिनों के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सं० 280 सी० माखरी ग्राण्ट परवाइन देहरादून।

एम० के० भटनागर

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
(अर्जुन रेज), कामपुर

दिनांक : 29-4-85

मोहर

प्रमाण बाई टी एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, नांक 24 अप्रैल, 1985

निदेश सं० एम० 1291/84-85—अन: मुझे एम० के०
भटनागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी-31-ईई है, तथा जो नोर्डेडा में स्थित है
(और इसमें उमावद्व अनमची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नोर्डेडा, में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
14-9-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एम० अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. मेसर्स फाईन वायर क०,
श्री राजेश कुमार तन्त,
प्री-13, एनक्लेव, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० मेटल, सर्कज फिजिंस, एण्ड फैक्ट्री,
मेटल द्वारा, श्री राम नाथ बत्रा
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जनों के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के बर्जन के मुख्यधन से कोई भी लाभ :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के इस
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

डी-31-ईई, नोर्डेडा।

एम० के० भटनागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 29-4-1985

मोहर :

प्रश्न नम्बर टी एन. एम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 अप्रैल, 1985

निदेश सं० एम० 1401/84-85—अनः मुझे, एम० के०

भटनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन गण्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि आधार सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० है, तथा आ आ० मिर्जापुर में स्थित है (और इसमें उक्त अधिनियम में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में उसे दृश्यमान प्रतिफल का शतक प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एम० अन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिफल, 'अन्तरिती' के अन्तरण में उक्त अन्तरण निम्न में वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिनियम में कभी करने या उससे बचने के लक्ष्य के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में निविश के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—96 GI/85

1. श्री जीवन सिंह, श्री ज्ञान सिंह,
आ० हवीवपुर, जिला गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2. विद्याल महतारी आवासीय समिति लि०,
दादामे, बी-4, ए० पी० स्टेट, इन्डस्ट्रियल एरिया
लोनी रोड, मोहन नगर,
गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन से सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति या में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात् अन्तरिती के अधिनियम में किए गए उक्तों से

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, आ० मिर्जापुर, प्र० लोनी, सह व जिला गाजियाबाद में स्थित है।

एस० के० भटनागर

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

दिनांक : 29-4-1985

मोहर

प्रकृष माह' टी. एन. एह -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 अप्रैल, 1985

निदेश सं.एम 1532/84-85—अन मूझे एम० के
भटनागर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसमें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूचना प्रकाशनी का, यह विवरण करण का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री० जिसकी सं० 550, 549, 553 है, तथा जो महीउद्दीनपुर,
मे स्थित है (आर इससे उपाखंड अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 13-9-1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अग्रित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरिती) के बीच एम० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, जिसमें लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में अन्तर-
किक रूप से अधिस्त नहीं किया गया है --

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की राशि उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
करी करने वा उससे बचने में सविधा के लिए,
और वा/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1 श्री अमरसिंह, पुत्र रामजी लाल
ग्राम मही उद्दीन पुर, प्र० लोनी, तह० दादरी,
जिला गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2 मै० देहली, आटो एण्ड जनरल फाइनेन्स, प्रा० लि०
6, तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कायवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रा० मही उद्दीन, पुर, परगना, लोनी, तह० दादरी, जिला
गाजियाबाद, खसरा न० 550, 549, 553।

एम० के० भटनागर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

दिनांक : 29-4-1985
मोहर

प्रमुख भाई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

महाराष्ट्र सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 अप्रैल, 1985

निदेश सं० एम-1400/84-85—अनः मुझे, एम० के०
भटनगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब में अधीन सूचना प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो मकनपुर, में स्थित
(श्री एम उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
19-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम/ दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी/ आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में किसी कटौत या उचित करने में सूचना
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था कि या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचना के लिए

अनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षों :—

1. प्लाट होल्डर्स, एसोसिएशन,
गोपाल नगर कालोनी,
मिरजापुर।

(अन्तरक)

2. विशाल सहकारी आवास समिति लि०
दादरी, बी-4, नैनी रोड
द्वारा, आनन्द सरूप निघल,
यू० पी० स्टेट, इन्डस्ट्रियल,
गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अभिभाग में सम्पत्ति है)

यह यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन में उक्त में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और बंदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि मिरजापुर, गाजियाबाद।

एम० के० भटनगर
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 20-4-85
मोहूर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 अप्रैल, 1985

निदेश सं० एम० 1531/84-85—जा सूचे, एन० के०
भटनागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 549 है, तथा जो मोहीउद्दीनपुर, दादरी, में
स्थित है (और इससे उपानुद्ध अनुसूची में आय पूर्ण रूप में
वर्णित है (एजिस्ट्रीशरी अधिकारी के कार्यालय, दादरी में
एजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत
दिनांक 13-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
वायित्व के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भुल्ले, पुत्र श्री सनहरी,
निवासी बी० मोहीउद्दीनपुर कनॉई, लानी,
त० दादरी, जिला गजियाबाद।
(अन्तरक)
2. दिल्ली आटा एण्ड जनरल फाइनन्स, प्रा० लि०
6, तिलक मार्ग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)
3. अन्तरिती
(वह व्यक्ति जसके अधिमोम में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी व
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिए
गये हैं।

अनुसूची

549, 550, 554, 551, 556 बी मोहीउद्दीनपुर, दादरी
जिला, गजियाबाद।

एम० के० भटनागर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉय, कानपुर

दिनांक : 29-4-1985

मोहर :

अरुण भाई . टी . एम . एस . -----

आधर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालय, सहायक आरक्षक आयुक्त (निरीक्षण)

जिन् रोज ॥ निपुः

गानपुर, दिनांक 29 अप्रैल, 1985

निदेश स० एम 1535/84-85—जत मुखे, एस० के०
भटनागर

बायबर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसने इसके पश्चात् उन अधिनियम धरा गया है), को धारा 269-ख के अर्थात् सधम गणित्वारी को यह निश्चय करने का कारण है कि "यह समिति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु से अधिक है"

और जिगाई म० 56 है। साजा दादरी में स्थित है (और इसमें उगावड़ तापुची में भी) पुष्प लगा। (गणित है) गजिस्ट्री-नर्ती नदियाँ व तापुची, दादरी में गजिस्ट्रीपुष्प अधिनियम, 1908 (1908 में 16) के तहत दिनांक 28-9-84 का पंजीकृत संपत्ति के अधिनियम द्वारा मूल्य से कम के दृश्यमान प्राप्तफल के लिए अस्थायी का गढ़ है और प्रभु यह विश्वास करने का कारण है कि संपत्तिप्राप्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसमें दृश्यमान प्राप्तफल के दृश्यमान प्रमाणों का प्रत्यक्ष प्रतिपादित अधिकार और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिकी (अन्तरिकी) के बीच एक अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल। अन्तरिकी के उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कीमत नहीं किया गया है —

(क) अन्तर्गत में है कि किसी माय का बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) एसी किसी या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्वर्तिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सन्निधा के लिए।

जतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 सरदार राम सिंह जरोडा,
पु० सं० गुरु अचन रीरि,
निवासी 12 एन, डब्ल्यू० ए० पन्नाबी बाग,
एक्सप्रेसवे, सं० दिल्ली ।

(अन्तरक)

2 श्री सुरद्र कुमार गुलाटी पुत्र जगदीश लाल गुलाटी आदि
निवासी 635, हर नाम शाह कला गली न० 1,
ढाव बस्ती राम जमत्सर, पंजाब।

(अन्तरिती)

3 अन्तर्हिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

क्या यह युचना और करक पुरावास्त मर्यात्त क अजन क निम्न
कायदादिया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के क्षय के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) दस महीना के गणपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि या तत्समकक्षी व्याप्तता पर पञ्चांग, तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बड़ा हो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों या किसी व्यक्ति द्वारा,

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निहित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित माँग लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के मा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूया

प्लेट न० 56 दादरी जिला गाजियाबाद ।

एस० के० भटनागर

सदस्य प्राधिकाारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कानपुर

दिनांक: 29-4-1985

माहुर ॥

प्रारूप आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)

अर्जुन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 अप्रैल, 1985

निदेश सं० एम 1540/84-85—अतः मुख, एस० के०
भटनागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जसकी सं० है, तथा जो सूर्यनगर में स्थित है
(और इसने उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय, सूर्यनगर रजिस्ट्रार
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
10-9-1984

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्बन्ध
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की, यावत्, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यय से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य जातिस्थानों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती स्वर्ण कौर, पत्नी दर्शन सिंह, गुजराल,
के० 9, कृष्णा नगर, दिल्ली-51 (अन्तरक)
2. कस्तूरी लाल पुत्र श्री बोध राज, कृष्णा नगर,
दिल्ली-51 (अन्तरिती)
3. अन्तरिती ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णतः
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पक्ष
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्बों और बर्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्यमान
था है।

अनुसूची

एक किला मकान, सूर्य नगर, गाजियाबाद।

एस० के० भटनागर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)
अर्जुन रेज, कानपुर

दिनांक : 29-4-1985
मोहर :

प्रत्यक्ष आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 अप्रैल, 1985

निदेश सं० एम० 1398/84-85—अतः मुझे, एस० के०

भटनागर

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसका सं० है, तथा जो पटेल नगर, में स्थित

है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है)

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ में रजिस्ट्रीकरण

अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक

6-9-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को
प्रयोजनार्थ अंतरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

1. श्री रोशनलाल चौपड़ा, पुत्र एन० जी० चौपड़ा,
साउथ एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी श्री घनप्रकाश अग्रवाल,
आनन्द प्रकाश अग्रवाल, आदि
मकान नं० 40, उत्तरी पटेल नगर,
मेरठ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करना करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में निवेदन करना।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 40, उत्तरी पटेल नगर, मेरठ में

एम० के० भटनागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

दिनांक : 29-4-1985

माहुर :

प्रकाशक: टी. डी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निदेश सं० एम 1393/84-85—अत. मुझे, एम० के०

भटनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वक प्रकाशित, निम्नलिखित सूचना में
1,00,000/- रु. से अधिक है

अंतरिम सं० आर/5/4 है, तथा राज नगर, गाजियाबाद
में स्थित है (और इसमें उपाय अंतर्भूत है और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्री की अधिकांश का कार्यालय, गाजियाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 5-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम व. दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अधिस्त की गई है और यह अधिस्त
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पेनु प्रतिलक्ष से अधिक है और अंतरिम (अंतरिम) और अन्तरिम
(अन्तरिमों) के बीच एम अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण सं० एम० के० भटनागर, उक्त
अधिनियम के अधीन सूचना देने के अन्तर्गत के अधिनियम
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
अतः/यः

(ख) ऐसी किसी आय या फिन्स भन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिम द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमता शकुन्तला राजपाल तथा श्री एम० बी० राजपाल
निवासी बी 356, न्यू फ्रेन्ड्स कॉलोनी,
नई दिल्ली।

(अन्तरिम)

2. श्री अदीप कुमार, पुत्र श्री गेम चन्द,
निवासी 15 सी/118, महारू नगर, गाजियाबाद।
(अन्तरिम)

3. अन्तरिम
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही कराया हुआ है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन का अवधि या तत्पश्चात् भी व्यक्तिगत या
सूचना की तारीख से 30 दिन का अवधि, जो भी
अवधि बाद में सम्पन्न होती है। जो भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तिगत से से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सूचना सम्पत्ति में हस्तगत
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्तधारी के पास
लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संकेत न० आर/5/4, राज नगर, गाजियाबाद।

एम० के० भटनागर

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

दिनांक 29-4-1985

मोहर

प्रथम भाग टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निदेश सं० एम० 1395/84-85-अन: सुझे, एस० के०
भटनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिनकी सं० है, तथा जो महुआ कोट में स्थित है
(और इसमें उपावध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
14-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्का प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक से
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सौविधा
के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या बिना होता वह होगा या विधान में सम्पत्ति
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

13—96 GI/85

1. महानन्द मिश्र, होम सोसायटी,
द्वारा श्रीमती सरोजनी बोस, पत्नी
श्री सुबोध चन्द बोस,
हार्जुन डिग्री कालेज, गाजियाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री हरिजिचन्द्र, पुत्र देवक राम आदि
ग्रा० शाहपुर, बमहेटा, डामना,
जिला गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

3 अन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग हूँ सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सर्पान के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्याप्तियों में
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो
उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम महुआ सराय, लोनी, जिला गाजियाबाद।

एम० के० भटनागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कानपुर।

दिनांक 29-4-85

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निदेश म० एम० 1289/84-85—अन मूझे, एम० के०

भटनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी म० है, तथा जो ममराला में स्थित है (श्रीर इनमें उपावद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

1. श्री रमेश विषल पुत्र श्री हरनारायन दाम मिश्र
निवासी डी-25, मी० मी० कालोनी, दिल्ली।
(अन्तरक)
2. मैमयं बसामा लापा कैमिकल्स,
एच-278, ग्रेटर कैलाश, I, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)
3. अन्तरिती
(वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्षुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति ममराला, बुधियाना।

एम० के० भटनागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर।

दिनांक 29-4-1985

माहूर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 मई 1985

निदेश सं० एम० 60/85-86—अतः मुझे, एम० के०
भटनागर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और निम्नी सं० 10ए.हं. तथा जो सरकुलर रोड, में स्थित है
(आर) इनमें उदाहरण अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
नियंत्रिकाधिकारी के कार्यालय, देहरादून में निम्नीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
14-9-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि दशापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एम० अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के लिए किसी नाम की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वर्षाव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसा किसी नाम या किसी धन अन्य वास्तियों
को किन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाता चाहिए या छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती पायलजीत कौर पत्नी श्री टी० ज्ञानी
निवासी 10/ए, सरकुलर रोड, देहरादून ।
(अन्तरक)

2 श्री बी० के० विजेंद्र, पुत्र स्व० श्री बी० एन० विजेंद्र
निवासी 13/ए, बलबीर रोड,
देहरादून ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिनके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहिया करना है।

उक्त संपत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांचें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन का अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन के तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा या उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

10/ए, सरकुलर रोड, देहरादून ।

एम० के० भटनागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज, कानपुर ।

दिनांक 15-5 1985

मोहर :

प्रत्येक भाग टी.एच.एच.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सड़क

सहायक, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, वानपुर

वानपुर, दिनांक 15 मई, 1985

निर्देश सं० एम-59/85-86---अन मुसे ए५० के०
भटनागर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो तिल मार्ग, में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्री की प्रधिकारी के कार्यालय, देहरादून में रजिस्ट्रार-
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
3-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से क्रियत
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्री रमेश कुमार प्रभाकर, आदि
पुराना बट्टीनाथ मार्ग, ऋषिकेश।

(अन्तरक)

2 मै० अभिशेष आयल मिल : ऋषिकेश,
पा० प्र० परवा दून,
जिला देहरादून।

(अन्तरिती)

3 अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

तिल मार्ग, ऋषिकेश, देहरादून।

एम० के० भटनागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, वानपुर

दिनांक 15-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 मई, 1985

निदेश सं० एस-120/84-85--अत. मुझे, एस० के०
भटनागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 3/1 है, तथा जो हरिद्वार रोड, देहरादून से
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्री-धारी अधिपति के कार्यालय, देहरादून में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 6-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
संग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरक के वास्तव
में कमी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भरा-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

1. श्रीमती निर्मल देवी, निरमल रानी,
पत्नी श्री राम नन्द आदि।
निवासी 3/1, हरिद्वार रोड, देहरादून।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शर्मा देवी, पत्नी श्री आर० पी० रस्तोगी
पी० भुना दिया, धुरकी बुधयान,
देहरादून।

(अन्तरिती)

3. अन्तरिती

(अन्तरक)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसम्बन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुप्राणी

प्रामाण्य वेरिग, नं० 3-1, देहरादून।

एस० के० भटनागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कानपुर

दिनांक 15-5-1985

कोडर १

प्रथम भाग टी एन एच -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, वानपुर

वानपुर दिनांक 15 मई, 1985

निवेदित सं. एम. 3/84व85 -अन मुझे एम. के. 0
भटनागर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात 'इस अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग की अन्तर्गत प्रत्येक व्यक्ति को सूचित करने का
आदेश है कि शासन सम्पत्ति जिसका मूल्य बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे ग. 9 है तथा जो अस्टेले राड में स्थित है (और
इसमें उपायुक्त प्रमुखों में श्री ग. 9 में वर्णित है) रजिस्ट्री-
गति परीक्षण के माध्यम से देहरादून में रजिस्ट्री एण्ड अगि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रवर्तित दिनांक 5-9-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मझे यह विश्वास करने
कारण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
मासिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है कि किसी एक की वस्तु, नवल
सम्पत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक के
प्रतिफल से कम करने या उचित करने के अधीन
के लिए; और/वा

(ख) ऐसे किसी आय या निती वन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
है।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1 श्री परमेश्वर,

8 कुचा अमी सिंह, मुजफ्फर नगर,

(अन्तरक)

2 श्री मांगी लाल, श्री अग्रविहारी लाल,
35 ई.सी. राड, देहरादून।

(अन्तरिती)

3 अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
सम्पत्ति के अधिभोग के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिनों के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रापटी सं. 9-डी, अस्टेले राड, देहरादून।

एम. के. 0 भटनागर

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, वानपुर

दिनांक 15-5-1985

मोहुर

[हस्ताक्षर]

प्रकृष बाई.टी.ए. १६ - १९८५

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (1) के अधीन संज्ञक

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

महायक प्रायः प्रायश्चित्त (निरीक्षण)

अर्थ मंत्रालय, नया दिल्ली

दिनांक दिनांक 5 मई 1985

निदेश सं० एम-1549/84-85 दिनांक 15 मई, 1985 में

भटनागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43, (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० 74 है, तथा जो चन्द्रावती में स्थित है (और
इसमें उपायुक्त प्रमुखी में श्री जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिपति के अधीन, देहरादून में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
28-9-84

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और भूत यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम दृश्यमान प्रतिफल के
एक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच एक अन्तरण का अन्तरण प्राप्त गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में किसी कर के अन्तरण के अन्तरण के अन्तरण
के अन्तरण के अन्तरण

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता आदिष्ट था, छिपाने में सक्षम
को बिना

अन्य अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित है—

1 श्री विनायक मन्हाडा, पुत्र श्री पद्मनाभ मन्हाडा आदि
निवासी 299/4 सी० जान स्ट्राइट, पटियाला।
(अन्तरण)

2 श्रीमती गजराज
निवासी सी० 9 मन्हाडा बाग,
नई दिल्ली।

3 अन्तरिती
(वह व्यक्ति जिसे अधिनियम में वर्णित है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के अन्तरण के अन्तरण के अन्तरण

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पर
व्यक्तियों से में किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर पर (अन्तरण के अन्तरण के अन्तरण के अन्तरण)
निवासी में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अ० सं० 74, चन्द्रावती, नाम दिनांक देहरादून।

एन० दे० भटनागर

धाम प्रतिपत्ति

सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्थ मंत्रालय, नया दिल्ली

दिनांक 15-5-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री शिवनाथ मलहोत्रा अशोक मलहोत्रा
नि० 299/4 जी जॉन स्ट्रीट पटियाला

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्रीमती रजनी रानी पत्नी एम० रानी
न०—2 ए मैना रानी बाग नई दिल्ली

(अन्तरिणी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेजि, पूना

पूना, दिनांक 29 अप्रैल 1985

निदेश सं० एम-1399/84-85—अतः मुझे,

अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो चन्द्रावती में स्थित है

(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-9-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टान्त प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टान्त प्रतिफल का पक्कू प्रतिफल से अधिक है और अंतरक अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निमित्त में सम्पत्ति के रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाईयाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि ग्रा० चन्द्रावती देहरादून

अनिल कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेजि कानपुर

दिनांक 15-5-85

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

(1) श्री महेन्द्र प्रकाश पुत्र मंगलसेन
103 कवि नगर गाजियाबाद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 15 मई 1985

निर्देश सं एम 1612/84-85—अतः सुझे एस० के०

भटनागर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकोषेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2/224 है तथा जो राज नगर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुवृत्ति में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-9-84 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमने दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एमने अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की श्रवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

14-96(GI)85

(2) बाबू खान सुपुत्र श्री हकीज खान
ग्राम-डा० अमवना —जि० इटावा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० आर 2/224 राज नगर गा० बाद

एस० के० भटनागर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज- कानपुर

दिनांक : 15-5-85

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

दिनांक 15 मई 1985

निदेश नं० एम-1/85 86—आ. म.न. एम० के० भटनागर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
संशोधन किया गया है), का धारा
269-ब (1) के अन्तर्गत प्रकाशित है, यह विवरण करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और निम्नलिखित 391 के तहत जा गाने बादा में स्थित है (और
इसमें उपाय अन्तर्गत से और पूरा रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रार की अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 10-9-84

को पते का सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
मूल्य का अनुमान करने के लिए है और मने यह बिस्वास
करने का कारण है कि यथावर्तमान सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
परिष्कार में करी करण का अन्तरण करने में प्रविष्टि
के लिए,

(ख) एम० के० भटनागर आय या किसी धन या अन्य सम्पत्तियों
के लिए, आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
अन्तरण का निरीक्षण था, लिपिक में सतिधा
अन्तरण।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम 1—

(1) श्री राजेन्द्र सिंह पुत्र गुन्मुख सिंह (अन्तरक)
रघुनाथ पुर, हापुड, जि० गाजियाबाद।

(2) श्री रघुनाथ नारायण
पुत्र रघुनन्दन, नि० उपवन गडरोड,
मेरठ। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करना है।

उक्त अपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

पत्तुखी

खाता नं० 391, रघुनाथ पुर—हापुड गाजियाबाद

एम० के० भटनागर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, कानपुर

दिनांक 15 मई 1985

माहर

प्रश्न नम्बर टी एन ६६ -----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 मई 1985

निर्देश सं० ताटिस न० 4 5159/84-85—यत मुझे,
आर० भारद्वाज

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 3619/10वी है, तथा जो उमरगायाम रोड,
II क्रम मंडी मोहल्ला, मैसूर में स्थित है (प्राग् इसमें उपाय
अनुसूची में और पूर्ण रूप से उल्लिखित है), रजिस्ट्रार अधि-
नियम 1908 ((1908 का 16) के अधीन ता० 9-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के अर्थ में
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह निष्वास
करने का कारण है कि दशापूर्वक सम्पत्ति में निहित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रयोजन का
पक्का प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिणी
(अन्तरांतरा) के बीच एक अन्तर के लिए यह तय है।
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से है कि किसी काम की दायर उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी कभी या उक्त अन्तरण से अधिभा के लिए,
और/या

(ख) एही किसी काम या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय भाषा-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, अन्तरण में
अधिभा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् -

(1) श्री सूरदास गंगुली और श्री सूरदास गंगुली
या श्री सूरदास गंगुली और श्री सूरदास गंगुली
न० 3619/10 वा उमरगायाम रोड, II क्रम
मंडी मोहल्ला, मैसूर।

(अन्तरक)

(2) प्रेसिडेंट अडम 3624 गंगाई मजिल,
स्वायंजि राव राउ,
बांसमटप गंगमटेज, मैसूर
श्रीमती - इश्वर वार्ड, न० 2971-2972 न० इ०
सी० 30, नरहर मोहल्ला,
मैसूर।

(अन्तरिणी)

उक्त सम्पत्ति के अर्थ में दायमान में कोई भी आक्षेप
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थ में
कार्यवाही करना है।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् घोषणा पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में सक्षम होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निहित-
अर्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उक्त सम्पत्ति के
पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अधीन, में से उक्त अधिनियम
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अधिनियम में उक्त
शब्दों का है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 4104/84 ता० 9-11-84)

सम्पात है जो निम्न सं० 3619/10वी, जो उमरगायाम रोड,
II क्रम, मंडी मोहल्ला, मैसूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, बंगलूर

तारीख 3-5-85

मैसूर

प्रकृष आइ.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 16 अप्रैल, 1985

निदेश सं० नोटिस नं० 45455/84-85:—यतः मुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

आर० जिनकी सं० 86 है, तथा जो कोलस रोड, सिविल स्टेशन,
बंगलूर में स्थित है (आर० इनमें उपावृद्ध अनुसूची में आर० पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 11/84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि दत्ता पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिफल से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी धन की वास्तविक, सक्षम
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उसके धन में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) धन की किसी धन या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
के, यै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती हारदेवि को० बजाज,
"कुष्णा कुटारा", नं० 181,
6-क्रास रोड,
गार्डनगर, बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री डी० सत्याराज,
नं० जि० वि० जे० 376,
एच० ए० एल० कालोनी,
मार्तहिल, बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन का सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यक् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवन्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरों के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2290/84 तारीख नवम्बर, 1984)

संपत्ति है जिसका सं० 86, जो कोलस रोड, सिविल स्टेशन,
बंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज,
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 16-4-1985.

मोहर

प्रारूप आर. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 15 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० नाटिन सं० 45088/84-85:—यतः मुझे,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 8 है तथा जो रेस्ट हाउस रोड, बेंगलूर में स्थित
है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 21-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती के० उमादेवी, (2) श्रीमती के० वाणिदेवी,
(3) श्रीमती डाक्टर के० लक्ष्मी, (4) श्रीमती के०
सुमती, न० 26,
विवेकरिया क्रिमेड रोड,
इगमोर, मद्रास '1

(अन्तरक)

(2) मैमर्स कृष्ण कन्स्ट्रक्शन्स कं०,
न० 102, मार्शलस रोड,
इगमोर, मद्रास-8.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2864/84 तारीख 21-12-1984)

सम्पत्ति है जिसका सं० 8, जो रेस्ट हाउस रोड, बेंगलूर-1,
में स्थित है।

आर० भारद्वाज;
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 15-4-1985.
मोहर :

प्रकृष माह. डी. एच. एड. एड.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 26 अप्रैल 1985

निदेश सं० नोटिस नं० 45707/84-85:—यतः सुते,

आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 87 ए है तथा जो कद्री विलेज, मंगलूर में स्थित
है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 5-12-1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसने बचने में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी नाम या किसी जन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अधोवर्ती अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

(1) मैक्स लेनिशवा सलदाना
मल्लिकट्टा,
कद्री विलेज,
मंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री जान सलदाना,
मल्लिकट्टा,
कद्री विलेज,
मंगलूर ।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1380/84 तारीख 5-12-84)

सम्पत्ति है जिसका सं० 87 ए, जो कद्री विलेज, मंगलूर में
स्थित है ।

आर० भारद्वाज,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर ।

नोट: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 26-4-1985
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 अप्रैल, 1985

निदेश सं० नोटिस सं० 45722/84-85:—यतः मुझे,

श्री० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री० जिसकी सं० 43(739) है तथा जो 37 'एफ' क्रम में 4, 'टी' ब्लाक, जयानगर, बंगलूर में स्थित है (श्री० इससे उपात्रक अनुसूची में श्री० पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-4-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बालित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसिद्धनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० रामाचन्द्रा नायडु,
नं० 739, 37 'एफ' क्रॉस,
16 मैन, 4 'टी' ब्लाक,
जयानगर, बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री सी. श्री० मोहन,
739, 37 'एफ' क्रॉस,
16, मैन, 14 'टी' ब्लाक,
जयानगर, बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिक करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3739/84, ता० 17-12-84)

संपत्ति है जिसका सं० 43(739), जो 37 'एफ' क्रॉस,
16 मैन, 4 'टी', ब्लाक, जयानगर, बंगलूर, में स्थित है।

श्री० भारद्वाज,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 18-4-1985

मोहर :

प्ररूप आर्क्ष. टी. एन. एन. ----

(1) श्री रामलु, नं० 174, IV, 'टि' ब्लॉक, जवानगर, बेंगलूर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

काबालिय, सहायक आयकर आयुक्त (भिरिक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 14 मई, 1985

निदेश सं० 45658/84-85—यतः सुते, आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
263-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 174 है, तथा जो XV मेन रोड, IV टि०
ब्लॉक, जवानगर, बेंगलूर में स्थित है (और इस में उपाबद्ध
अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 9/84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मालिक को सूचित
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान परिणाम से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
पक्ष में प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित संदर्भ में उक्त अन्तरण
निम्नलिखित वास्तविक रूप में परिभाषित किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती खानुनीमा,
(2) श्री मिराज अहमद और
(3) श्री मुनीर अहमद—नं० 4, हकीम मोहम्मद,
गोप लेन, एम० पी० रोड क्रास, कुंवारपेट,
बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में दिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

होगा।

अनुसूची

(इस्तावेज सं० 2607/84 दि० 9/84)

सम्पत्ति है जिहा सं० 174, जो XV मेन रोड, IV
'टि' ब्लॉक, जवानगर, बेंगलूर, में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (भिरिक्षण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर।

दिनांक: 14-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई टी एन एम -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० 90/85-86—यन० मुखे, आर० भारद्वाज
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिछले इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 7 है, तथा जो सरगाव में स्थित है (और
इसमें उपावद्ध अनुसूची में ग्रीन पर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दि० 29-10-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कटौत के व्ययगत
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि गणायुक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से उसके वर्तमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी
(अन्तरितियों) के बीच लगे अन्तरण के लिए उचित बाजार मूल्य
को न निम्न लिखित संख्या से कम बाजार मूल्य के रूप में
रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) बन्दरबंद से हुई किसी बाय की वास्तविक अथवा
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) किसी किसी बाय या किसी धन या अथवा आस्तिधो
का उचित बाजार मूल्य का उचित अन्तरक (19
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थात् —

15-96GJ85

(1) श्री अर्जुनिका कारिया अफन्सो 2. श्रीमती
श्री० मारिया, कैरिया अफन्सो, निवासी बनाविम,
सातक्रेट गावा।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्म अर्जियर रंगो के०/आफ० श्रीमती
श्री० मारिया आदम घर सं० 278 मतानिम
बन्ना मशक्रेट, गावा।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
आद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाह्वनाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-ब में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है,

बन्सूची

(दस्तावेज सं० 2457 दि० 29-10-84)

ये संपत्ति का न० 7 और क्षेत्र 597 स्कवेयर मीटर्स
है। इसका नाम मरिया या उदेपो कयाडलप्यम है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक. 30-4-1984

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर,

बंगलूर, दिनांक 30 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० 909/85-86—यन. मू. आर० भारद्वाज
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 28 है तथा जो बल्ली तालुक मध्यम में
स्थित है (और इस में उपानद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन नं० 1-12-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारा से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्थात :—

(1) श्रीमती मारिगा हेलमा मेमम डी अट्टाडे निवासी
बोंगडा, मरगाव, गोवा

(2) जोस पेद्रो केटनो मेमम डी० अट्टाडे निवासी
बोंगडा कोर्ट, मरगाव, गोवा।

(अन्तरक)

(2) श्री गंगाराम श्रीपाद प्रभु दुराई (2) दत्ताराम
नारयण सेट नारतेकर (3) डामियो डीगो
डीकास्टा (4) अग्नेला गस्पीर पीरेस (5)
श्रीकान्त सोनी भंडारी (6) अनेल सीवराम
चीप्पुमकर (7) तुलसीदास शिवाजी नायक
(8) सूर्य महादेव वेलीय
(9) श्रीमती लक्ष्मीबाई बी० केलुस्कर (10)
(10) चंद्रकान्त एन भंडारी (11) बाबूराव
गावकर सब बारदेज सक्युम गोवा में है।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 227 दि० 1-12-1984)

यहां सम्पत्ति का नाम "बराजोयेंम माला" भाया भार-
जान है इसका खोज 206,725 स्केर. मोहरम है। और
बट्टी ग्राम पंचायत में है।

आर० भारद्वाज

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर।

दिनांक : 30-4-1985

मोहर :

प्रथम भाग. पी. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 30 अप्रैल, 1985

निदेश सं० 910/85-86—यतः मुझे, आर० भारद्वाज
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8 है, तथा जो अफ्टो पारवारीम में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), राजस्त्रीकर्ता अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दि० 20-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिणी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में दर्शाया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वास्तव में कभी करने या उचित करने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य वास्तवों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी० बीक्यूरु मेले कर्टडो अलसो कहते पी०
बोवेयूर डीमगेस मेला कर्टडो निवासी फीलेओ
बर्डेल, गोवा।

(अन्तरक)

(2) मिस वर्षा भीरजमल रजनी, निवासी चार न०
291, वाई न० 13, मीना मार, पणजी, गोवा
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त कन्टो और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 914 ता० 20-11-84)

यह संपत्ति 450 स्क्वेयर मीटर्स है। इसको "इकटम
सरगुल" कहते हैं। और अफ्टो पारवारीम ग्राम पंचायत रेत
मगोस तालुक बर्डेज गोवा में प्लॉट नं० 8 में स्थित
है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बेंगलूर।

दिनांक: 30-4-1985
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंता रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 अप्रैल 1985

निदेश सं० 911/85-86—यन मं०, आर० भारद्वाज
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास कि
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8 बी० नं० तथा जापणजी में स्थित है (आर०
इस में उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधिन
वि० 20-11-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्टिकोण
प्रतिफल के लिए अनुरोध की गई है और मूल्य यह विश्वास कि
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतीक में, कि
दृश्यमान प्रतिफल के पक्ष में प्रतिफल में
और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरिती) के
बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत
नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसूची
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अधिनियम (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

(1) ६० अनुमनेक्स पाटनर मुरेश अनंत कामत,
201/202, कामाक्षी निवास पणजी, गावा।
(अन्तरक)

(2) फाल्गुन त्रेमोच प्रा० लि० 6-बी० अन्ता दण्डस्टील
इस्टेट मुरती महार राड, मन्नी नाका, अंधेरी
(ईस्ट), बम्बई (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 910 दि० 20-11-84)

यह सम्पत्ति दण्डस्टील राड है। इसका क्षेत्रफल क्षेत्र
210 स्क्वेयर मीटर है। यह सम्पत्ति प्लॉट नं० 8 बी०
में स्थित है।

आर० भारद्वाज
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजंता रेज, बंगलूर

10-4-1985

प्रमुख भाई: टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 30 अप्रैल 1985

निदेश सं० 912/85-86—अतः मुझे, आर० भारद्वाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 15 है, तथा जो इंडस्ट्रीयल इस्टेट में स्थित है (और इस में उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्टमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्टमान प्रतिफल से, कम इश्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच होने अंतरण के लिए नय पाया गया प्रति-कृत निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देर के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिका को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेमसे मु० पीक,
पार्टनर,
उपा सुरेश कामत,
201/202,
शामाप्सी नीवान,
पंणजी गोवा।

(अन्तरक)

(2) श्री फीलीप वेह मेय प्रा० लि०,
6-वी,
अन्सा इंडस्ट्रीयल इस्टेट,
मकी विहार रोड,
अंधेरी (ईस्ट) मुम्बई।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 909 तारीख 19-11-84)---यह संपत्ती औद्योगिक शेड है। इसका क्षेत्रफल 672 मी० इसका प्लॉट न० 15।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 30-4-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 30 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 913/85-86-प्रत गुप्ते, आर० भारद्वाज
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 8 ग है, तथा जो इंडस्ट्रीयल इस्टेट नाम से
स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची स और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्री रण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 21 दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विस्वास
करने का कारण है कि यथायुक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
वर्ष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कहे गये के अन्तरक के दायित्व में
कभी कभी या उसके अपने के सुविधा के लिए;
गोद/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसूचना
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मे.सं. प्रीतुल,
201/202,
गमावसी निवासी,
पणजी गोवा।

(अन्तरक)

(2) मे.सं. जॉसेफ इर्जानियरिंग वर्कस,
260/21.22,
माने गुरुजी राड,
कस्तुरबा दवाखाने के सामने,
जाश्वर सैकल बुम्बई।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कर्मवाहिया शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के अन्तः पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 911, दिनांक 21-11-84)---यह
संपत्ति, औद्योगिक गेड है। इसका सात 165 मीटर है।
और इसका नाम कोरनीम औद्योगिक इस्टेट है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, बंगलूर

तारीख: 30-4-1985

माहूर :-

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 30 अप्रैल 1985

निर्देश सं० 915/85-86--अन: मुझे, आर० भारद्वाज
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 40 है, तथा जो देवका में स्थित है (और
इसमें उपावृद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 7 नवम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री केरुम काली पार्थिव,
विश्रुत, माने रोड,
बोंबे-400 050।

(अन्तरक)

(2) श्री दीनराव भट्टापुर ओंगनी,
301,
आनंदकर वंगला,
तीनरा फ्लोर,
वनराम स्ट्रीट ग्रयंठ रोड,
बोंबे-400 007।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1187, दिनांक 7 नवम्बर 1984--
जो संपत्ती देवका ग्राम जिल दयल में है। इसका क्षेत्रफल
4300 स्केर मीटर्स है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख : 30-4-1985
मोहर.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज. बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 मई 1985

निर्देश सं० 919/85-86—यतः मुझे, आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 161/177 है, तथा जो मरेशालर और
कनवॉल गहरे गांव सातगिरपुर तालुका में स्थित है (और
इसमें उदाहरण प्रतिसूची में और पूरा रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 10-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित
वास्तविक रूप में अधिनियम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
वस्तु, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के प्रति :—

16-96 GI/85

(1) श्री एच० जी० मजुमाथ सेटी बाप एच० जी.
गोविन्दराज सेटी

(2) मास्टर जी०एम० सतीश कुमार बाप एच० जी०
मजुमाथ सेटी
मकलेष्पर-578134 (अन्तरक)

(2) श्रीमती एच० अल्लमै पती पी० एल० एन० नागप्पण
रायावरप-622506 पुडुकोट्टे
तमिलनाडु राज्य (अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों को
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 541 ता 10-9-85)

काफी जगह नीचे लिखा हुआ ग्राम में है।

ग्राम	सर्वे सं०	एकड़ एकड़ एत	गृहे खराब
मनीमसरा	161/1	15.20	3.12
कवसीगडे	77	5.29	—
	78	2.27	0.09
	76/पी०	8.19	
	81/पी०	0.15	
	वही	5.01	

आर० भारद्वाज)

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-बंगलूर

तारीख 6-5-1985

सोहरा

प्रथम बार, टी. एन. एच. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

आयकर सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 मई 1985

निर्देश सं० 918/85-86—यन: सज्ज, आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और और जिनकी सं० 3978, 3979, 3980, 3967 और,
3967 अ है, तथा जो मंकेवर में स्थित है (और
इन में उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत
25-9-1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यहाँ यह विश्वास
करने का कारण है कि संपत्ति संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितीया) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
के आधिकारिक रूप से अधिकतम तब तक किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं दिया गया था
या किया जाता था/हो या विषयों में धनिकों के
लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, है, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के उपावृद्ध (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गजानन गोविन्द अंकालीकर रे०/आफ सांगली
(अन्तरक)

(1) श्री बाबुराव रामराव मुबेदार ये सय मंकेवर

(2) बसंतराव बाबुराव मुबेदार में है। तालूक हुक्केरी

(3) निरंजन बाबुराव मुबेदार,

(4) प्रभुवसंतराव बाबुराव मुबेदार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भा
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 847 ता० 26-9-84)

बीन शेनकी जमीन मंकेवर तालूक हुक्केरी में है। इसका
सी० टी० एन० नं० 3978, 3979, 3980, 3967 और
3967/अ है और इसका क्षेत्र 50.17, 35.12 57.23
980 67, 6769.32 स्केयर मीटर्स है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, बंगलूर

तारीख: 6-5-1985

मोहर

प्रकृष्ट बाई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 6 मई 1985

निर्देश सं० 920/85-86—यतः मुझे आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

श्री० जिनका सं० 160/2 76 पी० तथा जो भट्टेसागर और
कर्वाण गद्दे ग्राम तमबा होत्रली मन्नेलेण्डु तालुक में स्थित
है (और इस में उपावृद्धि अनुसूचा में और पूर्ण रूप है वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
प्रधान भाग 9-84

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल में, एस दृश्यमान प्रतिफल का
गुण्य प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्त-
रिती (अन्तरितता) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी भाग की राशि, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितता द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिय था, छिपान में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1—

(1) एच० जी० नागराज सेट्टी बाप एच० बी० गोविन्दराज
सेट्टी

(2) एच० एन० कीरन बाप

(3) माहन्तर एच० एन० कोरन बाप एच०
नाथिन्दराज सेट्टी सब मन्नेलेण्डु में रहते हैं।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० एन० एम० नागप्पा बाब एम० ए० एम०
पलनोयप्पा चट्टायार,

रेआफ रामावरम-622006,

गुड्डुकोटई जिला तमिलनाडु

(अन्तरितता)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

(पष्ठीकरण:—इसमें पर्यक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दस्तावेज सं० 510 ता० 1 मई 1984

काफी जगह नीचे लाखा दुआ ग्राम में है।

मन्नेसागर ग्राम

एकरी गुठा

मन्नेसा

160/2

2—37

161/2

16—20

162/2

2—12

170/2

0 15

कर्वाणगद्दे ग्राम

76/पी

6—00

81/पी

5—00

श्री० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

तारीख 6-5-1985

माहिर 1

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

18-11-61 के अधिनियम

भारत सरकार

कायान्वय, सहायक भाष्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 मई 1985

निर्देश सं० 921/85-86--प्र० मुझे आर० भारद्वाज, भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सदस्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीन जिल्डों सं० 1819 है, तथा जो भद्रावती में स्थित है (आर० डी० उदावद्ध अनुसूची में आर० पूर्ण रूप से वर्णित है), निम्नलिखित अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर्गत प्रतिफल में अधिक है और अन्तरक (अंतरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण में निहित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वास्तविक अवधि अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में भविष्य के लिए तौर/या

(ख) एमो किसी बाय या किसी भन या अन्य शक्तिशाली को, जिन्हें भारतीय भाष्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाष्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनान् अन्तरिती द्वारा प्रयत्न नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में भविष्य के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अन्तर्गत है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन है—

(1) मारुतिगव कदम था मृगजी कदम हागमने राड, मेन राड का भाग भद्रावती,

(अन्तरक)

(2) श्री नारायणगव बाबु आर० अन्तरगव मुननगुडी भागवणे भद्रावती।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कराया है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आशा - -

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निहित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1394 ता० 13-9-1984)

ए० आर० सी० सी० बगवत भद्रावती गहर में माइड नं० 4 में है। डपका आर० 18-40 है।

आर० भारद्वाज
सहायक प्राध्यापक
सहायक भाष्यकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, बंगलूर

तारीख 6-5-1985
महेश्वर

पृष्ठ 147 टी.डी.एस

1 क० व० नाथन स्वामी पिता श्री वेदन्तस्वामीदा
३, उदितन-782 हरीद्वार।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2 श्री एन० ए० तन्नास
जनमग भूट, पम० ए० हरीद्वार।

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के बिना
कार्यवाही शुरू करता है।

प्रतिपत्र नमः

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

जगाह, दिनांक 6 मई 1985

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त अधिनियम में निम्नलिखित
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सका।

निरा.प० ५२५/४३-४६—प्रतिपत्र में आर० भारद्वाज
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रतिपत्र नमः ५२५/४३-४६, तन्नास हरीद्वार में धन
(आर० भारद्वाज अधिनियम में आर० भारद्वाज अधिनियम में धन)

अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत दिनांक 5-9-81

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्टिकोण
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्टिकोण प्रतिफल में, ऐसे दृष्टिकोण प्रतिफल का
उचित प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिकी
(अन्तरिकी) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तःपत्र में हई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दृष्टिकोण में कभी करों या अन्तरक वचन में सुविधा
के लिए, और/या

(इन्तर्गत स० 1166, दिनांक 5-9-1984)

ए० आर० सी० मो० अगला न० 1 इस क्षेत्र 25' 40'
क-उदितन हरीद्वार में है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

आर० भारद्वाज,
सक्षम प्राधिकारी
महायुक्त आयकर अधिकृत (निरीक्षण)
जगाह, जगाह

अन्य अन्तःपत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक 6-5-1985

आह्वार

प्रारूप भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अनंत रेजि, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 मई, 1985

निर्देश सं० 923/85-86—अनंत मुझे आर० मारवाज, इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है और जिसकी सं० 122/8 टी है, तथा जो हुबली, में स्थित है (और अपने उपायुक्त अंतर्मुखों में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार की प्रतिकृति के कार्यालय, हुबली में रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-9-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टा प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है)।

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सज्जित हैं लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता के बिन्दु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्येयनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहता है, विधान में सूचना के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री एन० सी० मटवटे,
मदारगल्ली, हुबली।

(अन्तरक)

(1) श्रीमती अमातावी

(2) बाबा गान पति, अशुभ खादर, (अन्तरिती)
निवास ताडपत्री गल्ली, हुबली।

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए व र्धवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में अन्तरण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किया जा सकता है।

स्पष्टीकरण—यह प्रयुक्त धर्मा और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्गत

(अन्तरक सं० 1893, दिनांक 13-9-1984)

यह सम्पत्ति काटन मार्केट, हुबली, सी० टी० एम० न० 122/8ए, में है। उसका क्षेत्रफल, 4300 वर्ग फुट 100 '20' रेट भी है।

आर० मारवाज
सूक्ष्म प्राधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अनंत रेजि, बंगलूर

दिनांक 6-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

साथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 6 मई, 1985

निर्देश सं० 924/85-86—अन मझे आर० भारद्वाज साथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1 00 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 37/7 है, तथा जो बलेशाव, पणजी गोवा, में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुमूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलाह में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से पहले दृश्यमान प्रतिफल के पन्धे प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 37) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाँहिय था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

- 1 श्रीमती फस्तावस्टीका फर्नान्डीन डी डार्म पती, लैड तथा ऑरिलीयना डार्म
- 2 कु० उनायाया, कान्पारीया जलियाना डार्म ए० सी० डार्म पिता स्वर्गीय नोम ऑरिलियाणा डार्म जो० पी० ए० होल्डर जाक्वीथ अडेनारो, कुज रीठा पीनामीता डाउसया जोकतीम डार्म, ।
- 3 श्रीजयकिशम अटीवीया, कुज रीठा, फोलीमीना, डार्म अलियारण, जयकिशम डार्म पिता स्व० जास ऑरिलिनो डार्म । आर० ओ० तेलगाव, इलाश गोवा ।

(अन्तरकमें)

- 2 मैक्स राम राज इटरग्राहसेम, दवा निवास कोम्बा, मरगाव, गोवा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति में अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज, सं० 748, दिनांक 11-9-1984)

खुला जगह तले गोवा गोवा में है। इसका क्षेत्रफल 3494 मी० मी०, और सर्वे सं० 37/7 है

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज, बेंगलूर

दिनांक 6-5-1985

माहूर ४

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निराकरण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 मई, 1985

निदेश सं० 925/85-86—अतः मुझे आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
वाक्य है कि ग्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

अंतरिक्ष सं० 4842/ए है, तथा जो वेल्गाम में स्थित है
(यहां अपने उक्त अनुसूची सं० 1 जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रार की प्रति द्वारा कागज़ी, वेल्गाम में रजिस्ट्रार
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
1-10-1981

को उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य में काम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
गन्तव्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिये था छिपाने में
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीनारायण राव, हनुमन राव, देशपांडे,
निवासी सी- , एम० ई० ए, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मानिक चन्द धनराज गांड्या, (ए० ए० एफ०)
सा० टी० एम० न० 4821/ए, एशानिबनगर,
बेलगाँव।

(अन्तरिणी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
अवकाश दिया जाता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त ग्वावर सम्पत्ति में हितार्थ,
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वाक्यों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2452 दिनांक 1-10-1984)

बुला जगह सदाशिव नगर वेल्गाम, से सी० टी० एम०
न० 4842/ए, में है। इसका क्षेत्रफल 1000 वर्ग मीटर है।
और इसका आर० एम० न० 1375/1, अ + 1 बी/1अ है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त (निराकरण)
अर्जुन रेंज बंगलूर

दिनांक 6-5-1985
माहर

प्ररूप आर्द्र टी एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 मई 1985

निर्देश सं० 927/85-86—अन. मुझे, आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि उक्त सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 17/1+2+3 है, तथा जो जमखंडी में स्थित है,
(गौर इसमें उपावृद्ध अनुमूची में श्रौं पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
19-11-84,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापयोज्य सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
गुणोत्तर से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में रुचि
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
है या निम्नलिखित अधिनियम, धन, निष्पत्ति में सजिमा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लक्ष्मण बालप्पा नादक,
बडीगनी ग्राम, तालुक जमखंडी,
जिला—बीजापुर।

(अन्तरक)

(2) श्री सदासीव दग्गा अमफी,
2 काडप्पा दग्गा अमफी,
जगदल ग्राम, तालुक जमखंडी
जिला—बीजापुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुमोदी

(दस्तावेज सं० 1765 तारीख 19-11-84)।

खेतकी जमीन भंडीगणी ग्राम में है। इसका सर्वे सं० 17/
1+2+3 और क्षेत्र 29 एकड़ और एकड़ 12 गुंठा है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 7-5-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 मई 1985

निर्देश सं० 929/85-86—अन: मुने. आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 84 है, तथा जो दारवाड में स्थित है (और इसमें
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
सितम्बर 84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तव्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमति नीलम्बा पति
बामप्पा श्रेडगन्तवर,
2. देमत्व पति
बन्वम्पा श्रेडगन्तवर अलिबास
मुथागट्टी,
आर० ओ० मनसूर ।

(अन्तरक)

- (2) श्री शंकरगौडा राचनगौडा चपनागौदरा,
2. दोडाबम्पा करीयप्पा गुडप्पानवर
3. कोट्टप्पा वीरभद्रप्पा पल्लेद
आर० ओ० कलबुर्गा चाल
गब जेल रोड,
दारवाड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(इस्तावज सं० 939 तारीख सितम्बर, 84) ।

खेतकी जमीन दारवाड मरहद में है। इसका सर्वे सं० 84,
और क्षेत्र 15 एकड़ 27 गुंडा है। इनको 5 एकड़ 11 गुंडा
पीके जमीन मीला हुआ है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 7-5-1985

मोहर :

प्रारूप आई टी एन एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजमेर रोज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 मई 1983

निर्देश सं० 930/83-84—अन मंज आर० मार० ज
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इममें
सके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मध्यम पात्रिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

आर० जमकी सं० 6655/1 है तथा ज० बेटगोरी गदग में स्थित है
(आर० इममें उपावृद्ध अनसूचा म आर० पुण रु० म वर्णित है)
रजिस्ट्रिकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रयोग
तारीख 29-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मंज यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्ववर्तित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से मंज दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिनियम, 8 मई 1983

(1) I. पार्टी, पुनर्लेखा वादासपण नानवी,
II. पार्टी, श्रीमती राजलाल पति कदम III. पार्टी,
I. श्रीमति गान्धिका पति
मन्त्रालय में तत्काल
इसके पश्चात जिन में अन्तरण
गोटा भाग में आता है।

(अन्तरक)

(2) श्री राजलाल कदम
क० सा० रा० रा० अटगोरी
गदग।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वादी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अध्यात्मिकरी के
पक्ष में लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(रजिस्ट्रार सं० 1191 तारीख 29-9-81)।

खुशखबरी ज० बेटगोरी गदग में तत्काल सं० 6655/4
आर० अवे 810 में आती है।

आर० नारायण
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अजमेर रोज, बंगलूर

तारीख 7 मई 1983
मदग।

अरूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 मई 1985

निर्देश सं० 931/85-86—अतः मंज्रे, आर० भारद्वाज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० 6655/5वीं है तथा जो बेटगेरी-गदग में स्थित
है (और इसमें उपावृद्ध धनगुची में और पूर्णरूप से वर्णित है),
राजपट्टीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
गदग में तारीख 29-9-84

को एवाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एम्में दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एम्में अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

(1) I. पार्टी श्री मुरगोप्ता मोधरम्पा मानवी

2 II. पार्टी श्रीमति प्रभावती पति

रुद्रप्ता यलमली,

3 श्रीमति गौगदेवी पति

मल्लिकार्जुन यलमली

4 श्रीमति शकुन्ता पति

रमण वलमली

III पार्टी 5 ईश्वरप्ता ताठप्ता पट्टनशेट्टी

काटन मार्केट, गदग।

(अन्तरक)

(2) श्री बगवराज भगप्ता भूमिगुडी

के०सी रान रोड

बेटगेरी गदग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1185/तारीख 29-9-85)।

खुला जगह गदग बेटगेरी मतमीपन एरेया में है।

इसका क्षेत्र 810 स्केयर मीटर्स है। और सी० एम्० न० 6655/
5व है।

आर० भारद्वाज

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बंगलूर

तारीख 7-5-1985

माहूर :

प्ररूप जारी. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1985

निदेश सं० अई० ए० सं०/एक्यू/3/एआर-2/8-84/
2475,—अतः मुझ, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि न० 1ए, है तथा जो ईस्ट एवेन्यू पंजाबी
बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्व-वर्गीकृत अधिकारी के कार्यालय, नई-
दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1984,

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय राया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से
कमी करने में उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था; पर उक्त जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुमारी फूल जाहंगा सुगुवी ईश्वर दास,
निवासी-7 बी०, गणपति नगर,
जयपुर।

(अन्तरक)

(2) 1 श्री जे० के० शर्मा
2 श्री पी० के० शर्मा,
मुपुत्र श्री योगेश शर्मा,
निवासी--120, जजमेरी गेट,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि न० 10-ए, तादादी-262.5 वर्ग गज, ईस्ट एवेन्यू,
पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-3, नई दिल्ली

तारीख : 24-4-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

(1) श्री यणमोन

29/9, पञ्जाबी बाग,

नई दिल्ली।

(अन्तर्गत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

(2) श्री रतन लाल एण्ट प्रमोटी,

2716, लूना मण्डी पहाड़ गज,

दिल्ली।

(अन्तर्गति)

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० /एम्पू०/3/एमआर-2/9-84/
2476—अतः मुझे, मुनील चोपड़ा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० मकान नं० 9 रोड नं० 29 है तथा जो शकूरपुर,
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
में वर्णित है), रजिस्ट्री तथा अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन जारी सिमान्तर, 1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
गुन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्गति
(अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उसमें बचत में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
में प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मकान नं० 9 रोड, नं० 29, क्लाय सी गांव शकूरपुर
नई दिल्ली।

मुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख 11-5-1985

साक्षर :

प्ररूप आरटी टी एन एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षर)

जिन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं. आई. ए. सी. /एक्यू./3/एम-आर-2/9-84/

2477—नव सूत्र, सुनील चापड़ा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं. 37 ए नया जो राजार्ग गार्डन, नई दिल्ली में
स्थित है (और इसका उपाखण्ड अनुसूची में आ. पुर्ण रूप में वर्णित है),
है), राजस्वीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मिनमनर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
रिती (अन्तरितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निर्मालिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक में हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ग) ऐसी एक या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था विधान में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निर्मालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मन मोहन सिंह
निवासी—जाफ़ 18 कांति नगर
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

(2) श्री देव राज
2 श्री जगन्मय लाल
3 श्री जगन्मय लाल
मुपुत्र श्री जगन्मय लाल
निवासी—13/264, गाना कांति नगर
दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शक्यता :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं. 37, तारीख 18/3/10 एम गज, राजार्ग-
गार्डन नई दिल्ली।

सुनील चापड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक निदेशक आयुक्त (निराक्षर)

जिन रेज-3, नई दिल्ली

तारीख : 6-5-1985

माहूर :

प्रमाण बाई. टी. एम. एच.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एच यू०/3/एस-आर-2/9-84/—

2478

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खसरा न० 12 16/2 16/3, 17, 18, 19, 22, 23, 24 है, तथा जो दरयापुर कला दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्वीय अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में राजस्वीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उपरोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
18—96GI/85

1. श्री रतन सिंह पुत्र अमय राम दरयापुर कला, दिल्ली
(अन्तरक)

2. मैसर्स कृष्ण गोपाल एण्ड सन्स द्वारा कृष्ण गोपाल
5 मैट्रक रोड दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खसरा न० 16/2, 16/3, 17, 18, 19, 22, 23, 24
दरयापुर कला दिल्ली ।

मुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 14-5-1985

मोहर :

प्रकरण नम्बर टी. ए. ए. 1

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एम० आर०-2/984/2479—यतः, मुझे, मुनील चोपड़ा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमारे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2/72, विहार-1 है, तथा जो (मुभाष नगर) नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के कारण से आय-कर में कमी करने या उससे अर्थन में मृत्ति को लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृत्ति के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बहादुर सिंह तरलोचन सिंह एवं मेधी कौर 2172 बी विहार-1 (मुभाष नगर) नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्रीमती शशि खन्ना 2172, विहार-1 नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाधकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2172 विहार-1 (मुभाष नगर) नई दिल्ली
सरिका 100 वर्ग गज।

मुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 14-5-1985

माहुर :

मुख्य कार्य. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 मई, 1985

संख्या: नई-3/ए-3/एम-3-आर-1/
9-84/2480--अ: मुजे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके अन्तर्गत
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जे-6/109, है तथा जो, राजौरी गार्डन, नई-
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची 4 और पूर्ण रूप
में वर्णित है), राजस्वोक्तों को प्राप्त करने के कार्यालय, दिल्ली में
भारतीय राजस्वोक्त अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख, सितम्बर, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वर्गीकरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः इस, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
घ, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री बलदेव सिंह
सुपुत्र श्री जसवन्त सिंह,
निवासी-जे-6/109, राजौरी गार्डन,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जसवन्त सिंह सुपुत्र
श्री उत्तम सिंह
निवासी-जे-7/83, राजौरी गार्डन
नई दिल्ली।
श्रीमति हरजीत कौट
पति श्री हरीन्द्र सिंह
श्रीमति गुर्जीन्द्र कौर
पति श्री जसपाल सिंह,
निवासी-जे-7/83, राजौरी गार्डन,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

(3) श्री सरन सिंह
जे-6/109, राजौरी गार्डन
नई दिल्ली।

(नह व्यक्तियों के अधिभाग में सम्पत्ति
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो. नं० जे-6/109, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली, तादादी
160 वर्गज।

सुनील चौपड़ा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली।

तारीख . 10-5-1985

भाटूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/111/एस० आर०-III/

9-84/875—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 19/32, है तथा जो प्रोल्ड राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर दमन उमाय्यद वनुमूर्वी में श्रीर पूरुं रूप से वर्णित है), राजस्वीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय राजस्वीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम० दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रीतम कुमार गेरा,
निवासी-19/32, प्रोल्ड राजिन्द्र नगर,
नई दिल्ली।
श्री नरिन्द्र कुमार गेरा,
निवासी-23/38, प्रोल्ड राजिन्द्र नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राकेश कुमार मनीषा
सुपुत्र श्री सुन्दर दाम मनीषा,
निवासी-सेक्टर-18डी, हाउस न० 1575,
चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन का अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन का अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० न० 19/32, प्रोल्ड राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली, तादावी,
88.1 बरगज।

सुनील चोपड़ा
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 1-5-1985

माहूर

प्रकृत आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई, 1985

निदेश सं० आई० ए० सं० /एक्यू०/3/एम० आर०-3/9-84/

880—अत. मुखे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके द्वारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि रभावत सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

आर जिसका सं० 9ए/37, है तथा जो वर्गन एक्सटेंशन एरिया,
बाग, नई दिल्ली में स्थित है (प्रति उक्त अपावद्ध अनुसूची में
आर पुनः सूची में वर्णित है) 'उत्पत्ति' अथवा 'अधिसूची' के कार्यालय,
नई दिल्ली, में अतः राजस्व अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1984

का पूर्वावक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत का है। और मूल यह विश्वास
करने का कारण है कि सहायक आयुक्त को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवं दृश्यमान प्रतिफल का
पड़ने प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच एक अन्तरक के लिए सब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्धृत सं० 100 अन्तरक अन्तरक के वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारा में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एही किसी आय या किसी धन या अन्य जातिवा
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या
अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रभावार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किसी अन्य बाबत, अन्तरक में
सुविधा के लिए।

धनः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, म., उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :-

(1) श्री ज्ञान चन्द रतूजा,
निवासी-जे-25, जगपुरा एक्सटेंशन,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सविता मल्होत्रा,
निवासी-9ए/37, वेस्टन एक्सटेंशन एरिया,
करोल बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्क के लिए
कार्यवाही कराया है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्क के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:-

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख न
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख न
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रमुखी

प्र० न० 9ए-37, वेस्टन एक्सटेंशन एरिया, करोल बाग,
नई दिल्ली-110005, तादादी-160.8 वर्ग गज।

सुनील चोपड़ा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 6-5-1985

माहुर :

इसमें बाई. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय : सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 9 मई, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/111/एस-आर-111/
9-84/884—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'सक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-15, हाँज खास, है तथा जो हाँज खास
इन्क्लेव, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत करी गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकर्तों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अधिनियम के
अनुबन्धित रूप में अधिनियम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) अपनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-
वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुबन्धित उद्देश्य के लिए अंतरण किया गया
था या किया जाना चाहे, स्थान में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, बर्तव्य :—

(1) श्री लक्ष्मण मसन्द
सुपुत्र श्री के० एल० मसन्द,
निवासी-बी-89 (2695), नेताजी नगर,
नई दिल्ली।
श्री स्वमान मसन्द
सुपुत्र श्री के० एल० मसन्द,
निवासी-198-डेसू कालोनी, जनकपुरी
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) म० जे० पों० प्रोपर्टीज (प्रोप०)
श्री सुरेन्द्र पाल सिंह
सुपुत्र श्री गुरवक्स सिंह,
निवासी-34-महात्मा गांधी रोड,
नई दिल्ली-24

(अन्तरिती)

(3) श्री हुक्म चन्द
सुपुत्र श्री भगत राम
ई-15, हाँज खास, इन्क्लेव,
नई दिल्ली।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में
सम्पत्ति है)।

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही अरुण है।

उक्त अधिनियम के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त और वहाँ का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० ई-15, हाँज खास इन्क्लेव, नई दिल्ली, तादादी
200 वर्ग गज।

सुनील चोपड़ा
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 9-5-1985
माहर :

प्रकाश बाई. टी. एन. एल.

(1) श्री रघवीर चन्द्रा जेटली
निवासी-ई-703, बिल्डिंग नं० 2-3-4,
मनीषा नगर, 4-बंगला, अंधेरी वेस्ट,
बम्बई-58।

(अन्तरक)

(2) श्री वी०ए०पी० कम्पनी,
सी०/1/8, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

साहायक सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 9 मई, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस आर०-II/
9-84/886—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
एकके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डी-63, है तथा जो होत्र खाम, नई दिल्ली,
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्री कार्यालय के कार्यालय, नई दिल्ली,
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख सितम्बर, 1984

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाब की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायस्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बाँर/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बचन के लिए
जर्मनियम करवाया है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे;

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये
गये हैं।

अनुसूची

प्रो० नं० डी०-65, होत्र खाम, न्यू दिल्ली, तादादी 282
वर्ग गज।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

तारीख : 9-5-1985
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एचयू०/ [एस०आर०-3/9-84/

887—यतः मुझे, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7/49 है तथा जो ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई
दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता/अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908,
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 14 नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
जसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एस किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(अ) श्री आर० के० मोहन, निवासी—7/49, ओल्ड
राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरेखा सक्श, निवासी—7/49,
ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किसे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

क्वाटर नं० 7/49, ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली,
तादावी 85.9 वर्ग गज।

सुनील चोपड़ा

सश्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-11000

दिनांक : 22-4-1985

मोहन

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/III-एस० आर०-3/9-84/

889—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सख्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5/10 है तथा जो ओल्ड राजेन्द्र नगर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जा रहा था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

19—96 GI/85

(1) श्रीमती किरण जीत कौर निवासी सी-20, पांडव नगर, नई दिल्ली, द्वारा अटार्नी श्री आर० के० तलवार।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा तलवार, निवासी 5/10, ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 5/10, ओल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली, तादावी 88.1 वर्ग गज।

सुनील चोपड़ा

सख्त प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 8-4-1985

अक्षर :

प्रश्न बाई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/एस०आर०-3/9-84/

892—अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम०सी०डी० नं० 4277 से 4284, है
तथा जो मेन बाजार, पहाड़ गंज, नई दिल्ली में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे
दायमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरिती) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बतौर :-

(1) श्री हनु लाल गुप्ता, निवासी मकान नं० 856,
गली बेरीवाली, कुचा पाटी राम, बाजार सीता राम,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कल्याण मल, निवासी मकान नं०-32, मेन बाजार
पहाड़ गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो की
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रह
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्योक्ताधिकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एम० सी० डी० नं० 4277, 4278, 4279, 4280, 4281,
4282, 4283, 4284, तादादी-486, वर्ग गंज, मेन
बाजार पहाड़ गंज, नई दिल्ली।

सुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली।

दिनांक: 26-4-1985

मोहर

प्रमुख आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०/3/एस० आर०-3/9-84/893,—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10, ब्लाक नं० 54, है तथा जो वेस्टर्न एक्सटेंशन एरिया, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें और उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दि० सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) सरदार सम्पूर्ण सिंह सुपुत्र सरदार प्रताप सिंह, निवासी 1/124, जनपथ लेन, नई दिल्ली स्वयं एवं सरदार सुरिन्दर पाल सिंह सुपुत्र सरदार प्रताप सिंह और श्रीमती सुशील कौर धर्मपत्नी सरदार मोहिल्लर सिंह निवासी 13/2, न्यू पलासिया इन्दौर के जनरल अटार्नी श्रीमती दीपा मित्तल धर्मपत्नी ललित मित्तल, निवासी 'ए-448, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) अजय दिवान सुपुत्र श्री आर० के० धवन, कुमारी श्रंजुला धवन सुपुत्री आर० के० धवन, निवासी डब्ल्यू-40 ए०, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। और श्री जितेन्द्र मोहन धवन सुपुत्र श्री बी० डी० धवन, निवासी-6/146, फरेश बाजार, शाहदरा, दिल्ली। (अन्तरिती)
- (3) मैसर्स नवग्रह निर्माण (दिल्ली) प्राइवेट लिमिटेड। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा यथाहस्ताक्षरी के माध्यम से किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शर्तों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही बर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 10, ब्लाक नं० 54, तादासी-1312 वर्ग गज, डब्ल्यू० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

दिनांक. 25-4-1985

मोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०आर०-1/
9-84/647--अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10193 वाई नं० 12, है तथा जो
नई मस्जिद, नवाब गंज, लाइब्रेरी रोड़, दिल्ली-6 में स्थित है
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य; उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957) का 27
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जयवन्त सिंह भाटिया मुपुत्र श्री लाभ सिंह
भाटिया, निवासी 12/10193, मोहल्ला नई
मस्जिद, नवाबगंज, लाइब्रेरी रोड़, दिल्ली-6।
(अन्तरक)

2. श्री बिशन स्वरूप मित्तल, श्री पवन कुमार मित्तल,
श्रीमती धनपती धेवी मित्तल पत्नी श्री गौरी
शंकर मित्तल, निवासी—13/208, गली प्रकाश
तेलीबारा, सदर बाजार, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 10193, मोहल्ला नई मस्जिद नवाबगंज,
लाइब्रेरी रोड़, वाई नं० 12, दिल्ली-6, तादादी 118
बर्ग गज।

के० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-5-1985

मोहल्ला

प्रारूप आई. टी. एच. एच. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/
9-84/7651—अतः मुझे, के० वामुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सहायक अधिकारी को यह विज्ञापित करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण विधित्त में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाथिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) किसी किन्हीं आय या किन्हीं पूरा या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अन्वयेनाथ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीचरण दास आहुजा, सुपुत्र स्व० श्री अमीर चन्द
आहुजा, 24/39, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती कौशल्या रानी पत्नी स्व० श्री इन्दर सेन
सलुजा, निवासी-35/11, वेस्ट पटेल नगर, नई
दिल्ली।
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि में तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वि-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
बाद लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 35/11, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, तावादी-
—100 वर्ग गज।

के० वामुदेवन
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-5-1985
मोहर :

तारीख : 13-5-1985
मोहर :

प्रथम बार, सी. एन. यम, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/

9-84/652—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 20/18 है तथा जो नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें-उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को व्यवसाय प्रतिफल के लिए कन्वर्टिबल की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वशापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य जातिगतों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन है—

1. नेशनल केमिकल्स इण्डस्ट्रीज लि०, 26-नजफ गढ़ रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० विजय पनायमर्स प्रा० लि०, 6/22, ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी जांच है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितसम्बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अवधि

प्रो० नं० 26/18, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली, तादादी 339.59 वर्ग गज।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-5-1985

माह: 5

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. मै० नेशनल कैमिकल् इन्डस्ट्रीज लि०, 26-
नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरा)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना2. श्री विजय, विजय पोलायमस प्रा० लि०, 6/22,
ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० आर०-1/
9-84/653-अत मुझे, के० वासुदेवन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह निर्देश करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 26/1 है तथा जो नजफगढ़ रोड, नई
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीयती अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, निम्नरूप, 1984को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए बय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन उक्त अधिनियम के अधिनियम के
अधीन न कभी करने या उक्त अधिनियम में उचित
के लिए; और/वा(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में उचित
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे;सम्झौताकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।**अनुसूची**प्रो० सं० 26/1, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली, तादादी
756.28 वर्ग गज।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-5-1985

माह 8

प्रमुख कार्य. टी. एन. एस. -----

भाषा-र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० आर०-1/
9-84/655-अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञात करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 19, ब्लाक 'एल' है तथा जो राजौरी
गार्डन, ग्राम-बसई-दारापुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें
उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
पितृव्य, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विज्ञात करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरिती) के बीच ऐसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी भाग की बाध, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
स्थित्व में कमी करने या उद्धरण करने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :-

20-96 GI/85

1. श्री परदीप खानना सुपुत्र श्री एम० पी० खानना,
श्रीमती कान्ना खानना, पत्नी श्री एम० पी०
खानना, निवासी--मन०-90, राजौरी गार्डन,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री राजिन्दर कुमार, श्री हरीश कुमार, सुपुत्र श्री
श्री शंकर दाम, निवासी--13/263, गीता
कालोनी, दिल्ली-311

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया
गया है।

अनुसूची

एस० एस० हाउस प्लॉट नं० 19, ब्लाक 'एल' राजौरी
गार्डन, ग्राम-बसई-दारापुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/

9-84/656--अतः मझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसमें से 63/ए, है तथा जो कीर्ति नगर, ग्राम--
बई-तापपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त
अनुभूति में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री की अति-
बारी के तारीख, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
जितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति का वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में
कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन अन्ध जातिस्थानों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वरिन्दर कुमार सुपुत्र श्री काशी राम गांधी,
निवासी--जे०-63 ए०, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती मंजू अरोड़ा, पत्नी श्री अशोक कुमार
अरोड़ा, निवासी--एच-77, कीर्ति नगर, नई
दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० जे०-63/ए, कीर्ति नगर, ग्राम--बई-
तापपुर, दिल्ली, तादादी--1100 वर्ग फिट।

के० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-5-1985
मोहर

प्रथम भाग टी.एन.ए.ए.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना**

आयकर अधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निर्देश नं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एन० आर०-1
9-84/658-अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० 14/44 है तथा जो माडल टाउन,
ग्राम--मलिनपुर छावनी, दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री की
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मिनम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास

का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
हाविल में कभी करने या उससे करने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाया चाहिए था, धिमान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
नं० में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिपति है—

1. श्री रंजित कुमार जैन सुपुत्र श्री जैन दास जैन,
निवासी--एफ-12/2, माडल टाउन, दिल्ली,
कर्ता (एच० यू० एफ०), श्री रंजित कुमार जैन
एण्ड सन्ध, (एच० यू० एफ०) श्री जीनेन्द्र कुमार
जैन सुपुत्र श्री जैन दास जैन, निवासी--डी०-
14ए०/21, माडल टाउन, कर्ता--श्री जीनेन्द्र
कुमार जैन एण्ड सन्ध (एच० यू० एफ०)।
(अन्तरक)

2. श्री पंरज कुमार सुपुत्र श्री दिना नाथ, निवासी--
बी-36/5, जी० टी० करनल रोड, इन्डस्ट्रियल
एरिया, दिल्ली।

(अन्तरिती)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत्त के लिए
कर्मवाह्यता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत्त के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समंशी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

संज्ञा नं० एफ० 14/44, तादादी 233.3/10, वर्ग
गज, माडल टाउन, एरिया--ग्राम--मलिनपुर छावनी, दिल्ली
राज्य, दिल्ली।

के० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-5-1985

मोहर

अथवा 'टी.एन.ए.' -----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्थ रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एन० आर०-1/

9-84/659-अत. मुं०, के० वामुदेवन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसेकी सं० शाप नं० 56 है तथा जो गोखले मार्केट,
दिल्ली में स्थित है (और इनमें उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण
तः से वर्णित है) राजपूतकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली
में भारतीय राजपूतकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख दिनांक, 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास
करने का कारण है कि मयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक है हुई किसी बात की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
के कभी करने या उसके वर्णन में वृद्धि के लिए
और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी भूत या अन्य वास्तविकों
को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
वृद्धि के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिष 2—

1. मं० सुनाइटेड डिजल सर्विस, 3, गोखले मार्केट,
दिल्ली, द्वारा श्री अमृता सिंह, 2-सी/2, न्यू
रोहतक रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मं० रेडियेटर मल्हार्ड मम्पनी, 55, गोखले मार्केट,
दिल्ली द्वारा श्री हरमजन सिंह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्समधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बराबर समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अथवा

दुकान नं० 56, गोखले मार्केट, दिल्ली, तादादी—
289 वर्ग फिट।

के० वामुदेवन
सक्षम प्राधिकारी

सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्थ रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-5-1985

मोहर 2

मुख्य भाग: बी. एन. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज-2, नई दिल्ली

दिनांक 6 मई 1985

निर्देश नं० आई० ए० सी०/एक्यू०-1/एम० आर०-1/

9-84/661—अन मुझे, क० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिनकी नं० 16, ब्लाक ई है तथा जो ग्राम भरोला, आवादी—आदर्श नगर, महाराजा रणजीत सिंह रोड, में स्थित है (और इनमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अथवा अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिनांक, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बाँट/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत् में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थ में —

1 श्री हारना नाथ सुपुत्र स्व० श्री दीना नाथ, निवासी ई-16, महाराजा रणजीत सिंह रोड, आदर्श नगर, दिल्ली-33।

(अन्तरक)

2 श्री भगवान दाम सुपुत्र श्री शंकर दाम, निवासी-सी-30, राजन बाबू रोड, आदर्श नगर, दिल्ली-33

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 16, तादादी 120 वर्ग गज, ब्लाक ई०, खमरा नं० 262/258/217/4, एरिया ग्राम-भरोला, आवादी आदर्श नगर, महाराजा रणजीत सिंह रोड, दिल्ली-33।

क० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 6-5-1985

मोहर

प्रकृत बाई, टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

प्राप्त सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

दिनांक 11 जून 6 मई 1985

निर्देश नं० आर्० ए० सी०/प्रकृ०/2/प्रम० आर्०-1/
9-84/662 श्री मुने व तामुदेवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम 'बढ़ा गया है'), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० (प्लाट नं० 46, खतरा नं०
1625, 1626, ब्लाक 'सी०' प्राग—बसई-दारापुर, एरिया
बाली नगर, नई दिल्ली), (दाल नं०) में
थिए (अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली) से जरा से
वर्णित है), नज्दगी तः अधिारी के कार्यालय, दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख दिनांक 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अतिरिक्त की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतः
रक (अतः) और अतिरिक्त (अतिरिक्तियों) के बीच ऐसे अतः
रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अतरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया
गया है

(क) अंतरण व हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) एम्में किसी बाय या निकली धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्वयन्ती एवाग प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिारी

1 श्री सैदा दास सुपुत्र श्री देवी दास और श्री केशर
दाई पत्नी श्री सैदा दास, निवासी—एफ-31,
बाली नगर, नई दिल्ली-15।

(अन्तरव)

2 श्री हरा दास अफनानी सुपुत्र श्री सन्त दास अफनानी,
निवासी—सी०-10, पंचशील इन्कलेज, नई दिल्ली।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अधि दा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अधि, जो भी
अधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 46, तादावी 200 वर्ग गज, खतरा नं०
1625, 1626, ब्लाक 'सी०' प्राग—बसई-दारापुर, एरिया
बाली नगर, नई दिल्ली।

के० तामुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 6-5-1985

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० आर०-1/
9-84/663-प्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि उक्त सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ०-90-ए० है तथा जो कोटि नगर,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपर्युक्त सूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), प्रतिद्वंद्वी अधिदारी के अन्तर्गत
दिल्ली में भारतीय प्रतिद्वंद्वी अधिनियम, 1901 (1901
का 16) के अन्तर्गत, निम्नरूप 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंत-
राली (अन्तरालियाँ) के बीच एंगे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में अभिलेखित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भी आय का बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या वस्तु आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तराली द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णित :-

1. श्री मनोहर लाल भार्गवा सुपुत्र श्री जय राम दास,
निवासी-एफ०-90-ए०, कोटि नगर, नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. सुरजीतसिंह चड्ढा, श्री एन० ए०स चड्ढा, सुपुत्रगण
श्री जी०एस० चड्ढा, सुरदीप सिंह सुपुत्र श्री कुलवंत
सिंह चड्ढा, सुरजीतसिंह सिंह सुपुत्र श्री हरभजन,
निवासी-455, निजिल लाइन, मुरादाबाद, यू०पी०।
(अन्तराली)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्वन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० मकान नं० एफ०-90-ए०, तादादी 200 वर्गगज,
कोटि नगर, नई दिल्ली।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिनारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-5-1985

मोहर :-

प्रमुख बाई, टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/

9-84/664—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी०-6/1 है तथा जो राणा प्रताप बाग, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी बाब की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक की राशि से कमी करने या उसके करने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हिरा देवी सुपुत्र श्री ठाकुर गोपाल सिंह, निवासी-बी०-6/1, राणा प्रताप बाग, दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री निलक राज सुपुत्र श्री चतुर मल, निवासी—26/27, स्ट्रीट नं० 11, विश्वाम नगर, शाहदरा, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आधा भाग प्रो० नं० प्लॉट नं० बी०-6/1, राणा प्रताप बाग, दिल्ली, टाई मंजिली बिल्डिंग, ताशदी-780 वर्ग फिट।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली/नई दिल्ली 110002

तारीख : 6-5-1985

मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस - - - - -

1 मै० नेशनल केमिकल्स इन्डस्ट्रीज लि०, 26, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2 इलेक्ट्रो मिस्टम, आर०-39, मेन मार्केट, इन्दरपुरी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० आर० 1/-

9-84/666—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 40-बी० है तथा जो नजफ गढ़ रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, गितम्बर, 1984

का प्रवर्तित सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीया) के बीच गमने अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के खचित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्य को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वकील अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना अवहित था, डिजाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
21—96 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास निहित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 40-बी०, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली, ताबादी 2386.25 वर्ग गज।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली/नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-5-1985

बाहर : -

प्रकरण आई. टी. एन. एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/

9-84/667-अन मजे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10-ए, है तथा जो नजफगढ़ रोड नई
दिल्ली-15 में स्थित है (और इनमें उदाहरण अनुसूची में
और पुणे रु० में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, नितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का धन्य
प्रतिफल में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावत गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से
कमी करने या उसके सुझने में श्रद्धा के निम्न
बीर/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 17) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) या
अन्य अधिनियम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किताब आता जा रहा था, छिपाने में मुक्ति
देना

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मै० नेशनल कमिशन एण्डस्ट्रीज लि०, 26, नजफगढ़
रोड नई दिल्ली-15।

(अन्तरक)

2. मै० ट्रेडिंग रजिस्ट्री कां. प्रा. लि०-253, नारायणा
इन्डस्ट्रियल एरिया, भाग-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कर्तव्यनिष्ठता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की शारीरक से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यक्तिकरण :- इसमें प्रस्तुत व्यक्तियों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पो० न० 40-ए, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली-15,
तादात्री 2386 25 तर्गगज।

मै० वासुदेवन
सख्त प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

तारीख 6-5-1985
सांहर

प्ररूप भाई टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/

9-84/668—अन मूचे, के० वामुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 157, वाई न० 9 है तथा जो गली
बनाशन चावरी बाजार, दिल्ली में स्थित है (और हमने उक्त-
वृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रिकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 46) के अधीन,
मिनस्वर 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त बाजार मूल्य से कम के ह्यमता
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अतरफ (अंतरकों) और अंतरितों
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विहित है अल-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अतः यह है कि किसी बाव की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किमि राता करीहए या डिपान में
अधिकार के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. रामना राज रानी खन्ना, विधवा पत्नी श्री राजा
राम खन्ना, निवासी-28/40, आल्ड राजिन्दर
नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरफ)

2. श्रीमती निमला जैन पत्नी श्री पारम राम जैन,
निवासी—1527, कुचा मेठ, इरीवा कना,
दिल्ली।

(अन्तरितों)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
अव्यवहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाव 2-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाव
(अन्तरक) के अन्तर्गत

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्रो० न० 157, वाई न० 9, गली बनाशन,
चावरी बाजार, दिल्ली, तादादी—212 वर्ग गज।

के० वामुदेवन

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, दिल्ली/नई दिल्ली-110002

तारीख 6-5-1985

मोहर

प्रकाशक, टिप्पणी एवं एम्प

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985।

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/
9-84/670—अतः मुझे, के० वासुदेवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 26/2, ह तथा जा नजफ गढ़ रोड, नई
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उल्लेख अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख मितम्बर, 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक में
बाधित न की जाने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; कोई/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तिमों
को चिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
न कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
में प्रयोज्यार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1 मैं नेशनल इन्स्टीट्यूट लि०, 26 नजफ
गढ़ रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्रीमती अरुणा जैन पत्नी श्री कुलदीप चन्द जैन,
श्रीमती चंचल कुमारी जैन पत्नी श्री कस्तूरी लाल
जैन, श्रीमती सुशमा जैन पत्नी श्री नरेश कुमार
जैन, 1157 सर्कुलर रोड, अम्बाला सिटी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० सं० 26/2, नजफ गढ़ रोड, नई दिल्ली, तादादी—
213 27 वर्ग गज।

के० वासुदेवन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-5-1985

मोहुर

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० आर०-1/
9-84/671—अतः मुझे के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका जचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 8358 है तथा जो माइन वस्ती वार्ड
नं० 14, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उगावद्ध अनुसूची
में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख गिनम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा रकम नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत, अर्थात् :—

1. श्री रमेश कुमार बरगसीय सुपुत्र श्री राम प्रताप
बरगसीय निवास—747 ब्लॉक 'पी' न्यू अली-
पुर कलकत्ता, द्वारा श्री राम प्रताप सुपुत्र श्री दुर्गा
दत्त बरगसीय निवासी—747 न्यू अलीपुर
कलकत्ता (जी० ए०)।

(अन्तरक)

2. श्रीमती उषा गुप्ता श्री ईश्वर दयाल निवासी—
8233 रानी झांसी रोड दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन का अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन का अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
30 दिन के भीतर उक्त संपत्ति में द्रितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित है कि नहीं।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
आयकर अधिनियम के अधिनियम 20 के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अधिनियम में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 8358, माइन वस्ती वार्ड नं० 14, दिल्ली
तादादी—160 वर्ग गज।

के० वासुदेवन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख 6-5-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० मो० /एक्यू०/2/एम० आर०-1/

9-84/672—अनः मुझे के० वामुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके अन्तर्गत इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ की अधीन सहायक आयुक्तों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8358 बार्ड नं० 14 है जो माडल बस्ती दिल्ली में स्थित है (जो इससे उपानद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार कार्यालय, 1908 (1908 का 16) के अधीन, गणेश चितम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए दस पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी लाभ की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के बावजूद नें कभी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को किन्हु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम 1922 (1922 का 11) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता था किन्हु था, विधान में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---
मोहुर :

1 श्री रमेश कुमार बरानीया, पुत्र श्री राम प्रताप बरानीया, निवासी--747, ब्लॉक 'पी', न्यू अलीपुर, कलकत्ता, द्वारा जो० ए० श्री राम प्रताप पुत्र श्री दुर्गा दत्त बरानीया, निवासी--747 न्यू अलीपुर, कलकत्ता।

(अन्तरक)

2 आसता राज रानी गुप्ता यादव श्री गुण गुप्ता, मही अभिभावक हैं श्री अजय कुमार (नाबालग) का।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपे ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रॉ० नं० 8358, बार्ड नं० 14, लाहावी--163 5/9
वर्ग गज, माडल बस्ती, दिल्ली।

के० वामुदेवन

महसम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-5-1985

मोहुर :

प्रमाण: बाई० ए०. ए०. ए०. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयलक्ष, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/

9-84/673—अन. नृजे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सूचना के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 45/12 है तथा जो ईस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह निश्चय
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसमें दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दांगद्वारे में कमी करने या उभरने में सुविधा
के लिए; और/या

1) यह कि किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या दिया जाना चाहिए, लिखित में सूचना
के लिए;

अन. अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री टी. एन. वर्मा सुपुत्र श्री गोपीचन्द्र वर्मा, निवासी—
63, मजिद रोड, जगपुरा, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री गोल वन्द जैन सुपुत्र श्री सनेख चन्द्र जैन,
निवासी—1418, कुचा हीरा उस्ताद, माजार
गुलाबन, दराया कला, दिल्ली, मार्फत डी-41,
मोती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

परतारों बना हुआ एक मजिदी क्वार्टर न० 45/12,
ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, तादादी—200 वर्ग गज।

के० वासुदेवन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-1100 02

तारीख 6-5-1985

मोहर :

प्रकृष आर्. टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० आर्. टी. एन. एच. 2/एम० आर०-1/
9-84/675—अनत: मूजे, के० वामुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन प्रथम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹ 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 13, ब्लॉक 'ए' है तथा जो
45-द माल, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूजे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
((अन्तरितियों)) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिनके भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया
गया था या विना जाना चाहिए था, छिपाने में
सहायता के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमता उपदेव कौर पत्नी श्री देवा सिंह, निवासी-
13-ए०, 45-द-माल, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमता वगेंदर कौर श्रीमता पत्नी श्री इन्दर सिंह
श्रीमता, निवासी-4, अन्तर हिल लेन, सिविल
लाइन, दिल्ली-6।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बोध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोत्सुकता के
साथ प्रदर्शित या किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 13, ब्लॉक 'ए' 45-द-माल, दिल्ली, तादावी-
358 वर्ग गज।

के० वामुदेवन

प्रथम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-5-1985

माहिर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/

9-84/677—अतः मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मालात्, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2485, है तथा जो बगीची रघुनाथ, सदर बाजार, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, तारीख सितम्बर, 1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्राप्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
22—96 GI/85

1. श्रीमती चम्पी देवी पत्नी श्री बुध राम, श्री नानक
चन्द और श्री सुरज भात सुपुत्र श्री बुध राम,
श्रीमती सोमवती पत्नी श्री राजेन्द्र पाल।
(अन्तरक)

2. श्री दिन दयाल सुपुत्र श्री कानू पाल।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाञ्छ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 2485, बगीची रघुनाथ, सदर बाजार, दिल्ली
तादादी 33 वर्ग गज।

के० वासुदेवन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-5-1985
मोहर

प्रारूप, आई. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० [एन्यू०/2/एम० जार०-1/
9-84/677ए०—अन. मुले, के० वासुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 23 है तथा जो श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क,
दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सहायता के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सहायता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्ग
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री रणवीर सिंह, नरेश्वरी सिंह सुपुत्रगण प्रेम सिंह,
निवासी—6, जे० एम० ब्लाक, बी०-1, रमेश
नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री नरेश्वरी सिंह सुपुत्र श्री निर्मल सिंह, निवासी—
120, एम० पी० मुखर्जी नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
आवश्यकता कर रहे हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के अन्तिम या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सम्पत्ति के अर्जन में 30 दिन के अन्तिम, या भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों या से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्धता को अर्जन द्वारा अर्थात् अर्जाद्वारा या
गैर निम्नित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तर्गत

प्लॉट नं० 23, खमरा नं० 15/23/1, 15/23/2,
श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क, दिल्ली, तादादी—250 वर्गगज।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-5-1985

मोहर

प्ररूप आइए टी. एन. एस

1 श्री नेर राम, तिवारी-ई०-210, एम० सी० डी०
धानोरी, राजापुर, दिल्ली।आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना(अन्त क)
2 श्रीमती मुन्दरी जगदाल, 26/11, शक्ति नगर,
नई दिल्ली।

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक —

निदेश म० आई० ए० सी०/एम०/2/एम० आर०-1/
9-84/678-11 मुझे, के० वासुदेवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विद्वान करन का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित आकार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है
और जिसकी म० ए-43 है तथा जो नन्दा रोड, अन्त नगर,
दिल्ली-33 में स्थित है (प्रायः इस सम्पत्ति के मालिकों में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), अन्तरिती अन्तरा के
कार्यालय, दिल्ली में भारतीय राजस्व विभाग, 1908
(1908 का 16) के अधीन, आयकर अधिनियम, 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आकार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आकार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तविक दृश्यमान
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करन या उससे अर्जन में सूचना
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित किया गया है, या
या किया जाना चाहिए था, अन्तरण में सूचना
के लिए;

प्रो० न० ए-43, नादादी 198 वर्ग गज, नन्दा रोड,
आदर्श नगर, दिल्ली-33।

के० वासुदेवन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

तारीख: 13-5-1985
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०/2/एस० आ०-1/

9-84/679--अतः मुझे, के० वामुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 4887, है तथा जो दरिया गंज, नई दिल्ली
2, में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
10) के अधीन, तारीख सितम्बर 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक के द्वारा किसी भाष की भावना, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अनुरोध के
कार्यलय में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) होती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किना जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित :-

1. श्रीमती अनिता चटर्जी पत्नी श्री पी० के० चटर्जी,
निवासी--210, जंग बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री दयाल नारायण दास मीरचन्दानी (2) श्री सुरती
निहान चन्द खन्वन्दानी (3) श्री ठाकुर इसार दास
चुगानी द्वारा जी० ए० श्री अर्जुन लाल निहान
चन्द खन्वन्दानी, निवासी--4764/23-सी,
अंसारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि-
कारबाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्योक्ति:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

श्री मंजिला मकान एम० सी० डी० नं० 4887, तावादी
383 वर्ग गज, दरिया गंज, नई दिल्ली-2

के० वामुदेवन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख : 6-5-85

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/
9-84/684—अतः मुझे, के० वासुदेवन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० बी० 3/9 है तथा जो माडल टाउन, दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख सितम्बर 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गोविन्द राम सचदेवा सुपुत्र श्री गुरदीता राम
निवासी—137, बेंक इन्क्लेव, (ट्रांस यमुना
एरिया), दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० सत्यम बिल्डर्स, 8वीं मंजिल, मयूर भवन, नई
दिल्ली, द्वारा भागीदार श्री राजेश आनन्द सुपुत्र
श्री जगदीश आनन्द, निवासी—611, डा० मुखर्जी
नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० बी०-3/9, ताशदी 199 वर्ग गज, माडल
टाउन, दिल्ली।

के० वासुदेवन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 6-5-1985

मोहर:

रूप आर्द्र टी एन एस -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कर्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० आर्द्र० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/
9-84/685-उत्तः मुखे, वे० वासुदेवन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी-2, भवन नं० 4378/4-बी० है तथा
जो भाग-1, 4 मुरारी लाल गली, अंसारी रोड़, दरिया गंज,
में स्थित है (और इसका उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), राजस्वीकृत अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय राजस्वीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वृद्धि, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उक्त वचन में सूचना
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सूचना के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यवस्थियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती रामसखा देवी पत्नी श्री एम० सी० बंसन,
(2) श्री अणोद कुमार बंसल और (3) श्री
अनिल कुमार बंसन, मुपुत्रगण, श्री एम० सी० बंसन
सभी निवासी—7/28, अंसारी रोड़, दरिया
गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. कुमारी रोजी जैन द्वारा उनके पिता और सभी अभि-
भावक श्री सुगत चन्द जैन, निवासी-11961,
कटरा खुशाल राय, चान्दनी चौक, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वचन के निम्न
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० जी०-2, बिल्डिंग नं० 4378/4-बी०, भाग
-1, 4 मुरारी लाल गली, अंसारी रोड़, दरिया गंज,
दिल्ली, तादादी 386-6211 वर्ग फिट, खसरा नं० 58।

के० वासुदेवन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 6-5-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/9-84/

583—अतः मुझे, मुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जियकी सं० 203-ए है तथा जो 5/67, पदम सिंह
रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसका उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजकीय अंश
अधिकारों के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में,
भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन तारीख
मिनम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत करी गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्राप्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
जया प्राप्तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से अधिगत नहीं किया गया है:--

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वारदा, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
था या किमा जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मै० पाल मोहन कंस्ट्रक्शन कंपनी, 6/4792,
चांदना चौक, दिल्ली-6।

(अन्तरक)

2. कुमारी अंजू बाला, निवासी—26 नार्थ एवेन्यू,
पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के अर्धि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन के अर्धि, या भी
अर्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के अर्धि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन के अर्धि, या भी
अर्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
हैं, वेदा वश होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 203-ए०, पहली मंजिल, 5/67 पदम सिंह
रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली, तादादी—214 वर्ग फिट।

मुनील चोपड़ा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 1-5-1985

मोहर]

अध्यक्ष आर. टी. एन. मुखर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सं० एफ्यू०, III/37-ईई, 9-84/
584—अतः प्रमुख, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 501, 502 है तथा जो 2-ए, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 1 सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुई किसी लाभ की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायद से कम कर देने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित हो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बांझ था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री० कैलाश नाथ एण्ड एसोसिएट्स,
1001-कंचनजंगा बिल्डिंग, 18-बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) लिडींग लिडींग फाइनांस इन्वेस्टमेंट कं० लि०
रूम नं० 218, होटल सूर्या सोफोस्टल फ्रेंड्स कालोनी,
नई दिल्ली ।

(अन्तरितियों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 501, 502, तादादी-905.70 वर्गफीट, 5-
मंजिल, 2-ए, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली ।

सुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-III दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 9-5-85
मोहर

प्रारूप आई 21 एम एम

(1) तमिल नाडु राज्य का

100 वें जन्मदिन 18 जगन्मूर्ति राट

नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) तमिल नाडु प्रमोदनी श्री राजेश गोडरा

निवासी-69, ग्रैंड कैवली न-1 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 व (1) के अन्तर्गत

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नियंत्रण)

अजमेर जे-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 3 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/प०/३/३७२६/९-८४/५८५-—

अतः मुझे, मुनील चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

श्री जमकी म० 5113 है तथा जा 2-ए, बीका जी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्री जमकी उपायुक्त अन्तर्गत में पूर्ण रूप से वर्णित है) अजमेर जे-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

का पूर्ववर्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत के गड्डे के अन्तर्गत विश्वास करने का कारण है कि वयक्तिक रूप से उचित बाजार मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से अन्तर्गत के प्रतिफल का प्रतिफल प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दृश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित के वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है -

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सीधे या के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट की गया था या किया जाता चाहिए या, छिपाने या सीधे के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के उपरान्त (1) के अधीन निम्नलिखित अधिनियम 3 धारा -

23 - 96/८१/९९

कि यह सूचना जारी करके पूर्ववर्ति सम्पत्ति के अजमेर के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजमेर के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्ववर्ति सम्पत्ति में से किसी एक या दो द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों की अवधि के अन्तर्गत सम्पत्ति में से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निम्नलिखित जांच जा सकेगी।

स्थितिकरण -- इसमें पूर्ववर्ति अन्तरक और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा या उन अध्याय में दिया गया है।

अन्तर्गत

पत्र सं० 503 पाचवा मजिदा, कमर्शियल बम्बेक्स
'जान्म 2-ए बीका जी कामा प्लेस नई दिल्ली तादादी-519
वगैरह।

मुनील चौपड़ा

भारत में अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (नियंत्रण)

अजमेर जे-3 दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक 3-5-1985

माह।

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/प्र०/3/37ईई/9-84/

586—अन मूवे, मुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 505, है तथा जो 2-ए, भीकाजी कामा प्लेस,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भू-पत्नीय
आयकर अधिनियम-1961 के अधीन दिनांक सितम्बर 1984,

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापस के करी करन से उसमें अन्तरण में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी कैपिटी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूची अन्तर्गत इतना प्रकट नहीं किया
गया था कि जिसका अन्तरण से उचित बाजार
मूल्य के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, इस अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० कैलाश नाथ एनामिण्टम,
1006, 18-बागखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० रिटीका ब्रेनिफोर्ट ट्रस्ट,
आर-59, ग्रेटर कलाज-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 505, तादादी 848, 10 वर्ग फीट, पांचवी मंजिल,
(ए-एल०-पी०-एस०) 2-ए, भीकाजी कामा प्लेस, नई
दिल्ली।

मुनील चौपड़ा

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 7-5-1985

मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/9-84,

587--अन मू०, गुनान चौपडा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 504, है तथा जो 2-ए, भीमजी कामा प्लस,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उभावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1984,
को पूर्वोक्त संपत्ति के मालिकों के बीच में प्रत्यक्ष
प्रतिफल के लिए अन्तरण का गृह है और मू० यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसमें दृश्यमान प्रतिफल के लिए दृश्यमान प्रतिफल के
बन्धु प्रतिफल में अधिपत है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच में अन्तरण के लिए तय
बाया गया प्रतिफल, अन्तरिती उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकी
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) और 1961 अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) म० कैलाश नाथ एण्ड एसोसिएट्स
1006 कचनजगा, 18-बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० डी० लाहिया पत्नी श्री एम० एल०
लाहिया,
निवासी—आर-69, ग्रेटर कैलाश-1,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उससे अधिक व्यक्तियों पर
सूचना का तात्पर्य से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किया जा सकने।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 505, (तादावी 519 वर्ग फीट) पाचवीं मंजिल,
कर्मशियल कम्प्लेक्स, 2-ए, भीमजी कामा प्लस, नई दिल्ली ।

मृत्वील चौपडा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 7-5-1985

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एम. - - -

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०, प्रत्य०, 3/37ईई, 9-84,
588—अन. मुझे, मुनील चौपड़ा

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूचना प्राप्त करने का, वह धारणा करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3, है तथा जो लोकल गार्पिंग सेक्टर, आराम
बाग, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाधुत अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), अर्जुन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक मिनम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वान
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां)
के बीच ऐसा अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी भी बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचन में बाधना
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को निम्न भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उक्त
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में बाधना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) भनोट प्रोपर्टीज एन्ड इण्डस्ट्रीज लि०,
102-103, गीता हाउस, 30-31, नेहरू प्लेस,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रामती बाला गुप्ता,
निवासी—सी-11, ग्रीन पार्क इक्वेटेशन, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ

नक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

बसमेंट में स्टोरेज स्पेस, प्लॉट नं० 3 लोकल गार्पिंग सेक्टर,
आराम बाग, दिल्ली, तादादी—400 वर्ग फीट ।

मुनील चौपड़ा

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 22-4-1985

साहू

प्रारूप आई टी.एन.एन.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० गी०/प्रकृ०/III/37ईई/9-84/

589—अत. सूची, मुनील चौपड़ा,

भाषाकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
प्रकरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीग जिसकी सं० 3, है तथा जो लोकल शापिंग सेंटर, आराम
बाग, दिल्ली, में स्थित है (श्रीग इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप में वर्णित है), राजस्व (नती) अधिधारा के कार्यालय, अर्जन रेज-3,
नई दिल्ली से भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन
दिनांक सितम्बर 1981,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायित्व
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायित्व प्रतिफल से ऐसे दायित्व प्रतिफल के
में इस प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
नति, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में निम्नलिखित
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) किसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्य
को, जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
जाया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए के लिए

(1) भनोत प्रापटीज एण्ड इण्डस्ट्रीज लि०,
102, 103, राजा हाउस, 30-31 नहर प्लेस,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मं० दाभादर इण्डस्ट्रीयल कारपोरेशन
64-रीगल बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, कनाट प्लेस,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही में आने के लिए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में दाहों भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रा० न० 3 लोकल शापिंग सेंटर, दूसरी मंजिल, आराम
बाग, दिल्ली नादारी 281 वर्ग फीट।

मुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 6-5-1985

माहुर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रारूप आई.टी.एन.एस-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/9-84/590—

अतः मुझे, मुनील चौपड़ा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3 है तथा जो लोकल शापिंग सेंटर, आराम बाग दिल्ली, स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री हती अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक 1 सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एंग दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एंग अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निर्मालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) एंग किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निर्मालिखित पात्रता, अर्थात् —

(1) सनाट पापरर्टीज एण्ड एण्डस्ट्रीज लि०,
102-103, राजा प्लाउम, 30-31, नेहरू प्लेस,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्री अप्पवाल
30/23, शक्ति नगर (दिल्ली) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० — 3 लोकल शापिंग सेंटर आराम बाग, दिल्ली,
तादादी—350 वर्ग फिट ।

मुनील चौपड़ा

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3 दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक 23-4-85

मोहर :

प्रारूप धारा 21, एन. एच. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

अर्जन रेज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 23 अप्रैल 1985

निदेश सं. आई. ए. सी. 0/एस. 0/4/37 ईई/9-84/

591—अतः मुझे, मुनील बोपडा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं. 3, है तथा जो लोकल शापिंग सेंटर, अराम बाग, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कोई कर देने या इससे बचने में अविधि के लिए, और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहेगा था, छिपाने में अविधि के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) भनोट प्रोपर्टीज एण्ड इण्डस्ट्रीज लि.
102-103, राजा हाउस, 30-31, नेहरू प्लेस,
नई दिल्ली ।

(अन्तरण)

- (2) श्री राकेश कुमार गुप्ता,
निवासी—30/2, शक्ति नगर, दिल्ली ।

(अन्तरणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करा है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पत्रों के

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तरणी

वेमसेन्ट फ़ार स्टारेज स्पेस प्लॉट नं. 3 लोकल शापिंग सेंटर, अराम बाग, दिल्ली, तादादी—342 वर्ग फीट, लगभग ।

मुनील बोपडा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण),

अर्जन रेज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 23-4-1985

बोहुरा

वस्तु बाजार की नई शुरुआत

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1985

आयकर, सहायक आयकर अधिकारी (नियंत्रण)

अर्जुन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1985

निर्देश नं० आई. ए. सी./प्रत्य./III/37ईई/9-84/
592—अन मुझे, मुनीन चापड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौज जिनकी नं० बी-29 है तथा जो 1-ब्रान्ड रोहताक रोड,
नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौज इसमें उपायुक्त अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिकारी के
कार्यालय अर्जुन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1984,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के लक्ष्यमान
प्रतिफल के लिए अर्जुन रेज-3 में है और यहाँ यह निर्धारित
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके लक्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे लक्ष्यमान प्रतिफल का
समूह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिकी
(अंतरिकियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित लक्ष्यमान से उक्त अंतरण लिखित में शायद
विक रूप में कथित नहीं किया गया है।

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाविल
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तिगत
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती दबाव प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अन आ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) स्या कमलेश्वर प्रसाद

जा पल-1 अर्जुन रेज-3,
21-बागखम्बा गड नई दिल्ली।

(अन्तर्गत)

(2) श्री प्रेम नारायण गुप्ता, गुप्तेश्वरी टी० आर० गुप्ता,
निवासी—4/5160 कृष्णा नगर, कराल बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सूचना के अर्जन के लक्ष्यमान में कोई भी बाधा है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अधिक या उक्त सूचना के व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन को अधिक, या भी अधिक
बाद में समाप्त होगी है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों को किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सा
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के

सम्बोधितः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्तर्गत 21-बागखम्बा गड
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बेसमट नं० बी-29, ब्रान्ड नं० 1-ब्रान्ड रोहताक रोड
नई दिल्ली, ताबादा 27-मार्च 1985।

मुनीन चापड़ा
सक्षम अधिकारी

गोपनीय आयकर अधिकारी (नियंत्रण),
अर्जुन रेज-3, नई दिल्ली—10002

दिनांक 1-5-1985
महर

प्रारूप आर्द्द टी एन एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, -3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/1984-85
593—अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन प्रथम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० बी-26 ओल्ड रोहताक है तथा जो दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाधुत अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
आई० ए० सी० अर्जेंट रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक सितम्बर
1984,को पृथक् सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पट्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अतिरिक्त
(अतिरिक्तियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है ---(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
व्यापक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) यदि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-
नार्थ अतिरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) मेसर्स रूपा कन्स्ट्रक्शन (प्रा०) लिमिटेड
जी०-एन०-4, अर्शाका एस्टेट,
24, बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली-1

(अन्तरक)

(2) श्री ए० के० धवन
निवासी—जी 3, पणजी,
गोवा—403001

(अतिरिक्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बी०-26, बेसमेट, ओल्ड रोहताक रोड,
दिल्ली—एरिया 275 वर्गफुट।सुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेंट रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 14-5-1985

मोहुर

प्ररूप आई. टी. ए. एम. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/9-84/594—

अन मुझे, मुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० कार पार्किंग स्पेस न० 7, 3 भीकाजी कामा प्लेस है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इमरु उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), कार्यालय, आई० ए० सी० अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और

मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) अपनी विजय या किसी अन्य या अन्य आम्निपति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मैमर्स भनाट प्रोपर्टीज एवम् इण्डस्ट्रीज लिमिटेड 102, 103, राजा हाउस, 30-31 नरह प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) बीना समीन

ए-2/16 सफदरजग एक्लेव, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राप्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमूना

कार पार्किंग स्पेस न० 7, 3, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली।

मुनील चौपड़ा

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 14-5-1985

मोहर :

प्रकृष बाई टी एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रोज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/9-84/
595—अतः मुझे, मुनील चौधरा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
संकेत पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वान्य करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री० जिमकी सं० 9, 3, बी० सी० पी० इत्यादि नई दिल्ली में
स्थित है (श्री० इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रारता के कार्यालय, आई० ए० सी० अर्जुन रोज-3,
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन,
दिनांक मिनम्बर 1984,

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कथ के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वान्य
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अधिक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
नामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित में वास्तविक रूप से कीर्त नही किया गया है।—

(क) अन्तरक से हुए किसी बात की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने से अन्तरक के कारण से
कमी करने या उक्त अन्तरक से सुविधा के लिए;
कई/या

(ब) ऐसी किसी बात या किसी भू या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भू के
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबो-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :-

(1) कुमारी अदित आनन्द और मास्टर वैभव आनन्द,
सी०-19, चिराग एन्क्लेव नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० एन० कपूर
ए०-2/16 मफदरजग एन्क्लेव,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवध्व
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभांठस्ताधरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्वय

सी० पी० एन०-9, 3 सी०जी० कामा प्लेस, नई दिल्ली।

मुनील चौधरा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रोज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 14-5-85

मोहर

श्री. बाई. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/584/596/37-ईई/—अतः मुझे, मुनील चौपड़ा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जियकी सं० सी० पी० एम० 12, 3 भीकाजी कामा प्लेस, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, आई० ए० सी० अर्जन रेंज, 3 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक मितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्तव्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरांतरक) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की वजह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बन्धों में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मास्टर अदिविया भंडारी
यू० जी० श्री नवीन भंडारी
सी०-439 डिफेंस कालोनी
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० एन० कपूर
सफरजग एन्क्लेव
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों या उनके व्यक्तियों द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सी० पी० एम०-12, 3 बी० भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली।

मुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 14-5-1985

मोहर

प्रकृष आर्द्र ली एन एम -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/9-84/
597--अन: मुझे, सुनील चाँपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस नं० 5, 3-बीकाजी कामा प्लेस,
नई दिल्ली में स्थित है (और दृश्य उपावृद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), आयकर अर्जन रंज-3, नई दिल्ली में भारतीय
आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनांक मितम्बर, 1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; आदि/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अन अथ उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

(1) श्री योगेश चुनेजा,
निवासी--42, लखनऊ रोड, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रश्मि श्रीबराय,
निवासी--एफ०-28, हौज खास इन्क्लेव,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
आवश्यकता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तदनुबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मानक पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार पार्किंग स्पेस नं० 5, 3-बीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली

सुनील चाँपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक

9-5-1985

मोहर

इसमें आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एन्यू०/3/37ईई/9-84/598---

अतः मुझे, मुनील चापड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इससे पहले पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ग के अधीन सूचना प्राधिकार के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस न० 11, 3-भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (यदि इसका उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधिनियम, दिनांक मितम्बर, 1981,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिकोण प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्टिकोण प्रतिफल से, ऐसे दृष्टिकोण प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीया) के बीच एक अन्तरण के अन्तर्गत पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुए किसी बात की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकता को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रेम चन्द नन्दा
निवासी-10/61 विक्रम विहार,
लाजपत नगर, 4, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कुमारी मीरा कपूर,
निवासी-ए-210, मजदरजग इन्कनेव,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार पार्किंग स्पेस न० 11, 3-भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली।

मुनील चापड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 9-5-85

माहुर :

प्राकृतिक जाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 मई 1985

निर्देश सं. आई.टी.एन.एस. मो. 0/एक्यू. 3/37ईई/9-84/599--
अन. मुझे, मुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं. सी.0-पी.0-एस.0-14, 3-भीकाजी
कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (यहां उसने उपायुक्त अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जुन रेज-3, नई दिल्ली
में भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन दिनांक
मिनस्वर 1984,

में पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
नहीं प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस. अन्तरण के लिए तय
रखा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
नीति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के
सापेक्ष में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
की लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती. उमा पुरी,
निवासी-पा-12, पम्पाश इन्क्लेव,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती. अर्जुन रेजा, पत्नी श्री एस. पी. रत्ती,
निवासी-ए-2/16, मफदरजग, इन्क्लेव,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

यह सूचना आदेश करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि में तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सी.0-पी.0-एस.0-14, 3-भीकाजी कामा प्लेस, नई
दिल्ली ।

मुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 4-5-1985

साहू.

प्रश्न. भाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/8-84/
600--अन: मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
प्रारण है कि उक्त अधिनियम के अन्तर्गत उक्त अधिनियम
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० स्पेस सं० 8, है तथा जो 3-भीकाजी कामा
प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में,
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक सितम्बर
1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्टिकोण
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंग्रे दृश्यमान प्रत्यक्ष का
बहुल प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंग्रे अन्तरण के लिए तय प्राप्ति
या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किन्ना जगह चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अध. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, नई, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सं० अनात इण्टरप्राइजेज,
102-103, राजा हाउस, 30-31 नेहरू प्लेस,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नीना बेदी
निवासा-ए-2/16,- सफदरजग इन्क्लेव,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार पार्किंग स्पेस सं० 3, 3-भीकाजी कामा प्लेस,
नई दिल्ली।

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 9-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

10(1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

अर्थ विभाग, वित्त विभाग, कलकत्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 8 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/367-ईई/9-84/601—अतः मझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 10(1) की अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसमें सं० बी-1, श्रीर बत-3, है तथा जो 1-कौशल्या पार्क, सूर्य मेशन, होज खास, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उभावद अनुसूची में वर्णित है) कार्यालय, अर्जन रेज 3, नई दिल्ली से भारतीय आयकर अधिनियम-1961 के अधीन, दिनांक गितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वधपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तविक रूप से अधिकतम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्थियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) द्वारा अन्तरिती इत्यादि प्रकार के किसी भी धन या अन्य आस्थियों को प्राप्त किया था, छिपाने के सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
23--96 GI/85(1) मे० गुप्ता कॉर्पोरेट इण्टरनेशनल,
ए-1/12, अकरजंग इन्क्लेव, नई दिल्ली।
(अन्तरक)(2) मे० गुप्ता कॉर्पोरेट उद्योग लि०
1-कौशल्या पार्क, सूर्य मेशन, होज खास,
दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निम्नलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वेगमेट न० बी-1 और बी-3, तादादी 1981 वर्गफीट,
1-कौशल्या पार्क, सूर्यमेशन, होज खास, नई दिल्ली।सुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली 110002दिनांक : 8-5-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/37ईई/9-84/

602—अन मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० बी-2 और बी-4, है तथा जो 1-कौशल्या पार्क, हाँज खाम, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इनसे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), कार्यालय अर्जन रेज-3 नई दिल्ली, भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक मितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) म० मोड सिलोका प्रा० लि०
बी०-10, लारेस रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) म० गुप्ता कार्पेट्स उद्योग लि०
1-कौशल्या पार्क, सूर्या मेशन, हाँज खाम,
नई दिल्ली।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बेसमेट सं० बी-2 और बी-4, नाशदी 1736 वर्ग फिट,
1-कौशल्या पार्क, सूर्या मेशन, हाँज खाम, नई दिल्ली।

सुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 7-5-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/9-84/603—

अन मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० बी-4, है तथा जो 20, यूमुफ सराय, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रोइंग इन उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक नवम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीया) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अस्तित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तिवों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

- (1) आरंभ फोर्ड इंजीनियर्स (प्रा०) लि०,
18, कर्माशियल कम्प्लेक्स, मानवा मार्ग, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती रामा कुमारी,
निवासी—बी-117, मफदरजग, इन्क्लेव, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति या व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

लिखित में प्रकट हो सकें।

स्थानीकरण—उक्त सूचना जारी करने के लिए, जो उक्त अधिनियम के अनुच्छेद 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बेसमेट स्टोर नं०—बी-4, कम्युनिटी सेंटर, प्लॉट नं० 20 यूमुफ सराय, नई दिल्ली, लावादी-315.26 वर्ग फीट।

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 23-4-1985

साक्षर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/37ईई/9-84/
604--अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 4, 66ए/3 है तथा जो न्यू रोहतक रोड
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है) कार्यालय अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली
आयकर अधिनियम 1961 के अधीन दिनांक सितम्बर 1984
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृष्टिकोण
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उक्त दृष्टिकोण से, ऐसे दृष्टिकोण प्रतिफल पर पन्द्रह
शतक से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिणी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के कर्तव्य के
वास्तव में कमी करने में उनसे बचने में सहायता
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में
प्रयोज्यार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किताबों में दर्ज था, 1985 में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पूजा बिल्डर्स प्रा० लि०
6/4792, चांदनी चौक, दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कंचन गुप्ता
निवासी—62 मदन पार्क,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कार्य में बाधना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होगी इसे, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति पर न हो।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त पदों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 4, मैजनीन फ्लोर, पाल मोहन भवन, 66-ए/
3, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली, तादादी 270 वर्ग
फीट ।

सुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-5-85

मोहर :

प्रत्यक्ष आदेश. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

प्रारत सूचकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एच०-III/37ईई/1984/

605—अन: मुखे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

आयकर अधिनियम सं० 511, ए० एन० पी० एम० 2-ए० सी०
पी० है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (यहां इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, आई० ए० सी०
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में आयकर अधिनियम, के
अधीन, दिनांक 17 नवंबर 1984,

का प्रवक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और अतः यह विश्वास
करने का कारण है कि अधिप्राप्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एक दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरता) और अन्तरित
(अन्तरितता) के बीच मूल्य अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
से वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी लाभ की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किना धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितता द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अतिरिक्त, अधिप्राप्त

(1) कैनालनाथ और एसोसिएट
1006 कंचनरंगा 18, वाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली-1

अन्तरक)

(2) स्वास्तिक वूलन इण्डस्ट्रीज
(प्राइवेट) लिमिटेड सी०-696 न्यू फ्रैंड्स कालोनी
नई दिल्ली 1

(अन्तरितता)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्ति या पक्ष
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी
अवधि बाद में प्रकाश होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिप्राप्तियों के बाव
लिखित में से एक या अधिक;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 511 (पलिथ एरिया 551.90 वर्ग फुट) पाचवीं
मंजिल, प्रस्तावित क्रमशिवन कॉम्प्लेक्स (ए० एन० पी० एम०)—
2ए भीकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली 1

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक : 14-5-1985

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/37ईई/9-84/
606—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
श्रीरजिसकी सं० 66-ए ब्लॉक ए-2 है तथा जो पश्चिम विहार
ए नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिगारी के कार्यालय
अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961
के अधीन दिनांक सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और सभी यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्दिष्ट में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
वास्तव में कमी करने या उक्त अन्तरक में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तिगो
का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० सी० शर्मा सुपुत्र श्री गोपाल दास शर्मा
निवासी—जे-60 सरोजिनी नगर
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री विमल शर्मा सुपुत्र श्री डी० एन० शर्मा
निवासी—17/72 पंजाबी बाग
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात् स्थावर के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट न० 66-ए ग्राउण्ड फ्लोर ब्लॉक 'ए-2' (एम० -
आई०-जी०-फ्लैट्स) पश्चिम विहार ए, नई दिल्ली तादादी-
87.23 वर्ग मीटर ।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक : 24-4-85

माहुर :

प्रकाश बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/9-84/607—

अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौरजिमकी सं० आर-1 है तथा जो बीकाजी कामा प्लेस
नई दिल्ली में स्थित है (जहाँ इसमें उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है) कार्यालय अर्जन रेज-3 नई दिल्ली में आयकर
अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
संग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए इस
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से इन्हें किसी आय की वास्तु, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
पराजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) मैं० अम्मन्न प्रापर्टीज एण्ड इंडस्ट्रीज (प्रा०) लि०
115, अम्मन्न भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं० मनजुन ब्रादर्स एमोमिएट्स
24, माडल टाउन, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन को अवधि या तत्समधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहन्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रा० न० आर-12, बीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली तादादी—
481 वर्ग फिट।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक : 22-4-1985

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 22 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/गन्०/ /37ईई/9-84/
608—अन. मुझे, मुनील चापडा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० आर०-1, है तथा जो 6-सीकाजी कामा
प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (यहाँ हमारे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रोज-117, नई दिल्ली में भारतीय
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक सितम्बर 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम की गणना
परिणाम के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावरमूल्य सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
जिसकी इशारा प्रारम्भ में अपने 12 अक्षर प्रारम्भ का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकी) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच एस. अन्तरण के लिए नव पासा तथा
प्रतिफल गिनतिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
य आस्त्यक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हासिल में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तिवा
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) सै० अमल प्रान्तीज एण्ड इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०
115 अमल नगर, 16-10 जी० मार्ग, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) पी० ए० थोमस, श्री पाट्रीथ थोमस
माफत कैमज इस्टेट्स एण्ड कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि०
आर०-3, ग्रीन पार्क,
ग्रीन पार्क मार्केट, नई दिल्ली ।
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिता करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य न्यायन द्वारा अवलम्बितकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें पर्यक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० आर-II, विक्टोरिया न० 6-सीकाजी कामा प्लेस,
नई दिल्ली, तादादी 490 वर्ग फीट ।

मुनील चापडा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 22-4-1985

मोहर

प्रमुख आई. टी. एन. एन. 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/37ईई/9-84/
609—अतः मुझे, सुनील चौधरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम-2/5, है तथा जो कौशल्या पार्क, होज
खास, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनमूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली,
भारतीय आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन, दिनांक
मिस्मबर, 1984,

ऐसे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व से कर देना; अतः उसमें बचन में सविधा
के लिए, पृष्ठ 1/2

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

26—96 GI/85

(1) म० कौशल्या एजुकेशनल ट्रस्ट,
द्वारा श्री विवेक कपूर (ट्रस्टी)
कौशल्या पार्क, होज खास, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) श्री अजय जैन सुपुत्र श्री आर० एम० जैन,
फ्लैट न० 101, ग्राउण्ड फ्लोर, 5-कौशल्या पार्क,
नई दिल्ली-16।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० एम-2(एफ-एफ) दूसरी मंजिल, ताशदी 400
वर्ग फीट लगभग, पोछे का भाग, बिल्डिंग न० 5-कौशल्या पार्क,
होज खास, नई दिल्ली।

सुनील चौधरी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 6-5-1985

मोहर :

प्रथम भाग टी. एन. एन.-----

आमजन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

प्रथम प्रकार

आमजन अधिनियम अध्यायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-III, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1985

निवेदन सं० आरजेन एन एन/एनए/III/37ईई/9-84/

610-प्रथम भाग, अर्जेंट रेंज-III

आमजन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् राजपत्र अधिनियम कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन प्रथम अधिकांश का, यह विश्वास करने
का कारण है कि उपरोक्त सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
₹ 1,00,000 से कम है, जो नष्ट है।

यह सम्पत्ति अर्जेंट रेंज-III में है तथा जो की
पार्क, नई दिल्ली, का नाम है (जो इसमें उपायुक्त
अनुसंधान अधिनियम में उल्लिखित है), आयुक्त, अर्जेंट रेंज-III
नई दिल्ली, अधिनियम अध्यायक अधिनियम, 1961, के अधीन,
दिनांक 1 अप्रैल 1984।

का प्रथम भाग, अर्जेंट रेंज-III, का नाम है इस के दायरे में
प्रतिफल के लिए अर्जेंट रेंज-III है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि उपरोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, अर्जेंट रेंज-III अधिनियम में, ऐसे दायरे में प्रतिफल का
प्रत्यक्ष प्रतिफल में उल्लिखित है और अन्तरक (अंतरक) और अंतरिती
(अन्तरिती) के बीच अंतर प्रत्यक्ष के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित अनुसंधान से उक्त अंतरण लिखित में
प्राप्त किया गया है और निम्नलिखित किया गया है।

(क) अन्तरण के लिए किसी काम की जायत, उक्त
अधिनियम के अधिनियम के अन्तरक के माध्यम
में कभी अन्तरक का अन्तरण में सुविधा के लिए,
अर्जेंट रेंज-III

(ख) अन्तरण के लिए किसी काम की जायत, उक्त
अधिनियम के अधिनियम के अन्तरक के माध्यम
में कभी अन्तरक का अन्तरण में सुविधा के लिए,
अर्जेंट रेंज-III

अन्तरक उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरक
में, अर्जेंट रेंज-III अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिनियम, अधिनियम :—

(1) आरजेन एन एन,
निवासी—के-41, हीन खास इन्क्लेव,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) अर्जेंट रेंज-III अधिनियम, द्वारा श्रीमती उषा
रार्जेंट रेंज-III/62, आजाद अपार्टमेंट-श्री अरविन्दो
मार्ग, नई दिल्ली-16।

(अन्तरिती)

को यह सूचना दायरे करके प्रकाशित सम्पत्ति के अन्तरक के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरक के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों को या किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसंधान

संता अपार्टमेंट, बेथमेंट एरिया नं० 100, 4-कोशल्या
पार्क, हीन खास, नई दिल्ली-16, तादादी 900 वर्गफीट।

मुनील चौधरी

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जेंट रेंज-III नई दिल्ली-110002

दिनांक : 24-4-1985

मोहर :

प्रमुख भाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कमर्शियल, सहायक आयकर जासूस (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3,

नई दिल्ली, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/37ईई/9-84/

611—अतः मुझे, मुनीन चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 310, है तथा जो 22-राजिन्द्रा प्लेस, नई
दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय
आयकर अधिनियम, 1961, के अधीन दिनांक दिसम्बर, 1984,
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए बन्दारित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वशापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य. उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
बहुत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय प्राप्ति
नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धित में
वास्तविक रूप से अभिहित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
बाधित में कमी करने या उक्त वस्तु में अविद्या
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य संपत्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा या अन्य किसी प्रकार
या या किया जाता बाधित था, अंतरण से अविद्या
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिहितः—

(1) मे० मेडी प्रिविज टाउ, भारत, जोधिया: बिन्दु बिन्दु
(ट्रस्ट) 33/13, पी.ए. पंजाब नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) मे० साठिया, भारत का आयकर अधिनियम,
48-ए, जोर बाध, नई दिल्ली।
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त व्यक्तियों को अपना उचित
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कानून को बाधित -

(क) इन सूचना के बाधित को बाधित को बाधित से
45 दिन के अन्तर में बाधित को बाधित को बाधित से
सूचना की बाधित से 45 दिन के अन्तर में बाधित को
अधिक बाध से बाधित हो है। बाधित को बाधित को
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियों को बाधित

(ख) इस सूचना के बाधित में बाधित को बाधित से
45 दिन के अन्तर में उक्त बाधित बाधित में बाधित-
बाधित किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा बाधित बाधित को
बाधित लिखित में बाधित को बाधित

अन्तर्गत :- इसमें प्रयुक्त अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत
अधिनियम के अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत अन्तर्गत
है, बाधित को बाधित को बाधित को बाधित
गया है।

अनुसूची

फ्लट सं० 310, जोर बाध, भारत सरकार-11, 22-
राजिन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली, बाधित 7-8 नई बाध

मुनीन चोपड़ा

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर जासूस (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3,

नई दिल्ली, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/9-84/612---

अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-4/203, है तथा जो सफदरजंग इन्क्लेव,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० सी० मेघानी,
निवासो—17/12, रजिन्दर नगर, नई दिल्ली-60
(अन्तरक)

(2) श्री आर० एन० शर्मा,
निवासी—मकान सं० 80, मेन्टर.ए.
नुमाप नगर, जम्मू (जे० एण्ड के०)
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

निवासीय मकान सं० बी-4/203 सफदरजंग इन्क्लेव,
नई दिल्ली, तादादी 1200 वर्ग फीट।

सुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3,

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/37ईई/9-84/

613—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० 209/9, है तथा जो भीकाजी काम प्लेस, नई
दिल्ली में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय
आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जहाँतः—

(1) भासीन सन्स प्रा० लि०

5, जिलमिल तहिरपुर, न्यू इण्डस्ट्रीयल कम्प्लेक्स
जी० टी० रोड, शाहदरा, दिल्ली-32।

(अन्तरक)

(2) कावेरी इंजीनियरिंग इण्डस्ट्रीज लि०

26-कपेदराल रोड, मद्रास-86।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 209, बिल्डिंग नं० 9, भीकाजी काम प्लेस,
रिंग रोड, नई दिल्ली, तादादी 494 वर्ग फीट।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली-110002

दिनांक : 3-5-1985

माहूर :

प्ररूप आई. टी. ए. एस.-----

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 22 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/9-84/
614—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,
सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० जी-11 है तथा जो कौशल्या पार्क, होज
खास, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), कार्यालय,
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961
के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984,
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भी बात को उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक व
दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० सुनील इण्टरआईजेस (प्रा०) लि०,
एल-34, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० मौड, सिलीका (प्रा०) लि०,
बी०-10, लारेंस रोड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांचें :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

स्पेस नं० जी-11, ग्राउण्ड फ्लोर, 1, कौशल्या पार्क, होज
खास, नई दिल्ली, तादादी-557 वर्ग फिट।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 22-4-1985

मोहर

प्रमुख आई.टी.एन.ए.ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/37ईई/9-84/
615—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

ग्रौरजिमकी सं० फ्लैट नं० 210, 9, बी० सी० पी० है तथा
जो नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उतावड़ अनुसूची में पूर्ण-
रूप में वर्णित है), कार्यालय, आई० ए० सी० अर्जन रेज-3,
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के
अधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पट्टक प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की भावना, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उक्त बात करने से सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का
बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिये या, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थ :-

(1) पैराडाइम टूर कम्पनी (आई०)
(प्राइवेट लिमिटेड) 15, आनन्द,
मिशन, नई दिल्ली-21।

(अन्तरक)

(2) कावेरी इजीनियरिंग इण्डस्ट्रीज लिमिटेड
26, कैपाडरेल रोड,
मद्रास-86।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कायदाबद्ध करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट 210, बिल्डिंग सं० 9, भीकाजी कामा प्लेस, नई
दिल्ली।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 14-5-85

साहू

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ईई/9-84/
616—अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० 749, न्यू राजेन्द्र नगर है तथा जो नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), कार्यालय, आई० ए० सी० अर्जन रेंज-23, नई दिल्ली
में भारतीय आयकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, दिनांक सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मोतिया रानी कपूर
निवासी आर० 749, न्यू राजेन्द्र नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्णन अरोड़ा, विनोद अरोड़ा,
संजय अरोड़ा, राजीव अरोड़ा श्रीमती विद्या बत्ती
अरोड़ा,
निवासी—1416, पहाड़ गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समवधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आर०-749, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 14-5-1985

मोहर

प्रकल्प आई.टी.ई.ए.ए.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/9-84/617—

अतः मुझे सुनील चोपड़ा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह बख्शान करने का कारण है कि
स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० स्पेस सं० 17 है तथा जो 3-भीकाजी कामा प्लेस,
नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आयकर
अधिनियम, 1961 के अधीन दिनांक मिनम्वर 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूल यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी
(अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाधा नमा प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य व उक्त अन्तरण निश्चित व वास्तविक
को से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायत्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
निर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या इन
के अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया है, या उक्त आय या धन या अन्य अस्तित्वों के
वर्णित व निरूपित;

(1) श्रीमती कमल जैन
निवासी—डेटा इम्पेक्स, 73/5948 बस्ती हरफूल
सिंह, सदर थाना रोड, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय श्रोवर (एच० यू०-एफ०)
डी-211, अशोक विहार, भाग-1, दिल्ली-52
(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त प्रकल्प को अर्जन के सम्बन्ध में कबों भी जारी है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् अधिकतम 90
दिनों की अवधि से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों को है कि किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, नभोहस्ताक्षरी के
पान निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार पार्किंग स्पेस नं० 17, सोवर ग्राउण्ड फ्लोर, अंसज
भवन, 3-भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

अन्य: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधर्ता :—
27-96 GI/85

दिनांक : 9-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन संचालित

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/9-84/618—.

अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

ग्रॉजिमकी सं० यू०-जी०-5 है तथा जो 1/2/4420, 4121,
कटरा रायजी, पहाड़ गंज, नई दिल्ली में स्थित है (यहां इसमें
उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), तापीन, अर्जन
रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961,
के अधीन, दिनांक नवम्बर 1984,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल में, ऐसे छयमान प्रतिफल का
प्राप्त प्रतिफल में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिणी
(अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की आवृत्ति उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
निर्देशन या समीकरण या अन्य उचित के अधिनियम
के द्वारा और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भव या अन्य सम्पत्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, उचित या समीकरण
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) जैना प्रोपर्टीज प्रा० लि०
आदिनाथ श्री-हाउस, अपो० सुपर बाजार,
कनाट सर्कस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री एच० एम० गिल, सुपुत्र स्व० एस० डी०
एम० गिल,
निवासी—एफ-29-डी, एम० आई० जी० फ्लैट,
डी० डी० ए०, जी०-8, एरिया, हरी नगर,
नई दिल्ली-64।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना द्वारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
अर्थवाहिका प्रकट है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपाण :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास
निहित या किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यू०-जी०-5, पहाड़ गंज, न० 1/2/4420-4424,
कटरा रायजी, नई दिल्ली, तादादी 144 वर्ग फीट।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 1-5-1985

माहुर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/9-84

619--अतः मुझे, मुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 705-ए है तथा जो जैना टावर डार ड्रीकट सेक्टर जनकपुरी नई दिल्ली में स्थित है (और उसके उपान्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) में जप्टीकरण के कार्यालय अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख 1 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कौ गड़ है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जाँम्नियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) कैप्टन डी० वी० मह, ,
निवासी, 6-वजय पार्क,
चौकगा राड, देहरादून (यु०पी०)

(अन्तरक)

(2) गै० जैना प्रापटीज प्रा० लि० ,
आद नाथ श्री-हाउस,
अपो० सुपर बाजार कनाट प्लेस सर्कस,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आवेदन करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० न० 70-ए, जैना टावर 1 ड्रीकट सेक्टर—जनकपुरी,
नई दिल्ली, तादादी 300 वर्गफीट ।

मुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 1-5-1985

मोहर .

प्रकृष माह.टी.एन.एत.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/III/37ईई/9-84/
620—अन- मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके बजाय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेका करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 204बी है तथा जो प्लॉट नं० 3, जनकपुरी
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय अर्जन रेंज-3,
नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन
तारीख सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विवेका
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कभी नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उक्त करने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
वा किरा जमा बाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती एस० के० गादानी,
पत्नी श्री ए० के० गादानी,
निवासी-जी-9, एन० डी० एस० ई० भाग-II,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मै० जैन प्रोपर्टीज प्रा० लि०,
आदिनाथ श्री हाउस,
अपो० सुपर बाजार, कनाट सर्कस,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० 204बी, दूसरी संजिल, प्लॉट नं० 3, डिस्ट्रिक्ट
सेंटर, जनकपुरी, नई दिल्ली, सादादी

सुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, नई दिल्ली

दिनांक : 7-5-1985

मोहर :

दिनांक : 26-4-1985
मोहर :

प्रकृ. भा. टी. एन. एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-III, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/III/37ईई/9-84/
622—अतः मुझे सुनील चौपड़ा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 202, पाल मोहन हाउस, है तथा जो 5/67
पदम सिंह रोड, करोल बाग नई दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय अर्जुन रेंज-III, नई दिल्ली में भारतीय
आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित अन्वेषण से उक्त अंतरण सिद्धित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;—

(क) अंतरण से हुई किसी बाब की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
वास्तव में कमी करने या उक्त बाब में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
में प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० पाल मोहन कन्सट्रक्शन कम्पनी
6/4792, चादनी चौक,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुरजीत कौर,
निवासी-21/56, पंजाबी बाग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, गभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 202, पहली मंजिल पाल मोहन हाउस, 5/67,
करोल बाग, नई दिल्ली, तादादी 455 वर्गफीट।

सुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-III, नई दिल्ली

दिनांक 26-4-1985
मोहर

प्रकृष्य बाई. डॉ. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3

नई दिल्ली, दिनांक 23 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/3/37ईई/9-84/

622ए—अतः मुझे सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
प्रत्येक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
69-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
, 00,000/- रु. से अधिक है

श्रीग जिसकी सं० 307, है तथा जो 5/67, पदम सिंह रोड,
हरोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) कार्यालय अर्जन
रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961, के
अधीन तारीख सितम्बर 1984

इ प्रवर्तित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
होने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
न्यून प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-
वक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः आज, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० पाल मोहन कसटूक्शन कम्पनी
6/4792, चादनी चौक,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) के० एम० पानीकर,
604, गगन दीद, 12, राजेन्द्रा प्लेस,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 307, दूसरी मंजिल, पाल मोहन हाउस,
5/67, पदम सिंह रोड, करोल बाग, नई दिल्ली, ताक्षादी
250 वर्गफीट ।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 23-4-1985
मोहर :

प्रत्यक्ष बाजार, टी. एन. ए. ए.

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) से अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/37ईई/9-84/

624—अतः मुझे सुनील चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 304, है तथा जो जेना टावर, जनकपुरी नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन, रेंज-3 नई दिल्ली में; भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के आयित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिनके भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिये था कि करने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण्य है, कि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) जेना प्रोपर्टीज प्रा० लि०,
आदिनाथ श्री हाउस,
अपो० सुपर बाजार, कनाट सर्कस,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री रमलदास चावला,
सुपुत्र श्री कुन्जाल राव चावला,
निवासी—सी/2/239, जनकपुरी,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कराए हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निम्नलिखित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुरोध

प्रो० नं० 304, (नीमरी मंजिल) जेना टावर, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, नई दिल्ली जनकपुरी, तादावी 130 वर्गफीट ।

सुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 7-5-1985
मोहर :

प्रश्न भाई.टी.एन.एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० एम्पु०/3/37ईई/9-84/
626—अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
उक्त अधिनियम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
69-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3बी/8 है तथा जो निलक नगर, नई दिल्ली
स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख
सेतम्बर 1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
द्रव्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय
था गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
विहित में वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —
8-86 GI/85

(1) श्रीमती मीना देवी,
निवासी-बी-5/140,
सफदरजग इन्कलेव, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मातिया रानी कपूर,
निवासी-5बी/8, निलक नगर,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रा० सं० 5बी/8, निलक नगर, नई दिल्ली, तादादी 200
वर्गगज।

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक 10-5-1985

मोहर :

प्रकाशक यह है जो एन. एस.-----

- (1) मै० सूर्या इन्टरप्राइजेस (प्रा) लि०
एन०-34, कोर्नी नगर
नई दिल्ली 1

(अन्तरगत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 3 मई 1985

निर्देश न० आर्डी० ए० सी० एफ० १/3/37ईई/9-84/
627-अन मसे, मुनीम चौपडा,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सहायक आयुक्तारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका न० एन०-1, हाथी जो 1, कौशल्या पार्क
हाथी राग नई दिल्ली में स्थित है (यहाँ इसमें उपायुक्त
अन्तर्गत में यहाँ गुण मय भविष्य) अन्तर्गत के कार्यालय
अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम
1961 के अधिनियम तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणियों) के बीच एम० अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से अधिस्त नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
के लिए और/या

- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) के अधिनियम के
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रावधानों के अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या जिसे उक्त अधिनियम, लिखित में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (2) श्री रामाकृष्ण,
अभिभावक मास्टर रोहित गर्ग,
निवासी-ई-31, ग्रीन पार्क,
दिल्ली 1

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रकट सख्तों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० एम०-1, मेज फ्लावर, 1, कौशल्या पार्क,
हाथी राग, नई दिल्ली, तारादी 1325 वर्गफीट।

मुनीम चौपडा

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक 3-5-1985

मोहुर 3

प्रश्न बाबू.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० एम्पु०/3/37ईई/9-84/
628—अन मुझे, सुनील चौपडा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
सर्क पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
जरण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौण ज़िमकी सं० यु० जी-32-बी है तथा जो 5 बीकाजी
हामा प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौण इसमें उपाय
अनुसूची में ग्रौण पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्ता के कार्यालय
अर्जन रोज-3 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम
1961 के अधीन तारीख सितम्बर 1984

1 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
निष्पत्ति का नाम अन्तरित का गड है और मुझे यह विश्वास
रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का संचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का
यह प्रतिकूल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
प्रतिरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
तिक्कन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में
कभी करने या उत्तरे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री राम प्रकाश
निवासी—एन-4 सी, माकल
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमता राता नरला
निवासी—ई-7 एन० डी० एम्पु० ई भाग-1
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिये
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के मा परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है
क्या है।

अनुसूची

प्रो० न० यु० जी० 32बी भाकाजी कामाजी प्लेस, नई
दिल्ली तावादी 142 वर्ग फीट।

सुनील चौपडा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-3, नई दिल्ली

दिनांक 13-4-1985
माहर :

प्रकरण नम्बर डी.एच.एच.

भाषाभर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई० ए० एल० एच०/3/37ईई/9-84/
629—अतः मुझे मुनील चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पदार्थ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 421 है तथा जो 6 भीकाजी कामा जी
प्लेस नई दिल्ली है में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
अर्जन रेंज-3 में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन
4 तारीख सितम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यतन
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अद्यतन प्रतिफल से, ऐसे अद्यतन प्रतिफल का
अच्छा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरिणीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्तु-
विक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उक्त करने में क्षति
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रवचनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
क्षति के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के, अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

- (1) 1 श्रीमती हरमजन कौर
2 श्रीमती मानन्दर बेन्स
3 श्रीमती ब्रजिन्दर कौर
4 श्रीमती हरदीप खुराना,
निवासी-आर-21, नहर इन्कलेव,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- (2) 1 रमन ट्रस्ट,
2 श्रीमती जया शर्मा,
3 श्री आनन्द शर्मा,
4 कुमारी हन्सा शर्मा,
निवासी-24, लाधी स्टेट,
नई दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसने प्रवक्तव्य के अर्थों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 421, तादादी 381 वर्गफीट, प्लॉट न० 6,
भीकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली।

मुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 26-4-1985

मोहुर :

प्रकृष्ट आई. टी. एन. एन. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1985

निर्देशन सं० आई० टी० एन० एन०/3/37ईई/9-84/
629ए—अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और (जिसकी सं० 201, प्लॉट न० 21 है तथा जो युमुफ सगाय कम्युनिटी सेटर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रार के कार्यालय आई० टी० एन० अर्जन रेज-3 नई दिल्ली में आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख सनम्बर 1984 के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बंधापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अतिरिती (अतिरिती) के बीच एने अंतरण के लिए तय गया नया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी बाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् --

(1) माकेन प्रोपर्टीज प्रा० लि०
सी०-358, डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली-24

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश मूद,
एच-9, एन० डी० एस० ई०-1,
नई दिल्ली-1 ।

(अतिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट न० 201, एरिया 429 वर्गफीट, प्लॉट न० 21,
युमुफ सगाय कम्युनिटी सेटर नई दिल्ली-16

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3 नई दिल्ली

दिनांक 14-5-1985

मोहर :-

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी० एम्प्ल०/3/1/ईई/9-84/
629बी—अतः मुझे गुर्नाल चौपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इमर
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए-1/82 है तथा जो मस्जिद माउ रेजिडेंटल
स्कीम, नई दिल्ली में स्थित है (अर्ज ड्रग्स उपायुक्त अनुसूचा
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रेजिस्ट्रारता के कार्यालय
अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम
1961 के अधीन तारीख (सन्म्वर 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
अनुसूच से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत
वही किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की नानत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
वायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती शिक्षा मल्हन

निवासी-3381, टाबाना बेला प्रसाद,
बाजार सीताराम, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री क० डी० वर्मा, पास्ट मास्टर,

निवासी-मराजनी नगर पास्ट ऑफिस,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० ए-1/82, मस्जिद माउ रेजिडेंटल स्कीम,
नई दिल्ली, तादादी 189 वर्गमीटर।

सुनील चौपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

दिनांक 26-4-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० एफ०/3/37ईई/9-84/
630—अनः मुझे, मुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यू० जी० 12 है तथा जो 4, भीमजी कामा प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (या इसमें उपावृद्ध अनुसूची में प्राप्ति पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रारों के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रारों के अनुरोध अंतर्गत की गई है और भूँसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम० दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिनी (अंतरिनीयों) के बीच एम० अंतरण के लिए न्यून प्राप्ति प्राप्ति, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) मे० राजधानी प्रिन्स,
10वीं मंजिल, गंगा राम हाउस,
1, गंगाधर मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तर्गत)

- (2) मास्टर कबल दीप सिंह,
निवास-1/151, जेठवानन रोड,
पटियाना पंजाब।

(अन्तर्गति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही कराता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत

प्रो० न० यू० जी० 12, तादादी 307 वर्गफीट, 4,
भीमजी कामाजी प्लेस, नई दिल्ली।मुनील चोपड़ा
पञ्चम प्राधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्लीदिनांक : 10-5-1985
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मई 1985

निर्देश सं० नार्दी० ए० सी० ए०/3/37ईई/9-84/

631—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यु० जी०-6 है तथा जो 4, भीकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (जहाँ इसमें उपावृद्ध अनुसूची में श्राव्य पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रार के कार्यालय अर्जुन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

इतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० राजधानी बिन्डस,
13वीं मंजिल, गान्धी गम हाउस,
1, टालम्पाय मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री चमन लाल कपूर श्राव्य
श्री गम प्रकाश कंकड़,
निवासी-एन०-4, सी, साकेत,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाई करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समवधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

२. नोटिफिकेशन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्राव्य सं० यु०-जी०-6, नार्दादी 273 वर्गफीट 4,
भीका जी कामा प्लेस, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-3, नई दिल्ली-110002

दिनांक 7-5-1985

मोहर :

प्रथम भाग टी.एन.ए.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज 3 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 1985

निदेश सं.आई. ए. सी. ए. 3/37ईई/9-84/
632—अतः मुझे, सुनील चौपडा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मुख्य प्राधिकारी को यह विवक्षा करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 5107/9 है तथा जो श्रीराजी कामा
प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) निम्नलिखित अधिवारों के
कार्यालय अर्जुन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर
अधिनियम 1961 के तहत तारीख सितम्बर 1984
को पूर्वावक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अतर्पित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि संपादक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम. दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
शतक से अधिक है और अन्तरण (अंतरणों) और अतिरिक्त
(अतिरिक्तियों) के बीच एम. अन्तरण के लिए एक पांचवां भाग
प्रतिफल, निम्नलिखित उपावृद्ध से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
सांख्यिक रूप में कोष नही किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी बाध की बाध, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
वर्षाव में सभी करों का उपावृद्ध उपावृद्ध मूल्य
क. 1. अ. और/या

(ख) ऐसी किसी बाध या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 1961 का अधिनियम 1961
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयावृद्ध अन्तरणों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या जो किया जाना चाहिए था, जिसमें से संचित
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —
29—96 GI/85

(1) श्रीमती विजय वाला कपूर और
श्रीमती मधु निवाहन
निवासी—बी-80, इन्द्रपुरी,
नई दिल्ली।

(अन्तरण)

(2) श्रीमती गुलशन खुराना,
पत्नी श्री आर. एन. खुराना,
निवासी—जे-7/89, राजोरी मार्ग,
नई दिल्ली।

(अन्तरण)

का यह सूचना जारी करके पूर्वावक्त सम्पत्ति के अन्तरण से निम्न
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के सम्बन्ध में कोई भी बाध —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के अन्तरण या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की मामील में 30 दिन की अन्तरण, या भी
अन्तरण बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वावक्त
सम्पत्ति में निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निम्नलिखित
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, संपादक सम्पत्ति के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फैट नं. 5107, पावनी बाजार, 9, श्रीराजी कामा
प्लेस, नई दिल्ली, ता. 360 वर्ग फीट।

सुनील चौपडा
मुख्य प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज-3, नई दिल्ली-110002

दिनांक 24-4-1985
साहू

इसमें बाई.टी.एन.एफ.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० एफ्यु०/3/37ईई/9-84/633—अतः मुझे, मुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री 203 है तथा जो 5/67, पद्म सिंह रोड, कंगो बाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्री 203 इसमें उपायुक्त अनुसूची में श्री 203 पूर्ण रूप में वर्णित है) कार्यालय अर्जुन रज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख मिनम्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन से इसमें अन्तरण के दायित्व में कमी करने या अन्तरण के लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 7) के प्रयोजनार्थ अन्तरित की जा रही हैं, या धन या आय या किसी अन्य वस्तु का बाजार मूल्य, धन या आय या किसी अन्य वस्तु के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० पाल मोहन कन्स्ट्रक्शन कंपनी
6/4792, चादनी चौक,
दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) इन्डो जर्मन एग्रीकल्चरल रसे
एन्ड प्रैसिड वरक,
नजदीक चाद सिनेमा, जी० टी० रोड,
लुधियाना।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समवधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-3 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

फ्लैट न० 203, पहली मंजिल, पाल मोहन हाउस,
5/67, पद्म सिंह रोड, कंगो बाग, नई दिल्ली, तादादी
350 वर्गफीट।

मुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रज-3, नई दिल्ली-110002

दिनांक 30-4-1985
साहर

प्रमुख आई. टी. एम. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 अप्रैल 1985

निदेश सं. आई० ए० सी० एम्यु०/3/37ईई/9-84/
634—अतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी मं० सी-12ए है तथा जो 1, राजेन्द्रा प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) कार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधिनियम कर दान के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा के सिद्ध; और/या

(ख) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधिनियम कर दान के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्त बचने में सुविधा के सिद्ध; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, द्वारा है—

(1) मै० नेहा दीप कन्सल्टेशन,
1-राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली-110008

(अन्तरक)

(2) श्री ए० आर० जैन,
मार्फत—मै० सुख देव राज एन्ड क०
चौड़ा बाजार, लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वातामुकुलित प्रो० नं० सी-12-ए, ग्राउन्ड फ्लोर,
1-राजेन्द्रा प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 132 वर्गफुट ।

सुनील चोपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 23-4-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० एम्प्लू/3/37ईई/
3-85/855--आ. मुझे, मुनील चौपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 12, 265, 53 बैक स्ट्रीट है तथा जो
करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) कार्यालय
आई० ए० सी० अर्जेंट रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर
अधिनियम 1961 के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए राजस्त्रीकृत विलख के अनुसार अन्त-
रित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इश्यमान प्रतिफल में, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरितीया) के बीच एक अन्तरण के लिए यह पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आगमन
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1961
धन-कर अधिनियम 1972 (1972 का 29)
प्रमाणित अन्तरिती द्वारा प्रमाणित किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बिमला बतारा,
16/41, राजिन्द्र नगर,
नई दिल्ली ।

(अन्तरका)

(2) श्रीमती राज कुमारी परती,
बी-2/81, सफदरजंग इन्कलेव,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बैगमेट न० 12, स्तुति बिन्दिन, 2652-53, बैक स्ट्रीट,
करोल बाग नई दिल्ली ।

मुनील चौपड़ा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेज-3, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 14-5-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एकपु०/3/37ईई/4-85/(9-84)

878—जन० मुजे सुनील चोपड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 10, 2652-53 रजुति बिल्डिंग, बैंक स्ट्रीट, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (प्रारंभ में उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) "अन्तरिक्ष" के कार्यालय ई० ए० सी० अर्जुन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के तहत लागू दि. 1 जनवरी 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में वृद्धि के लक्ष्य प्राप्त करने के लिए अन्तरिक्ष को गृह है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, एम. व. वर्तमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्ष) और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरिक्ष के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरिक्ष लिखित में वास्तविक रूप से अधिनियम नहीं किया गया है।

(क) अन्तरिक्ष से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरिक्ष के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गुण्ठा सहान ,
बॉ-5, ग्रेटर कैलाश, एन्कलेव-II,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिक्ष)

(2) विजय गुप्ता एन्ड कंपनी ,
सी-64ए, शिवाजी पार्क,
पास्ट जॉफम, पंजाबी बाग,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिक्ष)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप -

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्यार्थ

वेसमेट न० 10, रजुति बिल्डिंग 2652-53, बैंक स्ट्रीट,
करोल बाग, नई दिल्ली-5 ।

सुनील च.पंडा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेज-3, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 14-5-1985
साक्षर :

प्रमुख भाग. टी. एम. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 अप्रैल 1985

निदेश सं० आई० ए० सी० एम्बू०/3/37ईई/9-84/
625—अतः मुझे मुनील चौधड़ा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सहायक प्राधिकारी को, यह विवरण देना का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 309 है तथा जो 2, भीकाजी कामा
प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपरोक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रार के कार्यालय
आई० ए० सी० अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर
अधिनियम 1961 के अधीन तारीख सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवरण
देने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) कैलाश नाथ एण्ड एसोसिएट
1006, कंचनजंगा, 18, बाराखम्बा रोड,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री एच० एल० सूद,
डब्ल्यू-26, ग्रेटर कैलाश, भाग-2,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तारीख पन्नेट न० 309, तारीख मंजूर, प्रस्तावित
बहुमंजिली बिल्डिंग, 2-ए, भीकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली ।

मुनील चौधड़ा
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 30-4-1985

मोहर :

प्रमुख कार्य. टी. एम्. एड.

(1) फेअर फास्ट कंस्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) नैतान अंजेलो सीक्वेरा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

दिनांक 14 मई 1985

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :-

निदेश सं० अई-4/37-ईई/12311/84-85—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
‘उक्त अधिनियम’ कहा गया है) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना के पक्ष विधायन करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात्सूचकरी के
पक्ष निश्चित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० प्लेट नं० 4 पहली मंजिल फेअरी अपार्ट-
मेंट प्लॉट नं० 1, सीटीएस नं० 10102 एक सर व्हिलेज,
होली क्रॉस रोड, बोरीवली बम्बई 400 103 में स्थित
है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 सितम्बर
1984,

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 26-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरको) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

प्लेट नं० 4, पहली मंजिल, फेअरी अपार्टमेंट, जो प्लॉट
नं० 1, सी टी एस नं० 1010, एकसर व्हिलेज, होली क्रॉस
रोड, बोरीवली, बम्बई-400 103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-4/37ईई/12311/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-84 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 14-5-1985
साहू

प्रत्यक्ष भाई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/12399/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्त बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3, 2री मजिल फेअरी अपार्ट-
मेंट प्लॉट नं० 1, सी०डी०एम० नं० 1010, एकसर व्हिजेज
होली आस रोड बोरीवली, बम्बई 400 103 में स्थित
है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है) और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 सितम्बर
1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थापपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वार्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की दायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) पेयर फास्ट रेस्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हेलेन वाक्ष।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्या करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चाती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो
उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3, 2री मजिल फेअरी अपार्टमेंट जो
प्लॉट नं० 1, सी०डी०एम० नं० 1010, होली आस रोड,
आय०सी० कॉलनी एकसर, व्हिजेज बोरीवली बम्बई
400103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की सं० अई-4/37-ईई/12399/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-84 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 14-5-1985

मोहूर :

प्रारूप आह्वान, टी एच एच -----

(1) फायर पास्ट कस्टमिजेशन कंपनी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन संचालित
भारत सरकार

(2) प्र. का. व. एफ. गोरीया।

(अन्तरिणी)

कार्यालय, महायुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रजि-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 14 मई 1985

का यह सूचना ज्ञात, उसके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए,
पर्यवेक्षण करता हूँ।

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/12459/84-85—अतः मजे,

ए० प्रसाद,

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्ति या व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त आधार संबंधित में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
पेशाव या विवाद आ सकता है।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'नया अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन संचालित प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका मूल्य बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, 371 मजिल, फेरी अपार्ट-
मेंट, फुकर विहारे, माय०सी० काली लोदी ब्रॉस रोड,
बोरीवली बम्बई 40003 में स्थित है (और इसमें उपरोक्त
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, के
अधीन बम्बई स्थित संपत्ति प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है तारीख 1 सितम्बर 1984

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 2(1)-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इसे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एक दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिणी (अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लेया गया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है।—

अनुसूची

(क) अन्तरण में कोई किसी अन्य का वाहन, उक्त
अधिनियम के अधीन का होने के अन्तरक के
दायित्व में किसी अन्य का वाहन बचाने का
के लिए और।

फ्लैट नं० 1, 371 मजिल, फेरी अपार्टमेंट, जो, फ्लैट
नं० 1, सी०डी०एम० नं० 1010, फुकर विहारे, माय०
सी० काली, लोदी ब्रॉस रोड बोरीवली बम्बई 400103
स्थित है।

(ख) किसी किसी अन्य का जिसमें यह है अन्य अधिनियम
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या अन्य अधिनियम या अन्य
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अधिनियम का प्रयोजन करने के लिए
लेया गया प्रतिफल के लिए और।

अनुसूची नैमाकी सं० आई-4/37-ईई/12459/84-85
और जो वक्षस प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-84 को
रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद

गक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जेंट रजि-4 बम्बई

उक्त अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिनियम का प्रयोजन करता हूँ—
30-96 (1), 15

तारीख : 14-5-1985

माह :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) फेअर फास्ट कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) अगनेलो पिन्टा।

(अन्तरिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई 1985

निदेश सं० आई-4/37-ईई/12000डी/84-85--अन.

मुखे ए० प्रमाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 3 पहली मजिल फेअरी अपार्ट-
मेंट, सीटीएम नं० 1010 एक्सर व्हिलेज आयसी
काननी, होली क्रॉस रोड, बोरीवली बम्बई 400 103 में
स्थित है। (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 सितम्बर
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-
मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 3 पहली मजिल फेअरी अपार्टमेंट जो
सी०टी०एम० नं० 1010 एक्सर व्हिलेज आयसी काननी,
होली क्रॉस रोड बोरीवली बम्बई 400 103 में स्थित
है।

अनुसूची जैमाकि क्र०सं० आई-4/37-ईई/12400 डी०
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 14-5-1985

साहब :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) निम्न चेतन कंठारी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री प्रतिमा एच० शहा
और अन्य।

(अन्तरिणी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/20339/84-85—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफिस रेकॉर्ड न० 33, प्लॉट न०
सी०टी०एम० न० 348, लक्ष्मीनारायण शापिंग सेंटर, पंढार
रोड, मालाड (पूर्व) बम्बई-97 में स्थित है। (और इसमें
उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 1 नवम्बर 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निर्धारित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
कार्यक्रम में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निर्धारित व्यक्तियों, अर्थात्

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूचा

आफिस रेकॉर्ड न० 33, प्लॉट न० सी०टी०एम० न०
348 पी०न० 5-ए, लक्ष्मीनारायण शापिंग सेंटर, पंढार
रोड, मालाड (पूर्व) बम्बई-97।

अनुसूची नैपाकी क्र० सं० आई-4/37-ईई/20339/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
का रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख 15-5-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजैन रेज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-आ/2520/83-54-आ/1 मंज,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसका सं. नमूना नमूना सं. 30, एन.नं.
4(ग्रुप), एन.नं. 30, एन.नं. 10, एन.नं. 30, एन.नं.
नं. 9(ग्रुप) और नमूना सं. 418 448/1, 448/2,
448/3 और 158, इंग्लिश भाषा में, सत्यापित, बम्बई में
स्थित है। और इनके आधार पर प्रस्तुत नमूना पूर्ण रूप से
वर्धित है), राजपत्र के अधिनियम, 1961 में राजपत्र-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रभाव,
तारीख 10 नवम्बर 84।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, एम. दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के
बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहा था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित घोषणाओं, अधिनियम :—

(1) धारणा बढ़ा 1 पाठ सही

पाठ सत्य।

(अन्तरक)

(2) राजपत्र अधिनियम में 10 नवम्बर 84

तारीख दिनांक 10 मई 85।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन को सत्य में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि दिनांक 18/8/84 और जो ऊपर
में जस्टिस, बम्बई द्वारा दिनांक 10-9-1984 का राजपत्र
जिसे किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजैन रेज-3, बम्बई

तारीख 10-5-1985

मोहर।

प्रथम भाग, टी. एन. ए. 1985-1986

(1) श्री पी.एन. चक्रवर्ती।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) रॉबिन कॉन्ग्राम हाउसिंग सोसाइटी लि०।

(अन्तर्गति)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-जी/2020/83-84--अन. मुजे,
ए० प्रमाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य :

1,00,000/- रु. में अधिक है

श्री गिन्नी न० 49 प्लॉट न० 11, मकटूर वी, ग्रा०
विहार्ज पार्क न० 49, (घण) ग्रा० 50(अण), चेंबर,
बम्बई में स्थित है। श्री इनमें उपायुक्त प्रमर्चा में श्री
पूर्ण रूप से वर्णित है। रजिस्ट्रीर की कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्रीर प्रोविन 1908(1908 का 16) के अन्तर्गत,
नमोत्र 18 दिनांक 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के स्थान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थान प्रतिफल से ऐसे स्थान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) को भी ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर होने के अन्तरक के शायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा या उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैपाकि विदेश सं० एम-745/79 और जा
उर रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 18-9-1984 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

ए० प्रमाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

प्रकृष्य आइ. टी. एन. एस. -----

(1) श्रीमती वधावेत आर. भारीय ।

(अन्तरगत)

(2) श्रीमती नागपति वि. पटेल ।

आर. मन्थ ।

(अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/17-जी/1517/83-84--अन मुझे
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
हाराण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० जमीन सं० 133, गंगाल मवन
और 20 सामलनदार वाडी, 1 की कान लेन, मालाड(प०),
साथ में बिल्डींग गंगाल मवन 2 और 2, बम्बई-64 में
स्थित है। और टममें उतावड अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है। रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन,
तारीख 5 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए०से दृश्यमान प्रतिफल का
न्यून प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ए० अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
में वार्षिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैनाकी विवेक सं० 1718/82 और जो
अपरिजिम्मा, बम्बई द्वारा दिनांक 5-9-1981 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बम्बई

तारीख 10-5-1985

मोहर ।

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - -

(1) श्री ए५०ए१० सुर्वे।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) अन्तरक जो-ग्राहक हाउसिंग मालाडटी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-जी/2528/83-84---अनः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) कि धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फाट नं० 53, ए० नं० 184 और
189, तंजूर, बम्बई में स्थित है। और इसे उपाबद्ध
अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है। रजिस्ट्री-धर्ती के
कार्यालय, बम्बई से रजिस्ट्री-धर्ती अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 14 दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच गये अन्तरण के लिए न्य पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922

1922 का अधिनियम, 1922 के अधिनियम, 1922
के अधिनियम, 1922 के अधिनियम, 1922 के अधिनियम, 1922

या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिग्रहण करने के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विनोद सं० 1031/83 और जो
आरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 14-9-1984 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रोज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-जी/2571/84-85--अतः सभे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० रेजिस्ट्रेशन अंश स्ट्रक्चर्स स्टैंडिंग आन अन्ड
ओर इन्स्ट्रुमेंट्स इन डिमोन्स्ट्रेशन लेण्ड एक्ट नं० 119 एच०
नं० 2(अंश), सीटीएम नं० 454(अंश) क्लेज पहाड़ी
तालुका बोरीवली, डिस्ट्रिक्ट बॉम्बे संवर्धन, बम्बई में स्थित
है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, तारीख
7 नवम्बर 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाध, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
राजस्व से कमी करने या सबसे कम में कृषिभा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवो
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
भारत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सहभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

31—96 GI/85

(1) शकरभाई एम० पटेल
और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) दि रेडियम को-आप० डेरी मोसाइटी लि० ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैमाकी विलेख सं० एम-4657/74 और जो
अपरिजम्भित बम्बई द्वारा दिनांक 7-11-1984 को रजिस्टर्ड
किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेंट रोज-3, बम्बई

तारीख 10-5-1985

माहुर :

प्रथम भाग टी. एन. एस. -----

(1) श्री एस० टी० सकपाल और अन्य ।

(अन्तरिक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) राजलक्ष्मी को-आप० हाउसिंग सोसाइटी
लि० ।

(अन्तरिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अर्ज-3/37-जी/2524/83-84—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन प्रथम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 665 पहाडी, गोरे गाव,
बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिहारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 26 नवम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
परिणत के लिए अन्तर्गत को गड़ है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
सन्दर्भ धारण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्बुके
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, निपटाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीनत :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी को पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृतिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है
है, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा की विवेक सं० एस-2821/81 और जो
अपरजिम्नार, बम्बई द्वारा दिनांक 26-9-1984 को रजिस्टर्ड
किया गया है ।

ए० प्रसाद

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-85

मोहर :

प्ररूप आई टी. एन. एस. -----

(1) इहमती ए० मोहिनी ।

(अन्तर्गत)

(2) मगर्म माधन विन्दस ।

(अन्तरित)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-जी/2521/83-84—अतः मन्त्रे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

आर जमकी सं० जमीन के साथ हटन, सी०टी०ए० सं० न०
297, एल०वी०एम० मार्ग, कुर्ना (ग०), बम्बई-70 में स्थित
है (आर इनके उपायुक्त अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 15-10-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गढ़ा है और मन्त्रे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथासंभव सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
के वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विवेक सं० एम-171/83 आर जो
उपरिजम्हारा, बम्बई द्वारा दिनांक 15-10-84 का एन०टी
किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुरूप
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख . 10-5-1985

माहुर

प्रकृष बाई, टी. एन. एस.-----

(1) श्री किराज ए० रामाद ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) पनशी के० छेडा ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/20422/83-84—अतः मुझे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, जो, 1ली मंजिल, हुमेना
मन्शन को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, भालेकर बाड़ी
के पास, ऑफ एल०बी०एल० मार्ग, कुर्ला (प०), बम्बई-70
में स्थित है (और इनमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 गिनम्बर
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिग
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 19
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में
सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्ग
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० 5, जो 1ली मंजिल, हुमेना मन्शन को-
ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, भालेकर बाड़ी के पास,
कल्याना थिएटर के पीछे, एल०बी०एल० मार्ग, कुर्ला (प०),
बम्बई-70 में स्थित है ।

अनुसूची जैभाकी सं० सं० आई-3/37-ईई/20422/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

प्रकृष बाह्य, टी. एन. एच. -----

(1) मेगर्स निलम डेव्हलोपमेंट।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/20376/83-84—अंतः मुझे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 301, जो, बी-विंग, इमारत
नं० 1, शांती पार्क, गंगोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व),
बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारगरतामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख
1 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
नामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में अविधा
के लिए; बाहु/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या जो किसी
व्यक्ति या छिपाने में सूचना के लिए,

61.

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या यथावधि व्यक्तियों पर
सूचना की छपील से 30 दिन की अवधि, या भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

आलोचना:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का या उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, बड़ी अर्थ होगा ता रस मध्यम में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 301, जो, बी-विंग, इमारत नं० 1, शांती
पार्क, गंगोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई में स्थित
है।

अनुसूची नैतकी क्र० सं० अई-3/37-ईई/20376/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 10-5-1985

साहू

प्रकृष आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

(1) मध्यम दिग्दर्शक विन्डर्स प्रायवैट लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री मलार ए० ए० ए०।

(अन्तरिनी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/13680/83-84—अन. भू.सं.
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 406, जो 4 वां मंजिल, इमारत नं० 18, कपाडिया नगर, विद्यानगरी मार्ग, सोपमटा रोड, कुर्ला, बम्बई-70 में स्थित है (श्राव हमने उपायुक्त अनमूर्ति में और पूर्ण रूप में वर्णित है), या जिसका कारगनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के प्रदान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रार, तारीख 1 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए न्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिसका भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की व्यवस्था (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 406, जो 4 वां मंजिल, इमारत नं० 18, कपाडिया नगर, विद्यानगरी मार्ग, सोपमटा रोड, कुर्ला, बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची नैमाकी क्र०सं० आई-3/37-ईई/13680/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख 10-5-1985

माह

प्रमुख आई टी एन एम्. -----

(1) नार्मल डी.टी. प्रिन्सिपल कायदेत नि०।

(अन्तरगत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) नार्मल डी.टी. प्रिन्सिपल कायदेत नि०।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/20482/83-84—अन्त. म.से.

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
मैंने पर्याप्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
69-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
रण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी न० फ़ैट नं० 209, जो, 2 गी मंजिल, इमारत नं० 6,
कमाडिया नगर, विद्यानगरी मार्ग, सीएमएटी रोड,
कुर्ली, बम्बई-70 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिस पर एकराशमा
प्रायश्चित्त अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 1 फ़रवरी 1984

ने पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
तिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास
रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
न्यून प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
तत्त्विक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों को उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही
करनी होगी।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हित-
रक्ष किन्हीं अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पक्ष में निम्नलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें पर्युक्त शर्तों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया
गया है।

अनुसूची

फ़ैट नं० 209, जो, 2 गी मंजिल, इमारत नं० 6,
कमाडिया नगर, विद्यानगरी मार्ग, सीएमएटी रोड,
कुर्ली, बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची में नकी क्र०स० आई-3/37-ईई/20482/83-84
और जो आज पारितारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

तारीख 10-5-1985

साहू

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) पारम दिनांक दिवस प्राप्ति लि०।

(अन्तरगत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती नफीसा एच० उदासूरवाला
और अन्य।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

कई यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० आई-3/37-ईई/20481/83-84--अतः मुझे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन, धार्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 403, जो, 4थी मंजिल,
इमारत नं० 18, कागडिया नगर, विद्यानगरी मार्ग, सी०
एच० टी० रोड, कुर्ली, बम्बई-70, में स्थित है (और इसमें
उदासूरवाला पत्नी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
व्यवहार आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269
ब के अधीन बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, तारीख 1 नवम्बर 1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 403, जो, 4 थी मंजिल, इमारत नं० 18,
कागडिया नगर, विद्यानगरी मार्ग, सी०एच०टी० रोड, कुर्ली,
बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची नं० आई-3/37-ईई/20481/83-84
और जो पञ्चम पत्रिका में, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
का रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

नक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 10.5.1985

प्रोहूर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भाष्य करकार

कार्यालय, सहायक भाष्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/20451/83-84--अन. सू.से,
ए० प्रसाद

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारियों को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 3 जो, जय अभियेक को-ऑप०
हाउसिंग सोसाइटी लि०, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व),
बम्बई-77 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिस पर राजस्वमा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई
स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
1 नवम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की राशि, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कारण से कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमान
को जिन्हें भारतीय भाष्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या सूक्त अधिनियम, या धरकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निर्माजित व्यक्तियों, अर्थात् :—
32—96 GI/85

(1) उक्तान्तरक।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मिनाक्षी नटराजन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 3, जो, जय अभियेक को-ऑप० हाउसिंग
सोसाइटी लि०, 111, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व),
बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची संभाकी क्र०सं० आई-3/37-ईई/20451/83-84
और जो सूक्त प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
मक्षम प्राधिकारी
सहायक भाष्यकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष आर्द्ध. टी. एम. एम. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं. आई-3/37-ईई/20504/84-85--प्रत. मुजे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सशम प्राधिकारी की, यह विचार करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हुआल न० 12, 13, गजानन निवा-
(न्यू) बाकोला क्लेज रोड, बम्बई में स्थित है। (और उक्त उपावृत्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसे राजाशा शाह र
अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन जारी
स्थित भूमि प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख,
1 नवम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच
ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की शकत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाथिए से कमी करने या उससे बचने में उद्देश्य
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य शक्तिगत
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा उक्त नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, स्थान अ
सूचना के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
के, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मनी ला एण्ड गैरिटी

(अन्तरक)

(2) ज्योती मनी ला एण्ड
गैरिटी

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अधीन काई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के दिनांक 10 मई 1985 का तारीख से
45 दिनों के अर्थात् के पश्चात्कालीन व्यक्तियों पर
सूचना का तारीख 20 मई 1985 का तारीख, जो तब
जबकि बाद में सम्पन्न होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों के सम्पत्ति के अर्जन के लिए

(ख) इस सूचना के दिनांक 10 मई 1985 का तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त सम्पत्ति के अर्जन में उक्त
दृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिभूतारि के
पास लिखित में लिखित अर्जन के लिए

संक्षेपित -- इसमें पूर्वोक्त सूचना और धारा का, जो उक्त
अधिनियम के भाग 20-क में परिभाषित
है, बड़े तथा उक्त के उक्त अधिनियम के अर्थात्
उक्त है।

अनुसूची

हुआल न० 12, 13, गजानन निवा-
(न्यू) बाकोला क्लेज रोड, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची के तारीख 10 मई 3/3-ईई/0504/84-85
और 11 मई 1985, बम्बई का तारीख 1-9-1984
को उक्तित किया गया है।

ए० प्रसाद

सशम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख 10-5-1985

माहुर .

प्रूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/20514/83-84--अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 36, जो, 3री मंजिल, भागि-
रथी विना, अमृत नगर, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है
(और इनमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का पन्ध्र
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे व्यवहार के लिए तब तक या
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) व्यवहार से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक, जो
हाथिल में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

(1) मेन्स गेट इंटरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) श्री वी०आर० दलवी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किए जा सकेंगे;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किए जा सकेंगे;

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 36, जो, भागिरथी विना, 3री मंजिल,
फ्लैट एफ-1, अमृतनगर, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित
है।

अनुसूची के तहत क्र० आई-3/37-ईई/20514/83-84
और जो इसमें प्राविष्ट है, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 10-5-1985

माहुर :-

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

(1) श्री चित्तरजन शर्मा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री राजेशकुमार पूरी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/20500/83-84---अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका न० प्लॉट न० 3, जो, 4 थी मंचिन, व्हिलेज
रोड, तिरदास, पवई, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका पुराना
नामा आधुनिक अधिनियम 1961 की धारा 269-ख के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रजिस्ट्री
है, तारीख 1 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
छद्मेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 3, जो, 4 थी मंचिन, व्हिलेज रोड, तिरदास,
पवई, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र०सं० आई-3/37-ईई/20500/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985
मोहर

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एस. नं. 11

(1) श्रीमती श्रीनिवासन लक्ष्मी।

(अन्तरव)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सम्पत्ति

(2) मेसर्स चरन टेक्स्टाइल्स।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश नं० आई-3/37-ईई/20483/83-84—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मध्यम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० यूनिट नं० बी-150, जो 1 ली मंजिल,
बी-ब्लॉक, घाटकोपर इंडस्ट्रियल इस्टेट एल०बी०एम० मार्ग,
बम्बई-86 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई
स्थित मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख,
1 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पामा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वजह, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
प्रतिफल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आदमारी, धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में सम्प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

इंडस्ट्रियल यूनिट नं० बी-150, जो 1 ली मंजिल,
बी-ब्लॉक इमारत, घाटकोपर इंडस्ट्रियल इस्टेट, एल०बी०
एम० मार्ग, बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची नं० आई-3/37-ईई/20483/83-84
और जो मध्यम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मन्मथ राव एण्ड आसोसिएट्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती नाडर अल्फान्सो।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/13317/84-85--अन: सू०,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० फ्लैट सं० 15, जो, ए-विंग, न्यू गजानन निवास, चम्पबाडी, पाकोना विल्हेज रोड, सांताक्रूज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है। (और जो अपावृद्ध उत्तसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिस पर भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए दाय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने की संधि के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 15, जो, ए-विंग, न्यू गजानन निवास, चम्पबाडी, पाकोना विल्हेज रोड, सांताक्रूज (पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं० आई-3/37-ईई/13317/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती जे.एच. ठाकर ।

(अन्तरक)

(2) श्री जे.जे. सेठ ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/13239/83-84—अतः मुझे,
ए० प्रताप,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 3, जो, "दक्का" इमारत, बल्लभ-
बाग लेन एकाडेगन, शरीडिया नगर, घाटकोर (पूर्व),
बम्बई में स्थित है (और इसे उपावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
1 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
बहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में निहित
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 3, जो, "दक्का" इमारत, बल्लभबाग लेन
एकाडेगन, शरीडिया नगर, घाटकोर (पूर्व), बम्बई में
स्थित है ।

अनुसूची तैयारी क्रमांक आई-3/37-ईई/13239/83-84
और जो इस प्राविशरी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रताप
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985
माहूर :

प्रमुख कार्य, श्री. एन. एम्. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्थ रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3/37 ईई/13247/83-84—अन: सुजे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सहाय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो श्री सी. सी. जिनार इमारत "सी" विंग-3, रामोदर पार्क, घाटकोपर, बम्बई-80 में स्थित है (और इसमें उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सहाय प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में अन्तर्गत अन्तरण के लिए अन्तरण को रद्द है और उसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बंध प्रतियोग से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एम् अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शामिल किया जा सकता है कि यह किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरण के कारण से कमी करने या उससे उचित की सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के परोक्षार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, अन्तरण के अधीन के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति को अन्तरण ---

(1) श्रीमती बोनो जॉन, रामचंदानी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम्. डा० पंचांगी और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शर्तों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, जो श्री सी. सी. जिनार इमारत "सी" विंग-3, रामोदर पार्क, घाटकोपर, बम्बई-80 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि इस सं० अई-3/37ईई/13247/83-84 गान जो सहाय प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद,

सहाय प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्थ रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर

प्रमुख कार्य टी.एम.एस. : १०४-११६४४४

$$(1) \quad \text{for } \alpha \in \mathbb{R}, \quad \alpha \neq \frac{\pi}{2}, \quad \alpha \neq \frac{3\pi}{2}.$$

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
पारा 269-अ (1) के अन्तर्गत सूचना

(अनुसूची १)

(2) ସୂଚୀ ଲକ୍ଷ୍ୟ କରାଯାଇଥିବା ।

(亦亦亦)

1997, 1998, 1999, 2000, 2001, 2002, 2003, 2004, 2005, 2006, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022, 2023, 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029, 2030, 2031, 2032, 2033, 2034, 2035, 2036, 2037, 2038, 2039, 2040, 2041, 2042, 2043, 2044, 2045, 2046, 2047, 2048, 2049, 2050, 2051, 2052, 2053, 2054, 2055, 2056, 2057, 2058, 2059, 2060, 2061, 2062, 2063, 2064, 2065, 2066, 2067, 2068, 2069, 2070, 2071, 2072, 2073, 2074, 2075, 2076, 2077, 2078, 2079, 2080, 2081, 2082, 2083, 2084, 2085, 2086, 2087, 2088, 2089, 2090, 2091, 2092, 2093, 2094, 2095, 2096, 2097, 2098, 2099, 2100, 2101, 2102, 2103, 2104, 2105, 2106, 2107, 2108, 2109, 2110, 2111, 2112, 2113, 2114, 2115, 2116, 2117, 2118, 2119, 2120, 2121, 2122, 2123, 2124, 2125, 2126, 2127, 2128, 2129, 2130, 2131, 2132, 2133, 2134, 2135, 2136, 2137, 2138, 2139, 2140, 2141, 2142, 2143, 2144, 2145, 2146, 2147, 2148, 2149, 2150, 2151, 2152, 2153, 2154, 2155, 2156, 2157, 2158, 2159, 2160, 2161, 2162, 2163, 2164, 2165, 2166, 2167, 2168, 2169, 2170, 2171, 2172, 2173, 2174, 2175, 2176, 2177, 2178, 2179, 2180, 2181, 2182, 2183, 2184, 2185, 2186, 2187, 2188, 2189, 2190, 2191, 2192, 2193, 2194, 2195, 2196, 2197, 2198, 2199, 2200, 2201, 2202, 2203, 2204, 2205, 2206, 2207, 2208, 2209, 2210, 2211, 2212, 2213, 2214, 2215, 2216, 2217, 2218, 2219, 2220, 2221, 2222, 2223, 2224, 2225, 2226, 2227, 2228, 2229, 2230, 2231, 2232, 2233, 2234, 2235, 2236, 2237, 2238, 2239, 2240, 2241, 2242, 2243, 2244, 2245, 2246, 2247, 2248, 2249, 2250, 2251, 2252, 2253, 2254, 2255, 2256, 2257, 2258, 2259, 2260, 2261, 2262, 2263, 2264, 2265, 2266, 2267, 2268, 2269, 2270, 2271, 2272, 2273, 2274, 2275, 2276, 2277, 2278, 2279, 2280, 2281, 2282, 2283, 2284, 2285, 2286, 2287, 2288, 2289, 2290, 2291, 2292, 2293, 2294, 2295, 2296, 2297, 2298, 2299, 2300, 2301, 2302, 2303, 2304, 2305, 2306, 2307, 2308, 2309, 2310, 2311, 2312, 2313, 2314, 2315, 2316, 2317, 2318, 2319, 2320, 2321, 2322, 2323, 2324, 2325, 2326, 2327, 2328, 2329, 2330, 2331, 2332, 2333, 2334, 2335, 2336, 2337, 2338, 2339, 2340, 2341, 2342, 2343, 2344, 2345, 2346, 2347, 2348, 2349, 2350, 2351, 2352, 2353, 2354, 2355, 2356, 2357, 2358, 2359, 2360, 2361, 2362, 2363, 2364, 2365, 2366, 2367, 2368, 2369, 2370, 2371, 2372, 2373, 2374, 2375, 2376, 2377, 2378, 2379, 2380, 2381, 2382, 2383, 2384, 2385, 2386, 2387, 2388, 2389, 2390, 2391, 2392, 2393, 2394, 2395, 2396, 2397, 2398, 2399, 2400, 2401, 2402, 2403, 2404, 2405, 2406, 2407, 2408, 2409, 2410, 2411, 2412, 2413, 2414, 2415, 2416, 2417, 2418, 2419, 2420, 2421, 2422, 2423, 2424, 2425, 2426, 2427, 2428, 2429, 2430, 2431, 2432, 2433, 2434, 2435, 2436, 2437, 2438, 2439, 2440, 2441, 2442, 2443, 2444, 2445, 2446, 2447, 2448, 2449, 2450, 2451, 2452, 2453, 2454, 2455, 2456, 2457, 2458, 2459, 2460, 2461, 2462, 2463, 2464, 2465, 2466, 2467, 2468, 2469, 2470, 2471, 2472, 2473, 2474, 2475, 2476, 2477, 2478, 2479, 2480, 2481, 2482, 2483, 2484, 2485, 2486, 2487, 2488, 2489, 2490, 2491, 2492, 2493, 2494, 2495, 2496, 2497, 2498, 2499, 2500, 2501, 2502, 2503, 2504, 2505, 2506, 2507, 2508, 2509, 2510, 2511, 2512, 2513, 2514, 2515, 2516, 2517, 2518, 2519, 2520, 2521, 2522, 2523, 2524, 2525, 2526, 2527, 2528, 2529, 2530, 2531, 2532, 2533, 2534, 2535, 2536, 2537, 2538, 2539, 2540, 2541, 2542, 2543, 2544, 2545, 2546, 2547, 2548, 2549, 2550, 2551, 2552, 2553, 2554, 2555, 2556, 2557, 2558, 2559, 2560, 2561, 2562, 2563, 2564, 2565, 2566, 2567, 2568, 2569, 2570, 2571, 2572, 2573, 2574, 2575, 2576, 2577, 2578, 2579, 2580, 2581, 2582, 2583, 2584, 2585, 2586, 2587, 2588, 2589, 2590, 2591, 2592, 2593, 2594, 2595, 2596, 2597, 2598, 2599, 2600, 2601, 2602, 2603, 2604, 2605, 2606, 2607, 2608, 2609, 2610, 2611, 2612, 2613, 2614, 2615, 2616, 2617, 2618, 2619, 2620, 2621, 2622, 2623, 2624, 2625, 2626, 2627, 2628, 2629, 2630, 2631, 2632, 2633, 2634, 2635, 2636, 2637, 2638, 2639, 2640, 2641, 2642, 2643, 2644, 2645, 2646, 2647, 2648, 2649, 2650, 2651, 2652, 2653, 2654, 2655, 2656, 2657, 2658, 2659, 2660, 2661, 2662, 2663, 2664, 2665, 2666, 2667, 2668, 2669, 2670, 2671, 2672, 2673, 2674, 2675, 2676, 2677, 2678, 26

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

वर्जित मेंज- ३, वमशु

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अर्क-3/3755/3199/83-84-अ. मं०,

पृ० प्रभदि,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी का यह विचार करने का
कारण है कि स्थानीय स्थापना, जिसका अधिकार बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

श्रीर जिनकी सं० दुकान स. ज. जो गण्डक पर्वत, महावीर
महल, प्लाट नं० 130 गंगाकाशी नगर, पाटकोट, रमन-77
में स्थित है (गौर इससे आनादा अनुसूचित प्राधिका-
रित है) और जिनको कार्यालय आर-1, गंधारनगर
1961 की धारा 269अ, ख के अधीन बम्बई स्थित महम
प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्व सं० नं० 1-0-84

को पूर्वावित सम्पत्ति को उपरित बाजार मूल्य से कम १. दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वावित सम्पत्ति का उपरित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदाहरण में निम्न अन्तरण नीम्नतः प्रगतिविक रूप में कथित रूप से किया गया है —

को यह सज्जना सारी करके पुरोहित पण्डित के भजन के लिए
करवाइया गया है।

उदा० भाषादि के वर्णन जो ग्रंथों में जाते हैं वे आक्षेप :-

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभिलेखाधारों के पास लिखित में विवाद या कुरीतियों।

अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

(क) अन्तरण से हुआ किसी माय की वायव, अथवा
अधिनिधय से अधीन वतन से अन्तरण से
राशि-न मे कर्मा से
के लिए कर/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिमरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थानों - सविधा के लिए;

दस्तावेज नं० १, जो याचक के पते पर, पंजीकृत नहीं है, पत्र नं० 130, ग्राडिया नगर, प्राइडो (पुर्व), पम्पड-74 में स्थित है।

महोदयों के नामों के साथ ७८३-३/३७८८/१३१९४/८३-८४ के लिए जो संवत्स प्रमाणपत्र, २०१३ प्राप्त किया।
१-९-१९८४ के संवत्स प्रमाणपत्र प्राप्त हुए।

१७० प्रत्यक्ष

*अथ तद्विहारी

प्राथमिक माध्यमिक माह्विका (विशेषज्ञ)

अर्चन १-३, १५३

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 26(9)-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम का 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838,

10-5-1985

446

प्रमुख आई. टी. एन. एस.-----

राजपत्र में प्रकाशन, 1981 (1981 का 43) की धारा
11(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रोज-3, गम्हई

गम्हई, ति. 10 मई 1985

निदेश सं. अई-3/आईई/13211/8-81-1-17 सूजे,
प० प्रसाद,

अन्तरिक्ष अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सूचना प्रेषित है। यह सूचना इस प्रकार
कारण है कि स्थानिक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- से अधिक है

और जिसकी गैर प्लेट नं. 1, गम्हई प्लान, पणकुटीर,
प्लेट नं. 199, गम्हई प्लान गैर प्लेट नं. 1 (पूर्व),
गम्हई-77 में स्थित है। (नोट: यह सूचना प्रेषित
मेरी प्रतीति के अधीन है।) यह सूचना 1981 का 43
अधिनियम 1981 की धारा 11(1) के अधीन प्रेषित
गम्हई स्थित, गम्हई गैर प्लेट नं. 1, गम्हई प्लान,
गम्हई-77 में स्थित है।

का पूर्वाग्रह सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम की दृष्टि से।
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत हो गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वाग्रह सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्ष)
और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्ष) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं पाया गया है।

इस अन्तरण के अधीन सूचना प्रेषित है। यह सूचना
अधिनियम के अधीन सूचना प्रेषित है। यह सूचना
अधिनियम के अधीन सूचना प्रेषित है। यह सूचना
अधिनियम के अधीन सूचना प्रेषित है। यह सूचना

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
या (अन्तरिक्ष) या (अन्तरिक्ष) या (अन्तरिक्ष)
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तरिक्ष अधिनियम, 1967 (1967 का 43)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया
गया है। यह सूचना प्रेषित है। यह सूचना
अधिनियम के अधीन सूचना प्रेषित है। यह सूचना

सूचना के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के अधिनियम
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित धारित, अर्थात् -----

(1) आसती चद्रमणि के पारीख ।

(अन्तरिक्ष)

(2) आसती पन्ना के संहता ।

(अन्तरिक्ष)

यह सूचना प्रेषित करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए
अपवादित करता है।

उक्त सूचना के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की समीक्षा 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती है, के भीतर एवरेक
व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

अतः यह सूचना प्रेषित है। यह सूचना
अधिनियम के अधीन सूचना प्रेषित है। यह सूचना
अधिनियम के अधीन सूचना प्रेषित है। यह सूचना
अधिनियम के अधीन सूचना प्रेषित है। यह सूचना

अन्तरिक्ष

प्लेट नं. 1, गम्हई प्लान, पणकुटीर प्लेट
नं. 199, गम्हई प्लान गैर प्लेट नं. 1 (पूर्व),
गम्हई-77 में स्थित है।

अनुसूची के अधीन सूचना प्रेषित है। यह सूचना
अधिनियम के अधीन सूचना प्रेषित है। यह सूचना
अधिनियम के अधीन सूचना प्रेषित है। यह सूचना
अधिनियम के अधीन सूचना प्रेषित है। यह सूचना

प० प्रसाद

अधिसूचना

अधिसूचना अधिसूचना (निरीक्षण)

अर्जेंट रोज-3, गम्हई

ति. 10-5-1985

सोहर

प्रकट कार्य, टी. एच. एच.

(1) श्री चितरजन शर्मा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सुष्म थू. दानावर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

यह सूचना द्वारा करके वृद्धावस्था सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं. अई-3/37ईई/13175/83-84—अत. सूच.
ए० प्रमाद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन मक्षम या राजपत्री को यह विश्वास करने का
कारण है कि यथावत सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।और जिसकी सं. फॉट नं. 1, जो इम्प साईट, मवाना टावर, पवई,
बम्बई-76 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में उल्लिखित है) और जिसका राजपत्री
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ख के अधीन
बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजपत्री है,
तारीख 1-9-1984तो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय हो गया है कि
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित रूप में
रूप से कथित नहीं किया गया है।(क) अन्तरण से हुई किसी बात को मायस उक्त अधि-
नियम के अधीन उक्त धारा के अन्तर्गत के अधिनियम
में कभी करने या उक्त अधिनियम के अधिनियम के अधिनियम
और/या(ख) किसी किसी बात या किसी बात का अन्तर्गत
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या जिसका उक्त अधिनियम, अधिनियम में उल्लिखित
के लिए,अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के अनुसार
मा, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा: —

सम्पत्ति के वर्जन के उद्देश्य से कोई भी आशय :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में संचालन होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त आधार सम्पत्ति में हिस्सा
बहुव किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
द्वारा लिखित या लिखित अ. अ. अ. अ.सम्पत्ति के वर्जन के उद्देश्य से शब्द और पदा का, जो उक्त
अधिनियम के अधिनियम में उल्लिखित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बम्बई

फॉट नं. 1, जो इम्प साईट, मवाना टावर, पवई,
बम्बई में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क्रम सं. अई-3, 37ईई/13175,
83-84 और या राजपत्र प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-9-1984 की राजपत्र में किया गया है।

ए० प्रमाद

मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 10-5-1985

मोहर :

(अन्तरक)

(अन्तरिणी)

साँहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

(1) मैक्स नानम डेनमार्क।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती वापन्ती बी. माहू।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मई 1985

विदेश सं० आई-3/37ईई/13173/83-84-यतः पुनः।

ए० प्रगाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का कारण है कि यथावर सम्पत्ति, जिसका अधिन बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीमती वापन्ती बी. माहू, जी, 520, एम.एल. बी-विंग, इमारत न० 1, अमिता पार्क, गरीबिया नगर, वाटकोपर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (यहाँ बर उपर उल्लेखित पत्तों में श्रीमती माहू का पता दर्ज है) श्रीमती वापन्ती बी. माहू द्वारा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधिनियम में दिखाने वाला प्राधिकारी के कार्यालय में पंजीकृत है, तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दखलाने प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दखलाने प्रतिफल से एस दखलाने प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एसे अन्तरण के लिए यह बाजार मूल्य प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में अस्त-विस्त रूप से कायित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का अन्तरण, उक्त अधिनियम के अधिनियम कर देने के अन्तरण के अस्तित्व में कमी करने या उससे अन्तरण में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भारतीय अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधिनियम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना का तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त यथावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्राहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधिनियम 269-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

सहस्रपत्नी

पत्र न० 502, जी, 520, एम.एल. बी-विंग, इमारत न० 1, अमिता पार्क, गरीबिया नगर, वाटकोपर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

सहस्रपत्नी जैसा कि अधिनियम सं० आई-3/37ईई/13173/84-85 का उक्त अधिनियम, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 के तारीख में पंजीकृत किया गया है।

ए० प्रगाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

माहूर

प्रकरण भाग

प्रकरण भाग

(1) गैर-निर्वाह

(गैर-निर्वाह)

(2) निर्वाह

(निर्वाह)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का 1(2) में धारा
269-ब (1) के अन्तर्गत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रकरण भाग—1, पृष्ठ—1

बम्बई, 1 मार्च 1965 (10 मार्च 1965)

निदेश सं० जई 3/3, ईई/10172/84-85—अन मसौ,
प्र० प्रमादे,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसके अन्तर्गत
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कला गया है), की धारा
269-ब के अन्तर्गत सहायक आयुक्तों को यह निर्देशन प्राप्त है कि
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति निरीक्षण के अन्तर्गत बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है।

और निर्देशन सं० प्रमादे 501 का, जो कि इस मसौ
नं० 1, शांती मार्ग, मराठवाड़ा मार्ग, बम्बई (पूर्व), में स्थित है (या
वर्तमान में स्थित है) या अन्यथा बाजार मूल्य में पूर्ण रूप से निर्वाह है।
यह निर्देशन अधिनियम 1961 का धारा 2(9), में निर्देशन सं०
निर्देशन सहायक आयुक्तों को निर्देशन सं० 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में काम के लक्ष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मसौ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य इस लक्ष्यमान बाजार मूल्य से अधिक है।
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक और अन्तरिकी
(अन्तरिकीयों) के बीच एक अन्तरक के लिए तब तक गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के लिए तब तक गया
वास्तविक रूप में निर्देशन सं० निर्देशन सं० 1-9-1984

(क) अन्तरक सं० 101, जो 'श' विंग, इमारत नं० 1, शांती
मार्ग, मराठवाड़ा मार्ग, बम्बई (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी और या किसी और सम्पत्ति, जिसके
बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है, जो कि 1922 का 111
धारा 2(9) के अन्तर्गत निर्देशन सं० 1-9-1984
को प्रयोजनार्थ अन्तरिकीय द्वारा प्रकृत नदी के लिए
या या किताब ज्ञाना बाजार मूल्य में निर्देशन सं० निर्देशन सं० 1-9-1984

अतः कि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
मसौ, मसौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अन्तर्गत निर्देशन सं० निर्देशन सं० 1-9-1984

यह सूचना 11 मार्च 1965 को मसौ के निर्देशन सं० निर्देशन सं० 1-9-1984

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत सम्पत्ति में कोई बाधा नहीं है।

(क) इस सूचना के अन्तर्गत मसौ की तारीख 45
दिन की अवधि में स्थावर सम्पत्ति पर मसौ
नं० 10 दिनों की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के अन्तर्गत निर्देशन सं० निर्देशन सं० 1-9-1984

(ख) इस सूचना के अन्तर्गत मसौ की तारीख 45
दिन की अवधि में स्थावर सम्पत्ति में निर्देशन सं० निर्देशन सं० 1-9-1984
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा निर्देशन सं० निर्देशन सं० 1-9-1984

स्पष्टीकरण—उक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्तर्गत 20 के निर्देशन सं० निर्देशन सं० 1-9-1984
है, बम्बई निर्देशन सं० निर्देशन सं० 1-9-1984

अनुसूची

पन्ध्र नं० 101, जो 'श' विंग, इमारत नं० 1, शांती
मार्ग, मराठवाड़ा मार्ग, बम्बई (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची 101 के अन्तर्गत मसौ सं० जई-3/37ई/13173/
83-84 मार्ग का निर्देशन सं० निर्देशन सं० 1-9-1984
1-9-1984 के निर्देशन सं० निर्देशन सं० 1-9-1984

प्रमादे

सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

मसौ 101 का निर्देशन सं० निर्देशन सं० 1-9-1984

बम्बई 101 का निर्देशन सं० निर्देशन सं० 1-9-1984

दिनांक 10 1985

मसौ

प्ररूप आई.टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख (1) के अधीन प्रस्ताव**आयकर अधिनियम**

आयकर अधिनियम (निराकरण)

अर्जत रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश नं० आई-3/37 ईई/13167/83-84—अतः मुझे
ए० प्रसाद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'जून अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन शक्ति प्राधिकारी का यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी नं० फ्लैट नं० 24, जो कैलाश पार्क 'B'
एन० बी० एम० मार्ग, वाटकोण, बम्बई-86 में स्थित है
(और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)
और जिसका कानूननमा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269-ख के अधीन बम्बई स्थित मध्यम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विशेष के अनुसार अतिरिक्त
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरक) और अतिरिक्त (अतिरिक्त) के
बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, इस
आय के अंतरण के लिए के अंतरक के अधिनियम
के अधीन करने या समस्त बचत से सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 17) के अधीन 1957 (1957 का 27) के
परिवर्तन अधिनियम द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता अतिरिक्त, छिपाव या सुविधा
के लिएअतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सत्यनारायण गो० खेर।

(अन्तरक)

(2) श्री गो० जे० मंगल गो० खेर।

(अतिरिक्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
आयवाहिका शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या अन्तर्गत की व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से संबंधित शक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवांछित-क्षेत्रों के पास
लिखित रूप में किया जा सकेगा।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के अंतर्गत परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में विद्यमान
है।**अनुसूची**फ्लैट नं० 24, जो कैलाश पार्क, 'B', एन० बी० एम०
मार्ग, वाटकोण, बम्बई 86 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि धारा 4 ईई-3/37-ईई/13167/
83-84 और वा मध्यम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-9-1984 को रजिस्ट्री में लिखा गया है।

ए० प्रसाद

मध्यम प्राधिकारी

आयकर अधिनियम (निराकरण)

अर्जत रज-3, बम्बई

दिनांक 10 मई 1985

सहस्र

प्ररूप माई. टी एन. एस. - - -

(1) श्री एल० एस० थिवानी ।

(अन्तरक)

(2') श्री एम० पी० भक्शी ।

(अन्तरिती)

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बुधवार, दिनांक 10 मई, 1985

निदेश म० अर्द्ध-३/३७-ईई/१३६६१/८३-८४—अत मध्ये

प० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'व्यक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-सब के अधिनियम पर धिक्कारी का, मन्त्र विभाग का मत
या प्रमाण है कि इससे सम्बन्धित विवेक राशिक का आर मन्त्र
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी स० प्लॉट न० 35, जो, मिथु नगर बाग, निलका रोड, घाटकापर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारागनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल से निम्नलिखित अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल करने का कारण है कि स्थापितोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल या पन्हु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में अंतरण नहीं किया गया है -

(क) अन्तरण या इतर किसी भाषा की भावत उक्त अधिनियम को अधीन कर देने के अन्तरक के वापिस्व इसी अन्तर्ग या अपर अन्तर्ग के अन्तर्ग के अन्तर्ग और/या

(ख) एसा किसी आय या कितनी धन या अन्य वर्गीकरण को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, विधान से सज्जा के लिए।

अतः अब उपर्युक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
म., मो., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अन्तर्गत निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन —

34-96GI/85

का यह सूचना द्वारा करक पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के निम्न कार्यवाहिया करपा हू।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना को राजपद में प्रकाशन की तारीख ४
10.11.2019 को अर्थात् या लगभग इसी दिनांक पर
- 11.11.2019 को (11.11.2019) को प्रकाशित
अर्थात् बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पर्याप्त
सूचना के सन्निधि यथावत

(ख) इस सूचना के गवर्नर में प्रकाशन ५। मार्च ५ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदारों को तब तक न होना चाहिए जब तक कि वह न्यायाधीशों के द्वारा लिखित में दिए गए सूचियों में

अधिनियम, के अध्याय 20-के म परिभाषित
है।

अनसूची

फ्लैट न० 35, जो मित्र राग, बिलक रोड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

अनसूची जैसा कि ग्राम नं० ग्रड-3/37ईई/13661/83-84 और जा मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, यम्बई

दिनांक 10-5-1985

माहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स नोलम डेव्हलपर्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) की अधीन सूचना

(2) श्री भगवानदास एल. बादना ।

(अन्तर्गति)

भारत सरकार

कार्गिन्स सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश नं० आई-3/37-ईई/13639/83-84—अत मुझे
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० फ्लैट नं० 202, जो 2री मजिल, ए-विंग,
इमारत नं० 2, शानी पार्क, गरोडिया नगर, घाटकोपर
(पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1962 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रार है, तारीख
1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित करी गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, वायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 202, जो, 2री मजिल, ए-विंग, इमारत
नं० 2, शानी पार्क, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व),
बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैना कि क्रम नं० आई-3/37-ईई/13639/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

दिनांक 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) चन्द्रकांत डी० टक्कर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मधुवेन के० पाडिया ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीमां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
गया है ।

निदेश सं० अई-3/37ईई/13637/83-84—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
उद्देश्य है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
, 00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 210, जो गरोडिया नगर,
घाटकोपर, बम्बई-77 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क,
ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984
में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
निष्फल के लिए अन्तरित हो गई है और इसका उक्त अधिनियम
अर्जन का कारण है कि यथापदोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
अन्तरितीयों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

प्लान नं० 10, न्यू अभिलाषा कोअपरेटिव सो० लि०,
लाट नं० 110, जो, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व),
बम्बई-77 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-3/37ईई/13637/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप भाई. टी एन. एस. ----

(1) श्रीमती अनहानी बाई० सुकी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० एम० श्रीमाननर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37ईई/13584/83-84—अन मुझे
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 9, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, उपा
सदन, प्लॉट नं० 135, गरोडिया नगर, घाटकोपर, बम्बई
में स्थित है (और इसमें अनुसूची में श्री पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसमें उपर्युक्त आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269-ब के अधीन बम्बई आयकर अधिनियम 1961
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को दावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत में
दायित्व में किसी करने या उनसे अन्तरण या अन्तरिती
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूक्ष्म
के लिए;

अब अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तरण के लिए
कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तरण के समय में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 9, जो ग्राउन्ड फ्लोअर, उपा सदन, प्लॉट
नं० 135, गरोडिया नगर, घाटकोपर, बम्बई में स्थित है ।
अनुसूची जैसा कि प्रम सं० आई-3/37ईई/13584/
83-84 और या इस राजपत्र में बम्बई द्वारा दिनांक
1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

संलग्न प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक - 10-5-1985

माहर

प्रश्न बाई. टी. एम. एच.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(1) श्री पीटर जकी कार्डोज।

(अन्तरक)

(2) श्री गायमन मऊज फर्नांडीज।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजम रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/13579/83-84—अतः मुझे

ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मकाम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लट नं० सी/239, जो, 3री मंजिल, पर्ल हेवन को० ग्रो० सोसायटी लि०, चिकोली विलेज (पुव), बम्बई-79 में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पुण रूप में वर्णित है) श्रीर जिसका मकामनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित मकाम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख, 1-9-1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के समयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके समयमान प्रतिफल से ऐसे समयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचन में सुधार के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भुनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में साक्ष्य के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लट नं० सी/39, जो 3री मंजिल, पर्ल हेवन को० ग्रो० हाउसिंग सोसायटी लि०, चिकोली विलेज (पुव), बम्बई-79 में स्थित है।

अनुसूची जमा कि कम तम० अई-3/37ईई/13579/83-84 और जो मकाम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

मकाम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजम रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

गोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री राजकुमार और अन्य सचदेव

(अन्तरक)

(2) मलोहा बेगम शेख अब्दुल मजिद।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37ईई/13633/83-84-अनः मुने
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० फ्लट नं० 208, जो 2री मंजिल, इमारत नं० 5, कपाडिया नगर, सी० एम० टी० रोड, कुला (प), बम्बई-70 में स्थित है (श्रीर इमके उपावद्ध अनुसूची में और पूरा है। वर्णित है) और जिसका तारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए०से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लट नं० 208, जो 2री मंजिल, इमारत नं० 5, कपाडिया नगर, सी० एम० टी० रोड, कुला, (प), बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-3/37ईई/13535/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37ईई/13684/83-84—अंतः सुखे
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 004, जो ग्राउन्ड फ्लोर, इमारत
नं० 10, कपाडिया नगर, सी० एम० टी० रोड, विद्यानगरी
मार्ग, कुर्ना (प), बम्बई-70 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनाम
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य वास्तव्य
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मन मोहन मिह नलवार ।

(अन्तरक)

(2) श्री आबिद हुसेन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 004, जो ग्राउन्ड फ्लोर, इमारत नं० 10,
कपाडिया नगर, सी० एम० टी० रोड, कुर्ना विद्यानगरी मार्ग,
कुर्ना (प), बम्बई-70 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-3/37ईई/13684/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर

प्रमाण आदेश टी. एन. एस. - - - - -

(1) मैसर्स शेखर प्रिन्टिंग प्रा० लि०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अब्दुल वहाब मोहम्मद परकार।

(अन्तर्गति)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37ईई/13552/83-84--अतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी प्लॉट नं० 212, जो, श्री मंजिल, इमारत नं० 6 कपाडिया शर, विद्यानगरी मार्ग, सी० एम० टी० रोड, कुर्ली, बम्बई-70 में स्थित है (श्रीर इनके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिनका 7 करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269, ख के अधीन बम्बई स्थित सूक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थान पर प्रतिफल के लिए अन्तरित की गयी है और यदि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थान पर प्रतिफल से, ए० प्रसाद प्रतिफल के उचित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है -

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को धारण, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत 30 दिनों में धारण करने या उससे बचने के उद्देश्य के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भुत या अन्य आम्ति को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित देवाना उचित नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से मंगला होकर हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अनुसूची 10-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 212, जो श्री मंजिल, इमारत नं० 6 कपाडिया शर, विद्यानगरी मार्ग, सी० एम० टी० रोड, कुर्ली बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-3/37ईई/13552/83-84 और जो सूक्ष्म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री एम० एम० मुखिया ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम० एच० सहजो सुखमान ।

(अन्तरित।)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37ईई/13503/83-84--अन्त० मुझे,
प० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिल्हा सं० प्लॉट नं० 205, जो इमारत नं० 13,
कपाडिया नगर, सी० एम० टी० रोड, कुर्वा (प), बम्बई-70
में स्थित है (मो० एम० टी० रोड प्रगुर्वा में पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिल्हा नं० 13503/83-84 (अन्त० मुझे
की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों
के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख 19-1984

का पूर्ण सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पदों
प्रतिशत से अधिक है

अर् और अन्तरक (अन्तरित) और अन्तरित (अन्तरित) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
किया गया है :-

(1) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उगस करने में सूविधा
के लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रगोजनार्थ अन्तरित द्वाारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना निर्दिष्ट था, कियाने में सूविधा
के लिए.

अन्य उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की धारा (1)
के अधीन निर्दिष्ट है। अन्त० मुझे
35-96 GI/55

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि के बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 204, जो इमारत नं० 13, कपाडिया नगर,
सी० एम० टी० रोड, कुर्वा (प), बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-3/37ईई/13503/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

रूप बाई. टी. एन. एस.-----

(1) मैसर्स गोल्डन कन्सल्टेशन कंपनी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

(2) श्री शरद कामण बर्वे।

(अन्तरिती)

शरद बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37ईई/13447/83-84--अतः मुझे,
ए० प्रनाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थापित संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 5, जो ग्राउन्ड फ्लोर, सी० टी०
एस० नं० 5653 (अंश), कोले कल्याण, कालिनि, सांताकुंज
(पूर्व), बम्बई-55 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल से लिए अन्तरित कर गढ़ है और यही यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थापित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
की गई प्रतिकूल, निर्भरलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से अधिनियमित नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यदि कोई व्यक्ति आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
आयकर अधिकारी को सूचित करने में सूचना
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः और, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गे की उपधारा (1)
के अधीन, निर्भरलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दुकान नं० 5, जो ग्राउन्ड फ्लोर, सी० टी० एस० नं०
5653 (अंश), कोले कल्याण, कालिनि, सांताकुंज (पूर्व)
बम्बई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37ईई/13447/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रनाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

प्रमाण माह : टी . ६८४ , ७५३ ,

(1) मैं अपने मातापिता से बहुत प्रेम करता हूँ।

(-1, 1)

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सखना

(2) श्रीसिद्धि विजय १०३३-५४-५५ ।

$$(n, \sqrt{n}, \sqrt{n})$$

श्रीराम कृष्ण

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रृजंन रेंग-३, तस्वर्ध

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० एआई-3/37ईई/13429/83-84-अतः मुझे
ए० प्रसद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 10) (जिसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 1, जो, विंग-डी, इमारत नं० 6, दामोदर पार्क, एल० बी० एच० मार्ग, घाटकोपर (५), बम्बई-86 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269, का ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

क्यों पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विदवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिशत विमललिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) जलरक्षण से हम किसी बाय का वास्तव, उक्त बाधनिक के अक्षर कर इन के अक्षर के बाधनिक के बाधनिक या अक्षर बाधनिक के बाधनिक के लिए बाधनिक

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचत या अन्य आस्थियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बचत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ वंशपरिणीत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अब: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सपना जारी करके पृथ्वी पर अगति के मार्ग में बाधा
पड़ना शुरू करता है।

[illegible]

(क) इस सूचना के माध्यम से बताया जा रहा है कि 45 दिनों की अवधि में प्रत्येक व्यक्ति को अपनी सूचना का प्रमाण देना पड़ेगा यदि नहीं, तो उसे अग्रिम चरण में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

(क) इस सूचना के अन्तर्गत निम्नलिखित सूचनाएँ दी जा रही हैं—
45 दिनों में भारत सरकार द्वारा निम्नलिखित सूचनाएँ दी जा चुकी हैं—
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा निम्नलिखित सूचनाएँ दी जा चुकी हैं—

व्यवहार:- इसमें अगले अर्थ के लिए, वह प्रत्यक्ष कार्य, जो अगले अर्थ के लिए किया गया है, वह प्रत्यक्ष कार्य, जो अगले अर्थ के लिए किया गया है, वह प्रत्यक्ष कार्य, जो अगले अर्थ के लिए किया गया है।

अनसूयी

प्लॉट नं० 1, जो विंग-डी, एम्पायर नं० 6, एम्पायर पार्क, एल० जे० एम्स मार्ग, जॉन्सटन, (ए), एम्पाइ-डी में स्थित है।

अनुसूची नं० ११ क्रम नं० ए-१२४१/१३१२९/
८३-८४ श्री जं० लक्ष्मण सिंह, पत्नी माता लक्ष्मी
१-९-१९८४ को संपन्नता दिनांक १९८४

[illegible]

दिनांक : 10-5-1985
मोहर

प्रश्न आर्. टी. एन. एम. -----

(1) मैगर्स पब्लि इन्टरप्र्राइजेस ।

(अन्तरक)

(2) ड० ए० वि० डाबोर और

श्रीमती एन० ए० डाबोर ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/13428/83-84—अतः सुजे
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
संगण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिगवी न० फ्लैट न० 2, जो, डी विंग, इमारत न०
6, दामोदरपार्क एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोटर (ए), बम्बई-86
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984
का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी बाध की प्रत्यक्ष, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी बाध या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिता करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काइं भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्द और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट न० 2, जो, डी विंग, इमारत न० 6, दामोदर
पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोटर (ए), बम्बई-86
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-3/37-ईई/13428/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985
मोहर :

प्रमुख आई. टी. एन. एड. - - - - -

(1) श्रीमती ज्युलियाना तावरो ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री निजाम खान ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/13423/83-84—अतः मुझे

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें 1979 के
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, जो इमारत नं० 9,
कपाडिया नगर, सी० एम० टी० रोड, कुर्ला (प), बम्बई-70
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है) और जिसका कगारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269-ग, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दंड के अन्तरक के दायित्व
में आय करने या अपसं बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रशासनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रामाण्यकारी के पास
निर्वाह से किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 102, जो इमारत नं० 9, कपाडिया नगर;
सी० एम० टी० रोड, कुर्ला (प), बम्बई-70 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्रम सं० अई-3-37ईई/13423/ए
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985
मोहर

प्रत्यक्ष भाई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/13349/83-84—अतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो 6वीं मंजिल, ए-विंग इमारत नं० 3, दामोदर पार्क एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प) बम्बई में स्थित है (आर इससे उपावृद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का इन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण क्रियान्वित में वास्तविक रूप से क्षतिग्रस्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आर्थिक बाधा को बाधित, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) निरुपेक्ष विक्रमसी ट्रस्ट ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लाडिना फर्नान्डीज ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

इस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएं:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो इन अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति या/इतबहुत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो, 6वीं मंजिल, ए विंग, इमारत नं० 3, दामोदर पार्क, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर, (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-3/37ईई/13349/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मॉडल कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बाई० एम० मार्गुव अली सैयद।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्य करता हूँ।

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37ईई/13434/84-85—अंतः मुने

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिनकी सं० दुकान न० 21, जो ग्राउन्ड फ्लोर,
हजारी बाग, हरियाली विलेज, जवगत आफ स्टेशन रोड
और एल० बी० एम० मार्ग, विन्डोली (पूर्व), बम्बई-83 में
स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है) और जिनका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसको दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट कर किसी आय की वास्तविक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वर्षाव में माली करने या तमाम करने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—उसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान न० 21, जो, ग्राउन्ड फ्लोर, हजारी बाग,
हरियाली विलेज, जवगत आफ स्टेशन रोड, और एल० बी०
एम० मार्ग, विन्डोली (पूर्व), बम्बई-83 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-3/37ईई/13434/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

माहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37ईई/13319/83-84—अतः

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-22, जो टेरेम के साथ 6वीं मंजिल, रतन प्लेस, को आत० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लॉट नं० 86, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

तो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्यामान प्राप्तफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यामान प्रतिफल में, कम इश्यामान प्राप्तफल की तुलना में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एम अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक सं० आई-3/37ईई/13319/83-84 के अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाखिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निम्नः

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किमा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जे० एम० तयागावकर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बी० एच० भायानी और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या रहस्यबद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किंगी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए गए अक्षेपों को।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी-22, जो टेरेम के साथ, 6वीं मंजिल, रतन प्लेस को०प १०० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लॉट नं० 186, गरोडिया नगर, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई-3/37ईई/13319/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

माहुर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेमर्स दिवस बिज्डर्स प्राइवेट लि० ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती यूलियाना तावरो ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/13315/84-85—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

औरजिमकी सं० फ्लैट सं० 102 जो, इमारत न० 24, कपाडिया
नगर, सी० एम० टी० रोड, कुर्ला (ए), बम्बई-70 में स्थित
है (और इसमें उपावृद्ध यन्त्रमन्त्री से और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट न० 102, जो, इमारत न० 24, कपाडिया नगर, सी०
एम० टी० रोड, कुर्ला (ए), बम्बई-70 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० ग० आई-3/37-ईई/13349/
83-84 और जो मध्यम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-
1984 को रजिस्ट्री किया गया है ।

ए० प्रसाद
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन,एस.-----

(1) श्रीमता उर्मिला डी० पागीख ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हेमागिनी एम० देमाई ।

(अन्तर्गति)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/13311/83-84-अन० मसे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० फ्लैट सं० सी०-73, जो, कोजली किरन अं-
आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बम्बई-55 में स्थित है (श्रीर
इसमें उपावृद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर
जिमका कगारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269
अन्तर् के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तर्गति) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० सी०-73, अंजली किरन को० आप० हाउसिंग
सोसायटी लि०, बम्बई-55 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि सं० अई-3/37-ईई/13311/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, बम्बई।

दिनांक 10-5-1985

माहुर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) मसुमे पारुल इण्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

(2) कुमारी काशी पत्र पाकिस्तान।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप :-

निर्देशन सं. अई-3/37-ईई/13249/83-84—अतः मुझे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
अर्थ है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
, 00,000/- रु से अधिक है

ग्रौण्ड जिन्का सं. प्लॉट नं० 4, जो ए-विंग, इमारत नं० 3,
दामोदर पार्क एल० बी० एम० मार्ग घाटकोपर (प) बम्बई
में स्थित है (ग्रौण्ड टैक्स उपग्रन्थ अनुसूची में ग्रौण्ड पूर्ण रूप से
अर्जित है) ग्रौण्ड जिन्का करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269-घ के अन्तर्गत स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
अतः यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-
मान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से
अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
में बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से
अर्जित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
से लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 4 जो ए-विंग इमारत नं० 3, "दामोदर पार्क",
एल० बी० एम० मार्ग घाटकोपर (प), बम्बई में स्थित है।
अनुसूची जैसा कि सं. अई-3/37-ईई/13249/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) पाहल इण्टरप्राईज ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० आर० नायक और अन्य ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कई यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/13523/83-84—अतः मझे

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिमकी सं० फ्लैट सं० 2, जो, 4-मी. इमारत, दूसरी मंजिल,
दामोदर पार्क, एल० बी० एम० मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-
86 में स्थित है (श्रीरजिमसे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से
वर्णित है), श्रीरजिमका कार्यालयमा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए रय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो, 4-मी इमारत, दूसरी मंजिल, "दामोदर
पार्क", एल० बी० एम० मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37ईई/13523/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/13645/84-85—अत मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

ग्रौजिमकी ग० प्लैट न० 32, ज० मेमर्स अस्पृता को—आप० हाऊसिंग सागायटी लि०, स्वास्मिक पार्क, गायन ट्राम्वे रोड, बम्बई में स्थित है (ग्रौजिम उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका भूगर्भात् आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार ए० प्रसाद, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-3, बम्बई

(1) श्रीमती एम० एम० पाटकर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा प्रभाकरन ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बम्बई

प्लैट न० 32 ज० मेमर्स अस्पृता को—आप० हाऊसिंग सागायटी लि०, स्वास्मिक पार्क, गायन ट्राम्वे रोड, चेम्बर, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/13645/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 का रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक 10-5-1985
साहू

प्ररूप आई. टी. एन. एम -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/3606/84-85—अत. मुं०,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट सं० ई/7/15, जो, जय तारामणि को०—
आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बागूर नगर, एम० जी० रोड,
गोरेगाव (प), बम्बई-90 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका वारारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-
1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, अर्थात्

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अमरपाल भवानी और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) श्री हरीप चन्द्र और श्रीमती प्रेमलता चन्द्र ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० ई/7/15, जो, जय तारामणि को०—आप०
हाउसिंग सोसायटी लि०, बागूर नगर, एम० जी० रोड,
गोरेगाव (प), बम्बई-90 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37-ईई/13606/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-3, बम्बई

दिनांक . 10-5-1985

मोहर .

प्रकृष बाई.टी.एन.एस. -----

(1) फ्लेक्सो प्रिंट इण्डस्ट्रिज ।

(अन्तरगत)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अन्तर्गत सूचना

(2) श्री तन्दकृष्ण पी. अचयानी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/13611/84-85-अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अन्तर्गत प्रविष्टि के अन्तर्गत सूचना के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट सं० 202, जो, आग्निवादी इण्डस्ट्रियल इस्टेट राम मन्दिर रोड, गोरेगाव (प), बम्बई-62 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ग के अन्तर्गत, बम्बई स्थित राक्षस प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी दरमान प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रमाण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पास गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक में हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अन्तर्गत कर देने के अन्तरक के लिखित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करने के लिए ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में प्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् स्थावर के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

समाप्ति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

यूनिट सं० 202, जो, आग्निवादी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, राम मन्दिर रोड, गोरेगाव (प), बम्बई-62 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/13611/84-85 और जो राक्षस प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्ट्री किया गया है ।

ए० प्रसाद

राक्षस प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 10-5-85

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एच.-----

(1) मे र्म गुदेचा विल्डर्न ।

(अन्तर.4)

(2) श्री नेजमल जे० जैन ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/13664/84-85-अनः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्विस इण्डस्ट्रियल गाला नं० 47, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, किरण इण्डस्ट्रियल टम्बेट, एम० जी० रोड, गोरगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीयत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या इससे बचने में मतिधा के लिए, और/वा

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृतिः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्विस इण्डस्ट्रियल गाला नं० 47, जो, ग्राउण्ड फ्लोअर, किरण इण्डस्ट्रियल टम्बेट, एम० जी० रोड, गोरगांव (प) बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37-ईई/13664/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

सहचर :

प्ररूप आई. टी. एन. एच. - - -

(1) श्री प्रमोद कुमार गाएठवा ।

(अन्तरा)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अजयी मुनीर शहा और मजु एस० सहता ।

(अन्तरिनी)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/13378/84-85-अतः मुझे,
ए० प्रभाव,(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिन्की सं० फ्लैट विलेज दीडाणी और चिंचोली में, बोरिवली
तालुका, ए० नं० 34 और 51, गंगेगांव मुलूंड लि० रोड,
बम्बई-63 में स्थित है (और इसमें उपातद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिन्की वारंतामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269-ख के अधीन बम्बई स्थित
सूक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-
1984,स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
या प्रतीत रूप से उससे अधिक में संपत्ति के लिए
कर/पा

सूचना

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शक्ति को
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के
लिएफ्लैट विलेज दी डाणी और चिंचोली में, जो, बोरिवली
तालुका, ए० नं० 34 और 51, गंगेगांव मुलूंड लि० रोड,
बम्बई-63 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37-ईई/13378/
84-85 और जा सूक्ष्म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रभाव

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :-
37-96 GI/85

दिनांक : 10-5-1985

सोहर :

व्यापक धारा 201-ए-ए

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/20526/84-85 -अन. मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 38, जो, तीसरी मंजिल, इमारत नं० 7, पिरामल नगर, गोरगांव, बम्बई-62 में स्थित है (और इसके उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अंतरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बाधित में कमी करने या उक्त बाबत में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभावार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहे या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-बी की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री जेदाब सावारीह ।

(अन्तरक)

(2) मेनर्स रावीअंट मेटल एण्ड अलॉइज प्राइवेट लि०
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 38, जो, तीसरी मंजिल, इमारत नं० 7, पिरामल नगर, गोरगांव, बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/20526/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई।

दिनांक 10-5-1985

मोहुर

प्रारूप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(1) सेनर्स उपा मिलक मिलम ।

(अन्तरगत)

(2) श्री नरेश आहूगी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/13212/84-85-अन्त. मुझे,
ए० प्रभाद,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जि० की सं० इण्डस्ट्रियल यूनिट सं० 104-सी, पहली मजिल,
श्रेयस इण्डस्ट्रियल इस्टेट, बी-1/बी-2, नाथानी इस्टेट वेस्टर्न
एक्स्प्रेस हायवे, गंगेगाव (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे
उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जि० की सं०
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब
के प्रतीत बम्बई स्थित नञन प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, दिनांक 1-9-84,

यह पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के जयनाम
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्त-
रित को गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके जयमान प्रतिफल से ऐसे जयमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वापस, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

इण्डस्ट्रियल यूनिट सं० 104-सी, जो, पहली मजिल,
श्रेयस इण्डस्ट्रियल इस्टेट, बी-1/बी-2, नाथानी इस्टेट आफ
वेस्टर्न एक्स्प्रेस हायवे, गंगेगाव (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37-ईई/13212/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रभाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रोज-3, बम्बई

दिनांक 10-5-1985
मोहर .

राजपत्र भाग 18, अंश 18, 1907

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं. अई-3/37-ईई/20423/84-85 --आ. मु. अ. मु. अ.
ए. प्र. अ.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
घ के अधीन सहाय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्की सं. पत्र नं. ई/10, जो, श्री मरम्भती का-आ. मु. अ. मु. अ.
हाउसिंग सोसायटी लि., जी. आचार्य रोड, चेंबूर, बम्बई-71
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिन्का पञ्चसंस्करण आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित पञ्चम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

और पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उग्रसे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री वीरभद्रपा ए. बालादेवयूथपानी ।

(अन्तरक)

(2) श्री एन. चटर्जी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पत्र नं. ई/10, जो, श्री मरम्भती का-आ. मु. अ. मु. अ.
हाउसिंग सोसायटी लि., जी. आचार्य रोड, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित
है।

अनुसूची जैना कि सं. अई-3/37-ईई/20423/
84-85 और जो अन्त प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

ए. प्र. अ.

पञ्चम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती नरना एम० भागतानी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गिता देवी वर्मा ।

(अन्तरती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/13737/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स प्लॉट सं० 7ए, जो, एम० न० 161(अंश),
वागूर नगर, गोरगाव (प), बम्बई-90 में स्थित है (और इसका
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करागनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, दिनांक 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 7ए, जो, एम० न० 161(अंश), वागूर नगर,
गोरगाव (प), बम्बई-90 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-3/37-ईई/13237/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

(1) श्री विनोद कुमार गोएंका ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) अजली सुनील शहा और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/13377/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमने पर्याप्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट विलेज दीडोशी और चिचोली में, जो, बोरिवली तालुका, एस० न० 34 और 51, गोरगाव मुलूड लिंक रोड, गोरगाव (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कगार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क के अधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य अपने दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ठप पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ग्रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी भाग की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उलझे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बम्बई

फ्लैट विलेज दीडोशी और चिचोली में, बोरिवली तालुका, एस० सं० 34 और 51, गोरगाव मुलूड लिंक रोड, गोरगाव (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है।

अनुसूची जैमाकि क्र० सं० आई-3/37-ईई/13377/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री जे० वी० जैन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वी० वी० शहा ।

(अन्तरिती)

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/13673/84-85-अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट न० 11, जो, तीमरी मंजिल, प्लॉट
सं० 84, जवाहर नगर, गोरगांव (प), बम्बई-62 में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्त्यक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 11, जो, तीमरी मंजिल, प्लॉट न० 84, जवाहर
नगर, गोरगांव (प) बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/13673/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 10-5-1985

मोहर :

प्रश्न भाई. टी एन एस.-----

(1) श्री छगनलाल बी० भिका ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती अमृतबेन डी० गाला और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/000130/84-85--अत

मुझे, ए० प्रमाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
100,000/- रु० से अधिक है

श्रीरजिमकी सं० फ्लैट नं० 31-ए, जो, न्यू गिरीश अपार्टमेंटम,
को०आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, पाटिल नेम, चुनाभट्टी,
बम्बई-22 में स्थित है (श्रीरजिमसे उभावृद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीरजिमका वर्तमानमा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269, बख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-
1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि प्रधानव्यक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, उस दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तविक में कमी करने या उससे अर्जन में अधिक
के लिए, और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
अविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 0 दिनों की अवधि, या भी
अवधि बाद में समाप्त होता है क भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के अन्तर उक्त सम्पत्ति में उक्त
व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वास्तविक रूप में
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्धाय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट सं० 31-ए, जो, दि न्यू गिरीश अपार्टमेंटम को०-
आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, पाटिल नेम, चुनाभट्टी, बम्बई-
22 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा दि० सं० अई-3/37-ईई/000130/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ह० प्रमाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 10-5-1985

मोहुर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/20427/84-85—अंत. मुझे,
ए० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
संकेत पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट सं० सी०-31 जो कृष्णाला, 33 और
1/34, डंकन काजवे रोड, मायन चूना भट्टी, बम्बई-22 में स्थित
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करणनामा [आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,
जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-
ण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा भी लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
35-96 G1/85

(1) श्री अनिलकुमार एच० मेहता ।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिलचन्द्र जे० मधवी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट सं० सी०-31, जो, कृष्णाला, 33 और 1/34, डंकन
काजवे रोड, मायन चूना भट्टी, बम्बई-22 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37-ईई/20427/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, बम्बई

दिनांक 10-5-1985

मोहर :

1947 1948 1949 1950 1951 1952 1953 1954 1955 1956 1957 1958 1959 1960 1961 1962 1963 1964 1965 1966 1967 1968 1969 1970 1971 1972 1973 1974 1975 1976 1977 1978 1979 1980 1981 1982 1983 1984 1985 1986 1987 1988 1989 1990 1991 1992 1993 1994 1995 1996 1997 1998 1999 2000 2001 2002 2003 2004 2005 2006 2007 2008 2009 2010 2011 2012 2013 2014 2015 2016 2017 2018 2019 2020 2021 2022 2023 2024 2025 2026 2027 2028 2029 2030 2031 2032 2033 2034 2035 2036 2037 2038 2039 2040 2041 2042 2043 2044 2045 2046 2047 2048 2049 2050 2051 2052 2053 2054 2055 2056 2057 2058 2059 2060 2061 2062 2063 2064 2065 2066 2067 2068 2069 2070 2071 2072 2073 2074 2075 2076 2077 2078 2079 2080 2081 2082 2083 2084 2085 2086 2087 2088 2089 2090 2091 2092 2093 2094 2095 2096 2097 2098 2099 2100 2101 2102 2103 2104 2105 2106 2107 2108 2109 2110 2111 2112 2113 2114 2115 2116 2117 2118 2119 2120 2121 2122 2123 2124 2125 2126 2127 2128 2129 2130 2131 2132 2133 2134 2135 2136 2137 2138 2139 2140 2141 2142 2143 2144 2145 2146 2147 2148 2149 2150 2151 2152 2153 2154 2155 2156 2157 2158 2159 2160 2161 2162 2163 2164 2165 2166 2167 2168 2169 2170 2171 2172 2173 2174 2175 2176 2177 2178 2179 2180 2181 2182 2183 2184 2185 2186 2187 2188 2189 2190 2191 2192 2193 2194 2195 2196 2197 2198 2199 2200 2201 2202 2203 2204 2205 2206 2207 2208 2209 2210 2211 2212 2213 2214 2215 2216 2217 2218 2219 2220 2221 2222 2223 2224 2225 2226 2227 2228 2229 2230 2231 2232 2233 2234 2235 2236 2237 2238 2239 2240 2241 2242 2243 2244 2245 2246 2247 2248 2249 2250 2251 2252 2253 2254 2255 2256 2257 2258 2259 2260 2261 2262 2263 2264 2265 2266 2267 2268 2269 2270 2271 2272 2273 2274 2275 2276 2277 2278 2279 2280 2281 2282 2283 2284 2285 2286 2287 2288 2289 2290 2291 2292 2293 2294 2295 2296 2297 2298 2299 2300 2301 2302 2303 2304 2305 2306 2307 2308 2309 2310 2311 2312 2313 2314 2315 2316 2317 2318 2319 2320 2321 2322 2323 2324 2325 2326 2327 2328 2329 2330 2331 2332 2333 2334 2335 2336 2337 2338 2339 2340 2341 2342 2343 2344 2345 2346 2347 2348 2349 2350 2351 2352 2353 2354 2355 2356 2357 2358 2359 2360 2361 2362 2363 2364 2365 2366 2367 2368 2369 2370 2371 2372 2373 2374 2375 2376 2377 2378 2379 2380 2381 2382 2383 2384 2385 2386 2387 2388 2389 2390 2391 2392 2393 2394 2395 2396 2397 2398 2399 2400 2401 2402 2403 2404 2405 2406 2407 2408 2409 2410 2411 2412 2413 2414 2415 2416 2417 2418 2419 2420 2421 2422 2423 2424 2425 2426 2427 2428 2429 2430 2431 2432 2433 2434 2435 2436 2437 2438 2439 2440 2441 2442 2443 2444 2445 2446 2447 2448 2449 2450 2451 2452 2453 2454 2455 2456 2457 2458 2459 2460 2461 2462 2463 2464 2465 2466 2467 2468 2469 2470 2471 2472 2473 2474 2475 2476 2477 2478 2479 2480 2481 2482 2483 2484 2485 2486 2487 2488 2489 2490 2491 2492 2493 2494 2495 2496 2497 2498 2499 2500 2501 2502 2503 2504 2505 2506 2507 2508 2509 2510 2511 2512 2513 2514 2515 2516 2517 2518 2519 2520 2521 2522 2523 2524 2525 2526 2527 2528 2529 2530 2531 2532 2533 2534 2535 2536 2537 2538 2539 2540 2541 2542 2543 2544 2545 2546 2547 2548 2549 2550 2551 2552 2553 2554 2555 2556 2557 2558 2559 2560 2561 2562 2563 2564 2565 2566 2567 2568 2569 2570 2571 2572 2573 2574 2575 2576 2577 2578 2579 2580 2581 2582 2583 2584 2585 2586 2587 2588 2589 2590 2591 2592 2593 2594 2595 2596 2597 2598 2599 2600 2601 2602 2603 2604 2605 2606 2607 2608 2609 2610 2611 2612 2613 2614 2615 2616 2617 2618 2619 2620 2621 2622 2623 2624 2625 2626 2627 2628 2629 2630 2631 2632 2633 2634 2635 2636 2637 2638 2639 2640 2641 2642 2643 2644 2645 2646 2647 2648 2649 2650 2651 2652 2653 2654 2655 2656 2657 2658 2659 2660 2661 2662 2663 2664 2665 2666 2667 2668 2669 2670 2671 2672 2673 2674 2675 2676 2677 2678 2679 2680 2681 2682 2683 2684 2685 2686 2687 2688 2689 2690 2691 2692 2693 2694 2695 2696 2697 2698 2699 2700 2701 2702 2703 2704 2705 2706 2707 2708 2709 2710 2711 2712 2713 2714 2715 2716 2717 2718 2719 2720 2721 2722 2723 2724 2725 2726 2727 2728 2729 2730 2731 2732 2733 2734 2735 2736 2737 2738 2739 2740 2741 2742 2743 2744 2745 2746 2747 2748 2749 2750 2751 2752 2753 2754 2755 2756 2757 2758 2759 2760 2761 2762 2763 2764 2765

(1) श्री ए० ए० मुन्ध्रा ।

(अन्तराक्षि)

(2) श्री सुरेश कुमार बिहाना ।

(अस्तिरिती)

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अं जेन २ जे-११, वम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1965

निर्देश म० अई-3/37-ईई/13626/31-85-तः मंजं,
 ए० प्रसाद,

इसके पश्चात् 'उत्तर' निर्दिष्ट कर दिया गया है), की धारा 269-क के अन्तर्गत माधिमूलक प्रतीति को यह निश्वास करने का कारण है कि प्रत्येक व्यक्ति को प्रत्येक वर्ष 1,00,000/- रु. से अधिक है।

प्रौर जिनकी सं पत्र १० गो ५/११, जी, ११ मजिल,
बशी रत्ता को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, महेश नगर,
एम० बी० रोड, गोरगाव वरवडी में स्थित है (प्रौर उमन उपावद्र
अनुसूची में आर पुर्ण रूप न वर्णित है), प्रौर जिनका कारस्तामा
आयकर अधिनियम १९६१ की धारा २०९ ख के अधीन वस्त्र
स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यलय में रजिस्ट्री है, दिनांक १-९-
१९८४.

का व्यक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवयमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मध्यपूर्ववर्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अवयमान प्रतिफल से, ऐसे अवयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरणों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बासा गया प्रतिफल, निष्पत्तिगत उचितदेकों से उससे अन्तरण निश्चित के वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है -

(क) अन्तरण में हुई किसी भास की बावजूद, अन्तरा-
वर्षीयता की वजह से कर देने के अन्तरण के दायित्व
को कभी करार या जमाने जमान में शामिल नहीं किया,
कर / दा

(ख) एसी किसी जाय वा किसी धन वा वस्तु वास्तुओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ, कन्ट्रिब्यूटरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना था, अधिपान से लायिका के तहत

अथ उक्त अर्थानुसारम् कां धारा 269-ग को अनुसरण
कर, वी उक्त अर्थानुसारम् कां धारा 269-ग को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिसूचक :-

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :-

(6) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में संप्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के उद्घरण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितगर्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो नक्सल भूमिनिषेध के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ भाषा के उस अध्याय में दिया गया है।

અનસૂચી

एनैट न० बी-4, 22, जो, श्री मजिन, बणी गन्त को० आप०
हार्जिंग सोसायटी लि०, मन्नेष नगर, एम० वि० गड, गोरगाव,
बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० स० अई-3/3 ई. 13626/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

८९ प्रसिद्धि

सक्षम प्राविक्तारो

महायुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई ।

दिनांक : 10-5-1985

माहर् .

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोधन)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निर्देश नं. आई/3/ ईई/20102/84-85—प्रत, भुजे
ए० प्रदा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सूचना दी जाती है कि, यह सूचना धन का तात्कालिक
अन्तर्गत, निम्नलिखित सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसका नाम नं० 23 जा, दूसरी मजि, सहायक
इन्सपेक्टर, नं०-प्रदा इन्सपेक्टर, अर्जन रेंज-3 प्लॉट नं०
74 ईश्वरनाई पट्टन पट्ट, अर्जन (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है (जो अन्तर्गत अनुसूचा में वर्णित है), जो अन्तर्गत अधिनियम, 1961 की
धारा 269-घ के अधीन सूचना दी जाती है, अन्तर्गत अधिनियम के
अधिनियम में सूचना दी जाती है 1-9-1981

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिणी (अन्तरिणीया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
बाधा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कार्य नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचन से सविधा के लिए,
दी जाती है

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक-
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
रगत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मानन पुष्पा पाण्डे पट्टना 1

(अन्तरिणी)

(2) श्रीमान ए. नं० 23 प्लॉट नं० 74

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूल्य के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि
आदि में सभापति द्वारा, या भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तिता में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में निहित
वस्तु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
अधीन सूचना दी जाती है

अन्तर्गत अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ की बाबत उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वेहा अर्थ होता है उस अध्याय में दिख
जाती है।

अनुसूचा

नामा नं० 23 जा, दूसरी मजि, सहायक इन्सपेक्टर
नं०-प्रदा इन्सपेक्टर, अर्जन रेंज-3 प्लॉट नं० 74, ईश्वर-
नाई पट्टन पट्ट, अर्जन (पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है
अनुसूचा नं० 23 जा, नं० 23 प्लॉट नं० 74-
85 जा, जो अन्तर्गत अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ
के अधिनियम में सूचना दी जाती है 1-9-1984

ए० प्रदा

अन्तर्गत अधिनियम,

अन्तर्गत अधिनियम (निरोधन),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 10-5-1985

मा37

प्रथम भाग, टी. एन. एस. -----

(1) मेनम गिना उपहार गृह ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मेनम एम० एम० एम० उजीनियम ।

(अन्तरिनी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

अर्जन रेंज-3, बम्बई

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेशन सं. अई-3/37-ईई/20503/84-85---प्र. नं. मुं
ए० प्रमाद,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताधरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं. इण्डस्ट्रियल गांवा इन मेमर्स जय भारत इण्ड-
स्ट्रियल इस्टेट, प्लॉट नं० 8, दीडोणी विल्हेज, गोरगांव (पूर्व),
बम्बई-63 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध प्रनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा
नियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,
का पश्चात् संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि संपत्ति सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिनी (अन्तरिनीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
कार्यलय में कमी करने या उससे बचने में सूचिभा
के लिए और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
पराजनाथ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिभा
के लिए;

इण्डस्ट्रियल गांवा इन मेमर्स जय भारत इण्डस्ट्रियल इस्टेट,
प्लॉट नं० 8, दीडोणी विल्हेज, गोरगांव (पूर्व), बम्बई-63 में
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं. अई-3/37-ईई/20503/
84-85 और जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रमाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 10-5-1985

माहुर .

प्रथम भाग, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

साख्त करार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-III/37-ईई/13543/84-85-अन.,

मुंबई, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० दुकान सं० 11, जे, ग्राउण्ड फ्लावर, राजेन्द्र
पार्क, इमारत सं० 3, एन्कस, गोरगाव (प), बम्बई-62
में स्थित है (और इनमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), और जिनका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वापस में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, निष्पत्ति में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) ईश्वर पी० मिस्त्री ।

(अन्तरक)

(2) मनमोहन मराठ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सूचीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान सं० 11, जे, ग्राउण्ड फ्लावर, राजेन्द्र पार्क, इमारत
नं० 3, एन्कस, गोरगाव (प), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-III/37-ईई/13543/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रज-III, बम्बई

दिनांक: 10-5-1985

महेश्वर

प्रथम भाग २१ एवं २२ -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रधान राज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश नं. ई 3/37 ईई/1325/85-प्रधान, मुज,
पठ प्रान्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

अर्थात् : 1. प्रत्येक व्यक्ति को तत्पश्चात् निम्नलिखित
सूचना को प्रकाशित करना होगा कि वह अपने
नाम पर (या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर) अपने सम्पत्ति
में आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
प्रतिष्ठित 1951 का धारा 269-घ के अधीन सूचित किया
जाने वाला सम्पत्ति के विवरण दिनांक 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल में एक दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अंतरक (अंतरका) और अतिरिक्ती (अतिरिक्तियाँ) के बीच ऐसे अन्-
तरण के लिए लिये जाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्य नहीं किया
गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरण द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए,

इस अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत
प्र. म. सूची अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती प्रमोद प्रमोद मठ ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती श्रीमती प्रमोद मठ ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पञ्चास महीने के अर्जन के लिए
कार्यवाह्या करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धारणा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन का अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना का तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर अपने अधिकार सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवाहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फाट २० श्री 3, जो श्री राजीव गांधी, श्रीमती मदन, माता-
वर्ती मयनिम्नलिखित गाली के अर्जन, मार्क राइ, मालाड (प),
बम्बई-61 में स्थित है ।

अनुसूची नं. २० श्री 3/37-ईई/1325/84-
85 अन्तर्गत उक्त प्राप्ति की बम्बई दिनांक 1-9-1984
में अर्जित की जायेगी ।

पठ प्रान्त

प्रधान प्राप्ति प्राप्ति,

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

प्रधान राज-3, बम्बई ।

दिनांक 0-9-1985

मोहर ।

प्ररूप आई टी एन.एस

(1) $\bar{f}_1 T(t) = \bar{f}_1 \int_0^t \bar{f}_1(\tau) d\tau + \bar{f}_1(t)$

(१८१२)

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचा

(2) 4 1 1 1 1 1 1

(2 1 1)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

ਸ੍ਰ ਜੰਨਾ ਰੇ ਜ ॥ ਕਾਦਰੀ

बुधवार 10 मई 1985

निर्देशन सं. अई 3/37 ईई/1, 311/81 85 जन, मझ
ए. प्र. 72

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अंतर्गत पक्षम पायकारों का यह विश्लेषण करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, निम्नलिखित उचित ब्राजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

और जिन्हीं में पाँच लाख 6 हजार 100 की मजदूरी माताई
स्त्रियों को अर्थात् 10 लाख 10 हजार 100 की माताई माताई
(9) दम्पति-61 मर चुके हैं (जो 1975-76 के जनसूची में
और वर्ण स्वयं दर्शाते हैं) / और जिन्हीं 1 लाख 10 हजार
और अधिक 1961 की 1 लाख 10 हजार 100 की माताई मर चुके
हैं प्रतीति में 1 लाख 10 हजार 100 की माताई हैं 19-
1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एम्से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आगे है और अन्तरण (अन्तरण) और अन्तरिणी (अन्तरिणीयों) के बीच एम्से अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित पैदाश में उक्त अन्तरण निम्नलिखित मा वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करना या उससे बचाव में मरिधा दायित्व को निगम और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए,

जत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ का उपधारा (1)
के अधीन निर्गालिखित व्यक्तियाँ श्रद्धांजलि देता हूँ:-

का यह सूचना जगज्जकारक पर्वको सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के माध्यम से प्राप्त की जायेगी

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना का तामील में 30 दिन का अवधि, जो भी अवधि दाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रकाशित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) हम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्रत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रपञ्चनाथजी के नाम लिखित या किण्व या सन्तुष्ट ।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दा जोग पदा का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित हैं। कहीं अर्थ समान या उस अध्याय में दिया गया है।

अन्यसंगी

पर्यटन १०० करोड़ रुपए, सड़क निर्माण १० करोड़ रुपए, शिक्षा १० करोड़ रुपए, स्वास्थ्य १० करोड़ रुपए, मनोरंजन १० करोड़ रुपए, अन्य १० करोड़ रुपए।

अनुसूचा नं १ फा रा ग ई ३/३७ ईई/१३३१/
८१-८५ और जो जम पाई जाई तम्हई डारा दिना १ ७-
१९८४ का रजिस्ट्रि फा रा ग ई

U 3415

॥ अथ पार्थिवार्जुन,
 पार्थिवार्जुनसंवादे (॥ १८ ॥),
 ॥ १८ ॥ ॥ १८ ॥ अथर्व

Feb 10 5 1985
HLS

प्रथम भाग टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/13195/84-85-अत, मुं०,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्चित करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 8, जॉ, विल्हेज बालनाथ, तालूका
बोरिवली, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें
उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब
के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
परिणत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अंतरक में हुई किसी आय की वास्त., उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
साक्ष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंगरेजी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
न में उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती सी० पी० गांधी ।

(अन्तरक)

(2) मा० ग्लोबल विटलिंग एण्ड डेवलपमेण्ट ।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधे :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिव-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 8, जॉ, विल्हेज बालनाथ, तालूका बोरिवली,
मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37-ईई/13195/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-84
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 10-5-1985

माहिर :

प्रमुख बाई. टी. एन. एस्.

(1) श्री भरत बी० गहा ।

(अनारक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बी० एम० पटेल ।

(अनारक)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/13390/84-85—अतः सूचे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिन्की सं० गांथा नं० 304, जो, जय प्रगति को० आप०
हाउसिंग सोसायटी लि०, रफ्तारी रोड, मानाड (पू०), बम्बई
में स्थित है और इसमें उपाध्व अनुसूच में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), [अर्थात् जि० 1] द्वारा स्थावर अधिनियम
1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

तो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का पेंडु
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राशि सथा प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
की विधि के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
39-96 GI/85

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गांथा नं० 304, जो, जय प्रगति को० आप० हाउसिंग
सोसायटी लि०, रफ्तारी रोड, मानाड (पू०), बम्बई-97 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37-ईई/13390/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई।

दिनांक 10-5-1985

मोहर :

प्रकाश बाई. टी. एच. एच. = - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/13424/84-85 अतः सूचे,
ए० प्रताप,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 601, जो, सी०-विंग, प्लॉट नं०
51, ला-चपौल्ले को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, वालन्नाय
विल्हेज, मालाड (प), बम्बई-64 से स्थित है (और ए से उपाचुद्ध
अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका पुराना नाम
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-
1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयां) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय को आकर, सक्षम
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अर्थान्तरण
में कमी करने या उसके बचन से अर्थान्तरण के लिए
आर/धा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धारा
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था छिपाने में अर्थान्तरण के
लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मानावध अनेचरीया जेवध ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ई० डेड, निवेश ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थान्तरण के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थान्तरण के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्यात्मिक रूप से
प्राप्त लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट सं० 601, जो, सी०-विंग, प्लॉट सं० 51, ला-
चपौल्ले को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, वालन्नाय
विल्हेज (प), बम्बई-64 से स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37-ईई/13424/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रताप
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेंट रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

प्रकरण नम्बर टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/13376/84-85---अन. मुझे
ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जमकी सं० प्लेट सं० 301 'तीसरी मजिल आकाश
गंगा बचानी नगर रोड मालाड (पूर्व) बम्बई-97 में स्थित है
(श्रीर इनके उपायधन अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)
श्रीर जिसका भूगणनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है दिनांक 1-9-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
वर्षाव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती स्मिता एस० नाडम ।

(अन्तरकमे)

(2) श्री विनय धर डी० उतवार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

प्लेट सं० 301, जो तीसरी मजिल "आकाश गंगा"
बचानी नगर रोड मालाड (पूर्व) बम्बई-97 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37ईई/13376/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक : 10-5-1985
मोहर :

प्रूप आइ. टी. एन. एस. -----

(1) श्री दयाराम जी० देवल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री रामश्रवतार शर्मा ।

(अन्तर्गति)

साइल बरकरार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/13369/84-85--अन मुहे
ग० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसको सं० फर्स्ट पहली मजिल गवर्नर सदन गोरम वाडी मालाड (ग) बम्बई-64 में स्थित है (और इसके
उपाचर अनुसूची में श्री पूर्ण हद में वर्णित है) और जिसका
करागनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है दिनांक 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान अतिफल का
अन्तर्गत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया अतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्योक्ति—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फर्स्ट न० पहली मजिल गवर्नर सदन गोरम वाडी
मालाड (ग), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37-ईई/13369/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
का रजिस्टर्ड किया गया है।

ग० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई ।

दिनांक : 10-5-1985

मोहर

प्रकृष बाई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री के० आर० पाटिल ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री प्रकाश आर० गाडा ।

(अन्तर्गति)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/13466/84-85—अतः

मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० प्लेट न० 807 जो इमारत सं० सी० प्रताप नगर दफ्तरी रोड मालाड (पूर्व) बम्बई-93 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिनका फरारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री, है दिनांक 1-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, गैर-वा

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जहाँ भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट सं० 807 जो इमारत सं० सी० प्रताप नगर दफ्तरी रोड मालाड (पूर्व) बम्बई-93 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37-ईई/13466/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-84 को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को अर्थात् :—

दिनांक : 10-5-1985

मोहुर

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती बिना वि० ठाकुर ।

(अन्तरक)

(2) लायन्ग क्लब आफ मालाड -बोगिवली चेरीडी फण्ड ।

(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/13414/84-85—अत. मुखे

ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रमायमेम सं० 93 जो इमारत सं० 4
मालाड को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि० पोदार पार्क मालाड
(पूर्व) बम्बई-97 में स्थित है (जिस इमारत उपावृद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका वास्तविक आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269-अ के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-9-
1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय
बाधा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अन्तर्गत
के. में उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रमायमेम सं० 93 ज इमारत सं० 4, मालाड को०—
आप० हाउसिंग सोसायटी लि० पोदार पार्क मालाड (पूर्व)
बम्बई-97 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/13414/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

हस्ताक्षर: टी. एन. एच. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

साहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश नं० अई-3/37-ईई/13465/84-85—अन. मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० फ्लैट नं० बी-32, जे, कावेरी इमारत,
63, रिलीफ रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है
(और इसमें उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269 ब,ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

एक पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
शतक से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुमारी स्वाती महेंद्रकुमार ।

(अन्तरक)

(2) श्री माधव गणपती शानभाग ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी-32, जे, कावेरी इमारत, 63, रिलीफ
रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की अ०सं० अई-3/37-ईई/13465/84-85
और जे, सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वार दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

साहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहूर

प्रकृष्ट भाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/20431/84-85--प्रतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवरण करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 502, जो, बाल-इ-राम 2,
आर० लिफ्टिंग रोड, मालाड, बम्बई में स्थित है (और इसमें
उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269
क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के दायित्व में
आने वाले या इसमें अंतरण में परिवर्तन के लिए
दिए गए

(1) श्री सी० पी० गियानचंदानी।

(अन्तरक)

(2) अनीता कन्स्ट्रक्शन एण्ड
इस्टेट प्रायवेट लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्समन्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी एक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
1 मास के लिए किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्थियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सहिष्णुता के लिए;

प्लेट नं० 502, बाल-इ-राम 2, आर० लिफ्टिंग रोड,
मालाड (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जिसकी सं० अई-3/37-ईई/20431/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधोः—

तारीख : 10-5-1985

जोहर :

प्ररूप आइ.टी.एन.एस -----

(1) प्रमाण: यहाँ न तो है ।

(17)

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) था। माता। सुपुत्र। त। न।

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 84

भारत सरकार

को वह संप्रदाय काफी बरकत पहुँचा है। (गिर)। ३) ग्राम को लिए कार्यवाहियों करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराकरण)

[illegible]

अर्जन रेट - 3, 75 प्रति

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

[illegible]
$$\left(\frac{d^2}{dt^2} + \omega_0^2 \right) x = F(t)$$

गया है।

निंदा । ३ अई-३/३७ ईई/१३३२४/३४ ८५--११ पृ. १,
ए० प्रसाद,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशेष इकाय
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम का 194 ई. 194
269-ब के अधीन सख्त प्राधिकारी का यह विचार करना कि
कत्रम है कि स्थिर सम्पत्ति, जिसका उक्त अधिनियम
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट न० बी-32, जी, कावेरा इभागत,
63, रेलीफ राड, मालाड (प०), बम्बई-61 में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची नं० और पूरा रूप से वर्णित
है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रावि-
धारी क कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर 1984
को पूर्वोक्त समिति के अध्यक्ष महोदय के कक्ष के उपस्थित
प्रतिफल के लिए अन्तिम की गई है और मूल्य वह निश्चित
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समिति का अध्यक्ष महोदय
मूल्य, इसके व्यवधान प्रतिफल से, एवं व्यवधान प्रतिफल को
पण्य प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती
रिती (अन्तिमियों) के बीच एवं अंतरण के लिए उक्त यथा
यथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अंतरण निम्नलिखित
को वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है -

अनसूया

(क) कन्वर्शन से हुए किसी काम को बरकरार, अन्य
व्यवस्थित के अन्तर्गत कर देने के अथवा
व्यवस्थित से काम कराने या उत्पन्न करने से होने
के लिए कर/का

(ब) इसी किसी आशय का किताबें का, जिन्हें भारतीय आशय का आशय है, (1922 का 11) या अन्य जो विभिन्न भनकर अभिलेख, 1957 (1957 का 1) के प्रयाजनार्थ अतिरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए या विषय में सुविधा के लिए,

जत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य व अनुसूचन
में, उक्त अधिनियम का धारा 269 के (2) (a) में, "अथवा"
के स्थान पर, निम्नलिखित शब्दों, अर्थात् "अथवा"

फ्लैट नं० ४१-३२, जी, १/२, १/४, ३, स्त्रीपु
राउ, भागाड (१) ४०००

अनुसूची संख्या १५५ / १५५
श्रीराम नक्षत्र म. १५५ / १५५
का रजिस्टर्ड किया गया है।

॥० पत्र
३॥ ३॥ ३॥
मराठक पत्र : ३॥ ३॥ ३॥
जन्म ३॥ ३॥ ३॥

तारीख 10-5-1985
मोहर

प्ररूप आई टी. एन. एस

(1) श्री एच०एस० घिया ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सतवत सिंग ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3, 37-ईई, 13580/84-85—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी न० फ्लैट न० 402, जो, 4 थी मजिल, बाल-इ-राम-1, ऑफ लिकींग रोड, उप्पा नगर के सामने, मार्ब रोड, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में प किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा ग्राह्यताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें उक्त शब्दों का अर्थ पढ़ा जा, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 402, जो, 4 थी मजिल, बाल-इ-राम-1, ऑफ लिकींग रोड, उप्पा नगर के सामने, मार्ब रोड, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०स० आई-3, 37-ईई, 13580/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

माहुर .

प्रश्न बाई.टी. गम एम. एम. एम. एम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/20382/84-85—अतः मुझे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आफीस नं० 318, जो, 3री मंजिल,
मालाड नटराज मार्केट को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०,
एस०बि० रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (और
इससे उगाह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269-ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर 1984

का सूचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्ववत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एने दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से फहित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण है हुआ किसी आय की दावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/वा

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 23) के अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती एस०के० अनुसुवाला ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जे०के० छेडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाह्नकारी के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आफीस नं० 318, जो, 3री मंजिल, मालाड नटराज
मार्केट को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, एस०बि० रोड,
मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० अई-3/37-ईई/20382/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

माहूर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री राजकुमार आर० पोद्दार।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती परमेश्वरीबाई चौधरी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई, 13532/84-85—अतः सुझें,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 14, जो, दिपक अपार्टमेंट
लोअर गोविंद नगर, पवनबाग रोड, चिंचोली, मालाड (प०),
बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
1 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भूतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

धनसूची

प्लॉट नं० 14, जो, दिपक अपार्टमेंट, लोअर गोविंद
नगर, पवनबाग रोड, चिंचोली, मालाड (प०), बम्बई-64
में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं० आई-3/37-ईई, 13532/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मीहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) मेमर्स ग्रहणकुमार एण्ड
आसोसिएट्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री दिपक उमेश खाम्बडकोने।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :—

निदेश नं० आई-3/37-ईई/13323/84-85—अतः मुझे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
69-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
तर्क है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
₹ 00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी नं० फ्लैट नं० 12/ए, जो, "आशिष इमारत",
3री मंजिल, साईबाबा पार्क मितचौकी, मालाड (प०),
बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका पुराना नाम आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के समक्ष में रजिस्ट्री है, तारीख
1 नवम्बर 1984

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास
जाने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिफल में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
रखा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

फ्लैट नं० 12/ए, जो, "आशिष इमारत", साई बाबा
पार्क, मितचौकी, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची पैदाकी क्र० नं० आई-3/3.-ईई/13323/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 10-5-1985
मोहर

प्रमुख भाई. टी. एन. एस.

(1) श्रीमती एल० गांधी।

(प्रतिरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जगन्नाथ बी० बाबली।

(अन्तर्गति)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्या शुरू करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

अर्जन रोज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/20535/84-85—अनः मुझे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषय सूचना करने का
आदेश है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जमीन काजरा मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लट नं० पी-8, जो, डीदार इमारत,
आफ मार्वे रोड, मानाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है
(और इसे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आर ए अधिनियम 1961
की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित, इस प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है, तारीख 1 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तर्गति (अन्तर्गतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देन के अन्तरक को
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति से, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, या भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रत्येक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृश्यमान
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिग्रहण करने या
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो वे धारा 2-19 में
दिया गया है।

प्लेट नं० पी-3, जो, डीदार इमारत, आफ मार्वे रोड,
मानाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची नं० अई-3/37-ईई/20525/84-85
और जो इस प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, बम्बई

तारीख 10-5-1985

मोहर :

प्रकृष बाई.टी.एन.एस.-----

(1) देशमुख बिल्डर्स प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रोसा अल्फान्शो।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) से अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/20328/84-85-अन: मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 105, जो, 1 ली मंजिल, अजीत
पार्क "बी", सोमवार बजार रोड, मालाड (प०), बम्बई-64
में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 ग, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 मिनम्बर
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
41—96 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से वर्जन के निम्न
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 105, जो, 1 ली मंजिल, अजीत पार्क "बी",
सोमवार बजार रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित
है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० आई-3/37-ईई/20328/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

प्रकट आर्क.टी.इन.एस.

(1) श्रीमती रिप्ती एन. मुलचगती ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) में वर्णित सूचना

(2) श्री वनयन विग साथान और अन्य ।

(अन्तर्गती)

भारत सरकार

आयकर, कलकत्ता आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/13232/84-85—अन मुझे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब में वर्णित सूचना अधिनियम की, यह निम्नलिखित करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति निम्नलिखित अधिक वाकार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 304, जो, बी-विंग, 3री मंजिल
इमारत "ला-चपेले", एवरशाईन नगर के पास, मिन चौकी,
प्राक मार्ग रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (और
इससे उपाधुद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिनका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क.ख के अधीन बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय से रजिस्ट्री है, तारीख 1 मिनम्बर 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाकार मूल्य से कम के सम्मान
प्रतिफल के लिए बम्बई की गई है और मझे यह विस्मय
करने का कारण है कि बम्बई के उचित वाकार मूल्य, उसके सम्मान
प्रतिफल से, ऐसे सम्मान प्रतिफल का
पक्ष प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिकी
(अंतरिकी) के बीच ऐसे अंतरण के लिए यह बात बड़ा प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बम्बरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के बम्बरण वास्तव
में कभी करने या उसके करने में सूचना के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को
प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहे या, कियाने में सूचना
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथाः :—

उक्त बम्बरण की बर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जमाहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

सम्बन्धित :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में तथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 304, जो, बी-विंग, 3री मंजिल, इमारत
ला-चपेले, एवरशाईन नगर के पास, मिन चौकी,
प्राक मार्ग रोड, मालाड (प०), बम्बई 64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० आई-3/37-ईई/13232/84-85
और जो नक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

नक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3 बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

प्रयुक्त आई.टी.एन.एन.-----

(1) श्री टी०टी० मथई ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सी०पी० वसनलाल गर्ग ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/13262/84-85—अतः, मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 11, जो, गंगा इमारत, एवर-शाइन नगर, मित चौकी, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 मिनस्वर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 11, जो, गंगा इमारत, एवरशाइन नगर, मित चौकी, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची नैसाकी क्र०सं० आई-3/37-ईई/13262/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3; बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/13643/84-85—अतः मुझे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए/13, जो, नालंदा-2, एवर-
शाइन नगर के पास, ऑफ माव रोड, मालाड (प०), बम्बई
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका करारनामा प्रायतः अधिनियम
1961 की धारा 269 क, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयंमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्वयंमान प्रतिफल से ऐसे स्वयंमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबत में कमी करने या उससे बचन में सूचना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती गंगा एन० सदाशिवानी।

(अन्तरक)

(2) सरदार गुरुबचन सिंग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए/13, जो, नालंदा-2, एवर शाइन नगर के
पास, ऑफ माव रोड, मालाड (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० आई-3/37-ईई/13643/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन्. एस्. - - - - -

(1) मेमर्स हेमल इंटरप्रायजेस।

(अन्तरक)

(2) श्री बाबू राम राना।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश म० अई-3/37-ईई/13225/84-85—अतः मुझे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी म० प्लेट न० 33, जी. 2 री मंजिल, हेमल
अपार्टमेंट, प्लॉट न० सी०एन० 19, 41, न० 85/5,
96/1, विल्हेज मालवनी, मालाड (प०), बम्बई में स्थित
है। (और इसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसका कथानाम आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 क,घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर,
1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरोक्त) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) एंगो किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवांछितधारा के पार
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट न० 33, जी. 2 री मंजिल, हेमल अपार्टमेंट, प्लॉट
सीटीएस न० 19, 41, मालवनी विल्हेज, मालाड (प०),
बम्बई में स्थित है।

अनुसूची नैसाकी क्र० न० अई-4/37-ईई/13225/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
के रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 10-5-1985

मोहर

प्रमुख नोटि.टी.एन.एल.-----

राजपत्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/13451/84-85—अतः सूजे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिमली सं० प्लेट न० 1, जो ग्राउंड फ्लोअर "ग्रट-लाटा" सी-विंग, प्लॉट न० 38, आफ वालनाय विल्हेज, मार्गे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इसमें उपावृद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 मिनम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय प्राया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वास्तिक से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, अधिनियम अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम :—

(1) मेसर्स आर०जी० विल्डर्स,
प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) गुरदारा एवरशार्दन नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां कराई हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधे :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभ्युक्ताधारी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्वय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट न० 1, जो, ग्राउंड फ्लोअर, "ग्रट-लाटा", सी-विंग, प्लॉट न० 38, आफ वालनाय विल्हेज, मार्गे रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची नैसाकी क्र०सं० अई-3/37-ईई/13451/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

प्रकट आई. टी. एम. ए. -----

(1) श्रीमती कविशा ए० वसंदानी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सी०यू० बदलानी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/13430/84-85—अग्ने: मुझे
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लेट नं० सी/4 ओ हरीधर-1 प्लॉट
नं० 18 1920-ए व्हिजेज वालनाय आफ मार्गे रोड
मालाड (प०) बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है तारीख 1 सितम्बर 1984 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्लेट नं० सी/4 ओ हरीधर-1 प्लॉट नं० 18 19
20-ए व्हिजेज वालनाय आफ मार्गे रोड मालाड (प०),
बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि सं० आई-3/37-ईई/13430/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई ।

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

प्रकृष्ट जारी टी. एन. एम. ----

(1) मेसर्स हेमल इंटरप्रायसेस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती पी०पी० प्रमोद।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/13526/84-85—अमे: मुझे

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट न० 41 जो 3री मंजिल हेमल अपार्टमेंट प्लॉट देअरींग न० 19, 41 मालवली व्हिहेज मालाड (पश्चिम) बम्बई में स्थित है (और इससे संपादित अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 सितम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दर्शाया गया है और अधिष्ठ नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी भाव की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के कारण से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तवियों का प्रिकृष्ट भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्रिकृष्ट अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावधानों के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया प्रतिफल के लिए अन्तरण का, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिष्ठ है—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

समस्त

फ्लैट न० 41 जो 3री मंजिल हेमल अपार्टमेंट प्लॉट देअरींग सी०एस०न० 19 41 न० 85/5 96/1 व्हिहेज मालवली मालाड (प०) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि सं० अई-3/37-ईई/13526/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3 बम्बई

तारीख 10-5-1985

मोहर

प्रकाश बाई टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/13287/84-85—अन: मुझे
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 402 जो बाल-इ-राम 2
4 थी मंजिल, उष्मा नगर आफ लिकींग रोड मालाड
(प०) बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
तारीख 1 सितम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थानान्तरण
प्रतिफल के लिए अंतरिम की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्थानान्तरण प्रतिफल से एक स्थानान्तरण प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधिवत
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-
42- 96 GI/85

(1) अनीता कन्स्रूक्शन अण्ड इस्टेट
प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री चंद्रा प्रकाश पहानिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
फिन्सी अथवा व्यक्ति द्वारा अधात्मसाधनों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 402 श्री बाल-इ-राम 2 4 थी मंजिल
उष्मा नगर आफ लिकींग रोड मालाड (पश्चिम) बम्बई
में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० अई-3/37-ईई/13287/83-84
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 बम्बई

तारीख 10-5-1985
माहूर :

प्रकृष्ट बाई. डी. एच. एच.-----

(1) श्री प्रकाश मोतीराम भाटले।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री चरणजीत सिंग और सननाम सिंग।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निर्देश नं० अई-2/37-ईई/13197/84-85—अतः मुझे

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० दुकान नं० 14 जो कस्तूरबा इमारत उपा कॉलनी रामचंद्र लेन एक्सटेंशन मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारगनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 सितम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय कथा भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित या वास्तविक और उचित नहीं किया गया है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में संपादित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर होने के अन्तरक के अस्तित्व में कमी करने या उसके अर्थ में कृत्रिमता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने या छिपाने के लिए;

दुकान नं० 14 जो कस्तूरबा इमारत उपा कॉलनी रामचंद्र लेन एक्सटेंशन मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० अई-3/37-ईई/13197/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार धन, या, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष बाई-टी. एन. एस.-----

(1) श्री चंद्रविजय विल्डर्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री हरउष कुमार एम० उदानी
और अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/20441/84-85—अमे: मई

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-402 जो 4 थी मजिल "शितल छाया" इमारत सी०टी०एस० नं० 651 77 एम०वी० रोड मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 बख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 सितम्बर 1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय-पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए-402 जो 4 थी मजिल "शितल छाया" इमारत सीटीएस नं० 651 77 एम०वी० रोड मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र०सं० अई-3/37-ईई/20441/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बखशि

तारीख : 10-5-1985
मोहर

रक्षक बाई: दी. एच. एच. —

(1) श्री आर०जी० बिल्डर्स
प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० प्रकाश राव।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/20476/84-85—अत मुझे,
ए० प्रसाद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट नं० 601 जो 6 वी मंजिल "अट-
लाटा" "एफ" विंग प्लॉट नं० 38 मार्बे रोड आफ वालनाय
व्हिलेज मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269
क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम अधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है तारीख 1 मिनस्वर 1984।को पूर्वांकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवसाय
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण भिन्न
में वास्तविक रूप से कल्पित नहीं किया गया है—(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिकार
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा(ख) ऐसी किसी बाय या किसी जन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन है—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के विषय
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्वीकारण :—इसमें प्रयुक्त सब्यों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 601 जो 6 वी मंजिल "अटलाटा" "एफ"
विंग प्लॉट नं० 38 आफ वालनाय व्हिलेज मार्बे रोड,
मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।अनुसूची जैसाकि सं० अई-3/37-ईई/20476/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई।

तारीख : 10-5-1985

माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

प्राप्त सरकारी

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/13194/84-85—अमे: मुझे

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 6 जो ग्राउंड फ्लोअर मनाली
इमारत नं० 2 प्लॉट नं० 48 49 और 50 वालनाय
व्हिलेज मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है (और
इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सूक्ष्म प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 मिनर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(1) मेमर्स मनाली कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चंपा सी० मनसुखानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे अर्जन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

दुकान नं० 6 जो ग्राउंड फ्लोअर मनाली इमारत
नं० 2 प्लॉट नं० 48 49 और 50 वालनाय व्हिलेज
मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० आई-3/37-ईई/13194/84-85
और जो सूक्ष्म प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/13245/84-85—अतः मुझे

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 104 जो के/युनिट काचन
नालदा सोसाइटी मुंदर नगर एम०वी० रोड मालाड (प०)
बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
1 सितम्बर 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कमी का
प्रतिफल के लिए अनुरोध की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण
लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है।---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
स्थित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पारोक्ष जी० चौकसी।

(अन्तरक)

(2) मेमर्स मयूर गाइड कोरॉशन कंट्रोलर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में रहतबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 104 जो के/युनिट काचन नालदा सोसाइटी
मुंदर नगर एम०वी० रोड मालाड (पश्चिम) बम्बई-64
में स्थित है।

अनुसूची जैमाकी सं० अई-3/37-ईई/13245/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

तारीख 10-5-1985

मोहर ६

प्रश्न बाई. टी. एन. एच.-----

(1) श्री एन०के० देसाई।

(अन्तरक)

(2) मेजर सक्ता उपरिगत।

(अन्तरिती)

साहायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० एई 3/37 ईई/12242/84-85—प्रान प्रसाद
ए० प्रसाद

साहायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है
और जिसकी सं० आफी नं० 61, जो, 1 ली मजिन,
मालाड गांधी रोड, मालाड (प०), बम्बई 54 में स्थित
है (और जो उपखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिस पर आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269-ब में प्रदत्त बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 दिसम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
नाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें कमी में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
पर जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अनोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

आफी नं० 61, जो, 1 ली मजिन, मालाड गांधी
रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई 54 में स्थित है।

अनुसूची नं० 61 का सं० एई 3/37 ईई/12241/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
का रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

प्रार्जन रेज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

(1) मॉर्ग क्वीन्स पार्क।

(अन्तरव)

(2) श्री एन० रामचंद्रन।

(अन्तरिनी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37 ईई/20521/84-85---अन मुझे,
ए० प्रभाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे सं० फ्लैट न० ए-13, जो, 1 ली मजिल,
"नालंदा" इमारत न० 1, प्लाट न० 32 और 33, बालनाथ
विल्हेज, मार्ग रोड, माताड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 गिनम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेस के अनुसार अंतरिस्त की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्कालीन व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट न० ए-13, जो, 1 ली मजिल, "नालंदा" इमारत
न० 1, बालनाथ विल्हेज, मार्ग रोड, माताड (पश्चिम),
बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि सं० आई-3/37-ईई/20521/84-85
और जो पत्रम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रभाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर &

इसके बाद टी. एन. ए. ए.

(1) मेमर्स हेमल इंटरप्राइज।

(अन्तरक)

(2) श्री जोसेफ परेरा।

(अन्तरिनी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/20449/84-85—अतः मुझे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 39, जो, 39वीं मंजिल, हेमल
अपार्टमेंट, प्लॉट नं० 19, 41, विहनेज मालवनी, मालाड
(पश्चिम), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाचूद अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 1 दिसम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
43—96 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्याहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 39, जो, 3 री मंजिल, हेमल अपार्टमेंट,
प्लॉट नं० 19, 41, मालवनी, मालाड (पश्चिम), बम्बई में
स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० अई-3/37-ईई/20449/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(1) कुमारी राजू एन० भनिजा ।

(अन्तरक)

(2) श्री वि०एम० भट ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/13230/84-85--अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ग्राय/4, जो, हरीद्वार-1, आफ मार्वे रोड, मिन चौकी, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर 1984 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ग्राय/4, जो, हरीद्वार-1, आफ मार्वे रोड, मिन चौकी, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैनाकी क्र० सं० आई-3/37-ईई/13230/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर ।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री देणमुख बिन्दर्मे प्राह्वेद लि०

(अन्तरक)

2. श्री अनिल ए० नापायनकर

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई-1; दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37 ई ई/20327,84-85—यतः, मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० फ्लैट नं० 301 तथा जो तीसरी मंजिल, अजीत
पार्क-ए, सोमवार बजार रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित
है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है);
श्रीर जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 1 मितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
स्थित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 301, जो तीसरी मंजिल, अजीत पार्क-ए, सोमवार
बजार रोड़, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० 3/37 ईई/20327,84-85
श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई-1

तारीख : 10-5-1985
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

मैमर्स अरुण कुमार एण्ड एसोसिएट्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

2. श्री हरि जान गड्डिज

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

बम्बई-1, दिनांक 10 मई 1985

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं० आई-3/37 ईई/20354/84-85 यतः, मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
श्रीर जमकी सं० फ्लैट नं० 13, है, तथा जो "अमरीश इमारत",
साईबाबा पार्क, तीसरी मंजिल, मित चौकी, मालाड (प),
बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इसमें उपावृद्ध अनुसूची में श्रीर
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269 क, ख अधीन, बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री, तारीख 1-9-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भत्ता या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

फ्लैट नं० 14, जो, तीसरी मंजिल, "अमरीश इमारत";
साईबाबा पार्क, मित चौकी, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37 ईई/20354/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई-1

उक्त अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई-1, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37 ई ई/13507/84-85—यतः, मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-10, जो तीसरी मंजिल,
हरीद्वार-1, प्लॉट नं० 18, 19, 20-ए, आफ मार्वे रोड़, मालाड
(प), बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है, और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती चंद्रा कला अग्रवाल ।

(अन्तरक)

2. श्री इमनाटीम डिमांझा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिनी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए-10, जो, तीसरी मंजिल, हरीद्वार-1, प्लॉट नं०
18, 19, 20-ए, आफ मार्वे रोड़ मालाड (प), बम्बई-64 में
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37 ई ई/13507/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-84
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई-1

तारीख : 10-5-1985

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई-1

बम्बई-1, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई 3/37 ईई/13555/84-85—यतः, मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पदार्थन 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन प्रत्येक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि उक्त सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,
1,00,000/- रु से अधिक है

और निम्नी सं० दुकान नं० 4 है, तथा जो ग्राउंड फ्लोर,
"अटलांटा", ए-विंग, प्लॉट नं० 38, आफ वालनाय विलेज,
मार्ने रोड, मालाड (प), बम्बई 64 में स्थित है (और इसमें
उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है,) और जिसका
कारणमात्रा अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख
के अधीन नमूने स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, तारीख 1 मिनम्बर 1984

का पदार्थन सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और जो यह विश्वास
करने का कारण है कि, प्रथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नांकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित के
कारण है कि कभी नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
अधिनियम से कभी करने या उससे बचने के मूल्यांकन
में किन्हीं अंश/का

(ख) किसी बाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनका भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
में प्रत्येक अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था कि किया जाना चाहिए था, जिनके के

तथा 1977, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण
में 1977, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मेमसे जार० जी० विन्डसे पादरत नि० ।

(अन्तरक)

2 श्रीमती एम० के० अग्रवाल पादरत अग्रा ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करने के लिए ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों या
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकते हैं ।

स्वीकृति:- इसमें प्रकृत सूचना और उसके का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ दिया जा रहा है कि यह दिवस दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 4, जो ग्राउंड फ्लोर, "अटलांटा", ए-विंग,
प्लॉट नं० 38, आफ वालनाय विलेज, मार्ने रोड, मालाड (प),
बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं० आई-3/37 ईई/13555/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई-1

तारीख 10-5-1985

कोड ॥

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई 3/37 ईई/13556/84-85—यतः, मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिमकी सं० फाउ नं० 401, है तथा जो 4थी मजिल,
"अटलाहा" "एफ" विंग, प्लॉट नं० 38, आफ वालनाय व्हिलेज,
मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई 64 में स्थित है (श्रीर इससे
उपावद्ध अनुसूची में श्री पूर्ण रूप से वर्णित है, श्रीर जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख
के अधीन बन्द है। श्रीर नाम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, तारीख 11 मार्च 1984

को पूर्वकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और मुझे यह विश्वास
का कारण है कि यथावर्तक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और, या

(ख) एमो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स आर० जी० बिल्डर्स प्राइवेट लि०

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुमती डिकोस्टा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति या हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रदाताओं के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-अ में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा या उप अधिनियम में दिया
गया है।

अनुसूची

फाउ नं० 401, जो, 4थी मजिल, "अटलाहा",
"एफ" विंग, प्लॉट नं० 38, आफ वालनाय व्हिलेज, मार्वे रोड,
मालाड (प), बम्बई 64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई 3/37 ईई/13556/84-85
श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

प्रकृप भाई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई-1

बम्बई-1, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37 ईई/13554/84-85—यतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिमकी म० फ्लैट नं० बी-502 जो पाचवी मंजिल शीतल छाया इमारत, सी० टी० एम० नं० 652,77, एम० बी० रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 मितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल में, ए० दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिता (अन्तरितियाँ)

के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण विहित के वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ए० किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

नतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चन्द्र विजय बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. श्री जे० डी० टिक्केवाल

(अन्तरितता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० बी, 502, जो पाचवी मंजिल, शीतल छाया इमारत, सी० टी० एम० नं० 652, एम० बी० रोड, मालाड (प०), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैमाकि० सं० आई-3/37-ईई/13554/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख . 10-5-1985

पोहूर ध

(प्रन्तरक)

(अन्तरिती)

(अन्तरिती)

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाब में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 2(1)-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

અનુસૂચી

प्लेट नं० 106, जो, पहली मंजिल, अजीव पार्क "बी"
मोमवार बजार रोड, मानाड (ग), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैमा नि.क० सं० अई-3/37-ईई/20329/84-85
ओर जौ सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है ।

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. २ - -

1 श्रीएटाह्ल बिलडर्स (मुलूड)

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

2. इन्दर चन्द मुराना

(अन्तरिती)

आहत सूचना

आयलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/13208/84-85-यतः, मुझे,
ए. प्रसाद,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 ग के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० फ्लैट नं० 1 है, तथा जो तीवरी मंजिल,
मर्सेन नं० 131, एच० एन० नं० 4 (अंश) और एम० नं० 133,
एच० नं० 14 (अंश) और 15 (अंश), मुलूड (प), बम्बई
त्रैती प्रपार्टमेंट में स्थित है और इस उपग्रह अनुसूची में और
पूर्ण रूप से मंजित है), और जिसका द्वारा नामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269 ग, ख के अधीन बम्बई
स्थित सूक्ष्म प्राधिकारी, में आयलय में रजिस्ट्री
है, तारीख 1 दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, एम० दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)
के बीच एम० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से कोई किसी आय को दाखल, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
प्रतिफल से कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
या फिर, कोई/का

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ दलित्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
न में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
की प्रतीति निम्न निम्न क्रियाओं, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन को लिए
कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1 जो, तीवरी मंजिल, एम० नं० 131, एच०
नं० 4 (अंश) और एम० नं० 133,
एच० नं० 14 (अंश) और 15 (अंश), मुलूड (पूर्व),
बम्बई में स्थित है।

अनुसूची वैधानिक सं० अई-3/37-ईई/13208/84-85
और जो सूक्ष्म प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सूक्ष्म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर

प्रश्न आर्द्र टी एन एस.-----

(1) मैन्स वि गम विन्दन ।

(अन्तरण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सञ्चना

(2) श्रीमती प्रतिभा देवराम गायडें ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० आई० 3/37ईई/20475/84-85—अतः मुझे
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

और जिन्की सं० फ्लैट नं० 7, जो 3री भजि, नमला
अपार्टमेंट, निर्माणाधीन इमारत, सी० टी० एन०
नं० 650 और 652, संत रामदास रोड, मुलूड, बम्बई-81
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) और जिन्की द्वारा नामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम
लिखित में किए जा सकेंगे ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित का गइ है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए०से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितीमें) के बीच ए०से अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दा आर पदा का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

फ्लैट नं० 7, जो 3री भजि, नमला अपार्टमेंट,
(निर्माणाधीन इमारत, सी० टी० एन० नं० 650 और 652,
संत रामदास रोड, मुलूड, (पूर्व) बम्बई-81 में स्थित है ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची जैसा कि ऊपर सं० आई० 3/37ईई/20475/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-9-1984 को रजिस्ट्री किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 10-5-1985
मोहर :

राजपत्र, अ. १५, १५८.

(1) मै 15 दि 14 बिल्डिंग।

(अन्तरा)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती मंगला हरिनाथचन्द्र तोंवर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37ईई/20473/84-85--अतः सुचे,
ए० प्रभाव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसे न० फ्लैट नं० 8, जो, 3री मंजिन, कमला अपार्टमेंट, निर्माणाधीन इमारत, सी० यो० एन० नं० 650 और 652, मंगलदास राड, मुंबई, (पूर्व) बम्बई-81 में स्थित है (और इस उपायधन अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसे सारासामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बम्बई प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया कि उक्त निम्नलिखित उपायधन को उक्त अन्तरण के लिए अन्तरित रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की मागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जायतियों को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्ताध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि के तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के अन्तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के अन्तर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथवा हस्ताक्षरी के द्वारा ;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधीन उक्त अधिनियम में दिये हैं, वही अर्थ होगा जो उस अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 8, जो 3री मंजिन कमला अपार्टमेंट, निर्माणाधीन इमारत, सी० यो० एन० नं० 650 और 652, मंगलदास राड, मुंबई, बम्बई-81 में स्थित है।

अनुसूची नं० 1 का नाम सं० अई-3/37ईई/20473/84-85 और न० सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 का रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रभाव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री विकास विल्डर्स

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री बन्वाल मोहनदास भट्ट

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

भई दिल्ली, दिनांक 10 मई 1985

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० आई-3/37 ई ई/20474/84-85—यतः, मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० फ्लैट नं० 4 जो, दूसरी मंजिल, निर्माणा-
धीन इमारत, कमला अपार्टमेंट्स, सी० टी० एम० नं० 650 और
652, संत रामदास रोड, मुलंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है
(श्रीर इनमें उपावद्ध अनुसूची में प्रारंभ पूर्ण रूप से वर्णित है),
श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाठ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, जो, दूसरी मंजिल, निर्माणाधीन इमारत, कमला
अपार्टमेंट्स, सी० टी० एम० नं० 650 और 652, संत रामदास
रोड, मुलंड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

अनुसूची जैमा क्रि० सं० आई-4/37-ई ई/20474/84-85
श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख 10-5-1985
मोहर :

प्रमाणित प्रतीक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/20536/84-85—यतः, सुते,
ए० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2 है, तथा जो पहली मंजिल, कमला
अपार्टमेंट्स, निर्माणाधीन इमारत, सी० टी० एस० नं० 650
और 652, संत रामदास रोड, मुलुंड (पूर्व), बम्बई-80 में
स्थित है) और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), और जिसका कारखाना आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अवबोधार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स विकास विल्डर्स

(अन्तरक)

2. श्री मुरेश नरसिम्हा कामथ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रखने
वाली अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही पदों होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2 जो पहली मंजिल, कमला अपार्टमेंट्स, निर्माणा-
धीन इमारत, सी० टी० एस० नं० 650
और 652, संत रामदास रोड, मुलुंड (पूर्व),
बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-4/37-ईई/20536/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-84
को रजिस्टर्ड किया गया है :

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री गोविन्द नागयण मिश्रा और अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री ईश्वर दत्त मंगल दुवे और अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37 ईई/20538/84-85—यतः, मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 67(अंश), सी० टी० एस० नं० 723,
नाहूर विलेज, तालूका कुर्ला, मुलुंड (प), बम्बई-80 में
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
1 सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 67, (अंश), सी० टी० एस० नं० 723, नाहूर
विलेज, तालूका कुर्ला, मुलुंड (प), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० —आई-4/37 ईई/20538/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1984

माहूर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/20398/84-85--अतः मुझे
ए० प्रसाद०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट नं० 2 और 7, जो, ग्राउंड फ्लोअर,
वर्धमान इंडस्ट्रियल प्रिमायवेस को-ऑपरेटिव सोसाइटी लि०,
भांडुप, बम्बई-78 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कार्यान्वयन
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन
बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
दिनांक 1 सितम्बर 1984 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरोध की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए० दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तर्गती (अन्तर्गतियों) के बीच ए० अन्तरक के लिए नय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ए० प्रसाद आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) मैमर्स नेशनल पेटस मैनुफैक्चरिंग कंपनी ।
(अन्तरक)
- (2) मैमर्स सोनानी इंडस्ट्रिज
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहमन्तधरो के पास
निहित या लिखित जा सकता है ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

युनिट नं० 2 और 7 जो ग्राउंड फ्लोअर, वर्धमान इंड-
स्ट्रियल प्रिमायवेस को-ऑपरेटिव सोसाइटी लि०, ब्रिह्मलेज
रोड, भांडुप, बम्बई-78 में स्थित है ।

अनुसूची जिसकी सं० सं० आई-4/37-ईई/20389/
84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1
सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद,
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3 बम्बई

दिनांक : 10-5-1985
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.

(1) श्रीमती विदु रत्न मेहता ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) या तारीख, कुर्गुजीमाई धारा और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं. आई -3/37-ईई/13337/84-85--

अतः मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट न० डी-14, जो 3मरी मजिल महेश्वर अपार्टमेंट, जे० एम० डी रोड, मुलुड (१), बम्बई 80 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1 मिनम्बर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करना या उसमें कटौत या कटौत का कारण बनना;

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन पर आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम 19, 1957 का 27 या प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता है या विधान या सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् --
45-96 G1/85

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० डी-14 जो तीसरी मजिल, महेश्वर अपार्टमेंट जे० एम० डी रोड, मुलुड (१), बम्बई-80 में स्थित है ।

अनुसूची नैमाका क्र० सं० आई-4/37-ईई/13337 84-85 जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 मिनम्बर 1984 को रजिस्ट्री किया गया है ।

ए० प्रसाद,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक - 10-5-1985

माहूर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) क० टी० फिलिप्स आर अन्य

(अन्तरक)

(2) श्री विरजनाल एन०, कामदार ।

(अन्तर्गति)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन्त रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/13548/81-85-अन

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० युनिट न० 22, जा गाउड फ्लोअर, भाडू विमान इंडस्ट्रियल प्रिमायमस का आप० मासायटी लि०, विहलेज रोड, भाडू बम्बई-78 में स्थित है (यह इसमें उपावृत्त अनुसूची में गैर पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करगनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1 मिनस्वर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तर्गितियों) के बीच एंगे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाए में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उपाकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

युनिट न० 22, जा, गाउड फ्लोअर, भाडू विमान इंडस्ट्रियल प्रिमायमस का आप० मासायटी लि०, विहलेज रोड, भाडू बम्बई-78 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी क० सं० अई-3/37-ईई/13548/81-85 और जा मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मिनस्वर 1981 का रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद,

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन्त रज-3, बम्बई

दिनांक — 10-5-1985 ।

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/13371/84-85--- अन
मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मध्य प्राधिकारों का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट न० 220, जा दूसरी मजिल, त्रिगानदानी इंडस्ट्रियल इस्टेट, राजूर, मार्ग, बम्बई में स्थित है (और इसमें उल्लेख अनुसूची में आने पर पूर्ण रूप से वर्णित है, और जिस पर करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित मध्य प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री 1 मिनम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का बावत, उक्त अधिनियम के तहत कर देने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूर्खता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्खता के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अर्थों में अधिसूचना —

- (1) मैमर्स त्रिगानदानी इंडस्ट्रियल इस्टेट प्रायवेट लि० (अन्तरक)
- (2) मैमर्स और त्रिगानदानी एक्सपोर्ट्स प्रायवेट लि० (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तिगत पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिगत में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

युनिट न० 220, जा दूसरी मजिल, त्रिगानदानी इंडस्ट्रियल इस्टेट राजूर मार्ग बम्बई में स्थित है।

अनुसूची नैमाकी सं० सं० अई-3/37-ईई/13371/84-85 और जा मध्य प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 मिनम्बर 1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद,

मध्य प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रज-3, बम्बई

दिनांक 10-5-1985

माहूर .

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैसर्स सी० डी० एम० एम० इन्व्हेस्टमेंट्स प्रायवेट लि०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) जयवंत सिंगी शारा ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/13533/84-85—अनः

मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट न० 15, जो, विमान इंडस्ट्रियल इस्टेट व्होलेज रोड भाडूप बम्बई-80 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ब के अधीन दिनांक बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1 सितम्बर 1984 को

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक व दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निर्धारित व्यक्ति, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

युनिट न० 15, जो विमान इंडस्ट्रियल इस्टेट व्होलेज रोड भाडूप बम्बई-78 में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी सं० सं० आई-3/37-ईई/13533/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 सितम्बर 1984 को रजिस्ट्री किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-3, बम्बई

दिनांक 10-5-1985

मोहर :

प्रश्न नार्.टी.एन.ए.-----

(1) श्री आर. बी. गार ।

(अन्तरक)

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती हमसुवर गंगगी मा ।

(प्रस्तावनी)

भाषा बहक़र

कार्यालय, सहायक भाषाकरण आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज 3 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं. प्रई-3/37-ईई/13641/84-85—अन्. मुज,

ए. प्रसाद,

भाषाकरण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ़ैक्टरी प्रमायमेम युनिक इंडस्ट्रियल
इस्टेट में मुज (प) बम्बई-80 में स्थित है (जो इसमें
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
कारनामा प्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269
कक्ष के अर्जुन बम्बई स्थित मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है दिनांक 1 मिनस्वर 1984

का प्रवृत्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दायज
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अध्यापक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दायजमान प्रतिफल से, ऐसे दायजमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित में वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यक्षेत्र में कमी करने या उसके वर्णन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को किन्हीं भारतीय भाषाकरण अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
करण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या कि या जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या लम्बेकाली व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्यापक के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ़ैक्टरी प्रमायमेम युनिक इंडस्ट्रियल इस्टेट में जो
मुज (प) बम्बई-80 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की सं. प्रई-3/37-ईई/13641/
84-85 और जो मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1 मिनस्वर 1985 को रजिस्ट्री किया गया है ।

ए. प्रसाद

मध्यम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-3, बम्बई

दिनांक 10-5-1985

माहुर :

प्रमुख भाई टी. एन. एच. -----

(1) मैसर्स गणेश विन्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती टी. सरस्वती कुरूप ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-१/३७-ईई/13316/84-85—प्रत.
महो, ए० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूचना प्राधिकार का, यह निश्चित करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० फ्लैट न० 31 आ ए-विंग तीसरी मंजिल
निलिमा अपार्टमेंट एम० पी० एम. मार्ग, मातूप बम्बई-78 में स्थित है (आर. मंग. उपायुक्त प्रतिसूची में आर. पुन.
रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित
मुख्य प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1
सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पट्टा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एक अन्तरण के लिए
छाया पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है --

(1) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, 353
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तविक में किसी अन्तरण या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/५

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 4.
अथवा अधिनियम, 19-7 (1957 का 27)
के अन्तर्गत अन्तर्गत इसका प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित आस्तियाँ अधीन --

का यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
आस्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अनुच्छेद 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ है जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सहस्र

फ्लैट न० 34 आ ए-विंग तीसरी मंजिल निलिमा
अपार्टमेंट एम० पी० एम. मार्ग, मातूप बम्बई-78 में
स्थित है ।

प्रतिसूची सं० अई-१/३७-ईई/13316/84-85
आर जो मुख्य प्राधिकारी बम्बई में दिनांक 1 सितम्बर
1984 को रजिस्ट्री किया गया है ।

ए० प्रसाद

सहायक प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रज-3, बम्बई

दिनांक - 10-5-1985

साहब

प्रकृष आर्इ.टी.एन एस.-----

(1) मैसर्स क्रिस्टल विल्डस (मुम्बई)

(अन्तरक)

(2) श्री गिरीधारी जयराव

(अन्तरिणी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं. अर्ई-3/37-ईई/13544/84-85 —अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लेट नं० 5, जो दगरी मजिस्ट्रेट की अपाटमेंट सं. नं० 131, प्लॉट नं० 4 (अण) और सं. नं० 133, प्लॉट नं० 14 (अण) और 15 (अण), मुलुड (पूर्व) बम्बई में स्थित है (और उसमें उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 264 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के तद्विषय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से कम दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिणी (अन्तरिणियाँ) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा खंड नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

को यह सूचना प्रार्थ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
आवश्यकता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रतियों

प्लेट नं० 5, जो दगरी मजिस्ट्रेट की अपाटमेंट सं. नं० 131, प्लॉट नं० 4 (अण) और सं. नं० 133, प्लॉट नं० 14 (अण) और 15 (अण) (मुलुड) (इव) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा सं. सं. अर्ई-3/37-ईई/13544/1984-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 सितम्बर 1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

राजपत्र प्रकाशक कार्यालय (निरीक्षण)

अर्जन रज 3 बम्बई

दिनांक — 10 मई 1985

माहर

अक्स आई टी.एन.एन.-----

(1) मैगन था जा इटरप्रायजस ।

(अन्तरक)

(2) यामता ज्यातावाला ज० 5762 ।

(अन्तर्हती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जत रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० प्रई 3/37-ईई/20487/84-85--अत
मजे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
ग्रॉस अंशकी सं० प्लॉट न० 13, ज०, तीमरी मजिल, एग०
न० 47 ग्रॉस 19, गंगाधाराड राउ म्लड (पूर्व) बम्बई-81
में स्थित है (आर इसमें उपायुक्त अनुसूची में ग्रॉस पूर्ण रूप
में वर्णित है) आर जिसका कारनामा आयकर अधिनियम
1961 का भाग 269 में आर अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री 7 दिनांक 1 अक्टूबर
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इच्छमान
प्रतिफल के लिए प्रार्थना की गई है और इसके यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसमें दृश्य में परिपक्वता में कम इच्छमान प्रतिफल का
पर्याप्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निर्माणीय उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में तामावक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें अर्जन में सुविधा के लिए
आर/धा

(ख) 10 मई 1985 को किसी अन्य व्यक्ति
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
में प्रशिक्षण अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया है या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

अस अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गण
में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निर्माणीय व्यक्ति, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
आयवाहिया करना हुआ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होगी है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सहायताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 13 ज० तीमरी मजिल जमीन रेग्रिंग सर्वे
न० 17 ग्रॉस 19 गंगाधाराड राउ म्लड (पूर्व) बम्बई-81
में स्थित है।

अनुसूची जैमाकी सं० सं० प्रई-3/37/ईई/20487/
84-85 ग्रॉस ज० सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1
अक्टूबर 1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण))
अर्जत रेज-3 बम्बई

दिनांक - 10-5-1985

मोहर .

प्रमुख बाइ, टी. एन. एस. -----

(1) मैमर्स अजय विन्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० जी० कुलकर्णी
और अन्य ।

(अन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

आयुक्त, अन्तरक

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निराक्षर)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/20471/84-85— अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका मूल्य शायद मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैश्रीर जिसकी सं० प्लेट नं० 3 जो पहली मजिल, कृषम
मिलन, प्लॉट नं० एम० नं० 74 डी० पी० रोड, मुलुंड (पूर्व)
बम्बई-81 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा बायकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई
स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है दिनांक
1 सितम्बर 1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसका दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप में कोषित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों
को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 3 जो पहली मजिल, कृषम मिलन, प्लॉट
एम० नं० 74, सी० टी० एम० नं० 564, डी० पी०
रोड, मुलुंड (पूर्व) बम्बई-81 में स्थित है।अनुसूची जिसकी सं० सं० अई-3/37-ईई/20471
84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,

मक्षम प्राधिकारी

सहायक बायकर आयुक्त (निराक्षर)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक :— 10-5-1985

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) मंगल प्रजप तिथि ।

(अन्तरा)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

(2) श्री ए. पी. रामनाज्जान
प्रान्त अन्य ।

(अन्तर्गति)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

निर्देश नं० आई-3/ 37-ईई/ 13347/84-85---अन
मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
या किसी व्यक्ति द्वारा,

श्रीराम जिसकी स० फ्लैट नं० 1 जो पहली मंजिल, कृष्णम
मिलन प्लाट नं० एन० नं० 74 डी० पी० क्राम रोड,
मुल्ड (पू०) बम्बई-81 में स्थित है (श्रीराम इसमें उपावृद्ध
अनुसूची में ग्राहक पण रूप में वर्णित है) श्रीराम जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के
अधीन बम्बई स्थित मध्यम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
दिनांक 1 अक्टूबर 1981

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और मध्य यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिनी
(अन्तर्गति) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

स्पष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ लाया, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शासकत्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा
के लिए और/या

फ्लैट नं० 1 जो पहली मंजिल, कृष्णमिलन प्लाट
नं० 74 एन० पी० क्राम रोड, मुल्ड (पू०) बम्बई-81
में स्थित है ।

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के निम्नलिखित भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रकार अन्तरण द्वारा अन्तरण नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अन्यथा उक्त नं० 1 जो आई-3/37-ईई/13347/
84-85 और नं० मध्यम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1
अक्टूबर 1981 में रजिस्ट्री किया गया है ।

ए० प्रसाद,

मध्यम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

दिनांक 10 मई 1985

मोहर

प्रत्येक आदेश में एक एक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 57) की धारा 269-ग (1) के अधीन मूल्यांकन

जारी किया गया

आयकर, सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जमा राज 3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-4/37-ईई/13565/84-85 --अन
मुझे ए० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 57) के अधीन मूल्यांकन
इसके पदवात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ग के
अधीन मूल्यांकन अधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000
रु० से अधिक है

ग्राम जिसकी सं० फ्लैट नं० 6, जे, पहली मंजिल, कृपम
दर्शन, प्लॉट नं० एम० नं० 74, डा० पी० रोड, मुल्ड
(पूर्व) बम्बई-81 में स्थित है (ग्राम उसमें उपावृद्ध अनुसूची
में ग्राम पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्राम जिसका करगणनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ग के अधीन बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है दिनांक 1 मिनम्बर 1984 को

की प्रवृत्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्याय की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
अन्तरती (अन्तरतिता) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कोषित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी बाव को प्राप्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव
में कमी करने या उक्त बचन में उचित के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी राय या किसी धन या अन्य आस्तिया
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रदानार्थ अन्तर्निरीक्षण द्वारा नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए या छिपाने में मूल्यांकन
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैमस अजय विल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री अनाजय ज० बन्धुकर
ग्राम अत्य

(अन्तरतिता)

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के लिए
आयकराधिकार करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचन के उचित में कोई भी बाधक :--

(क) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात् अवधि पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में सम्पत्ति होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्ति या में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त सम्पत्ति में उद्देश्य
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रिमोक्षण के पक्ष
में उक्त सम्पत्ति को लेना;

स्पष्टीकरण.--इसमें उक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अनुच्छेद 20 के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 6, जे, पहली मंजिल, कृपम दर्शन एम० नं०
74, डा० पी० रोड, मुल्ड (पूर्व), बम्बई-81 में स्थित है।

अनुसूची जमातों का सं० आई-4/37-ईई/13565/
84-85 ग्राम जो नक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1 मिनम्बर 1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद,

नक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जमा राज 3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

(अन्वयः)

(८) मैक्सिम जॉ. लि. एग. शा. एण्ड मरस लिमिटेड
(अन्तर्गती)

आयनिक प्रणाली में अणुओं के बीच आयनिक बंधन होता है।

उक्त माह्यति क वर्जन के सम्बन्ध में काइ भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बचने पर संप्राप्त होती है, के भीतर पूर्णतः

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस 'हसम' इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सजाय प्राधिकृत है, यह 'पंचवाम करन' का कारण है कि त्यागिर सम्पत्ति, जिसका शेषित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है।

श्रीर जिनकी १०० यूनिट नं० ७, ज्ञा राजा उर्वरिद्वय।
इस्टेट प्लॉट नं० सीटीएन नं० ७०१, ७०१, ७०५ भास्व
क्विलज मुगुज अस्व. मे गिनत न (श्रीर ज्ञा उर्वरिद्वय अतयूची
म श्रीर ज्ञा अस्व न नारा १), श्रीर जिन न नारा नामा
आयका जिनितान, १९६१ नारा ३०० ७, अ क श्रीर
बस्वर्ड गिनत नारा प्रापिदारी न कार्यालय म गिनित न
दिनांक १ सितम्बर १९६१

का प्रवाका सम्पत्ति के उचित अधिकार मन्थन में कल के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत का गढ़ है और मन्थन यह विश्वास करने का कारण है कि तथापूर्विक सम्पत्ति का उचित अधिकार मन्थन, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम दृश्यमान प्रतिफल का पन्ने प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तर्गति (अन्तर्गति) के बीच एक अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निर्णायक उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया

[illegible]

(ख) छुसी किमी आन व किमी से आ अन्य व स्थिति को बिन्दु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्य अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 21) व प्रत्येक अन्य अन्तर्निहित वस्तु वस्तु विज्ञान व आ आ किया जाता चाहिए था, छिपाने से सहायता के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 न के अन्वये
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :-

क्रमांक नं० ७३, श्री राजा उद्दिष्टान उम्मेड, नाहूर
विलेज मनाउ बम्बई म. प्र. ११.

अनुष्ठापित किया कि कम से कम अक्टूबर-१९३७-३८/१३११/३४-३८ प्रा. वि. मन्त्रालय प्राधिका, बम्बई द्वारा दिनांक १ सितम्बर १९४४ का रेजिस्टर्ड किया गया है।

८७ प्रसाद

अधिसूचना

7.1 प्रकृ नाम एव साधकतः (भिरिक्षण)

प्रजन रेज ३ बम्बई

दिनांक 0 - 1983

माहे २

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मैमर्स स्टार विल्डर्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती हर्षदा एच० वकील ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्बालिस, महाधक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/20455/84-85-अनः

मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० डूकान न० 11 बी/2, जा. ग्राउंड फ्लावर
काजूर मार्ग न० 275 (अग), भाडूप स्टेशन (पूर्व) के पास, बम्बई में स्थित है (या
दूसरे उभावर्त अनुसूचा में प्रा. पूर्ण रूप से वर्णित है), प्रा.
जिसका करगनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269-ब, या उ. अर्जन रेंज में प्रा. मक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्टर्ड है दिनांक 1 सितम्बर 1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और नुम्हे यह विश्वास
करने का कारण हैकि मक्ष पूर्णवर्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अद्यमान
प्रतिफल से, एस. अद्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण में हुई किसी आश की वारत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) एसी किसी आश या किसी धन या अन्य वास्तव्या-
क, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किमा जाला जाहए था, छिपान में सुविधा
के लिए;अनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित वास्तव्या, अथवा

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन का अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अध्याहस्ताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें पर्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अनुच्छेद 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

डूकान न० 11 बी/2, जा. ग्राउंड फ्लावर, श्याम नगर,
काजूर मार्ग न० 275 (अग), भाडूप स्टेशन (पूर्व) के पास
बम्बई में स्थित है ।अनुसूचा जिसकी सं० आई-3/37-ईई/20455/
84-85 प्रा. मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1
सितम्बर 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

मक्षम प्राधिकारी

महाधक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

माहूड :

प्रमुख आर्क डी.एन.एस

(1) मेगम री.एन.एस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) आर.एन.एस.एस.एस.एस.

(अन्तरक)

भारत सरकार

का यह सूचना जारी करके पत्रावन सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्य करता है।

आयलिस, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं. अई-3/37-ईई/20454 184-85-अन्तर

मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सहायक आयुक्तों का यह विश्वास करने का
कारण है कि गणपति आयुक्तों द्वारा वास्तविक रूप से
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट नं० 207 वा हुमरी मजिद, इमारत
ए-2/13, भाइप स्टेशन (पूर्व) के पास बम्बई-78 में स्थित
है (और इसमें उपाध्यक्ष अनुसूची में आर.एन.एस.एस.एस.
है), और जिसका कारणभूत आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित नक्षत्र प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 नवम्बर 1984
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कर के द्यमान
प्रतिफल के लिए अर्जन का यह है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि सहायक आयुक्तों द्वारा उचित वाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, एक द्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित
से वास्तविक रूप से कटौत नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बचत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व से कमी करने या उक्त अन्तरण से सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् —

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काट भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के संप्रसारण की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होगी, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के संप्रसारण की तारीख से
45 दिन के भीतर अपने स्वयं के हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिलेखाक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें ध्यान रखना और पता चलना, आ उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, बहुत बर्थ होगा आ उक्त अधिनियम में दिया
गया है।

फ्लैट नं० 207 वा हुमरी मजिद, इमारत नं० ए-
2/13 भाइप स्टेशन (पूर्व) के पास, बम्बई-78 में स्थित
है।

अनुसूची नैमाती सं. सं. अई-3/37-ईई/20454
84-85 और तो सहायक आयुक्तों द्वारा दिनांक
1 नवम्बर 1984 को जिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद,
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
आयलिस, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज 3 बम्बई

दिनांक 10-5-1985
माह

प्ररूप आइ.टी.एन.एस-

(1) $\pi = \pi_1 \pi_2 \dots \pi_n$

$$(f^{\circ} \mid f^{\circ})$$

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
 धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

(२) जहाँ से भी हो पैसे मिलेंगे वे सब इस काम के लिये इकट्ठा कर दिये जायेंगे।

11455

भारत सरकार

(अनारखी)

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरिक्षण)

ਪ੍ਰਤੀਕਿਰਮ, ਸੰਕੇਤ, ਸੰਕੇਤ

ਬਾਗੜੀ, ਦਿਨ 10 ਮਈ 1985

निर्देश १. पृष्ठ 3/37. 55/13343/81-85 -अन
मन्त्री, ग० प्र०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बजाय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम अधिकारियों का यह विश्वास करने का कारण है कि आबोर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु में अधिक है

[illegible]

का पूर्वोक्त सम्पाति के उचित लक्षार मूल्य से कम के व्यवधान प्रतिकल के लिए अन्तरिक्ष की भट्ट है और भूक वह विषयम कल्प का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पाति का उचित लक्षार मूल्य इसक दृश्यमान प्रतिकल में, एम्मे व्यवधान प्रतिकल का पन्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरातिती), ल पवित्र एम्मे अन्तरिक्ष के लक्षार पन्वह प्रतिशत, निम्नलिखित उक्थम में उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है -

यह वह मूल्या जारी करके प्रसारित मध्यम के वर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है।

तबल मण्यस्ति च अवन च कश्चिन्ने जे काहं भा आलोषः--

(क) इस सूचना को संचारण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि जादा हो संचालन होती है, के अंतर्गत प्रवाक्ता व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति का नाम

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा संपादकता के तहत या
निमित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें पत्रों की संख्या और तारीखों की, जो उपर्युक्त अधिवेशन के अन्त्य में 20-क में सम्भावित हैं, वहाँ अर्थ है कि जो उस अधिवेशन में दिया गया है।

आभार

(क) अन्तरण ^{रा} हवाई किसी आय को वास्तविक उन्नत आर्थिकीयता के अधीन कर देने के अन्तरक का दायित्व से किसी करण या उससे बचन में सुविधा के लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आभिनयों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ ज गिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम या धारा 269-ग का पन्थाग (1) के अन्तर्गत, निर्धारित व्यक्तियों, अर्थात् :—

पत्रिका नं० 8। पृ० 70 या पाठ्य पुस्तक गान्धी उद्दिष्टित
स्टेट पुस्तकालय पराजोती (पा) इलाहाबाद मन्त्रालय (प)
वावर्ड-80 में विहित है ।

[illegible]

॥३॥ वृषादे

मक्षम प्राधिगर्ग

$f(T) = f'(T) = \{f''(T)\} \text{ FM}$

$\frac{1}{2} \frac{1}{n} \rightarrow \frac{1}{2} \frac{1}{n}$

10-5-1985

माहुर

प्रारूप आई टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजेंट रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/13218/84-85---आ

मुझे, ए० प्रताप,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मैं यह अधिपत्र की यह व्यवस्था करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसमें से प्रतिदिन 130 वा पड़ती प्रतिदिन, निरान्वानी इन्स्ट्रुमेंट्स, काजूर मार्ग, बम्बई में स्थित है और इससे उदात्त अनुपूर्ति में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसमें से प्रतिदिन निरान्वानी अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन सूचना प्राप्त प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टर्ड है दिनांक 1 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्राप्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एक दृश्यमान प्रतिफल का दृश्यमान प्रतिफल में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच एक अंतरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरक—इसमें किसी बात की बाध, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) में उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के प्रति—

47-96 GI/85

- (1) हिरान्तानी इन्स्ट्रुमेंट्स इन्टरप्रायजेस ।
(प्रकार 6)
- (2) मै।मं. तानी प्लान्टिग ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोद्वन्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

युनिट नं० 130 जो तृती संज्ञित, निरान्वानी इन्स्ट्रुमेंट्स इन्स्ट्रुमेंट्स, काजूर मार्ग, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसाकी सं० सं० आई-3/37-ईई/13218 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रताप,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजेंट रेंज 3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

संकेत 3

प्रमुख आई टी एन.एस. -----

(1) श्री पी० एन० कोठारी

(अन्तरक)

(2) बायोकेम फार्मास्युटीकल लि. ।

(अन्तरिती)

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आम्बुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/13389/84-85---अंतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्की सं० युनिट नं० 301 जो पी० एन० कोठारी इस्टेट एन० नं० 200 सी० टी० एम० नं० 288, आग्रा रोड बम्बई-78 में स्थित है (और इनमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 दिसम्बर 1984 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि संप्रदायिक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल या ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्योन्यिक सम्पत्ति के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय थाका गया प्रतिफल, निम्नलिखित सूचक से उक्त अन्तरण निश्चित से वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के द्वारा और/या

(ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य वास्तुओं को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकारी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या प्रकट किया गया है। निम्नलिखित में सुविधा के द्वारा

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

युनिट नं० 301 जो पी एन कोठारी इस्टेट, एस० नं० 200 सी० टी० एम० नं० 288 आग्रा रोड भांडूप बम्बई 78 में स्थित है, ।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० आई-3/37-ईई/13389 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1 दिसम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज 3, बम्बई

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :—

दिनांक, 10-5-85

मोहर

इसका नाम, टी. एन. एस.

(1) श्रीमती कल्पना चुनीलाल शहा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती पी० एस० शेठ ।

(अन्तरिती)

प्राप्त सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/ 37-ईई/20533 /84-85—अतः

मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० युनिट नं० 24 जो ग्राउंड प्लोअर, राजा
इंडस्ट्रियल इस्टेट नाहूर गांव मुलूंड (प) बम्बई-80 में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 तिस्र
1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित के गई है और मुझे यह विस्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अन्त-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
की लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तिया
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्द और पदों का, जो इस
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

युनिट नं० 24 जो ग्राउंड प्लोअर, राजा इंडस्ट्रियल
इस्टेट नाहूर गांव मुलूंड (प)-80 बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची अंशकी क्र० सं० आई-3/37-ईई/ 20533/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1
सितम्बर 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-4-1985

मोहर :

प्रमुख आई.डी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अवार्डिज, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई 3/37-ईई/13277/84-85---प्रतः

मुझे, ए० प्रताप,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट भाडू आरम जिवा को० ऑय० हाउसिंग सोसाइटी लि० में, जो, दातार बालोनी भाडू (पूर्व), बम्बई में स्थित है, (और इससे उपाधुध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित है), और जिसका भारतमा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 19-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए इस पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से छुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) भाडू आरम जिवा को० ऑय० हाउसिंग सोसाइटी लि० ।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० ए० ओमर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समझी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 5, फ्लेट भाडू जिवा को० ऑय० हाउसिंग सोसाइटी लि० में, जो, दातार बालोनी भाडू (पूर्व), बम्बई 78 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई-3/37-ईई/13277/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रताप

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

संकेत :

प्रथम भाग की एन एच -- -----

(1) मेसर्स रटार विल्डर्स ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मुनाल नामदेव बटारखरे ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/13594/84-85- अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका प्लेट न० 313, जो, 3 री मजिल, इमारत न०
ए-2/15, भाडूय स्टेशन (पूर्व), के पास, बम्बई-78 में स्थित है
(आर.इ.जे. जगतनंद मुनुजूज. में आर. पूर्णस्वामि वर्णित है), और
जिसका आराधना आराधन अधिनियम, 1961 की धारा 269
बख के अन्तर्गत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एम्मे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
आस्ताविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में वसूली करने या उत्तम अर्थ में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूची में प्रमाणित प्राधिकारी प्रकट नहीं किया
गया या प्रकट किया जाना चाहिए था, छिपाने के
पूर्ववर्ती के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(1) सूचना : सक्षम प्राधिकारी की तारीख से 45
दिन की अवधि में अन्तरित व्यक्तियों पर सूचना के
आभाव में उक्त दिनांक तक, या भी अवधि बाव में
समाप्त होने पर, उक्त अवधि व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(2) इस सूचना के आदेश में अन्तरण की तारीख से 45
दिन के अन्तर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पान लिखित
में अंकित आदेश

प्रमाणित है :—इसमें प्रयुक्त तारीख 1, जो उक्त अधिनियम
के अधिनियम में प्रमाणित है, वही
अर्थ है, जो उक्त अधिनियम में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट न० 313, जो, 3 री मजिल, इमारत न० ए-2/15,
सीटीएम न० 657 बी, भाडूय स्टेशन (पूर्व), के पास, बम्बई-78
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/13594/84-85
और आराधना प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को
रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख - 10-5-1985

शोध

प्रकृ. आई.टी.एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रोज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/13215/84-85--अत. मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 1 और 2, जॉ. निन्ती अपार्टमेंट, साने गुरुजी नगर, मुलूड (पूर्व), बम्बई में स्थित है। (और जो उक्त उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिन्हा नगर-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ग के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री हरी जससूमल ठाकुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० एस० जॉसेफ ।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करने [नोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही] करता हूँ।

उक्त संघर्ष के वर्जन के संबंध में कोई भी आशय :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 1 और 2, निन्ती अपार्टमेंट, साने गुरुजी नगर, मुलूड (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची के तहत सं० आई-3/37-ईई/13215/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रोज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर :-

प्रत्यक्ष बहर्त.डी.एन.एस.:-:-:-:-:-

(1) श्री राम बिल्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीराम वासन और अन्य।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37ईई/20385/84-85--अन: मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कितनिक बेअरिंग नं० 11, जो, इमारत टावर
ब्री से ए, गोवर्धन नगर, मुंबई (प), बम्बई-80 में स्थित है (और
जैसे उपाययुक्त अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है)। और जिसका
कारणनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तावेज
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्तावेज प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब बाधा नष्ट
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाधा की बाधत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृष्ट-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कितनिक बेअरिंग नं० 11, जो, इमारत टावर ब्री से ए
गोवर्धन नगर, मुंबई (प), बम्बई-80 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-4/37ईई/20385/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जनरेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

साहू

प्रत्यक्ष आई. टी. एच. एच. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ई ई/13658/83-84—अतः, सुसे,
ए० प्रमाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 6 जो "ए" इमारत, न्यू गिरीश
अपार्टमेंट को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, पाटिल लेन, चूना-
भट्टी, बम्बई-22 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
1 सितम्बर 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
वर्षा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाधा बना प्रवि-
ष्ट निम्नलिखित तथ्योपेक्ष से उक्त अन्तरण निश्चित हो वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
की/या

(ख) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्य
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्-
तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की
प्रबोधनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री राजाराम आर० उपाध्याय

(अन्तरक)

2. श्रीमती चम्पा जे० कोठारी

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा या उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 6, जो, "ए" इमारत, न्यू गिरीश अपार्टमेंट
को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, पाटिल लेन, चूनाभट्टी,
बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र०स० आई-3/37-ईई/13658/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रमाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख . 10-5-1985

मोहर।

प्रथम भाग टी. एन. एच.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/20367/84-85—अन०, मुझे,
ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 2 है, तथा जो राजेन्द्र पार्क, इमारत
नं० 3, स्टेशन रोड, गोरेगांव (५), बम्बई-62 में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, तारीख 1 मितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत
से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्त-
रितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; कौटुंबिक

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा

48—96 GI/85

1. श्री ईश्वर पी० मिस्त्री

(अन्तरक)

2. लोबस कार्पोरेशन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधा है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 2, जो, राजेन्द्र पार्क इमारत नं० 3, अनेक्स,
स्टेशन रोड, गोरेगांव (५), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-37-ईई, 20367/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37ईई/20313/84-85—यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसको प्रस्तावित 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसने सं० प्रिमायसेस पहली मजिल पर, तथा जो वेस्टर्न विंग, बसन्त गार्डन इस्टेट लि० सायन ट्राम्बे रोड, घाटला रोड, यूनिवर्सिटी पार्क के सामने चेम्बर, बम्बई में स्थित है (और इससे उपरोक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई

स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनों के अधीन धारण करने के लिए प्राप्त या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स नवरत्न बिल्डर्स प्राइवेट लि०

(अन्तरक)

2. श्री पाल्लीपूरम के० नटराजन और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ध किंसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रिमायसेस पहली मजिल पर, वेस्टर्न विंग, मब प्लॉट नं० 14/15, प्लॉट ए ऑफ मैसर्स बसन्त गार्डन इस्टेटस प्राइवेट लि०, जंकशन ऑफ सायन ट्राम्बे रोड एण्ड घाटला रोड, यूनिवर्सिटी पार्क के सामने चेम्बर, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37 ईई/20313/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती सीता बी० अंबवानी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती ज्योति पी० सिधवानी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/13578/84-85—यतः, मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० फ्लैट नं० 7 है, तथा जो तीसरी मंजिल, इमारत
नं० 10-बी, नवजीवन को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, माहूल
रोड़, चेंबूर, बम्बई-74 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची
में श्रीर पूरा रूप में वर्णित है) श्रीर जिमका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1 सितम्बर
1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7, जो तीसरी मंजिल, इमारत नं० 10-बी,
नवजीवन को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, माहूल रोड़, चेंबूर,
बम्बई-74 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/13578/84-85
श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को
रजिस्टर्ड किया गया है

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

माहुर :

मुख्य भाग. टी. एन. ए. ए. -----

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-III/37-ईई/13411/84-85—यतः, मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए/1, है, तथा जो इमारत नं० 3,
पिरामल नगर, शिवनाथ को-आप० हाउसिंग सोसाइटी, एस०
वी० रोड, गोरगांव (प) (, बम्बई-62 में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),

और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269
क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
में रजिस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वहां पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रति-
शत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कटौत करने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बात/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तुओं
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री इंदर सिंह सेठी

(अन्तरक)

2. श्रीमती आशा कुमारी डी० शाहा और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्सा
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए/1, जो, इमारत नं० 3, पिरामल नगर,
शिवनाथ को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, एस० वी० रोड,
गोरगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-III/37 ईई/13411/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

1. मैसर्स मिटा फूड प्राइवेट्स

(अन्तरक)

2. श्री शंकरलाल एन. पटेल

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-III/37 ईई/13327/84-85—यतः, मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

औरजिमकी सं० गालानं० 16/ए, है, तथा जो, रन इंडस्ट्रियल
इस्टेट, एस० जी० रोड, गोंरेगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है
(और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की
धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 गिनम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

गाला नं० 16/ए, जो, किरन इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० जी०
रोड, गोंरेगांव (प), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-III/37-ईई/13327/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, बम्बई

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

प्रारूप अधिनियम, टी.एन.एस.—

(1) श्री केश रामन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री वि० के० मेदाशिवन नायर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता है।

अर्जन रेंज-3 बम्बई

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक है—

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-III/37-ईई/20497/84-85—आर० सु०,

ए० प्रसाद,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का भाग
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्त बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पत्र लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसमें सं० पत्र नं० 16 जो इमारत नं० एल-5,
लक्ष्मी रामना को०-ताप० चंडीनग मोनायटो लि, बांगूर नगर
गोरेगांव (प) बम्बई-90 में स्थित है (जो उक्त उपाय
अनुसूची में जो पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका संपत्ति
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन वर्णित
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-9-
1984,

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह नियामक
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितो
(अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कांथत नहीं किया गया है:—

नमूने

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का
दायित्व में कमी करने या उसमें बचत में सुविधा
के लिए; और/या

पत्र नं० 16 जो इमारत नं० एल-5 लक्ष्मी रामना को०-
आप० हांडीनग मोनायटो लि, बांगूर नगर गोरेगांव (प)
बम्बई-90 में स्थित है ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा
के लिए;

अनुसूची जैना लि० सं० आई-III/37-ईई/20497/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1984 को रजिस्ट्री किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, बम्बई

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत
नहीं, मूल्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनांक : 10-5-1985

माहूर

प्रकृष आर्.टी.एन.एस. -----

(1) श्री गोविन्दराम एच० चुताजी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पिटर ए० सधियाप और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-4/37आई/13595/84-85—यन मुर्जे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 403 जो सी०-विंग एथी सजित "अटलाटा" क्षमरत मालाड-मावे रोड मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करगनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कक्ष के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य का प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य का निर्धारण करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में लगे दृश्यमान निवेश के बन्दूक प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अधिनियम लिखित में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है—

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाह्या करता हूँ।

उक्त संपत्ति का बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्मन्वधी व्यक्तियों पर सूचना के पश्चात् 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताशरी के पान के लिए किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के तहत परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिनियम में कमी करने या उससे बचने या सूचना के लिए जारी/क

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आगिन्या को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या रिपाने में आया के लिए;

प्लेट नं० 403 आ "री" विंग एथी सजित "अटलाटा" क्षमरत मालाड-मावे रोड मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित

अनुसूची जैसा कि सं० आई-4/37आई/13595/84-85 और जो सं० सधियाप श्री बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 का रजिस्ट्री किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4 बम्बई

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग का उपधारा (1) को अधिनियम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

दिनांक 10-5-1985

सोहर ।

प्रारूप नार्ड, टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई/13499/84-85—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 1 जो लक्ष्मीनारायण शापिंग
सेंटर जंक्शन ग्राफ एम० वि० रोड और साईनाथ रोड मालाड
(प) बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णन है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-9-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वास्तव,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

- (1) श्री प्रदीपचन्द्र खिमजी गाला और अन्य
(अन्तरक)
- (2) गुलाबचन्द मुरजी शहा और अन्य ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी मांगें—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 1 जो लक्ष्मीनारायण शापिंग सेंटर जंक्शन
ग्राफ एम० वि० रोड और साईनाथ रोड मालाड (प) बम्बई—
64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/13499/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4 बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

सोहर :

प्रकृप बाई-टी. एन. एन. —

(1) मेसर्स कान्टीनेन्टल कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री रावर्ट एफ. मैडोका।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

सार्व सञ्चय

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-4/37ईई/13592/84-85—अन मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट न० 6, जा दूसरी मजिल 'आकाश-
इमारत' साईबाबा पार्क मित चौकी मालाड (प) बम्बई
64 में स्थित है (और उसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 कक्ष के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-9-1984,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्हु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में स्थिषा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप
—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

बन्तुर्णी

फ्लैट न० 6, दूसरी मजिल "आकाश इमारत" साईबाबा
पार्क मित चौकी मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-4/37ईई/13592/
84-85 और जा सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1984 का रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेज-4 बम्बई

दिनांक 10-5-1985

जोहर

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं. अई-4/37-ईई/13514/84-85—अन. मसे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन गक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- से अधिक है

श्रीर जिनकी सं. फ़ैट सं. 101, जो 411 मॉडल, जस्मिन
अपार्टमेंट, 21-22 इनामदार लेआउट, विषचीकी मालाड
(प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाधद अनुमूर्चा में
श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिनका पञ्चरनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-
1984,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि उपाधपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए नये पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से है कि किसी आय का बावजू, उक्त
अधिनियम के अधीन दूर दूर के अन्तरक के
दायित्व से कभी दूर दूर से समय बचने से सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एमें किसी आय का बावजू, जो या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) में उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में
प्रारम्भिक अन्तरिकी उपाध पकड़ करी किया
गया है, उपाध में उपाध में उपाध में
सुविधा है लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
मे. में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ---

(1) श्री पी० एम० जे० गणेश (जिफ प्रमोटर)

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रमणी गणेश गानेश

(अन्तरिकी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पक्ष लिखित में लिखा जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम में अर्थात् 20-21 में परिभाषित
है, वही स्थिति है, जो उक्त अधिनियम में दिया
गया है।

अनुसूचा

फ़ैट सं. 110 जो 411 मॉडल, जस्मिन अपार्टमेंट,
21-22 इनामदार लेआउट, विषचीकी मालाड (प), बम्बई-
64 में स्थित है।

अनुसूचा जंगल सं. सं. अई-4/37-ईई/13514/84-
85 और जो पञ्चम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 10-5-1985

माहिर

प्रकृप आई टी एन एम - - - - -

(1) श्रीमती रमा राजकुमार बमदाती।

(अन्तरक)

(2) श्री अरुण कुमार रामचरण मदान।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन्त रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अट-4/37-ईई/13252/81-85—अन मुझ

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अन्तर्गत सूचना दी जाती है कि विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट सं० सी/6 आ, ट्रेडर-1, प्लॉट नं० 18, 19, 20—ए विन्ज भालनाथ आफ मावे राउ मालाउ (प), बम्बई-64 में स्थित है (यार डाय उपाध्वर अनुसूची में आरक्षण का संज्ञित है) और जिसका राजस्वमा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269-ब के अन्तर्गत बम्बई स्थित गवर्न प्रोविडेंट फंड में जमा किया गया है दिनांक 1-9-1984,

का पूर्ववक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्ववक्त सम्पत्ति या उचित बाजार मूल्य, उक्त दरमान प्रतिफल से कम के दरमान प्रतिफल के पक्ष में प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित दिशेष से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में उचित रूप में प्रकट नहीं किया गया है।—

ह) 1. मावे राउ मालाउ (प) आर, ट्रेडर-1, प्लॉट नं० 18, 19, 20—ए विन्ज भालनाथ आफ मावे राउ मालाउ (प), बम्बई-64 में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूचना के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसार धन, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् - -

का यह सूचना जारी करके पूर्ववक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समगी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि धन में समाप्त होती है, के भीतर पूर्ववक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् उपाध्वर के पास निम्नलिखित में उक्त सम्पत्ति।

स्पष्टीकरण - मने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभिलेख

फ्लैट नं० सी/6 आ, ट्रेडर-1, प्लॉट नं० 18, 19, 20—ए विन्ज भालनाथ आफ मावे राउ मालाउ (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची नैसा 1 का सं. अट-4/37-ईई/13252/81-85 और आ नवम अधिनियम बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 का निम्नलिखित किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन्त रेज-4, बम्बई

दिनांक 10-5-1985

महेश

इसका नाम: श्री. एन. एल. एल.

(1) श्री पाशुभायी खिमजी ।

(अन्तरक)

(2) श्री मनोहरलाल लालचंद थापर और अन्य ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

प्राप्त हुआ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निवेदन सं० अई-4/37-ईई/13348/84-85—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसने
इसके पक्षस्थ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान सं० 2, जो, "महावीर" इमारत, प्लॉट
सं० 14, मिटी एम० न० 5 (अंश), वालनाथ विलेज, मालाड
(प), बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एंसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्धु

दुकान सं० 2, जो, इमारत "महावीर", प्लॉट सं० 14,
मिटी एम० न० 5 (अंश), वालनाथ विलेज, मालाड (प),
बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/13348/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक - 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

(1) श्री माईबाबा विल्डर्स प्राइवेट लि० ।

(अन्तरक्षक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अशाक नाना पाटिल ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/13679/84-85—अतः सुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 10, जो, शिव किर्ती का०आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बी-इमारत, एम० नं० 397, चिंचोली बंदर रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के शायत्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भू या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए कार्रवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहुस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 10, जो, शिव किर्ती का०आप० हाउसिंग सोसा-इटी लि०, बी-इमारत, एम० नं० 397, चिंचोली बंदर रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/13679/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

साक्षर ॥

प्ररूप बाई टी एन. एन.-----

(1) श्री माइन्दावा जेन्डर्स प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) मेस्कर मागव तन्चाग।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालिस, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/13676/84-85—अन मजे,
ए० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इनमें
हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु० से अधिक है

श्रीरंजिनकी सं० फ्लैट सं० 11, जा शिव किर्ती को०—जा०
हार्डिंग सोसायटी लि०, इमारत सं० 1—उज्ज्वल-ए, प्लॉट न०
397, चिंचोली बन्दर रोड, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित
है (श्रीरंजिनका उपावद्ध अनुसूची में श्रीरंजण नव स र्वाणत न)/
श्रीरंजिनका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेन के अनुसार अंतरित की गई
है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपर के दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पट्टे प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तर-
रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारा तय की गई कर के उसमें अन्तरक से आय का
के लिए, आर/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रभावार्थ न गिना गया हो, या जो कथित
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सूचिधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन का अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में सम्पन्न होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधास्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—यस सूचना पत्रिका में प्रकाशित की जा रही है, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 11, जा शिव किर्ती का० जाप० हार्डिंग सोसा-
यटी लि०, इमारत सं० 1, बिल्डिंग नं० 397, चिंचोली
बन्दर रोड मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/13676/84-
85 और जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
का रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

माहिर :

ब्रह्म भारती टी. एन. एस.

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 26(9) धारा 1) के अधीन मंजूर।

प्रारंभ संस्कारः

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

अजन्त रेज-3, बरार्ड

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० जई-३/३७-ईई/१३६, ५/८४-८५-अन मझे,

पृ० प्रगाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट सं. 1 जो, शिव निर्मा का आप
हाउसिंग सोसायटी लि., समस्त सं. 1 जिग-बी, एम सं. नं.
397, चिचोली बस्तर राड, सागाड (प) बस्तर में स्थित है।
(और इसमें डायट अनुज्ञा में योग्य रूप में वर्णित है),
और जिसका कार्यालय आचार्य अग्रनियम 1961 की धारा
269 तख में अधीन बस्तर में स्थित सक्षम प्रा. अधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और इससे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए यह माना गया प्रतिफल, निर्माणाखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की धीन कर या क अनुरूप के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए **नोट/बा**

(क) एसी किंवा वाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जित्ही भारतीय राज्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्वर्तितो देवांग प्रकट नहीं किया गया था या किन्दा राज्य करिग या लिखान से मुखिम के निरु।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित गतिविधि अर्थात् —

(1) श्री मा. बाबा रि.उम पाइवेट लि. ।

(अन्तरक)

(2) वा सुधीर नि। सटवापार ।

(अन्तर्गती)

को यह सूचना जारी करके पश्चात सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समझी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(क) इस सचवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उनके आधार संपादन में हितबद्ध जिनकी जन्म ग्रांस्त द्वारा सहायताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 2(1)-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रत्यक्ष

फ्लैट नं० 4, जा (नगर कौर्ती वी० आर० हाउसिंग सोसायटी लि०, उमागम नं० 1 त्रिग-बी एम० नं० 397, चिंचाली बन्दर रोड, सायाड (प), बम्बई-64 म स्थित है।

अनुसूची नैगा 10 क्र. म. ईई-4, 17-ईई/13678/84-
85 प्रौर जा मअम प्र। प्र। गरी, बसुई डार दिनाक 1-9-1984
का रजिस्ट्रड किया गया है।

॥० प्रसाद

मन्त्रम प्राधिकारी

सहायक आपत्तर आयकन (निरीक्षण)

तर्जन रेज- १ ब्रम्बर्ड

दिनांक 10-5-1985

माहुर

प्ररूप बाह्य: टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक: 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/13224/83-84—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 30, जो, दूसरी मंजिल, हेमल
अपार्टमेंट, मालवती विलेज, मालाड (प), बम्बई में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बावत
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या वस्तु वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेमर्स हेमल इण्टरप्र्राइजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पूर्णिमा मोहनदाम शेणाय ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 30, जो, दूसरी मंजिल, हेमल अपार्टमेंट, प्लाट
बेअरिंग सी० एम० नं० 19, 41 सं० 85, 5, 96, 1, विलेज माल-
वती, मालाड (प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/13224/
83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती मधु एल० स्वेत्ता और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) श्री किशू जी० अडवानी ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/20341/83-84—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि उक्त अन्तरक (अन्तरको) जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० बी/13, जो, पहली मंजिल, इमारत नालन्दा-2, प्लॉट सं० 32 और 33, विलेज बालनाय, आफ मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कागजनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए० दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयो) के बीच ए० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दर्जित करने में अधिनियम की धारा 269-घ के अधीन सूचना है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उम्मेद करने में सीमा 3, दिनांक 1-9-84

(ख) ए० किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जा सकता था, छिपाने में सीमा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित वास्तव्यो, अधिनियम

50—96 GI/85

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० बी/13, जो, पहली मंजिल, इमारत, नालन्दा-2, विलेज बालनाय, आफ मार्वे रोड, एवरशाईन नगर के पास, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/20341/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

प्रश्न आइ. टी. एन. एस. -----

सायबर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सफ़ा

भारत सरकार

कायान्वय, सहायक ज्ञायकर बाबू (निरीक्षण)

प्रतिष्ठान संख्या-३, इन्द्रावती

प्रमर्श, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अरि-3, 37-55, 13551, 83-84—अतः मुझे,
ए० प्रताप,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन मध्यम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी ग० फ्वैट न० बी-403, जो, राजन्ध्र बिहार, एवर्गार्डन समर, फार्म गेड, ऑफ मार्वे गेड, मलाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (श्रीर इसमें पात्रक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रीर जिनका कारनामा आगकर अधिनियम, 1961 की धारा 189-1, के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधि-कारी के हायालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

(क) कलकत्ता में ब्रह्मचारी संघों का गठन, जहाँ
 ब्रह्मचारी ब्रह्मचर्य का पालन करते हैं और जो
 ब्रह्मचारी संघों का उद्देश्य ब्रह्मचर्य का पालन
 करना है।

(1) श्री जयेश के० कोठारी ।

(अन्तरक)

(2) श्री फान्थोस डिक्स और अन्य ।

(अन्तरिणी)

को वह सूचना जारी करके पूर्वांश सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सन्ध्यात्ति के लक्षण के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बड़ा हो समाप्त होती है। इस भीतर प्रत्येक व्यक्तियों को से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 40 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का, जो उक्त अभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ प्राप्ता जा उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लैट नं० बी-403, जो, राजेन्द्र विहार, एवरशार्इन नगर, लिफ्टिंग रोड, ऑफ मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० ज०-3/37ईई/13551/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

॥० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

269-ग की अनुसरण
269-घ की उपभास (1)

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

प्रमुख अधिकारी, एन. एन. एन.

(1) देशमुख विलेज प्रोड्यूसर्स गि.।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री दत्तात्रय जी गावडे।

(अन्तरिती)

बाह्य सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अंश रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/13202/84-85—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० फ्लैट नं० 304 जो, तीमरी मंजिल, अजीत-
पार्क-बी, सोमवार बाजार रोड, माताड (घ), बम्बई-64 में
स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिमका कार्यान्वयन आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास

का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी बाय को बाबर, उक्त
अधिनियम के अधीन धर देने के अन्तरक के
क्षेत्र में कथित करने या उसमें बचन में गुंथना
का निषेध; और/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
गया चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिवृत्त 5—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अन्तर्गत के लिए
व्ययवाह्य करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अन्तर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तिगत पर
सूचना को नामोल्लेख से या अन्य किसी भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45दिन के भीतर उक्त स्थान पर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्यात्मिकारी को
पास लिखित में किए जाने पर;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रमाण 20-क में परिभाषित है,
वहाँ अर्थ हाथा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 304 जो, तीमरी मंजिल, अजीत पार्क-बी
सोमवार बाजार रोड, माताड (घ), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37-ईई/13202/
84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अंश रेंज-3 बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर

रूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-30 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37ईई, 13203/84-85—अतः मुझे

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 003, जो गाउण्ड फ्लोर, अजीत पार्क-बी. सोमवार बाजार रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कगारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अंतरण में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की वास्तविक से कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य वास्तविकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 3—

(1) देशमुख विल्डर्स प्राइवेट लि० ।

(अन्तरक)

(2) श्री गणेश धोंडू देसाई ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 003, जो, गाउण्ड फ्लोर, अजीत पार्क-बी, सोमवार बाजार रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई, 13203/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/13182, 84-85—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 6, जो, लक्ष्मीनारायण शापिंग सेंटर, पोदार रोड, माला (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कशरतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री रमणीकलाल मचन्द नागरेचा ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सिद्धी विनायक मिल्क सप्लायर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ:

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवम्प्रा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 6, जो, लक्ष्मीनारायण शापिंग सेंटर, पोदार रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-97 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/13182, 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री राम कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लि. ०।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहन सुबैया जेट्टी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/13307, 84-85—अन: मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० दुकान न० 24, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, श्री राम टावर्स, टैन्क लेन, ओर्लेम चर्च के पास, आफ मार्वे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (आर इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), आर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ग, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक मितम्बर, 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बम्बई

दुकान सं० 24, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, "श्री राम टावर्स" टैन्क लेन, ओर्लेम चर्च के पास, आफ मार्वे रोड, मालाड (प) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37-ईई/13307, 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष बाढ़. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) श्री राम कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लि० ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पी० एम० शेट्टी ।

(अन्तरित्री)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/13308/84-85—अनः

मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० सी०-2, जो पहली मंजिल "श्रीराम
टावर्स" टैन्क लेन ओर्लेम चर्च के पास आँप, मार्बे रोड मालाड
(प) बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची
और पूर्ण रूप से वर्णित है) /और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-9-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यहाँ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, गम्भीर दृश्यमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित्री
(अन्तरित्रीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
आवश्यक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में दिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अर्थ में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरित्री द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तिगत आक्षेप :—

प्लेट सं० सी०-2 जो पहली मंजिल "श्रीराम टावर्स"
टैन्क लेन ओर्लेम चर्च के पास आँप, मार्बे रोड मालाड (प)
बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37-ईई/13308/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक : 10-5-1985
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

(1) श्रीमती सुशीला पी० पंडित ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री प्यारबली आर० गिलानी ।

(अन्तरिती)

सार्वजनिक सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/13492/84-85--अतः मुझे

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० सी०-6 जो हिरा कुंदीर को०
आप० हाउसिंग सोसायटी लि० शिवाजी नगर दफ्तरी रोड,
मालाड (पूर्व) बम्बई-97 में स्थित है (और इससे उपात्र
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) /और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-9
1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के
बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखत में वास्तविक रूप से कीमत नहीं
किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट सं० सी०-6 जो हिरा कुंदीर को०-आप० हाउसिंग
सोसायटी लि० शिवाजी नगर दफ्तरी रोड मालाड (पूर्व)
बम्बई-97 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/13492/ 84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3 बम्बई

दिनांक : 10-5-85

माहूर :

प्रश्न बाई. टी. एन. एस.-----

(1) मेसर्स हेमल इण्टरप्रायजेस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अधिचन्दानी डी बसूमन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/13221/84-85--अतः मुझे

ए० प्रसाद,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 17 जो पहली मंजिल हेमल अपार्टमेंट्स प्लॉट सं० 19, 41, विलेज मालवनी मालाड (प) बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-9-1984

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाठ निश्चित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की वापस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वापस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

फ्लैट सं० 17 जो पहली मंजिल हेमल अपार्टमेंट प्लॉट सं० 19, 41, विलेज मालवनी मालाड (प) बम्बई में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/13221/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

दिनांक : 10-5-1985

मोहर २

प्रत्यक्ष बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/13223/84-85—अत. मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 48 जो तीसरी मंजिल हेमल
अपार्टमेंट मालवनी मालाड (प) बम्बई में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है दिनांक 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म-
गस्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(1) मेसर्स हेमल इण्टरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री शिवा एस० शर्मा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
हासिल में कमी करने या उससे बचने में सूचना
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचना के लिए;

प्लेट सं० 48 जो तीसरी मंजिल हेमल अपार्टमेंट प्लेट
सं० सी० एस० सं० 19 41 सं० 85/5 96/1 विलेज मालवनी
मालाड (प) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37ईई/13223/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-84 को
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

प्रथम भाग. टी. एन. एड. '-----'

(1) मेमर्स आगं जो० बिल्डर्स प्राइवेट लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती आय० पी० फर्नांडीस और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/13235/84-85—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति से अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सत्र में कोई भी बाधक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जो कि धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 601, जी, 6वीं मजिल, 'अटलांटा',
ई-विंग, प्लॉट नं० 38, मार्बे रोड, आफ वालनाय विलेज,
मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-
1984,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया
गया है ।

अनुसूची

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

फ्लैट सं० 601, जो 6वीं मजिल, 'अटलांटा', ई-विंग,
प्लॉट नं० 38, आफ वालनाय विलेज, मार्बे रोड, मालाड (प),
बम्बई-64 में स्थित है ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/13235/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

प्रकृत बाई. टी. एन. एह.-----

(1) मेसर्स आर० जी० विल्डर्स प्राइवेट लि० ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) श्रीमती निरा पोरन चन्द बाली ।

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/13345/83-84—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट सं० 602, जो, "एफ" विंग, 'अटलांटा', प्लॉट सं० 38, आफ वालनाय विलेज, मार्बे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के सम्बन्ध में दायित्व से कमी करने या सबसे बचने में कुविधा के लिये; और या/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में कुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 602, जो, "एफ" विंग, "अटलांटा", प्लॉट सं० 38, आफ वालनाय विलेज, मार्बे रोड, मालाड (प), बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/13345/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहुर

अरुण बाई.टी.एन.एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3/37ईई/13220/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके बजाय 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट न० 45, तीमरी मजिल, हेमल अपार्टमेंट्स,
सी० एस० न० 19, 41 विलेज मालवनी मालाड (प), बम्बई
में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसका करारनामा भाषाकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 ब अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्टर्ड है, दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
हाथिस्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य 'वास्तवों'
को जिन्हें भारतीय भाषाकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए।

वह: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा:—

(1) मेसर्स हेमल इण्टरप्रायजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री पाटिल आर० मोहन और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी जांच :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 45, जो, तीमरी मजिल, हेमल अपार्टमेंट्स, प्लाट
सं० 19, 41, विलेज मालवनी, मालाड (प), बम्बई में स्थित
है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/13220/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक भाषाकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

माहुर :

प्रथम भाग. टी. एन. एन. -----

(1) ममर्स आर० जी० विल्डर्स प्राइवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० रामकुमार।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

नारायण राव

सहायक, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/13344/83-84-अत. मुझे,
ए० प्रसाद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसका
इसके बराबर 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधिनियम द्वारा
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट सं० 201, जो, दूसरी मंजिल, "अटलाटा
ई-विंग, प्लॉट सं० 38, आफ वालनाथ विलेज, मार्बे रोड, मालाड
(प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उल्लेख अनुसूची में प्रार
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन, बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक

1-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिनियम द्वारा मुख्य रूप से कम के दरमान
प्रतिफल के लिए सम्पत्ति की गई है और न केवल विश्वास
करने का कारण है कि अध्यापक सम्पत्ति का अधिनियम
मुख्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल का
परिणत प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और सहायक
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय बाका गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में बांटा गया,
जिसमें कथित नहीं किया गया है:—(क) अंतरण से हुआ किसी आय की वारदात, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के अधिनियम
में कमी करने या उक्त बचत में सुरक्षा के लिए,
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 21) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया गया था, छिपाते थे सुरक्षा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिनियम:—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिनियम के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिनियम के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तक्षेप
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोभनीयता के साथ
लिखित में किया जा सकेगा।स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनसूची

फ्लैट सं० 201, जो, दूसरी मंजिल, "अटलाटा", ई-विंग,
प्लॉट सं० 38, आफ वालनाथ विलेज, मार्बे रोड, मालाड (प),
बम्बई-64 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37-ईई/13344/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।ए० प्रसाद,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, बम्बई।

दिनांक 10-5-1985

मोहर

प्रकाश बाई. टी. एन. एस. ----

(1) मेसर्स थान्नीला कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री फ्रान्सीस पी० डिसेजा ।

(अन्तरिती)

सहायक आयकर आयुक्त

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/20353/83-84—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन तबका प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 1, जो, पहली मंजिल, प्लॉट सं० 6,
सम्राट इमारत, जन कल्याण नगर, मालाड, बम्बई-68 में स्थित
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269-ग के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ----

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कभी करने या उन्हे करने से इतिहास
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सहिष्णुता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के क्रय के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बंधोदस्तावरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 1, जो, पहली मंजिल, प्लॉट सं० 6, इमारत सम्राट
जन कल्याण नगर, मालाड, बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37-ईई/20353/83-
84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-84
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेंट रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985
मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

(1) सेसर्स आर० जी० विल्डर्स प्राइवेट लि० ।

(अन्तरक)

(2) मास्टर जयेश गुप्ता (मायनर)

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/13234/84-85—अनः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 102, जो, पहली मंजिल, ए-विंग,
'अटलांटा', मार्वे रोड, मालाड, बम्बई-64 में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के
अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
दिनांक 1-9-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
वायित्व के लिए; और/या

(ख) एनी किसी आय या किसी धन या अन्य आगियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 102, जो, पहली मंजिल, "ए" विंग, "अटलांटा",
मार्वे रोड, मालाड (प); बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-4/37-ईई/13234/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985

मोहर :

प्रकट बाई.टी.एन्.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश म० अई-3/37-ईई/13381/84-85--अन मुझे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिनकी म० प्लॉट न० एच/3-ए, जो, 1 ली मजिल,
हरीद्वार-1, प्लॉट न० 18-19-20-ए ग्राफ विहलेज वालनाय,
मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है। (और इसमें
उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिनका
करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 1 मिनस्वर 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अद्भुत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सूचना
दे लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था कि किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूचना के लिए

अन अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

52—96GI/85

(1) मेमर्स एवरशाईन विल्डर्स,
प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पादेवी भोलानाथ माण्डर।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के बर्चन की सम्बन्ध में कोई भी बाधाएं :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों व
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और वाक्यों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० एच/3-ए, जो, 1 ली मजिल,
हरीद्वार-1, प्लॉट न० 18-19-20-ए, विहलेज वालनाय, मालाड (प०),
बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैमाकी क्र०स० अई-4/37-ईई/13281/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहुर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/13680/84-85—अतः मुझे,
ए० प्रसाद
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है
श्रीर जिमकी सं० शिव किर्ती को-आप० हाउसिंग सोसाइटी
लि० इमारत नं० 1-डब्ल्यू-“ए”, एस नं० 397, चिचोली
बंदर रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर 1984।
तो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
गुन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की, वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वयण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री साई बाबा बिल्डर्स,
प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) श्री हेमंत पदमनाथ पुथरान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाबदूध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है :

अनुसूची

शिव किर्ती को-आप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, इमारत
नं० 1-डब्ल्यू-“ए”, एस नं० 397, चिचोली बंदर रोड,
मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० अई-4/37-ईई/13680/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

बहुम भाई टी. एन. एस. -----

(1) मेसर्स हेमल इंटरप्रायसेस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री देवेंद्र कुमार कौरा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/13226/84-85—अतः मुझे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिमकी सं० फ्लैट नं० 47, जो, 3 री मंजिल, हेमल
अपार्टमेंट, मालवनी, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।
(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथार्थपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
नामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
चिह्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहंस्पाक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 47, जो, 3 री मंजिल, हेमल अपार्टमेंट,
विहलेज मालवनी, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।
अनुसूची जैसाकी क्र०सं० आई-4/37-ईई/13226/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री माई बाबा विल्डर्स,
प्रायवेट लि०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री अशाक एम० केलकर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/13681/84-85—अतः मुझे,
ए० प्रसादआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट न० 14, जो, शिव किर्ती को-आप०
हाउसिंग सोसाइटी लि०, इमारत न० 1-डब्ल्यू-“ए”, सर्वे
न० 397, चिंचोली बदर रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-
64 में स्थित है। (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख,
1 सितम्बर 1984,को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 14 जो, शिव किर्ती को-आप० हाउसिंग
सोसाइटी लि०, इमारत न० 1-डब्ल्यू-“ए”, सर्वे न० 397,
चिंचोली बदर रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित
है।अनुसूची जैसाकी क्र०स० आई-3/37-ईई/13681/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहुर

प्ररूप आई. टी. एन. एन. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/13674/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 11 जो शिव किर्ती को-आप०
हार्डसिंग मोसाइटी लि० इमारत नं० 1 विंग-बी एस० नं०
397 चिंचोली बंदर रोड मालाड (पश्चिम) बम्बई-54
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1
मितीम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री साई बाबा विल्डर्स
प्रायवेट लि०

(अन्तरक)

(2) श्री विनायक आर० शिंगारपुरे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 11 जो शिव किर्ती को-आप० हार्डसिंग
मोसाइटी लि० इमारत नं० 1 विंग-बी एस० नं० 397
चिंचोली बंदर रोड मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र०सं० आई-3/37-ईई/13674/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

प्रकृष माह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/13675/84-85—अनः मुझे
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 4 जो इमारत नं० 1 विग-ए
शिव किर्ती को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि० चिंचोली बंदर
रोड मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है। (और
इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 सितम्बर 1984

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
कहने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाव की वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरक के वास्तव में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
कई/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रवचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री साई बाबा बिल्डर्स
प्रायवेट लि०

(अन्तरक)

(2) श्री आर०वी० यादव
और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूची

प्लेट नं० 4 जो इमारत नं० 1 विग-ए शिव किर्ती
को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि०, चिंचोली बंदर रोड,
मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुमूची जैसाकि क्र०सं० अई-3/37-ईई/13675/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री साईबाबा बिल्डर्स
प्रायवेट लि०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती वि०वि० बक्सी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/13677/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निवेदन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 16 जो शिव किर्ती को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि० इमारत नं० 1 विंग-ए एम०नं० 397 निचोली बंदर रोड मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 मिनस्वर 1984

को पदोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापदोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित है रास्तेविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बावत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/अथ

(2) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के दुरुपयोग अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, अध्याय में सूचना के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, जो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्लेट नं० 16, जो शिव किर्ती को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि० इमारत नं० 1 विंग-ए एम०नं० 397 निचोली बंदर रोड मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं० आई-3/37-ईई/13677/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर

प्रत्यक्ष भावः टी. एन. एच.-----

(1) मेसर्स आर०जी० विल्डर्स
प्रायवेट लि०

(अन्तरक)

भाषकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) कुमारी भारती मुरजानी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/13236/84-85—अमे: मुझे

ए० प्रसाद,

भाषक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 701 जो 7 वीं मंजिल "अंट-लांटा इ-विंग प्लॉट नं० 38, आफ् वालनाय व्हिनेज मार्बे रोड मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 सितम्बर 1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल, से ऐसे दायमान प्रतिफल का बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में भाविता के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तव्य को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 701, जो 7 वीं मंजिल "अंटलांटास्" इ-विंग प्लॉट नं० 38 आफ् वालनाय व्हिनेज मार्बे रोड मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं० अई-3/37-ईई/13236/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

माहुर :-

प्रत्यक्ष आर्थ. टी. एन. एस. -----

(1) श्री पंकज चंपकलाल चौधरी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री विरेंद्र कुमार बाबूनाथ जैन और
नितेश विरेंद्र कुमार जैन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

नितेश सं० अई 3/37 ईई/20531/83 84--अन. मुले,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जेड नं० 140, जो, पारम इंडस्ट्रियल
इस्टेट, रामचंद्र लेन (एक्मटेशन), मालाड (पश्चिम), बम्बई-
64 में स्थित है (और इसमें उपाधुद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
1 मितम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अद्ययमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अभावपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल के
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
रखा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
अंशित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शांख्य में कमी करने या उसमें बचने में सूचिधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

53—96 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जेड नं० 140, जो, पारम इंडस्ट्रियल इस्टेट, रामचंद्र
लेन (एक्मटेशन), मालाड (पश्चिम), बम्बई 64 में स्थित
है।

अनुसूची जैसाकि सं० अई 3/37 ईई/20531/84/85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहूर

प्रकाश जाई टी. एन. एल. ---

(1) श्री पी.एम. जेणाय।

(प्रतिरत)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सुरेश वातराम पाटील और
पी.एम. पार्टी।

(प्रतिरति)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं. आई-3/37-ईई/13513/84-84---अत. मजे,
ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन यथाप्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट न० 01, जो, ग्राउंड फ्लोअर, जस्मिन
अपार्टमेंट, 21-22, मिनचौकी, मावाड (पश्चिम), बम्बई-
64 में स्थित है। (और इसमें उपावृद्ध प्रतिसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिनका बराबरनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन, बम्बई
स्थित मक्षम प्राविशारी के कार्यालय से रजिस्ट्री है, तारीख
1 सितम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन 21 दल के अन्तरक 3
अधिकृत से कमी करने या उससे बचने में सविध
के लिए; और/या

(ख) सभी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रावधानों अन्तर्गत द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, अधिनियम में सूचित
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

उक्त अधिनियम के अधिनियम में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि में सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में 2 किमी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि में सम्बन्धी व्यक्तियों में हितवद्ध
व्यक्तियों में 2 किमी व्यक्ति द्वारा, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में 2 किमी व्यक्ति द्वारा,

स्पष्टीकरण : इन पूर्वोक्त शर्तों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 01, जो, ग्राउंड फ्लोअर, जस्मिन अपार्टमेंट,
21-22, मिनचौकी, मावाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित
है।

प्रतिसूची तैनात क्र० सं. आई 3/37 ईई/13513/84-85
और का मक्षम प्राविशारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद

मक्षम प्राविशारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख 10-5-1985

मोहर :

प्रश्न आर्.टी.एन.एस.-----

(1) श्री प्रियवदन मेहता ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई 3/37-ईई/20433/83-84---अतः मुझे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्की सं० प्लॉट नं० ड/10, जो, एम० नं० 26, एच०
नं० 1, सीटीएन नं० 307/16, विंकेज बालनाथ, मालाड
(पश्चिम), बम्बई में स्थित है। (और इनमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिन्का सरासरीमा
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन,
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
तारीख 1 नवम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए० दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ए० अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ए० किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) मेनई अनीता इन्टरप्रायजेस ।

(अन्तर्लिखी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गढ़ों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लॉट नं० ड/10, जो, एम० नं० 26, एच० नं० 1,
सीटीएन नं० 307/16, विंकेज बालनाथ, मालाड (पश्चिम),
बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैनाकी क्र० सं० आई 3/37-ईई/20433/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर

प्रकरण आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री जयश्री पी० मेहता ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) जेम्स अनीता इन्टरप्रायजेन्स ।

(अन्तर्गती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/20432/83-84-अन मुझे,
ए० प्रभाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3/11, जो, सर्वे नं० 26, एच० नं० 1, सीटीएम नं० 307/16, विल्हेज बालनाथ, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है। (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आम्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3/11, जो, सर्वे नं० 26, एच० नं० 1, सीटीएम नं० 307/16, विल्हेज बालनाथ, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई 3/37-ईई/20432/84 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 का रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रभाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख . 10-5-1985

मोहर ३

प्रश्न बाई. टी. एच. एच.-----

(1) मेसर्स मिनल इन्टरप्रायजेस।

(अन्तरक)

(2) अपना डेव्हलोपमेंट सोसाइटी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

माउस सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/20528/83-84—अतः मुझे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 12, जां, जनकल्याण नगर,
व्हिंलेज मालवनी, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तर्क के कार्यालय
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 12, जां, जनकल्याण नगर, व्हिंलेज मालवनी,
मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं० अई-3/37-ईई/20528/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. -

(1) मेसर्स देवेश बिल्डर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एम०एम०, छेडडा और
एम०एम० छेडडा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/20519/84-85—अनः सुने,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस
दस्तावेज के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह धियान करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट न० 2, जो, 1वीं मंजिल, देवेश
अपार्टमेंट 1, प्लॉट न० 51 और सर्वे न० 6, मौजे बाधवान
तुर्के, मालाड, बम्बई में स्थित है। (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जमा कराने
नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, तारीख 1-9-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
काम का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पेड़ प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के तालिन्
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्व
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसारण
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था,
किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात्सक्षम प्राधिकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 2, जो, 1 वां मंजिल, देवेश अपार्टमेंट न० 1,
प्लॉट न० 51 और सर्वे न० 6, मौजे बाधवान तुर्के, मालाड,
बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जमाका क्र० सं० आई-3/37-ईई/20519/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री एम०वी० जैन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मेमसे ला ब्रिन्ड कन्सुमन्स ।

(अन्तर्गती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/20346/84-85—अन' मुझे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट आफ लैंड बेअरींग ग्रोल्ड सर्वे० नं०
177, एच० नं० 2 और सी०टी०एम० नं० 166, मन्वुभाई
रोड, मालाड (पूर्वी), बम्बई में स्थित है। (और इससे
उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से घोषित है), और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,
ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि मर्यादपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकी) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एवं अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में सम्पादित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट आफ लैंड बिल्डिंग ग्रोल्ड सर्वे० नं० 177, एच०
नं० 2, सी०टी०एम० नं० 166, मन्वुभाई रोड, मालाड
(पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० आई-3/37-ईई/20346/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

स्थान :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/13529/83-84—अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लॉट नं० 1, जो, गोरस वाडी, जी०बी० रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है। (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सहायता के लिए; और/वा

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :—

(1) श्री प्रमिलाबेन नारायण वि० मेहता।

(अन्तरक)

(2) श्री के० रामन पिल्लाई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1, जो, गोरस वाडी, जी०बी० रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० आई-3/37-ईई/13529/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहुर

प्रकट जाह्नू टी. एच. एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० 926/85-86—अतः मुझे, ए० प्रसाद,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 612, जो 6 वीं मंजिल, सुख सागर
सोसाइटी, पुष्पा पार्क, दफ्तरी रोड, मालाड (पूर्व) बम्बई में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
क, ख के अधीन बम्बई में स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के बिना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सविधा के बिना,

(1) श्रीमती किरन ए० शिवेरी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बनावार्ई पंडित काले
और अन्य।

(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के बिना
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के
साथ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 612, जो, 6 वीं मंजिल, सुख सागर सोसाइटी
पुष्पा पार्क, दफ्तरी रोड, मालाड, (प०) बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० अई-3/37-ईई/13362/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्नात :—
54—96 GI/85

शक्य बाई. टी. एन. एड. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/20530/84-85—यन: मुझे,
ए० प्रभाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 9, 11 और 12, जो, जन-
कल्याण नगर, व्हिलेज मालवनी, मालाड (पश्चिम), बम्बई
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1
सितम्बर, 1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक
है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बाब की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
दे लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किमा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स शांघ्रीला कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स मिनल इंटरप्रायजेस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिद्धि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 9, 11 और 12, जो, जनकल्याण नगर,
व्हिलेज मालवनी, मालाड (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र० सं० आई-3/37-ईई/20530/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रभाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) नहार बिल्डर्स (इंडिया)

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-8, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/13413/83-84—अतः मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 304, जो, 3री मंजिल, निलगिरी अपार्टमेंट्स "ए" विंग, शांती नगर के सामने, मिलाप थियेटर के पास, एस०वी० रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है। (और इससे उधावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्री सुभाष भागूभाई दामानिया और
श्रीमती मंजरी एस० दामानिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 304, जो, 3री मंजिल, निलगिरी अपार्टमेंट्स, "ए" विंग, शांती नगर के सामने, मिलाप थियेटर के पास, एस०वी० रोड, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं० आई-3/37-ईई/13413/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

रक्षक आई.टी.एच.एच.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/13432/84-85—अतः मुझे,
ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 604, जो, 6 वीं मंजिल, श्री
राम अपार्टमेंट्स, प्लान्ट नं० 446, सी-विंग, एस०वि० रोड,
मिलाप सिनेमा के पास, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में
स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूत यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी भाग की बाधत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वस्तुओं
को बिना भारतीय नायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या किना जाता चाहे या, जिन्हें वे सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

(1) मेसर्स संघवी कन्स्ट्रक्शन्स कंपनी।

(अन्तरक)

(2) श्री एम०यू० शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
काबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयोग्यताधारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सूचनाकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के बंधाव 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस बंधाव में दिए
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 604, जो, 6 वीं मंजिल, श्रीराम अपार्ट-
मेंट्स, प्लान्ट नं० 440, सी-विंग, एस०वि० रोड, मिलाप
सिनेमा के पास, मालाड (पश्चिम), बम्बई-64 में स्थित
है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० अई-3/37-ईई/13432/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-198
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

प्रत्यक्ष भाषा, टी. एन. एच. -----

(1) मेमर्स मिनिट इंटरप्रायजेस।

(अन्तरक)

(2) अपना डेव्हलपमेंट सामाइट।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई 3/37 ईई/20529/83 84---अतः गुप्त,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट न० 9, जो, जनकल्याण नगर सिद्ध, विल्हेज भालवनी, बम्बई में स्थित है। (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 नवम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में लाभ का हेतु; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहता था, अथवा में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, द्वारा :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों की सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरों के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

अध्यापकः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० 9, जो, जनकल्याण नगर सिद्ध, विल्हेज भालवनी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैमाकी क्र० सं० आई 3/37 ईई/20529/84 8 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3, बम्बई

तारीख . 10-5-1985
मोहर

प्रमुख कार्य. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/13564/84-85—अतः मुझे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट और पार्सल आफ लैंड विडिंग प्लॉट
नं० 15, विल्हेज कुरार, मालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित
है। (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984।

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
रिती (अन्तरिचियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री आर०डी० इंदुलकर
और अन्य।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सी०के० विल्डर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट और पार्सल आफ लैंड विडिंग प्लॉट नं० 15,
विल्हेज कुरार, मालाड (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैमाकी क्र० सं० अई-3/37-ईई/13564/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेहता आसोभिण्टम ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) पारुद इटरप्रायजेस ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके प्राप्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्रवाई शुरू करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोपद्रवः--

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं० आई-3/37-ईई/13522/84-85-यल., मुंबे,
ए० प्रसाद,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसके
द्वारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जी, 9वीं मंजिल, डी-विंग,
इमारत नं० 6, दामोदर पार्क, एल०बी०एम० मार्ग, घाट-
कोपर (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है (और इसमें
उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269
क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, तारीख 1 सितम्बर, 1984

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
संग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को वास्तव उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व
में कमी अर्जन या उक्त अर्जन में भूविधा के लिए,
और/या

फ्लैट नं० 1, जी, 9वीं मंजिल, डी-विंग, इमारत नं०
6, दामोदर पार्क, एल०बी०एम० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम),
बम्बई-86 में स्थित है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
अनुसूची अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अनुसूची के अन्तर्गत क्र० सं० आई-3/37-ईई/13522/84-85
और जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37 ईई/20310/84-85---यतः, मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जों, 2री मंजिल, विंग-ए,
इमारत नं० 3, दामोदर पार्क, एल०बी०एम० मार्ग, घाटकोपर
(पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 का, के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, तारीख 1 मितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

इतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) कुमारी काशी पंचपेगन ।

(अन्तरक)

(2) गान्धन इंटरप्राईज ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, जों, 2री मंजिल, ए-विंग, इमारत नं०
3, दामोदर पार्क, एल०बी०एम० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम),
बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०नं० आई-3/37-ईई/20310/84-85
और जों सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेहता ग्रामोन्निष्ठता।

(अन्तरक)

(2) पावन इंटरप्रॉज।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/13618/84-85-यनः, मुंबे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो, 5वीं मंजिल, "डी"
विंग, इमारत नं० 6, दामोदर पार्क, एल०बी०एस० मार्ग,
घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है (और इसमें उपाध्व
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका
नगरपालिका आयकर अधिनियम, 1961 की धारा
269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 मिनस्वर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी लाभ की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) एता किसी आय या किसी धन अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
55—96 GI/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 2, जो, 5वीं मंजिल, विंग-डी, इमारत
नं० 6, "दामोदर पार्क", एल०बी०एस० मार्ग, घाटकोपर
(पश्चिम), बम्बई 86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-3/37-ईई/13618/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985
माहुर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेहता आर्मेसिएट।।

(अन्तरिक)

(2) पारल इंटरप्रायजेस।

(अन्तरिक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई 3/37 ईई/13527/S1 85--अन मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट न० 1, जो.5 वीं मंजिल, विंग-डी, इमारत न० 6, दामोदर पार्क, एन०बी०एम० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई 86 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करार नामा प्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 नितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 दिनों की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिए गया है।

अनुसूची

फ्लैट न० 1, जो. 5वीं मंजिल, विंग डी, इमारत न० 6, दामोदर पार्क, एन०बी०एम० मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई 86 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० आई 3/37 ईई/13527/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

(1) स्टार बिल्डिंग 1

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मनमोहन गुप्ता और
नितित एम० गुप्ता ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के साथ
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/20537/84-85—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट न० 102, जा, 1 ली मंजिल, मा-
विना अपार्टमेंट्स, प्लॉट न० 7 और 8, अमल्फा व्हिलेज,
हाम गार्ड पव्हेलियन के पास, घाटकापर (पश्चिम) बम्बई-
84 में स्थित है (और इनमें उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका कारारनामा आयकर
अधिनियम, 1961 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रजिस्ट्री है, तारीख
1 नवम्बर 1984

के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पेह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से पूर्व किसी भाग की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
धार्यत्व में कमी करने या उससे सूचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

फ्लैट न० 102, जा, 1 ली मंजिल, मा-विना अपार्टमेंट्स,
प्लॉट न० 7 और 8, अमल्फा व्हिलेज, हाम गार्ड पव्हेलियन
के पास, घाटकापर (पश्चिम), बम्बई 84 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र० सं० आई-3/37-ईई/20537/84-85
और जा सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धारा 269-घ

तारीख 10-5-1985

माहूर :

प्रत्यक्ष भाषा टी.एन.एस.-----

(1) श्री टाटा पांचवीं तारीख।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रजापति आगव चौधरी।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निदेश सं. अई-3/37-ईई/20532/84-85--अत. मुजे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट बी 1 इमारत में, जो, हिमाचल
पार्वतीय कॉन्ग्रेशन हाउसिंग सोसाइटी लि., गोविंद नगर,
असलफा, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-84 में स्थित है
(और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961
की धारा 269-अ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 मितम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) बम्बई के एक फ्लैट बी 1 आय का आय, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाद में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अन्तर्गत
है, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उद्देश्य (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट बी 1 इमारत में, जो, हिमाचल पार्वतीय का-
ग्रेशन हाउसिंग सोसाइटी लि., गोविंद नगर,
असलफा, घाट-
कोपर (पश्चिम), बम्बई 84 में स्थित है।

अनुसूची जैमाकी क्र० सं० अई-4/37-ईई/20532/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-3, बम्बई

तारीख 10-5-1985

मोहर ३

प्रकृष बाईः टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब
(1) के अधीन सूचना.

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/13502/84-85--यतः, मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 3 जो ग्राउंड फ्लोअर, महेंद्र
विला को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि० प्लॉट नं० 105,
30 फिट रोड, निलक रोड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में
स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुए किसी आय का वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कभी करने वा उससे अलग में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
वा वा किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती पुष्पा नरोत्तम गोदाविया और
श्री नरोत्तम हरीदास गोदाविया।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राधादेन गोपालदास मजिथिया और
श्रीमती प्रविणादेन अशोक कुमार मजिथिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काह भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 3, जो, ग्राउंड फ्लोअर, महेंद्र विला को-ऑप०
हाउसिंग सोसाइटी लि० प्लॉट नं० 105, 30 फिट रोड,
निलक रोड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है

अनुसूची जैसाकि क्र०सं० अई-3/37-ईई/13502/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री रवी सुगन्तवद गुप्ता

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पटेल दवेगीभाई डाह्याभाई

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/20311/84-85—यतः, मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

(जिसकी सं० कमरा नं० 1383 जो इमारत नं० 47, "सुप्रभात" को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि० पत नगर, घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-75 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारगन्तामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकी को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्याहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कमरा नं० 1383 जो इमारत नं० 47, "सुप्रभात" को-ऑप० हाउसिंग सोसाइटी लि० पत नगर, घाटकोपर (पूर्व) बम्बई-75 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी सं० आई-3/37-ईई/20311/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

प्रकरण बाई-टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

आयकर सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/13484/84-85—यत, मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० बी-9 और बी-11, जो, सीटी
एन नं० 310, 304, 306, व्हिजेन ग्रामल्पा बम्बई-84 में
स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितीया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम, के अधीन के अन्तरण के अन्तर्गत के
वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के पयान्तार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अन्तर्गत
में यह उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री योगेश्वर अमरनलाल दसाई

(अन्तरक)

(2) श्री प्रारण महादेवन और
श्रीमती प्रेमना एन० गहा

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितीयो

(वह व्यक्ति जिसके
ग्रामिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० बी-9 और बी-11, जो, सीटीएन नं० 310,
304, 306, व्हिजेन ग्रामल्पा बम्बई-84 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की सं० आई-3/37-ईई/13484/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3 बम्बई

तारीख 10-5-1985

माहुर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) ट्रस्टी ऑफ एम०बी० नहार
फैमिली ट्रस्ट।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स नहार विल्डम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/20524/83-84—अनः मुझे

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट ऑफ लैंड 1368 स्केअर मीटरस
बेअरींग एम० सं० 428 एच० सं० 7 सीटीएम सं० 27
कोले कल्याण वाकोला सांताक्रूझ (पूर्व) बम्बई में स्थित
है। (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एकद्वि प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में अधिकतम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या नसबे बनने में सहायता
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तिगत
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट ऑफ लैंड 1368 स्केअर मीटरस कोले कल्याण
वाकोला सांताक्रूझ (पूर्व) बेअरींग एम० सं० 428 एम० सं०
7 सीटीएम सं० 27 बम्बई में स्थित है

अनुसूची जैमावी क्र० सं० आई-3/37-ईई/20524/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

माहद

सक्षम धार्म. टी. एन. एच. -----

(1) मेसर्स एम० बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स रमेशचंद्र सहना एण्ड कंपनी ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 (ब) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/13312/84-85—अनः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह पत्राचार धारण का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 4 जो ग्राउंड फ्लोअर स्वा-
स्तिक चेंबर्स पाइप रोड, कुर्ला (पश्चिम) बम्बई-70 में
स्थित है। (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-9-1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
द्वारिका में कमी करने या उसमें बढ़ने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्खास्त—

56—96 GI/85

और यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों 45
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये
गये हैं।

अनुसूची

दुकान नं० 4 जो ग्राउंड फ्लोअर स्वास्तिक चेंबर्स,
पाइप रोड कुर्ला (पश्चिम) बम्बई-70 में स्थित है

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० अई-3/37-ईई/13312/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहूर :

प्रकृष बाई टी. एच. एच.-----

(1) पारल डटग्राईज ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री ग्रशोक सी० शर्मा ।

(अन्तरिती)

आगत सूचनाएँ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देशन सं० अई-3/37-ईई/13524/84-85---अन० मुप्र,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट न० 2 जो 9 वीं मजिल विग-सी,
इमारत न० 6 दामोदर पार्क प्ल०बी०एम० मार्ग धाट-
कोपर (पश्चिम) बम्बई-86 में स्थित है (और इसमें उपा-
वद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
कारणनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269
क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है तारीख 1-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बात की बाबत. उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचन में सुविधा
की लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम का
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

प्लेट न० 2 जो 9 वीं मजिल विग-सी इमारत न०
6 दामोदर पार्क प्ल०बी०एम० मार्ग धाटकोपर (पश्चिम),
बम्बई-86 में स्थित है ।

अनुसूची जमाकी सं० अई-3/37-ईई/13524/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई आग दिनांक 1-9-1984
का रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेज-3 बम्बई

तारीख 10-5-1985

माहूर .

प्रकरण आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती विना टी० पंजाबी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती एस०एन० रधानी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/20396/84-85—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० ए/8 जो इमारत नं० 9 स्वामी निला गहा सोसाइटी मंघवी इस्टेट घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई-86 में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका क्रयनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० ए/8 जो इमारत नं० 9 स्वामी निला गहा सोसाइटी मंघवी इस्टेट घाटकोपर (पश्चिम) बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जमाकी क्र० सं० आई-3/37-ईई/20396/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

रक्षक बाई.टी.एन.एच.-----

(1) मैसर्स एम० बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) श्री मनसुख नरशी शहा

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन्त रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/20330/84-85—यतः, मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 14, जो ग्राउन्ड फ्लोर, स्वास्तिक् चेंबर्स कुर्ली, बम्बई-70 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से ऐसे दरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 14 जो ग्राउन्ड फ्लोर स्वास्तिक् चेंबर्स, कुर्ली, बम्बई-70 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क्र०सं० अई-3/37-ईई/20330/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन्त रेंज-3 बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/13186/83-84—अतः मुझे,
ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 10 जो 5 वीं मंजिल मोरार
बाग प्लाट नं० 203/4 आर बी० मेहता मार्ग, घाटकोपर
(पूर्व) बम्बई-77 में स्थित है। (और इसमें उपावद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के
अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री
है, तारीख 1-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-
रिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स मयूरी विल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री महेशकुमार बाबूलाल शहा और
श्रीमती शकुंतला एम० शहा।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरीतीयों।

(वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 10, जो 5 वीं मंजिल मोरार बाग, प्लॉट
नं० 203/4 आर बी० मेहता मार्ग घाटकोपर (पूर्व),
बम्बई-77 में स्थित है।

अनुसूची जिसकी क्र०सं० आई-3/37-ईई/13186/84-85
और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984
को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-5-1985
मोहर :

प्रूप. आई. टी. एन. एच. - - - -

(1) ममिग बिलडम अन्ड डेव्हलपर्स।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती ग्रायडा राचे।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० अई-3/37 ईई/20305/84-85—अन मुझे,

ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट न० 3 जा 2री मजिल हाली व्ह्यू कोलीवारी व्हिलेज रोड कार्लिना मानाकूज (पूर्व) बम्बई-29 स्थित है। (जो इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-9-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल में, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का बड़ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित शास्त्विक रूप में कथित नहीं किया गया है - -

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक के शायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 21) के अधिनियमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रत्यक्ष में लिया गया या दिया जाता है या जो कि किसी अन्य व्यक्ति के लिए

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट न० 3, जा 2री मजिल हाली व्ह्यू कोलीवारी व्हिलेज रोड कार्लिना मानाकूज (पूर्व) बम्बई-29 में स्थित है।

अनुसूची जमाकी क्र० सं० अई-3/37-ईई/20305/84-85
जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-1984 को रजिस्ट्री किया गया है।

ए० प्रसाद

मक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक : 10-5-1985

माहुर ।

प्रश्न बाई.टी.एन.एच.

(1) उम्मीदगुलाम बोधकर
और अन्यआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) एंथारो भगत अण्ड प्रदमे

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, नई दिल्ली

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मूल्य के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

बम्बई, दिनांक 10 मई 1985

उक्त सम्पत्ति के मूल्य के सम्बन्ध में कोई भी वादोपवाद--

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/000131/83-84--अन: मुझे
ए० प्रसाद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० अश्रीकल्बर लैंड व्हिलेज मुध तालूका
अंधेरी एम०न० 78 (अं) आर० सी०एम०न० 1081 (बी)
बम्बई में स्थित है (जो एमन उपायुक्त प्रमस्वी में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख
1-9-1984का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और इस पर विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच इसे सम्पत्ति के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्धरण से उक्त अन्तरक निम्न या वास्तविक
रूप में अधिक नहीं किया गया है --(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबक, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) एही किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
यथा-कहा अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता था कि या छिपाव में
सुविधा के लिए;अतः कि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के बीच(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अश्रीकल्बर लैंड व्हिलेज मुध तालूका अंधेरी एम०न०
78 (अं) आर० सी०एम०न० 1081 (बी) बम्बई में
स्थित हैअनुसूची जमाकी सं० आई-4/37-ईई/000131/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

संकेत :

प्ररूप आई. टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मई 1985

निर्देश सं० आई-3/37-ईई/20484/84-85—अतः मुझे
ए० प्रसादआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्रॉपर्टी बेअरींग सी०डी०एस०नं० 10बी/12,
प्लॉट नं० 9 प्लॉट नं० 3 सर्वे नं० 212 बांम्बे तालुका
कुर्ना डिस्ट्रिक्ट मानचुर्द डिविजन बम्बई स्थित है।
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
तारीख 1-9-1984।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
जसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा(ख) ऐसे किसी बाव या किसी धन या अन्य जास्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती इंद्राणी मलिक और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एनिशावेथ इझरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बनसूची

प्रॉपर्टी बेअरींग सी०डी०एस०नं० 10बी/12 प्लॉट नं०
9 प्लॉट नं० 3 सर्वे नं० 212 बांम्बे तालुका कुर्ना
डिस्ट्रिक्ट मानचुर्द डिविजन बम्बई में स्थित हैअनुसूची जैसाकी फ०सं० आई-3/37-ईई/2004/84-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-9-
1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 10-5-1985

मोहर

प्रकट आई. टी. एन. एस. -

(1) श्रीमती आशा एम० के० बलरामणि ।

(अन्तरक)

(2) श्री घनश्यामदाम साखारणि ।

(अन्तरिनी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(ब) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 27 मई 1985

निदेश सं० सी० ए० 57/85-86/एम० ए० आई० ए० सी०/एफ्यु० रेंज, कलकत्ता—अन. मुद्दे, एम० के० वनजी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 2 है तथा जो 38 स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सी ए आई ए सी, एफ्यु आर, कलकत्ता से रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-9-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिनीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वापस न करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी भू या अन्य जास्तिबो को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भू-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

57—96 GS/85

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

2 38 स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित मकान संगम का छटा नल्ला में फ्लैट नं० जी-6 जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 कलकत्ता के पास विरियल नं० सि० ए० 57 के अनुसार 5-9-1984 तारीख में रजिस्ट्री हुआ ।

एम० के० वनजी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

दिनांक : 27-5-1985

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 11th May, 1985

No. F. 2/85-SCA(1)—The Hon'ble the Chief Justice of India has confirmed the following Officers of this Registry with effect from May 10, 1985 and appointed them substantively to the post shown against each :

| Sl. No. | Name | Present post held | Post in which confirmed |
|---------|-------------------------|---|-------------------------------------|
| 1 | | 3 | 4 |
| 1. | Shri P. C. Kumar | Offg. Principal Private Secretary to the Hon'ble the Chief Justice of India (Ex-cadre). | Private Secretary to Hon'ble Judge. |
| 2. | Shri K. C. Dasg | Offg. Court Master | Court Master |
| 3. | Shri Gulshan Rai Sharma | Offg. Court Master | Court Master |

S. GHOSH
Asstt. Registrar (Admn)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 11th April 1985

No. A 38012/5/84-Admn.L.—In supersession of this office notification of even number dated 28th February, 1985 the President is pleased to permit Shri M. A. Ganapathy Ram a permanent Grade I officer of the CSS and officiating as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission to retire from Government Service with effect from the afternoon of the 28th February, 1985 at his own request in terms of Rule 48(i)(a) of CCS (Pension) Rules, 1972.

M. P. JAIN
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING
ADMINISTRATIVE REFORMS AND PUBLIC
GRIEVANCES AND PENSIONDEPARTMENT OF PERSONNEL & TRAINING
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 16th May 1985

No. S-5/70-AD.V.—Shri K. Rehman, Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation relinquished the charge of his office in the afternoon of 30th April, 1985 on superannuation.

The 18th May 1985

No. S/10/73/AD.V.—The services of Shri S. R. Jaiswal, Dy. Superintendent of Police in Central Bureau of Investigation are placed at the disposal of the Oil & Natural Gas Commission, New Delhi with effect from the afternoon of 30th April, 1985 for appointment as Dy. Director (P&A) (vig) on deputation

CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY

New Delhi-110003, the 18th May 1985

No. 1-16/84-CFSL/3976.—In continuation of this office Notification of even number dated 30th August 1984, the President is pleased to appoint Dr. A. K. Ganuly, Senior Scientific Officer Grade-I (Lie Detector Division), Central Forensic Science Laboratory/C.B.I., New Delhi to officiate

as Principal Scientific Officer in the Central Forensic Science Laboratory/CBI in the scale of Rs. 1500-60 800-100-2000 w.e.f. 22-2-85 on ad-hoc basis for a further period of six months or till the post is filled-up on regular basis, whichever is earlier.

R. S. NAGPAL
Administrative Officer (F)
C.B.I.

LAI, BAHADUR SHASTRI NATIONAL ACADEMY OF
ADMINISTRATION

Mussoorie, the 20th May 1985

No. 3/9/84-Est.—Shri S. N. Tripathi, a permanent Senior Sienographer and presently working as Private Secretary to Director on *ad hoc* basis in the Lai Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, has been appointed on a regular basis to the post of Private Secretary to Director (Group-B—Gazetted) in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from 11-9-1984, and until further orders.

S. K. SEN
Deputy Director (Senior)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 8th May 1985

No. O.II-1813/83-Est(CRPF).—Consequent upon his appointment as Adviser to the Governor of Punjab, Shri Shiva Swarup, IPS (UP : 1951) handed over charge of Director General, CRPF on 7-5-85 (AN).

2. Shri O. P. Bhutani, IPS (UP : 1952), Director General, ITBP, took over additional charge of Director General, CRPF on 7-5-85 (AN).

The 9th May 1985

No. O.II-1774/83-Estt.—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. Surender Kumar Parimal as Junior Medical Officer in the CRPF on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 26th April, 1985 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 10th May 1985

No. O.II-1972/84-Estt.—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. Rabinia Nath Kaman as Junior Medical Officer in CRPF on *ad hoc* basis w.e.f. the forenoon of 18th April, 1985 for a period of 3 months or till the recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-2001/85-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Jyotirmayee Lahon as JMO in the CRPF on *ad hoc* basis with effect the forenoon of 8th April, 1985 for a period of 3 months or till a regular incumbent joins, whichever is earlier.

The 13th May 1985

No. O.II-513/69-Estt.—Consequent on his appointment to foreign service on lien basis as Superintendent of Police in the Public service of Republic of Botswana, Shri M. C. Joseph Second-in Commandant/Vice Principal, CTC-II, CRPF, Avadi, has been relieved from the CRPF w.e.f. the afternoon of 31st March, 1985.

The 14th May 1985

No. O.II-1819/83-Estt-I.—The Government of India, MHA have accorded approval for the extension of deputation period in respect of (Mrs.) Binapani Rath, CDO Grade-II who is on deputation from Government of Mizoram to SRPF's for further period of one year with effect from

the forenoon of 10th March, 1985, on existing terms and conditions.

No O II-185/83-Fstt—The President is pleased to relieve Dr Satyendra Kumar, GDO Grade II of 75th Bn CRPF with effect from 25th April 1985 (AN) on expiry of one month's notice under rule 5(1) of CCS (Temporary Service) Rules 1965.

The 15th May 1985

No O II-201/85-Estt—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr Bhupender Singh as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 25th April 1985 for a period of three months or till a regular incumbent joins whichever is earlier.

The 18th May 1985

No O II-2003/85-Estt—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr Manzar Afaq as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis w.e.f. the forenoon of 23rd April, 1985 for a period of three months or till a regular incumbent joins whichever is earlier.

ASHOK RAJ MAHFEPATHI
Assistant Director (Estt)

New Delhi-110003 the 11th May 1985

No O II 1434/79-Estt(CRPF) —Consequent upon his promotion as IG in CRPF with local rank of IG, Shri Y N Saxena, IPS (UP 1959) UD (Fstt) CRPF, has taken over the charge of IG (Hqs) Directorate General, CRPF, New Delhi on the forenoon of 11th May, 1985, in addition to his own duties without any pecuniary benefits.

Y N SAXENA
Dy Director (Estt)

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi 110003, the 1st May 1985

No E-16014(2)/3/84-Pers I—Consequent upon his repatriation to parent department, Shri R P Agarwal relinquished charge of the post of Assistant Inspector General (L&R) with effect from the forenoon of 1st May 1985.

The 2nd May 1985

No E-16014(2)/3/84 Pers I—On appointment on deputation Shri Y P Mahajan, Superintendent (Legal), Ministry of Law, Justice & Company Affairs, New Delhi, assumed charge of the post of Assistant Inspector General (Legal & Regulations) with effect from the forenoon of 1st May, 1985.

The 13th May 1985

No E-16013(2)/3/84 Pers I—On appointment on deputation Shri Amarananda Pattanayak IPS (OR - 1973) assumed charge of the post of Commandant CISF Unit Rourkela Steel plant Rourkela with effect from the forenoon of 24th April 1985.

No E-16016(3)/2/84-Pers I—Shri S N Arora, Assistant is promoted to the grade of Section Officer against the leave vacancy with effect from the forenoon of 2nd May 1985 in Directorate General CISF HQs New Delhi.

The 15th May 1985

No F-16016(3)/1/85 Pers I—On transfer on deputation Shri M T Shewkramani permanent Office Superintendent of Central Reserve Police Force (Ministry of Home Affairs) New Delhi, assumed the charge of the post of Section Officer in the Directorate General, CISF, New Delhi with effect from the forenoon of 1st May, 1985.

Sd /- ILLEGIBLE
Director General/CISF

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION

(DEPARTMENT OF LABOUR)

LABOUR BUREAU

Shimla 171004 the 1st June 1985

No 23/3/85 CPI —The All India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base 1960=100 increased by eight points to reach 594 (five hundred ninety four), for the month of April, 1985. Converted to Base 1949=100 the index for the month of April 1985 works out to 722 (seven hundred twenty two).

J N SHARMA
Joint Director
Head of Department
Labour Bureau

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad(MP)-461005, the 27th March 1985

No 4137 —Whereas a chargesheet was served to Shri N S Parte Paper Worker Grade-II (P-336) of Process Department for the misconduct of his remaining continuous absent from Government duties without permission/intimation w.e.f. 27-8-84 under Memorandum No PR/96/Link/1064 dated 1-1-85 and this memo was received by him on 11-1-85.

And whereas due to non-submission of his written statement within 10 days of receipt of chargesheet by Shri N S Parte an inquiry officer was appointed by the Disciplinary authority vide order No PR/96/Link/1236 dated 9-2-85 to inquire into the charges framed against him and above order was also received by him on 26-2-85. The said Shri N S Parte did not attend the inquiry proceedings inspite of providing him several opportunities whereas he had informed about the inquiry proceedings.

And whereas the inquiry officer conducting Ex-parte inquiry has submitted his inquiry report dated 16-3-83 holding Shri N S Parte guilty of the charges.

And whereas the undersigned after careful consideration of the inquiry report and all the documents connected with the case has agreed with the result of the inquiry and has come to the conclusion that the said Shri N S Parte, Paper Worker Grade-II is not fit person to be retained in the Government Service.

And therefore the undersigned in exercise of the powers conferred on him under Rule 19 of C.C.S. (CCA) 1965 hereby removed Shri N S Parte Paper Worker Grade II from services of Security Paper Mill, Hoshangabad with immediate effect.

S R PATHAK
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS OFFICE OF THE D.A.C.R.

New Delhi, the 16th May 1985

No Admn IO O No 117 —The Director of Audit, Central Revenue, New Delhi hereby appoints Shri R C Kaushik I a permanent Section Officer (now Assistant Audit Officer) of this office to officiate as an Audit Officer in the scale of Rs 840—1200 with effect from the afternoon of 29th April 1985 until further orders.

No Admn IO O No 119 —The Director of Audit, Central Revenue, New Delhi hereby appoints Shri Srikishan Jain I a permanent Section Officer (now Assistant Audit Officer) of this office to officiate as an Audit Officer in the scale of Rs 840—1200 with effect from the forenoon of 2nd May 1985 until further orders.

Sd /- ILLEGIBLE
Dy Director of Audit (Admn)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
(AUDIT) KERALA

Trivandrum, the 13th May 1985

No. Entt & Cash/1/10-3/85-86/27.—Shri V. Swamy, Audit Officer of the Office of the Accountant General (Audit) Kerala, Trivandrum retire from Government service on superannuation on 30-4-1985 A.N.

V. LAKSHMINARAYANAN
Accountant General

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE
CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 18th May 1985

No. AN/I/1933/51.—The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the sad demise of Shri P. K. Saigal, IDAS (Date of birth 29-11-1935), on 5-2-1985.

A. K. GHOSH
Addl. Controller General of Def. Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE
ORDNANCE FACTORY BOARD
DGOF HQRS. STENOGRAPHER'S SERVICE

Calcutta-700001, the 30th April 1985

No. 6/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote Shri Mritunjo Mukherjee, Stenographer Grade B/Sr. P.A. (subst. and permanent Steno Grade 'C'/PA) as Stenographer Grade A/Private Secretary (Group 'B' Gazetted) in Officiating capacity in an existing vacancy from 18th April 1985, until further orders.

S. DASGUPTA
Director/Admin.
for Director General, Ordnance Factories

Calcutta-1, the 10th May 1985

No. 17/G/85.—The President is pleased to confirm the following officer in the grade of TSO/AM with effect from the date shown against him :—

| Name and Designation | Date of Confirmation |
|-----------------------------------|----------------------|
| Shri M. G. Awasthy, Works Manager | 31-5-79 |
| M. A. ALAHAN
Jt. Director (B) | |

Calcutta-1, the 1st May 1985

No. 14/G/85.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri K. P. R. Pillay Addl. DGOF/Member, Ordnance Factory Board retired from service w.e.f. 30th April, 1985/AN.

The 9th May 1985

No. 16/G/85.—On expiry of leave pending retirement from 1-12-80 to 27-12-83, Shri A. K. Misra, Jt. Director retired voluntarily from service with effect from 27th December, 1983/AN.

The 15th May 1985

No. 19/G/85.—The President is pleased to appoint the under mentioned Officer as Addl. DGOF/Member with effect from the date shown against him :—

Shri N. Balakrishnan, GM (in SAG-Level-I), 1st May, 1985.

K. MEHTA
DDGOF

MINISTRY OF LABOUR
DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE
SERVICE & LABOUR INSTITUTES

Bombay-400022, the 6th May 1985

No. 15/29/82-Estt.—The Head of Department, Directorate General Factory Advice Service & Labour Institute, Bombay accepts the resignation of Shri D. V. Khobragade, Assistant Director (Industrial Psychology) Central Labour Institute, Bombay under the Directorate General Factory Advice Service & Labour Institute, Bombay with effect from the afternoon of 25th April, 1985.

Shri D. V. Khobragade accordingly relinquished charge of the post of Assistant Director (Industrial Psychology) Central Labour Institute, Bombay with effect from 25th April, 1985.

S. E. HEGDE PATIL
Dy. Director General &
Head of Department

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
& EXPORTS

New Delhi, the 16th May 1985

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 1/16/83-ADMN(G)/2424.—The President is pleased to appoint Shri L. Prasad, (CSS SG SI. 1983) to officiate in the Selection Grade of the CSS and as Jt. Chief Controller of Imports & Exports in the Office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi on ad-hoc basis for a further period of 3 month with effect from 1-4-1985 (F.N.).

P. C. JAIN
Chief Controller of Imports & Exports

New Delhi, the 7th May 1985

No. 6/1213/77-ADMN(G)/2255.—On attaining the age of superannuation Shri B. V. Shendye, Controller of Imports & Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports, Bombay, retired from Government Service with effect from the afternoon of 28th February 1985.

The 3th May 1985

No. 6/1207/77-ADMN(G)/2294.—On attaining the age of superannuation Shri Sunil Krishna Mukherjee, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta, retired from Government service with effect from the afternoon of 31st March 1985.

The 9th May 1985

No. 6/1482/84-ADMN(G)/2404.—On attaining the age of superannuation Shri Dharendra Nath Samaddar, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports, Calcutta, retired from Government service with effect from the afternoon of 31st March 1985.

M. P. ISAAC
Dy. Chief Controller of Imports & Exports
for Chief Controller of Imports & Exports

MINISTRY OF TEXTILE & SUPPLY
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(HANDICRAFTS)

New Delhi-66, the 15th May 1985

No. 19/1/85-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri K. K. Datta, in the post of Exhibition Officer in the

Office of the Development Commissioner (Handicrafts) in a substantive capacity with effect from 4-12-1982.

SHIROMANI SHARMA
Development Commissioner (Handicrafts)

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 6th May 1985

No. A-1/42(41)VI.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Shukla, Officiating as Deputy Director of Supplies in the office of DS&D, Calcutta, substantively to the permanent post of Assistant Director of Supplies (Grade I) (Junior Scale of Indian Supply Service) with effect from 1-7-1983.

RAJBIR SINGH
Deputy Director (Administration)

(ADMN. SECTION A6)

New Delhi-110 001, the 7th May 1985

No. A.17011/284/84/Ao.—On his reversion from the post of Assistant Inspecting Officer (Met.) Sh. Vindhyaachal Ram relinquished charge of the said post in the office of Dy. Director of Inspection (Met.) Bokaro on 1-4-1985 (forenoon).

S. L. KAPOOR
Dy Director (Admn.)

ISPAT, KHAN AUR KOILA MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 9th May 1985

No. 4826B/A-19012(1-SB)/84-19A.—Miss Sima Bandyopadhyay, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India has been appointed on promotion as Assistant Geologist by the Director General, GSI in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 28th March 1985 until further orders.

A. KUSHARI
Director (Personnel)
for Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur the 13th May 1985

No. A-19012(96)/77-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri S. K. Saha, Assistant Mining Geologist, Indian Bureau of Mines, has been promoted to the post of Junior Mining Geologist in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from 18th March, 1985 (forenoon).

G. C. SHARMA
Asstt. Administrative Officer
for Controller General

Nagpur, the 15th May 1985

No. A-19011(217)/77-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri Kanahya Lal Junior Mining Geologist, Indian Bureau of Mines, has been promoted to the post of Senior Mining Geologist in Indian

Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from 20th April, 1985 (forenoon).

G. C. SHARMA
Asstt. Administrative Officer
Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 15th May 1985

No. C-6202/718-A.—Shri V. M. Gajre, officiating Office Superintendent (Senior Scale), C.S.T. & M.P. is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post), on adhoc basis, in No. 104 (HBD) Printing Group (PMP), Hyderabad in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 15-4-1985 (F.N.) vice Shri N. R. Iyenger, Estt. and Accounts Officer proceeded on earned leave from 15-4-85 to 7-6-1985.

G. C. AGARWAL
Major General
Surveyor General of India

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 14th May 1985

No. F.30-42/85-Estt.11156—Shri Nathu Ram Sharma is hereby appointed to the post of Hindi Officer (Group B) in the scale of Rs. 650-1200 in the Zoological Survey of India, Calcutta, in a temporary capacity with effect from 30-4-1985 (forenoon), until further orders.

A. K. SENGUPTA
Accounts Officer
Zoological Survey of India

DIRECTORATE GENERAL · ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 16th May 1985

No. 1/5/85-SII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri C. R. Das, Head Clerk to the post of Administrative officer, on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the 29th March, 1985 until further orders.

Shri C. R. Das assumed charge as Administrative Officer in the office of the Superintending Engineer, HPT, AIR, Chinsurah (West Bengal) on the same date.

MOHAN FRANCIS
Dy. Director of Administration
for Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 8th May 1985

No. A 12026/1/83-ME.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri G. S. Aggarwal, to the post of Administrative Officer at Kalawati Saran Children's Hospital, New Delhi on deputation basis with effect from the forenoon of 17th April, 1985 and until further orders.

The 20th May 1985

No. A-31013/1/83-Admn-I.—The President is pleased to appoint Dr. A. B. Hiramani to the post of Deputy Director (Research) Central Health Education Bureau in the Directorate General of Health Services in a substantive capacity with effect from the 6th September, 1981.

P. K. GHAI
Deputy Director Administration (C&B)

MINISTRY OF AGRICULTURAL AND RURAL
DEVELOPMENT

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 20th May 1985

No. A-19025/6/85-AIII.—On the recommendation of Union Public Service Commission Shri Hameed Kuttu P. K. has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Officer (Gr. I) in this Directorate w.e.f. 30-4-85 (FN) until further orders by the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India.

J. KRISHNA
Director Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Government of India.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION

Bombay 400 085, the 13th May 1985

No. Ref. G/545/CED/Estt.II/1734.—The President regrets to announce the death of Shri M. M. Gupta, a permanent Scientific Officer grade 'SC' and officiate 'SD' of this Centre on 27-8-1984.

No. Ref. A/550/CED/Estt.II/1735.—The President regrets to announce the death of Shri K. R. Agashe a permanent Draughtsman 'B' and officiating Scientific Officer grade 'SD' of this Centre on 19-19-1984.

No. Ref. G/1943/CED/Estt.II/1736.—The President regrets to announce the death of Shri Shiv Kumar Gupta, Officiating Scientific Officer/Engineer Grade 'C' of this Research Centre on 18-2-1984 (mid-night).

The 15th May 1985

No. Ref. M/530/CED/Estt.II/1788.—The President regrets to announce the death of Shri Paskal F. Machado, Scientific Officer/Engineer Grade 'SC' of this Research Centre on 24-3-1985.

T. A. LAKSHMINARAYANAN
Controller

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 13th May 1985

No. DPS/41/17/85-Adm./1214.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Meenatheril Raghavan Prakash a permanent Jr. Storekeeper and officiating Storekeeper to officiate as an Asstt. Stores Officer on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-35-880-40-1000-40-1200 from 4-3-85(FN) to 18-4-85(AN) in the same Directorate vice Shri P. K. Radhakrishnan, ASO granted leave.

S. KRISHNAN, Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad, the 14th May 1985

No. NFC/PAR/0704/1001.—Deputy Chief Executive (A), NFC, appoints Shri V.R.N. Iyer, Selection Grade Clerk, to officiate as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on ad hoc basis from 6-5-1985 to 8-6-1985 or until further orders whichever is earlier.

V. R. VIJAYAN
Asstt. Personnel Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008 the 16th May 1985

Ref. 05052/Aug. 84/1813.—Chief Executive, Heavy Water Projects appoints the following officers of Heavy Water Plant (Baroda) as detailed below until further orders :

| Sl. No. | Name | Present post held | Post to which appointed | Date on which appointed |
|---------|-------------------|-------------------|-------------------------|-------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| | S/Shri | | | |
| 1. | Ashok Kumar Nagar | SA-C | SO(SB) | 2-8-84 (FN) |
| 2. | B. Shrivastava | SA-C | SO(SB) | 1-8-84 (FN) |
| 3. | G. D. Nasit | SA-C | SO(SB) | 4-8-84 (FN) |
| 4. | B. Kunwar | Foreman | SO(SB) | 1-8-84 (FN) |

The 18th May 1985

No. Ref. 05012/R5/OP/1854.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri V. K. Potty, Assistant Personnel Officer of Heavy Water Project (Talcher) to officiate as Labour-cum-Welfare Officer, in the same project in a temporary capacity on ad-hoc basis w.e.f. September, 1984 (FN) to October 31, 1984 (AN) vice Shri G. K. Sahoo, Labour-cum-Welfare Officer, appointed as Administrative Officer-III.

No. Ref. 05012/R5/OP/1855.—Chief Executive, Heavy Water Projects appoints Shri Shiv Charan Herma Birua, Upper Division Clerk of Heavy Water Project (Talcher) to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same project, in a temporary capacity on adhoc basis w.e.f. September 1, 1984 (FN) to October 31, 1984 (AN) vice Shri V. K. Potty, Assistant Personnel Officer, appointed as Labour-cum-Welfare Officer.

SMT. K. P. KALLYANIKUTTY
Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

TAPP (401504), the 10th May 1985

No. TAPS/1/18(3)/77-R.—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri K. V. Raghavan, a permanent Selection Grade Clerk to officiate as an Office in Assistant Administrative Officer's grade (Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-960) on adhoc basis in the Tarapur Atomic Power Station with effect from 29-4-1985 (FN) and upto 1-6-1985(AN) vice Shri P. Ganapathy, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

D. V. MARKALE
Chief Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE

Sriharikota-524124, the 24th April 1985

No. SCF/PGA/Estt. III-1-72.—The Director is pleased to appoint on promotion the following officials to the post of Sci. Engineer-SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an

officiating capacity with effect from the dates indicated against each and until further orders —

| Sl No | Name | Designation | Date of appointment |
|-------|-------------------|--------------|---------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| | S/Shri | | |
| 1 | PVS Sanyanarayana | Sci Engr -SB | 01-04-85 |
| 2 | MKR Varma | Sci Engr SB | 01-04-85 |
| 3 | V Lakshmana Rao | Sci Engr-SB | 01-04-85 |
| 4 | K Saibaba | Sci Engr-SB | 01-04-85 |
| 5 | C Narayanan | Sci Engr-SB | 01-04-85 |
| 6 | MA Chaitan | Sci Engr-SB | 01-04-85 |
| 7 | Bashaswar Dayal | Sci Engr-SB | 01-04-85 |
| 8 | A Mani | Sci Engr-SB | 01-04-85 |

L RAJAGOPAL
Admn Officer-II
for Director

DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi the 10th May 1985

No 9/85—Shri B. K. Chanda, lately posted as Superintendent Group B of Calcutta II Central Excise Collectorate, assumed charge of the post of Inspecting Officer Gr 'B' in the East Regional Unit of Directorate General of Inspection, Customs and Central Excise at Calcutta w.e.f. 1-4-85 (FN) vide Directorate General Order C No 1041/47/84 dated 23 1985

No 10/85—Shri C. John Lazar, lately posted as Supdt of Central Excise Combatores Collectorate, assumed charge of the post of Inspecting Officer Gr 'B' in the South Regional Unit of Directorate General of Inspection, Customs and Central Excise at Madras w.e.f. 11-4-85 (FN) vide Directorate General Order C No 1041/47/84 dt 7-2-1985

The 11th May 1985

No 11/85—On his retirement on superannuation Shri M. P. Arora relinquished charge of the post of Section Officer, Gr 'B' of Technical Study Group on the Central Excise Tariff in the Directorate-General of Inspection, Customs and Central Excise New Delhi w.e.f. 30-4-1985 (AN)

A C SALDANHA
Director General of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi the 16th May 1985

No A-19012/1093/85-Est V—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Chairman Central Water Commission appoints Shri Subhash Chandra Chaudhary Supervisor of the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs 650-30 740-35-810 EB 35-880 40 1000 EB 40 1200 with effect from the afternoon of 2nd May 1985 until further orders

2 The above mentioned officer will be on probation in the grade of EAD/AE in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date

MEENAKSHI ARORA
Under Secy
Central Water Commission

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi the 25th April 1985

No 5/3/81 ECI—On the basis of the results of the Combined Engineering Services Examination held in 1982, the President is pleased to appointment the following candidates on probation to the Central Engineering Services and Central Electrical & Mechanical Engineering Services Group 'A' in the Central Public Works Department against temporary posts of Assistant Executive Engineers (Civil/Elect/Mech) with effect from the dates mentioned against their names —

S No., Name and Date of appointment

S/Shri

(CIVIL)

1 Umesh C Mishra—17-8-84

2 Ashok Kumar P. Paut (ST)—22-8-84

(ELECTRICAL)

1 Nem Chandani—8-10-84

(MECHANICAL)

1 Dharmendra K. Nayak—29-9-84

MRS MEENA GARG
Dy Director of Administration

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi 110066, the 13th May 1985

No 255/85 F No 2/4/85 Adm I(B)—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri Vinod Kumar Gaig Technical Asst to the grade of Extra Asstt Director Asstt Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in the Central Electricity Authority in an officiating capacity w.e.f. from the forenoon of the 29th April 1985 until further orders

R SESHADRI
Under Secretary
for Chairman

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act 1956 and of
Madras Textiles Private Ltd

Madras 600 005 the 9th May 1985

No DN/1523/560/85—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 () of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Madras Textiles Private Ltd, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved

In the matter of Companies Act 1956 and of

Cauvery Transport Pvt Ltd

No DN/3866/560/85—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 () of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Cauvery Transport Pvt Ltd, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved

Sd/- ILLEGIBLE
Asstt Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of the Companies Act, 1956 and in the
matter of Sekhar Investment Private Limited*

Cochin 682 011, the 14th May 1985

No. 2569[Liq|560(5)|1069|85.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Sekhar Investments Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and in the
matter of Gosree Commercial Corporation Pvt. Ltd.*

Cochin-682011, the 14th May 1985

No. 401[Liq|560(5)|1071|85.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Gosree Commercial Corporation Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and in the
matter of Kalloopara Quarry Products Private Limited*

Cochin-682 011, the 14th May 1985

No. 2735[Liq|560(5)|1073|85.—Notice is hereby given pursuant to Sub Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Kalloopara Quarry Products Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE
Registrar of Companies
Kerala

*In the matter of Companies Act 1956 and of
M/s Chemo Tan-Industries Private Limited*

Gwalior, the 16th May 1985

No. 1413[PS|CP|775.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that the name of M/s Chemo Tan-Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

S. KARMAKAR
Registrar of Companies
Madhya Pradesh, Gwalior

OFFICE OF THE CHIEF COMMISSIONER (ADMN.)

U.P. & COMMISSIONER OF INCOME-TAX

LUCKNOW

INCOME-TAX DEPARTMENT

Lucknow, the 20th April 1985

No. 10.—Shri S. L. Agnihotri, Income-tax Inspector of Lucknow charge has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-30-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. On promotion he has joined as Income-tax Officer, C.I.B., Lucknow in the forenoon of 30th March 1985.

No. 11.—Shri Ram Bhatia, Income-tax Inspector of Lucknow Charge has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-740-30-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. On promotion he has joined as Income-tax Officer, O.S.D. Allahabad in the forenoon of 29-3-1985.

No. 12.—Shri R. S. Gupta, Inspector of Income-tax of Lucknow charge has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Group 'B') in the pay scale of Rs. 650-30-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. On promotion he has joined as Income-tax office (OSD), Allahabad in the forenoon of 4th April 1985.

DHARNI DHAR
Chief Commissioner (Admn.) U.P. & CIT,
Lucknow

FORM ITNS—

(1) Smt. Asha M. Kewalramani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ghanshyam Das Sakhrani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 17th May 1985

Ref. No. C. A. 57/85-86/SI. 1006 I. A. C/[Acq. R-I/Cal.
Whereas, I S. K. BANERJEE
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding Rs.
1,00,000/- and bearing No.
No. 2, situate at Wood Street, Calcutta-16.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered
with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act
read with rule 48DD (4) of Income-tax Rules, 1962 under
registration No. C. A. 57 dated 5-9-1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property/
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that 1/3rd share in Flat No. G-6 on 6th floor at
'Sangam' 2, Wood Street, Calcutta-16. Registered before the
Competent Authority, J.A.C, Acquisition Range-I, Calcutta,
vide SI. No. C.A. 57 dated 5-9-84.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

58—96 GI/85

Date : 17-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Asha M. Kewalramani

(Transferor)

(2) Sri Nimesh Sakhtani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 17th May 1985

Ref. No. CA 55/85-86/SI. 1007 I.A.C/Acq. R-I/Cal—
Whereas, I S. K. BANERJEE
being the Competent Authority under Section 269D of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding Rs.
1,00,000/- and bearing
No. 2, situate at Wood Street, Calcutta-16
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and registered
with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act
read with rule 48DD (4) of Income-tax Rules, 1962 under
registration No. CA 55 dated 5-9-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

All that 1/3rd share in Flat No. G-6 6th floor at 'Sangam'
2 Wood Street, Calcutta-16. Registered before the Competent
Authority I.A.C. Acquisition Range-I Calcutta vide SI No.
CA 55 dated 5-9-84

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 17-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Asha M. Kewalramani

(Transferor)

(2) Sri Ashok Sakhram

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 17th May 1985

Ref. No. C.A. 56/85-86/SI. 1008 I.A.C./Acq. R-I/Cal.—
Whereas, I S. K. BANERJEE

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2, situate at Wood Street, Calcutta 16 (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD (4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. C.A. 56 dated 5-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that 1/3rd share in Flat No. G 6 on 6th floor at 'Sangam' 2, Wood Street, Calcutta-16. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta, vide SI. No. C.A. 56 dated 5-9-84.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date : 17-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Ganga Moni Dassi

(Transferor)

(2) Smt. Lakshmi Bala Saha

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 9th May 1985

Ref. No. TR-228/85-86/SI. 1009 I.A.C.[Acq. R-I]Cal.—
Whereas, I S. K. BANERJEE
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 100,000/- and bearing
No. 39B, situate at Nilmoney Halder Lane, Calcutta-13.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred and registered
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at R. A., Cal. under registration
No. I-12310 dated 28-9-84.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that partly one and partly two storeyed building Land
area-2 Cottahs, 15 Chittacks and 25 Sq. ft. at 39B, Nilmoney
Halder Lane, Calcutta-13. Registered before the Registrar of
Assurances, Calcutta vide Deed No. I-12310 dated 28-9-1984.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

Date: 9-5-1985
Seal:

FORM NO. IT.N.S.-----

(1) Shree Vardaan Improvements (P) LTD.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sri Bhyaram Gupta.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 10th May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.Ref. No. C.A. 66/85-86/SI. 1010 I.A.C. [Acq. R-I] Cal.—
Whereas, I S. K. BANERJEEbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearingNo. 25A, situate at Camac Street, Calcutta-700016.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and registered
with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act
read with rule 48DD (4) of Income-tax Rules, 1962 under
registration No. C.A. 66 dated 5-10-84.for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said treatment of
transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);All that Showroom No 9 on the ground floor of premises
No. 25A, Camac Street, Calcutta-16 measuring 403 Sq. ft.
of super built up area. Registered before the Competent
Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide SI. No.
C. A. 66 date 5-10-84.S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Date : 5-10-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Sri Jayant Karpalani

(Transferor)

(2) Sri Alek Goel

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
CALCUTTA-16

Calcutta, the 14th May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

Ref. No. C.A. 64/85-86/SI 1011 IAC/Acq R-I/Cal —

Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the Said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No. 8/1A, situate at Chowringhee Lane, Calcutta-16,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and registered with the Competent
Authority u/s. 269A(1) of the said Act read with rule
48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration
No. C.A. 64 dated 29-9-84for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferor for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that undivided proportionate share of land together
with a flat measuring 984 Sqft (approx) on the 3rd floor of
'Chowringhee Apartment' under construction at 8/1A,
Chowringhee Lane, Calcutta Registered before the Compe-
tent Authority IAC Acquisition Range-I, Calcutta vide SI.
No. C.A. 64 dated 29-9-84.S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269(D) of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—Date : 14-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s India Electronics.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Master Pramod Kumar Karwa &
Master Nitin Karwa
C/o Shri Narayan & Co

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE I
CALCUTTA-16

Calcutta, the 17th May 1985

Ref. No. CA 61/85 86/SI 1012 IAC/Acq R-I/Cal --
Whereas, I S. K. BANERJEE,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/-
and bearing No.
33A, situate at Chowringhee Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered with the Competent
Authority u/s 269AB of the said Act read with rule
48FD(2) of Income-tax Rules, 1962 under registration
No. CA 61 dated 15-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the date of publication in the respective persons

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferees for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

All that Flat No. A-10, on 17th floor of Chatterjee
International Centre at 33A, Chowringhee Road, Calcutta
Registered before the Competent Authority, IAC, Acquisi-
tion Range I Calcutta vide SI No. CA 61 dated 15-9-84.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

Date : 17-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Pan Enterprises

(Transferor)

(2) Sri Indokchand Patari & Ors

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
CALCUTTA-16

Calcutta, the 26th April 1985

Ret No. C A 54/85-86/SI 1013 I A C [Acq R-I] Cal —

Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No 7/1A situated at Dr U N Brahmachari Street, Calcutta-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income tax Rules, 1962 under registration No. C A 54 dated 3-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No 3D at third floor at premises No 7/1A, Dr U N Brahmachari Street, Calcutta 17 Registered before the Competent Authority, IAC Acquisition Range-I, Calcutta vide SI No C A 54 dated 3-9-1984

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta 15

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 26-4 1985
Seal -

FORM ITNS

(1) Sri Ashtendra Nath Mittal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Jaymi Sharma.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
CALCUTTA-16

Calcutta, the 17th May 1985

Ref No. FR 240/85-86/SI 1014 J A C Acq R-I/Cat ---
Whereas I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 11 situated at India Exchange Place, Calcutta-73 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta, under registration No. 1-12482 dated 29-9-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

69—96 GI/85

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that 1 share of one storeyed building on land measuring 1 Cottah & 4 Chittack at 11, India Exchange Place, Calcutta 73 Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No 1-12482 dated 29-9-84.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 17-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Ashitendra Nath Mitter.

(Transferor)

(2) Hari Shankar Sharma.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
CALCUTTA-16

Calcutta, the 17th May 1985

Ref. No. TR-241/85-86/SL 1015 I.A.C./Acq.R-I/Cal.—
Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1 00,000/- and bearing

No. 11, situated at India Exchange Place, Calcutta-73

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta, under registration No. 1-12482 dated 29-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that $\frac{1}{4}$ share of one storeyed building on land measuring 1 Cottah & 4 Chittal at 11 India Exchange Place, Calcutta-73. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1-12482 dated 29-9-84.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th April 1985

Ref. No. 19/September/84.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 151/2 situated at Abinavam village, Bethanaickenpalayam, Authur Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at J.S.R.I, Salem (Doc., No. 2096/84) in September, 1984 or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri A. Sambasiva Subramania Aiyer,
S/o Late Alagiri Aiyer,
Ethapoor Agraharam, Ethapoor village,
Authoor Taluk Salem Dist.
(Transferor)

(2) Smt. Palaniammal,
W/o Venkatachala Padayachi,
Kattukottai village Abinavam,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Abinavam village.
(Doc. No. 2096/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 25-4-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th April 1985

Ref. No. 42/Sep/84.—Whereas, I,
PREMA MALINI VASAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No
situated at Kelukombai village, Namakkal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Erumaipattu (Doc. No. 1384/84) in September, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Marappa Gounder and others,
Kelukombai village Pottilittipatti P.O.
Namakkal Taluk.

(Transferor)

- (2) Shri Muthu Gounder,
S/o Athiyappa Gounder,
Athuniedu Palamedu P.O.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Kelukombai village.
(Doc. No. 1384/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date : 25-4-1985
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th April 1985

Ref. No. 104/Sep/84 —Whereas, I,
PREMA MALINI VASAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (the enactment referred
to as the said Act) have come to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 100 000, and bearing
K. S. No. 1632/1 situated at Block 'B' 7th floor,
Shivalaya Building, Commander-in-Chief Road, Madras-105
(and more fully detailed in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Perambalur (Doc. No. 922/84) on September 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the said property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer is agreed to
between the transferor(s) and the transferee(s) has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) M/s. Kishin Dass Gobind Ram,
S/o Balchand Krishna Dass,
No. 206A, Shivalaya Building,
Commander-in-Chief Road,
Madras-105

(Transferor)

(2) Bhagavan Dass Sobraj,
S/o Sobraj,
No. 4, Brih Bhavan
63, Pedder Road,
Bombay-2.

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property
must be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

building at No. 246, Block 'B' 7th floor, Shivalaya Build-
ing, Commander-in-Chief Road, Madras-105
(Doc. No. 922/84)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date: 27-4-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th April 1985

Ref. No. 107/9/84.—Whereas, I,
PREMA MALINI VASAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
situated at 813, P.H. Road Madras-10
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Periamet (Doc. No. 904/84) on September 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri M. L. Patwari and others,
82, Narayana Mudali Street,
Madras-1.

(Transferor)

- (2) Dr. (Mrs.) R. Thiruvelelai,
G-D, East Palms,
"Wingate Gardens"
Raja Annamalaipuram,
Madras-600 028.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Building at No. 813, P.H. Road, Madras-10.
(Doc. No. 904/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date : 27-4-1985
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th April 1985

Ref. No. 108/Sep/84.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing situated at 813, P.H. Road, Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 905/84) on September 1984 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri M. L. Patwari and others,
82, Narayana Mudali Street,
Madras-1, (Transferor)
- (2) Miss Elizabad George (minor),
Rep. by Miss. Ammukutti George,
3930, Anna Nagar,
Madras-40, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at 813, P. H. Road, Madras-10.
(Doc. No. 905/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date : 27-4-1985
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th May 1985

Ref. No. 158/Sep/84.—Whereas, I,
PREMA MALINI VASAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
situated at Vakurampatti Village Namakkal Taluk
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
I.S.R. II, Namakkal (Doc No. 1728/84) on September 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(1) Shri K. P. Vankali,
S/o Palani Gaounder,
Rannapuram puthur,
Namakkal.

(Transferor)

(2) Shri S. Natarajan,
S/o Sengodampillai,
Tharampappathi
Valayapathi P.O.
Namakkal Taluk

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at Vakurampatti Village, Namakkal Taluk.
(Doc. No. 1728/84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 006

Date : 8-5-1985
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana the 7th May 1985

Ret No (F No CHD 53/3485) -- Whereas I, JOGINDER SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing No Plot No 418 Sector 35A Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the Registration No 1908 (16 of 1984) in the office of the Registering Officer, Chandigarh in Sept 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

(1) Wz Ch S N W dhw (Retd) S/o Late Sh Wali Ram R/o Viveka Nand Mahila College, Complex, Vivek Vihar Delhi
(Transferred)

(2) D. Furein Indul S/o Sh Ramji Das & Sh Ashok Jindal S/o Sh Ramji Das R/o House No 1014 Sec 36C Chandigarh
(Transferred)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 418 Sector 35A Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No 521 of September, 1984 of the Registering Authority Chandigarh)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1 of Section 269D of the said Act, to the following persons namely, --

Date . 7-5 1985
Seal

FORM TINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 7th May 1985

Ref. No. CHD/56/84-85—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Plot No. 3346, situated at Sector 32-D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in Sept. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Amarjit Aggarwal S/o Sh. Sita Ram,
C/o Capital Diesel Service,
Main Majra, U-1, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri Kesar Singh S/o. Sant Singh,
R/o House No. 150, Sector-20A,
Chandigarh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3346, Sector 32-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 587 of Sept., 1984 of the Registering Authority, Chandigarh)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 7-5-1985
Seal :

FORM NO. IT N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 8th May 1985

Ref No. CHD 60/84/55 -Whereas I JOGINDER SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 2528 situated at Sector 35 C, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, (1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Sept. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 2528 Sector 35 C, Chandigarh

(The property is mentioned in the sale deed No. 629 of Sept. 1984 of the Registering Authority Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) Brig. J. S. Dhillon (Retd.) S/o S. Chanchal Singh, R/o H. No. 659 Sec. 16D, Chandigarh
(Transferor)
- (2) Major Tulok Singh Gujral (Retd.), S/o Shri Hukam Singh Gujral Smt. Daljit Kaur Gujral W/o Maj. Tulok Singh Gujral Major Ravinder Singh Gujral, S/o Major Tulok Singh Gujral, S/o Vinder Singh Gujral S/o Major Tulok Singh Gujral, R/o 1302, Sector 34-C, Chandigarh
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION --The terms and expressions used herein are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Date : 8-5-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 8th May 1985

Ref No LDH/272/84-5 —Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No

No 1/6th Shari of House No B XX 662/2887 situated at Gurdav Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, (1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Sept, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Raj Mohinder Kaur W/o S. Jagir Singh
R/o B XX 662, Gurdav Nagar, Ludhiana
(Transferee)
- (2) Shri Kuldeep Singh and Shri Indrapal Singh
Sons of S. Bihari Singh
Smt. Harjot Kaur W/o S. Kuldeep Singh
Smt. Ravinder Kaur W/o S. Indrapal Singh,
Residents of H No 161 621, Kundanpuri, Civil
Lines Ludhiana
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used in this Act are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/6th Shari of House No B XX 662/2887 Gurdav Nagar Ludhiana (The property is mentioned in the sale deed No 5644 of Sept 1984 of the Registering Authority Ludhiana)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Ludhiana

Date 8-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 13th May 1985

Ref. No. CHD/55A/84-85—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing House No. 188, situated at Sector 33-A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on 14th August, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been disclosed which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Prem Pandit W/o Late Lt. Maj. Tejpal Pandit, Through G.P.A. Sh. Alok Bansal S/o Shri B. L. Bansal R/o H. No. 17, Sector 10-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Jandeep Singh Nakai S/o Shri Balwinder Singh Nakai & Smt. Vasinder Kaur Nakai W/o Smt. Balwinder Singh Nakai R/o Banala-Bhatinda Road, Rampura Phul, Distt. Bhatinda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 188, Sector 33-A, Chandigarh
(The property as mentioned in the sale deed No. 555 of Sept., 1984 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority/
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 13-5-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 13th May 1985

Ref. No. CHD 60A/84 33.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Incomplete House No. 300 situated at S/O. 33A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Chandigarh in September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri K. N. Saran Dass, S/o Shri Dhul Chand & Smt. Promila Bhatia W/o Shri Ram Saran Dass, R/o H. No. 118A, Sec. 21B, Chandigarh (Transferor)
(2) Smt. Vibha Aggarwal W/o Shri D. K. Aggarwal Shri Simul Aggarwal S/o Shri Chaman Parkash Aggarwal, residents of H. No. 1117, Sector 36C, Chandigarh (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned —

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House (Incomplete) No. 300 Sector 33A, Chandigarh (The property as mentioned in the sale deed No. 638 of September 1984 of the Registering Authority, Chandigarh)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date 13-5-1985
Sd/-

FORM ITNS—

(1) Shri Jagjit Singh S/o S. Kirpal Singh,
47, Atam Nagar, Ludhiana

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Mohan Singh S/o S. Sunder Singh,
V. Dharampura Jagadhari Distt. Ambala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 13th May 1985

Ref. No. LUDH/277/84-85—Whereas, I
JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Ludhiana
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding Rs.
1,00,000] and bearing

No. House No. B XXIII 826/6 situated at Industrial
Area-A Extension, Ludhiana
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Ludhiana on September 1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B. XXIII 826/6, Industrial Area-A, Extension,
Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed
No. 5778 of September 1984 of the Registering Authority,
Ludhiana)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 13-5-1985
Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana the 10th May 1985

Ref. No. J.D/54/2485—Whereas I, YOGINDER SINGH, Inspector, Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20A, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, or

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jaswant Singh T/o Shri Naram Singh
R/o H. No. 654 Sector 20A, Chandigarh
(Transferor)

(2) Smt. Simrat Pal Kaur W/o S. Anil Singh
R/o C/o House No. 1294 Sector 21-B
Chandigarh
(First interee)

(3) Shri Chetan Kumar Sharma R/o
House No. 654 Sector 20A, Chandigarh
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons (whichever period expires later),

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 654 Sector 20A, Chandigarh
(The property as mentioned in the schedule No. 604 of September, 1984 of the Registering Authority, Chandigarh)

YOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 13th May 1985

Ref. No. LDH/273/84-85—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/2 share H. No. B-XX-1950/69 (99K) Sarabha Nagar, Ludhiana situated at Sarabha Nagar Ludhiana, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in September 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
61—96 GI/85

(1) S. Gurbaksh Singh Uppal S/o S. Harnam Singh, through CPA, S. Karaj Singh S/o S. Kartar Singh R/o 42, Sarabha Nagar Ludhiana
(Transferor)

(2) Smt. Swarn Kaur W/o Shri Karamjit Singh Smt. Rajbir Kaur W/o S. Surjit Singh R/o 42K, Sarabha Nagar, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share H. No. B-XX-1950/69 (99K) Sarabha Nagar, Ludhiana

The property as mentioned in the sale deed No. 5687 of September 1984 of the Registering Authority, Ludhiana.

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 13th May 1985

Ref. No. NHN/3/84-85.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act) have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
No. Building with land area 131 sq. mts.
situated at Mohal Dhabon, Teh. Nahan, Distt. Sirmour,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Nahan in September 1984,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—

- (1) 1. Shri Shri Ram S/o Shri Mehar Singh,
2. Shri Jagmohan Singh S/o Shri Ram Kishan,
3. Shri Haripal Singh,
4. Kumari Umi Devi, Kumari Mala Devi &
Smt. Meera Devi (daughters of Shri Ram Kishan),
5. Smt. Indira Devi W/o Sh. Ram Kishan,
all residents of Mohal Dhabon, Nahan, Distt.
Sirmour.

(Transferor)

- (2) Shri Babu Ram S/o Shri Bela Ram R/o
Mohalla Katcha Tank, Nahan,
Distt. Sirmour

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Building with land area 131 sq. mts at Mohal Dhabon,
Nahan, Distt. Sirmour.

(The property as mentioned in the sale deed No. 226 of
September 1984 of the Registering Authority, Nahan).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 13th May 1985

Ref. No. LDH/240/84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/2 share H. No. B-XIX-1387/184.E, situated at Dr. Kichlu Nagar, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri J. B. Singh Sabharwal Advocate S/o Shri Amrik Singh S/o Shri Jabind Singh R/o B-VIII, 768 Lakkar Bazar Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Smt. Lal Devi W/o Shri Ram Chand R/o 33-B, Udhampur Singh Nagar Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share H. No. B-XIX-1387/184, E Dr. Kichlu Nagar Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 6128 of September 1984 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 13th May 1985

Ref No LDH/230/84-85 -Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No 1/2 share H No B-XIX-1387/184/E, situated at Dr Kichlu Nagar Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in October 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) Shri J. B. Singh Sabharwal Advocate S/o Shri Amrik Singh S/o Shri Jabind Singh R/o B VIII-768 Lakkai Bazar Ludhiana (Transferor)
- (2) Smt Lal Devi W/o Shri Ram Chand R/o 33 B Udhara Singh Nagar, Ludhiana (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share H No B-XIX-1387/184, E Dr Kichlu Nagar, Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No 6944 of October 1984 of the Registering Authority Ludhiana)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date 13-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana the 13th May 1985

Ref. No. IDH/269/84-35.—Whereas, I,
JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 100,000/- and bearing
No. 112 share in SCFNo. 33 situated at Kartar Singh
Sarabha Nagar, Ludhiana,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ludhiana in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely:—

- (1) Shri Amandeep Singh S/o Shri Avtar Singh S/o
S. Bata Singh R/o Sirsa (Haryana).
(Transferor)
- (2) Shri Faranjit Singh S/o S. Darshan Singh,
R/o 124 B Model House Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

112 share SCFNo. 33, Kartar Singh Sarabha Nagar,
Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed
No. 5592 of September 1984 of the Registering Authority,
Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-5-1985
Seal:

FORM ITN-2

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 10th May 1985

Ref. No. KHR/45/34-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. No. 282 Phase, 3-B-1 situated at Mohali Teh. Kharai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kharai in September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jnderpal Verma S/o Shri Bhawani Dass,
R/o H. No. 3035 U, Sector 15D, Chandigarh.
(Transferor)

(2) Shri Pratim Singh S/o S. Surjan Singh,
R/o H. No. 1917, Patram Nagar, Narwana (Ind).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

H. No. 282 Phase, 3-B-1 Mohali, Teh. Kharai
(The property as mentioned in the sale deed No. 2497 of September 1984 of the Registering Authority, Kharai).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 13th May 1985

Ref No. KHR/41/84-85.—Whereas I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and House No. 668C situated at Phase-I, Mohali, Teh. Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been so, which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Chain Singh Mundra S/o S. Naranjan Singh Through his C.P.A. Sh. Naranjan Singh Mundra S/o Sh. Basant Singh Mundra, C-10, Industrial Area Phase-I, Mohali, Teh. Kharar, Distt. Ropar. (Transferee)
- (2) Shri Ranjit Singh Dhillon S/o Shri Anur Singh Dhillon, R/o H. No. 668C, Phase-I, Mohali, Tehsil Kharar, Distt. Ropar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 668C, Phase-I Mohali, Teh. Kharar.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2359 of Sept. 1984 of the Registering Authority, Kharar).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 13-5-1985
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th May 1985

Ref. No. DLH/1/84-85.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land 16 Kanals situated at Sarai Khawaja, Teh. Ballabgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi under Registration No. 821 dated 10-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Jaggi Engineering Industries Pvt. Ltd.,
CC/23, Kalka Ji New Delhi.
(Transferor)
- (2) M/s. Greater Aroha Land & Development Pvt. Ltd.,
Flat No. 3, Shankar Market, Cannught Circus,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 16 kanals situated at Sarai Khawaja, Tehsil Ballabgarh and as more mentioned in the sale deed registered at No. 821 dated 10-9-1984 with Sub-Registrar, Delhi.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 14-5-1985
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th May 1985

Ref. No. HSR/62/84-85.—Whereas I R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Kothi No. 37 situated at Defence Colony, Hisar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer with the Competent Authority u/s. 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) Hisar under Registration No. 3293 dated 28-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act (1922 (11 of 1922)) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (17 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

62-96GI/85

(1) Ca. Lokender Singh Chaudhary
s/o Major Amir Singh;
Smt. Pushpa Chaudhary w/o
Cap. Lokender Singh,
R/o Kothi No. 51,
Defence Colony, Hisar

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Chander Sethi S/o Ch. Sohan Lal
Sethi, Kothi No. 37, Defence Colony,
Hisar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Kothi No. 37, Defence Colony, Hisar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3292 dated 28-9-1984 with Sub Registrar, Hisar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th May 1985

Ref. No. PNP/79/84-85 —Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 54 Bigha 2 Biswa situate at Taraf Insar, Panipat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat under Registration No. 2931 dated 6-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Svs. Satish Kumar, Harish Kumar S/o Sardari Lal s/o Tirath Ram; Subhash Kumar, Ashok Kumar s/o Ram Lal, R/o 457/1, Panipat. (Transferor)
- (2) M/s. Ludhiana Hosiery & Textile Association Chowk Mahopuri, Ludhiana through Shri Tarsem Lal Jain S/o Babu Lal Jain, General Secretary. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 54 Bigha 2 Biswas situated at Taraf Insar, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2931 dated 6-9-1984 with Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 14-5-1985
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 14th May 1985

Ref. No. PNP/80/84-85.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Land measuring 26 Bigha 11 Biswas situated at Taraf Insar, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat under Registration No. 2932 dated 6-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Svs. Satish Kumar, Harish Kumar Ss/o Saidari Lal, Subhash Chander, Ashok Kumar, R/o H. No. 457, Ward No. 1, Panipat. (Transferor)
- (2) Ludhiana Hosiery & Textile Association Chowk Madhopuri, Ludhiana through Shri Tarsem Lal s/o Babu Lal. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 26 Bigha 11 Biswa situated at Taraf Insar, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2932 dated 6-9-1984 with Sub Registrar, Panipat.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 14-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 15th May 1985

Ref. No. RTK/38/84-85.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House measuring 226 sq. yds. bearing No. 282/16 Ram Gali situate at Jhajjar Road, Rohtak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak under Registration No. 4336 dated 14-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kalawati w/o Shri Babu Lal Bansal d/o Jawahar Lal s/o Shri Ram Saran Dass Jindal, R/o Jhajjar Road, Rohtak.

(Transferor)

- (1) Svs. Padam Chand Jain s/o Lakhmi Chand Jain s/o Wazir Singh Jain and Smt. Jainwati Jain w/o Shri Padam Chand Jain s/o Lakhmi Chand Jain, Ram Kali Market, Bhiwani Stand, Rohtak.

(Transferee)

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 282/16 Ram Gali, Jhajjar Road measuring 226 sq. yds., at Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 4336 dated 14-9-1984 with Sub Registrar, Rohtak.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 15-5-1985

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 13th May 1985

Ref. No. A.P. No. 5799 and 5800.—Whereas I
J. L. GIRDHAR
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 100,000/- and bearing No.
No. as per Schedule situated at Jalandhar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Jalandhar on Sept. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Shri Nanak Chand s/o Kirpa Ram
r/o Durga Colony, Jalandhar.
(Transferor)
- (2) Shri Naresh Kumar s/o Sarup Chand R/o
NK—2/6, Charanjit Pura, Jalandhar.
(R.D. No. 2407)
- (2) Rakesh Kumar S/o Sarup Chand r/o
as above. (R.D. No. 2408).
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property House No. 34 situated in Durga Colony, Jalandhar
and persons as mentioned in the registered sale deed Nos.
2407 and 2408 of Sept 1984 1/2 share each deed of the
Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 13-5-1985
Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th May 1985

Ref. No. A.P. No. 5801 and 5802.—Whereas, I
J. J. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on Sept. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Pritam Kaur Wd/o Santa Singh r/o V. Kulhar Teh. Nakodar (now r/o Dada Colony, Jalandhar) Self & Mukhtiar-Am of Avtar Singh, Rajinder Pal Singh Sons & Surrender Kaur & Jitoo alias Jit Kaur D/o Santa Singh. (Transferor)
- (2) Shri Gian Singh S/o Jawala Singh R/o V. Sheikh, Teh. Jalandhar (R. D. No. 2522) and Sh. Gurmit Singh S/o Gian Singh r/o as above (R.D. No. 2526). (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property area 18 Msl. 47 Sq. ft and 18 Mls. 93 S. ft. situated in Dada Colony, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 2522 & 2526 dated Sept. 84 respectively of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 14-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th May 1985

Ref. No. A.P. No. 5803 and 5804.—Whereas, I J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 18 per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Sept. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Sham Sunder Kapoor s/o Harbans Lal r/o Mitha Bazar, Jalandhar Mukhtam of Vijay Kumar Ashok Kumar Jandon & Shiv Kumar S/o Shri Som Nath Kamlesh Kakar daughter (w/o Ravinder Kumar & Gian Devi Wd/o Som Nath, B11-3A, Lawrence Road, Delhi-35. (Transferee,
- (2) Shri Narinder Kumar S/o Ram Parkash C/o M/s Raj Kumar & Bros, Tanda Road, Jalandhar. (R.D. No. 2317) 2. Rakesh Kumar s/o Ram Parkash i/o as above. and 2 2322). (Transferor)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property house area 17 Mls. and 17 Mls. situated in Shiv Puri Sodal Road, Jalandhar & Persons as mentioned in the Registered sale deed Nos. 2317 & 2322 of Sept. 84 respectively of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 14-5-85

Seal :

FORM I.T.N.S.— —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th May 1985

Ref. No. A.P. No. 5805-5806 & 5807.—Whereas, I
J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar on Sept. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pyara Singh s/o Gohil Singh i/o V. Kodlan Teh. Ajnala Distt. Amritsar Mukhtiar-Khas Surinder Mohan s/o Khushi Ram Mukhtiar-am Khushi Ram s/o Narain Dass, 148, Sector 28A, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri Malak Singh Chadha s/o Ram Singh r/o NB-56 Preet Nagar, Sadal Road, Jalandhar (R.D. No. 2653) and Jatinder Kaur Wd/o Rajinder Singh r/o —do— (R. D. No. 2649 & 2706).

(Transferee)

- (3) As S No 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kothi No. 61-L, Model Town, Jalandhar and persons as mentioned in the Registered sale deed Nos. 2633 and 2649 of Sept. 84 and 2706 of Oct. 84 of the Registering Authority, Jalandhar (1/3rd share each deed).

J. L. GIRDHAR

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 15-5-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur, the 15th May 1985

Ref. No. A-107/85-86 —Whereas, I,

S. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No situated at Kanoon Goyan Aligarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh under registration No 8152 dated 12-10-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—

63--96GI/85

(1) Shri Bhola Shanti Narain
S/o Shri Baboo Lal Narain
R/o Sarat Barah Sami
House at Kanoon Goyan
Aligarh

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi
W/o Shri Nath Verma
Praveen Verma
and Arun Verma
R/o Ramai Dora
Aligarh

(Transferee)

(3) Smt. Shanti Devi
W/o Shri Nath Verma
Praveen Verma,
and Arun Verma
R/o Ramai Dora
Aligarh

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Smt. Shanti Devi
W/o Shri Nath Verma
Praveen Verma
Praveen Verma,
and Arun Verma,
R/o Ramai Dora
Aligarh

(Persons whom the transferee knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House at Kanoon Goyan Aligarh

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date 15-5 1985

Seal

FORM ITN

(1) Shri Sayeer Gautam
S/o Hatan Chand Gautam
R/o Lekhtaj Nagar
Aligarh

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE
106/282, KANUNJ BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur, the 15th May 1985

Ref. No. A-108/84-85 -- Whereas, I,
S. K. BHATNAGAR
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act) have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Plot
situated at Kanjola Aligarh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Aligarh
under registration No. 8504 dated 30-10-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :-

(2) Shri Dinesh Kumar
S/o Laxmi Narain
R/o Balvata Rajasthan & Shri
Girraj Kishore,
S/o Laxmi Narain
R/o Jaiganj Aligarh

(Transferee)

(3) Shri Dinesh Kumar
S/o Laxmi Narain,
R/o Balvata Rajasthan & Shri
Girraj Kishore,
S/o Laxmi Narain,
R/o Jaiganj Aligarh.

[Persons] in occupation of the property]

(4) Shri Dinesh Kumar
S/o Laxmi Narain,
R/o Balvata Rajasthan & Shri
Girraj Kishore,
S/o Laxmi Narain
R/o Jaiganj Aligarh

(Persons whom the undersigned knows to
be interested in the property)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :-**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at Belpur Kanjola Aligarh

[Signature]

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Kanpur

Date : 15-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/262 KANCHAN BHAWA
GANDHI NAGAR OPP. LALIN PARK
KANPUR 208 012

Kanpur 208012 (15th May, 1985)

Ref. No. A 103/8465 Whereas I
S. K. BHATTNAGAR
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
No 13/487
situated at Manik Chowk, Aligarh
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and registered under the Registration Act,
1908 (36 of 1908) in the office of the Registrar of Aligarh
under registration No. 41 dated 22/11/84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been fully paid in the amount of
Rs. 1,00,000/-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been so
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income Tax Act 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957)

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the follow-
ing persons:-

- (1) Shri Hari Gopal Virshney & Others
S/o Sri Gyan Prakash
Manik Chowk,
Aligarh
(transferor)
- (2) Shri Suresh Chandra Jain
S/o Shri Mahan Lal Jain
Manik Chowk,
Aligarh
(transferee)
- (3) Shri Suresh Chandra Jain
S/o Shri Mahan Lal Jain
Manik Chowk,
Aligarh
(transferee in occupation of the property)
- (4) Shri Suresh Chandra Jain
S/o Shri Mahan Lal Jain
Manik Chowk,
Aligarh
(persons who, he undersigned knows to
be interested in the property)

Objections to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice to the respective persons,
whichever shall expire last
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/82 KANCHAN BHAVAN
GANDHI NAGAR OPP. LALIN PARK
KANPUR 208 012

Kanpur, the 15th May 1985

Ref. No. K 169/84-85.—Whereas, I
S. K. BHATTNAGAR
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act) have reason to believe that the im-
movable property having fair market value exceeding
Rs. 1,00,000, and bearing No. 1 and Vill Khadepur Distt. Kanpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and is stated in the registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kanpur under registration No. 1755 dated 11.5.85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of an income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby, with effect from the date of issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely —

- (1) Shri Din dayal &
Ram Chand
S/o Sri Alibel
Vill Khalepur, Pujana & Distt
Kanpur
(Transferee)
- (2) The Ideal Co-operative Housing Society Ltd.
204/2 Juhu Lal Colony Kanpur
Through Sri K. K. Srivastava, Secretary
(Transferee)
- (3) The Ideal Co-operative Housing Society Ltd.
204/2 Juhu Lal Colony Kanpur
Through Sri K. K. Srivastava, Secretary
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) The Ideal Co-operative Housing Society Ltd.
204/2 Juhu Lal Colony Kanpur
Through Sri K. K. Srivastava, Secretary
(Persons whom the undersigned knows to
be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land at Khadepur Distt. Kanpur

S. K. BHATTNAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 15.5.1985
Seal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
10/22 KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR 205 012

Kanpur, the 15th May 1985

Ref No. K 189/51/55. Whereas I,
S. K. BHATT NAGAR
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act) have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/
and bearing No.
1 and 10/22 at Delhi Sujainpur Distt. Kanpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration Act,
1908 (19 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kanpur under record No. S. 12303 dated 15.9.1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
parties has not been truly stated in the said instrument of
consideration for such transfer as agreed to be the
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:

- (1) Shri Rahul Wahi
S/o Late Shri Girdhari Lal Wahi
17/81, Nawab Sahib Ka Hata,
Kanpur (Transferor)
- (2) Nehru Smarak Sahkari Greh Numan
Samiti Ltd. through President
Shri Jaeswar Prasad Tripathy
128/35, G Block Kidwai Nagar,
Kanpur (Transferee)
- (3) Nehru Smarak Sahkari Greh Numan Samiti Ltd.
Through President
Shri Jaeswar Prasad Tripathy
128/35, G Block Kidwai Nagar,
Kanpur [Persons in occupation of the property]
- (4) Nehru Smarak Sahkari Greh Numan Samiti Ltd.
Through President
Shri Jaeswar Prasad Tripathy
128/35, G Block Kidwai Nagar,
Kanpur [Persons whom the undersigned knows to
be interested in the property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may
be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice in
the Official Gazette or a period of 30 days from the
service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the official gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture 1 and No. 832 at Delhi Sujainpur Distt. Kanpur.

S. K. BHATT NAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Kanpur

Date 15.5.1985
Sd/-

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/282 KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP JANIN PARK
KANPUR 208 012

Kanpur, the 15th May 1985

Ref. No. K 205/485—Whereas, I
S. K. BHAVNAGAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
Ag. Land No. 832
situated at Dehli Surajpur Kanpur
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and registered under the registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kanpur
under registration 14894 dated 31-10-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Shri Ayodhya Prasad Wahi
S/o Ganpat Rai
17/81 Ram Narain Bazar
Kanpur (Transferor)
- (2) Nehru Smarak Griti Nirman Samiti Ltd
Through Shri Prem Prakash Tripathi
128/35—6 Block Kadirwa Nagar
Kanpur (Transferee)
- (3) Nehru Smarak Griti Nirman Samiti Ltd
Through Shri Prem Prakash Tripathi
128/35—6 Block Kadirwa Nagar
Kanpur [Person in occupation of the property]
- (4) Nehru Smarak Griti Nirman Samiti Ltd
Through Shri Prem Prakash Tripathi
128/35—6 Block Kadirwa Nagar
Kanpur (Persons whom the undersigned has to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Ag. Land No. 832 at Dehli Surajpur Dist. Kanpur

S. K. BHAVNAGAR
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Kanpur

Date 15-5-1985
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK,
KANPUR-208 012

- (1) Shri S. M. Bhasin
S/o Late A. Kashi
93/12 Pech Bagh,
Kanpur. (Transferor)
- (2) Shri Achhey Nawab
S/o Shamsuddin,
93/8 Pech Bagh,
Kanpur. (Transferee)
- (3) Shri Achhey Nawab
S/o Shamsuddin,
93/8 Pech Bagh,
Kanpur. [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Shri Achhey Nawab
S/o Shamsuddin,
93/8 Pech Bagh,
Kanpur. (Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Kanpur, the 15th May 1985

Ref. No. K 227/84-85.—Whereas, I,
S. K. BHATNAGAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
No. 93/8
situated at Pech Bagh Kanpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kanpur
under registration No. 13767 dated 27-9-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

THE SCHEDULE

H No. 93/8 Pech Bagh, Kanpur.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 15-5-1985
Sent :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur, the 15th May 1985

Ref. No. K-232/84-85.—Whereas, I,
S K BHATNAGAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 127/219A situated at Juhi Kalan Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 15738 dated 10-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Raj Kumar
Pasupati Kumar,
Ram Kumar & Others,
128/M-38, Kadiwar Nagar
Kanpur

(Transferor)

(2) Smt. Vidya Devi
W/o Shri Dulh Chand & Master Lal Chand,
S/o Dulh Chand,
108/30, & Road,
Kanpur.

(Transferee)

(3) Smt. Vidya Devi
W/o Shri Dulh Chand & Master Lal Chand
S/o Dulh Chand,
108/30, & Road,
Kanpur.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Smt. Vidya Devi
W/o Shri Dulh Chand & Master Lal Chand
S/o Dulh Chand,
108/30, & Road,
Kanpur

(Persons whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 127/219A, Juhi Kalan Kanpur.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 15-5-1985
Sent :

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR,
OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 15th May 1985

No. K-238/84-85.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 85/52 situated at Cooperganj, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Kanpur under registration No. 15327 dated 3-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bal Kisan Gupta,
101/71, Kaisthaw Road,
Kanpur. (Transferor)
- (2) Smt. Saheen Parveen,
101/71, Kaisthaw Road,
Kanpur (Transferee)
- (3) Smt. Saheen Parveen,
101/71, Kaisthaw Road,
Kanpur. (Person in occupation of the property)
- (4) Smt. Saheen Parveen,
101/71, Kaisthaw Road,
Kanpur. (Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Cooperganj, Kanpur.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date : 15-5-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR,
OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 15th May 1985

No. K-241/84-85.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 15749 dated 6-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Daya Shanker Gupta S/o. Late Sri Mahabir Pd. Gupta, 75/173, Ranjit Purha, Kanpur.
- (2) Smt. Gita Devi w/o. Sri Brij Mohan Lal Jakhodil, Sri Satish Kumar S/o. Sri Brij Mohan Lal Jakhodil, 57/82, Neelwali Gali, Kanpur.
- (3) Smt. Gita Devi w/o. Sri Brij Mohan Lal Jakhodil, Sri Satish Kumar S/o. Sri Brij Mohan Lal Jakhodil, 57/82, Neelwali Gali, Kanpur.
- (4) Smt. Gita Devi w/o. Sri Brij Mohan Lal Jakhodil, Sri Satish Kumar S/o. Sri Brij Mohan Lal Jakhodil, 57/82, Neelwali Gali, Kanpur.

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Sooterganj, Kanpur, 13/133.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date : 15-5-85
Sd/-

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur, the 15th May 1985

No. K-242/84-85.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 15753 on 10-9-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagmohaa Lal Baijai
Kanpur. (Transferor)
- (2) Shri Radha Kishan S/o Late Sri Relumal
108/6, P. Road Kanpur. (Transferee)
- (3) Shri Radha Kishan S/o Late Sri Relumal
108/6, P. Road Kanpur. (Person in occupation of the property)
- (4) Shri Radha Kishan S/o Late Sri Relumal
108/6, G. Road, Kanpur (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Kanpur.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 15-5-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 27th April 1985

No. K-243/84-85.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 43/15 situated at Narial Bazar, Kanpur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 15756 dated 6-9-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any Income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bhagwan Dai W/o Late Sri Bhagwan Das & others 43/15, Narial Bazar, Kanpur, (Transferor)
- (2) Shri Surya Prakash & others S/o Sri Vijay Shankar 35/44, Bengali Mohal, Kanpur. (Transferee)
- (3) Shri Surya Prakash & others S/o Sri Vijay Shankar 35/44, Bengali Mohal, Kanpur. (Person in occupation of the property)
- (4) Shri Surya Prakash & others S/o Sri Vijay Shankar 35/44, Bengali Mohal, Kanpur. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at 43/15, Narial Bazar, Kanpur.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-4-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
106/232, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 27th April 1985

No. K-245/84-85.—Whereas, I,
S. K. BHATNAGARbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.H-34, situated at Pauki, Kanpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Kanpur under registration No. 16763 on 28-9-1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for the
-
- purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
-
- 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957
-
- (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

- (1) Shri Jnder Lal S/o Sri Jai Ram Dal
-
- 117/H-1/337, Model Town, Sundar Nagar
-
- Kanpur.

(Transferor)

- (2) Smt. Ishari Devi & others W/o Sri Nihal Chand.

(Transferee)

- (3) Smt. Ishari Devi & others W/o Sri Nihal Chand.

(Person in occupation of the property)

- (4) Smt. Ishari Devi & others W/o Sri Nihal Chand.

(Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
-
- of 45 days from the date of publication of this
-
- notice in the Official Gazette or a period of
-
- 30 days from the service of notice on the res-
-
- pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
-
- property, within 45 days from the date of the publi-
-
- cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

House at Industrial Estate, Panki, Kanpur.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 27-4-1985

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 15th May 1985

No. K-249/84-85—Whereas, I,
S. K. BHATNAGAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 106/213 situated at Gandhi Nagar, Kanpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Kanpur under registration No. 15359 on 6-9-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kanta Devi Dubey W/o Sri Jagdish Pd. Dubey
106/213, Gandhi Nagar, Kanpur
(Transferor)
- (2) Smt. Nagina Chandok W/o Sri Om Prakash Chandok
87/11, Acharya Nagar, Kanpur
(Transferee)
- (3) Smt. Nagina Chandok W/o Sri Om Prakash Chandok
87/11, Acharya Nagar, Kanpur
(Person in occupation of the property)
- (4) Smt. Nagina Chandok W/o Sri Om Prakash Chandok
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter

THE SCHEDULE

House at 106/213, Gandhi Nagar, Kanpur.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date 15-5-1985
Sd/-

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur 208 102, the 15th May 1985

No. K-250/84-85—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 327-A situated at Anandpuri Kanpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 15485 on 4-9-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

- (1) Shri Satya Prakash Gupta S/o
Kashan Swaroop Gupta, R/o
Swadeshi Cotton Mills Compound,
Juhi Kanpur. (Transferor)
- (2) Shri Rameshwar Dayal S/o Chhotey Lal,
& others 50/16, Hemghora
Kanpur. (Transferee)
- (3) Shri Rameshwar Dayal S/o Chhotey Lal
& others 50/16, Hemghora
Kanpur. (Person in occupation of the property)
- (4) Shri Rameshwar Dayal S/o Chhotey Lal
& others 50/16, Hemghora
Kanpur. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 327-A Anandpuri Kanpur.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 106/283
KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 15th May 1985

Ref. No. K-254/84-85.—Whereas I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 17/50 situated at Civil Lines, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Kanpur under registration No. 15621 dated 6-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Khwaja Mohd. Faiq Khwaja Mohd Sharq & Others,
r/o Abuturab Khan,
Lucknow.
(Transferor)
- (2) Shri Ganesh Shanker Gupta,
Gopal Shanker Gupta & Others,
38/92, Narial Bazar,
Kanpur.
(Transferee)
- (3) Shri Ganesh Shanker Gupta,
Gopal Shankar Gupta & others
38/92, Narial Bazar, Kanpur.
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Shri Ganesh Shanker Gupta,
Gopal Shankar Gupta & Others
38/92, Narial Bazar, Kanpur
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 15 70, Civil Lines, Kanpur.



S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 15-5-1985

Seal : *

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 106/282
KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 15th May 1985

Ref. No K-255/84-85.—Whereas I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 133/60, situated at Anandpuri, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at under registration No. 15608 dated 15-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
65—96GI/85

(1) Shri Niraj Agrawal s/o
Late Sri K. C. Agrawal,
266, Anandpuri, Juhi,
Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Mina Devi Gupta w/o
Sri Madan Lal Gupta,
Kanpur.

(Transferee)

(3) Smt. Mina Devi Gupta w/o
Sri Madan Lal Gupta,
Kanpur.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Smt. Mina Devi Gupta w/o
Sri Madan Lal Gupta,
Kanpur.

(Persons whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at 133/60, Anandpuri, Kanpur

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Asstf Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 15-5-1985

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 15th May 1985

Ref. No. K-256/84-85—Whereas I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 191-B, situated at Industrial Estate, Dada Nagar, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur and a registration No. 15596 dated 5-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Pritam Singh s/o
Sri Khajan Singh,
124/57th B, Ganga Nagar,
Kanpur.

Transferee

(2) Smt. Saraswati Agrawal w/o
Sri Harish Chand Agrawal
8/90, Arya Nagar,
Kanpur.

(Transferee)

(3) Smt. Saraswati Agrawal W/o
Sri Harish Chand Agrawal
8/90, Arya Nagar,
Kanpur.

(Person in occupation of the property)

(4) Smt. Saraswati Agrawal w/o
Sri Harish Chand Agrawal
8/90, Arya Nagar,
Kanpur

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires first;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXIA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House at Dada Nagar, Kanpur

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Kanpur

Date: 15-5-1985
Seal

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 27th April 1985

Ret No K-257/84 85 -Whereas I, S K BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 - and bearing No. 109/397, situated at Nehru Nagar, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No 1992 dated 6-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) Shri Moti Lal Seth, Chunnilal Seth & Others
s/o Late Shri Girdhar Lal,
109/397, Nehru Nagar,
Kanpur. (Transferor)
- (2) Smt. Mangla Devi w/o
Shri Hori Shanker Sahu,
104-A/101, Ram Bagh,
Kanpur. (Transferee)
- (3) Smt. Mangla Devi w/o
Shri Hori Shanker Sahu,
104-A/101, Ram Bagh,
Kanpur. (Person in occupation of the property)
- (4) Smt. Mangla Devi w/o
Shri Hori Shanker Sahu,
104-A/101, Ram Bagh,
Kanpur. (Persons whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at 109/397, Nehru Nagar Kanpur

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Kanpur

Date : 27-4-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KANCEAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LALIN PARK,
KANPUR - 208 012

Kanpur, 20th June 1985

Ref. No. ITA-208 818. I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100000 (Rupees One Lakh) situated at Khalsi Lane Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Transfer of Property Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Sub-Registrar at Kanpur under registration No. 54, dated 5-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the said property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truthfully stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor by gift tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

- (1) Smt. Durga Mehrotra & Others w/o
Sri Shuv Bhagwan Mehrotra,
63/7, Mahatma Gandhi Marg,
Kanpur. (Transferor)
- (2) Shri Radhey Krishna Agrawal s/o
Late Shri Janki Prasad Agrawal,
97, The Mall,
Kanpur. (Transferee)
- (3) Shri Radhey Krishna Agrawal s/o
Late Shri Janki Prasad Agrawal,
97, The Mall,
Kanpur. (Person in occupation of the property)
- (4) Shri Radhey Krishna Agrawal s/o
Late Shri Janki Prasad Agrawal,
97, The Mall,
Kanpur. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at 10/434, Khalsi Lane Kanpur

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax -
Acquisition Range, Kanpur

Date: 27-4-1985

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur, the 15th May 1985

Ref N K-30/85-86 —Whereas, I

S K BHATNAGAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No 832 situated at Daheli Sujampur, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 18466 dated 6-9-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohd. Wasi & Other s/o Sri Wali Mohd. 133/4, Juhi Gausala, Kanpur. (Transferor)
- (2) M/s. Teachers Housing Cooperative Society, 77/1, Halsey Road, Kanpur. (Transferee)
- (3) —do— (Person(s) in occupation of the property)
- (4) —do— (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land at Daheli Sujampur, Kanpur.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 15-5-85

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE
106/282 KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. TANIN PARK
KANPUR 208 012

Kanpur the 15th May 1985

Ref. No K-31/85-86 —Whereas, I
S. K. BHATNAGAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
No. 832 situated at Daheli Sujapur, Kanpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registrar, Officer at
Kanpur under registration No. 15466 dated 6-9-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

- (1) Shri Mohd Wasi & Others & Shri Wali Mohd
133/A Juhā Gausada Kanpur
(Transferor)
(2) M/s Teachers Housing Co-operative Society,
77/1A, Halsey Road Kanpur
(Transferee)
(3) —do— (Person(s) in occupation of the property)
(4) —do— (Persons whom he undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : - The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land at Daheli Sujapur Kanpur

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 15-5-85

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur, the 15th May 1985

Ref. No. 329/85-86.—Whereas, I
S. K. BHATNAGAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. 832 situated at Daheli Sujampur, Kanpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred
and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer at
Kanpur under registration No. 15431 dated 15-11-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269G of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Ravi Kumar & Rakesh Kumar,
17/81, Nawab Saheb Ka Hata Satkapur,
Kanpur. (Transferor)
- (2) M/s. Nehru Smarak Sahkari Grah Nirman Samiti,
through Sri Prem Prakash Tripathi Secretary. (Transferee)
- (3) —do— (Person(s) in occupation of the property)
- (4) —do— (Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land at Daheli Sujampur Kanpur.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 15-5-85
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur, the 29th April 1985

Ref. No. M-1616/84-85.—Whereas, I
S. K. BHATNAGAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said 'Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing No.
No. 273 situated at Meerut
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Delhi under registration No. 912 dated 28-9-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Aji Jabun w/o Fazul Husam Puri
R/o 184 Lal Kuti Meerut
(Transferor)
(2) Shri Om Prakash s/o Mevadan
Smt. Dahi w/o Shri Om Prakash Lt. No. 273,
Lal Kuti Meerut
(Transferee)
(3) —do—
(Persons) in occupation of the property
(4) —do—
(Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 273 Lal Kuti Meerut.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Kanpur

Date : 29-4-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Brahm Datt s/o Hari Singh
Village—Viral—Pargana Kandhla
Budhana—Muzaffar Nagar. (Transferor)

(2) Shri Vijender Singh s/o Shri Chand
Shri Ram Pal Singh, Sat Pal Singh
R/o Thakari, Pargana, Budnawa,
Distt. Meerut. (Transferee)

(3) —do— (Person(s) in occupation of the property)

(4) —do— (Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur, the 29th April 1985

Ref. No. 1615/84-85.—Whereas, I
S. K. BHATNAGAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
Property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 261 situated at Thikari
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Budhana under registration No. 4772 dated 20-9-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
66—96G1/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned. —

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Khata 261 Thikari.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 29-4-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur, the 29th April 1985

Rel. No. 1606/84-85.—Whereas, I
S. K. BHATNAGAR
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act) have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
68 situated at Kavi Nagar
and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ghaziabad under registration
No. 32255 dated 3-9-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) Shri Vidhia Bhosan S/o Shri Yas Pal,
R/o Sahi A. S. Patal Jungpura, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Pawan Sharma
w/o Shri Lal Chand Sharma,
R/o K. M. 122 Kavi Nagar, Ghaziabad,

(Transferee)

(3) —do— (Person(s) in occupation of the property)

(4) —do— (Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. K. K. 68 Kavi Nagar, Ghaziabad.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 29-4-1985
Seal ;

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur, the 29th April 1985

Ref. M-1603/84-85.—Whereas, I
S. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R/8/38 situated at Raj Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad the said Act read with under registration No. 32054 15-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Satish Kumar s/o Behari Lal
R/o 220 Bukund Nagar, Ghaziabad. (Transferor)
- (2) Shri Rajinder Kumar Sharma
S/o Deo Dutt Sharma, R/o B-35
Lohia Nagar, Ghaziabad. (Transferee)
- (3) —do— (Person(s) in occupation of the property)
- (4) —do— (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No R-8/38 Raj Nagar, Ghaziabad.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 29-4-1985
Seal :

FORM NO. ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 29th April 1985

Recd. No. M. 1601/84-85.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4 situated at Delhi Road Meerut (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 14750 dated 30-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Anil Kumar Agarwal
S/o Parmatama Saran,
R/o 191 Civil Line,
Meerut.
(Transferor)
- (2) Shri Dusyant Kumar
Rama Shanker Vasro,
Western Kachahari Road,
Meerut.
(Transferee)
- (3) Shri Dusyant Kumar
Rama Shanker Vasro,
Western Kachahari Road,
Meerut.
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Shri Dusyant Kumar
Rama Shanker Vasro,
Western Kachahari Road,
Meerut.
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4 Delhi Road, Meerut.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date : 29-4-1985
Seal :

FORM 11NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 29th April 1985

Ref. No. M. 1579/84-85.—Whereas, I,
S. K. BHATNAGAR,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding Rs.
1,00,000/- and bearing
situated at Payal Thathar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at
Dadri

under registration No. 4793 dated 5-9-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Surender Prakash
S/o Anand Prakash,
Salender Prakash Bansal,
R/o Chowdhary Bagh, Sikandiabad,
Bulandshahar.
(Transferor)
- (2) Shri Phool Chand,
Boola Lal,
S/o Shyam Lal,
Payal Thatars,
Railway Road, Dadri,
Ghaziabad.
(Transferee)
- (3) Shri Phool Chand,
Boola Lal,
S/o Shyam Lal,
Payal Thatars,
Railway Road, Dadri,
Ghaziabad.
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) Shri Phool Chand,
Boola Lal,
S/o Shyam Lal,
Payal Thatars,
Railway Road, Dadri,
Ghaziabad.
(Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Payal Thatars, Railway Road, Ghaziabad.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date : 29-4-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 29th April 1985

Ref. No. M-1578/84-85.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2508 situated at Dintganj (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar under registration No. 7674 dated 5-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. Asia Begam,
Mohalla—Dintyganj,
Bulandshahar.
(Transferor)
- (2) Shri Parwayaz Alam
S/o Ahmad Hasan,
Shri Ali Hasan,
R/o H. No. 2508, Dintganj,
City—Bulandshahar.
(Transferee)
- (3) Shri Parwayaz Alam
S/o Ahmad Hasan,
Shri Ali Hasan,
R/o H. No. 2508, Dintganj,
City—Bulandshahar.
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Shri Parwayaz Alam
S/o Ahmad Hasan,
Shri Ali Hasan,
R/o H. No. 2508, Dintganj,
City—Bulandshahar.
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2058, Mohalla Diptyganj, Ghaziabad.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date : 29-4-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN,
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR 208 012

Kanpur-208 012, the 29th April 1985

Ref. No. M-1577/84-85.—Whereas, I,

S. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 136 situated at Vill.—Sunaihra

has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bulandshahar

under registration No. 8154 dated 27-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohd. Hussain
S/o Shri Sajjad Hussain,
R/o Vill.—Sunaihra, Parg Baran,
Teh. & Distt. Bulandshahar.

(Transferor)

- (2) Shri Shashi Kant Jalan
S/o Sri Hira Lal &
Sri Munish Kumar
S/o Sri Om Prakash,
R/o 54 Dalmandi,
Bulandshahar.

(Transferee)

- (3) Shri Shashi Kant Jalan
S/o Sri Hira Lal &
Sri Munish Kumar
S/o Sri Om Prakash,
R/o 54 Dalmandi,
Bulandshahar.

(Person(s) in occupation of the property)

- (4) Shri Shashi Kant Jalan
S/o Sri Hira Lal &
Sri Munish Kumar
Sri Munish Kumar
S/o Sri Om Prakash,
R/o 54 Dalmandi,
Bulandshahar.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land bearing No. 136 at Village—Sunaihra
Pargana-Baran, Distt. Bulandshahar.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date : 29-4-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
106/282 KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK,
KANPUR 208 012

Kanpur 208 012, the 29th April 1985

Ref No M-1530/84 85—Whereas, I
S K BHATNAGAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs 25 000
and bearing
situated at Hapur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration
Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at
Hapur
under registration No 7367 dated 30.9.1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer,
and or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to following
persons, namely :—

(1) Shri And Kumar
S/o Sri Raghunath Sharma,
116 Babughat Court Hapur,
Distt Ghaziabad
(Transferee)

(2) Smt Raj Kumari Sharma
W/o Sri Onkar Nath Sharma &
Smt Krishna Devi
W/o Sri Meera Lal,
R/o Railway Road Hapur,
Distt Ghaziabad
(Transferee)

(3) Smt Raj Kumari Sharma
W/o Sri Onkar Nath Sharma &
Smt Krishna Devi
W/o Sri Meera Lal,
R/o Railway Road, Hapur
Distt Ghaziabad
(Person(s) in occupation of the property)

(4) Smt Raj Kumari Sharma
W/o Sri Onkar Nath Sharma &
Smt Krishna Devi
W/o Sri Meera Lal,
R/o Railway Road Hapur
Distt Ghaziabad
(Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot measuring 2024 03 sq yds situated at Hapur, Distt
Ghaziabad

S K BHATNAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date 29-4-1985
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR,
OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 29th April 1985

No. M-1521/84-85.—Whereas, J. S. K. BHATNAGAR, No. 162, situated at Mohan puri, Meerut being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut under registraion No. 13796 dated 13-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Santosh Pal Dublsh
S/o. Ram Gopal Dublsh
R/o 162, Mohan Puri,
Meerut.

(Transferor)

(2) Smt. Rarna Gautam w/o. Shri Naresh Chand Gautam
R/o Kadcem, Danpuri, Anupshahan,
Distt. Bulandshahar.

(Transferee)

(3) -do.-

(4) -do.-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House No. 162, Mohan Puri, Meerut.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date : 29-4-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR,
OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 29th April 1985

No. M-1404/84-85—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 2/2436 situated at Narainpuri (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Shaharanpur, under registration No. 3650 dated 30-8-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gopal Das S/o. Late Sardar Singhal Singh
R/o Gill Colony,
Shaharanpur.
(Transferor)
- (2) Shri Sashi Garg w/o Ashok Kumar Garg,
R/o Behat,
Distt. Shaharanpur.
(Transferee)
- (3) Sh. Sashi Garg w/o Ashok Kumar Garg
R/o Behat Distt—Shaharanpur.
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) Sh. Sashi Garg w/o Ashok Kumar Garg
R/o Behat Distt—Shaharanpur.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mahaua M.P. No. 2/2436, Colony Narainpuri.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date : 29-4-1985
Seal :

11) S. Narendra Singh Lombor
Bhupender Singh, S. Bhag Singh
R/o Spiritual Home Haridwar Road
Dehra Dun.

1100 (10000)

Dehra Dun.

Transferee(s)

Objections: If any to the above, I have no objection to the same being referred to the committee.

(1) by any of the following which are found
in 4 a s t the d r o n b a n of the
B t the m m c c a f y l s
from a c o c c o w a t e p e r
which is modulated by

(b) by any other person interested in the said property for the purpose, within the said term of years, of the publication of the said book or of any part thereof.

The fact that the land was used as a pasture for cattle and sheep, and the fact that the land was used as a pasture for cattle and sheep, are all factors which tend to show that the land was used as a pasture for cattle and sheep.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

- 112 - *Lawa Dun, Dehua Dun*

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax
Acquisition Branch
Kannur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Sept 1985

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXKANPUR RANGEL
12/2 KANPURA BHAWAN, GANDHI NAGAR
O.P. JAIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 29th April 1985

No. M1102/84-85 --Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 280 situated at Mayan Grant, Kanpur, is wholly or partly comprised in the Schedule annexed hereto), and that the said property is situated in the village of Mayan Grant, District of Dehra Dun, and is registered under No. 7784 dated 28-9-85, and that the consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereon or more than exceeds the apparent consideration thereon by more than consideration for such transfer is entered between the parties has not been duly stated in the said instrument or transfer with due effect or --

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Sachender Singh S/o. Shri Lal
Now Ratan Singh
R/o 13, New Sarve Road,
Dehra Dun.

(Transferor)

(2) Shri Lala Devi, D/o Shri Jeet Singh
Village Kaneto Pawa Shahde, Dist. Sahar (H.P.)

(Transferee)

(3) -do.-
(4) -do.-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property, within a period of 30 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The words and expressions used herein as are defined in Chapter XXIV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 280 village Mayan Grant Pawa Dun Dehra Dun

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 29-4-1985
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

106/282, KANCHAN BILAWAN GANDHI NAGAR,
OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 29th April 1985

Ref. No. M-1291/84-85 —Whereas, I, S. K. BHATNAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. D-31/II situated at Noida

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Noida under registration No. 1875 dated 14-9-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) M/s. Fine Wire Company,
Through Sri Vijay Kumar Bahal,
D-18, Ajay Enclave,
New Delhi-18.
(Transferor)
- (2) M/s. Metal Surface Finishers & Fabrication,
through Sri Ram Nath Batra, R/o 2106/37,
Nai Wala, Karol Bagh,
New Delhi.
- (3) M/s. Metal Surface Finishers
& Fabrication, Through
Sri Ram Nath Batra, R/o 2106/37,
Nai Wala, Karol Bagh,
New Delhi.
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) M/s. Metal Surface Finishers
& Fabrication, Through
Sri Ram Nath Batra, R/o 2106/37,
Nai Wala, Karol Bagh,
New Delhi.
(Persons whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. D 31, Sector II, Noida, Distt. Ghaziabad.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date : 29-4-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCAH BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK,
KANPUR 208 012

Kanpur, the 29th April 1985

Ref. No. M-1401/84-85 —Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing situated at Village-Mirzapur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 32800 dated 12-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jeewan Singh,
S/o Sri Hayat Singh
Village Habibpur,
Distt. Ghaziabad
(Transferor)
- (2) Vishal Sahkari Aawas Samiti Ltd.,
B-4, U. P. State Industrial Area,
Loni Road, Mohan Nagar,
Ghaziabad
Through Sri Anand Swarup Singh, Secretary
(Transferee)
- (3) Vishal Sahkari Aawas Samiti Ltd.,
B-4, U. P. State Industrial Area,
Loni Road, Mohan Nagar,
Ghaziabad
Through Sri Anand Swarup Singh, Secretary
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) Vishal Sahkari Aawas Samiti Ltd.
B-4, U. P. State Industrial Area,
Loni Road, Mohan Nagar,
Ghaziabad
Through Sri Anand Swarup Singh,
Secretary
(Persons who the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Village—Mirzapur, Pargana Loni, Teh & Distt. Ghaziabad

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 29-4-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (47 OF 1961)

ACQUISITION OF IMMOVABLE PROPERTY

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

COMMISSIONER RANGE
100/101 S. K. BHATNAGAR BHAYAN
CANAL NAGAR, P. LANIN LARK,
LANPUN-20 012

Kanpur, the 29th April 1985

Ref No. M/32/8185 -Wh. recd. I
S. K. BHATNAGAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (47 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property in the fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and being

located in

situated in

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at

under registration No. 5117 dated 17.9.84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the deflection or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following namely :—

- (1) Shri Amar Singh
20 Sir Ram Vilas Oid
Village Mahabaddin up. Kanpur
Post Kanpur Dist. Dad
Dist. Chhazabad

(Transferee)

- (2) M/s. D. M. Auto & Co. Pvt. Ltd.
6—1/1, 1/2, 1/3, 1/4, 1/5, 1/6, 1/7, 1/8, 1/9, 1/10, 1/11, 1/12, 1/13, 1/14, 1/15, 1/16, 1/17, 1/18, 1/19, 1/20, 1/21, 1/22, 1/23, 1/24, 1/25, 1/26, 1/27, 1/28, 1/29, 1/30, 1/31, 1/32, 1/33, 1/34, 1/35, 1/36, 1/37, 1/38, 1/39, 1/40, 1/41, 1/42, 1/43, 1/44, 1/45, 1/46, 1/47, 1/48, 1/49, 1/50, 1/51, 1/52, 1/53, 1/54, 1/55, 1/56, 1/57, 1/58, 1/59, 1/60, 1/61, 1/62, 1/63, 1/64, 1/65, 1/66, 1/67, 1/68, 1/69, 1/70, 1/71, 1/72, 1/73, 1/74, 1/75, 1/76, 1/77, 1/78, 1/79, 1/80, 1/81, 1/82, 1/83, 1/84, 1/85, 1/86, 1/87, 1/88, 1/89, 1/90, 1/91, 1/92, 1/93, 1/94, 1/95, 1/96, 1/97, 1/98, 1/99, 1/100, 1/101, 1/102, 1/103, 1/104, 1/105, 1/106, 1/107, 1/108, 1/109, 1/110, 1/111, 1/112, 1/113, 1/114, 1/115, 1/116, 1/117, 1/118, 1/119, 1/120, 1/121, 1/122, 1/123, 1/124, 1/125, 1/126, 1/127, 1/128, 1/129, 1/130, 1/131, 1/132, 1/133, 1/134, 1/135, 1/136, 1/137, 1/138, 1/139, 1/140, 1/141, 1/142, 1/143, 1/144, 1/145, 1/146, 1/147, 1/148, 1/149, 1/150, 1/151, 1/152, 1/153, 1/154, 1/155, 1/156, 1/157, 1/158, 1/159, 1/160, 1/161, 1/162, 1/163, 1/164, 1/165, 1/166, 1/167, 1/168, 1/169, 1/170, 1/171, 1/172, 1/173, 1/174, 1/175, 1/176, 1/177, 1/178, 1/179, 1/180, 1/181, 1/182, 1/183, 1/184, 1/185, 1/186, 1/187, 1/188, 1/189, 1/190, 1/191, 1/192, 1/193, 1/194, 1/195, 1/196, 1/197, 1/198, 1/199, 1/200, 1/201, 1/202, 1/203, 1/204, 1/205, 1/206, 1/207, 1/208, 1/209, 1/210, 1/211, 1/212, 1/213, 1/214, 1/215, 1/216, 1/217, 1/218, 1/219, 1/220, 1/221, 1/222, 1/223, 1/224, 1/225, 1/226, 1/227, 1/228, 1/229, 1/230, 1/231, 1/232, 1/233, 1/234, 1/235, 1/236, 1/237, 1/238, 1/239, 1/240, 1/241, 1/242, 1/243, 1/244, 1/245, 1/246, 1/247, 1/248, 1/249, 1/250, 1/251, 1/252, 1/253, 1/254, 1/255, 1/256, 1/257, 1/258, 1/259, 1/260, 1/261, 1/262, 1/263, 1/264, 1/265, 1/266, 1/267, 1/268, 1/269, 1/270, 1/271, 1/272, 1/273, 1/274, 1/275, 1/276, 1/277, 1/278, 1/279, 1/280, 1/281, 1/282, 1/283, 1/284, 1/285, 1/286, 1/287, 1/288, 1/289, 1/290, 1/291, 1/292, 1/293, 1/294, 1/295, 1/296, 1/297, 1/298, 1/299, 1/300, 1/301, 1/302, 1/303, 1/304, 1/305, 1/306, 1/307, 1/308, 1/309, 1/310, 1/311, 1/312, 1/313, 1/314, 1/315, 1/316, 1/317, 1/318, 1/319, 1/320, 1/321, 1/322, 1/323, 1/324, 1/325, 1/326, 1/327, 1/328, 1/329, 1/330, 1/331, 1/332, 1/333, 1/334, 1/335, 1/336, 1/337, 1/338, 1/339, 1/340, 1/341, 1/342, 1/343, 1/344, 1/345, 1/346, 1/347, 1/348, 1/349, 1/350, 1/351, 1/352, 1/353, 1/354, 1/355, 1/356, 1/357, 1/358, 1/359, 1/360, 1/361, 1/362, 1/363, 1/364, 1/365, 1/366, 1/367, 1/368, 1/369, 1/370, 1/371, 1/372, 1/373, 1/374, 1/375, 1/376, 1/377, 1/378, 1/379, 1/380, 1/381, 1/382, 1/383, 1/384, 1/385, 1/386, 1/387, 1/388, 1/389, 1/390, 1/391, 1/392, 1/393, 1/394, 1/395, 1/396, 1/397, 1/398, 1/399, 1/400, 1/401, 1/402, 1/403, 1/404, 1/405, 1/406, 1/407, 1/408, 1/409, 1/410, 1/411, 1/412, 1/413, 1/414, 1/415, 1/416, 1/417, 1/418, 1/419, 1/420, 1/421, 1/422, 1/423, 1/424, 1/425, 1/426, 1/427, 1/428, 1/429, 1/430, 1/431, 1/432, 1/433, 1/434, 1/435, 1/436, 1/437, 1/438, 1/439, 1/440, 1/441, 1/442, 1/443, 1/444, 1/445, 1/446, 1/447, 1/448, 1/449, 1/450, 1/451, 1/452, 1/453, 1/454, 1/455, 1/456, 1/457, 1/458, 1/459, 1/460, 1/461, 1/462, 1/463, 1/464, 1/465, 1/466, 1/467, 1/468, 1/469, 1/470, 1/471, 1/472, 1/473, 1/474, 1/475, 1/476, 1/477, 1/478, 1/479, 1/480, 1/481, 1/482, 1/483, 1/484, 1/485, 1/486, 1/487, 1/488, 1/489, 1/490, 1/491, 1/492, 1/493, 1/494, 1/495, 1/496, 1/497, 1/498, 1/499, 1/500, 1/501, 1/502, 1/503, 1/504, 1/505, 1/506, 1/507, 1/508, 1/509, 1/510, 1/511, 1/512, 1/513, 1/514, 1/515, 1/516, 1/517, 1/518, 1/519, 1/520, 1/521, 1/522, 1/523, 1/524, 1/525, 1/526, 1/527, 1/528, 1/529, 1/530, 1/531, 1/532, 1/533, 1/534, 1/535, 1/536, 1/537, 1/538, 1/539, 1/540, 1/541, 1/542, 1/543, 1/544, 1/545, 1/546, 1/547, 1/548, 1/549, 1/550, 1/551, 1/552, 1/553, 1/554, 1/555, 1/556, 1/557, 1/558, 1/559, 1/560, 1/561, 1/562, 1/563, 1/564, 1/565, 1/566, 1/567, 1/568, 1/569, 1/570, 1/571, 1/572, 1/573, 1/574, 1/575, 1/576, 1/577, 1/578, 1/579, 1/580, 1/581, 1/582, 1/583, 1/584, 1/585, 1/586, 1/587, 1/588, 1/589, 1/590, 1/591, 1/592, 1/593, 1/594, 1/595, 1/596, 1/597, 1/598, 1/599, 1/600, 1/601, 1/602, 1/603, 1/604, 1/605, 1/606, 1/607, 1/608, 1/609, 1/610, 1/611, 1/612, 1/613, 1/614, 1/615, 1/616, 1/617, 1/618, 1/619, 1/620, 1/621, 1/622, 1/623, 1/624, 1/625, 1/626, 1/627, 1/628, 1/629, 1/630, 1/631, 1/632, 1/633, 1/634, 1/635, 1/636, 1/637, 1/638, 1/639, 1/640, 1/641, 1/642, 1/643, 1/644, 1/645, 1/646, 1/647, 1/648, 1/649, 1/650, 1/651, 1/652, 1/653, 1/654, 1/655, 1/656, 1/657, 1/658, 1/659, 1/660, 1/661, 1/662, 1/663, 1/664, 1/665, 1/666, 1/667, 1/668, 1/669, 1/670, 1/671, 1/672, 1/673, 1/674, 1/675, 1/676, 1/677, 1/678, 1/679, 1/680, 1/681, 1/682, 1/683, 1/684, 1/685, 1/686, 1/687, 1/688, 1/689, 1/690, 1/691, 1/692, 1/693, 1/694, 1/695, 1/696, 1/697, 1/698, 1/699, 1/700, 1/701, 1/702, 1/703, 1/704, 1/705, 1/706, 1/707, 1/708, 1/709, 1/710, 1/711, 1/712, 1/713, 1/714, 1/715, 1/716, 1/717, 1/718, 1/719, 1/720, 1/721, 1/722, 1/723, 1/724, 1/725, 1/726, 1/727, 1/728, 1/729, 1/730, 1/731, 1/732, 1/733, 1/734, 1/735, 1/736, 1/737, 1/738, 1/739, 1/740, 1/741, 1/742, 1/743, 1/744, 1/745, 1/746, 1/747, 1/748, 1/749, 1/750, 1/751, 1/752, 1/753, 1/754, 1/755, 1/756, 1/757, 1/758, 1/759, 1/760, 1/761, 1/762, 1/763, 1/764, 1/765, 1/766, 1/767, 1/768, 1/769, 1/770, 1/771, 1/772, 1/773, 1/774, 1/775, 1/776, 1/777, 1/778, 1/779, 1/780, 1/781, 1/782, 1/783, 1/784, 1/785, 1/786, 1/787, 1/788, 1/789, 1/790, 1/791, 1/792, 1/793, 1/794, 1/795, 1/796, 1/797, 1/798, 1/799, 1/800, 1/801, 1/802, 1/803, 1/804, 1/805, 1/806, 1/807, 1/808, 1/809, 1/810, 1/811, 1/812, 1/813, 1/814, 1/815, 1/816, 1/817, 1/818, 1/819, 1/820, 1/821, 1/822, 1/823, 1/824, 1/825, 1/826, 1/827, 1/828, 1/829, 1/830, 1/831, 1/832, 1/833, 1/834, 1/835, 1/836, 1/837, 1/838, 1/839, 1/840, 1/841, 1/842, 1/843, 1/844, 1/845, 1/846, 1/847, 1/848, 1/849, 1/850, 1/851, 1/852, 1/853, 1/854, 1/855, 1/856, 1/857, 1/858, 1/859, 1/860, 1/861, 1/862, 1/863, 1/864, 1/865, 1/866, 1/867, 1/868, 1/869, 1/870, 1/871, 1/872, 1/873, 1/874, 1/875, 1/876, 1/877, 1/878, 1/879, 1/880, 1/881, 1/882, 1/883, 1/884, 1/885, 1/886, 1/887, 1/888, 1/889, 1/890, 1/891, 1/892, 1/893, 1/894, 1/895, 1/896, 1/897, 1/898, 1/899, 1/900, 1/901, 1/902, 1/903, 1/904, 1/905, 1/906, 1/907, 1/908, 1/909, 1/910, 1/911, 1/912, 1/913, 1/914, 1/915, 1/916, 1/917, 1/918, 1/919, 1/920, 1/921, 1/922, 1/923, 1/924, 1/925, 1/926, 1/927, 1/928, 1/929, 1/930, 1/931, 1/932, 1/933, 1/934, 1/935, 1/936, 1/937, 1/938, 1/939, 1/940, 1/941, 1/942, 1/943, 1/944, 1/945, 1/946, 1/947, 1/948, 1/949, 1/950, 1/951, 1/952, 1/953, 1/954, 1/955, 1/956, 1/957, 1/958, 1/959, 1/960, 1/961, 1/962, 1/963, 1/964, 1/965, 1/966, 1/967, 1/968, 1/969, 1/970, 1/971, 1/972, 1/973, 1/974, 1/975, 1/976, 1/977, 1/978, 1/979, 1/980, 1/981, 1/982, 1/983, 1/984, 1/985, 1/986, 1/987, 1/988, 1/989, 1/990, 1/991, 1/992, 1/993, 1/994, 1/995, 1/996, 1/997, 1/998, 1/999, 1/1000, 1/1001, 1/1002, 1/1003, 1/1004, 1/1005, 1/1006, 1/1007, 1/1008, 1/1009, 1/1010, 1/1011, 1/1012, 1/1013, 1/1014, 1/1015, 1/1016, 1/1017, 1/1018, 1/1019, 1/1020, 1/1021, 1/1022, 1/1023, 1/1024, 1/1025, 1/1026, 1/1027, 1/1028, 1/1029, 1/1030, 1/1031, 1/1032, 1/1033, 1/1034, 1/1035, 1/1036, 1/1037, 1/1038, 1/1039, 1/1040, 1/1041, 1/1042, 1/1043, 1/1044, 1/1045, 1/1046, 1/1047, 1/1048, 1/1049, 1/1050, 1/1051, 1/1052, 1/1053, 1/1054, 1/1055, 1/1056, 1/1057, 1/1058, 1/1059, 1/1060, 1/1061, 1/1062, 1/1063, 1/1064, 1/1065, 1/1066, 1/1067, 1/1068, 1/1069, 1/1070, 1/1071, 1/1072, 1/1073, 1/1074, 1/1075, 1/1076, 1/1077, 1/1078, 1/1079, 1/1080, 1/1081, 1/1082, 1/1083, 1/1084, 1/1085, 1/1086, 1/1087, 1/1088, 1/1089, 1/1090, 1/1091, 1/1092, 1/1093, 1/1094, 1/1095, 1/1096, 1/1097, 1/1098, 1/1099, 1/1100, 1/1101, 1/1102, 1/1103, 1/1104, 1/1105, 1/1106, 1/1107, 1/1108, 1/1109, 1/1110, 1/1111, 1/1112, 1/1113, 1/1114, 1/1115, 1/1116, 1/1117, 1/1118, 1/1119, 1/1120, 1/1121, 1/1122, 1/1123, 1/1124, 1/1125, 1/1126, 1/1127, 1/1128, 1/1129, 1/1130, 1/1131, 1/1132, 1/1133, 1/1134, 1/1135, 1/1136, 1/1137, 1/1138, 1/1139, 1/1140, 1/1141, 1/1142, 1/1143, 1/1144, 1/1145, 1/1146, 1/1147, 1/1148, 1/1149, 1/1150, 1/1151, 1/1152, 1/1153, 1/1154, 1/1155, 1/1156, 1/1157, 1/1158, 1/1159, 1/1160, 1/1161, 1/1162, 1/1163, 1/1164, 1/1165, 1/1166, 1/1167, 1/1168, 1/1169, 1/1170, 1/1171, 1/1172, 1/1173, 1/1174, 1/1175, 1/1176, 1/1177, 1/1178, 1/1179, 1/1180, 1/1181, 1/1182, 1/1183, 1/1184, 1/1185, 1/1186, 1/1187, 1/1188, 1/1189, 1/1190, 1/1191, 1/1192, 1/1193, 1/1194, 1/1195, 1/1196, 1/1197, 1/1198, 1/1199, 1/1200, 1/1201, 1/1202, 1/1203, 1/1204, 1/1205, 1/1206, 1/1207, 1/1208, 1/1209, 1/1210, 1/1211, 1/1212, 1/1213, 1/1214, 1/1215, 1/1216, 1/1217, 1/1218, 1/1219, 1/1220, 1/1221, 1/1222, 1/1223, 1/1224, 1/1225, 1/1226, 1/1227, 1/1228, 1/1229, 1/1230, 1/1231, 1/1232, 1/1233, 1/1234, 1/1235, 1/1236, 1/1237, 1/1238, 1/1239, 1/1240, 1/1241, 1/1242, 1/1243, 1/1244, 1/1245, 1/1246, 1/1247, 1/1248, 1/1249, 1/1250, 1/1251, 1/1252, 1/1253, 1/1254, 1/1255, 1/1256, 1/1257, 1/1258, 1/1259, 1/1260, 1/1261, 1/1262, 1/1263, 1/1264, 1/1265, 1/1266, 1/1267, 1/1268, 1/1269, 1/1270, 1/1271, 1/1272, 1/1273, 1/1274, 1/1275, 1/1276, 1/1277, 1/1278, 1/1279, 1/1280, 1/1281, 1/1282, 1/1283, 1/1284, 1/1285, 1/1286, 1/1287, 1/1288, 1/1289, 1/1290, 1/1291, 1/1292, 1/1293, 1/1294, 1/1295, 1/1296, 1/1297, 1/1298, 1/1299, 1/1300, 1/1301, 1/1302, 1/1303, 1/1304, 1/1305, 1/1306, 1/1307, 1/1308, 1/1309, 1/1310, 1/1311, 1/1312, 1/1313, 1/1314, 1/1315, 1/1316, 1/1317, 1/1318, 1/1319, 1/1320, 1/1321, 1/1322, 1/1323, 1/1324, 1/1325, 1/1326, 1/1327, 1/1328, 1/1329, 1/1330, 1/1331, 1/1332, 1/1333, 1/1334, 1/1335, 1/1336, 1/1337, 1/1338, 1/1339, 1/1340, 1/1341, 1/1342, 1/1343, 1/1344, 1/1345, 1/1346, 1/1347, 1/1348, 1/1349, 1/1350, 1/1351, 1/1352, 1/1353, 1/1354, 1/1355, 1/1356, 1/1357, 1/1358, 1/1359, 1/1360, 1/1361, 1/1362, 1/1363, 1/1364, 1/1365, 1/1366, 1/1367, 1/1368, 1/1369, 1/1370, 1/1371, 1/1372, 1/1373, 1/1374, 1/1375, 1/1376, 1/1377, 1/1378, 1/1379, 1/1380, 1/1381, 1/1382, 1/1383, 1/1384, 1/1385, 1/1386, 1/1387, 1/1388, 1/1389, 1/1390, 1/1391, 1/1392, 1/1393, 1/1394, 1/1395, 1/1396, 1/1397, 1/1398, 1/1399, 1/1400, 1/1401, 1/1402, 1/1403, 1/1404, 1/1405, 1/1406, 1/1407, 1/1408, 1/1409, 1/1410, 1/1411, 1/1412, 1/1413, 1/1414, 1/1415, 1/1416, 1/1417, 1/1418, 1/1419, 1/1420, 1/1421, 1/1422, 1/1423, 1/1424, 1/1425, 1/1426, 1/1427, 1/1428, 1/1429, 1/1430, 1/1431, 1/1432, 1/1433, 1/1434, 1/1435, 1/1436, 1/1437, 1/1438, 1/1439, 1/1440, 1/1441, 1/1442, 1/1443, 1/1444, 1/1445, 1/1446, 1/1447, 1/1448, 1/1449, 1/1450, 1/1451, 1/1452, 1/1453, 1/1454, 1/1455, 1/1456, 1/1457, 1/1458, 1/1459, 1/1460, 1/1461, 1/1462, 1/1463, 1/1464, 1/1465, 1/1466, 1/1467, 1/1468, 1/1469, 1/1470, 1/1471, 1/1472, 1/1473, 1/1474, 1/1475, 1/1476, 1/1477, 1/1478, 1/1479, 1/1480, 1/1481, 1/1482, 1/1483, 1/1484, 1/1485, 1/1486, 1/1487, 1/1488, 1/1489, 1/1490, 1/1491, 1/1492, 1/1493, 1/1494, 1/1495, 1/1496, 1/1497, 1/1498, 1/1499, 1/1500, 1/1501, 1/1502, 1/1503, 1/1504, 1/1505, 1/1506, 1/1507,

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/82, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012.

Kanpur, the 29th April 1985

Ref. No. 1400/84-85.—Whereas, I,
S. K. BHATNAGAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
situated at Makanpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the registered under the registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Ghaziabad
under registration No. 32798 dated 19-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

68—96GJ/85

(1) Plat Haldar Association
Gopal Nagar Colony,
Mirzapur.

(Transferor)

(2) Vishal Sahkari Awas Samiti Ltd.,
Dadri B, 4 Loni Road
Through Anand Swroop Singhal
U. P. State Industrial Ghaziabad.

(Transferee)

(3) Vishal Sahkari Awas Samiti Ltd.,
Dadri B, 4 Loni Road
Through Anand Swroop Singhal
U. P. State Industrial Ghaziabad.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Vishal Sahkari Awas Samiti Ltd.,
Dadri B, 4 Loni Road
Through Anand Swroop Singhal
U. P. State Industrial Ghaziabad.

(Persons whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land meerajpur Ghaziabad.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 29-4-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
106/82, KANCHAN BILAWAN
GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK
KANPUR-208 012.

Kanpur, the 29th April 1985

Ref. No. M-1531/84-85.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 549 situated at Mahindeen Dadri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri under registration No. 5115 dated 13-9-84 for an apparent consideration which is less than the (a) market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhulay
S/o Sundhu
R/o V. Mahiuddinpur Kanmoni,
Pangana—Loni Teh. Dadri
Distt. Ghaziabad

(Transferor)

- (2) M/s. Delhi Auto General Finance Pvt. Ltd.,
6 Tilak Marg
New Delhi

(Transferee)

- (3) M/s. Delhi Auto & General Finance Pvt. Ltd.
6 Tilak Marg,
New Delhi.

[Person(s) in occupation of the property]

- (4) M/s. Delhi Auto & General Finance Pvt. Ltd.
6 Tilak Marg,
New Delhi.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

549, 550, 551, 551, 556 Vid. Mahiuddin Dadri Distt. Ghaziabad

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Kanpur

Date : 29-4-1985
Sd/ :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
106/82, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK
KANPUR-208 012.

Kanpur, the 29th April 1985

Ref No M-1535/84-85 ---Whereas, I,
S. K. BHATNAGAR,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 100,000/- and bearing

situated at Dadri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the registered under the registration
Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Dadri

under registration No 5630 dated 28-9-84

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—(1) Shri Sardar Ram Singh Arora
S/o Sardar Gur Bachan Singh
R/o 12 N. W. A Panjabi Bagh Extension
New Delhi

(Transferor)

(2) Surender Kumar Gulati
S/o Jagdish Lal Gulati
R/o 635 Harmam Sah Kala Gali No 1
Dow Basti Ram—Amritsar,
Punjab(3) Shri Surender Kumar Gulati
S/o Jagdish Lal Gulati
R/o 635 Harmam Sah Kala Gali No 1
Dow Basti Ram—Amritsar,
Punjab

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Shri Surendra Kumar Gulati
S/o Jagdish Lal Gulati
R/o 635 Harmam Sah Kala Gali No 1
Dow Basti Ram—Amritsar,
Punjab(Persons whom the undersigned knows
to be interested in the property
(Transferee))Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons;
whichever period expires later;(b) by any other person, interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 56, Dadri, Ghaziabad.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, KanpurDate : 29-4-1985
Seal :

FORM NO. IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012.

Kanpur, the 29th April 1985

Ref. No. 1540/84-85.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated Surya Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 4830 dated 10-4-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Swaran Kour,
W/o Darshan Singh Gujral
K-9 Krishna Nagar,
Delhi-51.

(Transferor)

(2) Shri Kastori Lal
S/o Shri Bodh Raj
R/o Krishna Nagar,
Delhi-51.

(Transferee)

(3) Shri Kastori Lal
S/o Shri Bodh Raj
R/o Krishna Nagar,
Delhi-51.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Shri Kastori Lal
S/o Shri Bodh Raj
R/o Krishna Nagar,
Delhi-51.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, before the expiry of the period of 30 days from the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House Surya Nagar Ghaziabad.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 29-4-1985
Seal -

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 018

Kanpur-208012, the 29th April 1985

Ref. No. M-1398/84-85.—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Patel Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut under Registration No. 13812 dated 6-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Roshan Lal Chopra
S/o N. D. Chopra,
South Extension, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Sakuntala Devi,
W/o Dhan Prakash Aggarwal,
H. No. 40 Utri Patel Nagar,
Meerut. (Transferee)
- (3) —do— (Person in occupation of the property)
- (4) —do— (Persons whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 40 Utri Patel Nagar Meerut.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 29-4-85
Seal :

FORM FINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106, 282 KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 018

Kanpur 208012, the 29th April 1985

Ref. No. M-1393/84-85—Whereas, I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R-5/4 situated at Raj Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad under Registration No. 32390 dated 5-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Smt. Shakuntala Rajpal
W/o Shri S. B. Rajpal,
R/o B-356, New Friends Colony,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Adip Kumar
S/o Shri Prem Chand
R/o H-C/118, Nehru Nagar,
Ghaziabad. (Transferee)
- (3) —do— (Person in occupation of the property)
- (4) —do— (Persons whom the undersigned know to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. R-5/4, Raj Nagar, Ghaziabad.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur.

Date : 29-4-85
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 29th April 1985

Ref. No. M-1395/84-85.—Whereas I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. _____ situated at Mohwa Kot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 33066 dated 14-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Mohan Nand Missan Home Society through, Smt. Sarojni Bose
W/o Shri Suboth Chand Bose,
Harijan Digri College,
Ghaziabad. (Transferor)
- (2) Shri Harish Chand
S/o Devak Ram
Village Shahpur Bam Heta-Dasna,
Distt. Ghaziabad (Transferee)
- (3) Shri Harish Chand
S/o Devak Ram
Village Shahpur Bam Heta-Dasna,
Distt. Ghaziabad. (Persons(s) in occupation of the property)
- (4) Shri Harish Chand
S/o Devak Ram
Village Shahpur Bam Heta-Dasna,
Distt. Ghaziabad. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Village Mahwa Sharya—Loni, G.Bad.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-85
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PPRK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 29th April 1985

Ref. No. M-1289/84-85 —Whereas, I,
S. K. BHATNAGAR,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.No. situated at Samrala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi under registration No. 901 dated 27-9-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen percent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Ramesh Singhal
-
- S/o Shri Har Naram Das Singhal,
-
- R/o D-25 E. C. Colony,
-
- Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s Basami Japi Chemicals,
-
- 5-278, Grotus Kailash,
-
- New Delhi.

(Transferee)

- (3) M/s Basami Japi Chemicals,
-
- 5-278, Grotus Kailash,
-
- New Delhi.

- (4) M/s Basami Japi Chemicals,
-
- 5-278, Grotus Kailash,
-
- New Delhi.

(Person(s) in occupation of the property)
(Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
-
- able property, within 45 days from the date of the
-
- publication of this notice in the Official Gazette.

THE SCHEDULE

Samrala Ludhiyana.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, KanpurDate : 29-4-85
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PPRK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 15th May 1985

Ref. No. M-60/85-86.—Whereas, I,
S. K. BHATNAGAR,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.No. 10/A situated at Circular Road
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Dehra Dun under registration No. 7190 dated 14-9-84for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as apiced to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

69—96G1/85

(1) Smt. Pauljeet Kaur
W/o Shri O. Giani,
R/o 10/A Circular Road,
Dehra Dun.

(Transferor)

(2) Shri V. K. Bishnoi
S/o Late Shri B. S. Bishnoi,
R/o 13/A, Balbir Road,
Dehra Dun.

(Transferee)

(3) Shri V. K. Bishnoi
S/o Late Shri B. S. Bishnoi,
R/o 13/A, Balbir Road,
Dehra Dun.(4) Shri V. K. Bishnoi
S/o Late Shri B. S. Bishnoi,
R/o 13/A, Balbir Road,
Dehra Dun.

[Person(s) in occupation of the property]

(Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
-
- able property, within 45 days from the date of the
-
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cottage No. 2 Part of 101A Circular Road, Dehra Dun

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Kanpur.

Date : 15-5-85

Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

106/282 KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 15th May 1985

Ret. No. M-59/85-86.—Whereas, I,
S. K. BHATNAGAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000] and bearing
No. situated at Tilak Marg
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Dehra dun under registration No. 7165 dated 3-9-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Shri Ramesh Kumar Parbhakar other
Old Badli Nuth Marg Resht Kash
Paswa Dehra dun
(Transferee)
- (2) M/s Abh Sash Oil Mills
Resht Kash,
Dehra dun.
(Transferee)
- (3) M/s Abh Sash Oil Mills,
Resht Kash,
Dehra dun.
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) M/s Abh Sash Oil Mills,
Resht Kash,
Dehra dun
(Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tilak Marg Resht Kash, Dehra dun

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Kanpur

Date : 15-5-85
Seal :

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP JANIN PARK
KANPUR 208 012

Kanpur-208 012, the 15th May 1985

Ret. No. M-120/84-85. —Whereas I
S. K. BHATNAGAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing w/o Shri R. P. Rastogi No. 3/1 situated at Haridwar Road Dehra Dun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dehra Dun under Registration No. 7267 dated 6-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Nirmala Devi
Smt. Nirmal Rani
W/o Shri Ram Nand Other
R/o 311 Haridwar Road,
Dehra dun.

(Transferor)

(2) Smt. Shanna Devi
W/o Shri R. P. Rastogi,
P.O. Munadia,
Dhateki Budaun.

(Transferee)

(3) Smt. Shanna Devi
W/o Shri R. P. Rastogi,
P.O. Munadia,
Dhateki Budaun.
(Person(s) in occupation of the property)

(4) Smt. Shanna Devi
w/o Shri R. P. Rastogi
P.O. Munadia,
Dhateki Budaun.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises Bearing No. 3/1 Haridwar Road, Dehra Dun.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date 15-5-85
seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961),

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 15th May 1985

Ref. No. M-118/85-86.—Whereas, I,
S. K. BHATNAGAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
No. 9 situated at Astley Hall
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Dehra dun under registration No. 7250 dated 5-9-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Atun Nandadan
Kucha Ami Singh,
Muzaffar Nagar.
(Transferor)
- (2) Smt. Mangi Lal
Shri Avodh Behari Lal,
3 E. C. Road,
Dehra dun.
(Transferee)
- (3) Smt. Mangi Lal
Shri Avodh Behari Lal,
3 E. C. Road,
Dehra dun.
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) Smt. Mangi Lal
Shri Avodh Behari Lal,
3 E. C. Road,
Dehra dun.
(Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property 9-D, Astley Road, Dehra Dun.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 15-5-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur 208 012, the 15th May 1985

Ref No M-1549/84 85—Whereas, I, S K BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing No 74 situated at Chandrawati (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehra dun under registration No 7788 dated 28 9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Nath Malhotra
S/o Meher Chand Malhotra,
R/o 299/4 Jagan Street Patiala.
(Transferee)
- (2) Smt Raj Rani Kapar,
R/o C 9, Mahanani Bhagh,
New Delhi.
(Transferee)
- (3) Smt Raj Rani Kapoor,
R/o C-9, Mahanani Bhagh,
New Delhi
(Person(s) in occupation of the property)
- (4) Smt Raj Rani Kapoor,
R/o C-9, Mahanani Bhagh,
New Delhi
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No 74, Chandrawati, Dehra Dun.

S K BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date 15 5-85
Seal .

FORM NO. ITN.S.—

(1) Shri Shiva Nath Malhotra other
Shri Ashok Malhotra R/o 2994 Jagan Street,
Patna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Ram Ram V S Mehta S. Rana,
2 A Mana Ram Bagh New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
(ACQUISITION RANGE), 106/232, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR, OPP JANIN PARK
KANPUR 203 012

Kanpur, the 15th May 1985

Ref No M-1399/84 s5—Whereas I, S. K. BHAINAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No situated at Chandrawati (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrar, Office at Dehradun under registration No 7787 dt 28-1-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned. —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A. G. 2 and Village, Chandrawati Distt. Dehra Dun.

S. K. BHAINAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur-4

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 15-5 1985
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shri Mahender Prakash, S/o Mangal Sen, R/o 103, Kirti Nagar, Ghaziabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri. Babu Khan, S/o Hoffiz Khan, Village & P.O. Anwala, Distt. Etawah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,(ACQUISITION RANGE) 106/282, KANUNJIAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. CANIN PARK
KANPUR-208 012(3) Babu Khan S/o
Hoffiz Khan
Village & P.O.—Anwala
Distt. Etawah.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Babu Khan S/o
Hoffiz Khan
Village & P.O.—Anwala
Distt. Etawah.(Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property).

Kanpur, the 15th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No M-1612/84-85 Whereas I, S. K. BHATNAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/224 situated at Raj Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad under registration No. 32690 dt 11-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot No. R/2/224 Raj Nagar, Ghaziabad.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 15-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,(ACQUISITION RANGE), 106 2&2, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR, OPP. LAXMIN PARK
KANPUR-208 012

Kanpur, the 15th May 1985

Ref. No. 1-M/85-86 --Whereas, I, S. K. BHATNAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 391 situated at Ghaziabad (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur under registration No. 7433 dated 10-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rajender Singh S/o Gurimukh Singh,
Village—Raghnathpur, Hapur, Distt.
Ghaziabad. (Transferor)
- (2) Roghukul Narain, S/o Ch. Raghnandan R/o Upwan
garh Road Meerut. (Transferee)
- (3) Roghukul Narain S/o Ch. Raghu Nandan
R/o Upwan Gash Road
Meerut. [Person(s) in occupation of the property]
- (4) Roghu Kul Narain S/o Ch. Raghu Nandan
R/o Upwan Gash Road
Meerut. [Persons whom the undersigned knows to be
interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khata No. 391 Raghu Nath Pur Hapur Ghaziabad.

S. K. BHATNAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 15-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd May 1985

Ref. No. C.R. No. 62/45159/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3619/10-B situated at Umakhayam Road, II Cross, Mandi Mohalla, Mysore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering officer at Mysore on 9-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
70—96GI/85

(1) Shri Syed Noorulla & Syed Zafrulla & Syed Nasarulla & Syed Arifulla, No. 3619/10-B, Ummer-Khayam Road, II Cross, Mandi Mohalla, Mysore. Present Address : 3624, Hamid Mauril, Sayyajihao Road, Umar Khayam Extn. Mysore.

(Transferor)

(2) Easwari Bai,
No. 2971-2972, A.E.C. 30, Lashket, Mohalla,
Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4104/84-85 dt. 9-11-1984).
Property bearing No. 3619/10-B, Umakhayam Road, II-Cross, Mandi Mohalla, Mysore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-5-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001**

Bangalore-560 001, the 16th April 1985

C.R. No. 62/45458/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, **R. BHARDWAJ**, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 86-B/2, (86) situated at Cules Road, Bangalore and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar in November, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

(1) Smt. Haradevi K. Bajaj,
Krishna Kutira No. 181,
VI Cross Road, Gandhinagar,
Bangalore.

(Transferor)

(2) Smt. D. Sathyaraj,
No. GBJ 376, HAL Colony,
Manathaballi, Bangalore.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2290/84-85 dated November, 84)
Property bearing No. 86 at Cules Road, Civil Station, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 16-4-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 15th April 1985

C.R. No. 62/45688/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8, situated at Rest House Road, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 21-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. K. Umadevi,
2. Smt. K. Vanidevi,
3. Smt. Dr. K. Lakshmi,
4. Smt. K. Sumathi,
No. 26, Victoria Crescent Road,
Egmore, Madras.

(Transferor)

- (2) M/s. Krishna Construction Co.,
No. 102, Marshalls Road,
Egmore, Madras-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2864/84-85 dated 21-12-84)
Property bearing No. 8, Rest House Road, Bangalore-1.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 15-4-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore, the 26th April 1985

C. R. No. 62/45707/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 87A situated at Kadni Village, Mangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Mangalore on 5-12-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Mrs. Lethitia Saldauba,
Mallikatta of Kadni
Village, Mangalore.

(Transferor)

- (2) Smt. Johu Saldauba,
Mallikatta of Kadni
Village, Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 1380/84-85 dated 5-12-1984)
Property No. 87A, Kadni Village, Mangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 26-4-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri M. Ramachandra Naidu,
No. 739, 37th 'F' Cross,
XVI Main, IV 'T' Block,
Jayanagar, Bangalore

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 18th April 1985

C.R. No. 62/45722/84-85/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 43 (739), situated at 37th 'F' Cross, XVI Main Road,
IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore-11
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the Office of the Registering Officer at
Jayanagar on 17-12-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
fair market value of the aforesaid property, and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

(Registered Document No. 3739/84-85 dated 17-12-84)

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Property No. 43 (739) , 37th "F" Cross, XVI Main, IV
'T' Block, Jayanagar, Bangalore-11.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 18-4-1985
Seal :

FORM LTNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE 560 001

Bangalore, the 15th April 1985

CR No 62/45658/84-85/ACQ/B—Whereas, I, R BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No 174 situated at XV Main Road, IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Jayanagar in September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ramulu,
No 174, IV 'T' Block,
Jayanagar, Bangalore.
(Transferor)
- (2) 1 Smt Khatunissa,
2 Siraj Ahmed &
3 Muneer Ahmed,
No 4, Hakim Md Khouse Lane,
S P Road Cross, Kumbarpet,
Bangalore-2.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No 2607/84-85 dated Sept, 84)

Property No 174 XV Main Road IV 'T' Block, Jayanagar, Bangalore

R BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date 14-5-85
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Mangalore-560 001, the 30th April 1985

C.R. No. 62/908/85 86/ACQ/B.-Whereas, I, R BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 7 situated at Margao, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Salcete, Goa under document No. 457/dt. 29-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
105—56GI/85

(1) 1. Mr. Antonio Correia Afonso
2. Mrs. Dr. Marina Correia Afonso,
r/o Benaulim, Salcete, Goa,
(Transferor)

(2) Mr. Lawrence Xavier Rego
c/o Mrs. Anna Maria Dias,
No. 278, Senanlim Verna,
Salcete, Goa,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2457 dated 29-10-1984)

The property bearing No. 7 measuring 599 square meters. The property also known as Murida or Udego Candlem situated at Patorda Margao, Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 30-4-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore 560 001, the 30th April 1985

CR No 62/909/85 86/ACQ/B—Whereas I, R. BHARADWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Sy. No. 28 situated at Batt, Village Panchayat of Batt, Taluka Sanguem, Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sanguem under document No 227/dt. 1-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Maria Helena Sales de Andrade,
r/o Borda, Opp Court Margao, Goa.
2 Jose Pedro Caetano Sales de Andrade
r/o Borda, Opp Court, Margao, Goa (Transferor)
- (1) 1 Santharam Sripad Prabhu Desai,
2 Dattaram Narayana Sher Naivekar,
3 Damiao Drego D'Costa
4 Avelo Gaspar Pereira
5 Shrikrishna Sany Phandur
6 Anant Shivram Chiplunkar,
7 Tulidas Shivaji Nair
8 Surya Mahadev Velip
9 Laxmanbhai V. Keluskar
10 Chandrabant L. Bhandari,
11 Patirao Goankar
all r/o Barazon Saquem (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No 227 dated 1-12-1984)

This is a part of the property known as 'Barazonachem Mola' or 'Barazan' situated at Batt village panchayat of Batt, Taluka Sanguem Admeasuring 206 725 00 square metres and surveyed No 28.

R BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Bangalore

Date : 30-4-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th April 1985

CR. No. 62/910/85-86/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 8 situated at Alto Porvorim of village Panchayat of Reis Magos, Taluka Bardez

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Ilhas on 20-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

71-96GI/85

(1) P^c. Buaventure Melo Furtado also known as
P^c. Buaventure Domingos Melo Furtado,
r/o Pilerne, Bardez, Goa.

(Transferor)

(2) Miss Varsha Bhiralal Rajani,
r/o House No. 291, Ward No. 13,
Mina, Mai, Panaji Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No 914 dated 20-11-1984)

The property admeasuring 450 square meters known as DACTEM SORGAUL situated at Alto Porvorim of village punchayat of Reis Magos, Taluka Bardez, T is a part of the property of plot No 8

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 30-4-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th April 1985

CR. No. 62/911/85-86/ACQ/B-- Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8B situated at Industrial Estate Panaji Goa (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ilhas under document No. 910/dt 20-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) M/s. Allumnex,
Suresh Anant Kamat Sole Proprietor
201/202 Kamalshi Niwas Panaji Goa (Transferor)
- (2) Philip Weighmech Pvt. Ltd.
6-B, Ans Industrial Estate,
Saki Vihar Road, Saki Naka
Andheri (East), Bombay (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 910 dated 20-11-1984)

This is a Industrial shed admeasuring 210 m² of built up area constructed on plot No. B B The property known as Corlim Industrial Estate

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date 30.4.1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th April 1985

Ref. No. C.R. No. 62/912/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 15 situated at Industrial estate

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ilhas under document No. 909 dt. 19-11-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) M/s. Su-Pack,
Usha Suresh Komat, Sole Proprietress,
201/202, Kamakshi Niwas, Panaji Goa
(Transferors)(2) Philip Weighmech Pvt. Ltd.,
6-Bansa Indl. Estate Saki Vihar road,
Andheri (East), Bombay.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(Registered Document No. 909 dated 19-11-1984)

This is an Industrial shed measuring 672 m2 of built up area constructed on plot No. 15. The property known Corlim Industrial Estate.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 30-4-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Pritul,
201/202, Kamakshi Niwas,
Panaji, Goa.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) St. Joseph Engineering Works,
260/21-22, Sane Guruji Road
Opp : Kasturba Hospital
Jacob Circle, Bombay.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore-560 001, the 30th April 1985

Ref. No .C. R. No. 62/913/85-86/ACQ/B.—Whereas, I,
R. BHARADWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
Plot No. 8-A situated at Industrial estate, Panaji Goa,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Ilhas, Goa under document No. 911/dt. 21-11-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

[Registered Document [No. 911 dated 21-11-1984].

This is an Industrial shed admeasuring 165 m2 of built area
constructed on plot No 8-A known as Corlim Industrial
Estate.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date :30-4-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th April 1985

Ref. No. C. R. No. 62/914/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARADWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 5 situated at Margao, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office at Salcete, Goa under document No. 2558 dt. 12-11-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Assunsao Teodosio Serefino Fernandes alias A. T. S. Fernandes,
2. Mrs. Ephifanai Eurydyke Fernandes
C/o Escolastice Mazarelo,
Bela Vista Apartments, Margao. (Transferors)
(2) M/s. Ramesh Kamat & Associates,
P. Shigaonkar Road, Panaji, Goa. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2558 dated 12-11-1984]
The property situated on 1st Floor of building Mayfair Apartments 'Block A' in Margao. The plinth area 60.35 sq. mts, bearing flat No. F-5.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 30-4-1985
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shri Cyrus Fali Palia,
Trishul, Manc Road,
Bombay-400 050.

(Transferors)

(2) Dinshaw Shapur Irani,
301 Alandkar Building 3rd floor
Balaram Street Grant Road,
Bombay-400 007.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 30th April 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. C. R. No. 62/915/85-86/ACQ/B.—Whereas, 1.
R. BHARADWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
Plot No. 40 situated at Devka in the District and Sub. regis-
tration District Daman in the Union Territories of Goa Daman
and Diu.
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
of the Registering Office at with the competent authority
under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office
at Bombay under document No. 1187/dt. 7-11-1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of pay income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1187 dated 7-11-1984]
The part of the land or ground bearing plot No. 40 admeas-
uring 4300 square metres situated Devka in the District and
sub-Registration District of Daman.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date :30-4-1985
Seal :

FORM JINS—

- (1) 1. Mr. H. G. Manjunatha Setty S/o Sri H. V. Govindaraja Setty
2. Naster G. M. Manoja Kumar S/o H. G. Manjunatha Setty,
Both resident of Sakaleshpur-573134.

(Transferors)

- (2) Smt. N. Alangammai W/o Mr. P. L. N. Nagappan,
Riyavaram-622506, Pudukkottai District,
Tamilnadu state.

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th May 1985

Ref. No. C.R. No. 62/Notice No. 919/85-86/AC.

Whereas, I,

R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Sy. No. 161/1 and Sy. No. 77

situated at Mattasagara and Kabbinagadde village of Sakaleshpur Tal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer of the Registering Office at with the competent authority under at Sakaleshpur on 10-9-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 541 dated 10-9-1984]

Coffee land situated in the following villages.

Coffee land situated in the following villages.

| Village | | Acre-Gunthas. | |
|--------------|---------------|---------------|-------|
| | | AIN | Khara |
| Mattasagara | Sy. No. 161/1 | 15—20 | 3—12 |
| Kabbinagadde | 77 | 5—19 | — |
| " | 78 | 2—27 | 0—09 |
| " | 76/P | 8—19 | |
| " | 81/P | 0—15 | |
| " | Wet. | 5—01 | |

R. BHARADWAJ

Competent Authority

Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 30-4-1985

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 6th May 1985

Notice No. 918/85-86.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing CTS No. 3978, 3979, 3980, 3967 and 3967/A situated at Sankeshwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hukkeri under Document No. 847/dated 25-9-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gajanana Govind Ankalikar,
R/o Sangli.

(Transferor)

- (2) 1. Baburao Ramarao Subhedar
2. Basavaprabhu Baburao Subhedar
3. Niranjan Baburao Subhedar
4. Prabhudasavantarao Baburao Subhedar
All resident of Sankeshwar, Tal. Hukkeri.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 847 Dated 25-9-1984)
Non-agricultural land situated at Sankeshwar, Taluka Hukkeri under CTS No. 3978, 3979, 3980, 3967 and 3967/A and measuring 50.17, 35.12, 57.23, 980.67, and 6769.32 sq. mts. respectively.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 6-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 6th May 1985

Notice No. 920/85-86—Whereas, I,
R. BHARDWAI, Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No
Sy No. 160/2 and 76/P
situated at Mattasagar and Kabbina-gade village of Kasaba
Hobli Sakaleshpur Taluka
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Sakaleshpur under Document No 540/dated Sept 1984
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and
I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely —
72—96GI/85

- (1) 1. Mr. H. G. Nagatara Setty
S/o H. V. Govindaraja Setty,
2. Sri H. N. Kiran
S/o H. V. Govindaraja Setty,
3. Master H. N. Sandeep
S/o Mr. H. G. Nagatara Setty,
All resident of Sakaleshpur-573134. (Transferor)
(2) Shri P. L. N. Nagappan
S/o M. A. M. Palaniappa Chettiar
R/o Rayavaram-622006,
Pudukkottai District, Tamilnadu. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein —
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 540 Dated Sept. 1984)
The Coffee land situated in the following villages.

| Sv. No. | A | Gunthas |
|---------|-----------------------|---------|
| 160/2 | | 2-37 |
| 161/2 | | 16-20 |
| 162/2 | | 2-12 |
| 170/2 | | 0-15 |
| | Kabbina-gadde Village | |
| 76/P | | 6-00 |
| 81/P | | 5-00 |

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 6-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001 the 6th May 1985

Notice No. 921/85-86—Whereas, I,
R. BHARDWAJ Inspecting Assistant Commissioner of
Income tax Acquisition Range Bangalore,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
K. No. 1819 situated at Hasamane Road, Bhadravathi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Bhadravathi under Document No. 1394/dated 13-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- | | |
|---|--------------|
| (1) Shri Marutirao Kadam
S/o Murarji Kadam,
Hasamane Road, Near Main Road,
Bhadravathi | (Transferor) |
| (2) Shri A. Narayanarao
S/o R. Anant Rao
Bhutangudi Extension,
Bhadravathi | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immova-
ble property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1394 Dated 13-9-1984)
This is a RCC building situated at near Hasamane Road,
Bhadravathi Town under site No. 4 measuring 18 ft x 40 ft

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date 6-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 6th May 1985

Notice No. 922/85-86 —Whereas, I,
R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
K. Division—782 situated at Harihar
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Harihar under Document No. 1166/dated 5-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

(1) K. V. Narayana Swamy
S/o Venkatanarasimhaya,
K. Division—782, Harihar.

(Transferor)

(2) Shri N. A. Shanabhag,
Shanabhag Street, S-H—Harihar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1166 Dated 5-9-1984)
This is a RCC building situated at K-Division, Harihar
Town measuring 25 ft. x 40 ft.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 6-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001 the 6th May 1985

Notice No. 923/85-86—Whereas I, R BHARDWAJ Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing CS No. 122/8A situated at Cotton market, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hubli under Document No. 1893 dated 13-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri N. C. Khatawate
Medai Oni, Hubli

(Transferor)

(2) 1. Aminaabi
2. Beebijan W/o Abdulkhudu
Asundi
R/o Tidopatti Galli Hubli

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1893 Dated 13-9-1984)
The property situated at Cotton Market Hubli bearing CTS No. 122/8A measuring 4300 ft including 10 ft x 20 ft shed

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
Bangalore

Date 6-5-1985
Seal

FORM 10NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE 560 001

Bangalore 560 001 the 6th May 1985

Notice No. 024/85/86 -

Whereas I, R. BHARADWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Survey No. 37/7 and Chattri No. 45 situated at Talegaon, Panaji Goa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ilhas Goa under document No. 748 dated 11/9/1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1 Smt. Escolastica Fernandes Dias
wife late Shri Jose Aureliano Dias
2 Karm. Inocencio Conceicao Juliana Dias alias Any
Dias daughter of late Jose Aureliano Dias
of late Shri Joaquim Antonio Cruz Rita
Filomeno Dias alias Joaquim Dias
3 Shri Joaquim Antonio Cruz Rita Filomeno Dias
alias Joaquim Dias S/o late Jose Aureliano Dias,
R/o Talegaon, Ilhas Goa

(Transferor)

- (2) M/s. Ram Raj Enterprises
D/o Niwa Comba, Margao, Goa

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 748 Dated 11/9/1984)
Open Plot land known as Codvill at Talegaon under survey
No. 37/7 measuring 3494 M²

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range
Bangalore

Date 6/5/1985
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 6th May 1985

Notice No. 925/85-86 —
Whereas, I, R. BHARADWAJ,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing CTS No. 4842/A situated at Sadashivanagar, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum, under document No. 2452/dt. 1-10-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nanyanarao Hunumantarao Deshpande,
Flat C II/58, S D A, New Delhi-110016.
(Transferor)
(2) Shri Manikachand Dhanraj Gadiya (HUF)
Kishanraj layout No. 5, Club road or
Sadashivanagar, CTS No. 4842/A, Belgaum.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2452 Dated 1-10-1984.)
Open Plot situated at Sadashivanagar, Belgaum bearing CTS No. 4842/A RS No. 1375/1A 1B/1A measuring 1000 square yards.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 6-5-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th May 1985

Notice No. 926/85-86.—

Whereas, I, R. BHARADWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

CTS No. 1505-A, situated at Maruti Galli, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum, under document No 2361/dt. 26-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vasant Ganesh Munagekar,
1505, Maruti Galli, Belgaum. (Transferor)
- (2) 1. Manohar Ganapatarao Killekar
2. Suresh Ganapatarao Killekar
3. Vasant Ganapatarao Killekar
4. Gopal Ganapatarao Killekar
resident of 1268 Ramlingkhind Galli
Belgaum. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2361 Dated 26-9-1984)

The property situated at Maruti Galli, Belgaum under C.T.S. No. 1505-A and building measuring 961.43 sq. ft.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 7-5-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th May 1985

Notice No. 927/85-86.—

Whereas, I, R. BHARADWAJ, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing:

RS No. 17/1 X2X3 situated at Bandigani, Taluka, Jamakhandi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Jamakhand under document No. 1765 dt. 19-11-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Laxman Balappa Nark,
R/o Bandigani village,
Taluka Jamakhandi
District Bijapur (Transferor)
- (2) 1 Sadhashi Dhareappa Asaki
2 Kadappa Dhareappa Asaki
R/o Jagadai village
Tal. Jamakhandi
Dist. Bijapur (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1765 dated 19-11-1984)
Agricultural land situated in Bandigani village area under survey No. 17/1 X2X3 measuring 29 acres and kharab 12 gunthas.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 7-5-1985
Seal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th May 1985

Notice No. 929/85-86.—

Whereas, I, R. BHARADWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

R. S. No. 84 situated at Dharwad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dharwad under document No. 939/dt, September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

73—96GI/85

- (1) 1. Smt. Neelawva w/o. Basappa Edagannavar
2. Dyamavva w/o Chaabasappa Edagannavar alias Suthagatti,
R/o. Manasur.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Shankagouda Rachangouda Champunagoudra
2. Sri Doddabasappa Kariyappa Gundappanavar
3. Sri Kotteppa Veerabhadreppa Palled
R/o. Kalbwgi chawl, Dharwad.
Sub. Jail Row. Behind Plot Pune

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 939 Dated September 1984).
Agricultural land situated at Dharwad area under survey No. 84 measuring 15 acres 27 Guntas and PK 5 acres 11 gunthas.

R. BHARADWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 7-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 7th May 1985

Notice No. 930/85-86[ACQ.—

Whereas, I, R. BHARADWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 6655/4 situated at Kasaba Betageri-Gadag, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gadag, under document No. 1191/dt. 29-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Party : Murigeppa Siddramappa Manvi,
2. Party : Smt. Prabhavathi W/o. Rudrappa Yalamahli 3. Smt. Gouradevi W/o Mallikarjun Yalamahli
3. Party :
4. Eshwarappa Totappa Pattanashetty, Businessmen,
Cotton market, Gadag. (Transferor)
- (2) Basavaraj Sangappa Bhoomareddi,
K. C. Rane Road Betageri-Gadag. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1191 Dated 29-9-1984.)
Open land situated at Badag-Betageri municipal area under C.S. No. 6655/4 measuring 810 square yards.

R. BHARADWAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 7-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION RANGE
BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 7th May 1985

Ref. No. C.R. No. 62/Notice No. 931/85-86/ACQ/B.—
Whereas, I, R. BHARDWAJ,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

C.S. No. 6655/5B situated at Kasaba Betageri, Gadag (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gadag under Document No. 1185/dated 29-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) I Party :
1. Murigeppa Shidiappa Manvi.
II Party :
2. Smt. Prabhavathi
W/o Rudrappa Yalamali
3. Smt. Gouradevi
W/o Mallikarjun Yalamali
4. Smt. Shakuntala
W/o Ramesh Yalamali
III Party :
5. Eshwarappa Totappa Pattanshetty
Businessmen, Cotton Market, Gadag.
(Transferor(s))
- (2) Basavaraj Sangappa Bhoomareddy,
K. C. Rane Road, Betageri, Gadag.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of that said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1185 Dated 29-9-1985)
Open land situated at Gadag-Betageri municipal area under C.S. No. 6655/5B measuring 810 sq. yards.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 7-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 24th April 1985

Ref. No. IAC[Acq-III]SR-II[9-84]2475.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Land No. 1-A, East Avenue situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) Kum. Phool Ahuja
D/o Ishwar Dass,
R/o 78 Ganpati Nagar,
Jaipur,

(Transferor)

(2) I. Shri J. K. Sharma P. K. Sharma
S/o Yogesh Sharma,
R/o 120, Ajmeri Gate,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land No. 1-A, East Avenue, Punjabi Bagh, Delhi. Area 262.5 sq. yards.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 24-4-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

Ref. No. IAC[Acq III]SR-II[9-84]2476.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. No. 9, Road No. 29, situated at Shakerpur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Yash Pal
S/o H. R. Anand,
29/9, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Rattan Lal & Co.
2716, Chuna Mandi, Pahar Ganj,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 9, Road No. 29, Class C measuring 555.55 sq. yards, Village Shakerpur, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 14-5-1985

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/9-84/2477.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 37, Rajouri Garden, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Man Mohan Singh,
S/o Mukhan Singh,
G-6, Kirti Nagar,
New Delhi,

(Transferor)

(2) 1. Shri Dev Raj,
2. Shri Bishamber Lal,
3. Shri Krishan Lal
S/o Shri Ram Lal,
13/264, Geeta Colony,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 37, Rajouri Garden, New Delhi-27, Area 121.3/10 sq. yards.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

(1) Shri Rattan Singh
S/o Abhey Ram,
Darya Pur Kalan,
Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Kishan Gopal & Sons, through Kishan Gopal
S/o Dewaas Sarup,
5, Metcalf Road,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. IAC[Acq.III]SR-II/9-84/2478.—Whereas, 1,
SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Kh. No. 12, 16/2, 16/3, 17, 18, 19, 22, 23, 24
situated at Darya Pur, Kalan, Delhi
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on September, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

THE SCHEDULE

37 Bighas, 3 Biswas, Kh. No. 12, 16/2, 16/3, 17, 18, 19,
22, 23, 24 Darya Pur Kalan, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 14-5-1985
Seal :

FORM 111E

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

Ref. No. IAC[Acq.III]SR-II[9-84]2479.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 2/72, Tehar-I (Subhash Nagar) situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) S. Shri Bahadur Singh, Indochan Singh
S/o Gurdhari Singh and
Smt. Meeta Kaur
Widow of Shri Gurdhari Singh,
R/o 2/72, Tehar-I, (Subhash Nagar),
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shashi Khanna
W/o L. K. Khanna,
2/72, Tehar-I,
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 2/72, Tehar-I (Subhash Nagar), New Delhi.
Area 100 sq. yards.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 14-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/9-84/2480.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3-6/189, Rajouri Garden situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
74—96GI/85

(1) Shri Baldev Singh,
S/o Jaswant Singh,
Rajouri Garden,
New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Jaswant Singh
S/o Ultam Singh,
R/o 1-7/83, Rajouri Garden,
New Delhi.
2. Smt. Hujjeet Kaur W/o Harinder Singh
3. Gurjinder Kaur W/o Jaspal Singh,
R/o 1-7/83, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferee)

(3) Shri Saran Singh,
1-6/109, Rajouri Garden,
New Delhi.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter :—

THE SCHEDULE

1-6/109, Rajouri Garden, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 14-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

Ref. No. IAC[Acq.III]SR-III[9-84]875.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing 19/32, Old Rajinder Nagar situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Pritam Kumar Gera,
19/32, Old Rajinder Nagar,
New Delhi.
2. Narinder Kumar Gera,
3/38, Old Rajinder Nagar,

(Transferor)

- (2) Shri Rakesh Kumar Manocha,
S/o Sunder Das Manocha,
Sector 18-D, House No. 1575,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

19/32, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 14-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Gian Chand Saluja,
J-25, Gangpura Extension,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Savita Malhotra,
9A/37 WEA Karol Bagh,
New Delhi-110005.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC[Acq.III]SR-III[9-84]880.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 9A/37 WEA Karol Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9A/37 Western Extension Area, Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 6-5-1985
Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

Ref. No. IAC[Acq.III][SR-III][9-84]884.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing E-15, Hauz Khas Enclave situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Laxman Masand S/o Shri K. L. Masand,
R/o B-89 (2695), Netaji Nagar,
New Delhi,
Shri Swaman Masand S/o Shri K. L. Masand
Q-No. 198, Desu Colony, Janak Puri,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. J. P. Properties Pro. Shri Sunder Pal Singh
S/o Shri Gurbox Singh,
34, Mahatma Gandhi Road,
New Delhi.

(Transferee)

- (3) Shri Hukum Chand
S/o Shri Bhagat Ram,
E-15, Hauz Khas Enclave,
New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-15, Hauz Khas Enclave, New Delhi. Measuring 200 sq. yards.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 14-5-1985
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE 4/14 A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th May 1985

Ref. No. IAC/ACQ III SR-III/9-84/886.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. D-65, Hauz Khas, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at New Delhi in September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Raghbir Chandra Jetley,
E-703, Building 2-3-4 Manishnagar,
Four Bungalow, Andheri West, Bombay-400058.
(Transferor)

(2) VAP Co.
C/1/8 Green Park Extension,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

D-65, Hauz Khas, New Delhi, Area 282 sq. yds.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 9-5-85
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd April 1985

Ref. No. IAC[Acq.III]SR-III/9-84/887.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing

No. 7/49, Old Rajinder Nagar, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at New Delhi on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by this issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) Shri R. K. Malik,
R/o 7/49, Old Rajinder Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Surekha Kashyap,
R/o. 7/49, Old Rajinder Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Qr. No. 7/49, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 22-4-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 8th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-III/9 84/889.—Whereas,
SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000/- and
bearing No 5/10, Old Rajinder Nagar, situated at New Delhi.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi in September, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(1) Shri R. K. Talwar, Attorney of
Kiran Jeet Kaur,
R/o. C-20, Pandav Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Talwar,
5/10, Old Rajinder Nagar,
New Delhi-60.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

5/10, Old Rajinder Nagar, New Delhi. Area 88.1 sq. yards.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue for this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 8-4-1985.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 26th April 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR.III/9-84/892.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.MCD No. 4277 to 4284 Main Bazar, Paharganj, situated at
New Delhi.(and more fully described in the schedule annexed hereto,
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afo-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Chhanu Lal Gupta
H. No. 856, Gali Benwali, Kucha Pati Ram
Bazar Sita Ram, Delhi

(Transferor)

- (2) Shri Kalyan Mal
H. No. 32, Main Bazar,
Paharganj, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE.

MCD No. 4277 to 4284 Main Bazar, Paharganj, New Delhi.
Area 486 Sq Yds.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 26-4 1984
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 414-A ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 25th April 1985

Ref. No. IAC/ACQ III/SP-III/984/83. —Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 10, Block No. 54, W.E.A., situated at Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the name of the Registering Officer at New Delhi on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons named —

75—96G/85

- (1) Shri S. Sampur Singh S/o S. Pratap Singh, R/o 1/124, Jangpith Lane, New Delhi, for self and general attorney of S. Ginder Pal Singh S/o S. Pratap Singh & Smt. Sushil Kaur W/o S. Mohinder Singh R/o 1/12 Jangpith Lane, New Delhi (Transferor)
- (2) Smt. Deepa Mittal W/o Lajpat Mittal R/o A-448, Defence Colony, New Delhi
2. Anil Dhawan S/o R. K. Dhawan & Miss Anjula Dhawan, D/o R. K. Dhawan R/o. W-40A, Greater Kailash-I, New Delhi
3. Jyotsna Mohan Dhawan S/o B. D. Dhawan, R/o 6/146, Frash Bazar, Dighdra, Delhi (Transferee)
- (3) M/s. N. Grah Narain (Delhi) Pvt. Ltd (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 10, Block No. 54, measuring 1312 sq. yds. W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
414A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 25-4-1985.
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI
NFW DELHI

New Delhi- the 6th May 1985

Ref. No. IAC/AcqII/SR-1/9-84/647.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10193, Mohalla Nai Masjid situated at Nawabganj, Library Road, Ward No. XII, Delhi-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of,—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Jaswant Singh Bhatia,
S/o Sh. Labh Singh Bhatia,
12/10193, Mohalla Nai Masjid,
Nawabganj, Library Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Bishan Swaroop Mittal,
Sh. Pawan Kumar Mittal
Smt. Dhanpati Devi Mittal
W/o S/o Sh. Gaurishankar Mittal,
13/308, Gali Parkash Teliwara,
Sadar Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 10193 Mohalla Nai Masjid Nawabganj Library Road, Ward No. XII, Delhi-6 Mg-118 sq. yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date : 6-5-1985.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI
NEW DELHI

New Delhi- the 6th May 1985

Ref. No. IAC[Acq.II]SR-9-84[651].—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 25[11, situated at West Patel Nagar, New Delhi-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Charan Dass Ahuja,
S/o Late Sh. Amir Chand Ahuja,
24/39-40, West Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kaushalya Rani Wd/o
Indar Sam Saluja, 35[11,
West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 35[11, West Patel Nagar, New Delhi Mg. 100 Sq Yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date : 6-5-1985.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI
NEW DELHI

New Delhi: the 6th May 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/9 84/048 —Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R/23, Rattan Park, Vill. Bassai Darapur, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Partition Act, 1908 (16 of 1908) for a consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

- (1) Smt. Babam Lata d/o Khushi Ram and w/o Sh. Hans Raj Mahajan, WZ-10, Rattan Park, New Delhi, (Transferor)
- (2) 1. Sh. Pishorji Lal
2. Sh. Gulshan Kumar
3. Sh. Vinod Kumar
4. Sh. Sumin Kumar
5. Sh. Rajeev Kumar S/o Sh. Krishan Lal Budhiraba, E-39, Sudarshan Park, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. R/23, Rattan Park, Vill. Bassai Darapur, Delhi
Mg. 115/12 sq. yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 6-5-1985
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II,
4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI
NEW DELHI

New Delhi- the 6th May 1985

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/984/652.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 26/18 situated at Najafgarh Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Delhi in the month of 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) National Chemical Industries
14/26/18, Najafgarh Road,
New Delhi-15

(Transferor)

(2) Vajay Polymers (P) Ltd
6/22 East Punjabi Bugh,
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. 26/18, Najafgarh Road, New Delhi Mg. 339.59 sq. yds

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 6-5-1985.
Seal:

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI
NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/9-84/653.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 26/1, Najafgarh Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) National Chemical Industries
Ltd. 26 Najafgarh Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Vijay Polymers (P) Ltd.
6/22, East Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 26/1, Najafgarh Road, New Delhi Mg. 756.28 sq. yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 6-5-1985.
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC/Acq II/SR-1/9-84/655.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. S. House built on plot No. 19 situated at I-Block, Rajouri Garden, Vill. Bassa, Darapur, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Pardeep Khosla s/o Sh. S. P. Khosla & Smt. Kanta Khosla, S/o Sh. S. P. Khosla, I-19, Rajouri Garden, New Delhi (Transferor)
- (2) Sh. Randej Kumar, Sh. Harish Kumar, S/o Sh. Shanker Dass, both r/o 13/263, Geeta Colony, Delhi-31 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

S.S. House built on Plot No. 19 I-Block, Rajouri Garden, Village Bassa, Darapur Delhi State, Delhi Mg. 638 sq. yds

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, New Delhi

Date: 6-5-1985
Seal

FORM ITN-1

(1) Sh. Vaidar Kumar s/o
Sh. T. Mohi Ram Ganda, J-63A
Kirti Nagar New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 26(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Manju Arora s/o Sh.
Ashok Kumar Arora
H-77 Kirti Nagar New Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I
414A AAFALI ROAD NEW DELHI

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. ITN/ACQII/CR I/9-64656—Whereas, I
K. VASUDEVAN, an
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income Tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the Act, have received information that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 10,000 and bearing
No. 10/1000, situated at
Plot No. 10/1000, situated at Vill. Bhat, District Delhi
(and more particularly in the area annexed hereto)
has been transferred under the Transfer Act 1908
(16 of 1908) in the office of Registering Officer at
Delhi on 1st September 1984
for an amount consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property is
aforesaid is the amount consideration referred by
more than fifteen per cent of such amount consideration
and that the consideration for such transfer is agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period is earlier

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

THE SCHEDULE

(a) facilitating the concealment or avoidance of any
income or the assets which are liable to be taken for
the purpose of the said Act, or the Wealth tax
Act 1927 (27 of 1927)

Plot No. 10/1000, situated at Vill. Bhat, District Delhi
Plot Area 1100 Sq. Ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi

Now therefore in pursuance of Section 26(1) of the said
Act I hereby issue the following notice to the persons
aforesaid and to the persons interested in the said
section (1) of the said Act and to the persons
persons namely—

DT 6-5-1985
Seal,

FORM ITNS

OFFICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
411A ANA MALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC/Acq II/SR 10/84658 -Whereas, I,
K. VASUDEVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and being
bearing No. 1-14/44, Model Town, situated at Vill Malikpur
Chhaoni, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Delhi on September 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been fully stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
afore-said property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

76—96GI/85

(1) Shri Rishab Kumar Jain,
Shri Jain Dhas & Sons, Model Town
Delhi Ref. No. 114/44 Sh. Rishab Kumar Jain &
Sons (HUF) and Sh. Jyendra Kumar Jain
No. Sh. Jain Dhas & Sons, Model Town,
Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Jyendra Kumar Jain & Sons (HUF)
Sh. Pankaj Kumar Son Sh. Dhan Nath,
B-36/5 G. T. Kunal Road, Industrial Area,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 1-14/44 Model Town Vill Malikpur Chhaoni
Delhi Mg. 233 3/10 Sq. yds

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 6-5-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANK-II
4/14A ASAF ALI ROAD NEW DELHI
NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No IAC/AcqII/SR-I/9-84/659.—Whereas, I, **SH. K. VASUDEVAN**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 56 situated at Gokhale Market, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Delhi on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to, between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. United Diesel Service,
3 Gokhale Market, Delhi through
Gokhale Market Delhi
Sh. Anand Singh 203, partner in the firm.
(Transferor)
- (2) M/s. Radiator Supply Co. 55,
Gokhale Market, Delhi through
Sh. Harbhajan Singh
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette** or a period of **30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 56 Gokhale Market, Delhi. Mr.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Rank-II
Delhi/New Delhi

Date : 6-5-1985

Seal :

(1) Sh. Dwarka Nath S/o Late Sh. Dina Nath,
E-16., Maharaja Ranjit Singh Road, Adarsh Ngr.
Delhi-33

(Transferor)

(2) Sh. Bhagwan Dass
S/o Sh. Shanker Dass,
C-30, Rajan Babu Road,
Adarsh Nagar, Delhi-33.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned. —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCIENCE

Plot No. 16 Khasra No. 135/1, 136/1, 137/1, 138/1, 139/1, 140/1, 141/1, 142/1, 143/1, 144/1, 145/1, 146/1, 147/1, 148/1, 149/1, 150/1, 151/1, 152/1, 153/1, 154/1, 155/1, 156/1, 157/1, 158/1, 159/1, 160/1, 161/1, 162/1, 163/1, 164/1, 165/1, 166/1, 167/1, 168/1, 169/1, 170/1, 171/1, 172/1, 173/1, 174/1, 175/1, 176/1, 177/1, 178/1, 179/1, 180/1, 181/1, 182/1, 183/1, 184/1, 185/1, 186/1, 187/1, 188/1, 189/1, 190/1, 191/1, 192/1, 193/1, 194/1, 195/1, 196/1, 197/1, 198/1, 199/1, 200/1, 201/1, 202/1, 203/1, 204/1, 205/1, 206/1, 207/1, 208/1, 209/1, 210/1, 211/1, 212/1, 213/1, 214/1, 215/1, 216/1, 217/1, 218/1, 219/1, 220/1, 221/1, 222/1, 223/1, 224/1, 225/1, 226/1, 227/1, 228/1, 229/1, 230/1, 231/1, 232/1, 233/1, 234/1, 235/1, 236/1, 237/1, 238/1, 239/1, 240/1, 241/1, 242/1, 243/1, 244/1, 245/1, 246/1, 247/1, 248/1, 249/1, 250/1, 251/1, 252/1, 253/1, 254/1, 255/1, 256/1, 257/1, 258/1, 259/1, 260/1, 261/1, 262/1, 263/1, 264/1, 265/1, 266/1, 267/1, 268/1, 269/1, 270/1, 271/1, 272/1, 273/1, 274/1, 275/1, 276/1, 277/1, 278/1, 279/1, 280/1, 281/1, 282/1, 283/1, 284/1, 285/1, 286/1, 287/1, 288/1, 289/1, 290/1, 291/1, 292/1, 293/1, 294/1, 295/1, 296/1, 297/1, 298/1, 299/1, 300/1, 301/1, 302/1, 303/1, 304/1, 305/1, 306/1, 307/1, 308/1, 309/1, 310/1, 311/1, 312/1, 313/1, 314/1, 315/1, 316/1, 317/1, 318/1, 319/1, 320/1, 321/1, 322/1, 323/1, 324/1, 325/1, 326/1, 327/1, 328/1, 329/1, 330/1, 331/1, 332/1, 333/1, 334/1, 335/1, 336/1, 337/1, 338/1, 339/1, 340/1, 341/1, 342/1, 343/1, 344/1, 345/1, 346/1, 347/1, 348/1, 349/1, 350/1, 351/1, 352/1, 353/1, 354/1, 355/1, 356/1, 357/1, 358/1, 359/1, 360/1, 361/1, 362/1, 363/1, 364/1, 365/1, 366/1, 367/1, 368/1, 369/1, 370/1, 371/1, 372/1, 373/1, 374/1, 375/1, 376/1, 377/1, 378/1, 379/1, 380/1, 381/1, 382/1, 383/1, 384/1, 385/1, 386/1, 387/1, 388/1, 389/1, 390/1, 391/1, 392/1, 393/1, 394/1, 395/1, 396/1, 397/1, 398/1, 399/1, 400/1, 401/1, 402/1, 403/1, 404/1, 405/1, 406/1, 407/1, 408/1, 409/1, 410/1, 411/1, 412/1, 413/1, 414/1, 415/1, 416/1, 417/1, 418/1, 419/1, 420/1, 421/1, 422/1, 423/1, 424/1, 425/1, 426/1, 427/1, 428/1, 429/1, 430/1, 431/1, 432/1, 433/1, 434/1, 435/1, 436/1, 437/1, 438/1, 439/1, 440/1, 441/1, 442/1, 443/1, 444/1, 445/1, 446/1, 447/1, 448/1, 449/1, 450/1, 451/1, 452/1, 453/1, 454/1, 455/1, 456/1, 457/1, 458/1, 459/1, 460/1, 461/1, 462/1, 463/1, 464/1, 465/1, 466/1, 467/1, 468/1, 469/1, 470/1, 471/1, 472/1, 473/1, 474/1, 475/1, 476/1, 477/1, 478/1, 479/1, 480/1, 481/1, 482/1, 483/1, 484/1, 485/1, 486/1, 487/1, 488/1, 489/1, 490/1, 491/1, 492/1, 493/1, 494/1, 495/1, 496/1, 497/1, 498/1, 499/1, 500/1, 501/1, 502/1, 503/1, 504/1, 505/1, 506/1, 507/1, 508/1, 509/1, 510/1, 511/1, 512/1, 513/1, 514/1, 515/1, 516/1, 517/1, 518/1, 519/1, 520/1, 521/1, 522/1, 523/1, 524/1, 525/1, 526/1, 527/1, 528/1, 529/1, 530/1, 531/1, 532/1, 533/1, 534/1, 535/1, 536/1, 537/1, 538/1, 539/1, 540/1, 541/1, 542/1, 543/1, 544/1, 545/1, 546/1, 547/1, 548/1, 549/1, 550/1, 551/1, 552/1, 553/1, 554/1, 555/1, 556/1, 557/1, 558/1, 559/1, 560/1, 561/1, 562/1, 563/1, 564/1, 565/1, 566/1, 567/1, 568/1, 569/1, 570/1, 571/1, 572/1, 573/1, 574/1, 575/1, 576/1, 577/1, 578/1, 579/1, 580/1, 581/1, 582/1, 583/1, 584/1, 585/1, 586/1, 587/1, 588/1, 589/1, 590/1, 591/1, 592/1, 593/1, 594/1, 595/1, 596/1, 597/1, 598/1, 599/1, 600/1, 601/1, 602/1, 603/1, 604/1, 605/1, 606/1, 607/1, 608/1, 609/1, 610/1, 611/1, 612/1, 613/1, 614/1, 615/1, 616/1, 617/1, 618/1, 619/1, 620/1, 621/1, 622/1, 623/1, 624/1, 625/1, 626/1, 627/1, 628/1, 629/1, 630/1, 631/1, 632/1, 633/1, 634/1, 635/1, 636/1, 637/1, 638/1, 639/1, 640/1, 641/1, 642/1, 643/1, 644/1, 645/1, 646/1, 647/1, 648/1, 649/1, 650/1, 651/1, 652/1, 653/1, 654/1, 655/1, 656/1, 657/1, 658/1, 659/1, 660/1, 661/1, 662/1, 663/1, 664/1, 665/1, 666/1, 667/1, 668/1, 669/1, 670/1, 671/1, 672/1, 673/1, 674/1, 675/1, 676/1, 677/1, 678/1, 679/1, 680/1, 681/1, 682/1, 683/1, 684/1, 685/1, 686/1, 687/1, 688/1, 689/1, 690/1, 691/1, 692/1, 693/1, 694/1, 695/1, 696/1, 697/1, 698/1, 699/1, 700/1, 701/1, 702/1, 703/1, 704/1, 705/1, 706/1, 707/1, 708/1, 709/1, 710/1, 711/1, 712/1, 713/1, 714/1, 715/1, 716/1, 717/1, 7

LESLIE HODGKIN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Ahmedabad - 380 015, A. P. Bhatt

Date 6-3-1947
Serial

FORM ITNS- _____

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX.AQUILA PANGELI
411A, ANAND VIHAR, NEW DELHI

NEW DELHI, 6th May 1985

Ref No. FIC/401/K/25/62 Whereas, I
K. VASUDEVAN,
being the competent authority under section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act) have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 100,000/- and lying at
Plot No. 46, Khasra No. 1625, 1626, Block C, Village Bassai Darapur, Delhi, Ball Nagar, New Delhi
(and more fully defined in Schedule annexed hereto)
has been transferred in the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Delhi on September 1984
for an amount consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds a apparent consideration therefor by
more than 10% of the said apparent consideration
and that the said transfer has been made in a deed to
between the said parties and is to be entered in the said
instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferee to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, the provisions of Section 269C of the said
Act I hereby invite tenders for the acquisition of the
aforesaid property by the name of this notice under sub-
section (1) of Section 269C of the said Act to the following
persons namely:

- (1) Sh. Sun Dass S/o Sh. Devi Dass and Shrimati
Keshav Bai W/o Sh. Sun Dass, F-11 Ball Nagar,
New Delhi
Transferor
- (2) Sh. Hari Dass Asstt. Secy Sh. Sant Dass Asstt. Secy,
C-10 Panchsheel Enclave, New Delhi
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
Publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION --The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 46 Khasra No. 1625, 1626 Block C Vill
Bassai Darapur, Delhi, Ball Nagar, New Delhi M.C. 100 Sq
Yds

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
AQUILA PANGELI
411A, ANAND VIHAR, NEW DELHI

Date : 6.5.1985
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
4/14 ASAF ALI ROAD NEW DELHI
NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC[AcqII]SR-I/9-84/663.—Whereas, I, SH. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. F-90A, situated at Kirti Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chakraborty Bldg. Delhi on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, to-wit:

- (1) Sh. Manohar Lal Bhasin
S/o Sh. Jai Ram Dass, F-90-A,
Kirti Nagar, New Delhi
(Transferor)
- (2) Sh. Surjeet Singh Chaddha
N. S. Chaddha S/o G. S. Chaddha,
3 Gurdeep Singh S/o Kulwant Singh Chaddha,
Gurjeet Singh S/o Harbhajan,
455 Civil Lines Moradabad (UP).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

H. No. F-90A, Kirti Nagar, New Delhi Bg. 200 Sq. Yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Delhi/New Delhi

Date : 6-5-1985
Seal :

FORM LT.N.3.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC/AcqII/SR-I/9-84/664.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B 6/I, situated at Rana Pratap Bagh, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Hira Devi
D/o. Thakur Gopal Singh B-6/I, Rana Pratap Bagh,
Delhi. (Transferor)
- (2) Tilak Raj S/o Chahnu Mal,
26/27, Street No. 11 Ashoka Nagar, Shahdara,
Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half portion of plot B-6/I, Rana Pratap Bagh, Delhi.
Mg. 130 Sq. Yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 6-5-1985
seal

FORM ITNS—

(1) M/s. National Chemicals Ind. Ltd.,
26, Nargoth Road, New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Electro System R-39
Main Market, Indraprastha, Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE II
411A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/AcqH/SR 1/984/666—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No. 40-B Nargoth Road situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in September, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 40-B Nargoth Road New Delhi Mg
238625 Sq. Ft.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-5-1985
Seal :

FORM FINS-----

(1) M/s. National Chemical Industries Ltd.
26, Najafgarh Road
New Delhi

(Transferee)

(2) M/s. Jerry Radio Corporation,
B-253, Naraina Industrial Area, Phase I
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

414A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC/AcqII/SR-119-84/667,---Whereas, I,
K. VASUDEVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
40-A, Najafgarh Road, New Delhi situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the registering Officer at Delhi in
September, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of--

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 40-A, Najafgarh Road New Delhi, Mg.
2286.25 Sq. Yds

K. VASUDEVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :--

Date : 6.5.1985
Seal :-

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II
4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/SK 710-84/668 —Whereas, I,
K. VASUDEVAN,being the Competent Authority under Section 169B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 100,000/- and bearingNo. 157, Ward No. IX, situated at Gali Batashan,
Chawri Bazar, Delhi,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the registering Officer at
Delhi in September 1984,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

77—96 GI/85

- (1) Smt. Raj Rani Khanna,
W/o Shri Raj Ram Khanna,
28/40, Old Rajinder Nagar, New Delhi.
(Transferor)

- (2) Smt. Nutmala Jain, W/o
Shri Paras Ram Jain, 1527, Kucha Seth,
Dariba Kilon Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 157 Ward No. IX, Gali Batashan, Chawri
Bazar, Delhi Mg. 212 Sq. Yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 6-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) National Chemical Industries
Ltd., 26, Najafgarh Road, New Delhi
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Aruna Jain w/o Shri Kuldip Chand
Jain, Smt. Chamhol Kumari Jain,
w/o Shri Kasturi Lal Jain, Smt. Sushma Jain
w/o Shri Naresh Kumar Jain 1157, Circular
Road, Ambala City.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/9-84/670—Whereas, I,
K. VASUDEVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 26/2, Najafgarh Road, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Delhi in September 1984,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the objects of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publications of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property No. 26/2 Najafgarh Road, New Delhi Mg 213.27
sq. yds.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
tax persons, namely :—

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 6-5 1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II
4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC/Acq II/SR-1/9-84/671—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8358, Model Basti, situated at Ward No. 14, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office the registering Officer at Delhi in September 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ramesh Kumar Barasia,
S/o Shri Ram Pratap Barasia, 747,
Block P, New Alipore, Calcutta, through
Shri Ram Pratap S/o Shri Durga Dutt Barasia,
17, New Alipore, Calcutta, the General Attorney.
(Transferor)
- (2) Smt. Usha Gupta, Shri Ishwar
Dayal, 8233, Rani Bhansi,
Road, Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 8358, Model Basti, Ward No. 14, Delhi
Mtg. 160 Sq. Yds

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 6-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II
4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC[Acq.II]SR-1/9-84/672.—Whereas, I,
K. VASUDEVAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
No. 8358, situated at Model Basti, Ward No. 14, Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Delhi in September 1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by this issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Ramesh Kumar Banast, S/o
Shri Ram Pratap Banast, 747, Block P,
New Alipore, Calcutta through Shri Ram Pratap
S/o Shri Durga Dutt Banast, 747, New
Alipore, Calcutta, the General Attorney
(Transferor)
- (2) Smt. Raj Rani Gupta and
Shri Krishan Gupta as natural guardian of
his minor son Ajay Gupta
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 8358, Model Basti, Ward No. 14, Delhi
Me. 163-5/9 Sq. Yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 6-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II
4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC Acq II/SR-I/904/673—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 45/12, situated at East Patel Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer in Delhi in September, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hans Raj Verma S/o
Shri Lalchand Verma, 63 Malviya
Road, Jangpuri, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Sheel Chand Jain S/o
Shri Salakh Chand Jain, 1418,
Kucha Hira Ustai Bazar Chilian
Daudh Kallan, Delhi alternatively D 41
Moti Nagar, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Quarter No. 45/12 East Patel Nagar, New Delhi Me. 200
Sq. Yds

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 6-5-1985
Seal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE II
4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1985

Ref. No. IAC/ACQ II/SK-1/9-84/675.—Whereas, I,
K. VASUDEVAN,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearingNo. Flat No. 13 Block A, situated at 45 the Mall
Delhi-9,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in
September 1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for the
-
- purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
-
- 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
-
- (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely :—

- (1) Smt. Updesh Kaur W/o
-
- Shri Daya Singh, 13A, Flat at 45,
-
- The Mall, Delhi-9

(Transferor)

- (2) Smt. Varnika Kaur Oberoi,
-
- W/o Shri Inder Singh Oberoi, 4 under
-
- Hill Lane, Civil Line, Delhi 6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
-
- able property, within 45 days from the date of the
-
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13 Block A, 45 the Mall, Delhi-9 Mg. 358
Sq. Yds.K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.Date : 6-5-1985
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Champi Devi W/o
Shri Budh Ram, Shri Nank Chand
S/o Suraj Bhan, Smt. Somwati
w/o Ramdev Pal

(Transferor)

(2) Shri Din Deval S/o
Shri Ram Pal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II
114A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1985

Ref. No. FAC/ALQ/HSR/1984/477 -- Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. 2485 Barichi Reghu Nith, Sadar Bazar, Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in September 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269D of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 2485, Barichi Reghu Nith, Sadar Bazar, Delhi MQ 37 Sq Yd,

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II New Delhi.

Date 6-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI.

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/9-84/677A.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 23, Kh. No. 15/23/1 situated at 15/23/2, Shyama Pd. Mukherjee Park, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the name of the registering officer at Delhi in September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ranbir Singh 2, Charambir Singh,
S/o Prem Singh, 6 DS Block,
B I, Ramesh Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Karamjit Singh S/o
Nirmal Singh, 120, S. P. Mukherjee Marg,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 23 Kh. No. 15/23/1, 15/23/2, Shyama Pd. Mukherjee Park, Delhi Mg. 250 Sq. Yds

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 6-5-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Neet Ram, E-210,
MCD Colony Azadpur,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sundar Aggarwal
26/11, Shikhi Nagar, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. IAC/Acq II SR 1/984/85.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-43 Nandt Road, situated at Adarsh Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in September 1984, for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. A-43, Nandt Road, Adarsh Nagar, Delhi
Mtg 198 Sq.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 6-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II
4/14A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC/Acq II/SR-I/984/679.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. MCD No. 4887 situated at Darya Ganj, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in September 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Anima Chatterjee W/o
Shri P. K. Chatterjee, 210, Jor Bagh,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Dayal Narandas Mirchandani
Mr. Murl Nihal Chand Khanchandani,
Mr. Thaku Isudas Chugani through duly constituted
general attorney Mr. Arjun Lal Nihalchand
Khanchandani, 476-4/23 C, Ansari Road, Darya
Ganj, New Delhi 2 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. MCD No. 4887, Darvaganj, New Delhi, measuring 383 sq. yd.

K. VASUDEVAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 6-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC[Acq.II][SR-I][9-84]684.—Whereas, I, SHRI K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-3/9 situated at Model Town, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi in September, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gobind Ram Sachdeva
S/o Shri Gurditta Ram,
137, Bank Enclave
(Trans Yamuna Area),
Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Satyam Builders,
having its office at Mayur Bhawan,
New Delhi through its partner
Shri Rajesh Anand
S/o Shri Jagdish Anand,
611, Dr. Mukharjee Nagar, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-3/9, Model Town, Delhi Mg. 199 Sq. Yds.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 6-5-1985
Seal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC/II/SR-1/9-84/685.—Whereas, 1, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. G-2, Bldg. No. 4378/4-B, situated at Part I, 4 Murarilal Street Ansari Road, Daryaganj, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Ramsakhi Devi
W/o Shri M. C. Bansal
2. Ashok Kumar Bansal and
3. Shri Anil Kumar Bansal,
son of Shri M. C. Bansal,
7/28, Ansari Road, Daryaganj,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Miss Rosy Jain,
through her father and Natural guardian
Shri Sujan Chand Jain,
1961, Katra Khushal Rao,
Chandni Chowk
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. G-2 Building No. 4378/4-B, Part I, 4 Murarilal Gali Ansari Road, Daryaganj, New Delhi Mg. 386-6211 sq. ft. Khasra No. 58.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 6-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Pal Mohan Construction Co.,
6/4792, Chandni Chowk,
Delhi-110006.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Km. Anju Bala,
26, North Avenue,
Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 1st May 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/984/5-3.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 203-A, 5/67, Padam Singh Road situated at Karol Bagh,
New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I. T. Act 1961 (43 of 1961)
in the Office of the I.A.C., Acq. III, New Delhi in September,
1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, and shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 203-A, on first floor, 5/67, Padam Singh Road, Karol
Bagh, New Delhi. Area 214 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 1-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th May 1985

Ref. No. IAC/ACQ.III/37EE/9-84/584.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 501, 502, 2-A, Bhikaji Cama Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.-III, New Delhi in September 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s Kailash Nath & Associates,
1001, Kanchenjunga,
18, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Leading Leasing Finance Investment Ltd.,
Room No. 218,
Hotel Surya Soudal,
Friends Colony,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Nos. 501, 502 (plinth area 905-70 sq. ft.) on the 5th floor of proposed complex ALPS at 2-A, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 9-5-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Kailash Nath & Associates,
1006, Kanchanjunga,
18, Barakhamba Road,
New Delhi-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Atuna Goenka,
W/o Mr. Rajesh Goenka,
R-69, Greater Kailash,
Part-I, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 31d May 1985

Ref. No. 1AC/ACQ.III/37EE/9-84/585 —Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-
and bearing

No. 503, 2-A, Bhikaji Cama Place situated New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I. T. Act 1961 (43 of 1961)
in the Office of the I.A.C. ACQ.-III, New Delhi in September
1984.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503 (Plinth area 519 sq. ft.) on the 5th floor of
proposed commercial complex 'ALPS' 2-A Bhikaji Cama Place
New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
4/14A, Asaf Ali Road
Aggarwal House
New Delhi

Date : 3-5-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 7th May 1985

Ref. No. IAC/ACQ.III/37EE/9-84/586.—Whereas, I SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 505, 2-A, Bhikaji Cama Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.-III, New Delhi in September, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Kailash Nath & Associates,
1006, Kanchanjunga,
18, Barakhamba Road,
New Delhi-1.

(Transferor)

(2) M/s. Rulika Deneht Trust,
R-59, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 505 (Plinth area 848.10 sq. ft.) on the 5th floor of proposed commercial complex 'ALPS' 2-A, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 7-5-1985
Seal :

FORM TNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 7th May 1985

Ref. No. IAC/ACQ.III/37EE/9-84/587.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing n No. 504, 2-A, Bhikaji Cama Place situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.-III, New Delhi in September, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s Kailash Nath & Associates,
1006, Kanchenjunga,
18, Barakhamba Road,
New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Smt. K. D. Lohia
W/o Shri M. L. Lohia,
R-69, Greater Kailash-I,
New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 504, (Plinth Area 519 sq. ft.) on the 5th floor, of proposed commercial complex 'ALPS' 2-A, Bhikaji Cama Place New Delhi

SUNIL CHOPRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date 7-5-1985
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd April 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/9-84/588.—Whereas, I
SUNIL CHOPRA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearingNo. 3, Local Shopping Centre situated at Aram Bagh, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I. T. Act 1961 (43 of 1961)
in the Office of the I.A.C. ACQ.-III, New Delhi in September
1984.for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons:—(1) Bhanot Properties & Industries Ltd.,
102-103, Raja House,
30-31, Nehru Place,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Bala Gupta,
C-11, Green Park Extension,
New Delhi-110016.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
-
- of 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later;
-
- (b) by any other person interested in the said immovable
-
- property within 45 days from the date of the publi-
-
- cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Storage Space having approx. super area 400 sq. ft. in the
basement of building to be constructed on Plot No. 3, Local
Shopping Centre, Aram Bagh, Delhi.SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New DelhiDate : 22-4-1985
Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC:Acq. III,37EE/9 84/589.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000—and bearing No. 3, Local Shopping Centre situated at Aram Bagh, Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.-III, New Delhi in September, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Bhanot Properties & Industries Ltd.,
102-103, Raja House,
30-31, Nehru Place,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Damodar Industrial Corporation,
64, Reagal Building,
II, Floor Connaught Place,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office space having approx. super area 284 sq. ft. in the 2nd floor, of building to be constructed on Plot No. 3, Local Shopping Centre, Aram Bagh, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 23rd April 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/9-84/590—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3, Local Shopping Centre, Aram Bagh, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.-III, New Delhi in September, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Bhanot Properties & Industries Ltd.,
102-103, Raja House,
30-31, Nehru Place,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Savatri Aggarwal,
30-23, Shakti Nagar,
Delhi-110007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Storage Space having approx. super area 350 sq. ft in the Basement of building to be constructed on Plot No. 3, Local Shopping Centre, Aram Bagh, Delhi

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 23-4-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 23rd April 1985

Ref. No. IAC/Acq III/37-FE/9-84/591.—Whereas, I, **SUNIL CHOPRA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3, Local Shopping Centre, Aram Bagh, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (14 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Bhanot Properties & Indus. Ltd.,
102-103, Raja House,
30-31, Nehru Place,
New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Rakesh Kumar Gupta,
30/23, Shakti Nagar,
Delhi-110007. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Storage Space having approx. super area 342 sq. ft. in the Basement of building to be constructed on Plot No. 3, Local Shopping Centre, Aram Bagh, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date : 23-4-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 1st May 1985

Ref. No. IAC[Acq.III]37-EE[9-84]592.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-29, 1, Old Rohtak Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Roopa Constructions Pvt. Ltd.,
GL-4, Ashoka Estate,
24, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Preet Narain Gupta,
S/o Sh. T. R. Gupta,
R/o 4/5160, Krishna Nagar,
Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. B-29, 1, Old Rohtak Road, New Delhi
Area 275 sq. ft.

Aggarwal House,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date : 1-5-1985
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

Ref. No. 79/Sep/84.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1 00,000/- and bearingNo. B-26, Old Rohtak Road, situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43
of 1961) in the Office of the
I.A.C. Acq. III, New Delhi on September, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been for
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the
following persons, namely :—(1) Roopa Construction Pvt. Ltd.
GL-4, Ashoka Estate,
24, Barakhamba Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Major A. K. Dhawan,
S/o Sh. U. P. Dhawan,
R/o G.E. Panji Goa, Pin-403001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
-
- of 45 days from the date of publication of this
-
- notice in the Official Gazette or a period of 30 days
-
- from the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
-
- able property, within 45 days from the date of the
-
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-26, Basement, Old Rohtak Road, Delhi. Area 275 sq.
ft.SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New DelhiDate : 14-5-1985
Seal :

FORM ITN, ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1), OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37-EE/9-84/594.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing CTS No. 7, at 3 Bhikaji Cama Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III, New Delhi on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Bhanot Properties & Inds. Ltd.,
102-103, Raja House,
30-31, Nehru Place,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mrs. Veena Bhasin,
A2/16, Safdarjung Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cat Parking Space No. 7, at 3, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date : 14-5-1985
Seal :

FORM TNS — — —

1. Name of the
2. Office of the
New Delhi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

3. Name of the
New Delhi

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE
414-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1969

Let No. TNS/ACQ III/57/EL/84 of 14.5.69 whereby
SUNIL CHOPRA

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred

as the said Act) has received information that the im-
movable property having a fair market value exceeding

Rs. 10,00,000 and bearing
Plot No. 9 at 2, Bhairon Compound, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Income-tax Act, 1961
(43 of 1961) in the Office of the

Inspector of Income-tax, New Delhi, and that the
transfer is for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and that it is to be
believe that the fair market value of the property is more
said exceeds the apparent consideration and that the
more than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer is not a bona fide transaction
between the parties has not been truly stated in the transfer deed
and that the transfer with the object of —

the purpose of the acquisition of the said property
and that the transfer is to the undersigned —

by any of the aforesaid persons within a period of
15 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
if the period expires later;

by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

4. The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of the income or
money, or other assets, which have not been
disclosed by the transferor for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

SCHEDULE

1. Name of the property, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this Notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:

2. Name of the

3. Name of the

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspector of Income-tax
Acquisition Range III,
Aggarwal House
414-A, Asaf Ali Road
New Delhi

A. C. ...
 G. S. ...
 ...
 ...

$$(F_1 + D) \{ -2, 1$$
[illegible]

61 22 62 1

UNIT OF THE INSPECTING ASSISTANT
CIVIL ENGINEER

SECTION 2500 of
THE NEW YORK
ELECTRICITY AND
GAS UTILITIES
ACT OF 1906

[illegible]
$$f(x) = \frac{1}{2} (1 + \cos x) \quad \text{for } x \in [0, \pi]$$

UNIT 10

Under the computation under Section 2036 of the
Income Tax Act of 1954 (Section 2036 of the
Internal Revenue Code) it can be seen that the
proprietorship value of the estate is \$100,000.

01 02 03 04 05 06 07 08 09 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100 101 102 103 104 105 106 107 108 109 110 111 112 113 114 115 116 117 118 119 120 121 122 123 124 125 126 127 128 129 130 131 132 133 134 135 136 137 138 139 140 141 142 143 144 145 146 147 148 149 150 151 152 153 154 155 156 157 158 159 160 161 162 163 164 165 166 167 168 169 170 171 172 173 174 175 176 177 178 179 180 181 182 183 184 185 186 187 188 189 190 191 192 193 194 195 196 197 198 199 200 201 202 203 204 205 206 207 208 209 210 211 212 213 214 215 216 217 218 219 220 221 222 223 224 225 226 227 228 229 230 231 232 233 234 235 236 237 238 239 240 241 242 243 244 245 246 247 248 249 250 251 252 253 254 255 256 257 258 259 260 261 262 263 264 265 266 267 268 269 270 271 272 273 274 275 276 277 278 279 280 281 282 283 284 285 286 287 288 289 290 291 292 293 294 295 296 297 298 299 300 301 302 303 304 305 306 307 308 309 310 311 312 313 314 315 316 317 318 319 320 321 322 323 324 325 326 327 328 329 330 331 332 333 334 335 336 337 338 339 340 341 342 343 344 345 346 347 348 349 350 351 352 353 354 355 356 357 358 359 360 361 362 363 364 365 366 367 368 369 370 371 372 373 374 375 376 377 378 379 380 381 382 383 384 385 386 387 388 389 390 391 392 393 394 395 396 397 398 399 400 401 402 403 404 405 406 407 408 409 410 411 412 413 414 415 416 417 418 419 420 421 422 423 424 425 426 427 428 429 430 431 432 433 434 435 436 437 438 439 440 441 442 443 444 445 446 447 448 449 450 451 452 453 454 455 456 457 458 459 460 461 462 463 464 465 466 467 468 469 470 471 472 473 474 475 476 477 478 479 480 481 482 483 484 485 486 487 488 489 490 491 492 493 494 495 496 497 498 499 500 501 502 503 504 505 506 507 508 509 510 511 512 513 514 515 516 517 518 519 520 521 522 523 524 525 526 527 528 529 530 531 532 533 534 535 536 537 538 539 540 541 542 543 544 545 546 547 548 549 550 551 552 553 554 555 556 557 558 559 560 561 562 563 564 565 566 567 568 569 570 571 572 573 574 575 576 577 578 579 580 581 582 583 584 585 586 587 588 589 590 591 592 593 594 595 596 597 598 599 600 601 602 603 604 605 606 607 608 609 610 611 612 613 614 615 616 617 618 619 620 621 622 623 624 625 626 627 628 629 630 631 632 633 634 635 636 637 638 639 640 641 642 643 644 645 646 647 648 649 650 651 652 653 654 655 656 657 658 659 660 661 662 663 664 665 666 667 668 669 670 671 672 673 674 675 676 677 678 679 680 681 682 683 684 685 686 687 688 689 690 691 692 693 694 695 696 697 698 699 700 701 702 703 704 705 706 707 708 709 710 711 712 713 714 715 716 717 718 719 720 721 722 723 724 725 726 727 728 729 730 731 732 733 734 735 736 737 738 739 740 741 742 743 744 745 746 747 748 749 750 751 752 753 754 755 756 757 758 759 760 761 762 763 764 765 766 767 768 769 770 771 772 773 774 775 776 777 778 779 780 781 782 783 784 785 786 787 788 789 790 791 792 793 794 795 796 797 798 799 800 801 802 803 804 805 806 807 808 809 810 811 812 813 814 815 816 817 818 819 820 821 822 823 824 825 826 827 828 829 830 831 832 833 834 835 836 837 838 839 840 841 842 843 844 845 846 847 848 849 850 851 852 853 854 855 856 857 858 859 860 861 862 863 864 865 866 867 868 869 870 871 872 873 874 875 876 877 878 879 880 881 882 883 884 885 886 887 888 889 890 891 892 893 894 895 896 897 898 899 900 901 902 903 904 905 906 907 908 909 910 911 912 913 914 915 916 917 918 919 920 921 922 923 924 925 926 927 928 929 930 931 932 933 934 935 936 937 938 939 940 941 942 943 944 945 946 947 948 949 950 951 952 953 954 955 956 957 958 959 960 961 962 963 964 965 966 967 968 969 970 971 972 973 974 975 976 977 978 979 980 981 982 983 984 985 986 987 988 989 990 991 992 993 994 995 996 997 998 999 1000 1001 1002 1003 1004 1005 1006 1007 1008 1009 1010 1011 1012 1013 1014 1015 1016 1017 1018 1019 1020 1021 1022 1023 1024 1025 1026 1027 1028 1029 1030 1031 1032 1033 1034 1035 1036 1037 1038

It is further considered that which is less than the fair market value of the stored property and I have reason to believe that the said defendant is profiting therefrom in excess of the amount paid for the same and that there is an fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be given in payment has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

It is further stated that the said property
may be made available to the said -

11. By any of the aforesaid person within a period of 30 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, and in the case of persons, from the service of notice on or to respective persons, whichever period expires later.

(c) by any other person interested in the said immov-
able property, or by the said person or persons, or by any
of them, or by any other person, or by any other persons, or by any

11. "Act" - no terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

a) I am not to indicate a version of the liability of the trustee to pay for under the said 471. I am not to indicate a version of the trust and for

2011 11 15

PS 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37, 38, 39, 40, 41, 42, 43, 44, 45, 46, 47, 48, 49, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57, 58, 59, 60, 61, 62, 63, 64, 65, 66, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 82, 83, 84, 85, 86, 87, 88, 89, 90, 91, 92, 93, 94, 95, 96, 97, 98, 99, 100, 101, 102, 103, 104, 105, 106, 107, 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115, 116, 117, 118, 119, 120, 121, 122, 123, 124, 125, 126, 127, 128, 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142, 143, 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165, 166, 167, 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, 189, 190, 191, 192, 193, 194, 195, 196, 197, 198, 199, 200, 201, 202, 203, 204, 205, 206, 207, 208, 209, 210, 211, 212, 213, 214, 215, 216, 217, 218, 219, 220, 221, 222, 223, 224, 225, 226, 227, 228, 229, 230, 231, 232, 233, 234, 235, 236, 237, 238, 239, 240, 241, 242, 243, 244, 245, 246, 247, 248, 249, 250, 251, 252, 253, 254, 255, 256, 257, 258, 259, 260, 261, 262, 263, 264, 265, 266, 267, 268, 269, 270, 271, 272, 273, 274, 275, 276, 277, 278, 279, 280, 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296, 297, 298, 299, 300, 301, 302, 303, 304, 305, 306, 307, 308, 309, 310, 311, 312, 313, 314, 315, 316, 317, 318, 319, 320, 321, 322, 323, 324, 325, 326, 327, 328, 329, 330, 331, 332, 333, 334, 335, 336, 337, 338, 339, 340, 341, 342, 343, 344, 345, 346, 347, 348, 349, 350, 351, 352, 353, 354, 355, 356, 357, 358, 359, 360, 361, 362, 363, 364, 365, 366, 367, 368, 369, 370, 371, 372, 373, 374, 375, 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 388, 389, 390, 391, 392, 393, 394, 395, 396, 397, 398, 399, 400, 401, 402, 403, 404, 405, 406, 407, 408, 409, 410, 411, 412, 413, 414, 415, 416, 417, 418, 419, 420, 421, 422, 423, 424, 425, 426, 427, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 434, 435, 436, 437, 438, 439, 440, 441, 442, 443, 444, 445, 446, 447, 448, 449, 450, 451, 452, 453, 454, 455, 456, 457, 458, 459, 460, 461, 462, 463, 464, 465, 466, 467, 468, 469, 470, 471, 472, 473, 474, 475, 476, 477, 478, 479, 480, 481, 482, 483, 484, 485, 486, 487, 488, 489, 490, 491, 492, 493, 494, 495, 496, 497, 498, 499, 500, 501, 502, 503, 504, 505, 506, 507, 508, 509, 510, 511, 512, 513, 514, 515, 516, 517, 518, 519, 520, 521, 522, 523, 524, 525, 526, 527, 528, 529, 530, 531, 532, 533, 534, 535, 536, 537, 538, 539, 540, 541, 542, 543, 544, 545, 546, 547, 548, 549, 550, 551, 552, 553, 554, 555, 556, 557, 558, 559, 560, 561, 562, 563, 564, 565, 566, 567, 568, 569, 570, 571, 572, 573, 574, 575, 576, 577, 578, 579, 580, 581, 582, 583, 584, 585, 586, 587, 588, 589, 590, 591, 592, 593, 594, 595, 596, 597, 598, 599, 600, 601, 602, 603, 604, 605, 606, 607, 608, 609, 610, 611, 612, 613, 614, 615, 616, 617, 618, 619, 620, 621, 622, 623, 624, 625, 626, 627, 628, 629, 630, 631, 632, 633, 634, 635, 636, 637, 638, 639, 640, 641, 642, 643, 644, 645, 646, 647, 648, 649, 650, 651, 652, 653, 654, 655, 656, 657, 658, 659, 660, 661, 662, 663, 664, 665, 666, 667, 668, 669, 670, 671, 672, 673, 674, 675, 676, 677, 678, 679, 680, 681, 682, 683, 684, 685, 686, 687, 688, 689, 690, 691, 692, 693, 694, 695, 696, 697, 698, 699, 700, 701, 702, 703, 704, 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 714, 715, 716, 717, 718, 719, 720, 721, 722, 723, 724, 725, 726, 727, 728, 729, 730, 731, 732, 733, 734, 735, 736, 737, 738, 739, 740, 741, 742, 743, 744, 745, 746, 747, 748, 749, 750, 751, 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759, 760, 761, 762, 763, 764, 765, 766, 767, 768, 769, 770, 771, 772, 773, 774, 775, 776, 777, 778, 779, 780, 781, 782, 783, 784, 785, 786, 787, 788, 789, 790, 791, 792, 793, 794, 795, 796, 797, 798, 799, 800, 801, 802, 803, 804, 805, 806, 807, 808, 809, 810, 811, 812, 813, 814, 815, 816, 817, 818, 819, 820, 821, 822, 823, 824, 825, 826, 827, 828, 829, 830, 831, 832, 833, 834, 835, 836, 837, 838, 839, 840,

which is not the purpose of the federal income tax act of 1922, or the said Act of the V. 111 (1957) (27 of 1957).

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspector Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Finance Cell
Sector 14
414 A, Sector 14, Phase I
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the execution of an arrest warrant by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

| | | |
|---|---|---|
| 3 | 1 | 1 |
| 6 | 1 | 1 |

1. The first part of the document is a list of references. The references are as follows:

21. Sent. R. J. M. O'Brien
126, 130, 132, 134, 136, 138, 140, 142, 144, 146, 148, 150, 152, 154, 156, 158, 160, 162, 164, 166, 168, 170, 172, 174, 176, 178, 180, 182, 184, 186, 188, 190, 192, 194, 196, 198, 200, 202, 204, 206, 208, 210, 212, 214, 216, 218, 220, 222, 224, 226, 228, 230, 232, 234, 236, 238, 240, 242, 244, 246, 248, 250, 252, 254, 256, 258, 260, 262, 264, 266, 268, 270, 272, 274, 276, 278, 280, 282, 284, 286, 288, 290, 292, 294, 296, 298, 300, 302, 304, 306, 308, 310, 312, 314, 316, 318, 320, 322, 324, 326, 328, 330, 332, 334, 336, 338, 340, 342, 344, 346, 348, 350, 352, 354, 356, 358, 360, 362, 364, 366, 368, 370, 372, 374, 376, 378, 380, 382, 384, 386, 388, 390, 392, 394, 396, 398, 400, 402, 404, 406, 408, 410, 412, 414, 416, 418, 420, 422, 424, 426, 428, 430, 432, 434, 436, 438, 440, 442, 444, 446, 448, 450, 452, 454, 456, 458, 460, 462, 464, 466, 468, 470, 472, 474, 476, 478, 480, 482, 484, 486, 488, 490, 492, 494, 496, 498, 500, 502, 504, 506, 508, 510, 512, 514, 516, 518, 520, 522, 524, 526, 528, 530, 532, 534, 536, 538, 540, 542, 544, 546, 548, 550, 552, 554, 556, 558, 560, 562, 564, 566, 568, 570, 572, 574, 576, 578, 580, 582, 584, 586, 588, 590, 592, 594, 596, 598, 600, 602, 604, 606, 608, 610, 612, 614, 616, 618, 620, 622, 624, 626, 628, 630, 632, 634, 636, 638, 640, 642, 644, 646, 648, 650, 652, 654, 656, 658, 660, 662, 664, 666, 668, 670, 672, 674, 676, 678, 680, 682, 684, 686, 688, 690, 692, 694, 696, 698, 700, 702, 704, 706, 708, 710, 712, 714, 716, 718, 720, 722, 724, 726, 728, 730, 732, 734, 736, 738, 740, 742, 744, 746, 748, 750, 752, 754, 756, 758, 760, 762, 764, 766, 768, 770, 772, 774, 776, 778, 780, 782, 784, 786, 788, 790, 792, 794, 796, 798, 800, 802, 804, 806, 808, 810, 812, 814, 816, 818, 820, 822, 824, 826, 828, 830, 832, 834, 836, 838, 840, 842, 844, 846, 848, 850, 852, 854, 856, 858, 860, 862, 864, 866, 868, 870, 872, 874, 876, 878, 880, 882, 884, 886, 888, 890, 892, 894, 896, 898, 900, 902, 904, 906, 908, 910, 912, 914, 916, 918, 920, 922, 924, 926, 928, 930, 932, 934, 936, 938, 940, 942, 944, 946, 948, 950, 952, 954, 956, 958, 960, 962, 964, 966, 968, 970, 972, 974, 976, 978, 980, 982, 984, 986, 988, 990, 992, 994, 996, 998, 1000, 1002, 1004, 1006, 1008, 1010, 1012, 1014, 1016, 1018, 1020, 1022, 1024, 1026, 1028, 1030, 1032, 1034, 1036, 1038, 1040, 1042, 1044, 1046, 1048, 1050, 1052, 1054, 1056, 1058, 1060, 1062, 1064, 1066, 1068, 1070, 1072, 1074, 1076, 1078, 1080, 1082, 1084, 1086, 1088, 1090, 1092, 1094, 1096, 1098, 1100, 1102, 1104, 1106, 1108, 1110, 1112, 1114, 1116, 1118, 1120, 1122, 1124, 1126, 1128, 1130, 1132, 1134, 1136, 1138, 1140, 1142, 1144, 1146, 1148, 1150, 1152, 1154, 1156, 1158, 1160, 1162, 1164, 1166, 1168, 1170, 1172, 1174, 1176, 1178, 1180, 1182, 1184, 1186, 1188, 1190, 1192, 1194, 1196, 1198, 1200, 1202, 1204, 1206, 1208, 1210, 1212, 1214, 1216, 1218, 1220, 1222, 1224, 1226, 1228, 1230, 1232, 1234, 1236, 1238, 1240, 1242, 1244, 1246, 1248, 1250, 1252, 1254, 1256, 1258, 1260, 1262, 1264, 1266, 1268, 1270, 1272, 1274, 1276, 1278, 1280, 1282, 1284, 1286, 1288, 1290, 1292, 1294, 1296, 1298, 1300, 1302, 1304, 1306, 1308, 1310, 1312, 1314, 1316, 1318, 1320, 1322, 1324, 1326, 1328, 1330, 1332, 1334, 1336, 1338, 1340, 1342, 1344, 1346, 1348, 1350, 1352, 1354, 1356, 1358, 1360, 1362, 1364, 1366, 1368, 1370, 1372, 1374, 1376, 1378, 1380, 1382, 1384, 1386, 1388, 1390, 1392, 1394, 1396, 1398, 1400, 1402, 1404, 1406, 1408, 1410, 1412, 1414, 1416, 1418, 1420, 1422, 1424, 1426, 1428, 1430, 1432, 1434, 1436, 1438, 1440, 1442, 1444, 1446, 1448, 1450, 1452, 1454, 1456, 1458, 1460, 1462, 1464, 1466, 1468, 1470, 1472, 1474, 1476, 1478, 1480, 1482, 1484, 1486, 1488, 1490, 1492, 1494, 1496, 1498, 1500, 1502, 1504, 1506, 1508, 1510, 1512, 1514, 1516, 1518, 1520, 1522, 1524, 1526, 1528, 1530, 1532, 1534, 1536, 1538, 1540, 1542, 1544, 1546, 1548, 1550, 1552, 1554, 1556, 1558, 1560, 1562, 1564, 1566, 1568, 1570, 1572, 1574, 1576, 1578, 1580, 1582, 1584, 1586, 1588, 1590, 1592, 1594, 1596, 1598, 1600, 1602, 1604, 1606, 1608, 1610, 1612, 1614, 1616, 1618, 1620, 1622, 1624, 1626, 1628, 1630, 163

Defendant's

• 85 112421, 1 - }

contribution, if any, to the acquisition of the said property, by or for the benefit of the undersigned is:-

(c) For all of the above persons within a period of 30 days from the date of publication of this notice and a further extension of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in his said immovable property, within a period of 30 days after the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION --The terms and expressions used herein as
so defined in Title 1, XXX of the sub
Act shall have the same meaning as in the
above chapter.

being the competent Authority under Section 298 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here, after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the said immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Space No. 3 situated at 3 Bhikaji Cama Place, N.Y. Delhi (land name of Plot No. 107) is a residential plot. It has been transferred to the Plaintiff by a registered sale deed in the Office of the Deputy Commissioner, New Delhi in Sept. 1944 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(b) "increasing the reduction of the liability of an employer to pay for another day's work of any person arising from the accident"

[illegible]

704 Fifth Avenue, New York, N.Y. 10022, Bank of America, New York, N.Y.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be declared by the taxpayer for the purposes of the Federal Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

UNITED STATES
 DEPARTMENT OF JUSTICE
 INSPECTOR GENERAL
 ACCOUNTING AND FINANCE
 44-38861-1000
 WASHINGTON, D. C. 20535

Now, therefore, in pursuance of section 264C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
afore-said property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :-

$$\frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} + \frac{1}{2} \right) = \frac{1}{2}$$

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (47 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAXACQUISITION PAY OFFICE
AGGARWAL HOUSE
414 A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, 10th March 1997

To, Mr. TAC Acq III 5711/94/95, Mr. S. S. CHOPRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (47 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have requested to believe in the immovable property, having a fair market value of Rs. 10,00,000 and being situated at 3 Bhikaji Chavhan Road, New Delhi, and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been acquired by the Government of India for the use of the Office of the TAC Acq III 5711/94/95 for an apartment and for the use of the Government of India. I believe that the fair market value of the property is Rs. 10,00,000 and that the consideration for such property is Rs. 15 per cent of such amount, i.e., Rs. 1,50,00,000. The parties have been fully satisfied with the offer of Rs. 15 per cent of the fair market value of the property.

- (a) facilitating the transfer of the property of the transferor to the transferee and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 or the said Act or the Wealth Tax Act, 1927.

Now therefore in pursuance of Section 269D of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the property by the Government of India for the purposes of the said Act or the Wealth Tax Act, 1927.

Sd/- Mr. S. S. Chopra
Inspector of Income Tax,
New Delhi

(Initialed)

(2) Mr. M. S. Chopra
16, Indraprastha, Indraprastha,
New Delhi

(Initialed)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
must be made in writing and signed —

2. The said property is situated at 3 Bhikaji Chavhan Road, New Delhi, and more fully described in the Schedule annexed hereto. The said property is situated at 3 Bhikaji Chavhan Road, New Delhi, and more fully described in the Schedule annexed hereto. The said property is situated at 3 Bhikaji Chavhan Road, New Delhi, and more fully described in the Schedule annexed hereto.

Initialed

For the Government of India, the expenditure incurred in the acquisition of the said property is Rs. 15 per cent of the fair market value of the property, i.e., Rs. 1,50,00,000.

INITIALS

(3) Mr. S. S. Chopra, New Delhi, 10th March 1997

Sd/- Mr. S. S. Chopra
Inspector of Income Tax,
New Delhi
414 A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

(1) Smt. Uma Devi
C.P. Pimpri B. Ind.
New Delhi

Figure 1

(2) Smt. Anjali Patil
A2/16, Sahakar, Indapur,
New Delhi

(11) (12)

Objections, if any to the acquisition of the land property may be made in writing to the undersigned —

(2) by any of the officers or clerks within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

LILL & HEDLIN

CP 514 at 3 Bhk p Court Place N 10 0

Sd/- J. K. Gupta
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
A-10, Sector III
Vardoli Estate
4th A Wing, Plot
No. 168B

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby institute proceedings for the acquisition of the
 ar said property by the issue of this notice under sub-
 section (3) of Section 269D of the said Act, to the following

Date 9/5/1987
 Seal

FORM TINS—

(1) Mrs. Bhanot Late Bhan,
102-103, Raja House,
30-31, Nehru Place,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
414-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th May 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37-EF/9-84/600.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing Space No. 8 at 3, Bhikaji Cama Place situated at New Delhi (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC, Acq. III, New Delhi on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Neema Bedi,
A2/16, Safdarjung Enclave
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

(a) by any of the aforesaid persons, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Car Parking Space No. 8, at 3, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Aggarwal House,
414-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Date: 9-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Gupta Carpets International (P) Ltd
A-112, Sudhansu Enclave
New Delhi

(Transferee)

(2) M/s. Gupta Carpets Ltd. Ltd
1, Kaushtya Path
Surya Marg
Hauz Khas
New Delhi

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

400, THE PANGLOSS
ASAD ALI HOUSE
414A ASAD ALI ROAD
NEW DELHI

Ref No. ITNS/1/1/751

Reference is made to the letter of the 1/7/85 - Wherein I
SUNIL CHOPRA
being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the "Act")

have reason to believe that the immovable property having
reference number 100/000/ and bearing No
100/13/000, situated at Hauz Khas, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred by the Transferor (1) Act, 1961 (43 of 1961)
to the Transferee (2) at New Delhi.

The consideration for such transfer is less than the
market value of the affected property and I have reason to
believe that the market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifty per cent of such apparent consideration and that
the consideration in such transfer is agreed to between the
parties thereto but has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of -

"... facilitating the evasion of the liability
to pay tax under the said Act, in
respect of an income arising from the transfer
of the property."

17/7/85

(b) facilitating the evasion of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957),

Therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby make provision for the acquisition of the
said property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely -

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned -

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on respective persons,
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Resident: B1, B3, 1, Kanchhaya Park, Surya Marg, New
Delhi. (Ref. No. 100/13/000)

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Asad Ali House
414A Asad Ali Road, New Delhi

Date: 8/5/1985
Sd/-

(4118 191)

(Trans) (cc)

ACQUITT ON RANGI III
AGORWAI HOUSE
414 A ASAI ALI ROAD
NEW DITHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said removable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expression used herein as defined in Chapter XXX of the Statute shall have the same meaning as given in that Chapter.

to discharge the obligation or payment of the liability
of the transferee to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,

III. SCHEDULE.

Basement B 2 is at the second Paulson level of the
Hertz Plaza, New York, NY 10036.

any income or any other assets which have not been or which are to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or this Act or the Wealth-tax Act, 1952 (30 of 1952).

SUNDI CHITRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range III
Agartala House
414A Asaf Ali Road, New Delhi

and therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I her by initiate proceedings for the acquisition of the above land and property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 264D of the said Act, to the following persons namely:

Don 751985
Sed

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 23rd April 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/37-FC/8-84/603 —Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 20, Yusuf Sarai, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ III, New Delhi on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
81—26GI/85

(1) Oxford Engineers (P) Ltd.,
18, Commercial Complex,
Malcha Marg,
New Delhi-110021.

(Transferor)

(2) Mr. Rama Kumari,
B-117, Sarvodaya Enclaves,
New Delhi-110017

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement Store No B-4, in Oriental Apartment, Community Centre, Plot No 20, Yusuf Sarai, N. Delhi, Area 315.26 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 23-4-1985
Sd/-

FORM ITNS

(1) Rishi Pooje Builders (P) Ltd.,
6/4792, Chandni Chok,
Delhi-6.

(Transferor)

(2) Mrs. Kanchan Gupta,
62, Madan Park,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

**ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14 A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI**

New Delhi the 10th May 1985

Ref. No. IAC/ACQ-III/37 LF/9/84/604.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. 4/66A/3, New Rohtak Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC ACQ III, New Delhi on September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4 Mezzanine Floor, Pal Mohan Bhawan, 66A/3, New Rohtak Road Karol Bagh, New Delhi. Area 270 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

(1) Karish Nath & Associates,
1006, Kanchenjunga,
18, Barakhamba Rd.,

(Transferor)

(2) Suasik Woollen Industries (P) Ltd.,
C-696, New Friends Colony,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14 A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37-EC/9-84/605.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 511, ALPS 2-A, B.C.P. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ.III, New Delhi on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. 511, (Plinth area 551.90 sq. ft.) on the 5th floor of proposed commercial complex 'ALPS' 2-A, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-5-1985
Seal -

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
 AGGARWAL HOUSE
 4/14-A, ASAF ALI ROAD
 NEW DELHI

New Delhi, the 24th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/37-LE/9-84/606.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 66A, Block A-2, situate at Paschim Vihar A, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC ACQ III, New Delhi on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri S. P. Sharma,
 S/o. Gopal Dass,
 R/o. J-60, Sarojini Nagar,
 New Delhi-23.

(Transferor)

(2) Shri Vipin Sharma,
 S/o. Sh. D. N. Sharma,
 R/o. 17/72, Punjabi Bagh,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flag No. 66 A, Ground Block, A-2, (MIG Flats), Paschim Vihar A, New Delhi. Area 87.23 Sq. Mts.

SUNIL CHOPRA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III
 Aggarwal House
 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 24-4-1985
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd April 1985

Ref. No. IAC/ACQ-III/37-ET/5-84/607—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 10,000 and bearing No R-12, 6 Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ III, New Delhi on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Ansal Properties & Inds. P. Ltd.,
115, Ansal Bhawan,
16, Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi

(Transferor)

(2) Manjul Bros. Associates,
24, Model Town,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Reception No. R-12 in 6, Bhikaji Cama Place, New Delhi.
Area 481 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 22-4-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 22nd April 1985

Ref. No. IAC/ACQ-III/37-FE/9-84/608.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R-II, situated at 6, Bhikai Cama Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ-III, New Delhi on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ansal Properties & Inds. (P) Ltd.,
115, Ansal Bhawan,
16 K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri P. A. Thomas,
Sh. Patrick Thomas,
R/3, Green Park Market,
C/o Caymes Estates & Construction (P) Ltd.,
New Delhi.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. R-II in 6 Bhikai Cama Place, New Delhi.
Area 490 Sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date 22-4-1985
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
414A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1985

Ref. No. IAC/Adq. III/37-EF/9-84/609.—Whereas I, SUNIL CHOPRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S2, 5, Kaushalya Park, Hauz Khas, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the IT. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC ACQ III New Delhi on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Kaushalya Educational Trust through
Sh. Vivek Kapur, Trustee.
(Transferor)

(2) Shri Ajay Jain,
S/o. Sh. R. S. Jain,
Flat No. 101, Ground Floor,
5, Kaushalya Park,
New Delhi-16.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. S2 (FF) on 2nd floor, admeasuring approx. 400 sq. ft. on the back portion of the Building at 5, Kaushalya Park, Hauz Khas New Delhi-16

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
414A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 6-5-1985
Sd/-

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi the 24th April 1985

Ref. No. IAC/ACQ-III/9-84/37-FF/610.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Basement Area No. 100, situated at 4 Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC/ACQ-III, New Delhi on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Satish Chandra Jain,
K-41 Hauz Khas, Enclave,
New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Ramsonic Enterprises through
Smt. Usha Rani Jain,
Sole Proprietor,
A-1/62 Azad Apartments, Sri Aurobindo Marg,
New Delhi-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sona Apartments, Basement Area No. 100, 4, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi-16, (Area 900 Sq. ft.).

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 24-4-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE,
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th May 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/37-EF/9-84/611.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 310, 22 Rajindra Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in Sept., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
82—96GI/85

- (1) Sethi Family Trust,
through Joginder Singh Sethi (Trustee)
3513, East Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferor)

- (2) M/s Bhatia Sahgal Construction C. Ltd.,
48 A, Joh Bagh, New Delhi-3. (Transferee)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 310, on third floor in Padma Tower-II, 22, Rajindra Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 10-5-85

Seal:

FORM ITNS

(1) Shri S. C. Manghani,
17/12, Rajindra Nagar, New Delhi-60.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri R. S. Sharma,
H. No. 80, Sector-A,
Subhashnagar, Jammu (J&K).
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 10th May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ-III/37-EE/9-84/612.--Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-4/203, Safdarjung Enclave, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ. III, New Delhi in Sept., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATIONS—The term and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

TIN SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Residential House, B-4/203, Safdarjung Enclave, New Delhi. Area 1200 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-85
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE,
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd May 1985

Ref. No. IAC/Acq III/37-EE/9-84/613.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 209, Bhabaji Cama Place, Ring Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC, ACQ. III, New Delhi in Sept., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any property or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Bhasha Sons Private Ltd,
5, Dilmil Laneput,
New Industrial Complex, G.T. Road, Shahdara,
Delhi-32. (Transferor)

(2) Kaveri Engineering Industries Ltd,
26, Cathedral Road, Madras-86. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat 209, Building No. 9, Bhabaji Cama Place, Ring Road, New Delhi. Area 494 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 3-5-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
ACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE,
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 22nd April 1985

Ref. No. IAC[Acq. III]37-EE[9-84]614.—Whereas I,
SUNIL CHOPRA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearingNo. G-11, 1 Kaushalya Park, situated at Hauz Khas, New
Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in
the Office of the IAC ACQ. III, New Delhi on Sept., 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons
namely:—

- (1) M/s. Surya Enterprises P. Ltd.,
L-34 Kirti Nagar, New Delhi-15.
(Transferor)

- (2) M/s. Mod-Silica (P.) Ltd.,
B-10, Lawrence Road, Delhi.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. G-11, on ground floor, 1 Kaushalya Park, Hauz
Khas, New Delhi. Area 557 Sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 29-3-1985

Seal:

FORM ITNS—

(1) Paradise Tour Co. (I) P. Ltd.,
C-15, Anand Niketan, New Delhi-21.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Kaveri Engineering Industries (P) Ltd.,
26, Cathedral Road, Madras-86.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE,
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 1AC/Acq III/37-EE/9-84/615.—Whereas I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 210, 9, B.C.P. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961, 43 of 1961 in under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the I.A.C. ACQ. III New Delhi on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 210, Building No 9, Bhikaji Cama Place, Ring Road, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 14-5-85

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt Moti Ran Kapoor
w/o Chand Kapoor, Rpo. R-749,
N. Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE,
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

Ref. No. IAC/ACQ-III/27-EE/984/616—Whereas, I, SUNIL CHOPRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. R-749 N. Rajinder Nagar situated at N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) under the IT Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC ACQ III, New Delhi on September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Sh. Krishnan Arora,
Sh. Vinod Arora, Sh. Sanjay Arora,
Sh. Rajiv Arora, Sm. Vidya Wanti Arora,
Rpo. 1416-Pahar Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

R-749, New Rajinder Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date : 14-5-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE,
ANSAL AIL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th May 1985

(1) Smt. Kamal Jain,
Dara Inpex, 74/948, Bansi Harphool Singh,
Sadar Thana Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Grover, (HUF.)
D-211, Ashok Vihar, Phase-I,
Delhi-52

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.-III/37-EE/9-84/617—Whereas I,
SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-
and bearing No.
Space No. 17 at 3, Cama Place situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I T Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the
I A C, Acq. III, New Delhi on September, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Car Parking Space No. 17, on ground (Lower) Floor in
3, Ansal Bhawan Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 9-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE,
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st May 1985

Ref. No. IAC/ACQ-III/37-EF/9-84/618—Whereas I,
SUNIL CHOPRA,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 100,000/- and bearing

No. UG-5, Pahar Ganj situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferredunder the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the
I.A.C. ACQ. III, New Delhi on September, 1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been for
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

- (1) Jarna Properties (P.) Ltd.,
Admathshree House, Opp Super Bazar,
Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Mr. H. S. Gill s/o Late S. D. S. Gill,
F-29-D, MIG Flat DDA, G-8-Area,
Hari Nagar, New Delhi-1100064.

(Transferee)

Objection if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are
Defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

UG-5, Pahar Ganj, No. 1/2/4420 4424, Katra Raji, New
Delhi. Area 144 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date : 1-5-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.———

- (1) Captain D. V. Singh,
6, Vijay Park, Chakrata Road,
Dehradun (U.P.)

(Transferor)

- (2) M/s. Jaina Prop. Pvt. Ltd.,
Adinath Shree House, Opp. Super Bazar,
Con. Circus, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE,
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 1st May 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/37-FH/9-84/619.—Whereas I,
SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 705-A, Jaina Tower, Distt. Centre, situated at Janak Puri, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the

I.A.C. ACQ. III, New Delhi on September, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

705-A, Jaina Tower Distt. Centre, Janak Puri, New Delhi.
Area 300 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
83—96G1/85

Date : 1-5-1985
Seal :

FORM IT.N.S.

(1) Shri S. K. Gidwani S/o Sh. K. A. Gidwani,
G-9, N.D.S.E-II New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Jaina Properties (P.) Ltd
Akhatisree House, Opp. Jaijit Bazar,
Con. Circus, New Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made, in writing to the undersigned :—ACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE,
ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq-III/37-EE/9-84/620—Whereas I,
SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 204-B, 11nd floor, Plot No. 3 Distt. Centre, situated at
Janak Puri New Delhi
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the
I.A.C. ACQ. III, New Delhi on September 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

204-B, Second Floor Plot No. 3, Distt. Centre, Janak Puri,
New Delhi

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Now, the afore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 7-5-85
Seal :

FORM FIVE

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 26th April 1985

Ref. No. IAC/ACQ.III/37EF/9-84/621 —Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearingFlo. 201, Pal Mohan House situated at Karol Bagh, New
Delhi,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the registering Officer at I. A. C., ACQ.III,
New Delhi in September, 1984.for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) M/s Pal Mohan Construction Co.,
6/4792, Chaudani Chowk,
Delhi-110006.

(Transferor)

(2) M/s. Travel More,
5/67, W.E.A., Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Flo. No. 201, 1st Floor, Pal Mohan House, Karol Bagh,
New Delhi. Area 378.2 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 26-4-1985
Seal :

FORM 115

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 26th April 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/9-84/622.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and bearing

No. 202, 5/67, Padam Singh Rd., situated at Katol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at IAC Acq.III, New Delhi in September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :—

(1) M/s Pal Mohan Construction Co.,
6/4792, Chandam Chowk,
Delhi-110006.

(Transferor)

(2) Smt. Surjit Kaur Dhillon,
21/56, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 1st floor, Pal Mohan House 5/67, Padam Singh Road, Katol Bagh, New Delhi. Area 455 Sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 26-4-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 23rd April 1985

Ref. No. IAC/Acq III/37EE/9-84/622A —Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act) have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
No. 307, 5/67 Padam Singh Road situated at Karol Bagh, New
Delhi-5(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the registering Officer at IAC Acq III, New
Delhi in September, 1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) M/s Pal Mohan Construction Co.,
-
- 6/4792, Chandani Chowk,
-
- Delhi-110006.

(Transferor)

- (2) Shri K. M. Panicker,
-
- 604, Jagan Deep,
-
- 12, Rajendra Place,
-
- New Delhi-110008.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
-
- able property within 45 days from the date of the
-
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning, as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 307, Second Floor, Pal Mohan House, 5/67, Padam
Singh Road, Karol Bagh, New Delhi. Area 250 sq. ft.SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New DelhiDate : 23-4-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGEL-III
AGGARWAL HOUSE
4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 7th May 1985

Ref. No. IAC/Acq III/3/FE/9-84/624—Whereas, I
SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act) have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and being
No. 304, Third Floor, Dist. Centre Janak Puri, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the Inspecting Assistant Commissioner of I.T. Acq. III
New Delhi in September, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument
transfer with the object of —

(1) Juma Properties (P) Ltd.,
Agnath Shree House,
Opp Super Baza
Con Circle,
New Delhi

(Transferor)

(2) Shri Rawal Dass Chawla,
S/o Late Shri Kishan Rai Chawla
C 2/239, Kanak Puri,
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

304 (Third Floor) Juma Tower, Dist. Centre Janak Puri,
New Delhi, Area 130 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date 7-5-85

Seal :

FORM IINS-- --

(1) Mrs. Sita Devi,
B-5/140, Saldarjung Enclave,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

(2) Mrs. Motia Rani Kapoor,
58/8, Tilak Nagar,
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :-

New Delhi, the 10th May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

Ref. No. IAC/Acq III/371 F/9-8/625—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the "said Act"), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
No. 58/8, Tilak Nagar situated at New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961)
to the Office of the registering Officer at F. A. C. C. O.,
New Delhi in September, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

58/8, Tilak Nagar, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this office notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the
following persons, namely :—

Date : 10-5-85
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Surya Enterprises (P) Ltd.,
1-34, Kirti Nagar,
New Delhi-15.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shi Ram Kishan Guadian of
Maste Rohit Garg,
E-31, Green Park,
New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 3rd May 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/9-84/627.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000]—and bearing
No. M-1, 1, Kaushalya Park, Hauz Khas situated at New
Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the registering Officer at I. A. C. ACQ.III,
New Delhi in September, 1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. M-1, Mezz. floor, 1, Kaushalya Park, Hauz Khas,
New Delhi. Area 1325 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 3-5-1985

Seal :

FORM I.T.N.S.-----

(1) Mr. Ram Prakash,
N-4C, Saket,
New Delhi-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Rita Narula,
E7-NDSE Part-I,
New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 23rd April 1985

Ref. No. IAC/Acq III/37EE/9-84/628.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. UG-32-B, S Bhikaji Cama Place situated at New Delhi. (the more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Anna Nagar (Doc. No. 2868/84) in June 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

UG, 32-B, S, Bhikaji Cama Place, New Delhi. Area-142 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
84—96G1'S5

Date : 23-4-1985

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
11/1A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 26th April 1985

Ref. No. IAC/Acq III/37FF/984/629 - Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and being the
Flat No. 421, 6, Bhikaji Cama Place situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the said Act, 1961 (43 of 1961)
to the Office of the registering Officer at I. A. C. ACQ III,
New Delhi on 8th September, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the said property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer is agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, 1961, I hereby give notice of the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:-

- (1) 1. Smt. Harbhajan Kaur
2. Mrs. Maninder Bano
3. Smt. Brindar Kaur
4. Smt. Harsimrat Kaur
R-21, Nizamuddin
New Delhi

(Transferee)

- (2) 1. Ravi Trust
2. Smt. Vaya Sarin
3. Shri Anand Sarin
4. Kumar Haya Sarin
24, Lodi Estate
New Delhi-110003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter 3A of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 421, at 6, Bhikaji Cama Place, a proposed building under
construction at No. 6, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

Sd/- (Signature)
Commissioner, Acquisition of Income-tax
Acq III
4/11/85
New Delhi

Date: 26.4.1985

Secy.

FORM ITNS—

(1) Saket Properties Pvt. Ltd.,
C-538, Defence Colony,
New Delhi-24.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE
4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

Rcf No IAC/ACQ III/37FE 9-84/629A —Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
No 201 Plot No 21, Yusuf Sarai, Community Centre situated
at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I T Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the registering Officer at I A C ACQ III,
New Delhi in September, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(2) Mr. Satish Sood,
H-9, N. D. S. E. Part-I,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No 201, Area 429 sft app Plot No 21, Yusuf Sarai,
Community Centre, New Delhi-16

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely—

Date 14-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 26th April 1985

Ref. No. IAC/Acq III/37LE/9-84/629B.--Whereas I,
SUNIL CHOPRA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs.
1,00,000/- and bearingNo. A-1/82 situated at Masjid Moth Residential Scheme New
Delhi(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I T Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the registering Officer at I A C ACQ, II
New Delhi in September, 1984for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—(1) Shiksha Malhan,
3381, Labeela Bela Patiswad
Bazari Sita Ram
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri K. D. Verma
Postmaster's Residence
Sarojini Nagar Post Office,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette and a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official GazetteEXPLANATION—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—Plot No. A-1/82, Masjid Moth Residential Scheme, New
Delhi.Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
New Delhi
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New DelhiDate 26.4.1985
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE
4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 9th May 1985

For No. ITC Acq III/37FE/9-84/63J. —Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. UG-12, at 4, Bhikaji Cama Place situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at I. A. C. ACQ.III, New Delhi in September, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Rajdhani Builders,
13th floor, Atma Ram House,
1, Tolstoy Marg,
New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Master Kanwal Deep Singh,
1/154, Sherawalan Gate,
Patiala (Ph.) 147001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UG-12, at 4, Bhikaji Cama Place, New Delhi. Area 307 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 9-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGHRI
ACGARWAL ROAD
414A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi the 7th May, 1985

Ref. No. IAC Acq III S II 451631-W/100/1
SUNIL CHOPRA
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Shop No. UG 611 located at 4 Bhilga Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the said Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, New Delhi in September 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income & profit from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been so disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Pajdhani Builders
13th floor, Vardaan Hotel,
1 Tolstoy Marg,
New Delhi 110001

(Transferee)

(2) Shri Chaman Lal Kalia
Shri Ram Prakash Kalia
No. 48 Saket,
New Delhi

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of a notice on the respective persons whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used in this notice are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. UG 611 located at 4 Bhilga Road,
Area 2/3 sq. ft.

EVM

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority

cc
Sent

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE
4/11A ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, 24th April 1985

Ref. No. IAC/Acq III/37/1/9 S/1632—Whereas I, SUNIT CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property mentioned in the Schedule annexed hereto, the market value of which exceeds Rs. 1,00,000—

is being transferred by Shri. Anil Bhatnagar, 9 Bhikaji Cama Place, New Delhi, to the transferee mentioned in the Schedule annexed hereto, in contravention of the provisions of the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) and the provisions of the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Wealth-tax Act, 1927 (7 of 1927).

and that the consideration which is less than the fair market value of the said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri. Anil Bhatnagar and
Mr. Madhu Taneja
R-80, Indraprastha
New Delhi

(Transferor)

(2) Shri. Gulshan Khurana
Mr. Shri R. L. Khurana,
F-7/89, Rajouri Garden
New Delhi

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned, viz.:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1927 (7 of 1927).

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the property aforesaid by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Flat No. 510 A, on 24th floor, in 9 Bhikaji Cama Place, New Delhi (360 Sq. Ft.)

SUNIT CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range III
Aggarwal House
4/11A Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 24-4-1985
Seal:

FORM IINS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE,
4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 30th April 1985

Ref. No. IAC/ACQ.III/37EF/9-84/633.--Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. No. 203, 5/67 Padam Singh Road, situated at Karol Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at I.A.C. ACQ.III, New Delhi in September, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Pal Mohan Chandra Aggarwal
6/4792 Chandni Chowk
Delhi-110006
- (2) Indo German Agency Pvt. Ltd.
Near Chand Cinema
C. T. Road,
Ludhiana-141005

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 90 days from the service of notice on the aforesaid persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions in this Act are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 1st Floor, Pal Mohan House, 5/67 Padam Singh Road, Karol Bagh, New Delhi (area 350 sq. ft. approx. area).

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
Acquisition Range-III
Income-tax Department
New Delhi-110006

Date : 30-4-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III
AGGARWAL HOUSE
4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 23rd April 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/9-84/634 —Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-12-A situated at 1, Rajendra Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at 1, A. C. ACQ.III New Delhi in September, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) M/s Neha Deep Constructions,
1, Rajendra Place,
New Delhi-110008.

(Transferor)

- (2) Shri S. R. Jain
C/o M/s Sukhdev Raj & Co.,
Chaura Bazar,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Air Conditioned Space No. C-12 A. on ground floor in the building under construction at 1, Rajendra Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 23-4-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Bimla Batra,
16/44, Bajinder Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Raj Kumari Parti
B-2/84, Safdarjung Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

Ref. No. IAC/ACQ-III/37EE/9-84/855.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 12, Stutes Building 2652-53, Bank Street, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC ACQ-III, New Delhi in September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Basement No. 12, Stutes Building 2652-53, Bank Street, Karol Bagh, New Delhi-5.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-5-1985
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/9-84/878.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10, Stutee Building 2652-53, Bank street, situated at Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ-II, New Delhi on September 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely :—

- (1) Smt. Krishna Sehgal,
B-5, Greater Kailash Enclave-II,
New Delhi (Transferor)
- (2) M/s. Vijay Gupta & Co.
C-64A, Shivaji Park,
P.O. Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. 10, Stutee Building 2652-53, Bank Street,
Karol Bagh, New Delhi-5.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House,
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 14-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s. Kailash Nath & Associates,
1006, Kanchenjunga, 18 Barakhamba Rd.,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri H. L. Sud H.U.P.,
W-26, Greater Kailash Part-II,
New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 14th May 1985

Ref. No. IAC/ACQ-III/37-EE/9-84/625.—Whereas, I,
SUNIL CHOPRA,
being the Competent Authority under Section 269D of
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 309, 2-A Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi
and more fully described in the schedule annexed hereto
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the I.A.C. ACQ-III, New Delhi in September,
1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Office flat No. 309, admeasuring 345 sft. on 3rd floor of
proposed multi-storeyed commercial complex ALPS at 2-A
Bhikaji Cama District Centre, New Delhi.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee under
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House,
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 14-5-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Lau Pak Construction Co.

(Transferor)

(2) Caitan Angelo Sequina

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1985

Ref No ARIV[37 FE/12311/84-85 —Whereas I, A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, first floor, Fany Apartment, CTS No. 1010 Eksar Village, Holy Cross Rd Borivli (W) Bombay-103 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) at Joint Sub-Registrar-II, Karmahapuram (Document at Bombay on 1-9-1984) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, First Floor Fany Apartment, CTS No. 1010 Eksar Village I.C. Colony, Holy X Road, Borivli (W), Bombay-103. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No ARIV[12311/84-85 on 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition IV, Bombay

Date : 14-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Fair Fast Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Helen Vaz

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1985

Ref. No. AR-IV/37EF/12399/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3, 2nd floor, Fairy Apartment, Plot No. 1, C.T.S. 1010, Holy Cross Rd, I.C. Colony, Eksar Village, Borivli, Bombay-103 has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 2nd floor, Fairy Apartment, Plot No. 1, CTS 1010 Holy Cross Road, I.C. Colony, Eksar Village, Borivli Bombay-103. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AS-IV/12399/84-85 on 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition IV, Bombay

Date: 14-5-1985
Seal:

FORM ITNS—

(1) Fair Fact Construction Co.

(Transferor)

(2) Accas F. Correa

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV BOMBAY

Bombay, the 14th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ARIV/37-EE/12459/84-85 —Whereas, I A
PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 1, 3rd floor, Plot No. 1, CTS No. 1919 Eksar
Village, I.C. Colony, Holy Cross Rd, Borivli, Bombay-103
situated at Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the
Competent Authority
at Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 3rd floor, Fairy Apartment, Plot No. 1,
CTS No. 1010 Eksar Village, I.C. Colony, Holy Cross Rd,
I.C. Colony, Borivli, Bombay.The agreement has been registered by the Competent Author-
ity, Bombay under No. ARIV/12459/84-85 on 1-9-84.A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 14-5-1985
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Fair Fast Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Agnelo Pinto

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 14th May 1985

Ref. No. ARIV/37-EE/12400-D/84-85.—Whereas, I, A.
PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearingNo. Flat No. 3, first floor, Fairy Apartment, C.R.S. No. 1010,
Eksar Village, I.C. Colony, Holy Cross Rd. Borivli, Bombay-
103(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the
Competent Authority
at Bombay on 1-9-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in the Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3, first floor, Fairy Apartment, C.T.S. No. 1010,
Eksar village, I.C. Colony, Holy X Road, Borivli, Bombay-
103. The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. ARIV/12400-D/84-85 on
1-9-1984.A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition IV, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

Date : 14-5-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Nita Chetan Kothari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Pratima H. Shah & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 15th May 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/20339/84-85.—Whereas, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office bearing No. 33, plot No. CTS No. 348, Laxminarayan Shopping Centre, Podar Rd. Malad (E), Bombay-97 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

(2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office bearing No. 33, plot bearing CTS No. 348 P. 5A Laxminarayan Shopping Centre, Podar Road, Malad (E), Bombay-97. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37-E/20339/84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

86—96GI/85

Date : 15-5-1985

Seal :

FORM NO. ITNS—

- (1) Mrs. Beatrice Paul Rodricks & others
(Transferor)
- (2) Rodricks Apt Co-op. Hsg. Soc. Ltd.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37-G/2525/83-84 —Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. 10, S. No. 30 H. No. 4(P) S. No. 30 H. No. 10, S. No. 30 H. No. 9 (pt) and CTS Nos 448, 448/1, 448/2, 448/3 of Village Valani, Malad Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Landbearing S. No. 30 H. No. 4(pt). S. No. 30 H. No. 10, S. No. 30 H. No. 9(Pt) & CTS No. 448, 448/1, 448/2, 448/3 & 458 of Village Valani, Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/S.48/84 dated 10-9-1984.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

- (1) V. B. Savant & Others (Transferor)
 (2) Mr. G. S. Saigal & Others (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.-III/37-EE/2520A/84-85.—

Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Village Pahadi, City Survey No. 59/3 & 4 & 7017, S. No. 3 Pahadi, Goregaon (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 26-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Village-Pahadi, City survey No. 69/3 & 4 & 7017, S. No. 3 Pahadi, Goregaon (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.-III/37EE/S.3474/81 dated 26-9-1984.

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III
 Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shi P. N. Chakraborty

(Transferor)

(2) Ronel Co-op. Housing Sct. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.-III/37-G/2520/84.—

Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.Sub Plot No. 11 of Sector B in R. Village, Survey No. 49,
(P) and 50(p), Chembur, Bombay,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered underthe Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of
the Registering Officer, at

Bombay on 18-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering
Officer Bombay under No. S.745/79 dated 18-9-1984.(b) facilitating the concealment of any Income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-5-1985

Seal :

FORM ITNS- ———

(1) Smt. Champaben R. Parikh

(Transferor)

(2) Smt. Tataben V. Patel & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-III/37G/2517/83-84.—

Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Land C1 Survey No. 133, Mamlatadar Wadi, 1st X-Lane, Mulad (W) with structure known as Gopal Bhawan No. 14-2 Bombay-64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 5-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Officer, Bombay under No. 1718/82 dated 5-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Date : 10-5-1985

Seal :

FORM LT.24.S.—

(1) Shri S. S. Sarve,

(Transferor)

(2) Aprax Co-op. Hsg. Soc.,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (23 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref.N o. AR-III/37G/2528/84.—

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 53, of S. No. 184 & 169 Kanjur, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Authority, Bombay under No. AR-III/37-EE/1031/83 dated 14-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM 11NS

(1) Sudarshan M. Patel & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Radium Co-op. Dairy Sct. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Objection, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the date of notice on the respective persons
whichever period expires later,(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-III/37-G/2571/84-85.—

Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and being astable and situated in the city of Bombay and more fully described in the Schedule annexed hereto,
has been purchased and the sale is registered under
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) on the order of
the Registering Officer at
Bombay on 7-11-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—EXPLANATION—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXV of the said
Act shall have the same meaning as given
in that chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferees for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957),The agreement has been registered by the Registering
Officer Bombay under No. S-4657/74 dated 7-11-84.A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. S. T. Sakpal & Oths.

(Transferor)

(2) Rajlaxmi Co-op-Hsg. Soc. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref No. AR-III/37G/2224/83-84.—

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

C.T.S. No. 665, Pahadi Goregaon, Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under the Registration Act, 1906 (16 of 1906) in the office of the Registering Officer, at Bombay on 26-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

C.T.S. No. 665, Pahadi, Goregaon Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37-EF/S.2821/81
Dated 26-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Indumati A Mohani

(Transferor)

(2) M/s Sadhana Builders

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-III/37-G/2521/84-85.—

Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land with huts CTS No. 297, L.B.S. Marg, Kurla(W), Bombay-70

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 15-10-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

87—96GT/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Registering Officer under S 171/83 dated 15-10-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.

Date : 10-5-1985

Seal :

FORM INS—

(1) T. G. A. D. D. D.

(Transferor)

(2) P. G. K. Ched

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE III
BOMBAY**

Bombay the 10th May 1985

Ref No. AR III/37 EF 20422 —

Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5, 1st fl. Heena Munion Co. op. Hsg. Sect. Of LBS Marg, Near Bhalcku Wadi Kurla(W) Bombay 70 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered and the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 19/5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the apparent consideration and that the consideration for such transfer as stated to between the parties has not been truly stated in the deed instrument of transfer with the object of

Object of the notice is to the acquisition of the said property and the said property is situated at —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Flat No. 5, 1st fl. Heena Munion Co. op. Hsg. Sect. Of LBS Marg, Near Bhalcku Wadi Behind Kalpana Theatre Kurla (W) Bombay 70

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR III/37 EF 20422 on 19/5/84

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range III
Bombay

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

Date: 10/5/1985
Sd/

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

(1) M/s Nandan Developers

(Transferor)

(2) M/s Ashih Housing & Const. Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-III/37-EE/20376/84-85.—

Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Blk. No.

Flat No. 301, B-Wing Bldg. No. 1, Shanti Park, Garodia Nagar, Chakopar (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Flat No. 301, B-Wing Bldg. No. 1, Shanti Park, Garodia Nagar, Chakopar (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37-EE/20376/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay.Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Sattar A. Parkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref No. AR-III/37-FL/13686/84-85.—

Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No 406, 4th Floor, Bldg. No. 18, Kapadia Nagar, Vidyanagri Marg, CST Road, Kurla, Bombay-70

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 406, 4th fl. Bldg. No 18, Kapadia Nagar, Vidyanagri Marg, CST Rd Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37-FE/13686 83-84 dated 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asst Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M. S. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohd Aris Habibulla.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAYObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-III[37-FE]20482/84-85 —
Whereas, I, A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000/- and bearingFlat No. 209, 2nd fl. Bldg. No. 6, Kapadia Nagar, Vidya-
nagar Marg, C.S.T. Rd. Kurla, Bombay-70(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Sec 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the
Competent Authority at Bombay on 1/9/84for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 209, 2nd fl. Bldg. No. 6, Kapadia Nagar,
Vidyanagri Marg, C.S.T. Road, Kurla, Bombay-70.The agreement has been registered by the Competent
Authority Bombay vide serial No. AR.-III[37-FE]20482
85-84 dated 19 1984.A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferee)

(2) Smt. Nalini H. Udapurwala & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-III/37-EF/20481/84-85.—
Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 403, 4th fl. Bldg. No. 18, Kapadia Nagar, Vidyanagar Marg, CSJ Road, Kurla, Bombay-70.

(and which is described in the Schedule annexed hereto), has been acquired and the acquisition is registered under Section 269D of the Income-tax Act, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the exceed the apparent consideration therefor by more than parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th fl. Bldg. No. 18, Kapadia Nagar, Vidyanagar Marg, CSJ Road, Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-III/37-EF/20481/84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date : 10-5-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) Kamasun Prod.

(Transferor)

(2) Mrs. Meenakshi Natrajan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR III/37 EE/20451/84-85 —Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, 1st Abishek C.H.S. Ltd. Garodia Nagar, Ghatkopar(E), Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st Abishek C.H.S. Ltd. 111, Garodia Nagar, Ghatkopar(E), Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR III/37-EE/20451/84-85

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sonba Haribhau Nayhane & Ors.

(Transferor)

(2) Smt.D. J. Bhagwan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-III/37EE/20429.—Whereas, I,
A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop at Someshwar Premises Co-op. Soc. Ltd. Garden Lane, Ghatkopar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop at Someshwar Premises C.H.S. Ltd. Garden Lane Ghatkopar,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under Serial No. 20429 AR-III/37EE/20429 on 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s Rao & Associates

(Transferor)

(2) Miss Sandra Moneiro & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires later,(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III/37.EE/20504/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Shop No. 12, Gajanan N'was (New), Vakola Village
Road, Kadamwadi, Santacruz(E), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Sec. 269AB of the Income-tax Act, in the office of the
Competent Authority at
Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 12, Gajanan N'was (New) Vakola Village Road
Kadamwadi, Santacruz(E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent
Authority Bombay vide serial No. AR. III/37.EE/20504/83-84
dated 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

88—96GT/85

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM IINS

(1) M/s Sheth Enterprises

(Transferor)

(2) Mr. B. R. Dalvi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-III/37EE/20514.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000/- and bearing No.
Flat in Bdg. D. Flat No. 36, 3rd floor
Amrutnagar, Ghatkopar, Bombay-86.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Sec. 269AB of the Income-tax Act, in the office of the
Competent Authority at
Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration herefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration by such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
pose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922)
or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of
1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 36, Bhagirathi Villa, 3rd floor, Amrutnagar Ghat-
kopar, Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial No. AR-III/37-EE/20514 on
1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Chittaranjan Sharma.

(Transferor)

(2) Rajeshkumar Puri.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/20500/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, 4th floor, Village Road, Tirandaz, Powai, Bombay (and to be fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitation the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 4th fl. Village Road, Tirandaz, Powai, Bombay.
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/20500, 83-84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-III/37EE/20483.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. B-150, first fl. 'B' Block, Ghatkopar Indl. Estate, L.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Srinivasan Lakshmi.

(Transferor)

(2) M/s Charan Textiles.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Indl. Unit No. B-150, First Floor 'B' Block Bldg, Ghatkopar Indl. Estate, L.B.S. Marg, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under serial No. AR-III/37-EE/20483 on 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Ass'tant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Rao & Associates

(Transferor)

(2) Mrs. Lourdes Alphonso

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Refll. No. AR.III/37.EE/13317/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 15, A-Wing, New Gajanan Niwas, Kadamwadi, Vakola Village Road, Santacruz (E), Bombay-55 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, A-Wing, New Gajanan Niwas, Kadamwadi, Vakola Village Road, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13317/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM IINS—

(1) Smt. J. H. Thakar

(Transferor)

(2) Shri J. J. Seth.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/13239/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3, 'Daksha' Bldg. Vallabhabaug Lane Extn. Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3, "Daksha" Bldg., Vallabhabaug Lane Extn., Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/13239 83-84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Bina B. Ramchandani

(Transferor)

(2) Mrs. S. D. Panthaki & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.III/37.EE 13247/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 4, 5th fl. Bldg. 'C' Wing-3, Damodar park, Ghatkopar, Bombay-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 5th fl. Bldg. 'C' Wing-3, Damodar Park Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/13247/83-84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-III/37EE/13199.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 5, Gr. Fl. in Mahavir Mahal, Plot No. 130 Garodia Nagar, Ghatkopar, Bombay-77, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Dipak A. Davi,

(Transferor)

(1) M/s R. M. Enterprises,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Gr. Fl. Mahavir Mahal, Plot No. 130, Garodia Nagar, Ghatkopar(E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority at Bombay under serial No. AR-III/37-EE/13199 on dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 10-5-1985

Seal:

FORM ITNS—

(1) Mrs. Chandramani K. Parikh.

(Transferor)

(2) Mrs. S. K. Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-III[37FF]13211.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, Gr. Fl. Parnakutr, Plot No. 199, R. B. Mehta Road, Ghatkopar (F), Bombay-77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Gr. Fl. Parnakutr, Plot No. 199, R. B. Mehta Road Ghatkopar (F), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III[37-FE]13211 on 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

89—96GI|85

Date : 10-5 1985

Seal;

FORM ITNS

(1) Chitranjan Sharma

(Transferor)

(2) Mr. Suresh U. Honavar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-III/37-EE/13175/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, East Side Bhavani Towers, Powai Bombay-76 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, East Side, Bhavani Towers, Powai Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR III/37-EE/13175/83-84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date : 10-5-1985

Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shri Chittaranjan Sharma

(Transferor)

(2) Mrs. Seedha S. Honavar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13174/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 2, Bhavani Towers Powai, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority,
Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Bhavani Towers, Powai, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13174/83-84
dated 1-9-1984.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 10-5-1985
Seal

FORM ITNS—

(1) M/s Neelam Developers

(Transferor)

(2) Smt. Vasanti B. Shah

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13173/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 502, 5th fl. B Wing Bldg. No. 1, Shanti Park, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 502, 5th fl. B-Wing Bldg. No. 1, of Shanti Park, Garodia Nagar Ghatkopar(E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13173/83-84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Neelam Developers

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri H. R. Mehta

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Recd. No. AR.III/37EE/13172/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 501, 'B' Wing Bldg. No. 1, Shanti Park, situated at Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, B-Wing Bldg. No. 1, Shanti Park Garodia Nagar, Ghatkopar(E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13172/83-84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date . 10-5-1985
Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13167/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 24, situated at Kailash Park, 'A', L.B.S. Marg, Ghatkobar, Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sanwalram R. Kabara

(Transferor)

(2) Shri K. J. Kamdar & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 24, Kailash Park 'A' L.B.S. Marg, Ghatkobar, Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13167/83-84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri L. S. Jethwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. P. Bhakshi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13661/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 35, situated at Sindhu Baug, Tilak Road, Ghatkopar (E), Bombay-77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 35, Sindhu Baug, Tilak Road, Ghatkopar(E), Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13661/83-84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) M/s Neelam Developers
(Transferor)
- (2) Shri Bhagwandas L. Bodana
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13639/84-85.—Whereas, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 202, 2nd floor, A Wing Bldg. No. 2 Shanti Park, situated at Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

202, 2nd fl. Wing Bldg. No. 2, Shanti Park, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13639/83-84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Chandrakant D. Thakkar

(Transferor)

(2) Madhuben K. Padia

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13637/84-85 —Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 110, situated at Garodia Nagar, Ghatkopar, Bombay-77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

90-96CI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 10, New Abhilasha Cooperative Society Ltd., Plot No. 110, Garodia Nagar, Ghatkopar (F), Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13637/83-84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date 10-5-1985
Seal

FORM ITNS-----

(1) Mrs. Anhani Y. Sunki

(Transferor)

(2) Shri M. M. Shrimankar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37TE/13584/84-85 —Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding Rs.
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 9, Ground floor, Usha Sadan, Plot No. 135 situated
at Garodia Nagar, Ghatkopar, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, Ground fl. Usha Sadan, Plot No. 135, Garodia
Nagar, Ghatkopar, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37TE/13584/84-84
dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Peter Jacky Cardoz.

(Transferor)

(2) Mr. Simon Max Fernandes

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay the 10th May 1985

Ref. No. AR-III/37EE/13579/84-85 —Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. C/39, 3rd floor, Pearl Heaven Co-op Hsg. Socy. Ltd
Vikhroli Village (F), Bombay-79
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority,
Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under that said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. C/39, 3rd floor, in Pearl Heaven Co-op. Hsg. Socy.
Ltd, Vikhroli Village (F), Bombay-79.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under serial No. AR-III/37-EE/13579
dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II|37EE|13553|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 208, 2nd floor, Bldg., No. 5, situated at Kapadia Nagar CST Rd. Kurla (West), Bombay-70 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Mr. Rajkumar Sachdev & Ors. (Transferor)
(2) Saloha Begum Shaikh Abdul Majid. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 208, 2nd fl. Bldg. No. 5, Kapadia Nagar CST Rd. Kurla (West), Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.II|37FE|13553|83-84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date . 10-5-1985
Seal :

FORM IINS

(1) Shri Man Mohan Singh Talwar

(Transferor)

(2) Shri Abid Hussain

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.Ref. No. AR.III/37EE/13684/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceedingRs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 004, Gr. Fl. Bldg. No. 10, Kapadia Nagar, CST
Rd. Vidyanagari Marg, Kurla West, Bombay-70,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority,
Bombay on 1-9-1984for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 004, Gr. Fl. Bldg. No. 10, Kapadia Nagar, CST
Rd. Vidyanagari Marg, Kurla West, Bombay-70.The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13684/83-84
dated 1-9-1984.A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :

Date : 10-5-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Deepak Builders P. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Abdul Wahab Mohammad Parkar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II/37EE/13552/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 212, 2nd fl. Bldg. No 6, Kapadia Nagar, Vidya Nagar Marg, C.S.T. Rd. Kurla, Bombay-70, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 212, 2nd fl. Bldg. No 6, Kapadia Nagar, Vidya Nagar Marg, C.S.T. Rd. Kurla, Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.II/37EE/13552/83-84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri S. M. Mukhia

(Transferor)

(2) Shri M. H. Haji Suleman.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 10th May 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR III/37EE/13503/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 205, Bldg. No. 13, Kapadia Nagar, C.S.T. Road, Kurla, West, Bombay-70, situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 205, Bldg. No. 13, Kapadia Nagar, C.S.T. Road, Kurla, West, Bombay-70.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13503/83-84 dated 1-9-1984

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 10-5-1985
Seal

FORM ITNS

(1) M/s. Golden Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sharad Vaman Barve.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EF/13447/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269AB of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding Rs.
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 5, Ground Floor, C.T.S. No. 5653(P) Kole Kalyan,
Kalina, Santacruz (E), Bombay-55,
situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority,
at Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 5, Ground Floor, C.T.S. No. 5653(P) Kole Kalyan,
Kalina, Santacruz (E), Bombay-55.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13447/83-84
dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the
following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Parul Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nicola A. Dabir & Ora.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III[37EE]13429[84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- Flat No. 1, Wing-F, Bldg. No. 6, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86, situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Wing-F, Bldg. No. 6, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III[37EE]13429[83-84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

91—96GI/85

Date : 10-5-1985

Seal

FORM ITNS

(1) M/s. Parul Enterprises.

(Transferor)

(2) Dr. A. V. Dabir & Mrs. N. A. Dabir.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13428/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, D-Wing, Bldg No. 6, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopwar (W), Bombay-86 situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, D-Wing, Bldg No. 6, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopwar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13428/83-84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM NO. IT.N.S.—

(1) Mrs. Juliana Tauro

(Transferor)

(2) Mr. Nizam Khan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13423-A/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269-B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 102, Bldg. No. 9, Kapadia Nagar, C.S.T. Road,
Kurla West, Bombay-70.situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-9-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen percent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 102, Bldg. No. 9, Kapadia Nagar, C.S.T. Road,
Kurla West, Bombay-70.The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13423-A/83-84
dated 1-9-1984.A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—Date : 10-5-1985
Seal :Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
-
- property, within 45 days from the date of the publi-
-
- cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

FORM INS—

(1) Niren V. Trust.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Lourdina Fernandes.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13349/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, 6th Floor, A-Wing, Bldg. No. 3, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay, situated at (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 6th Floor, A-Wing, Bldg. No. 3, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13349/83-84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 10-5-1985

Seal :

(1) Manish Chopra

(Transferor)

(2) Shri Y. M. Margoob Ali Sayed.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. AR.III/37EE/13434/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-
and bearing No.
Shop No. 21, 1st Floor Hazari Baug, Hariali Village, In of
Station Rd. and LBS Marg, Vikhroli (E), Bombay-83
situated at Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 21, 1st Floor Hazari Baug, Hariali Village In of
Station Rd. and LBS Marg, Vikhroli (E), Bombay-83.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/13434/84-85
dated 1-9-1984

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri. J. M. Sayagavkar

(Transferor)

(2) Smt. B. H. Bhayani & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III[37EE]13319[84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B-22, alongwith terrace, 6th Floor Ratan Palace Co-op. Hsg. Socy. Ltd. Plot No. 156 Garodia Nagar Ghatkopar (E) situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. B-22, alongwith terrace, 6th Floor Ratan Palace Co-op. Hsg. Socy. Ltd. Plot No. 156, Garodia Nagar Ghatkopar (E) Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III[37EE]13319[83-84 dated 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Juliana Tauro.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Flat No. 102, Bldg. No. 24, Kapadia Nagar, C.S.T. Road,
Kurla West, Bombay-70.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13315/83-84
dated 1-9-1985A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 10-5-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Urmila D. Parikh.

(Transferor)

(2) Hemangini M. Desai

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37E|13311|84-85 —Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. C-73, Anjali Kiran C.H.S. Ltd., Bombay-55 situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. C-73, Anjali Kiran C.H.S. Ltd., Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37E|13311|83-84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bomba.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR III/37LF/13249/84-85—Whereas, I, A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 4, A-Wing Bldg. No. 3, Damodar Park, LBS Marg, Ghatkopar (W), Bombay, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the instrument registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any property or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Parul Enterprises. (Transferor)
(2) Miss Kanthi Panchapakesan (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, A-Wing Bldg No. 3, 'Damodar Park' LBS Marg, Ghatkopar (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37 FF/13249-83-84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Parul Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. K. R. Navak & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13523/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
4-C, Bldg. B. No. 2, 2nd floor, Damodar Park, LBS Marg,
Ghatkopar (W), Bombay-86.
situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

4-C, Bldg. R. No. 2, 2nd floor Damodar Park, LBS Marg
Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13523/83-84
dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 9-4-1985.
Seal;

FORM ITNS—

(1) Smt. S. S. Patkar.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Prabhakaran.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.II/37EE/13645/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- Flat No. 32, M/Arundhati C.H.S. Ltd. Swastik Park, Sion Trombay Road, Bombay, situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 32, M/Arundhati C.H.S. Ltd. Swastik Park, Sion Trombay Road, Chembur Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/13645/84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITN

(1) Mr. Amarpal Sawhney & Ors

(Transferor)

(2) Mr. Harish Chandra &
Mrs. Premata Chandra

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE IV,
BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. IV/3711/13606/84-85—Whereas, I,
A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding E-7/15, Jantarmam C H S Ltd, Bangur Nagar, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay 90

situated in Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269A of the Income-tax Act in the office of the Competent Authority on 19/9/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

E-7/15, Jantarmam C H S Ltd, Bangur Nagar, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay 90

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. KR III/13606/84-85 on 19/9/84

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date: 10/5/1985

Seal:

FORM ITNS

(1) Flexo Print Industries.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

(2) Nandkumar P. Achani.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.IV/37F/13611/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
Unit No. 202, Ashiwad Industrial Estate, Ram Mandir
Road, Goregaon (W), Bombay-62,
situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act in the office of the
Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 202, Ashiwad Industrial Estate, Ram Mandir
Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.III/13611/84-85 on 1-9-84.

(a) facilitating the remission or a release of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM IINS

(1) M/s. Gundecha Builders.

(Transferor)

(2) Tejmal J. Jain.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37TE/13664/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Service Industrial Gala No. 47, Ground Floor Kiran Industrial Estate, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that of transfer with the object of :—

(a) By any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Service Industrial Gala No. 47, Ground Floor Kiran Industrial Estate, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/13664/84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985

Seal :

FORM IINS—

(1) Pramod Kumar Goenka,

(Transferor)

(2) Anjali Sunil Shah &
Manju S. Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13378/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat in Village Dindoshi & Chincholi, Borivli Taluka, S. Nos. 34 & 51, Goregaon Mulund Link Road, Bombay-63. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in Village Dindoshi & Chincholi, Borivli Taluka, S. Nos. 34 & 51, Goregaon Mulund Link Road, Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.III/37EE/13378/84-85 on 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM IIIS

(1) Mr. Jacob Zachariah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. S. Rudant Metal & Alloys Pvt. Ltd

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-III[37EE]20526[84-85].—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 38, 3rd floor Bldg No. 7, Piramal Nagar, Goregaon Bombay (and more fully, described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, or respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 38, 3rd floor Bldg No. 7, Piramal Nagar, Goregaon, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III[37EE]20526[84-85] on 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Usha Silk Mills.

(Transferor)

(2) Shree Naresh Ohri.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Ref. No. AR.III/37EE/13212/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 100,000/- and bearing
Industrial Unit No. 104-C, First Floor of Shreyas Industrial
Estate, B1/B2 Nathani Estate of Western Express Highway
Goregaon (E), Bombay.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the
Competent Authority at Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 104-C, First Floor of Shreyas Industrial
Estate, B1/B2 Nathani Estate of Western Express Highway
Goregaon (E), Bombay.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13212/84-85
dated 1-9-1984.A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property, by the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Veerabhadrapa Antulu Baladandayuthapani.

(Transferor)

(2) Shri N. Chatterjee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref No. AR.III/37EE/20243/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. E/10, Shree Saraswati Co-operative Housing Society Ltd., G. Acharya Road, Chembur, Bombay-71. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objectives, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat E/10, Shree Saraswati Co-operative Housing Society Ltd., G. Acharya Road, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/20423/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Taruna M. Bhagani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Gita Devi Verma.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. A.R.III|37EE|13737|84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 7A, S. No. 161 (Part) Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the day of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No 7A S No. 161 (Part) Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|13237|84-85 dated 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref No. AR.III/37EE/13377/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat at village Dindoshi and Chincholi Borivli Taluka, S. No. 34 & 51, Goregaon Mulund Link Road, Goregaon (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Vinod Kumar Goenka. (Transferor)
(2) Anjali Sumit Shah & Ors. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at village Dindoshi and Chincholi Borivli Taluka, S. No. 34 & 51, Goregaon Mulund Link Road, Goregaon (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13377/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner, Income-tax,
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri J. V. Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. V. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III/37EE/13673/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearingFlat No. 11, 3rd floor Plot No. 84, Jawahar Nagar, Gore-
gaon (W), Bombay-62.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act in the office of the
Competent Authority at Bombay on 1-9-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer,
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269 D of said Act, to the follow-
ing persons, namely :—EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are used in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd floor Plot No. 84, Jawahar Nagar, Gore-
gaon (W), Bombay-62.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/13673/84-85 on
1-9-84A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
BombayDate : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Chhaganlal B. Bhika.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Amrutben D. Gala & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|000130|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 31-A, New Girish Apartments C.H.S. Ltd. Patil Lane, Chunabhati, Bombay-22. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 31-A, New Girish Apartments C.H.S. Ltd. Patil Lane, Chunabhati, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|000130 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Anil Kumar H. Mehta,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nalinchandra J. Sanghvi,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37-EF/20427/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. C-31, Krishnala, 33 & 1/34, Duncan Causeway Rd, Sion Chunabhatti, Bombay-22, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-31, Krishnala, 33 & 1/34, Duncan Causeway Rd. Sion Chunabhatti, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/20427/84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri S. S. Mundhra.

(Transferor)

(2) Shri Sureshkumar Bihani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY
Bombay the 19th May 1985

Ref. No. AR.III/37 EL 13626/84 of - Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. B4/22, 4th Fl. Banshi Ratna C.H.S. Ltd. Mahesh Nagar, S. V. Road, Goregaon, Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B4/22, 4th Fl. Banshi Ratna C.H.S. Ltd. Mahesh Nagar, S. V. Road, Goregaon, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/13626/84-85 on 1-9-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 10.5.1985
Sent :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Pushpa R. Ahuna.

(Transferor)

(2) Mrs. S. V. Khandelwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/20402/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Gala No. 23, 2nd fl. Saraf Indl. Co-op Estate Ltd. Bldg. No.
2, Plot No. 74, Ishwarbhai Patel Road, Goregaon (E),
Bombay-63.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the
Competent Authority at
Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

94—96 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are Defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 23, 2nd fl. Saraf Indl. Co-op Estate Ltd. Bldg.
No. 2, Plot No. 74, Ishwarbhai Patel Road, Goregaon (E),
Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/20402 84-85
dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 10-5-1985

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/20503/84-85. — Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
Indl. Gala in M/s. Jai Bharat Ind. Estate, on plot No. 8,
Dindoshi Village, Goregaon (E), Bombay,
situated at
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the
Competent Authority at
Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or others assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

(1) M/s. Geeta Uphar Griha.

(Transferor)

(2) M/s. S. M. S. Engineers.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Indl. Gala in M/s. Jai Bharat Ind. Estate, Plot No. 8, of
Dindoshi Village, Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/20503/84-
85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 10-5-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) Ishwar P. Mistri

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Samrat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/13543/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 11, Gr. Fl. Rajendra Park Bldg. No. 3, Annexe, Goregaon (W), Bombay-62, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 11, Gr. Fl. Rajendra Park Bldg. No. 3, Annexe, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37-EE/13543/84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspectin Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. N. R. Seth.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Arora.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/13256/84-85 —Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B-3, 3rd fl. Shriram Bhawan Malwani Opp. Municipal colony, Marve Rd. Malad (W), Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-3, 3rd fl. Shriram Bhawan Malwani, Opp. Municipal Colony, Marve Road, Malad (W), Bombay-400 064

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37-EE/13256 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. S. M. Shah & Ors.

(Transferor)

(2) Chd. Laksh. H. Jwa

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/13316/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 6, 1st fl. Malad Swing Co-op. Hsg. Sct. Ltd., Marve Road, Malad (W), Bombay-64,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st fl. Malad Swing Co-op. Hsg. Sct. Ltd., Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority at Bombay under No. AR.III/37-EE/13316/84-85 dated 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date : 10-5-1985
Seal

FORM ITNS—

(1) M/s. C. P. Gandhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Reliance Builders & Developers.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANG-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|13195|84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding Rs.
1,00,000/- and bearing
Plot No. 8, Village Valnai, Taluka Borivali, Malad (W),
Bombay-64,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

(s) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been for
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 8, Village Valnai, Taluka Borivali, Malad (W),
Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|13195|84-85 dt.
1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM INS—

(1) Shri Bhaat V. Shah.

(Transferor)

(2) Shri G. M. Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/13390/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Gala Coffia No. 304, Jai Pragati Co-op. Hsg. Sct. Ltd., Daftari Road, Malad (E) Bombay, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Gala No. 304, Jai Pragati Co-op. Hsg. Sct. Ltd., Daftari Rd. Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37.EE/13390/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Sd/-

FORM ITNS—

(1) Manavath Ittychoria Jacob.

(Transferor)

(2) Smt. E. Z. Squeira.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/13424/84-85—Whereas, I, A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing No. Flat No. 601, C/Wing, Plot No. 51, La-Chappelle Co-op Hsg. Socy. Ltd. Vallnai Village, Malad (W), Bombay-64, situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the transfer has been effected under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been so which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, C/Wing, Plot No. 51, La Chappelle Co-op. Hsg. Socy. Ltd. Vallnai Village, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37.EE/13424/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date : 10-5-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Smita S. Kadam,

(Transferor)

(2) Mr. Liladhar D. Chhatbar,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANG-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37 LF/13376/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 301, 3rd fl. "Akash Ganga" Bachani Nagar Rd. Malad (E), Bombay-97,

situated at Bombay has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

95—96 GT/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein & are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have been the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd fl "Akash Ganga" Bachani Nagar Rd. Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37 LF/13376/84-85 dt. 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Dayaram G. Deval,

('Transferor)

(2) Ramawatar Sharma,

('Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ret. No. AR.III/37EE/13369/84-85.—Whereas, I, A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat on 1st B. Govind Sadan, Goras Wadi, Malad (W), Bombay-64, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on 1st B. Govind Sadan, Goras Wadi, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/13369/84-85 dated 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date : 10-5-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. K. P. Patil

(Transferor)

(2) Mr. Prakash R. Gada

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY
SIONER OF INCOME-TAX**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.III/37EE/13466/84-85 --Whereas, I A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 807, Bld. C, Pratap Nagar, Daftary Road Malad (E), Bombay-93, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-9-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 807, Bldg. C, Pratap Nagar, Daftary Road, Malad (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/13466/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Bina V. Thakur

(Transferor)

(2) Lions Club of Malad Charity Fund.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ret. No. AR.III/37EE/3414/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Premises No. 93, Bldg. No. 4, Malad Co-op Hsg. Soc. Ltd., Poddar Park, Malad (E), Bombay-97 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Premises No. 93, Bldg. No. 4, Malad Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Poddar Park, Malad (E), Bombay-97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37FE/13414/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Miss Swati Mahendrakumar

(Transferor)

(2) Mr. Madhav Ganpati Shanbhag

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13465/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Flat No. B-32, Kaveri Bldg. 63, Relief Road, Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-9-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. B-32, Kaveri Bldg. 63, Relief Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/13465/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. C. P. Gianchandani

(Transferor)

(2) Anita Construction & Estate P. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/371E/20431/84-85 —Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing

Flat No. 502, Val E Ram II, Off Linking Road, Malad, Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-9-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed, to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 502, Val-E-Ram II Off Linking Road, Malad, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/20432/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37/F/13557/84-85 --Whereas, I
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. 15, B-Wing, "Atlanta" Plot No. 38 Village Valnar,
Marve Road, Malad (W), Bombay-64
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Bombay on 1-9-1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely:—

(1) Mr. Devendra P. Mangla

(Transferor)

(2) M/s R. G. Builders Pvt Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 15, B-Wing "Atlanta" Plot No. 38, Village Valnar,
Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Au-
thority, Bombay under No. AR.III/37/F/13557/84-85 dated
1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13379/84-85.—Whereas I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
F-117, 1st floor Sahkar Apart. S.V. Road, Malad (W) Bom-
bay-64,
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Bombay on 1-9-1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) Mr. Furtah Jais Mohamed

(Transferor)

(2) Mrs. Shakuntala Devi Khatia

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

F-117, 1st floor Sahkar Apartment, S.V. Road, Malad
(W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent
Authority Bombay under No. AR.III/37EE/13379/84-85 dated
1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Miss Swati Mahendrakumar

(Transferor)

(2) Mr. Madhav Ganpat Shrinibag,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR/IT/7FF/13324/84-85 - Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. B 32, Kaveri Bldg., 63, Relief Road, Malad (W), Bombay 64

and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 19.10.1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
90—5661/85

THE SCHEDULE

Flat No. B 32, Kaveri Bldg. 63, Relief Road, Malad (W), Bombay-64

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR/IT/7FF/13324/84-85 dated 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Bombay

Date : 10-5-1985
Sent :

FORM ITN

(1) Mr. H. S. Ghia

(Transferor)

(2) Mr. Satwant Singh

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13580/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 402, 4th floor Valc-Ram-I Off Linking Road, Opp. Ushma Nagar, Marve Road, Malad (W), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor Valc-Ram-I, Off Linking Road, Opp. Ushma Nagar, Marve Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/13580/84-85 dated 1-9-1984,

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. S. K. Jhunjhunwala

(Transferor)

(2) Mrs. J. K. Cheeda

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III|37EE|20382|84-85 —Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3/318, Malad Natraj Market co-op Hsh. Set Ltd. S. V. Road Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

3/313, Malad Natraj Market Co-op Hsh. Set Ltd. S. V. Road Malad (W), Bombay-64

The agreement has been reversed by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|20382|84-85, dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Rajkumar R. Podda

(Transferee)

(2) Smt. Parmeshwanbar Chaudhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR III/37-E 13532/4-55 — Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Deepak Apartment Plot No. 14 Lower Govind Nagar Pavanbaur Road, Chincholi (Maidi W), Bombay-64 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of,—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property & the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons namely

THE SCHEDULE

Deepak Apartment Plot No. 14 Lower Govind Nagar Pavanbaur Road, Chincholi (Maidi W), Bombay-64

The agreement has been registered in the Competent Authority, Bombay under No. AR III/37-E 13532/4-55 dated 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Arunkumar & Associate

(Transferor)

(2) Shri Deepak Umesh Khambadkone

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR III/37FT/13323 84-85 - Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 12/A, Ashish Bldg. 3rd floor Mith Chowki, Malad (W), Bombay 64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority in Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12/A, "Ashish Bldg." Sai Baba Park, Mith Chowki Malad (W), Bombay 64

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR III/37FT/13323 84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10.5.1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Laddanwar Gandhi

(Transferor)

(2) Mr. Krishnakant B. Kambli

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/20535/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. P-8, Haridwar Bldg. Off. Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. P-8 Haridwar Bldg. Off Marve Road, Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/20525/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Rosa Alphano.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/20328/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
No. Flat No. 105, first Ajit Park 'B' Somwar Bazar Road,
Malad (W), Bombay-64,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at Bombay
on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are
defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 105, first fl., Ajit Park 'B' Somwar Bazar Road
Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/20328/84-85
dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Dated : 10-5-1985
Seal :

FORM NO. IINS

(1) Mrs. Deepti N. Moolchandani

(Transferor)

(2) Mr. Balwant Singh Matharoo & Ors

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13232/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 304, B-Wing 3rd fl. Bld. La-Chappelle, Near Ever-shine Nagar, Mith Chowki, Off Marve Rd. Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, B-Wing 3rd fl. Bldg. La Chappelle, Near Ever-shine Nagar, Mith Chowki, Off Rd. Malad (W). Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/13232/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. T. T. Mathai

(Transferor)

(2) Mr. C. P. Basantlal Gang

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III[37TE]13262[84-85].-Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 7,00,000/- and bearing Shop No. 11, Ganga Bldg Evershine Nagar, Mith Chowki Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

97 06GI[85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 11, Ganga Bldg Evershine Nagar Mith Chowki Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III[37TE]13262[84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Bombay

Dated : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Mrs. Ganga N. Sadarangani (Transferor)
 (2) Saudar Gurubachansingh, (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay the 10th May 1985

Ref. No. AR III/37FE/13645/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flat No. A/13, Nalanda-II, Near Evershine Nagar, Off Marve Road, Malad (W), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A/13, Nalanda-II, Near Evershine Nagar, Off Marve Road, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37FE/13643/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/S Hemal Enterprises

(Transferor)

(2) Mr. Baba Ram Rana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|13225|84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 33, 2nd fl. Hemal Apartments on Plot C.S. No. 19, 41, Nos. 85/5, 96/1, Village Malwani, Malad (W), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 33, 2nd fl. Hemal Apartment Plot CST No. 19 41, Malwani Village, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III|37EE|13225|84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/S R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Gurdwara Evershine Nagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR III/37FE/13451/84-85.—Whereas, J. A. PRASAD, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1 Gr. Fl. "Atlanta" 'C' Wing Plot No. 38, Off Valmaji Village, Marine Road, Milad (W), Bombay 64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons **whichever period expires later;**

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the **publication of this notice in the Official Gazette.**

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Gr. Fl. "Atlanta" 'C' Wing Plot No. 38, Off Valmaji Village, Marine Road, Milad (W), Bombay-64.
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR, III/37FE/13451/84-85 83-84 dated 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated 10-5-1985
Scd

FORM ITNS—

(1) Mrs. Kavita A. Vasandani

(Transferor)

(2) Mr. C. U. Badlani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE III BOMBAY

Bombay the 10th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later,(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official GazetteRef No. AR III/37 EE/13430/84-85—Whereas 1.
A PRASADbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding Rs
1,00,000 and bearing No.
Flat No. C/4, Hindwai I, Plot No. 18, 19-20 A, Village
Valmiki Off Marine Rd, Malad (W), Bombay-64
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the instrument is registered under
Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of
the Competent Authority at Malad (W) on 19/05/85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—EXPLANATION—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
money or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

Flat No. C/4, Hindwai I, Plot No. 18, 19-20 A, Village
Valmiki Off Marine Rd, Malad (W), Bombay-64The instrument has been registered with the Competent
Authority Bombay Vide Serial No. AR III/37 EE/13430/84-85
dated 19/5/84A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range III BombayNow therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby issue the following notice for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—Dated 10/5/1985
Seal.

FORM ITNS—

(1) M/s. Hemal Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. P. P. Pramod.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay the 10th May 1985

Ref. No. AR/III/37EE/13526/84-85.—Whereas, 1, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing Flat No. 41, 3rd Fl. Hemal Apartment, Plot No. 1941, Malwani Village, Malad (E), Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 41, 3rd Fl. Hemal Apartment, Plot No. 1941, No. 85/5, 96/1, Village Malwani Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR/III/37EE/13526/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 10-5-1985.
Seal .

FORM ITNS—

(1) Anita Constructions & Estate Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Chandra Prakash Panania,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

Ref. No. AR.III/37ET/13287/84-85 —Whereas, I, A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No 402, in Vale Ram II 4th Fl. Ushma Nagar, Off Linking Rd. Malad (W), Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 402, in Vale E. Ram II, 4th Fl. Ushma Nagar Off Linking Rd. Malad (W), Bombay

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No AR.III/37ET/13287/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Prakash Motiram Bhatle

(Transferor)

(2) Charanjit Singh & Satnam Singh

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37FF/13197/84-85 —Whereas, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 14, Kasturba Bldg Usha Colony, Ramchandra Lane Extn Malad (W), Bombay-64.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 14, Kasturba Bldg. Usha Colony, Ramchandra Lane Extn. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR. III/37FF/13197/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 10-5-1985.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Chandravijay Builders

(Transferor)

(2) Shri Harish Kumar S. Udani & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref.No. AR. III/37EF/2044/84-85—Whereas, I, A
PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 10,00,000/- and bearingNo. Flat No. A-402, 4th fl. 'Sheetal Chhavni' Bldg. CTS No.
651, 77, S.V. Road, Malad (W), Bombay-64has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration (therefor by
more than fifteen percent of of such apparent consideration
or such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of:—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moveable or other assets which have not been so,
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act
1957 (2) of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

98—96GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of pub-
lication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-402, 4th fl. 'Sheetal Chhavni' Bldg. CTS No.
651, 77, S.V. Road, Malad (W), Bombay-64.The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-LE/2044/84-85
dated 1-9-1984A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, BombayDated : 10-5-1985
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. K. Prakash Rao.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR. III/37EE/20476/84-85—Whereas, I, A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 601, 6th fl. "Atlanta" 'F' Wing plot No. 38, Off Valnai Village, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 at Bombay on 1-9-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer entered into between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 601, 6th fl. "Atlanta", 'F' Wing at plot No. 38, Off Valnai Village, Marve Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/20476/84-dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 10-5-1985
Seal

FORM ITNS

(1) M/s. Manali Corporation,

(Transferor)

(2) Mrs. Champa C. Mansukhani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/13194/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 6, Gr. Fl. Manali Bldg. No. 2, Plot No. 48, 49 & 50 at Valnai Village, Malad (W), Bombay-64 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 169AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Gr. Fl. Manali Bldg. No. 2, Plot Nos. 48, 49 and 50 at Valnai Village, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37-EE/13194/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Firoz G. Chawksi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Major Gajind Corrosion Controllers.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANG-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. 2 AR.III/37EE/13245/84-85 —Whereas, I,
PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearingFlat No. 104, K/Unit, Kanchan Nalanda Sct. Sunder Nagar,
S. V. Road, Malad (W), Bombay-64(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferredand the agreement is registered under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent
Authority

at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—Objections, if any, to be acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Flat No. 104, K/Unit Kanchan Nalanda Sct. Sunder Nagar,
S. V. Road, Malad (W), Bombay-64.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.III/37-EE/13245/84-85
dated 1-9-1984.

A. PRASAD

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rang-III, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—Dated : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri N. K. Desai

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Max Corporation.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.Ref. No. AR.III/37-EE/12242/84-85 —Whereas, I, A.
PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearingNo. Office No. 61, 1st Fl. Malad Shopping Centre, Malad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferredand the agreement is registered under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent
Authority, Bombay on
(W.O.) Bombay-64for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Office No. 61, 1st Fl., Malad Shopping Centre, Malad (W)
Bombay-64.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.III/37-EE/12242/84-85
dated 1-9-1984.A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rang-III, BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—Dated : 10-5-1985
Seal :

FORM NO. ITNS—

(1) M/s. Queens Park

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. Ramchandran.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAYObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/20521/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-13 1st fl. "Nalanda Bldg. No. 1, Plot No. 32 & 33, Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. A-13, 1st fl. "Nalanda" Bldg. No. 1, Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/20521/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Dated : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Hemal Enterprise

(Transferor)

(2) Mr. Joseph Pereira.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/20449/84-85.—Whereas, I, A.

PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.

1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 39, 3rd fl. Hemal Apartment, Plot No. 19, 41, Village Malwani, Malad (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 39, 3rd fl. Hemal Apartment plot No. 19, 41, Malwani, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/20449/84-85 dated 1-9-1984

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mis. Raju N. Bathija

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. V. M. Bhat

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37-EE/13230/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1/4, Haridwar-I, Off Marve Rd. Mith Chowki Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1/4, Haridwar-I, Off Marve Rd. Mith Chowki, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37-EE/13230/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Anil A. Bhaghatkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.III/37-EE/20327/84-85.—Whereas, I, A PRASAD, being the Competent Authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 301, 3rd fl. Ajit Park A Somwar Bazar Rd. Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd flr. Ajit Park 'A' Somwar Bazar Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/20327/84-85 dated 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

99—96GI/85

Dated : 10-5-1985
Seal ;

FORM ITNS

(1) M's. Arunkumar & Associate

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harry John Rodrigues

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE-20354/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 13, "Amrishi Bldg. Sai Baba Park, 3rd fl. Mith Chowki, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd fl. "Amrishi Bldg. Sai Baba Park. Flat No. 13, Mith Chowki Malad (W), Bombay-64.
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/20354/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Dated : 10-5-1985
Seal :

FORM LT.N.S.-----

(1) Mrs. Chandra Kala Agarwal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ignatius D'Souza

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/13507/84-85.—Whereas, I
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. A-10, 3rd fl. Haridwar-I plot No. 18 19-20A, Off
Marve Road Malad, Bombay-64
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority,
Bombay on 1-9-1984.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-10, 3rd fl. Haridwar I Plot No. 18, 19-20-A, Off
Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/13507/84-85
dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date, 10-5-1985

Seal:

FORM ITNS

(1) M/s. R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. M. K. Agarwal & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/13555/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Shop No. 4, Gr. Fl. Atlanta 'A' Wing plot No. 38, Off Valnai Village, Marve Road Malad, Bombay-64, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Gr. Fl. "Atlanta" 'A' Wing plot No. 38, Off Valnai Village, Marve Road, Malad, Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/13555/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s R. G. Builders P. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt Sumati D'Costa

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/13556/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
Flat No. 401, 4th fl. "Atlanta" 'F' Wing plot No. 38,, Off
Valnai Village, Marve Road Malad (W), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority,
of the Registering Officer at
Bombay on 1-9-1984,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th fl. "Atlanta" 'F' Wing Plot No. 38, Off
Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide Serial No. AR. III/37-EE/13556/84-85
dated 1-9-1984

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Chandravijay Builders

(Transferor)

(2) Shri J. D. Tibrewala

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/13554/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B 502 5th fl. Sheetal Chhaya Bldg. CTS. No. 652, 77, S.V. Road, Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-9-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B. 502, 5th fl. Sheetal Chhaya Bldg. CTS. No. 652, S.V. Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/13554/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Kumud Loknath Anchan & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/20329/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 106, first fl. Ajit Park B, Somwar Bazar Rd. Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 1-9-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106, first fl. Ajit Park 'B' Somwar Bazar, Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR. III/37-EE/20329/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS —

(1) Creative Builders

(Transferor)

(2) Inderchand Surana

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/13208/84-85 —Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 131 H. No. 4(P) and S. No. 133 H. No. 14 (P) & 15(P) at Mulund (E), 3rd Floor situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 131 H. No. 4(P) and S. No. 133 H. No. 14(P) & 15(P), 3rd floor, at Mulund (E).

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR. III/37-EE/13208/84-85 dated 1-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Vikas Builders

(Transferor)

(2) Mr. P. D. Gavade

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR. III/37-EF/20475/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 7, 3rd floor, Kamala Appts., C.T.S. No. 650 & 652, Sant Ramdas Road, Mulund (E), Bombay-81 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has, has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 3rd floor, Kamala Appts., C.T.S. No. 650 & 652, Sant Ramdas Road, Mulund (E), Bombay-81

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR. III/37-EF/20475/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

100—96GI/85

Date : 10-5-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Vikas Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. M. H. Totre

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR. III/37-FE/20473/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 8 3rd floor, Kamala Appts., C.T.S. No. 650 & 652, Sant Ramdas Road, Mulund (E), Bombay-81, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR. III/37-FE/20473/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date: 10-5-1985

Seal:

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Vikas Builders

(Transferor)

(2) Shri B. M. Bhat

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/20474/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, 2nd floor, Proposed Kamala Appts., C.T.S. No. 650 & 652, Sant Ramdas Road, Mulund (E), Bombay-81 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 2nd floor, Proposed Kamala Appts., C.T.S. No. 650 & 652, Sant Ramdas Road, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No AR. III/37-EE/20474/84-85 dated 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10-5-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Vikas Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. N. Kamath

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR III/37-EE/20536/84-85—Whereas, I
A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, 1st floor, Kamala Apts. C.T.S. No. 650 & 652 Sant Ramdas Road Mulund (E), Bombay-80 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, Kamala Apts. C.T.S. No. 650 & 652, Sant Ramdas Road, Mulund (E), Bombay-80.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR III/37-EE/20536/84-85 dated 1-9-1984.

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III, Bombay

Date 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) G. N. Misra & Oths.

(Transferor)

(2) Mr. I. D. M. Dubey & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/20538/84-85.—Whereas, I.

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Mahur Village, Survey No. 67, Part C.T.S. No. 723, Taluka-Kurla, Mulund (W), Bombay-80

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mahur Village, Survey No. 67, Part C.T.S. No. 723, Taluka-Kurla, Mulund (W), Bombay-80

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR. III/37-EE/20538/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. National Paints Mfg. Co.

(Transferor)

(2) M/s. Conani Industries.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/20389.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 2 & 7, Gr. Fl. Vardhaman Indl. Premises, Co-op. Hsg. Society Ltd. Bhandup, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

Unit No. 2 & 7 Gr. Fl. Vardhaman Indl. Premises Co-op. Society Ltd. Village Road Bhandup, Bombay-78.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR. III/37-EE/20389/84-85 dated 1-9-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Bindu Ratan Mehta.

(Transferor)

(2) Mr. K. K. Thar & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-III/37.EE/13337/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. D-14, on 3rd floor Maheshwar Apartment, JSD, Road, Mulund (W), Bombay-80 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-14, 3rd floor, Maheshwar Apartment, JSD Road, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37.EE/13337/84-85 dt. 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 10.5.1985
Seal :

FORM I.T.N.S.

(1) Kanivanteth Thomas Philips & Ors.

(Transferor)

(2) Mr. Dhiraj Lal N. Kamdar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37.FE/13548/84-85 — Whereas, J. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit 22 Bhandup Vishal Indl. Premises Co-op. Sct. Ltd. Village Road, Bhandup, Bombay-78 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officer Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 22 Bhandup Vishal Indl. Premises Co-op. Sct. Ltd. Village Rd. Bhandup, Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37.FE/13548/84-85 dated 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Hiranandani Indl Enterprises. (Transferor)

(2) M/s R. Tuladas Exports. Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.III/37 EE/13371/84-85 Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 220, 2nd fl. Hiranandani Indl Estate Kanjur Marg, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 220, 2nd fl. Hiranandani Indl Estate, Kanjur Marg, Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.III/37 EE/13371/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
101—96GT/85

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. Camo Investment Pvt. Ltd. (Transferor)
 (2) Mr. Jaswal Singh, D. Gora. (Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-III,
 BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37 EE/13533/84-85 — Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 15, Vishal Indl. Estate Village Rd, Bhandup, Bombay-78, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as ascertained exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 15, Vishal Indl. Estate, Village Rd. Bhandup, Bombay 78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Ref. No. AR.III/37 EE/13533/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III
 Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
 Seal :

FORM FINS—

(1) Shri R. B. Gori

(Transferor)

(2) Mr. Hemkumar Ganesh Munshi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE III
BOMBAY

Bombay 1000000/13641/85

Ref. No. AR III/371E/13641/85 - Ahera I
A PRASADbeing the Competent Authority under Section 269B of
the Income tax Act, 1961 (43 of 1961)(hereinafter referred to as the said Act), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Factory, Premises in Unique Indl. Estate, Mulund (W),
Bombay 80

situated at Bombay

(and more fully referred in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the transferee has been recorded under
Section 269B(1) of the said Act 1961 in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-9-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer is agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :-(a) facilitating the reduction or evasion or the avoidance
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transferor,
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purpose of the Indian Income-tax Act (1922 of 1922)
or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property in pursuance of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing person namely :-Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette.EXPLANATION --The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter

THE SCHEDULE

Factory Premises in Unique Indl. Estate, Mulund (W),
Bombay 80The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR III/371E/13641/84-85 dt.
1-9-1984A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
BombayDate: 10-5-85
Seal :

FORM NO. I.T.N.S. —

(1) M/s. Ganesh Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. T. Saraswathi Kurrup,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned. —

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III/37.EF/13316-A/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 34, A-Wing 3rd Fl., Neelima Apartment, S. P. S. Marg, Bhandup, Bombay-78, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 34, A-Wing, 3rd Fl. Neelima Apartment, S. P. S. Marg, Bhandup, Bombay-78

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37.EF/13316-A/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, on the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Creative Builder,

(Transferor)

(2) Gritch B. Shah

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/13544 84-85 --Whereas, I,
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-
and bearingProperty bearing S. No. 131, H. No. 4 (P) & S. No. 133
H. No. 14 (P) & 15 (P) at Mulund (E),situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 of the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-9-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 131 H. No. 4 (P) and S. No. 133
H. No. 14 (P) & 15 (P) at Mulund (E).

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.III/37.EE/13544/84-85 dt.
1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM TINS—

(1) Transferee

(Transferee)

(2) Successor

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGHRI
BOMBAY

Bomby the 10th May 1985

Ref No. AC/1171/20137/84/85
A PRASAD
being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Act) hereby notice that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and being situated at Plot No. 49, Gopur Rd. Mulund (E) P. U. S. 1, Mumbai 400 081, is situated in the Schedule area defined in the Act and is situated under the jurisdiction of the Assistant Commissioner of Income Tax, Bombay.

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than 10% of the fair market value and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) obtaining a reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (1) by any person who is a party to the said instrument within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (2) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 49, Gopur Rd. Mulund (E) P. U. S. 1, Mumbai 400 081.

The acquisition has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AC/1171/20137/84/85 dated 10/5/85.

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range III
Bombay

Date: 10/5/85
Seal

FORM ITNS

(1) M/s. Sita Builders

(Transferor)

(2) Mauli Kanchan Sawani

(Transferee)

NOTICE

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.COMPTON PANGLOSS
BOARDA

Bombay 1, 10th 1, 1985

Reference: AP III 37 (E) 113357/84 —Whereas, I
A. PRASADbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believethat the immovable property having a fair market value
of Rs. 1,00,000 and beingFlat No. 401, 4th floor, A 1 Block, Sanyam Nagar, Bhandup (E)
Bombay 78

situated in the Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred to the transferee referred to under

Section 269B of the said Act by an instrument of transfer

dated 19th April 1985, executed by the Office of

the Competent Authority, Bombay on 19.4.85.

For an amount which is less than the fair
market value of the said property and I have reason to
believe that the market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration thereof by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons whichever period expires later,(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette**EXPLANATION**—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXV of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, A 1 Block, Sanyam Nagar, Bhandup (E)
Bombay 78(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or(b) facilitating the concealment of any income or assets
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (77 of 1957).Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
said property by the issue of this notice under sub-
section (1) Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—The agreement has been sanctioned by the Competent
Authority, Bombay under No. AP III 37 (E) 113357/84
dated 19.4.1985A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition, P. 113357/84
1985Date: 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Ajay Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. G. Kulkarni & Ors

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay the 10th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Ref. No. AR III/37 EF/20741/84-85 —Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, first Fl. Rushabh Milon Plot S. No. 74, D. P. Rd. Mulund (E), Bombay-81 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Flat No. 3, first Fl. Rushabh Milon, Plot S. No. 74, CTS No. 564, D. P. Road, Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR III/37.EF/20741/84-85 dt. 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal

FORM ITNS—

(1) M/s. Ajay Builders,

(Transferor)

(2) Mr. A. P. Ramanathan

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37.LL/13347 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, first Fl. Rushabh Milan Plot S. No. 74, D. X Road, Mulund (E), Bombay-81 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 4, First Fl. Rushabh Milan Plot S. No. 74, D. P. X Road, Mulund (F), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37 EE/13347/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
102—96GGI/85

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37.FE/13565/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding Rs.
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 6, first Fl. Rushabh Darshan Plot S. No. 74, D. P.
Road, Mulund (E), Bombay-81,
situated at Bombay
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) M/s. Ajay Builders,

(Transferor)

(2) Mr. Dattatray J. Deorukhakar & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as gives in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, First Fl. Rushabh Darshan, S. No. 74, D. P.
Rd. Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.III/37.FE/13565/84-85
dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Bhupendra Shambhuram Thakker

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s B. P. Agarwalla & Sons. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/13444/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason
to believe that the immo-
vable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Unit No. 73, Raja Indl. Estate, Plot CTS No. 706, 701,
705, Nahur Village, Mulund, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transferred with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax
Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 73, Raja Indl. Estate Nahur Village, Mulund,
Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.III/37.EE/13444/84-85
dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Dated : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Star-Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Harsheda H. Vakil.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/20455/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 11 B/2 Gr. Fl., Kanjur Survey No. 275(P) CTS No. 657B, Near Bhandup Station (E), Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 11 B/2, Gr. Fl. Shyam Nagar, Kanjur Survey No. 275(p), Near Bhandup Station(E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37 EE/20455/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Dated : 10-5-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Star Builders.

(Transferor)

(2) Mr. M. P. Venugopal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/20454/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Flat No 207, 2nd Fl. Bldg. A-2/13, Near Bhandup Station (East), Bombay-78, situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 207, 2nd Fl. Bldg. No. A-2/13, Near Bhandup Station (East), Bombay-78.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37.EE/20454/84-85 dated 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Raja Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Geo Chem Laboratories (Rajkot) Pvt. Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III|37.EE|13393|84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. 81 Gr. Fl. Raja Indl. Estate, Purushotam Kheraj Rd.
SExtn. Nahur, Mulund(W), Bombay-80
and situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Unit No. 81, A Gr. Fl. Raja Indl. Estate, Purushotam
Kheraj Road Extn. Nahur, Mulund (W), Bombay-80.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.III|37.EE.13393|84-85
dated 1-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 10-5-1985
Seal &

FORM ITNS—

(1) M/s. Hiranandani Indl Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Jolly Plastics.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37.FE/13218/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 130, 1st Fl. Hiranandani Indl. Estate, Kanjur Marg, Bombay and situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 130, 1st Fl. Hiranandani Indl. Estate, Kanjur Marg, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37.FE/13218/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 10-5-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. P. N. Kothari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Biochem Pharmaceutical Ind.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. AR.III/37.EE/13389/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. P. N. Kothari Estate, S. No. 200 CTS No. 288, Agia
Road, Bombay 78 and situated at Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

P. N. Kothari Estate, S. No. 200 CTS No. 288, Unit 301
Agia Road, Bhandup, Bombay-78

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.III/37.EE/13389/84-85
dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 10-5-1985
Seal ;

FORM IIB

(1) Smt. Kalpana Chumilal Shah

(Transferor)

(2) Smt. P. S. Sheth

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III[37FE/2053/84-85] - Serial - 3,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 24, Gr. Fl, Raj Indl. Estate, Nahur Village, 400 (W), Bombay-80

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

103—96GT/85

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 24, Ground Fl, Indl. Estate, Nahur Village, Mumbai (W), Bombay-80

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III[37FE/2053/84-85] dated 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM IT.N.S.-----

(1) Bhandup Om-Shiva CHSL

(Transferor)

(2) Mr. P. M. Donere

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref No. AR III/37-F/13277/84-85—Vb — I,
A PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat in Bhandup Om Shiva CHSL Data Colony Period
(E), Bombay,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority at
Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 5 in Bhandup Om Shiva Co-op Hsg. Soc. Ltd.
Data Colony Bhandup (E), Bombay /b
The agreement has been registered by the Competent Authority
Bombay under No. AR III/37-F/13277/84-85 dated
1-9-1984

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been so
which ought to be disclosed by the transferor in
the particulars of the Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely :—

Date : 10-5-1985
Sd/-

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, B o

FORM ITNS- 1111

(1) M/s Star Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sand Namdeo Kataranaware

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
AGGARWAL HOUSEOFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
ACQUISITION RANGE III, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bombay the 10th May 1985

Ref. No. AR III/37EE/13594/84-85 —Whereas, I
A PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 313, 3rd floor Bldg. No. A-2/15, Near Bhandup Station, Bhandup (E), Bombay-78,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 313, 3rd floor Bldg. A-2/15, CTS No. 657-B Near Bhandup Station (E), Bombay-78

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR III/37EE/13594/84-85 dated 1-9-1984

A PRASAD
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM 113A -

(1) Shri J. Sumal Thakur

(Transferor)

(2) Mr. K. S. Joseph

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE III BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR III/37FI/13215/8485. Shri J. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shops No. 1 & 2 in Nalini Apartment, Sane Guruji Mubund (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 19/8/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 1 & 2 in Nalini Apartment, Sane Guruji Mubund (E)

The agreement has been recorded by the Competent Authority Bombay under No. AR III/37FI/13215/8485 dated 19/8/84

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range III Bombay

Date: 10/5/1985
Seal :

FORM IIS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/20385/84-85 —Whereas I, A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Clinic bearing No. 11, in Building Tower B to A, at Govardhan Nagar, Mulund (W), Bombay-80 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- | | |
|-----------------------------|--------------|
| (1) Shri Ram Builders | (Transferor) |
| (2) Shri Ram Vasan & Others | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Clinic bearing No. 11, in Building Tower B to A, at Govardhan Nagar, Mulund (W), Bombay-80

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/20385/84-85 dated 1-9-1984.

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS —————

(1) Mr. Rajaram R. Upadhyay

(Transferor)

(2) Mrs. Champa J. Kothari

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13658/84-85 —Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 6, in 'A' Bldg. of New Girish Apt. Co-op-Hsg-Soc-Ltd., Patil Lane, Chunabhatti, Bombay-22 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the registered officer at Bombay on 1-9-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6 in 'A' Bldg. of New Girish Apt., Co-op-Hs-Soc-Ltd., Patil Lane, Chunabhatti, Bombay-22

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/13658/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Phwar P. Mistry

(Transferor)

(2) Johns Corporation

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EF/20367/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 2, Rajendra Park, Bldg. No. 3, Station Road Goregaon (W), Bombay-62,

(and more fully described in the schedule annexed hereto has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Rajendra Park Bldg. No. 3, Annexe, Station Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EF/20367 dated 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Navratna Builders Pvt Ltd

(Transferor)

(2) Shri Pallapuram K Natarajan & Ors

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III BOMBAY

Bombay the 10th May 1985

Ref No AR III/37FI/20313 —Whereas, I,
A PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs 100 000/
and being No
premises on 1st floor Western Wing Basant Gardens Estates
Pvt Ltd, Sion Bombay Road Ghaur Road opp Union Bank
Chembur Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under Section 269B of the Income tax
Act 1961 in violation of the provisions of the said Act
at Bombay on 19/1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the expiry of notice on the respective persons,
whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- b) facilitating the concealment of any income or any
money or property which has not been or
shall not be included in the total income of the
transferor under the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Premises on 1st floor Western Wing Sub plot No 14/15 of
plot A of M/s Basant Gardens Estates Pvt Ltd in of Sion
Bombay Road & Ghaur Road Chembur Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority
at Bombay under No AR III/37FI/20313/84 dated 19/84

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely —

Date 10-5-1985
Seal

FORM ITNS

(1) Mrs. Sita B. Advani

(Transferor)

(2) Mrs. Jyoti P. Sidhwani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13578/84 85 —Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10/B/7, Navjivan Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Mahul Road Chembur Bombay-74.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

104—96 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10/B/7, Navjivan Co-op. Hsg. Sct. Ltd. Mahul Road, Chembur, Bombay-74.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/13578/84 Dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Indersingh Sethi.

(Transferor)

(2) Mrs. A. D. Singh & D. P. Singh

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.III/37EE/13411/84-85—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A3/1, Shivnath Co-op-Hsg-Soc., Piramal Nagar, Goregaon (W), S. V. Road, Bombay 62 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

- (b) facilitating the concealment of any income or any property which has not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A3/1, Shivnath Co-op-Hsg-Soc., Piramal Nagar, S. V. Road Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.III/37EE/13411/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Meeta Food Products

(Transferor)

(2) Mr. S. N. Patel

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref No AR III/37E/13327/84 85 —Whereas, I, A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No Gala No 16/A Kiran Ind Estate, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay 62 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No 16/A Kiran Ind. Estate, M. G. Road, Goregaon (W), Bombay 62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay No. AR III/37E/13327/84 85 dated 1-9-1984

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM NO. ITNS—

(1) Mr. Raman

(Transferor)

(2) Mr. V. K. S. Nair

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/20497/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
Flat No. 16, Bldg. No. L-5, Laxmi Ramana Co-op-Hsg-Soc-
Ltd. Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under Section 269AB of the Income-tax
Act, 1961 in the office of the Registering Officer
at Bombay on 1-9-1984.
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, Bldg. No. L-5, Laxmi Ramana Co-op-Hsg-Soc-
Ltd., Bangur Nagar, Goregaon (W), Bombay-90.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/20497/84-85 dated
1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Gobindram H. Chulan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Peter A. Mathias and
Mrs. Lourdes P. Mathias.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13595/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 403, 'C' Wing, 4th Floor, Atlanta, Malad-Marve Rd. Malad (W), Bombay-400 064. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay 1-9-1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 'C' Wing, 4th Floor, Atlanta, Malad-Marve Road, Malad (W), Bombay-400 064.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/13595/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13499/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 1, Laxminarayan Shopping Centre, Jn. of S. V. Road & Sainath Road, Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Pravinchandra Khimji Gala and Smt. Hemlata P. Gala (Transferor)
- (2) Mr. Gulabchand M. Shah and R. B. Dedhia, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Laxminarayan Shopping Centre, Jn. of S. V. Road and Sainath Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/13499/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Continental Corporation.

(Transferor)

Robert Felix Muldonee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.II|37EE|13592|84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/-
and bearingFlat No. 6, 2nd floor, Akash Building, Sai Baba Park, Mith
Chowk, Ma'ad (W), Bombay-400 064.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908, (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bombay on 1-9-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Flat No. 6, 2nd floor, Akash Building, Sai Baba Park, Mith
Chowk, Ma'ad (W), Bombay-400 064.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|13592|84-85 dated
1-9-1984.A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Dated : 10-5-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) P. N. Shenoy,

(Transferor)

(2) Laxmi Gangaram Sonaji.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13514/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 401, 4th Floor, Jasmine Apartments, 21-22 Mith-chowky, Malad (W), Bombay-400 064. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th Floor, Jasmine Apartments, Mithchowky, Malad (W), Bombay-400 064.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/13514/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 10-5-1985
Seal:

FORM TINS

(1) Mrs. Roshna Raikumar Vasandani

(Enrolment No.)

(2) Mr. Arun Kumar Ramsharan Madaani

(Enrolment No.)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR/III/37FL/13752/84-85 --Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. C/6, Haridwar-1, Plot No. 18, 19, 20-A Village Valnai-Off Marve Road, Malad (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

105—96GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C/6, Haridwar-1, Plot No. 18, 19, 20-A Village Valnai-Off Marve Road, Malad (W), Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR/III/37FL/13752/84-85 on 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 10-5-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Pashubhai Khimji.

(Transferor)

(2) Mr. M. L. Thaper, R. Lalchand Thaper and Lalchand D. Thaper.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13348/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 2, Mahavir, Plot No. 14, City S. No. 5 (Part), Valnai village, Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Mahavir, Plot No. 14, City S. No. 5 Valnai Village, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/13348/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated : 10-5-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Nana Patil.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13679/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.Flat No. 10, Shiv Kirti C.H.S. Ltd. "B" Bldg. S. No. 397
Chincholi Bunder Rd. Malad (W), Bombay-64,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-9-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the said Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Shiv Kirti C.H.S. Ltd. "B" Bldg. S. No. 397,
Chincholi Bunder Rd. Malad (W), Bombay-64,

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13679/84-85
dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated : 10-5-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Bhaskar Bhargav Vichare.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

No. AR.III/37EE/13676/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Flat No. 11, Shiv Kirti C.H.S. Ltd. Bldg. No. 1-W-A,
S No. 397, Chincholi Bunder Road, Malad (W), Bombay-64
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority
Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Flat No. 11, Shiv Kirti C.H.S. Ltd. Bldg. No. 1-Wing A,
Survey No. 397, Chincholi Bunder Road, Malad (W),
Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13676/83-84,
dated 1-9-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Bombay

10 5 1985
Seal :

FORM IINS

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt Ltd

(Transferor)

(2) Mr. Sudhu K. Mithabarkar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR III/37E/13678/84-85 —Whereas, J. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and being No. Flat No. 4, Shiv Kirti C. H. S. Ltd Bldg. No. 4, Wing B, S. No. 397, Chincholi Bunder Road, Malad (W) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the transfer is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as also effect of the purchase consideration therefor by more than fifteen per cent on such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

SCHEDULE

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Shiv Kirti C. H. S. Ltd Bldg. No. 4, Wing B, S. No. 397, Chincholi Bunder Road, Malad (W) Bombay 64
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR III/37E/13678/84-85 dated 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date - 10-5-1985

Seal.

FORM ITNS-----

(1) M/s. Hemal Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. Poornima Mohandas Shenoy.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13224/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000 and bearing
No. Flat No. 30, 2nd floor, Hemal Apartment, M.L.A.
Village, Malad (W), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property so
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration is stated to be paid to be-
tween the parties has not been fully stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 30, 2nd floor, Hemal Apartment plot bearing CS
No. 19, 41, Nos. 85/5, 96/1, Village Malwani, Malad (W),
Bombay.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13224/83-84,
dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM IT NS

(1) M/s Madhu L Sweta & Ors

(Transferor)

(2) M/s K. L. G. Advani

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE III,
BOMBAY

Bombay the 10th April 1985

Ref No AR III/37EE/2034/84-85 — Whereby, A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100,000/ and bearing No Flat No B/13, 1st floor Bldg Nalanda-II Village Valnai, Off Marine Road Malad (W) Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement of sale entered into under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and for this reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is less than the tax payable by the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Rs 100,000/ and bearing No

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No B/13, 1st floor Bldg Nalanda-II Village Valnai Off Marine Road Near Evershine Nagar Malad (W), Bombay 64

The document has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No AR III/37EE/2034/83-84, dated 1-9-1984

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Bombay

10/5/1985
Seal

FORM ITNS

(1) Shri Jayesh K. Kothari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Francis D'Souza & Ors

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay the 10th May 1985

Ref No AR III/37EE/13551/84 85 -Whereas, I
A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. B-403 Rajendra Vihar Evershine Nagar, Linking Road Off Marine Road Malad (W), Bombay 64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19.9.1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-403, Rajendra Vihar Evershine Nagar Linking Road Off Marine Road Malad (W) Bombay 64

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide Ref No. AR III/37EE/13551/84 85 dated 19.9.1984.

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Bombay

Date 10.5.1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Dattaram G. Gawde

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37FF/13202/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 304, 3rd fl. Ajit Park-B, Somwar Bazar Rd. Malad(W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

106—96GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd fl. Ajit Park-B, Somwar Bazar Rd. Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37FF/13202/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,**ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th April 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13203/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 003, Gr. II, Ajit Park-B, Somwar Bazar Rd. Malad(W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|---------------------------------|--------------|
| (1) Deshmukh Builders Pvt. Ltd. | (Transferor) |
| (2) Shri Ganesh Dhondu Desai | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 003, Gr. II, Ajit Park-B, Somwar Bazar Rd. Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13203/83-84 dated 1-9-1984.

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Ramniklal Mulchand Nagichu (Transferor)
 (2) M/s Siddhivinayak Milk Suppliers. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III/37EE/13182/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 6, Laxminarayan Shopping Centre, Poddar Road, Malad(E), Bombay-97, has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Laxminarayan Shopping Centre, Poddar Road, Malad(E), Bombay-97.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13182/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III,
 Bombay

Date 10-5-1985
 Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shree Ram Construction Pvt. Ltd. (Transferor)
 (2) Mr. Mohan Subbaya Shetty (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
 BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13307/84-85.—Whereas, I,
 A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
 able property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing
 Shop No. 25, Gr. Fl. Shri Ram Towers, Tank Lane, Near
 Orlem Church, Off. Marve Rd. Malad(W), Bombay-64,
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
 of the Competent Authority,
 Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason
 to believe that the fair market value of the property as afore-
 said exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
 (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
 tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 the service of notice on the respective persons,
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
 able property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 25, Gr. Fl. Shri Ram Towers, Tank Lane, Near
 Orlem Church, Off. Marve Rd. Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent
 Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13307/83-84
 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III,
 Bombay

Date : 10-5-1985
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shree Ram Construction Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. P. M. Shetty

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III.
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13308/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. C-2, 1st fl. "Shriram Towers" Tank Lane, Near
Orlem Church, Off Marve Road, Malad(W), Bombay-64.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority.
Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Flat No. C-2, 1st fl. "Shriram Towers" Tank Lane, Near
Orlem Church, Off Marve Road, Malad(W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13308/84-85
dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt Sushila P Pandit

(Transferor)

(2) Shri Pyarali R. Gilani

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Ref No AR III/37EE/13492.—Whereas, I, A PRASAD, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No C-6, Hira Kutu CHS. Shivaji Nagar, Daftary Rd Malad (E), Bombay-97. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No C-6, Hira Kutu Co-op Hsg. Soc. Ltd. Shivaji Nagar Daftary Road Malad (E), Bombay 97.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR III/37EE/13492/84-85 dated 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Hemal Enterprises

(Transferor)

(2) Mr. Abichandani Dhalumal Bachomal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13221/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 17, 1st floor Hemal Apartments, Plot No. 19, 41 Village Malwani, Malad (W), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, 1st floor Hemal Apartment Plot No. 19, 41, Village Malwani, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13221/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 10-5-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Hemal Enterprises

(Transferor)

(2) Mr. Shiva S. Sharma

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13223/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearingFlat No. 48, 3rd floor Hemal Apartment, Malawani, Malad
(W), Bombay,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 48, 3rd floor Hemal Apartment plot No. CS No.
19 41 Nos. 85/5, 96/1, Village Malwani, Malad (W), BombayThe agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13223/84-85
dated 1-9-1984.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III BombayDate : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs Ingrid Philomena Fernandes & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official GazetteEXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. AR.III/37EE/13235/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-
red to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 601, 6th floor "Atlanta", E Wing Plot No. 38, Off
Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration to such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat No 601, 6th floor "Atlanta", "E" Wing Plot No. 38,
Off Valnai Village, Marve Road, (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Au-
thority Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13235/84-85 dt.
1-9-1985.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons
namely :—

107—96GI/85

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Bombay

Date : 10-5-1985
Seal ;

FORM ITNS ———

(1) M/s R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Neera Poran Chand Bali

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Bombay, the 10th May 1985

Bombay, the 10th May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days, from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.Ref. No. AR.III[37EE]13345[84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 602, 'F' Wing "Atlantis", Plot No. 38 Off Valnai
Village Marve Road, Malad (W), Bombay-64,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 602, 'F' Wing "Atlantis" Plot No. 38, Off Valnai
Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Au-
thority, Bombay vide serial No. AR III[37EE]13345[84-85 dt.
1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Bom

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said
Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III|37EE|13220|84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 45, 3rd floor Hemal Apartments, CS. No. 19, 41, Village Malwani, Malad (W), Bombay,

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Hemal Enterprises

(Transferor)

(2) Mr. Patil R.Mohan & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 45, 3rd floor Hemal Apartment, Plot No. 19, 41, Village Malwani, Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III|37EE|13220|84-85 dt. 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri M. Ramkumar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—COMMISSIONER OF INCOME-TAX
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III[37EE|13344|84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 201, 2nd floor, "Atlanta" 'E' Wing Plot No. 38, Off
Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor "Atlanta" 'E' Wing Plot No. 38,
Off Valnai Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.
The agreement has been registered with the Competent Au-
thority, Bombay vide serial No. AR.III[37EE|13344|84-85 dt.
1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Shangrila Const. Co.

(Transferor)

(2) Mr. Francis Piadade 'D' Zouza

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/20353/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, 1st floor plot No. 6, Samarat of Jan Kalyan Nagar Malad, Bombay-68. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor plot No. 6, Bldg. known Samarat of Jan Kalyan Nagar, Malad, Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/20353/84-85 dt. 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s R. G. Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Master Jayesh Gupta (Minor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13234/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 102, 1st floor A Wing "Atlanta" Marve Road Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor "A" Wing "Atlanta" Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13234/84-85 dt. 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Bombay.

Date : 10-5-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Evershin Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt Pushpadevi Bhola Nath Master.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13381/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. H/3-A, 1st floor Haridwar-I Plot No. 18-19 20-A, Off Village Valnai, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. H/3-A, 1st floor Haridwar-I Plot No. 18-19-20A Village Valnai, Malad West, Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13281/84-85 dt. 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Bombay.

Date : 10-5-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) Shree Sai Baba Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. Hemant Padmanabh Puthran

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13680/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shiv Kirti C.H.S. Ltd. Bldg. No. 1-W-A S. No. 397 Chincholi Bunder Road Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shri Kirti C.H.S.T. Bldg. No. 1-W-A S. No. 397 Chincholi Bunder Road Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13680/84-85 dt. 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Hemal Enterprises

(Transferor)

(2) Mr. Devender Kumar Kauria

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref No. AR.III/371 F-13226/84-85—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Flat No. 47, 3rd floor Hemal Apartment, Malwani Malad (W), Bombay, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19.1.1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 47, 3rd floor Hemal Apartment Village Malwani Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/371 F-13226/84-85 dt 19.1.1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

10/1-10/1

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shree Sai Baba Builders P. Ltd

(Transferor)

(2) Mr. Ashok M. Kelkar,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37 FF/13681/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shiv Kirti CHS Ltd., Bldg. No. 1-W-A, Survey No. 397,
Chincholi Bunder Rd. Malad (W), Bombay-64. (Flat No.
14)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the
Competent Authority at
Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, Shiv Kirti CHS. Ltd. Bldg. No. 1-W-A
Survey No. 397, Chincholi Bunder Rd. Malad (W), Bombay-
64.

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37 FF/13681/84-85
dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shree Sai Baba Builders P. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Vinayak R. Shingupur

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR III/37 J F 13674/84-85. -Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and being

Flat No. 11, Shiv Kirti CHS Ltd Bldg No 1-Wing "B", S. No. 397 Chincholi Bunder Rd. Malad (W), Bombay-64. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of. —

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 11, Shiv Kirti CHS Ltd Bldg No 1, Wing 'B' S. No. 397, Chincholi Bunder Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR III/37 J F 13674/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Bombay

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons namely

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shree Sai Baba Builders P Ltd

(Transferor)

(2) Mr. R. B. Yadav & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III[37.EE]13675[84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
Flat No. 4, Bldg. No. 1-Wing-A, Shiv Kirti C.H.S., T
Chincholi
Bunder Rd. Malad (W), Bombay-64,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the
Competent Authority at
Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 4, Bldg. No. 1, Wing A Shiv Kirti C.H.S. Ltd,
Chincholi Bunder Rd. Malad (W) Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent
Authority Bombay vide serial No. AR.III[37.EE]13675[84-85
85 dated 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269(D) of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 10-5-1985

Seal :

FORM ITN—

(1) Shree Sai Baba Builders P. Ltd

(Transferor)

(2) Mrs. V. V. Bahsi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37,FE/13677/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing Flat No. 16, Shiv Kirti C.I.S. Ltd. Bldg. No. 1 Wing A, S. No. 397, Chincholi Bunder Rd. Malad (W), Bombay-64, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, Shiv Kirti C.I.S. Ltd. Bldg. No. 1-Wing A S. No. 397, Chincholi Bunder Rd. Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-FE/13677/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM TINS—

(1) M/s. R. G. Builders P. Ltd.,

(Transferor)

(2) Miss Bharti Moorjani

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY**

Bombay, the 10th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III/37.EE/13236/84-85.—Whereas, I A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 701, 7th fl. "Atlanta" 'E' Wing plot No. 38, Off Valnaj Village, Marve Rd, Malad (W), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

THE SCHEDULE

Flat No. 701, 7th fl. "Atlanta" 'E' Wing Plot No. 38, Off Valnaj Village, Marve Road, Malad (W), Bombay-64.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37.EE/13236/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Pankaj Champaklal Choksi,

(Transferor)

(2) Shri Virendra Kumar Babulal Jain &
Nilesh Virendra Kumar Jain

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons, whichever period expires later.(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.Ret. No. AR.III/37.EE/20531/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section

269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Shed No. 140, Paras Industrial Estate, Ramchandia Lane
(Etn), Malad (W), situated at Bombay-400 064
(and more fully described in the schedule below)
has been transferred and the agreement is registered under
Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the
Competent Authority
at Bombay on 19-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Shed No. 140, Paras Industrial Estate, Ramchandia Lane
(Etn), Malad (W) Bombay-400 064.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.III/37.EE/20531/84-85 dt.
1-9-1984.A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri P. M. Shenoy

(Transferor)

(2) 1. Shri Suresh Balkram Patil,
Shri R. M. Patil

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37.FE/13513/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act) have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearingFlat No. 01, Ground Floor, Jasmine Apartments 21-22
Mithchowk, Malad (W), situated at Bombay-400 064,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office
of the Competent Authority at
Bombay on 1-9-1984for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 01, Ground Floor, Jasmine Apartment 21-22
Mithchowk, Malad (W), Bombay 400 064.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.III/37.FE/13513/84-85 dt.
1-9-1984.A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—Date : 10-5-1985
Sd :

FORM ITNS—

(1) Priyavadan Mehta.

(Transferor)

2) M/s. Anita Enterprises

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR III/37 FE/20433/84-85 —Whereas, I.

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing Plot No. E/10 S. No. 26 Hissa No. 1 CTS No. 307/16 Village Valnai Malad (W), situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. E/10 S. No. 26 Hissa No. 1 CTS 307/16 Village Valnai Malad (W), Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR III/37 FE/20433/84 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

109—96CH/85

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Jayshree P. Mehta.

(Transferor)

(2) M/s. Anita Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/20432/84.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. E/11 Survey No. 26 Hissa No. 1 CTS. No. 307/16 Village Valnai Malad (W), situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. E/11 Survey No. 26 Hissa No. 1 CTS 307/16 Village Valnai Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37.EE/20432/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/20528/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Plot No. 12 Janaklyan Nagar Village Malwani Malad (W) Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been duly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. Meenal Enterprises.

(Transferor)

(2) Apana Development Society.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12 Janakalyan Nagar Village Malwani Malad (W) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37.EE/20528/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM IINS

(1) M/s. Devesh Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Mrs. M. M. Chedda &
Shri M. M. Chedda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III.
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.Ref. No. AR.III/37.EE/20519/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 2, 1st floor, Devesh Apt. 1, Plot No. 51 and survey
No. 6, at Mouje Wadhwan Turfe Malad, Malad, Bombay,
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office
of the Competent Authority at
Bombay on 1-9-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, Devesh Apt. No. 1 Plot No. 51 &
Survey No. 6, at Mouje Wadhwan Turfe Malad, Malad,
Bombay.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.III/37.FE/20519/84-85 dated
1-9-1984.A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—Date : 10-5-1985
Seal :

FORM NO. LT.N.S.———

(1) Shri S. B. Jain

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. La Builder Construction

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37.EE/20346/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot of land bearing old survey No. 177, Hissa No. 2 & C.T.S. No. 166, at Manchubhai Road, Malad (E) Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said treatment of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of Land Building old survey No. 177 Hissa No. 2 C.T.S. No. 166, at Manchubhai Road, Malad (E) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37.EE/20346/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Pramillaben Narayan V. Mehta

(Transferor)

(2) Karthiayani Paman Pilaj.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13529/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 1, Coras wadi, C.B. Road, Malad (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 1, Coras Wadi, C.B. Road, Malad (W), Bombay.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/13529/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Kiran A. Zaveri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13362/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 612 6th floor, Sukh Sagar Society, Pushpa Park Daftary Road, Malad (E), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (2) Smt. Bababai Pandit Kale and others.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 612 6th floor, Sukh Sagar society, Pushpa Park Daftary Road, Malad (E) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/13362/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated: 10-5-1985
Seal:

FORM ITNS—

(1) Mr. R. D. Indulkar & others.

(Transferor)

(2) M/s. C. K. Builders.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37E/1356/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Piece or parcel of and being Plot No. 15, at Village Kurar,
Malad (E) situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration herefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing Plot No. 15, at Village Kurar,
Malad (E).

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.III/37E/1356/84-85 dated
1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated : 10-5-1985
Seal

FORM ITNS—

(1) Nahar Builders (India)

(Transferor)

(2) Subhash Bhagubhai Damania & Mrs. Manjari S. Damania.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 10th May 1985

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. AR.III|37EE|13413|84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.
Flat No. 304, 3rd Floor, Neelgiri Apartments, 'A' Wing, Opp.
Shanti Nagar, Near Milap Theatre, S. V. Road, Malad (W),
Bombay-64.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd Floor, Neelgiri Apartments, 'A' Wing, Opp.
Shanti Nagar, Near Milap Theatre, S. V. Road, Malad (W),
Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|13413|84-85 dated
1-9-1984

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferees for
the purposes of the Indian Income-tax Act 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

110—96G1/85

Dated : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Sanghvi Cons. Co.

(Transferor)

(2) M. U. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

R.f. No. AR.III/37EE/13432/84-85 —Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding Rs.
1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 604, 6th floor, Shree Ram Apts, Plot No. 446, C
Wing, S. V. Road, Near Milap Cinema, Malad (W), Bombay-
64,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is entered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 604, 6th floor, Shree Ram Apts, Plot No. 446, C
Wing, S. V. Road, Near Milap Cinema, Malad (W), Bombay-
64

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/13432/84-85 dated
1-9-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Dated : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Menal Enterprises,

(Transferor)

(2) Apna Development Society.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/20529/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 9, Jankalyan Nagar Scheme, Village Ma'wani, Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 9, Jankalyan Nagar Scheme, Village Ma'wani, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/20529/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Not, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Shangrila Const. Co

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Meenal Enterprises

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/20530/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 9, 11 and 12 Janakalyan Nagar, Village Malwani Malad (W) Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 9, 11 and 12 Janakalyan Nagar, Village Malwani Malad (W) Bombay.

The agreement has been recorded by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/20530/84-85 dated 1-9-1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.Dated : 10-5-1985
Sd/-

FORM ITNS

(1) Sh. M. M. Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Parul Enterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III/37EE/13522/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing
Flat No. 1, 9th floor D Wing Bldg. (No. 6, Damodar Park,
L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of
the Competent Authority
at Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein an-
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1, 9th floor D Wing Bldg. No. 6, Damodar Park,
L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37EE/13522/84-85
dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Dated : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Miss Kanthi Panchapakesan.

(Transferor)

(2) Parul Enterprise.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR,III[37EE]20310[84 85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4, 2nd floor Wing A Bldg. No. 3, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 4, 2nd floor A-Wing, Bldg. No. 3, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been entered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR,III[37EE]20310[84-85 dated 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

(1) Mehta Associates.

(Transferor)

(2) Parul Enterprise.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13618/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing

Flat No. 2, 5th floor 'D' Wing Bldg. No. 6, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 5th floor "D" Wing Bldg. No. 6, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR.III/37-EE/13618/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Dated : 10-5-1985
Seal :

FORM LT.N.S.—

(1) Mehta Associates.

(Transferor)

(2) Parul Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR.II[37EE]13527/84 85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, 5th floor Wing D, Bldg. No. 6, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay 86, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 5th floor, Wing D Bldg. No. 6, Damodar Park, L.B.S. Marg, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been entered by the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.II[37EE]13527/84-85 dated 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Star Builders,

(Transferor)

(2) Mr. Manmohan Gupta & Lalit M. Gupta

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE III
BOMBAY

Bombay the 10th May 1985

Ref. No. AR/III/37EE/20537/84-85—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 100,000/- and bearing
Flat No. 102, 102 1st floor, Sa Bina Apartment, Plot Nos.
7 & 8, Asalpha Village, Near Home Guard Pavilion, Ghat-
kopar West, Bombay-84
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the instrument is registered under
Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the
Competent Authority
at Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent on such apparent consideration and that the
consideration for such transfer is agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.---

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION ---The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102 on 1st floor, Sa Bina Apartments, Plot No. 7
& 8, Asalpha Village, Near Home Guard Pavilion, Ghatkopar
West, Bombay-84

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR/III/37EE/20537/84-85 dated
1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely:—

111-96GI/85

Dated 10-5-1985

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri T. P. G. Nair.

(Transferor)

(2) Mr Ajoy Ashish Chowdhury.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
Bombay, the 10th May 1985ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Ref. No. AR.III/371E/20532/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat in B-1 building, Himalaya Parvatiya CHSL, Govind Nagar, Atalphe, Ghalkopur West, Bombay-84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in B-1 Building, Himalaya Parvatiya Co-operative Housing Society Ltd., Govind Nagar, Atalphe, Ghalkopur West, Bombay-84.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.III/371E/20532/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13502/84-85 —Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Flat No. 3, Gr. floor, Mahendra Villa CHSI, Plot No. 105, 30 Feet Road, of Tilak Road, Ghatkopar East, Bombay-77 situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of Transfer with the object of :—

- (1) Smt. Pushpa Narottam Godalia & Shri Narottam Haridas Godalia. (Transferor)
- (2) Smt. Radhaben Gopaldas Majithia. Smt. Pravinaben Ashokkumar Majithia. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 3, Ground floor, Mahendra Villa Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 105, 30 ft. Road of Tilak Road, Ghatkopar East, Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/13502/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
112—96 GI/85

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Ravi Sugand Chand Gupta.

(Transferor)

(2) Shri Patel Devegibhai Dahyabhai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37-I/20311/84-85.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Room No. 1383, Building No. 47, 'Suprabhat' Co-operative Housing Society Ltd., Pant Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-75 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Room No. 1383, Building No. 47, 'Suprabhat' Co-operative Housing Society Ltd., Pant Nagar, Ghatkopar East, Bombay-75.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37IF/20311/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/13484/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot Nos. B-9 & B-11, in CTS Nos. 310, 304, 306 situate in Village Asalfa, Bombay-84, adm. 1739 sq. yards. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mr. Yogendra Amratlal Desai. (Transferor)
(2) Mr. R. Mahadevan & Smt. Premila N. Shah. (Transferee)
(3) Transferee (Person in occupation of the property)
(4) Transferor. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Nos. B-9 & B-11 in CTS Nos. 310, 304, 306 situate in Village Asalfa, Bombay-400084, admeasuring 1739 sq. yds. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/13484/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR-III/37FF/20524/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot of land about 1368 sq. mts. at Koly-Kalyan, Vakola, Santacruz (West), bearing S. No. 428, H. No. 7, CTS No. 27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Trustee of S. B. Nahar Family Trust
(Transferor)
- (2) M/s. Nahar Builders.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land about 1368 sq mts. at Koly Kalyan, Vakola, Santacruz (East), bearing S. No. 428, H. No. 7, CTS No. 27.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37-EE/20524/84-85 dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. M. Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Rameshchandra Mehta & Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Rif. No. AR. III/37EE/13312/84-85.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding Rs.
1,00,000/- and bearing
Shop No. 4, Ground floor, Swastic Chambers, Pipe Road,
Kurla (W), Bombay-400070
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Ground floor, Swastic Chambers, Pipe Road,
Kurla (West), Bombay-400070.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/13312/84-85
dated 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM I.T.N.S. -- -- --

(1) Pankaj Kishore,

(Transferor)

(2) Shri Ashok C. Sharma,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACT,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

R. f. No. AR III/7EE/13524/84-85 —Whereas I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearingFlat No. 2, 9th floor Wing C, Bldg. No. 6, Damodar Park,
L.B.S. Marg, Ghankopar (W), Bombay-86(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 59AP of the Income-tax Act 1961 in the office of
the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifty per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
which period shall expire later;(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the tax
of the transferor to pay tax under the said Act or
to pay any income arising from the transfer
and or

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 9th floor Wing C, Building No. 6, Damodar
Park, L.B.S. Marg, Ghankopar (W), Bombay-86.The agreement has been registered with the Competent
Authority at Bombay under serial No. AR. III/7EE/13524/
84-85 dated 1-9-1984.(b) facilitating the concealment of any income or
moneys or other assets which have not been
disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957
(27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
said property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
BombayDate : 10-5-1985
Seal :

FORM TNS -- --

(1) Smt. Veena T. Punjabi,

(Transferor)

(2) Smt. S. N. Raghav

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.---

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANG-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR III/37EE/20396/84-85—Whereas, I, A. PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. A/8, Bldg. No. 9, Swami Lila Shah Society, Singhami Estate, Ghatkopar, Bombay-86

as more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement registered in the Section 26A of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, Bombay on 1-9-1984.

On apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as ascertained exceeds the apparent consideration offered by the transferee by more than ten per cent of such apparent consideration and as the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 40 days from the service of notice on the transferee, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) in leaving the concealment of any income or any other assets which have not been disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

Flat No. A/8, Building No. 9, Swami Lila Shah Society Singhami Estate, Ghatkopar (W), Bombay-86

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR III/37EE/20396/84-85 on 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rang-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under the section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date 10-5-1985
Seal .

FORM ITNS—

(1) M/s. M. Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Mansukh Narshi Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR, III/37EE/20330/84-85—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 14, Ground floor, Swastik Chambers, Kurla, Bombay-70 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat No. 14, Ground floor, Swastik Chambers, Kurla,
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/20330/84-85, dt. 1-9-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR. III/37-EE/13186/84-85.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 10, 5th floor, Morar Baug, Plot No. 203/4, R. B. Mehta Marg, Ghatkopar East, Bombay-77

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M s. Mayuri Builders.

(Transferor)

- (2) Mr. Maheshkumar Babulal Shah &
Mrs. Shakuntala M. Shah.

(Transferee)

- (3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, 5th floor, Morar Baug, Plot No. 203/4, R.B. Mehta Marg, Ghatkopar East, Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III/37-EE/13186/84-85 dated 1-9-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :

NOTICE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE III
BOMBAY

Bombay, the 10th May, 1985

Ref. No. AR III/37EL/20305/84-85 - Whereas, I
A PRASAD,
being the Competent Authority under section 269B of
the Income tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred
to as the said Act) have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 3, 2nd floor, Holy View Koliwari Village Road,
Kalina, Santacruz East, Bombay 29
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the grant of the said property and
Section 269AB of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) of
the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent or such apparent consideration
and that the consideration for such transfer is subject to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been for
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Samceel Builders & Developers

(2) Mrs. Ida Rocha

(2) Mrs. Ida Rocha

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to be understood —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette of India or within 15
days from the date of service of notice on the person concerned,
whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the aforesaid im-
movable property within 15 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION --The terms and expressions used in this
notice are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the meaning assigned to them
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 2nd floor, Koliwari Village Road, Kalina,
Santacruz (East), Bombay

The agreement has been registered with the Competent
Authority, Bombay under No. AR III/37EL/20305/84-85 dt
1-9-1984.

A PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 10-5-1985
Seal :

FORM 11N-1

(1) Durgam, Gudam, Lothkar & Others.

(Transferor)

(2) A.R. Dangat & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Dated, the 10th May 1985

AR III/37EE/000131/84-85.—Whereas, I, the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- situated at Village Mudh, Taluka Andheri, S. No. 78(P) and C.S. No. 1081(b) and mentioned in the Schedule annexed hereto, has been transferred in the name of the Registering Officer, Taluka Andheri, and the agreement is registered under C.S. No. 1081(b) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-9-1984, for a consideration which is less than the fair market value of the said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as ascertained by the apparent consideration therefor by more than ten per cent of such apparent consideration and that the transaction of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or capital or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax Act, 1922 or of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 or of 1957.

The said forms in pursuance of Section 269C of the said Act, are hereby issued for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons:—

Sections, if any, to the acquisition of the said property made in violation of the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the receipt of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given therein.

THE SCHEDULE

Agriculture Land, at Village Mudh, Taluka Andheri, S. No. 78(P) and C.S. No. 1081(b).

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR III/37EE/000131/84-85 dt. 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date: 10-5-1985
Seal:

FORM ITNS-

(1) Indrani Malik & Others.

(Transferor)

(2) Elizabeth Ezra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
BOMBAY

Bombay, the 10th May 1985

Ref. No. AR.III/37EE/20484/84-85.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Property bearing C.T.S. No. 10/B/12, Mankhurd Division, Bombay-88, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 29AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing C.T.S. No. 10/B/12, Mankhurd Division, Bombay-88.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under No. AR.III/37EE/20484/84-85 dt. 1-9-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 10-5-1985
Seal :